Contents

10

22

130

135

138

168

र्गे:ग्रेंब'य'र्नर'क्र्य'यर्ह्यम'या

₹য়.য়ৢ৾৾য়

15. বশু:প্রীশবক্তব্যা

ईं हे तकर बुर या

18.

17. शुक्र प्रविते म्ला अति स्वाप्तर्चे म्

ম'মাৰি'ট্ৰীব'হ্ৰমমা

1.

2.

3.	ड न'नर्हेंन	27
4.	क्रिवाब:चर्दुव:वार्बेज:बर्देचबा	37
5.	श्च [,] याबुद्यःयार्बेलः तदेनमा	41
6.	বস:ক্রদ্-থেয়'রীঝা	43
7.	<i>ପକ୍ଷ</i> ୟ :ୱିଷ୍ଟ :ଦଶ୍ୱିପ	60
8.	<u> શ</u> ૈબ.પ્રી વ .શ્રુૈ <i>ય</i> .તીજા	73
9.	र्केषःऋु'गुव'प≡८'	75
10.	चव्यायह्व :ध्वा:अर्केंद्रा	78
11.	क्च य .टीचा.प्रकूता.चानुब्रा	104
12.	र्वोद:अ:इअ:माशुअ:ऋु:पर्वेदा	110
13.	नुषा सञ्जित पर्सेन् पा	116
14.	भ्री, नर्षेत्, य.पूर्यं, यर्था में या	122

	a.	শ্ভুবন্য-নামন্	168
	b.	జ్ రాషేర్చాడి	169
	c.	ౘ ఀਗ਼ੑੑੑਸ਼੶ਜ਼ੵਫ਼ੑ੶ਸ਼ੑਸ਼ੵੑੑੑੑੑੑੑੑੑੑ੶ਜ਼ੑਫ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑਗ਼ੑਸ਼੶ਜ਼ੑਸ਼ਗ਼ੑਸ਼	169
	d.	<u> </u>	172
	e.	ଅଞ୍ଚିଜ.୯ସିଜ.ଯା	177
	f.	<u> </u>	186
	g.	धेव च्च	186
	h.	हेव र दर्श या की खेड़ में दर्श	187
19.		ক্টুব'ক্তবাৰ্যবাৰ্থপ্ৰ'ম'স্ক্ৰীবাৰ্য'মন্থূৰা	188
	a.	५ र्गेव् अर्केण गशुअ।	188
	b.	क्रुव:ळ्पाब:५८:दी	195
	c.	क्चैत्र.क्याबायावेष्ट्रबाया	199
	d.	क्रैय.क्रवाबावाबीशाचा	201
	e.	५ र्गेव् अर्ळेग हेश ५५१	209
	f.	वेष:रप:ब्रेट:र्ये	214
	g.	£4.444	222
	h.	⋛∾'ग्रे''স্'ব	231
20.		५ र्गेव् अर्केण हेश ५५१	239
21.		વાલું.વાશુસ:ગ્રું.કૃવાશ:ૹૈવા:લેન્:સર્વિ	256
	a.	ग ^{र्} श्रुंह्	256

	b.	<u> </u>	266
	c.	<u> </u>	268
22.		ळच पॉर्ने न्	272
23.		<u> ५५२ ज्वन्याम्ब</u> ्र्स्	306
	a.	प्रत्याब: नर्बेंदी	306
	b.	सुल-मर्सून्	329
	c.	ঘার্ষ্য মেইবন্ধা	340
	d.	र्ड्स प्यासुस्र	348
	e.	ञ्जन या तुर्या	402
	f.	विनयः नह्न	404
24.		হ্রিম.খ্রপ্রথ.য়ুঁব্,দালা	414
25.		भ्रु'गशु८: द्युगब हेव 'दर्गुत्य'ळेच	416
26.		यह्रव प्रविवाय प्रदूषाया	419
27.		र्क्केथ'अ'वेर'मठेम'मे पर्केर'म	422
	a.	र्थें त'श्राधी'म्बिष	422
	b.	र्क्केथ'अ'हेर'म्डेम'श'नर्स्हेर्'य	425
	c.	यत पॅवा	432
28.		र्बे्रिय:नग्गर:पर्देंन्:या	435
29.		ર્ક્કે્પ:અદ્યું:અહ્યું:અ	440
	a.	शुद्र-रूषःम्बिम्बःग्रीषःग्रीःम्बुट्बा	440

	b.	ब्यट्य.मुब्य.मुब्य.पाशुट्या	445
	c.	क्रूयः मुत्रः विः ख्रॅटः चीयः चार्युट्या	447
30.		নার্ম্ব-নার্বিব-শ্বীনমা-শ্বীনামা	452
31.		ळें यातुरुषा	458
32.		श्चन्या व्या	461
33.		ह् सर्केन् दुवा सेट स	463
34.		ह् सर्कें ह् 'श्रु' कें वार्या	468
35.		বার্চ্	477
	a.	Part 1	477
	b.	Part 2	479
	c.	Part 3	489
	d.	Part 4	490
	e.	Part 5	492
	f.	Part 6	496
	g.	Part 7	498
	h.	Part 8 - বশ্ব-বন্ধুন্'ন্ন'মা	500
	i.	Part 9 - बहर-चेर्-पॉर्न्ट-धृतै-र्चुटना	504
	j.	Part 10 - र्ययःख्वः अर्वे वःर्ये।	508
	k.	Part 11- ઢેંગ ક્રેંદ ક્રે લવુવા	516
	l.	अर् ष) व प्रमान स्थान	522

	m.	अर्वेत्-र्रे-धुपा-प्रति-प्रदे-क्रुत्-ह्येन्।	525
	n.	थे ने बा अर्थों व रर्थे : शुवा द्वा यदि : वार्ते र स्टेव	528
	0.	ल चुेंदे अर्केन पहिंच	537
	p.	कें:रेट:वृदि:बर्केंन्'वॉर्नेरा	539
	q.	৴য়৻ঽঀ৾৾৻ঀ৸ৼ৻৸৻য়ৣ৾৾৾৾য়ৢঀ৻ ঢ়ৢ৾ৼ৻	551
	r.	<u> </u>	554
	s.	Part	555
	t.	Part	558
	u.	ସମ୍ମୁଷ, ପଶ୍ଚିକ, ଆଟ୍ର, ସାହୁ ଏହା	560
	٧.	<u> </u>	564
	W.	য়ৢ৵৽ঽ৾৽৵ঽ৾৽য়ৢ৽ড়৾ঽ৽ঢ়৾য়৵৽৻য়	567
	X.	यार्वेन ह्वेद केद रॉलदे यार्वेत्य या	570
	y.	ॼऀश ॱॼऀॴॱ ड़ ॕॱॸॖॆढ़ॆॱॻऻॺॕॴॱऻॻऻ	572
	Z.	याद्रबर्गन्य प्रयो प्रश्लेद केंद्र केंद्र यार्बेल । या	573
36.		₹.વોશેંજા.કો.ક્ર્યાય.વોલુ.તર્વા.≇જાય.ગ્રી.વોશુ×.શ્રેુંજાયા	582
37.		ঘার্ঝনে:বেইনম:7ৢম:য়ব্,বেক্ট:নর্র্রা	598
38.		য়ৢয়ৼয়ঌৄ৾ঀ৾৽৻ঀ৾ঀৼ৾ঀৼ৾ঀৼ৾ঀৼঀ	601
39.		নশ্বন্ধ মার্ক্রিব্য	612
40.		दे·चॅ:पबदब:अर्ळेंद्।	619
41.		याद्रयाबादगादाद्रयाची आ	628

42.		वेष:रप:ब्रेट:पॅ	639
43.		शेद महिंद आ	650
44.		শ্রু:দার্ক্লিण	652
	a.	শ্ৰ্মেএর নম্প্র	652
	b.	ସଞ୍ଜୁଁଅ'ସନ୍ତି'ନ୍ତ୍ରମ୍ଭ	654
	c.	মূণ[ন]	658
45.		र्वेट.य.श्चेत्य.शर्वेष.वेत्य.तस्य।	662
	a.	<u> ग</u> ्रैय.रा	662
	b.	নম্বূন্য-বা	670
46.		ગાંકા ત્રાન્ટ ત્યાન સંયા ક્રાયા ક્રાયા કર્યો. લેનાયા નધ્યો	671
	a.	ষু'গ	671
	b.	মু'ব	676
		নম্বুৰ্য-দা	679
	d.	लय.र्बेथ.झेथ.ग्री.र्विचय.चस्य.चर्डेथ.त्री	679
47.		यष्ट्रिव् :केव् :ष्ट्र:यगु:रेव् :र्य:केवे:व्यगःयह्व	681
	a.	ষু'গ	681
	b.	ষ্ট্ৰ'ন	684
	c.	ষু প	688
	d.	₹.¢	690
	e.	<i>चसूब</i> :र:'बू'१	694

	f.	<u>নমূন'ন' মূ'</u> ন	694
	g.	र्बे्च केंग	695
48.		र्त्तु ^ॱ र्गुंब [,] वे,ःस [,] देव, _{र्} द्रं,क्रेदे,ख्नब,चह्नब्	699
49.		बदबः क्वबः अवुबः यः देवः यः केवेः विचवः चहुवा	700
51.		अग्वत्-र्ये क्षु-तुवे विनवा-नह्नु	704
52.		चिट-क्ष्य-क्ष्रिट-चन्नवाना	709
53.		ସ୍କ୍ରମ- <u>ଞ</u> ୁଁକ୍'ନ୍ୟଣା	722
54.		<u> </u>	746
55.		શુંન.તદેવા.શુંવ.તજા	756
56.		यदे ॱब्रॅब् व वेष चु व्या	774
57.		রিনা.কুর্ব.শূর্ব.দোলা	787
58.		શ્ર.પદ્મિતાય.ૹૂૅવ.તાજા	797
59.		<u>ক্র</u> ণম'ঐন্'নন্-'র্স্ক্র্রা	804
60.		च <u>न</u> े 'ब्रॅब' चश्चब'य	837
61.		च बीटळ.र्जन्याय.र्जे.क्रुचोया	842
62.		र्ब्वेद'यब'दर्गेद'बर्केन'देद'केदा	849
63.		શ્રુઁવ.તજા.ક્રૈૼવાં વ.નજે.દે.વ.નહું	852
64.		શ્ચેંય.તાલા.શ્ચેત્રવા.વાયા.વાયા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા.લા	857
65.		देशर्देव'नसूव'क्कुशर्स्नेव'श्वम	861
66.		र्ब्वेद'यम्यायीयदेव'ग्रुवा	872

67.		चर्गा.चेब्र.चिच	881
	a.	च <u>ग</u> :बे्ष:अर्केव	881
	b.	ন্শ্ৰ-প্ৰীৰ স্ক্ৰীনাৰা	882
	c.	ॸ्गॅ्बॱॺळॅव'वाशुअ:ग्रु'न्य्या:वेश	884
	d.	व्यवश्चान्त्राच्यान्यः	886
	e.	क्रूॅब्र-पः तहे पा हे ब्रः	888
	f.	<u> સ×.તવુ.(७५).चीश्वर.चर्च.भुब</u> ा	892
	g.	ञ्च ^र क्रेब, यग्, भेबा	894
68.		र्क् न चू अर्के वाला	900
69.		ন্ন'ম'ক্স-'বের্নিব্	904
70.		^{રૂદ:} નું ખર વસુે ન	928
71.		ૡ ^{ૹિ} ૮ૹ.ૠ૾ૺૺૺૺૺૺ૾૱ૢ૾ૣઌૺૹ.ૹૢૢૺઌૺૹ.ૹૢ૿ૺઌૺ	935
	a.	শ্বুদ্রম রমগ্র	935
		ळ5्-३५-५७	936
	c.	র্ক্টবাম-ট্রব্র-সঞ্জীব্-স্টিম-র্ক্টবাম-সেমবামা	936
	d.	<u> </u>	939
	e.	ଅର୍ଚ୍ଚିମ.ଏ-ସିଏଯା	943
	f.	श्री.चोश्रीट.घीबोब.ध्रेच.पर्येज.क्ट्रवो	949
	g.	र्ग्राट्स, श्रीययाः अर्ग्ययः कुषः सुपुः । विचयः चह्नव	952
	h.	ગાફાંપાંતે લવગાનફવા કુગાંગ	952

	i.	ग्रह्मास्त्रीः विप्रवापकृषः प्रमुषः पा	952
	j.	<u>ष</u> ्र'दगु'न्देव'र्ये'क्वेदे'ब्दाब्य'यह्व	953
	k.	বাৰ্ষ্ত্ৰ:হ'বৰ্ষ্বৰ্ষ:শ্ৰী:মৰ্কুই-বেশ্বৰা	958
	l.	<i>बुन</i> नर्ङ्गे	960
	m.	यावन्यःचह्नव्याःअर्केन्।	961
	n.	ସନ୍ନୁ ସ୍ - ଅଧ୍ୟ ପ୍ରଥମ	987
	0.	अर-पते 'वय' म् <i>बुट</i> 'चग्रा' वेबा	988
	p.	শ্লুম-ক্ৰিৰ-ম্শ্ৰ-পূৰ্	990
	q.	र्ब्वेद्रायम्यायाः वित्राची प्रमेद्राची	990
	r.	<i>દ્યુ</i> ગ્ ^ત राहे :केव :रॉते :पर्क्नेअ:प <u>त्र</u> ्वण	991
	S.	શ્ર-સોલે જ્ઞેંત્ર-વાશ્રા	996
72.		क्रूच ब.पट्टीश	999

[ॣ] यें क्वेंत्र अप्तरमें हे ह्व अप्यय विष्ठा अप्यवे

শ্ৰুব্ধ'ন্ৰ্শ্ৰম্ম'ৰ্ম্মা

🎭 । व्रियायम् त्या क्षेत्र यादी या व्यापती व र्रः श्रमः ह्रं राया वाया हि स्रु त्रु डे त्र्युवाय त्रु श्रायवरा ै हें हे इसप्यर पर्हेसकाय ते मुब्दका है। **दे या ते त ने मूर्य का**

ন.ষপ্রপ্র-১ন্ত্রী বিষ্ট্রপ্র-প্রকা.পি.শর্কি

वर्हेस्सायासुमावर्स्यार्थे। विगरभूतत् वर्डवीतर

हार्त्रु'साङ्कु'राह्नी विंत्रुञ्जत्तु हें हे ह्रस्यायरावहेंस्यायावेयानुप्यवे व्कवार्ये। विदेश्क्षद्भाद्यान्याः मीकाः विकासः तुकाः मानियाः व। वर्डें अ'स्व' तर्शर्हें हे 'य' वत्यका है। ষ্মে শ্রুষ্ শ্রী মধ্রুষ এল ব ই ই ই ই পের ধ্রম্র उर्'र्हे' हेर विव श्रीका प्रस्तिका वका हैं हे ते किरारे यहेव यः श्रें स्राचार प्रत्वा शार्से । १२ व शायवा वर्रे हेशक्ष्य अद्यास्य स्थानी अद्यास्य स्थानीय গ্রী:গ্রীর:গ্রীরাবর্মনরান্দ্র। গ্রদ:শ্ভূব:রীমরা **៹৸৻য়য়য়ড়ৼয়ৣ৸ঀৣয়য়ৢয়য়য়য়য়৸ৼৄঢ়ৼ**

बिं'वें'यश्चुराय। दें'हें'श्वेर'वें'रय'तृ'श्वुश'हे।

श्रे क्रें ५ त्या श्रे भिषाश्वाया यदेव या श्राया यहव না ষপ্তর-2.ই.রুমার-মের-না ষপ্তর-र्नु याययाय। श्रेयश्च उत्राध्यश्चर श्चितायर बुेर'य। श्रेसश्खर्वाश्चस्याखर्यस्यायर'बुेर মা ইন্মান্ত্র্মান্ত্রমন্তর্নার্ক্রমেন্ট্রির্মা অশ্বরশ্বর্বরেইশ্বশ্বর্বরীর্বরা অবির্ট্র অশ্বর্মশান্তর্বরেশ্বিশান্তর্মার্ন কর্ট্র ষমশতে বুলাম নীবাম। করিব ষমশতে । ব্যুগ্ৰস্মন্ত্ৰিস্মা ইগ্ৰস্থগ্ৰস্থ

ষমশতে বুট্ বি বৈ ছিল। মা শুবা মা ক্রমশ કે<u>ન્</u>ના વર્નેન્યાલયશ્ચરન્યના હતું કે য়৾য়য়ড়ঽ৾ঀয়য়ড়ঽ৾৸য়ৢৼঢ়ঢ়৾ঀ৾ঢ়ঢ়ঢ়ৢয়৽য়ঢ় ষ্ঠামষাত্তদ্বেমষাত্তদ্বিম্মানমান্ত্ৰিদ্বাধা यर वेद प्रदेश मुखर श्रूम्बर ग्री अधु केव पें दिर्। য়ৼয়৾৾য়ৢয়৾৾য়ৢ৾য়য়ৢয়৻য়য়৻য়ৼ৾ৼ৾য়ৼয়৻৸য়৻ঢ়৻য়ৣয়৻ ब्रा विःश्रान्द्वः रुष्यःषा वः अक्षेत्रः यहः याः हः षो यानृष्यमुष्ट्राक्षेत्रवानुष्ये। न्नड्याः क्षेत्रुत्रह्ता

ર્કેં'ત'ર્ફેં'ત્ર| ફેં'ત'વ્ય'ર્ફેં'ત'વ્ય| ફ્રું'ત'ફ્રેં'ત| ફ્રેં'ત'વ્ય' ब्रुं.८.ल। ब्रैंंघ.बेंघ। बेंघ.त.ल। बेंघ.त.ल। अस. **ฆ**หูล| ฉัฐพัวัฐพ| ฆํฉัฐพาฆํฉัฐพ| इंस्याइस्य अंड्रिस्यायार्याङ्ग्याया असङ्गुपृति। गुद्रागुद्र। अँगुद्रायाअँगुद्राय। असः १.५ व। इ:तःइ:त। शंःइ:तःषःशंःइ:तःष। श्रद्यंतेऽः यहं यह | हैं 'त' ष' यह 'यह | गात 'यह 'यह | अ' तः पहं पहं। या श्वापहं पहं। ष्यतः पृत्यां वृष्या यह्रं शुःयह्रं ष्णः श्रृःत्रृ। ने ख्रुः वे रु ख्रुः। यं ङ् गुञ्जा से ते र्जुन्ना गुन्द गुञ्जा वह वे र्नुष सून्

गी'वी'गी'व्यु'ष्य'श्रृ'द्यु। गा'त'गा'त। व्य'त'व्य'त। रः

त'र'त। बें'त'व'द्य'बें'त'वु'ष'ब्रु'कृ। र्ड'र'हे'र्ड' र। ज्ञाराज्या बाराबार। यूपरायूपा वहाँची नु स्टू प्याश्वान्त्रा द्वेह्हा द्वेह्या द्वेहा द्वेह्या सम्द्रामी त्ये गी'ख़'ष'श्रु'तृ। पङ्कु'पङ्का ग्रॅं'इ'पई'गी'खे'गी'ख़्' ૡૻૹૢૣૻૹૢૣૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽ૼઙૢૻઙૼૢૢૼૹ૽૽ૢૹ૽ૺઌ૽ૺૹ૽૾ૢૡૢૡૹૢૢ૾ૹૢૢૢૢૢૢૢૹૢ बायाकुषाय। नर्हानी यो नी यूया बुक् का कर क 지 고통: 동'조'때 출'경| 된'동'조'된'동'지 고통'된' इङ्कुष्य पात्रु द्वा या है हैं। या वहां शुक्ते हैं। या वहां यफें हैं रावह। यफ़्वह। षायफें फ़िफ़िप़दी

षार्श्वे मू नही ष्रे छे दे नही वै मू नह ह र पा र् 引 まってまって まったまった まってまって あまった。 गुःषःभ्रःवहःषःभ्रःन्। गर्वेदःग्रेदःस्युदःर्धःश्रेवः गर्रेव'स्'र'ष'यत्। व'सःस'सङ्ग'यई'है। सद् यह्रं'गु'अ'सू'यह'ःष। स'नू'य'ये। ग्राफ्'ये। फ्रफ वे। षाउं वे। अङ्कवासृष्टे। षाने पई सर्ज्य वे। वेःगः महामहा अन्देःहे। द्वायाद्वाया हेले हैरी हैरमायी ५५५५६। हेर्डें यही हैर्य हें'भे। पङ्कापङ्का अ*न्*याभे। पर्हाक्षेत्राप्ताई'ला त्रुं न्। व से प्रदूष्ण्या व समुद्धापई प्राह थे।

यानृष्यगुष्त्राः वृष्याः पृष्ये। पृतुः वृ। क्षेष्टिं स्वारम्

पह| अधाअधापह| क्रुक्कुकपह| ५'५५'५'

पर्हा यर्'यर्'पर्हा इ'राइ'राप्हा इ'राणडू' र'ष'यह्। र्'रु'ह'र्'रु'यह। द्वेंद्रंद्वेंद्र्'यह। इक्.इक्.यहं हैं.सर। व असुक्य यहं ग्रीं इं.स। *द्*र अरुखा हिष्टहिष्ट चङ्काचङ्का हन हन षार्श्व हे[.]हुँ:यत्। प्रगाप्तः अभ्याउवः वस्रयः उत् খ্রী হিন্দান্ত্রমধ্যত্ত্র ব্রহার্থার্কা হিন্দ্র पर्श्वाध्याध्याध्य स्थितः स्याः स्थितः स्याः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्याः स्याः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स इ.त.क्षे । रित्तलायीयः श्रीश्राः प्राच्यायाः प्राचित्र।।

 क्रम्बर-दा
 क्रि. इश्वाक्त-विकास

 क्रम्बर-दा
 क्रि. इश्वाक्त-विकास

धेव'रदा विंदारवीय'यश्चे'मविंद'य'रदा। धु'दव'दय'ददमवेंद्र'य'ददा विदेगश्चय'दद वे'र्वेदश्चय'ददा विव्यव्यद्दरकुःश्चरः

८८.१ । भ्रा.पंबर.यार्च्य । भ्रा.जंशक्ष्य.त.स्व्रा.त.सब्द. १८.१ । भ्रा.पंबर.यार्च्य । भ्रा.जंशक्ष्य.त.र्र्या । श्रा. वःषदः। दिश्वःवैःस्यःयगुश्रःग्रदःसःषेव॥ अर्दे श्रे न्याय ७ द्या स्त्री । । मार न्या धेर रयः मुत्रः है। । वयः सेंदेः सरसः मुत्रः श्रुं रः खुवः य। यर्रे श्रे परी वे जव हो न । यर्रे श्रे परी पी मार्जे বইন্'শ্ৰীঝা ই্ৰ্মা'কল্ম'ন্ন্'ব্ৰম্ম'ড্ন' ข्रीका | มี:पत्र द्रायं:धे:वर:इसका:ग्रुट:। ।दे:दग: वस्रवास्त्र विष्यमाञ्चा । व्रीत्राचर्सेत् वस्रवा यद्येषाःचरःप्रश्नुर। ।¥्रेषाःचःगुवःषश्चस्यःचरः वरा विंरातुः कुरका गार ५ र या ५ र । दिवा छेवा म्राये न उत्तर्भ । विषान में हे ये हैं ग নুম্রান্যবৃদ্যান্তর্বা ব্যর্ভনামনীশান্ত্রীশা <u>५ मी 'बिट'५ मट'। । यत मारबा है 'शु स मार्चम</u>

म्या । वटावायवायाच्यायम् साममुद्रा । द्विःहे इसार्व्हेंस्यान्त्र्यान्यान्त्रा । मुलायं याह्रान्त्रा [युक्षाः मुक्का दिक्षा हैं हैं है असम र वहें सक्षाया वे का मुप्त वे वा मुस्का

ૻૄૼૼૼૼ**ઌ૱ૹૼૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૺ૱**ૡ૱ૢૢૢૢૢઌૢ૽૽૽ૢ૾ૢૢઌઌ૽૽ૢ૿ૢ૽ૺૺૢઌૺ૱૱ૺ૽૽ૢ૽ઌૢૼ૱૱૱ઌૢ૽ૺ૾ૺઌૢૼૡૺ૱૱૱૱ ૹૣ૾ૼઽઌ૽ૼઽૹૢ૽ૼ૱૽ૣૼૼ૽ૄ૽ૹૢઌૻૹૹૼ૱૽૽ૢ૽ૺૹઌૹૢૄ૾૱ઌૡૼૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૺૹ૽૽ૢૺૹઌ૽૱ઌ૽ૼૺૹૢ૽ૼ૾ यःर्त्तुःर्ग्रेश्चरह्रद्रायश्चानुप्रयोऽन्यायःह्रथश्चरः। क्रुःदर्ग्रेथःयबदःर्यः

इस्रक्षा ग्री तद्यु र्ह्यु र दर सञ्चर यर यर्डेका हे नेद हि द्या यर यग्रीका

પર્દા સિમ્પતાર સુવ મેં સુવ નો સે સવર તું કો સવર તમા છે. કે **સ** સુવ પ્રસુવ પ

ૄઽૢૹૡૡૡ૽૽ૡ૽ૼૡૢ૽૽૽૱૱૽૽ૺૹ૽ૣૼઽૹ૽ૼૹૹૢૢૼઽ૽૱૱ઽ૽૽ૼૹૹૢૡ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૾ૹ૽ઌૹૢ૽ૢ૽ૡ૾ૼઌ

गलुर-५८। कुर-५ये-५८। अ५-गबर-पडर-छी-पर-४अअ-५८-पहुन

वश्रावुश्चर्यायेग्रश्चर्यस्य वर्ष्वीश्वर्यादे ।।

। इस्रामुयासदेषाबुद्धायतुग्धार्से॥

१८वयः स्वः स्वः र्से रङ्ग्वः गदिः त्तुः चदेः **Sel**

विज्ञान्त्रसुर्याः सुन्नाः चर्त्तुन् स्याः सहस्राः यर्देग बि'यदे'ङ्गा <u>| ज.र्ज्ञार्यमालशक्त्रः</u> ज.र्ज्ज्या

क्रुँज.भ। विभात्तर.भैज.भट्ट.खेयश्वाल.सीया.

हे.म्.से.^{ह.}.ल। यङ्काल.हे.य.यः ५२.घी क्र्.ङ्के. **डूँ डूँ वि.र्ड.ल. वृ.र्ड.ल।** चृ.क्.थं.र्च.सं.सं.सं.

ॸॣॗऻ*ॱॹॖ*ॱॺॱॸॱय़ॱय़ॱॶ॔ॱढ़ॱॴॱॿॖॕॱॸॱॴॱॾॢऀॱॽ॓ॱग़ॏॱॸऻ यान्यानु याद्वादानैः ष्यान्याष्यान्याया ॴॖॱॿॣऀॱॾॢॱॸॱढ़ऻ वे॔ॱॾॖॱॴॱवे॔ॱॾॖॱॴॱवें र्ने इं.ला गागवान्य इं.च.चे तुर्हे। अट्टे १ में हं. অ'ম'र्२'ঀৄ৾৾৾৾৽ৄৄৢৗ ঌ'ॸ'য়'৴য়ৢ৾'ঌ৾৾ৡ৾৾৽ঽ৾'ঢ়৾। ঌঽ'ঢ়'ঀৄ' गानिषायार्थामीत्री भिन्नास्त्रीन्यस्त्रीस्यस् ॸॱॿॱॴॱॸॱड़॓ॱॸॱॴ ॴॱक़ऀॾॗॱढ़ॱॴॱक़ॖऀॾॖऀॱॸ॓। ॶॱड़॓ॱ स्दों संदूर्भदी वहां गाया **स**ङ्गान वाया से शुङ्की ब्रह्म ग्रह्म ख्रुप्त राह्म हार्च नुह्ने। इन्हिन्दे सह पास <u>इहिन्स अर्इहिने। कें सुने सुने सानृसुने। मेरसु</u>

वै'मै'सु'वै'स'नृ'मै'सु'वै। स'न्ने'स'न्ने'स'नृ'स'न्।

ये ह्युत्र स्ट्रें शुद्धे। के के हे हैं वा हा वा वी ही वा राया अस्यङ्काषाः इष्ट्रिनाषाः इष्टिः है। सङ्केरसङ्को युङ्के युङ्के। यहें यहें अप्यहें। शुयहें यहें गहें। र्ष्ट्रायामुद्दे। ये:र्ष्ट्रायामुद्दे। यह्र्ष्ट्रायामुद्दे। यह्र्प्ट्रायामुद्दे। यह्र्प्ट्रायामुद्दे। यह्र्प्ट्रायामुद्दे। इनि वह र इनि वहें वह रहे। वह रहान यायान्द्रिदे **अहारा**त्वद्भागुष्यायाद्रीत्

तृ भ्रे भ्रे श्र भ्र भू न्य के त्र के त्र के क्षेत्र क

स्रमा तक्ता । भ्रामिसमास्री । भ्रामिसमास्री । মহারা বিধে শ্রীর নশ্নর মরি মধে নির্দা सर्क्रेम । न्ययः स्व'ग्रम्भः यः केवः यदि। । स्वेव यसः

ब्रिंग्रस्थायम्। श्वरःश्वरः श्वरः श्वरः । श्वरः प्रद्याः में भ्रुवायदे भ्रा विंद्रा ये दान वादी मान्या

भ्रम्यश्वरीम। ।गत्यः मुदेः क्रुंदः र्स्वेषाश्वरमः क्रिशः ग्री क्किंद्र पञ्चर ख्रुर पार्वि तर विषा प्रद्या

ब्रॅग्नबाइवादर्वेरार्क्रबादरामधुवायदेरकें। १६७

क्षरायश्वरायाधेरायबेदाव्युयायार्दा । वर् गर्नेव प्रयोग बार्सेय बारा र तुः गर्से द प्रयो हो । वि

वरःवे:वरःवेवःग्रेवःग्रेवःवक्षवःतःतःवर्षेव।। ।।

^ह श्वापते सहर पायञ्जा के साय पहें र पा ন্ৰ্যাখ:শ্ৰী

शुर्वसुरका ।गल्दाशीकार्यास्यापत्रारीप्रसर

वर्हे अश्वाया गर्शेर ग्री ख़ुव में ख़ुर प्रस्तुर पहें त

चदुःभ्री विज्ञदुःमुखःद्यःब्रिंदःखःधुमःदर्क्तः

विं। । वादःवीकाददःधिरः ग्रुदः खुवः श्रुवाका वर्भेदः

वया। पर्केन वयस ये ने अ र्केंग अ गिर्वे अ र्हें गया

জা বিলশ্নপাৰশ প্ৰথম কুশ-পুশ্ৰ হৈ শ্ৰম

য়ঀৢঀৢঀ৻ঀয়৸৸য়ৼঀয়য়ৼ৾ঀ৻য়ৼঀ৻৻ঀড়য়য়৾ৼ৻ড়ঀ৻ড়য় য়ঀৢঀ৻ঀয়৸৸ড়৻য়য়য়৻ঀ৾য়৻য়ৼঀয়৻য়ৢঢ়৻ড়য়৻

योचेयात्राःचिद्रा । भ्रुष्यत्राःखुःखुयात्राःयरःसद्दः व्योचेयात्राःचिद्रा । भ्रियात्राःखुःखुयात्राःयरःसद्दः

ल.सियो.पक्षत.जूरी । श्रि.य.यश्चर्र्ध्याद्याः विवादः ल.सियो.पक्षत.जूरी । श्रिल्य अस्तियाय ग्रिल्य

য়য়ॱय़ॕॱॺॖ॓। ।ॸॻऻॱॳॖয়ॱॶऄॗढ़॓ॱॹ॓ॺॱॸऻॕॢ॔ॸॱয়ख़॔ॺॱ য়য়ॱय़ॕॱॺॖ॓। ।ॸ॔ॸॺॱॸॸॻॹॖॱय़ॖऀॺॱॹॖ॓ॺॱॻॾॣॕॸॱय़ख़॔ॺॱ

अर्क्चेग'वे। । विरःख्यः रेग्न**गःश**'रेश्वः अर्ह्-दिश्वाः

तक्षार्वे। । मर्विव तुः क्ष्रें तका स्वाधि क्षेरामे । देका । । ष्राक्षेत्र मास्त्र स्वाधि क्षेरामे ।

च्.र्युयम्यासः स्वस्यम्यस्य स्वस्यः स्वा । यद्ययः भ्राम्यः सम्प्रम्यः स्वस्यः स्वस्यः स्वस्यः । यद्ययः

हेव केंबा दर अध्वायम ग्रुप्य दर। । । । वाय अर्थे

शह्ट.ज.सैंग.उक्ष.जू। जिंधूर.घपु.चे.घ.क्षेट. इयक्ष.य भारक त लक्ष। वि.य इंटे क्रिट यर

र्ये अर्-माञ्चमार्या विशेषात्र वा विशेषात्र विशेषात्र

त्यःमनेम्बान्यः वद्यः ग्रदः। । यर्केदः हेवः इयः दमः

सिया.पक्षा.ज्री विस्थ.तश्च.चैट.क्व. श्रीच.तर.

नर्गेन्सक्राक्राकी विःम्ब्रूक्रेक्रास्यासानुःर्वे नुगः

हा । द्यादः चः श्रुदः सर्ददः चर्रे वः दशुवा सवरः

দ্রীর'মঝা ।মঝম'শাদর'মার্ক্রশ'মর্ক্রর'মার্হ্র

ज.सिबो.एक्ज.जूरि । व्रुबो.श.शुटे.चेब्र.एचटे.स.

र्नेव'र्षेर'धेर। ।यगाङ्ग'षे'ग्रुर'रुप'र्नर'डुर'रु।।

श्चेत्र'ग्र्ट्य'गर्षे'यर्षे'यर्देव'यर'य्याच्यानुषावया ।

वुदःकुवः हें ग्रह्मा द्वारा स्टारा सहित्या खुत्रा वर्कवा विं

मझुम्रायायम् दासद्दासुमायद्यायां । मान्य

क्रिंश'ग्री'

विग्रायः

ब्री-र्स्नियानान्द्रन्याः स्टब्स्यान्द्रन्यः । अस्त्रेम्बर्सः ब्री-र्स्नियानान्द्रन्यस्य स्टब्स्यान्त्रस्य । अस्त्रेम्बर्सः

इंब्राम्यायाः प्रदेश विक्रम्य । विक्रम्य ।

यह्मा.मी.सीय.री.परीर.इशका.उक्का.सी विच.रा.

यास्यात्रकास्य स्थाप्ते व्यक्तास्य स्थाप्ताः । अति स्थाप्ताः स्थापताः स्यापताः स्थापताः स्था

ल्ट्रियम्क्रित्युवाक्षेत्रः यम्भूत्र। व्रिक्षेरवर्षे प्र

गुव:ग्रीब:म्य:सर्केंद्र:या |पश्चेव:प:ग्रीब:पर:

ধ্ব নষ্ট্ৰ यह्रेय.तक्ता.जूर्। जि.जू.२४ अश्र

। इं अर्केग में र में का क्र्यायायश्चेतायिष्टाष्ट्रीम ग्रावे ग्रुडंट स सु ૢૡૹ૽૽ૹ૽ઽ૽ૢૼ૽ૼૼૼૼૼૣ૽ૼૹૢૻ૽ૡૢ૽ૡ૽ૺૢૢૢ૽ૺ

শ্ৰীশ্ৰাশ্ৰৰ |ਸ਼ੑੑ੶੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑਫ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਸ਼ਫ਼ੑੑੑੑੑੑੑ੶ਜ਼੶

स्रिया तक्या व्या |षद:५म:३५:५:५६म्बराय:

ब्रेन्'धुर'न्दा |ਸ਼[੶]ୖୡ୕୕ଽ୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕୕ वसमार्थेयानुदेखिम् । १२.७५.५.५.५.५८मधेया

<u>|भुःगरुरःळःचकुरःसर्दरःयः</u> মহ:শ্রুঝ:ব্রুষা

बिक्षायायदेतुः र्ह्चमा अदेः र्द्वी गाम्बिमासु हेः क्षिया.पक्षता.जूरी

ૡ૽૽ૺ૾ૺૡઽ. તથા જાદ્દ્ર. તર. ચેત્રા ક્ષેટ. કું કું કું કું સ્ટ્રેંગ. ટેત્રું સાં ક્ષેટ. ફોંશ.

यह्यत्त्रा यदाक्ष्मरायाष्ट्रेश्च क्ष्यं याद्वीत्रायक्ष्यं क्वें। । अ:केव:यर्ने:य:में[अ:य:यर्व:में र:व्या । ८: वे तहिया हेव तदी व अर्केया छेत्रा या शुरुषा । दे कें अविश्वासः ब्रिंदः या खुवाः वर्द्धयः यो। । दहः से सः द्वादः र्जय.के.लु.लेज.प्रश्नाच्ची । शिका.सूपु.चिय.धि.लेश. ग्री:सुस्रास्, स्वामा विष्ठी: दे त्यी: रूप: त्रुप: यः **चक्षेत्रद्या । चर्ड्स**.कंब.कं.ल्.कं.ज.केब.उक्ज.

য়ৢ৾ঽ৾৽ঀৢঀয়৻য়য়৻য়য়৾৻য়য়৻ঢ়ৢয়য়য়য়ৢ৾ঀ৻য়ৢয়৻য়য়ৢ৾ঀ৻য় ঀৢয়ৢঽ৻ঽৢৢয়৻য়ৢয়৻য়য়ৣ৾ঀ৻য়৻য়ৼঀ৻৸য়য় য়ৣ৾ঽ৽ঀৢঀয়৻য়৻য়৻য়য়ৣ৾ঀ৻য়ৢয়৻য়য়ৢঀ৻৻

यविरःक्कें यदे र्ख्यायक्ष्रव वशा । यर्के र हेव द्वरा <u> ५४। इ.५५५५ मु. यश्रेला । व.५५५५५५५५५५५</u> ष्ठिमा तक्ष्यार्ज्य । क्रियार्ज्यते । विनार्ज्य हिम् यहुव्या |षदबादाउव:रृ:ब्रे:एबःब्रूद:र्रे:ख्वा |य ग'इ'रु'बुदा'य'अर्देव'बदब'कुबा ।अब्रिव'यंदे'खे' नेशायनरायासुगायर्कयार्यो । भूप्राहार्श्वरार्केशा ॻॖऀॱढ़ऻ॔ॕॸॱऄ॔ॱॻॾॣॕॸॻॾऺॎॱॸढ़ऀॱक़॔ख़ॱॸॖॱक़ॕॱढ़ॿॗख़ॱक़ॆ॓॓॓॓ज़

र्घे प्रष्नुत्र । सुरम्बेर्गा र्गेट र र र्गेट स्थाय सुर द

ଶ୍ୟ'ସଞ୍ଜିମ

सर्व्हद्यासेन् : श्रु. त्या द्युवा त्यक्ता त्य्। वर्षे राष्ट्री र

र्ये। । १८९ : सूर : प्रह्नुव : प्रदे : प्रदे ज :

वन्त्रा । अहंन् यदे र्खुवावा अर्ने उंधा वर्झेन् या षी । द्रमी प्रश्नारम् वर्मे प्राप्त गुत्र मुः भ्री द्री द्राप्य प्राप्त । प्रदे

ग्नेग्रबाकिरायीः अहंदादायां अर्द्धायाः र्वेष ।दे

चलेव मनिगमाय हिन भुः के तर् नरा । तर्वे र

८८ अ. क्. क्. ८८ विटावस्था १८ । विटायी

सक्ष्यं अक्ष्यं प्रवादा स्त्री स्त्राम् स्त्री स्त्राम् स्त्राम् स्त्री

यर्गः श्रेंगश्रात्युरः यरः वृंग । विरायः वर्ह्नेरः

<u> इट्याब्र्</u>जानः चर्चनः चर्चः श्रम् । चर्चः ब्र्या

श्चायक्ष्री

यट.री.योषश्चात्रःश्चीयश्ची विट.योट्स.

यग्रान्त्रेश्वरवेषायम् अह्रित्र्वार्शेषा । ह्रित्रया

वहिमार्हेव।वस्रश्रार्श्वेव:यान्दा । विश्वव:यार्वेः र्देर्'चबेव'र्'म्बल'च'र्र'। ।चश्चव'वहेव'स्'

र्श्वेय:५२:बिट:मुक्राय:धेका । प्रक्षेव:य:ध्व:रेट:

শ্বশ্বর্থ বেশ্র প্রস্থার্কী । শ্বস্থার প্রা

▶ शुंचिलाश्चिताद्वरा

[‡] गु.२.पङ्गते.क्र्या.चरुव.याञ्चल.पट्टेचस्र. ন্ৰুশ্বাৰ্

🍩 १५ द्वार्स्स सु सु सु सु सु से स्वीत्य सु सु स्वीत्य स्वत्य स्वीत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य

श्चैवःख्रः प्रॅसः गुपः करः श्चुवःश्चरः र्क्कुवः वी। यहेरः वयः खेः प्रः प्रेयाः सेरः

षवः ग्रवितःषदःरुशःरदःम्रथःयःगुतः यर्।२वुदःषीर्।रदःशे।२व्या

बिदः गर्सेवायासे मिडेगावदी क्ष्रमायहयः हुँ स्रिंग्सुत्रायुवा

म्री त्या नुरा सर्वस्था स्य म्री मिरा में राये व्या सक्त सक्त मी न्द्रा स्वापायहे सह प्रात्ती र

ম্বর্ষান্ত্রশাস্ত্র্যাম্বারা বর্ষিমান্ত্রামানর বর্ষী আম

कर र्सेवः सर्केग रद शुद सेंद र्देश शुव र्सेवः

क्षि. ष्यैः द्वै. यहं सी. में तये दे सुंहै । यह ताव या श्री श्री

ष्युः हुँ : यई : गु : र, यज्ञ : वें ५ : से ८ : स व्य : यई : स स य : व्य

र्दःर्दः सर्वासिङ्केषायाः हुँ।श्रृः हेरस्रान्दरेते।सारा

र् देश्य देह दे दे दे दं राष्ट्र वाया मुख्य स्वाया ही सबसा मा

रु:अविदःदर्गेदे:र्स्वाश्चायङशःग्रीशः यद्वाःङगः

र्घेष:पर्भेरः ष्ठिर:ग्री:हेष:ब्रु:पर्ग:क्षुप:ग्रीः व्वैत्रः ग्रीक्षः पक्षः म्यूनः स्वित्रः स्वित्रः व्यव्यः

सर्क्रेम्'यर्' रु'वेद'र्सेय'यः श्चुय'सर्क्रम्'यर्मा'य'

র্ক্রিবরঃ দেশ্যেশ্বর্দেশীরান্ত্রির শ্রীরার্ক্রিবরঃ

षेर्'य' भुग्रा गुर्रा चुर्रा गुर्रा र्से प्रमः र्पर पर्वे

বয়ৢ৴'য়৴'য়ৢ৾৾য়'য়ৢ৾য়'য়ৢ৾য়য়৽য়ৢৢঢ়'য়৾ঀ৸'য়৴' वुव मुंब र्स्ने वर्षः वर्षः वर्षे दर्वे दर्शः यर चुवः

য়ৢয়য়ৢ৾য়য়৽ৠয়ড়ৢয়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢ৾য়য়য়৽

ଊୖ*୕*୴ୣଽୄ୕ୄ୕ଽୣ୕ଌଽ୕ୄ୕ଽୄ୕ୠ୲ଽ୷ୣୠୣୠୖ

िदुःर्खेः सूग्रा'षा'च्चे'विदुःष्यः उँहाषा'च्चे'विदुःरूँः

यम् । भिर्दे हैं। अयायाः मिन्ने में अवार्यर वर्गे द्वा हीवा

चतुःस्रैचस्। ।चटःइरःबोषसःज्वेलःखेबाःचर्यःहेस। ।क्र्य्क्षाःचवः

ঀৢ৴*৽*ঢ়৴ৠৣ৾৾৴৻য়৴৻৾৾৾৾৾৻ৠঀ৻৾ৼৣ৾ড়য়ৠৣ৾৾৻ৼয়ৢ৸৻ৼ৾৻ড়৻য়৻ৠ৻ৠ৻য়৻য়ৢ৻ৼৼয়৻

चडराचञ्जुकार्देम। विद्वाचर्रे केवाश्चीरायास्य। विवासिरार्देशवसार्गा

क्षेत्रायतुव यार्क्षेत्य वर्देयका

यर:श्रॅब्श | श्रिम:रेबाख,धेव.धींट.तबायग्रीब्श | श्रिक्त.पट्टेयबाधित.

र्हे. ५२ ५ ४ - १ विषय अञ्चलका अधर सुन्ना निषय अ

वबरविरक्षेत्रविरर्मु विद्याग्रम्बूद्यार्सि ॥

भ भुःगश्रुअःगर्सेयःयदेवशःयीःद्वेदशःयीःवेदः भेःअःर्नेः र्श्वेशःययःर्केशःयीःद्वेदशःयीःवेदः

विस्तर्भः केंद्रान्तर्भः मुस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर्भः विस्तर

यते.टट.३ चे.चंजा.वंबर.ह.चंच्यायटे.च.कुव.त्र्यंतु. ४४ वसासम्बद्धायुवरह्म्यायायटे.च.कुव.त्र्यंतु.

भ्रुः वयःस्वरः प्रतेवः तुः श्रुषाशः हे ध्रिषाशः रेशः

ୠ୵ଽୣୠ୷୷ୖୄ୕୶୴ୢୄୗଽୢୄୄୄୠ୷୷୳ୖୄଈ୷୷୷୷ୣୖ୷୷ୡ ଊ୕୵ୢୄୠ୶୷ୣୢ୷୵ୠୄ୕ୣ୵୷ୠୡ୳୷୷୕ୣଈ୕ଊ୷୷୵ୣ୵ୣ୷ୡଽ

यरे.कुर.कुर.बी.म.बीय.तपु.ध्रम.प्रमासासाः

गश्रुट्र श्रुग्र प्रदर्भे व प्रवासित प्रवासित स्वासित स्वासित

<u> स्युव परे पर माने गया परे भूः श्री या से देः </u> वेु'व्याञ्च'र्स्केष्यां सं सें र स्वें देश व्याय सें देश हीं द हेंग्राज्ञुं यागर्जेयायायनेययः छिं मुद्रायङ्ग <u> यमुद्रः ग्रह्मायः याः अर्थेयः । अर्थेदः । अर्थे</u>द यहेगा हेत प्राप्त स्वीता मध्य अश्व श्रम् ळेव'र्सेश'दर्शे'चदे'र्देव'य'र्धेवः गट'य'गट' तर्वाध्यक्षां भ्रायम् देवा स्तर्भात्र য়৾ঀৢ৾৾৾৾ঽ৾৻৴৻ড়৾৻ঀয়৻য়৾য়য়৾য়৽য়ৢয়৻য়য়য়ৢয়৻য়৻য়য়ৢ यान्स्यायायन्यसः स्रामुन्यम् याम्ब्रीयायायनेयमः

न मर्जेयायदेवसावराळदायसासेया

বৰুশ্বসংশ্যা

ন্ধ্রন্ত্র্বর্থন্তর্ভ্রান্তর্ভ্রান্ত্র্র্ব্রান্ত্র্র্ব্র্র্বর্ভ্রান্ত্র্র্ব্র্র্ব্র্র্ব্র্র্ব্র্র্ব্র্র্

श्रेङ्के हुँ क्रें श्रञ्जू सूराया सवदायसाया म्रॉयाया

वरेवमः वेंदमःभुः श्रुम् मः हे केव दें वाम मेंवा

यः तर्वायः श्रुवः श्रुः यञ्जः यात्रायार्थेवः

यः दर्वेय अक्षः य द्याः यो स्तुः अर्देः अर्छ रः श्रुवः यदेः

भुः मुग्गराध्यात्भुत्वद्यार्वेद्यावद्याः

ସ୍ଟ୍ରିୟାନ୍ୟ ଅନ୍ତ୍ର ବ୍ୟାପ୍ତି ବ୍ୟୁ ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତ୍ର ଅନ୍ତର୍ଭ ଅନ୍ତ୍ର

म्बायन्यात्यः विवाधार्ये द्वासः यक्षे प्रस्तायन्यः स्वाधार्ये विवाधार्ये विवा

श्रुवाद्यात्वराष्ट्रमञ्जाद्य । प्रतित्वरायम् । प्रतित्वरायम् । प्रतित्वरायम् ।

र्न्ट्रश्चाताः क्रुंत्यः वृद्धाः यहात्राः व्याप्तः व्यापतः वयापतः वयापतः

कर र्सेयः धेरणे प्रस्कर धेर्र्स्यः वर्षेप्रः

कर्वरातुः वाषाः । वाषारायदे यमः कर्तात्रीयकाः कर्वेदाः वाषाः । वाषारायदे यमः कर्तात्रीयकाः स्रोते

क्ष.ल्रेःद्वै.पद्म.यी.स.तये.शुष्टैःद्वैः श्रेत्रःत्रः श्रेत्रःशः श्रेत्रः श्रेत्रः श्रेत्रः श्रेत्रः श्रेत्रः श्रे.श्रेतः वीश्वात्त्रःश्रेष्टैःद्वैः श्रेत्रः

अर्ह्यर प्रदेश वीषश्चाराश्चारता स्रीतः स्वानाः सुः वर्षे

মহ্নঃ মার্থিনাখাব্ধীমাখাব্দীমাহ্নঃ

यदे·मत्रःदहें वः दर्शे :यदेः अर्गे वः ध्या वः हे वः বদ্শ'ঝ'ট্রির'গ্রীঝ'র্র্রবেষঃ বস্তু'বর্ষ'বদ্শ'

र्सेग्रायमञ्जूर्देद्यः न्गेंद्रायम्यन्ग्यः

न्द्रश्च्राचः र्क्क्ष्यः व्याध्यायन्यः व्याध्यायः व्याध्यः व्याध्यायः व्याध्यायः व्याध्यायः व्याध्यायः व्याध्यायः व्याध्याः व्याध्यः व्याध्यः व्याध्यः व्याध्याः व्याध्याः व्याध्यः व्याधः व्य कर र्सेवः धे ये तर कर धे र सेवः वर मे तर

कर्वरर्र्भेषः ग्राचरविष्यरः कर्र्विरमः

शुः केंपः गुकायका सुगायकंपा क्रुयका शुः अकेः

ૡ૾ૺૼ[੶]ઌૢૢ૱ઙૢૢ૿૽૽ઌ<u>ૼ</u>૬૽ઌૄૢૻ૽૱ૢ૱૱૽ૺૹ૽૽ૢૼ૽ૹ૾ૢ૽૱૱૱૽ૺૹૼ૱૱૱ শ্বর্মর্মের 👸 শ্লুশ্বর্ম শ্রের্মার্ম স্থার্ম

युवः धुवाःवाषवः **३** द्वें दः त्रोवावाययः यञ्चयवः

गर्षेत्र पश्चिम परि सु है पश्च स्रासः वा सेंदि

দঃ ধ্ৰদ্ৰাষ্ট্ৰামন্দ্ৰামান্ত্ৰীৰ স্থ্ৰীৰ স্থ্ৰিমান্ত্ৰী

यः प्रशायन्य सँग्रायः । स्वाप्तः । प्राप्तः । प्राप्तः । स्वाप्तः । स्वाप्तः । स्वाप्तः । स्वाप्तः । स्वाप्तः মঝান্ব্ৰাথান্ত্ৰামুনাৰ্শ্বঃ ব্ৰামঝান্ব্ৰা र्सेग्राचरक्र सेंवः धुःषेःचरक्र धुःर्सेवः वरमी वर कर वर र् केंग्यः मुबर वरे वर कर्रिकाशुर्शेषः गुरायश्वग्यत्र्यः भ्रुतशःशुःभक्तेः कें.क्षःहुँ:व<u>ई</u>:तु:रु:प्रु:सेङ्के:हुँ: ५य:उत्र:५य:य:प्रम्थ:परि:र्से: <u>५</u>:ये५:म्वस: अर्क्केग् नुअश्चर दे न्वायः कुष्मर र्वेद् सुयाश्चर

মর্কমঝ ৠঃ ট্রিব শ্রীঝ নমুনঝ ব্রম ট্রিব মরি

प्रबट:क्रॅश:ब्रॉश:ब्रांश्चरः ह्या:ब्रांस्य: हे:हे:

न्तु पङ्ग स्था विष्य प्रशास्त्र केवा वा साम्य प्रशास्त्र विषय स्था केवा विषय प्रशास विषय स्था केवा विषय प्रशास

कर्ष्विः सुर्श्रेषः वर्षाः वरः कर्वः वरः तुः र्श्रेषः শ্বম্বেরিব্রম্কর্ব্রিক্সাস্ত্র্র্র্রিক্ষ শ্বুস্বাব্রস্থ यङ्ग सिङ्के रहुः मुखायदे पश्च दाया स्वाधायदे से ह ग्रायदः रेदेः द्रग्रह्मायः याङ्ग्रह्मायः सहितः वर्ष्केदः सुरः वयायपद्रार्येद्राज्ञात्वरः हें हेदेख्या मुत्रा त्रुद्रश्चिदः वर्ष्चेषः वर्ष्चेषः विदः उवः दवः वर्षाः शुरत्यदः भेरत्यरःत्वुग्रासंनेदःभर्कें यदः क्रीसः

য়्रेयः ग्रें अः श्रेम्बाः व्यावः श्रेम्बाः व्यावः श्रेः स्वावः श्रेम्बाः व्यावः श्रेः स्वावः श्रेः स्वावः श्रे वित्रः श्रेम्बाः व्यावः श्रेः स्वावः श्रेः स्वावः श्रेः स्वावः श्रेः स्वावः श्रेः स्वावः स्वावः स्वावः स्वावः र्घेदे।प्रःगर्वेव:अर्ह्नः गर्षेव:पश्चाःश्वेद:सुरः य'पश्चराशः र्रोश'यदि'तु'य'शुप्तःश्चेत'सर्दिः য়য়ৢয়য়য়য়য়য়ৣয়য়ৼয়য়য়য়৽ ড়৾৽ঢ়য়ড়ৣ৽ ८८:महिश्रासुरसे८ महिश्रासे८ श्रुपाञ्चा तर्ह्सा য়ৢ৾৴য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ৢয়য়ৼৄয়য়৸৸য়ৢয়য়য়ৢয়য়য় यः प्रशासन्त्राः स्वाधाः विश्वाः विश्व र्सेग्राचरकित्सेंवः धुःषेःचरकित्धुःर्सेवः वरमो वरक्त वर्त् केंग्यः मुक्त वरिवर कर्रिक्षः शुर्त्रेयः ग्राच्यायायायाया

तर्ने षे 'स्यान् 'द्रेने क्रिंग्स' मंदे से से 'द्रम्द देने '

ग्री:राम्बियः अन्यः मुद्दम्दम् मे अर्द्धे वदः तुः यर्जुरे स्ट्रेट रुपसेय पर्सेय यर्ज मर्जुरे न्य रु ঀ৾য়৽ ই৾য়য়৽য়৾য়৾য়য়য়য়ৢয়৽ঢ়৾য়য়ৢয়ৢ৾ঀৢ৾ঢ়৽ঢ়৾৽ तर्तिः श्रुपः श्रुपः अर्द्धतः उत्रः श्रुण्याः हेवा यहणः অ'ট্রব'ট্রাঝ'র্র্রবরঃ বস্তু'বর্ষ'বর্ষ'র্ম্বর'অয়' **अ**'र्नेदशः नर्गेदशःयशःवन्गःयःन्देशःश्वः ষ্ট্রিমঃ ব্রামামান্ন্র্মার্মান্ম কর্ষিমঃ

ष्ट्री:षी:यर:कर्ष्ट्री:र्:र्झेयः वटःषी:यर:कर्वटः

त् केंपः गुक्षर प्रदेश्वर क्र र प्रीरक्ष कु केंपः বর্র মৃ'র,'यञ्ज শ্রেङ्के । র্ই ५ শ্রী দ্বী মামর্ব দেরি क्रें៖ ५५'ख्रु, तर्शें च'तर्देष, मद्रु, मद्रु, मद्रु, मद्रु, यद्यत्याञ्चरायञ्चव वर्षः यर्दरायायायीया र्वेग'रिः रग्'केंद्र'रगे'यक्षेव'र्याय'यप्यम्ब लियाचे.क्.चपु.क्.चूर.री के.ली.रेबी.पर्छेच. देग्रायायकाः वेत्रुः स्वीत्राप्यायकार्यः सरःष्युयः ने : षी : ग्रुस**रा** श्चेतः त्रुः । न मे : श्चें र : न वि : य

८६ॅम.मुठामदरः । विट्रायम्ययम् यदिःसेना यहेवामक्रमः । विट्रायम्ययम् यदिःसेना র্কুনঝঃ নষ্ট্র'নঝ'ন্বদ্গার্ক্সাঝ'ঝম'ঝু'র্নুনঝঃ न्वींदश'यश'यन्या'य'न्देंश'युव'र्र्स्यः त्श' यश्चात्वाः श्रेंबाश्चात्रः कतः श्रेंवाः श्रें। धीःवारः कतः ष्ट्री:रु:बेंपः वरःषी:वरःळ८:वर:रु:बेंपः गवरः বর্ব'বম'ৼ্রে'বৃত্তীমর্মাস্ক্রার্মার শ্রুমানর দ্রুমা त्रक्ताञ्जीत्रश्चीत्रश्चात्रश्चा क्षु.लीः द्वी.पी.पी.पी. बोर्ड्से हुँ । दययार्थे वटा वी दयया वटा तुः। यहता য়য়য়ৢয়ড়য়ৼয়য়য়য়ঢ়য়য়৽য়৾ৼড়য়৸য়য়য় यार्चेषाः तृः यद्याद्यायः वास्येदः द्यायाय प्रम्यायः

यन्यःर्वेनःक्षः वृत्तेःक्षेरःतुरःतुः वरःक्षःष्यरःचतुनः न्यायःवन्नवादाः नृद्यःचैःचैःषःषरःवीदःतुः व्यः য়ৢঀ৾য়য়য়য়ঽ৻৴য়৻৸৸ঢ়৸য়৽ ড়৻য়৾ঢ়৻ড়৾৻ড়৾

वस्र अर्थ अर्थ वा त्य अर्श्वेष वी स्रेट में स्वयः त.जश्चमध्य.त.पर्वेट.घर.वैश्वः ज.जश.चेय. र्नित्राचित्राचित्रः अर्चित्रः स्तित्रेत्रः র্ঘাকঃ ধ্রদাশ ইশানন্দা এ দ্রীর শ্রীশ র্মীনশঃ यः प्रशासन्य । स्थान র্মিল্বান্সমের ইনিঃ খ্রি:অ'নমকের খ্রি:মুর্ন্মিনঃ वरमें वरक्रवर्त्र व्याप्त मुद्रान्य वि कर्रद्विदशःशुःश्रियः गुरुप्यशःधृष्यः तर्कयः ৠৢয়য়ॱয়ৢॱয়৾ঌ৽ *ড়৾৽ড়ৄ৽ৼৄৢ৾৽য়য়৾*ॱয়ৢ<u>৾</u>ৼৢ৽

२_{स.स.}क्ट्र्य.मी.चर्षेष्ट्रत.स.पुंड मीजाःभक्ष्य.की.पीर. पर्वम्**राप्तरे** स्था प्रशासका सामित्र । स्थित **ฃิฆ**าฃุ๘៖ जुयार्येदे ५ वॅद्याया अधराधिता गर्डमार्वे पर्जु प्रमुद्दायाव अप्वेषाः विषाः মঙ্কু 'सঃ गर्डम'र्ने 'अर्क्टें 'क्रेने' हे 'बेनाः गन्नः' सक्ष्यः में हे द्वा में स्थः ध्वा का मे का यद्वा त्या वि ট্রব'র্য্রীঝ'র্ক্রিনঝঃ নস্ত্রী'নঝ'নব্দা'র্মিশ্বর'ঝঝ' **अ**'र्नेदशः नर्गेदशःयशःयन्गःयःन्देशःश्वायः

र्धे.तः वृषःत्रमः त्वाः र्षेत्रम्यः तरः करः र्षेत्रः धे.त्रः करः क्षे.रः र्षेत्रः वरः ने तरः करः वरः र् देंग्यः ग्रम्यायदेः यम् कर् प्रमुद्धाः स्रास्यः

বর্ছান্যু-মুন্মু-মুন্ধুঃ বন্ধমাত্মন্ম মঠিমনাধ্রম শ্বুব'य'अर्दर् मुेव'दव'र्ज्ज्ञेग'उँद'र्न्देश'ग्रुव' म्बदः हेर्न्वेव वर्यंदे यस या वर्गे दः मर्देव শ্র্শশর্মর শ্রী নম্ব মান্ধুনমঃ র্ক্রশ্র্মর येर'मेव'केव'यष्ट्रवः श्लूष'युव'यरयामुद्रा'दा'या নৰ্गীনঃ ধ্ৰুদাৰা ইষা নন্দা না বীৰ শ্ৰীৰা ৰ্কীনৰাঃ यः । प्रश्नाय । प्रश्नेष्य । प्र র্মিল্বান্স-ক্রন্থ্রেমিঃ দ্রী-দ্রী-ব্রম্ভর-দ্রী-স্থর্মিমঃ

वरमो वरक्त वर दुः र्श्वेषः ग्राचर वरे वर कर्र्निह्यासुर्वेषः गुरायश्रम्भायक्षा भुत्रवासुः अळेश र्षेष्णः हुँ वर्षः त्युः रुप्तः स्रोह्ने हुँ श दे·वशःष्रं·मुवःध्यःतुःर्त्वेवः दःक्षःश्चेवःद्विः।वः শ্র্রির মর্ল্বঃ মী থেষা শ্লু শা শ্লু ম খে মর্কর কীঃ र्श्वेर'य'स्र्र'वुर'र्रे'सर्क्र'केः सन्नुर्द्श्य क्रॅंतर्अः यें केश व्याया हे या या मा त्या की या की या र्हें तकाः पर्रे प्रवापन्य केंग्रायाया ब्रुट्रें दकाः

र्तेत्र । प्रशेष । प

শ্বম্বেরিব্রম্কর্ব্রিক্সাস্ত্র্র্র্রিক্ষ শ্ব্রাধ্যম सुमा तक्ता भ्रुत्र शास्त्र अकि । क्षे क्षृः तृ तर्हा म् स्

यज्ञः श्रेङ्के रहुः श्रु माश्रु दा श्रु माश्रु देश स्थान

यदे द्रया भीता या गुरु भुद्र प्रायम महिमा

बायेरायविवः न्द्रां सुनायर्केषा महेबान्ते ।

केव्र अर्केषा गी श्रुः वुर कुव श्रुव परे वर कर

देश'यर'शेयः धुग्रशह्रायद्ग'य'प्रेत्'ग्रीश

র্ট্রবরঃ বস্তু:বর:বর্গর্মগ্রম:ঝুস্ট্রবরঃ न्वेंदश'यश'यन्य'य'न्देंश'युय'र्र्स्थः त्श'

यश्चात्रवाः श्रेवाश्चात्रः कतः श्रेवः धुःषे व्ययः कतः

ष्ट्री:रु:बेंपः वरःषी:वरःळ८:वर:८्:बेंपः गवरः

বহ-জব্-এম-শ্বনা

पर्दाकायायादः **बो**ङ्कीयूग्याकुँखृश

वदेःवरः कर् र्वेटका सुः र्केषः सुका सका सुका

तक्ता श्री प्रशासिक हैं, पर्दे श्री में स्था से

श्रेङ्के क्षेष्ण दुं यह सु र्या द्वा वित्र स्व

🖁 गर्शेल'रदेवस'यसस'य'सुरु'रगुव'

নৰ্শ্ৰশ্ৰশ্ৰ্

षो'स'र्नेः तुप'र्स्वेष|स'यरे'य'उत्'र्गी'विद्यपस्यस

ब्रुः ब्रूट्यायवराणवाविषवाहेते.विवास्य याल्यः श्रितःश्रीः पर्यः पर्वेदः यावशः विवः पर्यः पर्

ॸॆ[ঃ] दर्ह्यामुदेःश्चेरःतुःदर्शेःमदेःर्देवःयःर्धेवः

दर्गे 'र्ने व सुन कर से र प्यते 'श्रुम् श हे 'उनः र्षे

मुन पर्यः पर्वेदः योषेश जा योज्ञालः यः पर्वेयशः

বৰ্ষমান্ত্ৰ, শ্ৰীৰা বেশ্বুবা ঘদ শ্ৰীৰ শ্ৰীৰা ৰ্মুবৰাঃ

मुलार्सि विः ब्रेंदा वेतु पर्वतः अवः कदः व यः ₹**%** য়ৢ৾৾ঀ৾৾৽য়য়৻৽য়য়৾ৢৼয়৽য়ৼ৽ <u>5</u>31

শৃষ্ঠা ক্লুব কেন ঐন মন ট্রব ট্রারার্রি নঝঃ <u>ጃ</u>ጟ'

ॻॖऀॱक़ॕ॔ॺॱॾॗॢॕ॔॔॔ॾॹॗॴॱय़॔ढ़ऀॱॺढ़ॖ॓ऀॺॱॺऻड़ॺऻॱय़ॖॿ শ্রুঝ

ন্ম:বর্দ্রনার্থান্য ম্র্রামান্তর্বারাঃ নর্মা

वै क्षें त्वा श्वेव में दे। या मोर्वेव सर्द श श्रम् हेशर्चेर्'ग्रें'बेयब'उव'र्षेदब'य'ग्बेग्बा अ'

रेषा र्येषा पर्दे श्रेस्रश उद रहेद पर्दे रप्दे रूपयः

ଡ଼ିଁ ବ'ର୍ଧିୟେ' ୩ଟ୍ର ଅ' ୮ ୩ଦି' ଶିକ୍ଷୟ' ଓବ' ସମଷ' ଅଧା

यक्के'ग्रुट'कुव'क्र<u>्</u>ठ'येर'यदे'श्र्ग्र तर्वाः ल्.मेथ.तर्थं तर्वीरःयवश्चात्रात्रास्त्रात्रा ह्रे उत्र

বদ্বশঃ বশ্বমানাপুর'গ্রীশাব্র্বানমান্ত্র

ฃฺลาฐักละ ใสเะชาซู่ปลาทนูาหนาสนากเสิน. यदे रें इं वरका रे प्रमें दका रे में प्रमें में विवास

ୠୖ^୲୕୕୕୕୕ଽ୵ୡ୕ଽୄ୕ୣଌ୕ୄ୵୕୴୵ଽ**୶**୕୶୕ୣ୷ୠୣ୷ୄୖ୵ୢୖୠ୕ୡୄ

षरर्देखेंबायदुरेन्स्बाबुर्देबाबुर्वेदः दर्शे

र्नेत[्]क्केंपश्च केत् सर्द्र प्यये श्रुणशक्ट । कें

मुव पर्यः वर्षेट बोब्स ज बार्श्वा य पर्वासः

বৰ্ষমান্ত্ৰ, শ্ৰীশাৰ্শীবান্ত্ৰ ন্ত্ৰীপাৰ্স্থ্ৰ

ডব'হয়য়'ড়ৢৢ৾৾ৼৢ৾ঢ়ৢ৾ঢ়ৢয়৾ঢ়য়'ঢ়ৢয়'ড়ৢ'৾য়য়ৢয়৽ केंव् ૹ૽ૼઽૹઌ૽૽ૢૼઌઌ૽૽ૼઌઌ૽ૼૹઌઌૣઌ૽૱૱૱૱ૢૼૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ

<u>৻৴৻৴৻য়৻ঀ৾৻ঀ৾৻ৼঀ৾৸য়৻ৼৢয়৻ৠৣ৾৸য়৽</u> 55'

ন্ম নের্দ্রে বার্কা এ বার্কা এই বার্কা বার্কা

য়ড়ৢয়য়ৢয়৽৻য়ৢয়৽য়য়ৼঢ়ৢয়ড়ৢয়ৼৢ৾য়য়৽ ঢ়ৢ৾য়৽

র্মুমারের মার্মারার মার্মার মা

क्रेंश्राद्यें रागवित्रार्धा दहिया वा श्रुया प्रदेश केंश्रे धीता

শ্রীঝারীর্কীরারীর্বায়র মার্কীরারারের বিশ্বঃ હેર્ષે.

मुव स् अंव से प्रमुद त्यें र मी अ पर्से र श ᡷᢅᠽ᠂

र्सेग'ร्यग'ร्य्रद'वर्ज्जेग'यर'वे'र्सेय'येऽह હેર્ષે. मुवः पर्दः पर्देटः गवशः यः गर्झ्यः चः पर्देवशः বশ্বমান্ত্র গ্রীশাব্রুবান্ম নিষ্ট্র গ্রীশার্ক্রবশঃ

য়৾য়য়৻ঽঀ৾৾৽য়ৣ৾৽৻ঀয়৽৻ৼ৾য়৽য়৾৽য়৾৽

यर्जेर रूपा यरूपा वर ग्रीश हेव या वः धेर ग्रेशचे सेंग्रें अपेर यम ग्रेंग्य या यरे यस केंग

क्रुव क्रुव क्रुं न्नु ५८ ५ नुवेर से ५ म्ब कें बर स

यंत्राचराळप्रदेशायाश्चेत्यः र्खे कुतायज्ञात्तुरा

ग्रम्भायाः म्रास्थियः यद्यस्यः यद्यसः यद्यसः स्तुनः

য়ৢয়৻৻য়ৢয়৻য়য়৻ঀৢয়৻য়ৢয়৻য়ৢ৾য়য়৽ ৻য়ৢঢ়৻য়৻

ন্ম্র-মেন্ড্র-প্রেম্বান্টের রীম্বর उत्रस्मेदे त्र भीश्राकेत यातः धेर महिशा

यश्व विश्व विश्व

ग्रेश शेर सें अंतर यम ग्रें या पर दिवस कें।

मुवःषीः न्याः भः नदः न्त्रीयः येनः यशः यः वेन्यः सः

થે**ત્ર**ાર્વેત્ર ઘર કે ર્સેંગ્રાગ્નેરફ ર્લે ક્રુત ઘરૂ ત્રુદ

समितः तर्में 'र्ने मः सूते सँग्रामः नियाः

वृर्धाः योग्रा भ्राभाषाः श्रोताः यरः वः भ्र्याः श्रेरः

र्षे मुत्र पर्ज्ञ त्वुर ग्विकावाया गर्ने वा वि

য়ৢয়৻৻য়ৢঢ়৻য়ৼ৾ঢ়ৢয়৻য়ৢ৾য়য়৾য়য়৽ মুখ্য.র্ন্টব্য. বৃশ্বশ্রিব্ দ্বীব্ শার্শ্ধীশ্বশ্বরে উঃ বি.প্রম.রি.

वे र्क्षेत्र से ५ त्य २ त्य कें त्य वा त्य देव 🔻 🎉 सुन् मिले प्रमामिले स्त्रित स्त्रिम मिले स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्त्रिम स्

सहर वस के तर्वेष तर्वेष स्त्र है। क्षें मुन মহ্ন'বেমুদ'শাব্ধা'ঝ'শার্ধাঝ'ম'বেদ্বাধাঃ মধ্যা'

य सुत्र गुंदा त्युव य म मुंद्र गुंदा र्रेव स्वा

म्बेग र्रे अ रे र रुष श्चिय अके य उन्न वर्षेग

केव तह्रम्यायाय तस्र तस्र त्यातम् याय से के धिन

শ্রীষারীর্কীয়ারীর্বায়মার্শীর্যারারেরীর্বায়ঃ র্জী

मुव द्यद र्वे मे ८ दूर सुर सम प्रकार गरुग ऄ॔ॱॹॖॗॖॖॖॖॖॖॗॖॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ यदे सेयस उन क्वें रायर वे केंग्र सेर् মহ্ন'বেরুদ'লাব্রাথ'লার্রাথ'ন'বেন্নরাঃ নর্মা য়ড়ৢয়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়য়ঢ়ৢয়ড়ৢয়য়ৢ৾য়য়৽ য়ড়ৢ৽ ये.प्ट्रात्वृद्यते प्रयः कर्गी अः श्रुप्रां वाषरः र्घे तहिषा या श्रुषा प्यादे स्ट्रेंश धिन षिन षित्र विसेंसा शेर्'यर'ग्रॉक्य'य'वरेपकाः र्षे'क्वर'ववूर'य' বর্নি:ঐ'ঝুইনি:বড**ঝঃ** রেট্রনে:মন:ঝননে:

 क्रेव पाव । विदायक्रियाची स्थित स्वर्धिया से दाय स्वर्धिया

यः तदेवद्यः ॲं क्वुव्युष्णः क्वुः यविः यो दर्षो दद्यः यरः

युवः र्द्वैं र भी र्के <u>५ र स</u>्या श्रेस्य प्रमानस्य प्रमान ଊ୕ୖ୲ୄୢୢ୷୶୕୳ୣ୕ୣୠ୕୵୕୶ୣୠ୕ଽ୕୶୶ୡ୶୕ଊ୕୶ୣଈ୕ଊ୕୷୵୵ୣୖ୵୷ୡୄୡ বশ্বমান্ত্র গ্রীশাব্রুবান্ম নিষ্ট্র গ্রীশার্ক্রবশঃ यदः विया यनिदः अदेः न्यया यीश अधदः नर्झेन्रः वर्षः अर्क्षेव कर्द्वेव येशायने प्रश्ना विदाने वाया वह धेर् महिषा वे र्सेंग्र भेर् यम मर्शेषा या दर्वसः ଊୖ୕*ॱ*ਜ਼ॖॖॖॖॖॖॖढ़ॱॾॖ॓॔ढ़॓ॱग़ॣॸॱॸॸॱख़॒ड़ॱय़ॱऄ**ड़**ॎ ॻऄॸॱय़ॱ

वेर्'डेर'अर्ढेव'क'वर्धर'वर'व्यूरः र्षे'मुव'

মহ্ন'বেনুদ'শব্ধাঝ'শ্ৰাৰ্ধিঝ'ন'বেন্নৰাঃ নৰ্মম' বাপ্তর'শ্রীঝাবেশ্রুবাঘম'শ্রীর'শ্রীঝ'র্ম্রবিঝঃ ব্রমা विषा कें : बर : एके : प्रदे : तुष : मुह : कें । विष् : विष : विष : क्ष्मायक्षयप्रमार्थेकानेवायाव धिरामनेका वे र्क्षेत्रासेन्यमः म्ब्रीयायायन्यमः म्बरम् ଯ' ଅସୟ' ୴ଷ' ଶୁୟ' ଅ' ଞ୍ଚିଃ ଅମ୍ବି' ସ' ଓଷ୍' ଶ୍ରି' 'ବିସ' 5୍ୱ देशयमञ्जी । स्रिन्जुन यज्ञ त्युम्यान साया मर्सेया ব'বেব্বঝঃ বঝম'ব'ঝুর'য়ৢঝ'বয়ৢব'য়ম'য়ৢঌ

ष्णेत्रःर्द्धेत्रसः क्षुंख्याम्यम्याः विषापितः त्रान्तः मुः त्व्यास्यः क्षुंख्याम्यायम्याः विषापितः विश्वः सुः त्व्यास्यः क्षुंख्याम्यायम्याः विषापितः विश्वः र्षे. भेर. रेश. पश्या प्रिय. प्रियः त्रीयेश है. लुसः

त्व्याञ्चर मर अम र्ग्यायम वे र्सेस से १ कें। मुव, तर्य, पर्वेट, बोबेब, ज, बोब्र्ज, य, पर्ट्यबा বৰ্ষমান্ত্ৰ্ৰান্ত্ৰান্ত্ৰ্বান্ত্ৰ্ याववः धरः यशः ८रः मुवः ग्रीः ८घरः ग्रुरः हेः त्व्यः भूरः नर्देशः चॅरः वेतः उटः भूगः नश्र्यः तः षिर्वात्रेश वे र्स्ट्रिंग सेर्वायम महिला या पर्वे यस ष्ट्रां मुत्र पदे : केत्र मुयः येंदे : दें रें हो हो स्वा प्रम्यः

ন.ধ্র.এইম.ধর্মন.ম.মুখ্র.ম.মুম্মেমঃ বর্ম. নমু.ধর্মিমের্মারেমেম্মুম্মেমঃ বর্ম.

विष्यायाः स्ट्रान्य स्थानिना यसः हो दः र्षे स्मृतः

35'

55

धेर्

<u> र्वा भ्वा पश्चय केंद्र में अ केंद्र य र्</u>

यर'र्वेर'ग्री'हे'त्यदश्र्या'यश्र्या'वश

यश्चित्रः श्चेत्रः श्चेत्रः यश्चित्रः श्चेत्रः श्चेत्रः

છુલુશ્વાય: અમ: વર્ષેત્ ' વર્ત્વ: મૃત્ય: નુદ્રમ: મોં શ્વાર છુલુ: યર્જન: તુશ: તુમ: વસ: દ્વૃદ: મૉર્સવ: વ: ર્થેવ:

ଊୖ୕ୄ୷_{ୠ୶ୖ}ୡ୶୵ଽ୕ୣ୶୵ୠ୕ଽ୵୷ୢୖୠ୵୵ୡୖ୕ୣଽ୷ୡଃ

क्रें मंडेग महुर वर्ष महुर स्रेस्र र्म ह्या दें स्रेस्

ড়৾৽য়ৢৢৢৢয়ৢ৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৾য়য়৽ য়য়য়৽য়৽ৣয়৽য়ৢৢয়৽য়য়ৢয়৽য়ৼয়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৾য়য়৽

[†] रुअःगश्रुअःअदशःकुअःवे। **रुअःगश्रुअःअदअःकुअःग्** र्देवःम्बद्धः रहेश्यायात्रावःयन्यायने यासे र्घेदे विवयः वरळ ५ श्वा वर्षेय वर् ५ रेद्य <u> इया में अध्यक्ष वार्श्व या व्याप्त व्याप्त व्याप्त</u> पत्त्व पृत्व र्षे यः धु त्र व्यवस्य वि वर स्वर बे'य'र्रः यश्रम्य'स्त्रुव'ग्रीश'दगुय'यर'ग्रीव' মুখার্মুনঝঃ

न वार्ष्यायदेवसम्बन्धाः गुवः श्रीकाः पुराः

নৰ্শ্ৰহাৰী

্ঞা ^{শ্রিন}ের্যার শ্লীর শ্রেম র্মুর দেরী হর গ্রাব

वबरार्से वेंद्रायव्या श्रुविषायि सामिष्या विषादित

र्धे के १ दिसा शुवा अर्के गा र्से या विदेश के वा या वर

दर्गेदे मर्डि थे ने मायर्के मुयाव्यमाया मर्सेया

यः दरेवसः धुः दरः ग्रमः प्रदेः वरः स्र- दिः वः

८८३ म्यायि मुंदे पहन पर निन् की मार्से प्रका

ক্রিঅ'শ্রব'ষ্ট্রীশ্ব'র্ডামা

क्टें न्यय नेश रव मुश यर वुद चीश र्रेवशः

বঝ্ম'ম'ঝুর'য়ৢয়'য়য়ৢয়'য়য়য়য়য়য়য়য়

वर्स्या अर्द्धेव प्रश्लेष वे प्रमाधिव मीश र्से प्रश

वुर स्र रेंद गेर्देर वे पर वुव ग्रैश र्रेपश

🕴 गर्भेषायदेवशर्केशञ्जुगाुवावबदा

ঘৰ্ষাঝ জী|

ફ્રેંન'ય'ર્<u>ફે</u>મ'શ્રેયશ્વ'વર્કેય'યુન'નુગુંદે'

জে'ম'র্ন্টঃ क्रिंशःश्लुःगुव्राचन्रान्द्रगायः र्हे हे

दक्रदः ॥ सर्गेत्र दें से द्रम्म से द दर हुत र स मुत्य ॥ বা<u>ষ</u>্ <u> ५व्रे २ से ५ स्त्रु ५ त्या मुर्शेत्य या</u>

अ: भी प्राप्त मा केर तरहा राज्य मा केर **यर्**यमः

म्बर्याम्यरम् केरार्यर केवाहा हे प्रमेर्

श्चम्बरग्री:यद्याःकेदःषदःद्याः श्रूर त्रें रह

हेर्ग्णः सुर्धित्यवेत्रवेत्र्र्य्यायात्र्यायाः यदेवसः स्वाप्त्रावेत्रवेत्रक्ष्याः हेर्गः माः स्वाप्यस्वत्याः हेर्ह्रह्राण्येत्रवृत्युः सुः सार्थः स्वाप्यस्वत्याः हेर्ह्रह्राण्येत्रवृत्यस्व

क्रेव.ब्र्ट्र.ब्रेट.क्रेज.ज.च.ब्रुंज.च.उट्टेचर्यः श्रुंट.ध्रे. क्रेय.ब्रेट्य:ब्रेस्ड्रेज.ज.च.ब्रुंज.च.उट्टेचर्यः श्रुंट.ध्रे.

ग्री-दर्ग्द्रश्चर्याचरः वयः स्ट्रिंग्वरः स्वरः स्वरः

दर्गेते'मर्डं'में हे'याम्बेयायादनेयबः अनुक्या युदायक्ष्रवाम्बुदाळ्यामहेरातुःसुबः श्रम्बागीः दर्गेदबायायबाउवायायाहतः यसेप्यतिक्या

क्रेस्रस'र्वेद'ययदस'र्थेदस'य'यत्वमः देव'उव' श्रुयः प्रते श्रुः या श्रीयः या तर् प्रवासः या तः द्वेतः <u> ५क्षेट्याययायबुटानुः मुर्खेयः नुयादवादिःया</u> रे र्हेश प्रविद सामक्रिश विग्रास हे ग्री ने ग्री न्याः भ्रामुनः श्रुवः यद्यः स्याः स्या वुव स्वायाण विया त्राद्य मधि त्य्यम् रार्त्वेगः

मुश्रातम् प्राप्त राष्ट्र स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्र स्त्रास्य स्त्रास्य स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रात्म स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त 🖁 । ग्वरुषायह्रवासुगासर्केनान्यत्वेषायदे कें।

য়ৢয়ৼৄয়য়ৢড়ৢয়য়ড়ৢয়য়ৠ

ग्वसायह्वाध्या अर्केन् न्यायचेषायय केंग्या अर्ने सायस्या उत्राह्य ^{શુંદ્રમા}લ્દેલની **અદ્યાસુયાર્જેયા ૬ટ.ર્સેંગ્યા** ગુંડ્યર્જેળ इस्रमाय। वटाक्यावरात्यावीक्षुवर्षास्

अळी । पार्वाकी श्रीत सेंग्रह्म श्रीस परि पर्सेर ব্য়স্মানীসা বির্মূ.কা.নব্মন্ত্রীম.স্বাস্থার্থীয়. य'न्द'यने'यदे'कु'न्द'ख्न'यर'कुर'उँग ।<u>श्</u>रुग' <u> বর্ষর, ২৮, র্করা, বর্জর, গ্রী, শ্রী, ২৮, রাজ, বস, গ্রীস,</u>

उँग । भूग प्रभूय से ५ प्यते प्यते प्या ५ प्य

<u> दव्याप्रमञ्जूमञ्ज्य । हे मेराक्ष्यश्रम्मा म्राम्य</u> *ব*র্র:বদ্দর্শ্বরুষ:ঊর-র্ম:অনার্কান্ম:শ্রুম:উন্যা

व्यवःगश्रम। श्रुप्तवाःगववाः ५ गेविः सर्केगःगश्रमः ग्रीः

বব্ৰ'ম'ব্ম' ক্ৰুঅ'ম'শ্ৰশ্বভশস্ক্ৰশ্ব'শ্ৰী'গ্ৰীৰ্

क्रियम्पर्दा र्क्षेष्यमान्त्रेम्यस्य वदःक्रेमः

<u> २ व्रीम्बर्ग क्षें म्बर्ग ग्रीबा । ब्रिंग मञ्जू पर्ने क्रेव</u>

विदःषीःचर्गेद्रःयदेःद्वश्रा ।धेदःदर्धेषाःर्वेदः

ग्रम्भःयह्रम् सुग्।सर्केन्। त्रंदे'मावयाओन्।मदाक्रेव र्योम्। मिव क्रेव सोदान्ते

यर ब्रुदे ग्रन्त अर्केग र्रा । र्रे अपन्यस्य ন্ৰহম্ম ইন্ম ই্ৰম শূম শূম শূম শূম হৈ । মাৰ্ক্তি ।

ষ্ট্রবাক্তামর্ক্টবিশাদানীদান্ত্রীদান্তুমান্ত্রী 🏕 উশাদা वॱर्वेॱरहुःहःष्यूःष। केंंवःर्वेः इःगःसःहेःवहःशूःरः

य्यसङ्क्ष निः वृष्यानृष्य। ष्यद्वः ने स्वयुर्यः स्कूष्य।

55 वृ । कें यहें यहें। य दृयहे। य दृ हे हैं यहें।

अ'नृ'वेठु'वहें। अ'नृ'वें'ह्ने'रेंह्र'वहें। अ'नृ'वें'ह्ने'

सर्ह्ने या और गा साहायहें अस गास खूर या साहाये जु

ই.এ.বার্ট্, র্বা.ঠা রুনারালর নার্থসার্হতা গ্র্যার

यहत्यःबेटःमन्दशन्दःयङ्ग। यम् सञ्चेतःसुरःसन्सः

युःपतिःक्षंगतिःय। ।यङ्गःतिःत्वशःयक्षतःयक्षःयुः यक्तवःविःक्षंगतिःय। ।यङ्गःतिःत्वशः । देवःकेवःयक्षःयुः

क्रेट.टी विध्वश्रः ह्या.क्र्ट्रट. ततु. यहंट. यहंट वर्गे. यह.

अर्गेत्। ।शुप्रायाः अर्केगाः प्रायान्य सामहत् केतः ये

इसमा विकॅर-५८-वडम-ध-विम्य-विदेश-वर्देर-

মন্বিশ্বরাধ্যম। ব্রিশ্বরামন্ত্রি ক্রিন্থান্তর প্রমান্তর প্রমান্ত

ब्रिट्स'सर्कें भ्रेससंबिद्। विस्थार्मे या प्रसिद्ध स्थार्थ विद्य त्याय भ्रेद्य या विषय स्थार्थ स्थार यदे मान्या सुर्भुन पर्नेन ग्रीया । पर्गे पदे र्नेन ষ্ট্রীম'মার্ক্রর'শূঝ'শাবীশাঝ'শ্ব্যমার্ক্রশা । বের্ল্র'বেরি' अर्षेत्र⁻र्ये : शृणु : श्रेरः यो : ध्येश | | श्रद्या : सुत्रः न्यू अ: न्यू अ: न्यू अ: न्यू अ: न्यू अ: न्यू अ: त्राचाराची धिवा प्रिताबवा । वाश्वरास्यासे वासे व ૹૣૣ૽ૼૼ૱ૹ૽૾ૢૺ૾ૢૻૡૡૹ૽ૢ૽ઽૡૡૺૢૹ૽ૢૼ૱ૹૢ૽ૢ૽ૼૼૼૼઽઽૣ૽ઌ૽૽૱૱ र्घे प्रत्म अर्थे प्रकंप। । ५ अर्थे अञ्चेष प्रदे ञ्च ५ र् श्रुव पर्वेव श्रुवा विशेष्ट पर्वे प्रदेश स्वित सकेंद्र গ্ৰীষাশ্ৰীশৃষাশ্ৰ্যশৰ্মিশ্ৰ । গ্ৰুমানশ্ৰমান यर्झेश्वरम्बर्यदे मुल्यस्वर्यस्व। । पवर्यम

त्वुदःददः अः स्र अः व ग्राच व ग्राव व । द्वाः स्व व दें

णवश्यहवस्याम्बर्धाः हेर्स्स्रित्युः प्रबद्धाः प्रवास्त्रेयः प्रवास्त्रेयः प्रवास्त्रेयः प्रवास्त्रेयः प्रवास्त्रेयः प्रवास्त्रेयः

क्षेत्रसायेत्। ।यसःयहत्यः सुदेः श्रेष्ट्रेतः येतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेतः स्त्रेत

न्यानी प्रश्रेंद्रान्यसानेन केनामेंद्रान्तिन ।

यनेवाश्वःश्वःवार्श्वया ।श्चरशः द्वःश्वेरः सर्वेदः श्वेशः यनेवाशःशः वार्श्वया ।श्वरशः ददः श्वेशः स्वारः

ढ़ॺॱॿॖॕॹॱख़॔॔ज़ॱढ़ॾॣऺॺॱय़ऻॱऻॿॎऺ॓2.तॸॱॿॶॱॿॖॖ ढ़ॺॱॿॖॕॹॱख़॔ज़ॱढ़ॾॣॺॱय़ऻॱऻॿ2॔ज़ॱॿऀढ़ॱ॓॔ॻॸॱॻॗ॓॔॔॔ॹ

यगादः भुराषार्देन स्मृतः या शुरा। । सरार्देनः र्देर:वश्वाद्विर:चदि:वगशक्य:द्या ।गावव:देव:

व्हर्माय विकाय हर्त्र पश्चिमार्थे । । न्याय उत्रा ध्याक्षा हेते प्रयम् वीकायात्र का यम् माने या वा

<u> ५वो पश्चेत श्रुपश गर्बेल पदेत पदे र्ह्म पह्न</u>

य। । नुर्गेव अर्केग ग्रम्थुय ग्री विषय रिवेट अर्केश

र्शें तर्कता । पर्शें ५ वस्य १ में ५ केव वि १ ५ सुन

বর্রবান্ত্রীশা বিশ্বীবের দুর্বির প্রীর মার্ক্রর শ্রীর

मनेम्बर्स्याम्बर्धिया। ३०० र्रेयः व्यवसञ्चन ५६०

क्रेन् सुन्यार्स्धियाद्यास्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

मानेकाः भ्रीताः याद्वास्या । व्यापानेकाः ध्वाः यानेकाः स्थाः याद्वाः याद्वाः

यवगः अर्ह्न सुगः तर्कया । त्रुः अदेः श्रुः कें पहवः यः

「「「」 「日報母、日、最初、日本、自身、通知、義日本」

ग्वकायहवःस्वगःसर्केत्।

यहर्ता । त्रुः स्रवेश्वः च द्वार्यः स्ट्रिंदः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स स्वार्या स्वार्यः स्व

वग्राच्या । तस्यग्रायदेःगव्रश्चात्रह्वः अःस्रयः य।।

क्ट्रिंट प्टर प्रति प्रमुखायार्क्के मा । श्रेषाया सहिया सः लय.पहुंब.सेब.पश्जा । वि.शदुः पश्चेब.तः दर्धातुः मुंदः में बद्धः मुंदः व। विषयाद्यः पदेः म्बर्यायहवर्त्यायुवरवी । । न्यायर्रेयार्श्वेटर्न क्रिमा'यक्क्ष यङ्क्षेत्र। ।याद्येत्रःग्री:इःर्मेत्रःवहेंद्रःध्रमः वर्ष्या । त्रु अदेः वर्ष्ट्रव यः क्रेड् यः प्रे त्रु रावः वै। ।गवरायहर्न्स्हेर्स्सेर्धाःस। ।५म्यवर्षस क्रेव.स्.क्रॅट.म्बारा.चर्झेरा क्रियाश्वाशह्य.इ.लय.

यश्रुव'यः र्थे'अ'यतुव'यदे'रे'स्या'व। ।दयग्**रा**

यदे मन्यायहन नगयान मन्या । न्यायर्डे या

यह्य सिया तक्षा । यः यद्वा यक्षेयः यः क्रियः त्यः

सु'वदे'त्रीर'व। |दयग्रायदे'ग्वावश्चायह्व' यबर'र्घे'वे। |द्यायर्डेस'र्ह्रेर'द्र'वेश'यक्क्ष

तक्ता । मि.सदुः तक्षेषःतः विषयःसक्तातः पर्भूर। । क्षित्रःतकरःसक्षःतव्याःसहरःस्वाः

कुदुःलीतायः वर्षे । विस्वयाद्यान्तपुरः यावद्यान्यस्यः

तर्भूर। रिवःकेवःवग्रश्यःयः वह्वःधुगःवर्क्षा। त्रुःसदेः तस्रवःयः वृतःग्रीःतःयरःर्श्वेदःवःवे॥

इ.र.र्थे. ह्. बोड्यर. इव. जी । रेबी.पट्डीर. व्या

पर्व प्रमुखं पङ्गीय । विष्य यविश्व अवस्य प्रमा

ख्यायां । द्यायर्ड्य केव यं द्यायक्या । व्यायर्थे । व्यायर्थ्य क्षेत्र । व्यायर्थ्य क्षेत्र । व्यायर्थ्य क्षेत्र ।

पश्चरमः विष्यरःगुःषेःत्त्रीरःवःवी ।वस्यम्बः

यदे मन्द्रायहन श्रुमाउन यहें न । न्यायरें स

क्रॅट. २ ट. क्रुबा. चक्किश. चक्कें र्रा १२ व. क्रुब. स्वा. ख.

यहेंत्र:स्वाप्तक्या ।स्वायदे पश्चतःयः चःर्मेट्ः स्टार्चेदःरे:वं:या ।ययम्बायदेःम्वस्यः चह्न

অমাধ্রবা | বিশ্বানইমাইন্নিন্দ্র

यमुर्श्वरम्भूर। । धुन्नः मृत्रेश्वरः यत्र्यः यत्वनः अर्ह्नः

यसम्बाद्यत्यम् व्याप्तस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य स्वाद्यस्य

वसग्राम्भीरावावी ।इ।राङ्ग्राम्पार्वेदार्श्रेयसा

येव। । ५ मः पर्डे अः क्षेंदः स्वाः गर्डमः मे अः पङ्केंदा।

यः रे.लु.भैज.तू.ट्य.लट्य.जो विस्वीय.तप्र. योग्राच्याः यह्यं सिग्तः तक्ष्यो वि. यदः चक्षेत्रः यः रु.लु.भैज.त्यं स्थाः तक्ष्या वि. यद्यायः तक्ष्यः

पक्षरपङ्गेर। विभाषायक्षराम्ब्रीयाद्ध्याः विक्षरपङ्गेर। विभाषायक्षराम्ब्रीयाद्ध्याः

ग्रह्म पहन सुग अर्के र तक्षा वि.शदः वश्वः इ.लु.मैक.त्रं है. नुःयम्। । तस्य । अर्थः यद्ये यात्र अर्थः यहतः श्चे ५ खे ५ खे । रश्चायर्ड्याङ्ग्रेंदाद्वायांत्रेयमुक्यायङ्ग्रेंक्। ।धुनाः ग्रेशम्भेगश्चायायहित्युग्यस्य। ।त्यायदे तश्रव'यः रे'षे'क्वय'र्य'ग्रदश'उव'य। |*वयग्*बर यदे ग्रम्भ यह्रम् अ स्त्रेन या । । न्या यर्डे अ र्ह्सेन स्यायान्यम्यायार्भेर। । विरस्यायार्भेरा

यविग्रम् । इ.लय.विभाताः पहुचे.विग् तक्ता। भौग्रम्यायभाषिम् । श्रम्यम्य भरिषः विग् स्थितः त्यः यविग्रम् । इत्यायः पहुचः विगः तक्ता। यविग्रम्

यह्य.सियो.पक्षा । य्री.शरुः चक्षेत्र.तः यत्तवाद्या.

मु'सदे नक्ष्र'या नर्जेंद्र'यशर्के नर्केंद्र'यश्रकें ষ্ট্রবর ডব। । ব্রহেম ক্রুর বঙ্গুর ম ঐল্বর বঙ্গুর य। विरःर्क्षेष्ठ्यः चुरःर्ख्येष्रश्यवेष्ये। क्वियः क्वेतः

चले'य'सुष्'वर्र्सय'र्ये। न्नि'सदे'श्रू'र्स्रे'वह्रद्र'य'

य: ५८१ । अवा श्रुव: इस्र अ: ५८: बुग: य: गर्ग र्ग अ: अर्क्षेग'८८'। । अर'ये'अर्क्षेग'८८'यर्ग'र्श्वे**य**'८य'

य'भेश । क्रुव्य'य'रे'र्ग'व्य'र्वे' अर्केर्'यर'यश्ची।

ब'चबद'५अ'म'क्रुअश'५८'ई'अर्क्षेग'५८'। ।धुे'

यदःस्रम्यामे म्यायक्रयायः नृतः। । पर्यो नःयः

य.ट्रे.ट्या.ज.ब्रु.अक्ट्र.तर.चश्ची विक्ट्र.त.यट.

इट्रायायटार्स्स। मियायात्रीयायस्या क्रियस्यायात्रीस। विचरार्स्स्क्रीट्रायाद्यायस्या

अष्ट्रर.तम.पश्ची ंक्स्रीय.ध्रु.मट्टे.ध्.ती.ता.स्यंशा शङ्गर. क्रेन्य रेरा रोजा । शिय च ीता य ञरा रेळा.र

वी **क्ष्रिः यह स्थान्यः साम्याम्य साम्याम्याम्याम्याः** यह स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स

ૹૢૺ૽ૼૡૻૹૢ૽ૺૹ૱ઌૺૹૹ૽૱૱ૹૢ૽ૺઌ૾ૺૹ૽ ૹ૽ૺૢૼૹૢ૾ૺૹ૽૽૱ૡૺૹઌૺ૱ઌ૽ૢૼૹ૽૱૱ૺૹ૽ ઌ૾ૺૺઌૢ૾ૺૹ૽૽૱૱ૺૹૹ૽૽૱૱ૺૹ૽૽ૺૹ૽૽૱૱ૺૹ૽૽ૺ युः ये खुः यद्दें च्च्रुः सः याः दृः याः याः याः प्राप्तः द्वाः विकार्यः यद्देः च्च्रुः यद्दे याः याः याः याः य यद्दः चाः योः योद्दे विकार्यः योद्दे योद्दे

यहं हुं भे ख़ःहुँ। मले ह्या यर रमाय प्रार्थ है। खे सुमारा मार्थ र मी के प्रार्थ र में स्वार्थ र स

रेते वर्षेर सुवा वी र प्रश्न से प्रश्नेर प्रते

न्त्रमां शुः देते कुण दें दि दें अर्केषा रव। विरास्त्र

विरःश्चिःशःश्वेष अश्वःत्रः स्थाः स्याः विरःश्चःशःश्वेष अश्वःत्रः स्थाः स्याः स्याः

८ट्टा श्रु. श्रेष्ठ, ८ट.श्रु. श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ, श्रेष्ठ,

केदेः रे में न्यम् प्रकारम्य स्थानी स्थितः वर्षेत्रः वर्षेत्रः

रेव'र्य'के। ग्लूट'र्य'रेव'र्य'के। ह'सर्केग'रेव'र्य' के। 5सग'5र्यव'रेव'र्य'के। गहेर'केव'र्यदे'त्यः

या श्रेगःश्राया होरायाया श्रुया गराया थे

ऍनाः स्वान्त्र्याः श्रृंबाः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान स्वान्त्रः स्वान्त्रः

ग्वश्यह्व:धुग्यळॅ् <u>ଷମ୍ୟାକ୍ତିୟ,ସିମ:ହିପ:ଶୁଗ,ଶୁଗୟ,ଥିପ,ଅଧ୍ୟୟ,ଥିପ,</u>

৫য়ৢ৾৾৻ড়ৄয়৻ৠৄৼয়৻৻ড়ৄয়৸৴ৼঢ়ঽয়৻৸য়য়৸

ঝরের্ঝরম:ঘয়ৢর্। | ধ্রুদার্ম:ই্র্যরের্<u>র্</u>ররে: র্বি, ব্, 'বজিমাস্ক্রামার্কিমা । বজিমান মান্ত্রির স্ত্রীমা

य<u>त्त्</u>याप्तृःगर्सेया । विश्वाप्तः। **श**ामविःर्श्वेशासुसः

बुग्रास्तिरः से 'र्नेग्'यग्राम् । रे 'रव' ग्रीर'य वे 'रे '

ञ्जरायमुन्यायदी। ।सरसामुर्वादीटार्प्रियासा

हे'स्यानाधेश। विर्मे गुन्द्वान्यान्य विदर्शेंद यम् र्वेष वेषात्रा ध्विष्ठामा यञ्जूत्रा वासुरा

বর্ণবাধানাল্ল বিদ্যান্ত্রীর স্থান্তর প্রাথ্য

「ちゃっちょ」 「型、知、美、美、製」な、と、 「大利」と、 「大利」という。

यरे.यो.चेयाश्राशंशाला विष्टाराखे.प्र.प्रयः य**ुश्रास:र्टा धिर:युश्चे:यःस्रग:यु**श्चरा <u> चे</u>'च'वसुअ'५८'५६८'धुर'हे। ।अङ्कथ'ग्राञ्चेग'हु' বশুষাৰ্ষাৰী | মিঁষার্ন্নীয়ার্শীনামার্মমানা वर्षता विश्वश्रः हैशः यसे रः ५ में रशः यवेशः शुः 'বার্ষ্যে। ।অন্তর্মান্তর্মান্তর্মান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত য়ৡয়৾য়ৢ৾৾ঀ৾৾৻য়৾৾৾ড়ৄ৾৾য়৾য়য়য়ৼয়৾৾৻৻ঀ৾৽ড়ৢয়৾য়য়য়ৠৠৢঢ়ৼ

यरे'म्वेग्रादर्गेद्यायार्हेग्रायादरा । श्रेर

यर्रेर्ज्ञम्बान्ने स्ट्रिंग्ने स्वाप्त्रम्थान् । सुबार्ट्यम्प्राप्त्रम्पेर्चित्रम्थेर्ज्ञस्य स्वाप्ति । स्वाप्त्रम्याचित्रम्याचे स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति स्वाप्ति ।

र्ने'व्या

হ্যম'ড্ব'ব্ৰুণ'শ্বি'ৰ্ম্ম'ম্ব্ৰুণ্মা

ঀৣ৾ঀ৶৻ঀঀ৾ড়৻ৣঀ৸৻৸৻ঀ৾য়৾৸৻৴ৼ৻ৠ৻ৠৢ৾য়৻ঀয়৻৸ ৼৼ৻য়৸৻ঀয়য়৻৴ৼৠৢ৾৸৻৴ৼ৻ৠ৻ৠৢ৾য়৻৴ৼ৻৸৻৸ৠ

गुव-ग्री-हेश-श्र-प्यन्य-प्ये-स्टा ।याट-ह्यः र्धियाश-पञ्जे-रहेया-हेव-र्श्वेव-स-न्य ।याट-ह्यः

न्नु व से द प्यम प्रभूषि । सु दव पद व क्र्रेंब्यायाद्यवेदादेर्द्याया । तर्गेदारायाद्याद्या बिर'यरे'यरे'धेम । पश्चय'य'बेर'में'र्य'क्रेर' বর্ঝঝরারমান্তা বিব্যাশীরারকার্য্যম্ব इर्म में इंपर प्रमाणी विष्य तक्ष्य पर्दे राज्ये र केरायम्बद्धाःयाप्ता । ह्रेबाह्यःखाःयाप्ताः बिद्रमञ्जूलायाला । । प्रमी याञ्चरा बद्रा यदमा मी ह्या

ष्ट्रीर पर्देशे । विवस्य व्यापन व्यापन विवास विवस्य

यक्षाः ग्रीः अर्क्षवः वक्षाः येक्षः हेः श्रुण्यः प्रमुखः वक्षः ग्रीः अर्क्षः यक्षः यक्षः

র্শন^{র্}শমন্মর্শন্ত্র ব্শন্র্শমন্ম

मैना । पर्मे पर्से निर्मे निर

र्त्रेयम्। श्विषमः हेरे यद्याः हेर्यम् हेर्यम् हेर्यम् हेर्यम् विश्व त्रुषाः वी। विष्यम् हेरे यद्याः हेर्यम् हेर्यम् विश्वस्य विश्वस्य हेर्यम् हेर्यम् हेर्यम् विश्वस्य हेर्यम् हेर् মম:মুষ্ঠারা মুম্বারার মুষ্ঠার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়া

शुर-द्या पर्देशया | रिया दर विषय अस्व भ्री

८्रमुदे:श्चेव'मवश्वःक्षे। ।दसम्ब'यदे'म्८'=म् केव'र्यःर्क्षम्बाद्वस्यक्षःग्रीक्षा ।दसम्ब'यदे'म्८'=म्

मवश्यम् भी श्राक्षेत्रम् । यद्याः मविवः द्योः

यदः सः यद्भे : धेश्वात्रे । यतः यभे देः त्यु रः यात्रशः

शुर-तुःब्रेशःचर-वृंग ।पञ्चर्वात्रसम्बर्धः शुर-तुःब्रेशःचर-वृंग ।पञ्चर्वात्रसम्बर्धः

ऍटशःशुःह्रॅगशःतुंद्उटा । षोःवेशःक्तुः अर्ळेः ह्रयः

यावश्चायहवासुयाः अर्केता

यसम्बाद्यम् वित्राच्या विद्याच्याम् विद्यास्य स्थान

र्वे अपन्य स्थान विकास में स्थान स्य

मी'य्या'वैश'र्वेष । दिश'र्याश्चेश'मुत्य'य'श्चश'यङश' श्वाषा'हे'धेश । दिश'र्याश्चेश'मुत्य'य'श्चश'यङश'

 यबर:र्टर:ईश:ब्रुंश:ब्रुंबा । मुक्त:क्रुंब:यंतु:ली:यग्रा य्रा । लिक:र्ज्य:ब्रुंब:ब्रुंबा । मुक्त:क्रुंब:यंत्री । ब्रुंब:श्री:

निश्चः र्विषा विष्यः यदे त्यम् स्याप्तः यद्यान्यः यद्यान्यः यद्यान्यः यद्यान्यः यद्यान्यः यद्यान्यः यद्यान्यः य

भ्रुक्ष'तु'न्य'य'क्ष्यक्ष'। ।भ्रुक्तेते'म्यक्ष'भ्रु यश्रव'तुर्र्य ।श्रृंव'य'यहेष'हेव'व्यक्ष्य'भ्र

त्रुवं यान्या । प्रक्ष्वायाकेन व्यक्तियान्या । प्रक्ष्यायाकेन व्यक्तियान्या । प्रक्ष्यायाकेन व्यक्तियान्या । प्रक्ष्यायाः

भेका | प्रक्रुव प्याध्युव स्टाम्यवस्य प्रिया क्षेत्र व्याध्य स्टाम्य स्टाम्य

यावश्रायहवाध्यायकेंद्र।

'लेश'सं.एयी.ए.क्र्याञ्चर अञ्चर सञ्चेत.रज्ञेश । १४७४.त.ए.रज्ञेर सञ्च्याश

यर्'यह्रव'य'र्द्र। । अविदःवुश्रवार्धेद्रवाय'यरे

श्चेर त्वुर व रा । वर्ग ग्वन अ स्थ र्से म्य

यसग्राञ्चेयाच्रित्रम्। । श्रुमात्राञ्चर्यासा

यःदर्गेदःचरःर्वेगा ॥

हिं तत्त्रम् संस्था मुक्त चुन स्वा अर्केन मिक्र प्रमान संस्था स्वा प्रमान स्वा स्वा प्रमान स्वा स्वा स्वा स्वा **अ**न् भुरः धेवः यशः धुँग्रायः पञ्चः । ता्वः भवित्रव्यायदे विषयायाय प्रत्ता । अवतः वयः बयः श्रेंदेः अर्क्षेः यः ग्वाव्या । ग्वाव्यः श्रेः यद्यः तबर:वु:त:श्रेश्रा क्षि:बेर:दर्ग्गा:यर:अ:**तुश**: यदे। विस्ववाश्वासर्क्षवाःस्युच्च सदयःस्रीःद्रेःसः देटर्ज्ञुटा । अर्दे कुर्गुव कुः खदेव र्सेव। ।सः

क्चुव दुवा अर्केवा या देखा मुयायाकेरायमासुरास्यागुन्। ।यास्रदान्सा

मुयायाद्दे पत्रिवात्। मुम्यायदे प्रमूवाया मुमा

सहराय। विषयात्रायः विषयात्रासे इः क्रांक्रिक्षेः

चॅंदेर्स्याच बुर दशा | १५श् मञ्जू में ५श् प्रस्था

क्रे.ल्री । यश्रदः स्यः क्रश्रयः या बुदः क्रें यशः

उत्रा । सामकासर्केषा-५ चैषा-षाकेषः स५ सु८

ब्रॅंचर्यायदे केंग्या चेंग्या । श्राकेत द्वयाया

र्मामार्षेश्वय। मिलाद्यः श्चेत्रया स्वाप्ता

य। ब्रिंग्राजीःग्रुटांदेः ब्रिंग्रायशास्यायरः

मुलायाधी विंद्राग्रीकावर्द्यान्नीरामरायाद्या।

अनुअ:तु:ब्राम्**अ**:यदे:यद:दग्य-:ह्ये। ऑर्ड्स:ग्री:

क्चुव'र्5्य'अर्क्चेय'यक्षिश

य्याबादाद अयाबादाबदायाबादाखीः देः दें खा। <u> श्च</u>तःसदेः पहुषः लुग्नुषः छेः सः न्या । ५५ : श्चेगः यहेंब्र'यये'यर्'र्क्य'क्कुश्च। |थॅब्र'ह्व'र्वेर्'ग्री=

येग्रज्ञायम् मृज्ज्ञायदे त्रम्यायदाय। विं में ज्ञा ञ्च प्राप्त स्वा विद्या मुद्देश सुद्देश

बेर'म। ।वृग्य'र्देर'ग्रैः कुत'र्ज्ञ्ग'येग्र**ा**म्बर'

यर्रे दे है दे श्रुवा । या दा यो अ यो व र य र यो या व र यो य বৰুদ্ৰেশ্ব। ।শৃদ্ধান্তব্ৰদ্ৰ্যান্ত্ৰীয়ামাৰ্চ্ব

य। । पुगर्यार्थे : हेरी विषयः दे : यश्य वर्सुद यदे प्रमृतः ग्री । दिशः र्देन शक्तेन ग्रासुसः

বর্দ্রকা শ্রিশ:দ্রিশ্বাঞ্জ:মীর দ্রমামর্ল্ড

यदे। । रट्युटर्हे हेते = पङ्गयःयःतुःसरःयेग्रह्णः

श्चतःत्रञ्ज्ञ्व,भित्रःश्चयःत्रपुः, सूरः जीयात्राः । श्चितः पञ्चितः भित्रःश्चयः तपुः, सुरः जीयात्राः ।

বর্ষাশ্রীমন্ত্রন্ত্রন্থের । বাধ্যমধ্য বার্জিনা বর্ষাশ্রীমন্ত্রন্ত্রন্থের এই বাংলিকা শুলাকা

उत्र तक्ष्रेत्र परि क्रुत्र प्रति । विश्व प्रस्ते विश्व प्रति । विश्व प्रस्ते विश्व प्रदेश । विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश । विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश । विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश विश्व प्रदेश । विश्व प्रदेश व

ক্সব;র্ুশ;মর্ক্রশ;শন্ত্রশা पश्चपःश्चरशःर्षेवः हवःगुवः युवः पदी । अर्केगः

हु:बुर:य:र्वेव:यर:र्वेव । तर्द्रअ:ब्रीट:बार्यायः व्रेन:कुर्न:दुग:र्षेन्य:ग्राग्याच्य:दुग । व्रिन:यरः मुल'यश्र'षद'षद'स्द्रित्र'यश्रुव'यदी विदःहः

|고_환구'되죠 ळेवॱय़ॕॱग़ॣॱॾॣॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ॱॾॕॻॺॱऄॸॱढ़ॺऻ |শ্বরশ'দ্র'মম' गशुरः रवः सुः वैं ग्रा्व : ५५ रू र है।

ঘ'নশ্ব'ন্কুদ্'উঝ'শ্ৰশ্বশ্ব। ।श्चे रश्दे

श्चित्रादमाः धेरः सर्गेव र् मुराय धस्र अर्थ उर् या किं'रयश्रागुव'

*^{हु:}हेब:बु:तहेव:बु:*रडेग ।धुंग्रायदुते:बेट:हु: र्थायश्रमः अरबः मुबःग्री । स्विवः यबः सः सुबः

ग्रुय:हग्:ह्:स्याःध्र्याःदर्ख्या

क्कुव दुवा अर्केवा वाकेशा

येग्रायनुरःसुरःस्ग। ॥

শ্বুবামের শার্মাম। । ক্রিমান্যনামান্ত্রামর্ক্র নিমা

व्यस्याम्बर्भः देः धेवा । देरः दर्दरः च्याः वैवायदेः

है नईतर्ज्ञ में दाया इया मह्या शे की की नहीं द ন্ত্ৰ্গ্ৰ্ম হাই

ेखा | यायू-नृत्यु<u>-</u>कृ-नृत्र-न्या-पदी-सञ्जी

श्रे निम्बाक्षेद्र देवि कर यद हैं हेवे क्षेत्र

, ,	1 9	, , , , , ,		` `	~ 1	
र्जू केंद	'देदि'त	বশ্বাথা	श्रेवः	१'दर्		

दब्वा ५ निया में विषय ।

वुद्रिः देते व्याचित्रः विद्याचित्रः विद्याचित्रः विद्याचा वित्राच्याः

र्हें ८८४ या केत येंदे या रेंदा र्श्वा विं र्ड्ड केत येंदि

त्र्यायःश्रे। । ष्वियः यद्गाः तुः अत्वेदः यर्डे अः <u>श्</u>वः

सर्देव:श्रुय:प। |वें:र्ड्:क्रेव:र्येंदे:ल्पश्यःयाश्रेय:

ব'বেব্ৰঝা |বব্ৰা'শ্ৰহ'প্ৰা'ম্ব'বঠিম'শ্ৰুৰ'

वर्षामान्य। १६१५, मान्यवार्ष्ट्रेम्सायमावह्या

याया । श्रुप्तिं संस्थान मार्थे मार्थे साम्राम्

षी । विं र्ड् केंद्र चेंदे र्द्र स्युव क्रुय रु मर्केवा।

र्दे हे सेसस्य । दि हे सेंच ५ दें द महमस ग्रेस

केव'र्येदेः न्शुका'यह्न'र्क्षेयायान्ययायुवः

तुरःत्युरः येऽ क्षुः र्र्हेग् शर्रेः धेशः र्र्हेश । विं र्द्रः

उँगायायर श्रूट हुय सुव सर्केग हिंसे गया। विग

म्र्टिश.प्रम्थ.याश्चेश.भ्री.टार्डूट्री

र्देशःगुव्युद्ध्यःकेष्यरः विवायश्रस्त । भिर

यःष्ठे । अभ्रेषात्रः प्रदेश । विष्यायः द्यायः विष्यः व्या

त्तिकः क्षेत्रवाश्याम्। विद्याः हेतः श्चेत्राः श्चान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स

यम् । प्रायत्याञ्च प्रायत्ये द्वास्य स्ट । । स्ट ।

য়ড়ৄ৾য়৾৻ড়য়য়৾৾য়৸ য়ৢ৾ঽ৻৸য়য়৸৻ঽয়৾ৼ৻ য়ৼ৻ৼৣ৻ড়য়৻ঀৣ৾য়৸ য়ৢঽ৻৸য়য়৸৻ৼয়৻ঢ়৻ঢ়ৢয়৻

मैश्रायस्था । यद्येग्रायखेरात्रायश्रमाञ्च

डेग'श्रुश शि.ज.शक्र्या.ज= रयश्रक्रेट.स.

विगावियासँ साम्रेमा । सार्धे सावन्या विवायस्या

শ্বমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত

यदम् । श्रेष्या अर्हेम् यह मासे द्रास्त्र । श्रेष्या यह मासे प्राप्त । श्रेष्य यह मासे प्राप्त । श्रेष्य यह मासे प्राप्त । श्रेष्य । श्

सक्रमायाम्बर्धयायायते यस्य । यत्रमाया । स्रीयाः सक्रमायाम्बर्धयायायते यस्य । यत्रमायाः । स्रीयाः

है। |अविदःह्येंद्रःद्वदःह्या। द्र्यामुवःद्युवःशुक्रःक्षेत्राः अःव्याः । अर्क्षेत्राः वीः

विद्रसर्हेन द्रया स्व स्था में नाम द्रा

अः रचना प्रस्था निराक्षेत्र त्यों क्षेत्र हन हि

य्राञ्चरःमेश्वायाय्रीःतह्मान्डेरा। ।<u>श्</u>चरान्डेमान्यने

यःवेशः इटःवेशः मुःगुव। । दुशः मञ्जूयः है : क्षःहै :

क्रेन्यष्ठिवयार्ये। हियर्द्वक्ष्यर्येः श्रुप्वदेदेः

য়ৢয়ॱय़॔ = दल्ग्राक्षत्रःस्यात्रः यहेत। विग्राक्ताः विद्यां स्याद्यः विद्यां स्वाद्यः स्वतः स्वाद्यः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वत

<u> ह</u>्याबाश्ची, २८.। । सूबाबाबाबाबाबाबावीया वीस. प्राप्ट्रीया व

में श्रुयः श्रुः है। । विंदबः ग्रम्बः त्रुः देंदः मर्विदः तुः बः

पर्दुरि'सर्गेव। । **हे**'पर्दुव'ङ्गस'र्येः पर्ग'गुर'

र्गेट'अ'क्रुअ'मुअुअ'क्रु'टार्झेट्रा

ঘ'য়ৼ৾৾ৼৢ'য়৾ঽ৾ৄ৻৻৻

गर्या चुदे विस्रकार्य राज्य राजे विद्या । सी हिंग

थे·वेशःद्वेतःयशःवह्णःग्रेनःग्रेटः। द्वितःयशः

श्चेत्रअवदेःचरःतुःग्वस्यःवेतःय। ।हेःचर्द्वःश्चर्यः

र्दे ता से राप्योय श्री राष्ट्रिय है तर्श्व में राया इसा महासाया

*ୖୄୡ*ॱॻਫ਼ૢੑਫ਼ੑ੶ਖ਼ਸ਼ਖ਼੶ਫ਼੮ੑ੶ਸ਼ਖ਼ੑੵਫ਼ੑ੶ਸ਼੶ੑਫ਼ੑ੶<u>ਫ਼</u>ੑ੶ੑਜ਼ੵਫ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ਫ਼ੵੑਫ਼ੑ੶

है द्वाग्रास्य सिव प्राया होते । स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप বই্ট্র্র্য্যবন্ত্র্যুষ্ট্র্যু

षो'स'र्ने । प्रवस्याया वसवा उत् रस्यु पासर्दर

य। । अवयः नस्या सेनः या वसः सम्बदः यन् व । विनः

ग्राम्यः द्वार्यः हेते रेते दिन् । । अर्द्ध्रः सुः यः

याम्ब्रियायायदेवम् । ह्रिम्बास्यस्याम्। तयदः

क्रिंय'सर्दर'य। हि'यर्ड्द'सर्केग'य'सुग'दर्खय'

है। अध्यायदेः मन्याकेन में र्ने ५ द्वा । वि

বিশ্বামানব বের্লী বৈ প্রুমশ শ্বানার্ভ । । শ্বানার্ভ

खेश। श्रिंकःसदुःक्षंकःस्त्रेयःश्रिंदःकःवर्टेश। क्रिं श्रीःर्वीःर्टः। श्रिंभश्रःस्त्रंत्वास्त्रं

यं त्या मध्या केवा महिंदा के विश्व के स्था के मार्थ के स्था मिर्छ के स्

र्ग.पश्चेता विरेट.क्ष्मेश.उर्थ.प.व्हेर्.ज.

पर्टर्। पर्वः र्या. ज्ञान्यः प्राप्तः स्यः हिः स्वा । प्राप्ते हिंदः । । प्राप्ते हिंदः । । प्राप्ते हिंदः । ।

क्षेत्र'यान्यम्'यञ्जूष्य । विषयः स्वाद्याः स्वेत्र'यादेः मर्जुम्'यम्'यञ्जूरम् । विषयः स्वेत्र'यम् स्वेत्र'यदेः स्वेत्र'यम्'यम्'यम्

यदे नव्याया स्ट्रीत । विश्व स्ट्रीत । भीषा स्ट्रीत

ଟ୍ୟୁୟାଞ୍ଜିୟ,ଯଞ୍ଜିୟ,ଆ বশ্যান্ত্রীর ম'শ্বা | ঘ্রমশান্তর মান্ত্রীর ম'র্ন্তির

यग्राक्षिक्षः केरित्या । भीतः गाः यः नदः अर्द्धरः क्षेत्रः

र्श्रेगम्। भ्रियःचकुर्ग्युवःग्रीःयस्र्राःयःवरुर्।।हेः पर्वतः स्था खुरः त्र्वेवः प्रदेशे । श्रें श्रायः त्य्द्रस्थः

<u> वश्रभुवःश्रमःभ्रेव। ।श्लेवःभ्रेयःगवेशःग्रेःस्यः</u>

केवः हैं गुर्या । गुन्ययः म्याः यद्यः ध्रिवः हिंदः त्यः वर्त्। । त्रम्यार्थे । सुन्तेव सम्यानये से । हिंसा

भुःर्श्वेशः वयः हेवः यरः वुर्। । यर्ने : क्रेवः । यः र्श्वेरः

यव यम <u>ह</u>्या । विश्वास्त्र ह्या यदे मावश

यःश्रेर्। । ग्रारः स्ट्रमः सुगः सुः स्ट्रेनः स्या । सः

য়'ড়য়'য়য়য়৸৸৻য়৾য়'য়'য়য়'য়ৢয়'ৢঢ়য়ৼঢ়ৢ

<u> यश्रम् । ह्र त्युयः कुयः दे ब्रिंट यः यत्त्। । ४८ः </u>

मुयार्च विंद्रायाय त्र्र्य । वा सम्मु प्रवेष सम्

ষ্কা । এম র্ক্স ন ক্রিম মিন্ ন মুন ন মার্হন। । মার্ক্রন

५८: ब्रुव् ऑट ५६ का ब्रुव्य विक्रेका । ५ वेव ५४ विक्र वि

सवरः ध्रेतः ब्रिंदः यः यद्दा । प्रश्नेतः परेः ग्रिले सः

୍ଟିଶ'ୟାଞ୍ଜିବ'ସଞ୍ଜିଦ୍'ଘା ॺॊॱॠॖॖॖॖॱख़॔॔ॺॱॾॣॗॖॖॖॖॡॱॹॣॖॸॱॻक़ॗॗॸॣऻॱॿॎॖॱक़ॺॱॼढ़ॹॖॖऀॱक़ॗॗ॓ॱॸॱ

বশ্ববেশ্বরূব শ্রিব অবের্ব। বিশ্বী মেশ্বি ঋদ্স मुबारबायाद्या विंदायाक्षा क्षेत्राया बेंग्बा

^{ঐঝ}়া অহ্যস্ত্র স্থার শ্রী প্রব প্রথম ধর্ব। । শুরু

य। श्रुपःर्वेपःगुवःश्रीःगहेरःगडेगःस। हिंगशः

ग्री:रदाविव:हे। ।ब्रिंद:य:रदाविव:दुद:बद:

येत्। १ग्रे-सःक्षेग्रास्यतःगत्यः ५ सम्बा । वितः ८८.श.शहलाश्चेटा हेती.योवश्वा विष्टे स्ट्रायाटा

ययम्बासस्य प्राचित्रा । वित्राह्यः

इसमार्नेव केव शुमा । शिंद शी हीव समाय व्याप

र्श्वायाष्ट्रेव पश्चित्या

यर्दे॥॥

ग्रह्मार्क्षन्यमः वर्षेत्रः यान्तः। विग्रह्मार्यानः

ग्रेंग्'हु'दर्भाय'र्र'। इस्राध्र ध्रेत्र'यश

त्र्या । वेश कुष न्वर शे पर्श्व रहें हेश सहर

^{ঐঝা} । উ' अईन ' ঐগ্ব' মন্ম মর্বী হ'ব ' नृहा । । উ'

म्बूज्यायायक्षेत्रम् । विष्याम्ब्रुयायस्य विष्यायाः स्वर्यायाः स्वर्यायाः । विष्याम्ब्रुयायस्य स्वर्यायः स्वर्ययः स्वर्यः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्यः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्यः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वयः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वर्ययः स्वयः

ड्रेचबारायप्टेला ।शु.क्.रेचाशक्र्यायाद्युरा इर्याचार्यायप्टेला ।शु.क्.रेचाशक्र्यायाद्युरा इर्याचार्यायप्टेला ।शु.क्.रेचाशक्र्य्यायाद्युरा भुवर्ष्ट्रयायाञ्चल। तुषायायर्डेस। ।गम्भायञ्चितःत्ववषायः सर्दे:कुट्

*ম্বি*শ্বেম্ন প্ৰত্ন প

क्रेंबाबात्वीं त्याञ्चेदार्यते र्देवाञ्चेवान्ते । व्यापा क्रेंबाबात्वीं त्याञ्चेदार्यते र्देवाञ्चेवान्ते । व्यापा

13

श्चरः हुं तुः विषयायाः व्यः क्षेत्रं व्यः क्षेत्रं व्यः क्षेत्रः व्यः क्षेत्रः व्यः क्षेत्रः व्यः क्षेत्रः व्य व्यः हुं हुं ते विषयायाः व्यः क्षेत्रं व्यवः क्षेत्रः व्यवः क्षेत्रः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः

ञ्चाप्त स्वाप्त स्वाप्त विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्य विष्य विष्य विश्व विष्य विष्य

 भूवर्ष्ट्र स्वा | स्वा क्ष्या क्ष्य स्वा क्ष्य स्व त्य स्य त्य स्व त्य स्व त्य स्व त्य स्व त्य स्व त्य स्य स्व त्य स्व त्य स्व त्य स्य स्य त्य स्व त्

चैत्यःगर्वेवःभ्रःभेदेःभर्गेव। ।भर्चेदःयःर्देवःभ्रवः ल्यशःषः यशुःर्केशःभाववःददःवगःसंदेःसः त्यगःयहत्य। ।५र्गेवःभर्केगःगशुभःग्रीःभर्केदः

इव:मु:केव:सर्द्र। |र्रःश्वाःमु:सर्केत:पशः इव:मु:केव:सर्द्र। |र्रःश्वाःमु:सर्केत:पशः

ग्रैश। ।गश्रुम: म्यान्ग्रीम: ह्याः न्युम: श्रेन्। भ्रेश: ग्रुद: र्ख्य: यद्दीम: ह्याः न्युम: श्रेन्। भ्रेश। ।गश्रुम: म्यान्ग्रीमशः म्यान्यः सेन्'ब्रुम्बाह्देर'न्यर'ध्रुम्'म्बा ।विद्युर्यसेन् हें'हेदे'क्रुम्बह्देर'न्यर'ध्रुम्'म्बा ।विद्युर्यसेन्

चत्रेत्रपर्जुव्यार्क्ष्याण्ची है। |त्यत्धुवार्हे हेते व्ययायः देखेत्यार्क्ष्याणु है। |त्यत्धुवार्हे हेते व्ययायः देखेत्यार्क्ष्याणु है। |त्यत्धुवार्हे हेते

यासी क्रिंशन्त्रीत्साई हैते विन्यास ने केर

चर्माःश्र्मश्रम्भः सहितः इसः स्तः श्री । अन्तः स्वाः इ. प्रत्येषः श्रम्भः स्तः स्तः श्री । प्रञ्जनः सः

ৠৢৢৢৢয়ৼৢ৾৾ঀৼয়ৼয়ৼয়৻য়ৢয়৻ इवःसबःसदेःकेवःसर्केषःईस्यःम। । षोःवेबःईः हेदे'ल्पश्रायः परे'केत'र्केशर्रीरश्रास्या यरःश्रेष्ट्रेग्नु। । वयःग्रथःग्रेशःश्रेदःश्रितः

यदे'षे'नेब'क्क्षा । य'रेष'सुत'बेव'क्के'र्श्दे गलेव'गडेग'स्। । घुट'रुप'र्हे' हेवे'ल्यश'यः

श्रुंग्राबा सदे. इस. एशुरः धेरः चश्चवद्यः सः सुदेः

केव र्येश्व सेग से ५ र वर्षे स्था सहत या । वर् ५

तर्वार्ट्रे हेते विषयायः अष्ठिव स्य अर्द्रायः वयश्यवश्यवश्यश्यः भी विया । भी भी श्रास्टि हे हे हे

त्तरे हेर तहें व अरवा । ईं व मेर ह्वा ब हे दे

^{ଖୁ}.ଅଞ୍ଜୁଧ୍ୟାନୁସେ.ଅଟୟା-ଅିଶା यन्याकिन यहिया हेव अर्थोव। विया अर्केया हैं यदे:इस:घर:५८। विवायकार्येव:५वासायुका मुडेम्'यङ्ग्रायदे। ।म्याद्याउत्यम्बर्या कुया র্ক্তিষাস্থান্য বিষ্ণান্ত কাৰ্যান্ত্ৰী কাৰ্যান্ত্ৰী কৰিছে বিষ্ণান্ত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণানত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান কৰিছে বিষণান কৰিছে বিষণান্ত কৰিছে বিষণান কৰি यविव मिन्न मार्च वर्षा अधिव परि पो मेर्स मुस्रा। दर्शे र्क्षेम् इ. लेट. य. ग्रुव. ट्याद. ट्यय. क्रेट. य।

रेग्।यदेः हेदेः व्यक्षायः यक्षयः युवः र्यूटकाः सु: ८ सः यदेः र्के का ग्रीः र्वे या । सुरः यदः सेयः यदेः र्मे कः केरः यर्मे स्त्रे। । यक्षसः यद्वे वः केट् र रुः स्त्रे। य यालेश्वःसर्दिता । । । । स्ति मुद्दःस्त्राम्यः । स्ति । भ्रावक्षेत्रस्त्रस्य स्त्रम्यम्यः ।

म्बूज्यः प्रत्यम् । वृत्यः स्वादिः वे स्वाद्यः केवा सः व्यादिः वे स्वाद्यः केवा सः व्यादिः वे स्वाद्यः विकार्यः विकार्य

มิรุ มยล พล พัล หลา ผล เกลา

क्रॅब डिटा | विवृद्द मुर्च या इस द्वा श्रेष छेट

นล | |ฦมูนพิรุทันละนักลเลิรฺคัญ| * ลิเลเลิรสมสังเลลเลเลเลเลเล

म् श्रुं त'दर्ने वशकें स्वश्वधाया । । ग्रह्मः म् श्रुं त'दर्ने वशकें स्वश्वधायाया । । ग्रह्मः

लुबास्याः हिस्याय बरावया । विरास्या श्रुरा

अर्क्ष्यात्वेदः हेर्युदः स्टर्भ्य । क्रि.चः गुर्वेषः । अर्क्ष्यः विषयः । अर्क्षेत्रः स्टर्भः विषयः । अर्क्षेत्रः स्टर्भः विषयः । अर्क्षेत्रः स्टर्भः विषयः । अर्क्षेत्रः स्टर्भः विषयः ।

र्षेट्रश्र दहें व 'द्रश'य अर्केष । व 'व व व रें द 'य व '

[₹] ไล่รู้น์ เหารู่นะมาสะมาขิมโ

ૹૼૹ૽ૼૡ૾ૺૠૢૣઌૹૹૢઌઌૹૣૢઌ૽*૽*

वहेंब याबिं ब रहा। थि रमा क्रेंट हैं रहा स्था ख़ब

यरे.य.अकूर्य विसूर्य.जू.र्ह्स.स.स.ईस.स.स.स्स.

शूरकेष । श्लेष्टायदे वया रेग्यायद्या से वर्केषा

बिदा । वर्डे अः स्व द्वा र्ये देः द्वी यः द्वे रः दहेवः

नवेतर् । विश्वस्य मङ्गरेष्य त्र देशस्त्र होत

डेटा । विटळ्टा श्रेट चॅर श्रेट पर श्राप्य विट स्था

^ह तसम्बादाःयग्।श्रिषायकुत्ःयदेःक्षेम्बास् নডব্'ম'নন্ত্ৰাঋ'ৰ্মী||

त्यक्षा मारः विमा र्हेका या वा र्ह्यमा स्राम्य वर्दी स्वमा माईमा माईदा वा सुन्ना

यः यरे यः भेरः यत्वेतः रु. ब्रेरः यरः त्शुरः यशः के वशः भेरः यः ब्रद्धाः।

क्षा श्रूट श्रेट स्थान्य स्टायलेव सुव श्रुव श्रूव

মরী ।ম্মা:বীশ:র্ট্রশ্বস:মন্ত্র:বীন:ব'মন্ব্রশ্বস:

य'भी । अदशः कुशः केंशः ददः दगे तद्व तस्य श

यदे र्स्केष 🔰 । गुर्व : यः धुर्ग : दर्सयः यद्ग : उर्ग :

यग्राःविश्वःर्वेग ।श्चेंवःभेदेःसुयःर्यःस्वःयह्वः

क्रमः म्यायाः प्रस्ता । श्रुवः संस्थः स्वायाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स

च्यान्यः द्रायः द्रायः विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास

इयः रवः ग्वायायः द्ययः है। | यक्ष्यः द्यः व्यायाः व

प्रमानिसार्ययायसेयाचा । प्रदेखराम् विषसाः सामस्यायस्यायस्यात्स्याः

यात्र तुर्त्ययाय्य स्टिस्स विष्यात्याः यार्वे व तुर्त्ययाय्य स्टिस्स विष्यात्ययाः

धःश्रुटः र्चे श्रुवः यः इस्रायमः श्रेषा विस्रास्तिः भ हें यत् त्यारः याः विदः स्वाः विदः स्वाः याः स्वाः विदः स्वाः याः विद्यः स्वाः याः विद्यः स्वाः याः विद्यः स्व दिययः स्वीः अर्क्षेयः । विदः स्वयः स्वे स्वयः याः विद्यः द्ययः स्वीः अर्क्षेयः । विदः स्वयः स्वे स्वयः याः विद्यः

নশ্ৰ-প্ৰশ্নমন্ত্ৰন্ত্ৰ

क्षेट दें तसम्बर्भ अर्केम गुरु हु च बटा । अहु य हैं

त्रः याः अर्थ। । भ्रेषः क्षेषः यात्रः याः स्वाः अर्थेनः याः विश्वः याश्चेभः श्रेषः । । यर्दे ५ : यश्चुः स्वयः यञ्चमः धि५ः विश्वः याश्चेभः यो । । भ्रेषः यायाः यश्चित्रः स्वयः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स्वितः स

য়ৢ৾৾৽ড়ৢয়৾৽য়ড়ৢয়ৼয়ৢঀয়য়য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ড়ৢয়৽য় য়ৣ৽ড়ৢয়৽য়ৠৢয়৻য়৻৸৸য়ৣয়৽য়ৢয়৽য়৽য়ৣয়৽য়ড়ৢয়৽ श्चे पत्रमा । इस विकास्य के से स्थापिय स्थापिय

বশু:ঀৄ**ঋ**:चक़ॗॖॖॖॸ;ঘ।

यश्चर्ययःश्चेयःयदे। ।यगुःवेशःयुःर्येःयकुरः

न्द्रा हिःशुःयान्द्रास्त्राः विश्वाञ्चेत्या । दिः वी म्यानीः अर्केन् हेवः कुत्यः अर्कवः दहेव। । वामाशुःसः म्यानीः अर्केन् हेवः कुत्यः अर्कवः दहेव। । वामाशुःसः

देदःवर्देरःग्चःचःर्क्कें अयःया । मोम्बर्शःददःकेःचरः वर्क्कें:चःगुत्रःकें:बुर्क्षाः । वर्देदःर्देत्रःद्वयःवर्षयः

हेवःश्चेॅदःयःयमुद्रायःध्रमाःवर्कयःयें। ।यदमाःउमाः

यश्रभःर्द्रवः धेर् यतिवारम् या । प्रयाः विश्वः यरे ः

चित्रानु वहुन वहुन वहुन वास्त्रा क्या विष्या विषया विषया

यर्हेर् द्रावर्रेर् र्वेदायमेया । मुद्राद्रिर वर्षे द्रयया माम्बादर्वे र नैसा । यदे 'येगस'स्त सँगस'यसम'र्देव'णेद'यबैव' त्शुया । झैग

ક્ર્રેક્વ'ત્રાતુ' કુદ' અર્દેત્ર' અર્કે 'દેસ' એવા સ'ગ્રી | ફિંત' ત્રાતુ ' હશુ વા વા માર્કે અ'વ'

अर्केषा मीत्रा माशुरत्रम् । रया केंत्रा यो श्रेष्ट्रीया ज्ञु या १ केंत्रा १ माञ्चर कें या ५ र

શું ઋૂમ શું તા શું . તું જા વાલ દા દાં છે. જા તા લદ્યા ત્વાળા ત્રશે જા વાલ દું દું છે.

धेन्'यर्क्के'य**रा**चुर'यर्केर'त्दिनें न्याकेव र्घे'य्यङ्ग'ये॥॥

ैं दें हे तकर शुर अदे ग्रॉब या दे प्रश ন্ৰ্শ্ৰশ্ৰম্প্ৰা

त्करः क्रेवः हैं ॱवॅं वृः रॅं ५८ः। । अरः यः श्रे ·वः

क्रॅश. हे. श्रुय: यॅ. या १५ श. मश्रुय: मेश. चु. गुत्र:

यष्ट्रिवः ग्रह्मः या । ब्रह्मः चर्वे । ख्रह्मः चर्मे दः च

वह्रव इस्र र दर्। विद्ये ह्रम् र र्वा स्था

रतज.कंथ.पर्वेब.त.झ्ब्बा । वय.जश.सैब.

मु.कु.ज.भटय.चर्ड्रेश.तद्री । भथेश.भूट.पर्ग्रे.

य'वहेंब'र्बे'क्र्य'वर'त्र्वेब'ग्रीक'र्क्नेवका

र्सेमार्श्वेसार्श्वेम्मदायमाम्बद्धस्यायावित्। विश्वेस्त्रीयार्थेन विदेशास्त्रीयार्थेन विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशे विदेशास्त्रीयार्थे विदेशे विदेशे विदेशिये विदेशिये विदेशिये व

गहेरःक्वें विदेशयदे स्वायाया । क्वित्रः त्यार्थेयायः

यरेवश्यविःश्चें अक्षेत्रःय। । वर्डेश्वः श्रेत्रःश्चेशःस्तुशः

શ્રું વર દુવ શું જાર્સેવશા વિદ્યા એન ક્રેં અ શું

बिव

न्द्रंशयाबुर्यास्य याचेव।।यारः न्र में या यदे दि दें के अपे। । अप्यर्डेश दे ग्राम दिंग यदे र्क्षेत्राकेवाया । पर्क्षेत्रानुःर्त्ते प्रमायमानुवा ग्रीकार्त्वेतक। ।क्रमार्हेगार्टार्चार्क्काञ्चराम्बदका

यःचित्र। । रें : वरः सः वित्रः रें रः वरः तकरः यः

[₹]४.घ.४६१८२४५ वडट.त्र्र्था शह्रे त्यप्र्री ।

श्चेत्रः र्हेत्या अभुः तः गुत्रः हुः र्ह्यम् वा वेश्वः यवरः यवः

वा विर्वेरक्ष्य न्वेरक्षेत्रहें मुश्य सम्बेत

वा वित्ववायम् रूपः यः तकरः यदः मूँ यः क्रेतः

ह्या प्रतित्व स्थात हो स्था है स्थात हो स्था हो स्थात हो स्था हो स्थात हो स्था हो

न्नुःसदेःह्वयःदर्वेदःहै। ५ हे हिंदिः से प्रमुं ५ हे हिंदि ह से स्याप्यस्था

ૹૄુ એન્પ્રાંગાુત્ર મન્યો ભુજ્ઞાએ બેજ્ઞા છે! આવતઃ તર્જો વાહેમાસુ બાન ર્જે હ્યુત્ર

अुअर्क्षेणअप्य। ५सु:श्रु-अेव्यायायानुचार्वेदाय। वेदाखुदानी:५सुयादा

उव। गवव क्वित श्वरकाय। देवे सत्व दुर यहंत से पर्श्वर हैं हैं है स्नग

ন্ধ্ৰন্ধান্তী:প্ৰাৰ্থন্ধ। শ্বনজ্বিন্তী:ঘন্ধান্তৰৈ স্থ্ৰান্তী

चल्ग्राया दे.ज.सीया.चुया.चीया.चीयायः वर्च्यायाचीयः चर्यायाः

ર્સ્સઃ શ્રીજ્ઞા લો. તે જા. શ્રી. જો. તે જા. તે જા. શ્રીજ્ઞા લાગ જા. તે જા. શ્રીજ્ઞા શ્રીજો શ્રીજો શ્રીજ શ્રીજ્ઞા શ્રીજો શ્રીજ શ્રીજ્ઞા શ્રીજો શ્રીજો શ્રીજો શ્રીજો શ્રીજી શ્રીજો શ્રી શ્રીજો શ્રી શ્રીજો શ્રી શ્રીજો શ્રીજો શ્રીજો શ્રી શ્રીજો શ્રી શ્

মানবে বের্লুরি: ই.মা. বধা শ্লীব. ইনধা প্রথা মান্ম প্রিথা মান্ম গ্রেমা না

ૢૢૼૡઽૢઌૄૻૹૢ૾ૢૺ૱૽૽ૢ૾ૺઽઽઽૢ**ૹ**ઌૣૹૼૹઌ૽૽ૼ૱૱ઌ૽૽ૺઌૢઽઽૢૺૺ૾૽૾૽ૣ૽ૹ૽૽૽ૼૹ૾ૺઌૹૢૢ૽ૼૺૢ૽ૼૢૼ *દ્દેષ*:કુૈવ:શુૈશ:ર્ફ્સેવશ:ય:શૈવ:વેં.લેશ:કુૈવ:ત્વવ:યમ:કુર્દે|| र् याव्यायात्रदान्यक्यायदान्यया য়য়য়৻ঽ৴৻য়ৣ৾৻য়৻য়৻য়৻য়ৢয়৻ৼ৾য়ৢ৽য়৾৻য়৾৻য়৻য়ৠ৾য়৻ यः दरेव**राः श्रां ।** । यः द्यः यात्रदः दः यत्रयः यदेः *ୠ*ୗ୶୶୲ଌ୕ଌ୲ଌ୳୶୲ଌୄ୵ୣୠ୲୷ୄ୕୷ୡୄ୷ଌ୕ୄ୶୷ୄୖ୷ यःगर्भेयः यः यदेयश्रः भे। । अः वयः अवदः ५८ः સહ્યાયતે[.]સેસસાઝન' વસસાઝન' ત્રુ' સ' ઘને ' સેન'

उर्- त्रः सः श्वाकाः हेः श्रुवाः यदेः श्रुः वाः वार्श्वयः यः उर्- त्रः सः श्वाकाः हेः श्रुवाः यदेः श्रुः वाः वार्श्वयः यः

्र वर्.म्.म् । याद्र म्य.म्य.म्य.म्य.म्य.म्य.म्य. वर्म्.मा । याद्र म.म्य.म्य.म्य.म्य.म्य.म्य.

र्म्रोज. भ्रिय. यश्रिय. थया. श्रीयष्ट. शर्म्रस्य. ज. १४म ज। । ग्रीवर स्ट श्रेगिधि ज रूप १८ क्रीया। भ्रि

म्बन्धा | निरदःग्रस्य सेन्यवयस्य निर्देश्य

विद्वरा इ.चर्डाम्य मान्य

য়ৢয়৽৻য়য়ৼয়ৼয়য়ৢয়৽ঀৢ৾য়ৼৢয়য়য়৽৻ৼ৸৸ৢ৾ঀৢয়৽

म्, रह्मा ब्रिया बूरा ब्रिया स्थाप विषय ।

|মর্ক্রমা'

ଷ୍ଟ୍ୟପ୍ଟିସ୍ଟ୍ୟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ

ब्राम्बर्धियायायदेवश्रम्यत्तिश्री । विश्वेर्ध्वरः व्यम्बर्धियायायदेवश्रम्यतःतृश्च। विश्वेर्ध्वरः

क्रॅंट[्]यःक्रॅंट्रविट्यूट्। ।क्रूट्रक्रेंट्र्ट्येट्येट्येट्य

ਖ਼ਫ਼੶ৠ৾.ਜ਼ਫ਼੶ঀৢঽ৾য়ৢ৵ৼৄ৾৾ঽ৶৸৾ৗ৶৸৻ঽৼৠ৾ৼ৻ড়৻ ਖ਼ਫ਼੶ৠ৾.ਜ਼৶৻ঀয়ড়৻ৠ৾৻ড়৻৶ৠড়৻ড়৻ড়৻ড়৻ড়৻ ब्रॅंदरवार्ब्रेंदरविदायदे। ।यदेर्ब्हेंदरद्वेरस्येदर्वु

মন্ব: ধ্রনার্মা ব্রি:মন্ব: ধ্রনার্ম: আর্ম্রার: ব

ଶିୟ.ଅଞ୍ଜୁପ୍ତ,^ଅ.ଅପ୍ତ,^ଅକ.୯ଡ଼ିଆ

বর্নম। ।ন্ন:মর:গ্রন্ম:গ্রীম:গ্রির:গ্রীম:র্ন্ধ্রনম।। গ্রী। শ্য:স:মন্থ:র্গ্রর:ঘর:র্ক্তা। ।ব্রম:মান্ত:এছর: স:র্মের:গ্রীমাশ্রম:গ্রিঅ:ঘর:র্মি:জ:এগ্রীর:মার্লর:

डेटा । विवास्यक्षेत्रा । विवासिक्ष्यः हेंग्राचानायः । यो स्यास्त्रेवार्यः विदासीह्रा सुःयद्गायञ्चयः विदासीह्रा ह्यायविदेश्वयदेश मिनेयाश्वरम्बिया | मिन्सासर्केमायदीर् वियाया । श्लुयासर्केमायद्यायादीर्या

श्र.श्रंबे.यम्.श्रंद्री जि.चेश्वायवरः वर्गे.कैंट. श.जेश.खे.यम.शर्ह्यी जि.चेश्वायवरः वर्गे.कैंट.

वञ्चमा । अर्क्रेगः ५८: इतः र्वेदः ५६ रागुवः र्र्हेया।

बी.शिवट.ज.चर्। विरे.बोर्ट्य.टे.शप्ट.क्ष्यांश.

र्रे.पत्रिश्चार्यस्था विज्ञात्त्र्यः सार्यायाः सर्वेरः र्

র্মর্মার্থ্যম্বিশ্বর্মা । ইবা ক্রিমার্থ্য রের্ন্র ক্রিমার্থ র্মান্ত্রমার্থ্য বিশ্বরা । বিশ্বরার্শ্বর রিক্রার্থার ক্রিমার্থ্য ক্রিমার্থ্য ক্রিমার্থ্য ক্রিমার্থ্য ক্রিমার্থ্য

ଥିୟ.ଅଷ୍ଟ୍ରୟୁ.ଅଷ୍ଟ୍ରୟୁ.ଅଷ୍ଟ୍ରୟୁ रुर्विकायाक्रमका क्रियावर्षेत्रामान्यवामरुव र् अर्धेवार्या निमाना । वि ने बा अविदायमा

র্কুমধার্মধার্ত্র, শ্রীধানধনা । দ্বিমান্ধীন ঔধা यक्तिर्द्धश्रायक्ष्यश्रा विष्यत्त्र्वेरायद्वा

सर्व:र्:अर्वेय:र्य:यनग्रा । </

<u> ५क्नें ५ ग्राम्य अप्तराय १ वर्षा विद्या व</u>

র্কুমধার্থই মুখানখনা ইিমাঞ্জীমাণ্ডুখা य कुर्र र्रित्वेश्वाय इस्रा । इत्य वर्धे र सार्यय

यर्व.री.यर्च्य.ज्.यच्याया । त्र.चेत्र.याययः

यर्कुर्र्र्यक्षेत्राय्यं प्रमाण्यं । । । वेश्वायाय्यः याकुर्र्यः विद्यायाः सम्मा । । विद्यायाः सम्मा

क्ष्म्याद्मस्य व्याप्त । विष्यास्य विष्यास्य । विष्यास्य विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः

यःक्कुंद्र-तृःत्विश्वःयःद्वस्था ।द्वेयःवर्धेरःसःद्वयः सत्तुद्वःद्वःस्याद्वस्याः ।द्वेयःवर्धेरःसःद्वयः

दर्शे.वि.श्र्.भावयःज्ञानम्। विट्र.बार्ट्रेब.ट्र.सप्ट.

ম্বিংইংগ্রুপ্রান্ত্রমান্ত্রমান বিসামনিত্র । বাঞ্জিন্ইে ক্রিপ্রান্ত্রমান্ত্রমান বিশার্থী নার্থা ম্বিংইংগ্রুপ্রান্ত্রমান বিশার্থা । ক্রিনার্থী নার্থা

ଶ୍ୟ ପର୍ବିଦ୍ଧ:ଗ୍ଲ:ଅଦି:¥ଘ:୯ᢓୂx। বরি:ঐ'বৠৣ৾**५**'ई'ॾॆॱঋৄ दें५'ॿ॓ম'রয়ৢৢ५'য়ते'ई'ॾॆ्' यःहुँ। ।र्रे:संबेयःचदेःस्वेदःयबःर्यःर्यःषाँ। ।हेः ସର୍ଶ୍ୱର'ମ୍ୟ'य'श्रु','ସଜିଦି'ମ୍ୟମ୍ୟଞ୍ଜି୩ । ଓ' ଅ*ई* ५'षो' नेश्रामी द्वारायर तकर या । वियायन्त्र मुख <u> र्यरःगाम्भःयःक्रेवःय्। । श्रद्यःमुशःवीवःन्ययशः</u> ગ્રી 'શ્રુ'મર્સ્કે' મહિંત 'ર્વે | પ્લિંત 'ત્રત' શ્રી 'સ્ટર' ધે જાયા त्त्व :बर्। । अद्यासुया ग्री क्षेट में 'त्व :यर क्ष्ट या। त्रम्**राहे** निवर वें अर्केम में श्रुप ह्री । हे वर्ड्न $\widetilde{\xi}$: $\widetilde{\xi}$ ই:১ন্ত্রন্থান্তর মান্ত্রির র্ব্য বিশ্বান্তর गहनःश्चे तर्व अदे रे श्व। श्चि चित्रे चर्गा केर यम् विवासे । क्षित्र प्रचित्र में स्थान स्यान स्थान स

वित्राम्बर्ध्याम्बर्ध्याचा । सित्रायम् । सित्रायम् । वित्रायम् ।

ซ์ญ ฏิฆ | โฆ่มฆ ซล เวรูญ ฆ ร์ ร ซูญ เล่นิ รุกร นั้ง | โร ซ ซัญ พ พ รุ ร เกร พ น เพิส เ มพ เร รั ซ ซุญ ซัญ ซลร เกร พ ร ซ ซูญ พ ติล เ

<u> ଶ</u>୍ୱ୍ୟ ସଜିଦ୍ଧ:କୁ:ଅଦି:କୁଦା:ଦକ୍ତିଁ ×ା

অংশ্যার্থ বিষ্ণার্থ বিষ্

म्री मियायायाचेयायम्मियायाम्बेन भ्री मियायायाचेयायम्मियायामि র্ব মানুক মান্তিন মানুক সামান মানুক স্থান ক্রম সামান মানুক স্থান ক্রম সামান মানুক স

स्रायम्बर्धाः विश्वास्य स्रोतः स्रायम् स्रायम् स्रायम् । विश्वासः स्रोतः स्रोतः स्रोतः स्रोतः स्रोते । विश्वासः स्रोतः स्रोते । विश्वासः स

र्वे। । पर्ने मिने मार्थ मार्थ मार्थ साम्राध्य साम्राधितः

यद्वितः वृति । गीयः उर्देशः क्ष्यः हैं यद्वियः वृति । वृत्रः यक्ष्यः यद्वियः वृति । वृत्रः यक्ष्यः यद्वियः वि

यर्भेंद्रम्हें त्या वार्भेयाया यदीय आर्थे। विशेषा

ग्रैं। क्रिंस्य क्ष्यायाय विषय क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या क्ष्या है। क्षेत्र क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्ष्या है। क्षेत्र क्षेत्र

*ଷ୍*ୟ'ପଜିପି'ସ୍ଥ'ୟଦି'ୟୁଏ'ଦ୍ରିସ୍ र्वेषाञ्चेष । त्रु: याञ्चेर: स्ट: क्षे: तुर: वेषाञ्चेष । वर्षे: अर्गेत्र हिन स्ट द्वार स्वार्चिया । स्वार्चिया ষমশন্তব্যান্তির য। শ্বাহ্মান্ত্র মান্তর্যান্ত্র্যা व्या मुल-५वर-भ्रे-वर्भुर-र्हे-ह्रा गर्भेज-वः

८.लूब.भू.पट्टेचबाच.बे.बे.लूब.पट्टेचबा । विध्येब. हें 'ब्रिंद' ग्रीका थें। योत्रेयाका व' क्षु ध्येका योत्रेयाका।

मर्सेयः यः यदेवसः सं विवः श्रीकार्सेयसः विव । श्रीयः র্রমমান্তব্রমমান্তব্য ক্র্মিমাস্ত্রম্পুদামান্ত্র गर्यान्य स्वायम्मे स्वायम्य स्वाय

यदी र्ह्में महर् त्यु र य सेर या ध्रम कु के त

र्घेदे प्रदेश शुप्त र्ड्डिय डिन क्विय शिर्द राय

क्रेंत्र इत हिंद् प्यत्म भे क्रेंत्य व शु य क्रेंत्य यदममी महत्र यद्द क्रेंत्य महत्र क्रेंत्य क्रेंत्य क्रेंत्य क्रेंश इट् वश्वाच्य प्यत्य महत्र क्रेंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य स्रों स्ट्रा क्रेंत्य व्याप्य स्थानित क्रेंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य क्रेंयश शुम्ब श्वाप्य स्थानित क्रेंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य क्रेंत्य क्रिंत्य

য়ঀয়৾য়ৼয়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়

ষ্ঠামষান্তব্যব্যষান্তব্যগ্রীমাশ্রবিদা । প্রদাষা हे

वःश्रःयःश्चेंदः। श्चःद्वेवःदःधेशःश्चेःगववयःवःश्रःधेशः

मविया मिर्यानु हिंद ग्रीश्राशी यत्याव शुषीश

वर्षा वश्रम्बरम्हे.व.शु.५.४ श्रे.व.शु.व.५। शर्थः

ଶିଷ୍ଟଯାଧ୍ୱପ୍ତ:ଥି.୩୪୯.୫୯.୯ଥିଲା गृत्युश्रायाये दाये याहे राळे वा श्रेयाश्रात्शा दर्शे प्राप्ती प्रश्ने दश्च दर्शे प्रश्ने प्रि व्रः भे क्केंद्राव वया क्केंद्रा देश सूत्र देर बदा भे र्क्केयावावयार्क्केया द्यावाधीराम्डिमातृत्द्रेवासु ब्रिंटःय। विषुवार्ग्रेवायार्त्र्नायाः विषाप्तरा ष्ठ्रयःश्चेगःकुरेःवर्शे य। ५[.]क्षःगहरुःर्शेवःर्ःअर्दे५ः उँग ।न्नु'स'न्स'म। सघर'सेन्'**से**सस'उत्र'य'

स्वाञ्गप्राचा ॥ प्रस्तायः स्वेष्यः स्वाञ्च स्वाञ स्वाञ्च स्वाञ स्वाञ स्वाञ्च स्वाञ्च स्वाञ्च स्वाञ स्वा

ग्री म्या । व्याप्त के विक्र में के विक्र में प्रमुद्ध प्र

ଷ୍ଟ୍ୟପ୍ଟିସ୍ଟ୍ ଅନ୍ୟୟ ପ୍ରକ୍ରିୟ उत्। वित्रुत्वशयीः दर्षे प्रायम् हिंग्रायदे गरेटक्रिं उव। अर्देव विश्वश्चुव दि स्वाय। ह दस्यापर्गीरायाम्ब्रह्माते। पर्जेरायोराद्वी क्रैंयाच। बदबाक्वरायगाचउदबाबुगिर्दाया वःभवः ब्रूटः यः वश्चुरः हे। ५ गः यः स्वः व्युस्रसः क्रॅ्रेन'य। तयम्बार्यायहेमाहेन'न्यरध्म ।क्रेट विर:रुष:यदे:यिहरवषा यडेया:ब्रुय:यर्षेय:यः वरेवबःर्बे। । धुम्बाः हेबः वहेवः यरः लुः ५८ः। <u> २६ॅश्चाचामी:क्ष्रीय:३४। यगाय:यक्तुराङ्केराय:</u> बेर्'या न्धुःर्केर्'तर्ज्यायर'तुषायदे। द्वेव অঝবেশ্বন শ্ৰুবেঅবা ই্লিঝবেই ঝেবে শ্ৰুঝ

येर सेयम उन र्ने न राष्ट्र किर है र र त्या विष

यञ्चे पाळेब पॅश्वायलेश भीषा । प्रलेश वशाय है । ব শূৰ শ্ৰী। শাদৰ শ্লী মাধ্য । यो से ।

पर्व्याष्ट्रेत.प्रेंस्यम् क्षेत्रवश्चान्नेय.

क्रिंचर्स विवा | द्रियं स्थेत स्थाप संस्था संस्था

चःतर्वसःश्चा । चैःसह्रः येषसः सरः सर्वेदः वरः चैतः ग्रीसः र्त्वेतसः विषा । चैःषास्रुदः स्वरः सरः तहेतः

য়য়য়ৢয়য়ৣয়য়ৣ৾য়য়য়ঀয়৸ঀয়৸৸য়ৢৢ৽য়ড়য়ড়ৢ৽ য়য়য়য়য়য়য়ৢয়য়ৣ৾য়য়য়ঀয়৸ঀয়ৢয়য়ড়ঀ৽য়ড়ৢ৽

य कें रवश वश कें रवश वशश उर र र रवश

क्ष्यक्षेत्र स्वर्धम्यव्र्म स्वराह्म स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्

ॺॺॱक़ॕॺॱॻढ़ॏॺॱॿॖऀॱॻॻढ़ॱॾॗॖॺॱॿॖॗॺॱक़ॗॕॻॺॱॸॏॗॴ ऀय़ॹॱॿॕॹॱॸॖॱऄॺॱॺॖॖॺॱय़ॸॱॸॖऀॺॱॿॖॖॺॱक़ॗॕॻॺॱॸऀॗॺऻ ढ़ॕॱॺॕऻॺॱॻॖऀॱॸॕॱॻॾॣॸॱॸॸॱक़ॕॺॱॻॿॖॖॸॱॻॖऀॱढ़ॿ॒॓ख़ॱ

यर्द्धःयः क्षेर्द्रायरः चुवः चुकः क्षेयकः विष् ।देशः यरः दक्केः यः क्षेरः वशः दवः यः दरः। । व्यवः स्वा

वगः कॅरः परः व्रीतः श्रीका क्वें प्रकार नेग । क्वेरः यः रुषः

वस्रा । ग्रास्ट स्यास हैं हे वेग य तु से र

ग्री । पश्चेद:र्ह्मका:यय:ग्री:बुद:यह्म:श्चुं:यग्नुदा

र्वेष भ्रिःनःग्वाहःर्षेत्रादहेवःत्रायः सर्वेषा

इत्यायाक्तुत्रायाञ्चीतावश्वा विवार्यमायवरासः

શ્વલ ત્રાલું કર્યા ત્રાસા સાથે કર્યા તર્સે કર્યા

यश्च हेश शुः दहें व शुः देश । यह है स्था है स

र्श्रेश्वरमुश्वरमुक्ति। विवर्ग्यम् र्ट्रेन्ट्रिन्ययः स्वर

क्ष्रप्रतेष्ट्रम् स्थाय्र्यं । विद्रायदेष्ट्रम् विद्रायदेष्ट्रम्

গ্রীঝা বিশ্বুবাপ্তিমান্ত্রিশ্বাঝাঝাঝাঝাঝাওর গ্রেঝা বিশ্ববাপ্তিশ্বাঝাঝাঝাঝাঝাঝাঝা

हेंदे। |गें|'दयद'चरे'त्वग'बेसब'उन्'वसब'उर्'

ह्येप्र:र्यः प्रकृष् । दिन्नकाः क्षेत्रः अट्यः क्षुत्रः अव्वरः सः भूष्यः प्रकृष् । दिन्नकाः स्वरं अट्यः क्षुत्रः अव्वरः सः

लय.श्रंबार्या । । । । ह्यी.र्यस्थायीय.धि.शु.

বর্ম র্বিশ । মঙ্গম মেন্দ্র নির্মার্থ নেশ্বর ক্রুন্

गह्म मैं रहंद त्य महाया वर्षे प्रमान हो। विषय हो

ন'বেব্নঝ'র্ঝা । গ্রিব'র্নুনঝ'ডব'ব্লব'নবৈ' ব্রন্থ'ডব'ঝ'বার্ঝঝ'ন'বেব্নঝ'র্ঝা । हे' নর্ভ্র'র্ম্ব'র্ম্ব'র্মজন'ব্রন্থ'ন'বেব্নঝ'

ब्री विश्वाताः उव बादबा मुबायाववाताया विषयः

বর্বশর্ষা । শ্রু:ঐর্:ব্রুহশ্বর:उत्। पश्चित्रःयः । শর্ষথ্যবারের্বশর্ষা । বেশ্বর:ঐর:ঐ:पर्श्चेतः বর্লাই:অ:শর্ষথ্যবারের্বশর্ষার্ম। । মঞ্জির:ম্বা

र्से। । अर्द्धदबा: येद:र्हे: हे: दगव: वा: वा: वार्सेव: वा:

सर्द्ध्यः सेन् त्यः वार्सेत्यः यः तन्यसः स्री । व्रुवासः हे सर्द्ध्यसः सेन् त्यः वार्सेत्यः यः तन्यसः स्री । व्रुवासः

य'अर्द्ध्दक्ष'भेद'व'गर्बेज'च'वदेवक्ष'र्के। विक्रे' य क्षेट वका ग्रीस यस ग्रीव ग्रीका क्षेत्रका विगा बेव. त. बेट्ट. वश ज्बा त्रवा. तर विव. बीश ट्वेंचश. निम । उँ अ'गुर' ५ में अ'से ५' हें मु अ'स २' ही द' ही अ' र्क्रेयसःनेग । घी:हग:देसःनेसःक्रे:यरःवीदःशीसः र्क्रेंत्रश्रःभेग । १३:३८:अ८:यरे:ब्रुग्शः हे:उठ:यः मर्सेयः पंतरेपश्ची धिंगश्रः सुरः सेरः परेः দ্রীর'অঝ'ডর'অ'শার্মীঅ'অ'৫ইঅঝ'র্মী| ।ৠ'দ্রী' ર્સા | પ્રાર્થેદ ર્ધેશ્વર્દેત્ર સુત્ર શું પ્રાર્દ્ધ વા સ્ત્ર ત્યા मर्बेयःचःदर्नेचबःब्री । क्वियःन्चरःक्रेबःग्रम्बः

ଥିବ.ପଞ୍ଜିପ୍.ଅଁ.ଅପ୍.^ଅ.ସ.ପୂ.ଅ

हैं नईत नियम् धुन हैं है ले नहें ले नहें ले नहें

<u>५ मॅ</u>वि'सर्केग'षव'यम्य'यम्बर्धयाय'य५ निकासी।

र्से। । मार प्राय केंस ग्री प्राय खुम या मार्सेयायः यरे प्रसार्से। । स्वयः सर्केम केंस प्रीट्स हें से या

য়য়য়য়৾ঀঀয়য়৾ঀ৸ড়য়ড়য়ড়য়ৼ৾য়ৼৼ৾ৼ৾ৼ য়য়ড়য়য়য়ঀ৸ড়য়য়৾ঀ৸য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়৸ড়য়য়ৢৼ

र्चे'याम्बर्धयाचायनेचबार्खे। । यहंदबार्थन्थः नेबार्हे हे'याम्बर्धयाचायनेचबार्खे। । न्ययाहेवः

क्रिंश ग्री: र्रेव: दशुवा या गर्बेय: वा यरेवस

श्री विज्ञान्यम् विम्सुयार्ट् हे या विश्वाया

ଷ୍ଟ୍ୟପ୍ଟିସ୍ଟ୍ୟସି:୍କ୍ୟସ:ସ୍ଟ୍ରିସ वरेवशर्से। । शेर्िर्सेश ग्री वशुद म्वस्य गर्सेयः यः यदेवसः सें। । हे यद्व यद्द यद्द यद्देयः हे <u>इ</u>.ज.चाङ्गज.च.उट्टेचङाङ्ग्। श्रि.सश.क्र्यःचीचेश. मुः अर्ळें या गर्बेयाया यहेय अर्थे। ।यह क्रेन हो हा न्वराधाः वार्षेयावायनेवसार्थे। विवादिया विमायर्केमार्से हे यामर्केयायायरेयकार्के। हि <u> বর্ত্তর র্ন্ন র্নীঝ মহার অঝা ঝ বা র্ন্নীঝ বা রেট্রা</u>ঝ র্মা ।গাঁথ,ঘারমাধার,জিম,<u>র্ম, র্</u>ছ,জ,মার্ম্যুজ,ঘ,

यदेवश्रश्ची ।यज्ञःद्वर्यस्थर्केषाःज्ञुवःयञ्चेःवेदः यदेवश्चश्ची ।द्वयःक्ष्वःश्चितःयञ्चेःवेदःबेदः यर्षेयःवःवदेवश्ची ।द्रदःवुदःदेषःववेदःहेःहेः

মশ্রদ্রমান্যকার্মকান্তর্বস্থার্মা । মন

<u> यत्रुस्रस्त्रेदःमो प्रद्याः में अभार्स्यः प्रदेवसः</u>

र्से | प्रम्यायाईर्यः यायम्यत् म्यायायाम् स्यायः विष्यायः विष्यः यायः विष्यः यायः विष्यः यायः विष्यः यायः विष्य

प्रमान के हैं पर्युव हैं हे ते प्रमान के कि प विश्व के प्रमान के कि प्रम के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रम के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रमान के कि प्रम दलवाश्वास्तुत्र, स्थानाचेषाश्वास्तुत्राः तलवाश्वासः सुत्रान्वेतेः स्थान्युत्राः

द्रम्यः पर्दः द्वरः ब्रेरः ब्रेः स्वमः द्रेयः प्यत्ते द्वरः यः स्व

विया श्रीका प्रवेका प्राप्त के कि । स्री प्रकेष के कि । स्री के प्रवेका के कि । स्री प्रकेष के कि । स्री प्रकेष के कि । स्री के । स्री प्रकेष के कि । स्री प्रकेष के कि । स्री प्रकेष के कि । स्री प्रकेष के । स्

यःगर्सेयः यः दिन्यः स्। अनुः विदः सुः यः दगः वेः

वस्रक्ष:उट्-रू। |रेग्रुष:चबर:र्त्व:ग्रुष:राक्तुःय:

अट.त.टट.। ।श्चेट.ड्र.कु.खेट.ये.श.ज.बीश. २०५० २ १। । । ग्रीय ५५० खे.ची.या.ची.य

त्री रितताः केष्यं स्थान्यः श्री स्थान्यः स्था

र्वेष । प्रययः वृत्रः त्रः सदेः ह्रसः यरः वरः यः य।। इत्यः वेषाः र्वत्यः स्ट्रां व्यावस्यः स्ट्रेस्यः वरः यः य।।

<u> अ</u>द्राचित्राच्यायदार्येषाः भ्रात्रीः श्रेषेत्राः । चिः सर्द्र

ଶ୍ୟ ପର୍ବିଦ୍ଧ: ଗ୍ଲ: ଆଦି: ଖ୍ୟ ଦ: ଦର୍ଗି × | ঐল্বান্সমর্ভ্রমের র্মিরান্ত্রী ব্রিমের <u> व्रेत्रस्य अञ्चल त्र्याय र व्याप्त</u> हु:धट:द्या:ब्रु:अ:द्रः। विद्यव्य:ब्रेद:क्रॅ**श**:ग्री: ह्रवास्यार्ट्सेयाबावबा । दिं हे तकर यो यो तबर **য়ৄ৴ॱऄ॔॔ॻॱऄ॔ज़**ऻॸॖ॓ॱॿॺॱक़ॗॖॖॖॖॖॗॻॱॼॱॹॖॱख़ढ़ऀॱॺऻॺ॔॔॔ख़ढ़ॸॆॻॺॱॿऀ। ग्वश्रभुं गर्द्या यन ज्ञुदे ग्वन्व भ्रेन्व । अध्यस र्ययः स्टाबुदः हें खा | यावः वर्बुदः व्रः अदेः क्ष्मिंबा ग्रीका पञ्ची मा पित्वा क्षेत्र श्रीका वार्दा प्रका

यार्थका । यार्थका । प्रस्थित श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत । यार्थका । प्रस्था श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत श्रीत ।

ला ीर्ययः मृ. महत्त्वः स्वाप्तः महत्त्वः । चार स्त्री ने चार महत्त्वः यह ह महत्त्वः ।

यन्त्रार्थेशस्त्रश्चात्र्यः यक्षात्रात्र्यः विक्षा स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम्

य.ल. सुंब. ५ मी.ल। विषय त्यूं मु. मक्ट्रिंग मा. यात्र सुंब र द्यां त्र याव्य प्यम्य व्या विषय या मार यात्र सुंब र द्यां त्र याव्य प्यम्

ग्रीश्रायक्क्षित्र। विद्यास्त्रश्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रस्याक्ष्रियः

ह्यप्रविदेश्वस्थित्यं । यायदेवस्य । स्त्रुट्य विस्त्राधित्य । स्त्रुट्य । स्त्रुट्य विस्त्रिट्य । स्त्रुट्य विस्त्रिट्य । स्त्रुट्य विस्त्रिट्य । स्त्रुट्य । स्त्रुट्

स्थ्यायायम् । विद्यास्य स्थित् स्थ्या । स्थित स्थित स्थ्या । स्थित स्थित स्थित स्थित स्थित स्थ्या । स्थित स्थित

बार्श्चा विद्यान्त्राः स्त्रीयः स्त्रेयः यावियः यात्रः वा स्त्रियः स्त्रीयः स्त्रेयः स्त्रेयः यावियः यात्रः

मी. प्रकृष्ट, कूर्य श्रामी श्रामी स्वाप्त मार्थ हैं से विर्वेग मुस्य मी स

य| |द्राप्त्रमार्श्वयायदेवस| ।श्रूटाश्चेराव्येत्रस्यसः र्क्षेत्रपुरमार्श्वय| ।श्चात्रमञ्जूदायरावस्यसः स्वात्रपुरमार्श्वयायस्या ଶିଷ୍ଟଯଖିଷ୍ଟ'ଅଁ.ଅଷ୍ଟ!¥ଜ.ଓଥି୍±

यर्ग'र्र'रर्गें रुग'र्शेशशंखर द्वास्था । द्वियाया गुव्रायहिवार्धेयायमार्वेष ।श्रेयशान्ययाममा बुरार्दे हे वे। । वित्यवित्र वें र स हेत्य स्रा यनमामवन संस्था गुःनत्याय सेवा । नर्मेशः तर्रेर्-तर्वृदःचदेःचग्राःवैश्वःर्वेग ।वृदःद्ध्वः য়৾য়য়৾৾য়ৢ৾৽য়৾য়৽য়য়৽য়ৢয়৻ৢঀয়য়ৼ৾ঢ়৽ঢ়ৼ৾য়ৼ৽ ब्रिंग्रचार्द्धरायस्थि । विस्तित्रे स्टिते ह्या विद्याप्ति मा वह्रअः मुद्दिन्दिः चर्ताः विश्वः वित्र । वह्रअः मुद्दिः यरे यर अहर र मुर्शेषा विश्वाम्य केव महायक्ष अहर यर्दे॥ ॥

► য়ৢ'য়'য়ৢৼ'৻য়য়ৼ'।

। अयावि विव त्र्यश्यश्याय प्रव्याय स्था

र्'तर्याके श्रुपश्राश्रासकी । पर्या मेश श्रुवः

র্মাশনগ্রীশনের নর্ম্বরেশ্রাশারীশা বির্মীকা

सव स्रेम अरम मुमारम् प्राचा । वेमायम

্ঞ। विवासमञ्जीयश्रम्भव । সম্প্র मुस्र केंश्र

८८:क्रुंबाबा:ग्री:अर्क्रेवा:इसबा:वा । विट:कुव:वर:

শ্ৰুমা

क्रामेर्यने की सेससाउन् वससाउन् पर् पर् यरे·यरि·क्युः दरः ध्रुवः यरः शुरुः ठेग । <u>भू</u>गः <u> বর্ষর, ২২, র্করা, বর্জর, গ্রী, শ্রী, ২২, রাজ, বস, গ্রীস,</u> डेग । इ्या प्रइया सेन प्रदेश्यने प्राप्त प्रस्था । वर्षायम् श्रुम् । वि.म्रम्ब्यम् इरम्विम

र्क्षेण्याहेव'यञ्जेद'र्छय'र्क्षण्यायश्चराय'वे। 🕴 विस्र**य'उ**द्

शुरःदेवा । व्यवःगश्रुम।

বৰিব'ৰেছম'ৰ্ঘম'ৰাবশ'ৰ্যুম'উল |ম'ণ্ড্ৰম' श्रेयश्चरवःगुवःग्रीः सर्गेवःग्रुरः उदः। । पत्रः

८८। जिमासबियाक्षरासन्ध्राचीहरूदी । ४८।

ब्रे'न्स्र-'यडब'से'यबन्'वर्हेसब'सर्निः ୵୕ଽ୕୶ଽୡ୶୶୷୶୕୷୶୶ୄ୕ଽ୵୕୷ଡ଼ୢ୶୷ୢୠ୶ୄୢ୕ୠ୵୕୷ୡୄୗ୲

বর্ত্তরা পূর্ব পর্কিম বত্তরা গ্রার্কা প্রেম গ্রাকী গ্রাকা

शुःगर्नेजा । पर्डेसः युवः यर्देरः वे र्चेवः यः येग्ना। यर्गः उगः यर्भेरः वस्र अभः श्रुयः यरः ध्व। । यर्गः

मी' सर्केर 'पॅव 'यलेश श्वर हा १ ५२ रेने र हेर है

प्रत्यक्षाः स्वार्केष। । स्वित्यम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् ।

विदःषद्रशायरावयुवायम्बाद्या । ईःयदेःयरादेः

वै। । भ्र. इस्र अ. गु.व. ग्री अ. मु.च. गार्चे व्य. भ्र. म. । भ्रू. धी.

कुं वे 'नग'य' धेका । ने 'यं बेव 'यनग' मेका क्रां (बुका

मर्जेया । श्र्यातह्रमाणदायाञ्चा वीत्री

वर्षायव्याव। विर्वाणुरार्दे हेते श्रुवं वार्षेषा

ୣୠୗ୕ୢଽୖୄଽୖୡ୵ୢୣୠ୲୕ୣଌ୕ୢଈ୕ଊ୲ୄ୲ଈୖ୳ୢୠ୕ଽ୕ଽଽ୕୳*ଈ*ୄ

ने यशमान्तर यह अर्केन परि र्सेम्बा मियार्से

न्वम्बाङ्गवः धेनः देनः स्व। । बोस्रवाउनः स्वाः

यक्ष्य क्षेत्र चित्र पदी । श्चित इसका के के राज्य का

शुर-डेग ।

बन्धनायत्त्रयात्री हे क्रेन् सुन्ना सुँग्रम्यायसुदे यहेगा हेन्या । तुसामासुसामानेग्रमायासी धी

अट्टा हुन ना । जिल्ला गुरुष गुलाने या या अ अट्टा हुन ना । जिल्ला गुरुष गुलाने गुलान या अ

उट्-त्या विश्वान्यः विश्वान्यः स्वर्

यग्चीर्प्। विश्वर् राज्ञीत्र वर्षा स्त्रीय वर्षा

न्यायाया । मुल्याया घ्रम्या उत्तर स्थिता स्था ।

यः श्रेष्ठा । ज्ञियः यः गुत्रः यः स्वः प्रज्ञः स्वः यहितः श्रुष्ठाः । ज्ञियः यः गुत्रः स्वः स्वः यहितः

ल्। विकायद्याः श्रेटावः सेता श्रेटा श्रद्धाः स्था

|ঝ<ঝ:ক্কুঝ:শ্রঝ:গ্রী:ব্রুঝ:র:নর্দাঝ: **₹**₩**₹**|

শ্বান্ত্রীন্ কুনশ্বা

শ'ন্গা **ୗ**ଶ୍ୟୟ.ନ2.^{କୁ}ଊ.ଅ.୧୕୕ଌୗ.ୄୄ୴ୢୡ.୴୵.ଅଽ. ユエ

*|*दे:दग:यष्ट्रग्राय:श्रे:बद:कु:अर्ढे: র্মীশা **|**८७८४:ग्रें:षव:यग:मु:सर्द्धेद:ब्रूं:ग्र्व:

<u>aaaai</u>

्रामुयःनःग्रवःग्रीःर्षेदःहदःस्यःमर्हेदः মূখা

उंद्रा |पर्-राय-मुनेग्राय-वस्राउ-राप्ता

मैश्रामर्ह्सेत्। । यो र्हेमात्याया खेटायात्याया

८८। बियाक्षेत्रक्षस्यस्य ५८ हुगायरे गर्गस्य

अर्क्षेग्'र्ट्'। । अर्रेशे'अर्क्षेग्'र्ट्'ट्र्ग्'र्श्वेश *ऻ*ॹॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖख़ॱॸॱॸ॓ॱॸॺॱख़ॱक़॓॔ॸॱ न्यःयः धेश्रा

মুন্নু বি.ঘ্রুম্নুর্মা বুন্নুর্ম্বার্ম্নুর্ম্বার্ম্বার্ম্ব্র্ম্বার্ম্বার্ম্ব্র্যুর্

न्दा प्रमृद्धाः स्टब्स्य स्टब्य स्टब्स्य स्टब्य

सर्केषा'८८।

त्रीय क्षीया । मिलाया दे त्या त्रा क्षेत्र यह । वि

ユ乳 | |対象と、丸、丸と、まみず、岩、ガと、乳、や、ココヨモ、克、 さか、 中の、コ、もないが、まと、か、が、か、カコヨモ、克、

៹ຆ຺[຺]຺ຆຒຘຑຑຨຆຒຘຑຑຐຆຎຆຒຘ຺ ຌຬ຺ຑຬຬ຺ຆຨ຺ຌຎຆຆຆ

ब्रुट्ट-त्य-द्र-द्रियम्-द्रम्य-विद्याः । व्रिय-य-गुनः

यास्त्रमायक्तायकेत्यस्य स्वर्धाः । यद्द्रप्तकम्ब

बे इर मित्र समा नियम नियम मित्र मित

୵୵ୖଽ୲ୣ୷ୠ୶୕୷୵ୢ୕୷୶୷୷୷୲ୗଽୢ୕୶୷୷୷୰୷ ୢ୰୶୲୷ୢୠ୶୷ୠ୷ୠ୶୷୷୲ୗ୵୵୰୷ୠ୶୷*ଽ*୵ मुल'न'गुव'८८'स८स'मुस'स्रा

|ৠূঁম|শ্ৰ'মপ্তুই'

र्रामुय

বিদ্রুমার্

สุมฆาระฐ์จาระมาฐ์จาระๆ |৫র্ক্)'ম'্যা্র' १र्ने 'र्म्य'रा्व' ขู้ :ฉลั้ร :สุมฆาฑราณ :พรา

ब्री. ह्रे अ. श्रु. चर्चा , ध्रो. द्रे अ. श्रु. वा अ. ह्यू या अ. |ब्रद:क्रुव:देस:

यञ्जरे तहेग हेव क्वेंव अरम

व'रोर'यर'वर्भेर'यर'वभ्रुवा

ાશું 'દર્તુ' લદ્દાવ क्रॅ्रव मदायेषेर दे द्याया । तर्ये या गुवाय सव बैर'चरे'चरे'ध्रेम् । पश्चय'य'बेर'में'ह्य'क्नेर्

শ্বান্বি:ব্রিব:রুমশ্বা

उदायम्बद्धाःयाद्दा । <u>इ</u>श्चाःश्चाः सदायञ्ज्ञायाः

चल्ग्रायर'षदः। । वर्ग'ग्रेश'वय'र्से'र्र्य श्चरमञ्जूलाचराचग्री विषातक्षताचार्टासक्रेटा

विदःमर्झेव्ययाधी । दमोयाञ्चरः बदः वद्मामास र्डे प्रमम्भाय। । वस्रमः उत् प्रत्मामिनः गुरः सुरा

ब्रिम:पर्झेर्स्।

→अर्केग'गशुअ'हेश'5्व।

मह्त्यावर्यकायही क्ष्रायह्रसान्यास्यासा सार्चेत्राता

षा नहां अप्तु हे हें ना हिल्ला है हैं से इप्ला अ

ૢ૽ૼૺ૽ૄ૾ૢૺૼૺૼ૾૱ૺ૱ૢૡ_{ૺૺ}ૢૢૼૹ૾ૺ૽૽ૢૼૺ૾ૹ૽ૺ૽૱ૢૡૢૺ૾ૹ૽ૢૻ૾૱૽ૺ इ.स। अम्.श्रुह्ने.श्रे.सं.ल.क्ष्म अम्.याम्.श्रं.श्रं.श्रं यात्तास्यान्तास्यः 🕴 क्रायहास्यास्यास्या यर-द्याय-द्यदःक्षेत्रःम्बेर-मुः श्राम्बा क्षेंप्यहः रे विष्पु हैं। धु भुषा अरेदे दिर्वे र ख्वा की र यक्ष ઌ૾ૻઽૹૹૢૢૢૢૢ૽૽ઌ૽ૣૢ૽ૼૼ૱ઌઽ૽ૺઽઌૢૹૹૢૠ૽૾ૺઌ૽૾ૢૢઌૡ૽ૼૠ૽ૼૺૼૼ૽

र्थे के। ब्रेंब र्ये रेव र्ये के। ब्रुट र्थे रेव र्ये के। ह अर्क्षेण रेव यें के। ५ अया ५ यें व रेव यें के। गिनेर-केव-संदे-तुमःय। श्वेग-मं सा सेर-न

या मुःया गरःया येः हेंगया पर्गः र्शेशः

वर्देन वर्दे देन अर्देश महिला विकेश र्थे 'रेव'र्थे हो। वें र सु 'रेव'र्थे हो। पर्दुव हें। रेव

ग्री:ह्या रेव:र्स:केदे:रे:र्सा न्यम:प्रश्राग्री:वेटः।

दसम्बा र भवादर र स भवामान्य में मूर्य

सर्केग रय। १र एस तस्य सर्वे। क्वें हंसू सूर्ति रा त्तायायमञ्जूता व्यमञ्जाभेष्ठ्रता समान्यास रेव र्ये केये गत्ग्रा धुँग्रायाय सम्याय सम्ब चर्दे कुषः अर्द्ध्य। ५५३ शुः शुः ५८ से धे ५५००

ढ़ऻॖऀॸॱॺॖढ़ॱॺॖॖॖॖॖॺॱक़ॕ॔ॺऻॺॱय़ॱय़ॱक़॔ॸॱॻॱऄॸॱय़ऻॱॸॻॱ વર્ગુસશ્ર ક્રું' સર્ફેંદે' ક્યા શું' શ્રુદશ બશ્ર વર્દ્યા દા

अर्देवःचरःचर्गेदःदे। न्नुःअःधेःदअःअदशःक्रुशः ସ୍ତମ୍ୟ କ୍ଷିୟ ଅଟି ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅ

ર્ફ્રેટ. શુંદા અંદે! ર્ફ્રેંગુર્સા ૧૮ વરસા ઘા સ્થયા વા

বর্ঝ'নম'নগ্রীর্ব। ব্রিল্ঝাইঝ'বর্গ্র'নবি'র্ব্র'র্

বৰ্ৰীৰাশ্বৰ্মীআ |বৰ্ৰীৰান্ধৰান্ত্ৰীৰাব্ৰন্ধ্ৰ

ॸ्रमर्केया ।लेबर्ना अमिले:र्सेअस्त्रसःस्यायम्

শ্বানীবীব্যস্ক্রমশ্বা

म्नी । विकास्य विकासम्बद्धाः विकास विकास

यासुराया । भूतिरायवे रे रयायउद्याय ५८।।

ह्रं ये क्रुं अयु प्र क्रुं र क्रुं अयु यो ख्रुं क्रुं। ► यहे अ <u> वुेर्'अङ्क्र्य'नबर'र्घे'यर्</u>दे'स्व्य'न**ब**्रा । वुट'क्रुन'

यस्यायम्बर्भित्रीत्त्रीत्त्रीत्त्रीत्। ।र्भागश्चर यरे'म्बेम्बर्म्द्र्याद्यार्ट्सम्बर्धर्मा

यर:श्रे:त्वुय:बे:यर:श्रे:ग्व्य:वेर:। विश য়৸ঽয়ড়য়য়ঽ৻ঽয়ৣ৾য়য়ৼৣ৾য়য়ঽয়ড়৾য়

মদ্মা মী দ্মী মেই অশ্বা স্কুমশ্বা হেদী দ্মা শীশা।

वहिषा हेत रुवे धुर रुव दर्म मुर्चेष विर्मे व्य

यवः ध्रीरः केंबा द्वयवाः क्रेंवः पश्चीरः छेरः। । बोसवाः

हेशसु:धी:रद:यञ्जूवा:बेद:यार्झेवा:यांधी । द्यो:या স্তুদ: ব্রদ্যান্য ক্রি বর্ম ব্রামান্য ব্রামান্ত দু

*ष्ट्रम् तर्क्या य ५८ स*र्केन् छेट यनम**्य**

<u> हॅ्रेग्रायदे वुट कुव केत्र यें र वर्ड्</u>य । अम्बे वेद

সুবৰ'বশুৰ'ব'শুৰাৰাৰী||

^भ वयशःभाषशः श्वाशः हेशः शृगुतः रेगशः शुः

ব্রহ্মা ।শ্রব্যগ্রীশ্বর্মার্র্র্রান্ত্র্র্যান্ত্র্র্

वर्हेशशय। ।गर्शेर ग्री सूत्र में सूर्य स्ट्राय हेर यदे

भ्रा निगाद्रमिलात्राष्ट्रियालम्बर्धातस्यात्रा 3

प्रमाप्त स्त्रीत स्त्रीय |સ

<u> श्</u>र-५८१ । ११७७: श्रुप: यः में ५४४: क्ष. क्ष. क्ष.

য়ৼয়৾৾৾য়ৢয়৾৽ৢঀ৸ঽ৾য়৾৽৸ৢঢ়ৢয়৾৽য়য়৸৻য়৾য়

শ্বান্বি-শ্ৰীন্ত্ৰ ক্ৰমশ্বা

गञ्जगश्रञ्जा यहरार्सेन प्रवित र् कें कें र ग्रम्था। ฮนฆฺรุรฺคุฆฺรฺนฺฆฺธัฑฺญฆฺรฺณฺนลฺูฆฺนล์

देग्रासः सः यदे 'यदः ग्वेग्रासः यः धुगः दर्खयः ये॥ तह्यः ५5५४ : धुगः व रहें : हे : श्रुवः रबः ग्रांचेग्**या**।

श्राणिःक्षेदार्याञ्चीयायात्त्रयायमः श्रोत्या । वसायात्रतेः

ଞ୍ଚିଦ୍ୟ: ପ୍ରଥୟ:ଘ:ଐୟ.ଧି.ଘଞ୍ଚ.ଘଞ୍ଚ. । ଓଡ଼.ଅଟ୍ର:ଛାୟ. क्रेव.चम्चेट.ज.सेब्य.उक्त.ज्र्। ।श्रद्ध.मेश.

वस्रक्ष उर् तर् श्रम्यते श्री हिं है तहें बर्म दे हें .

र्वे कित्। । तर्गेव अर्केग गशुस श्रे स्व स्रे। । त्र

यः इस्राचायः स्रुवाः वर्कवः वी । विष्ठाः उत् रगुतः श्रीः

g:५८:वी ।विट:५८:वें५:बेर:बस**ब**:७५:५८:॥ ব্যাম্বিরেশ্বরাশ্রহার্ক্তরাশ্রী শ্রুবারীকের্যা वहिना हेव व। । यदे निनेन वा क्षेत्र सम्बुराय गदःशुःदग ।देदःयदेरःङ्ग्रेवःयदेःर्केशःग्रीःळरः वयेयश्रायम् । ग्राह्मत्रायम् वर्देन् या श्रम्भाउन् वर्तरमनेग्रास्त्रम् । वर्धेन्यः भेन्न्यः न्याः न्यः गर्वेर:श्रेव:श्रदा ।शुव्य:स्य:दग:दर:ये:थे:श्रद: इस्रश्नित्र । विर्शेषात्र गुर्वे श्चि श्चि श्चि र दिख्यायम्। য়য়য়ড়ৢঢ়য়ৢঢ়ঢ়ৢঢ়ঢ়য়ঢ়য়ড়য়ড়ৢ৾য়ড়ৢ৾য়ড়ৢ৾য়

इत्या यारायासा निःश्वान्त्रः श्वा दायाया व्यायी लाला प्राप्ता श्वाला ह्या प्राप्ताया स्वार्मी लाला प्राप्ता श्वाला ह्या प्राप्ताया स्वार्मी लामायासा श्वाला ह्या ह्या स्वाया स्वार्मी लामायासा स्वार्मी श्वाली ह्या ह्या स्वाया

ल्बान्यम् क्षे प्रद्रास्त्रास्त्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्यास्य स्वाद्रास्य स्वाद्र स्वाद्रास्य स्वाद्र स्व

भेगम्बन्धने। कैंग्चई'अ'न्न्यायाया यातु'यू'याया चई'अ'न्द्र'न्द्रेंन्य'नेह्य दी'हें'ये'न्न्याया येन्यक्रने। केंग्चई'अ'न्न्यायाया यातु'यू'याया

या अस्ति अस्ति हैं यो अस्ति अ

प्रत्युः वृत्यान्त्रः स्वास्त्रः स्वे स्वास्त्रः स्वास

हेन व्यवेष श्री हैं र वें ने लिं से इसू हे हिं ये हैं हिं ৽য়য়য়ড়৾ড়য়ৼঢ়ঢ়ঢ়ড়ড়৾য়৾য়৾ৼয়ড়৾৽ৠড় यःदृ:व्:य:हःबु:दृ| ।ञ्ज्वा:य:८८:वे:क८:य:८८:।। गुरुट: र्या: यव: यगः वृक्षश्चः यः ५८:। । य५ गः मैश्रायग्रीतःर्वेरःदेःसक्षेश्राय। ।देःगुवःयर्वेदःसरः सर्7.5.यार्सिया । श्वरः सङ्गः वै॥

म् कुवःकग्राग्रुयःयदेः क्रें रः हेरः य्रिं स्र्वायः

বশ্বশ্বপ্ৰাৰাৰ্জী।

શ્રું જ્ઞાસુ સું અર્જે જા લું જ તર્વરે કર્જા ક્રેંક્ટ જેવ દેં

मान्द्र-प्याः भ्रुः प्युत्यः ऋग्यदरः येद्रा । त्रहेषाः हेदः

दर्ने वदर र्षेट् या अ धेव क्या र्वेश सु धे मवस

वयर:लूर.श.लुया किं.लु.सू.चरःयवश्राशक्र्या.

नवाः वतः भेनः वाः ध्वेंग्रां नः ध्वेंग्रां अर्वभाः

🥯। ।५र्गेव अर्क्रेम मश्चिय यः ध्वम यर्क्य ये।।

कुँव क्या शाम शुरु पार प्रमुख

द्याः वत्रः सेद्राः । विः द्राः व्यक्षः स्याः यः स्याः य

द्वी. यो कुष्ठाः याद्याः । विक्षां याद्याः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास स्वास्यः स

म्याबास्त्रया । मिलायात्रीयात्रस्यात्री। म्याबास्त्रया । मिलायात्रीयात्रस्यात्री।

इत्रक्ष्यः यः देषान्तः । । विः यदः यद्वेरः वे । । विः त् इत्रक्ष्यः यः देषान्तः । । विः यदः यद्वेरः वे । । विः तुः

यर्-मिन्नेम्बरम्पर-दु-चतुम्बर्ध-प-दर्भ । विक्रम्बर्धः यः प्रस्ति चत्रेष्ट्रस्यः प्रप्ता । स्रोह्ने स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर् শ্বীর ক্রমাধানাধ্যমান শ্বীমাধান শ্বীশা

ট্রিবার্যমর্ক্রমর্মস্কর্মর্মার্ম্র'আমা । শ্লিমান্তর্যান্ধ্রা

वे से ५ दा भी । सर्के ५ हे व इस साय प्राप्त न मा सुना

वर्ळवा ।म्रान्यक्रेश्चन्ययान्यस्तर्द्वो ।ह्यन्यो

ब्रिंग्रच:कर:चल्य्राच:प्ये। । क्रुव्य:च:चक्रेव:५गाद:

वेश:घु:घ। ।देश:वे:क्षेग्रश:घउट्:यंदे:ग्रास्ट्रश:

र्के। ।गरःगेकार्केगकायउरः वर्दे यविः धेका ।देः

यंबेव मनिग्राय पर्हेर हो र व। प्रम्नय य

व्रे'यः क्रॅ्रंटः क्रुंश्रंश्रं । दि वे द्व दि वे दि व

খ ব্যধ্যমাধ্যমের প্রকাশ ইশ র্মার্মা ইরম র্মার্ম হম

त्शुर्गा

র্ষ্থ্য ক্র্রান্ত্র্বার্থ কর্ম ক্র্রান্ত্র্বার্থ ক্র্রান্ত্র্বার্থ ক্র্রান্ত্র্বার্থ ক্র্রান্ত্র্বার্থ করে ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্রেন্ট্রার্থন ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্রেন্ট্রার্থন ক্র্রান্ত্র্বার্থন ক্রেন্ট্রার্থন ক্রেন্ট্রার্য ক্রেন্ট্রার্থন ক্রেন্ট্রার্থন ক্রেন্ট্রার্য ক্রেন্ট্র ক্রেন্ট্রার্য ক্রেন্ট্রার্য ক্রেন

शक्त्रां भी अपार्थ । विश्वास्त्रां स्त्री स्

ॳॴऒॖॸॱॸॖऀॸॕॴ॒ॴऒढ़॔ॴढ़ॏॴ ॱऄॴऒॸॱॸॖऀॸॕॴऒॕॗॸॱऄॗ॔ॴ ॱऻॎॕॶॴऒॸॱॸॖऀॸॕॴऒ॔

रेव केव प्रमेश गुवेब द्वा । पर्व प्रम व राज

र्षेत्र'तृत्र'क्कु'यार्केते'व्यायाः । वार्केत्य'यः क्र्यायतेः

य.रटा विष्ट्रिय.रचल.य.रचटः हीया.चीयास. इस्म.तपुः विरः क्य.रचल.य.रचटः हीया.चीयास. र्श्रायदे श्रेप्तक्ष्या । वार्ष्यायः र्श्रियायदे व्यव्या । वार्ष्यायः र्श्रियायदे व्यव्या । वार्ष्यायः र्श्रियायदे व्यव्या । वार्ष्यायः र्श्रियायदे व्यव्या । वार्ष्ययः वार्ष्यः वार्षः वार्ष्यः वार्षः वार्यः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः

अर्केग्'यतम्बा <u>।</u>हे'यर्ड्व'र्य'यय'र्केब'ग्री'न्यम'

শ্বীব,ক্মবাধানারীপানারী্যাখানরীপা

श्चित्रः ववशः अर्द्धः अर् श्वाशः हेदः विदेः भ्राम्यः स्थाः स्थाः विद्याः । विद्याः प्राप्तः स्थाः विद्याः विद

बुद्राया । वार्श्चराचाः क्ष्यायदेः स्वयशक्रेवः वुद्राया । वार्श्चराचाः क्ष्यायदेः स्वयशक्रेवः শ্বীব ক্রমাধানাধ্যমান শ্বীমাধানস্থা

ष्ट्रेव'यशचय'र्सेश'दर्गे'र्श्चेय'य| |पत्र'यश'

इस्रामुलायश्वरादहेवालेवाचे द्वान्य । वार्ष्या यः श्र्मायदेः सिष्ठेवायम्ग्रेम्य द्वान्य सिर्मेवायः द्वान्य सिर्मेवा । मुलान्य दिः यश्वराद्वाः द्वान्य सिर्मेवा । मुलान्य दिः यश्वराद्वादेः व्यान्य सिर्मेवायः श्रम्मेवायः स्वान्य । वार्ष्य प्रान्य सिर्मेवायः यवदान्य प्राप्त सिर्मेवायः स्वान्य । वार्ष्य प्राप्त सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्ष सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्य सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्ष्य सिर्मेवायः । वार्य सिर्मेवायः ।

र्स्यायदे निष्ट्रिंटर्स्याय ब्रह्म प्रत्ये प्राप्ते निष्ट्रिंटर्स्य प्रत्ये प

युक्तः स्वाधान स्वाधा

য়য়য়ড়য়য়য়ৢঀৼয়ৢয়ৼঀ৾য়য়ৢঢ়ৼয়ৣ৾ড়৸ ঢ়৾ৼড়ৼ য়য়য়ড়য়য়য়য়ঢ়ৼঢ়ৼয়য়ৢঢ়ৼয়ৣ৾ড়৸ ঢ়৾ৼড়ৼ য়

ସ୍ଥ୍ୟ ସ୍ଥ୍ୟ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ । ବିଷ୍ଟ ପ୍ରକ୍ରିୟ ପ୍ରୟୁ ଅଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ । ବିଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ । ବିଷ୍ଟ୍ର

स्त्रीं साय समित स्वर्धे स्वर्ध स्वर्ध मा स्वर्ध स्

 শ্বীথ.জনাধানাধীপানার্মীনাধানাধীধা

यावतः स्। वेशन्यायेषात्र मात्रसः याह्रतः यत्यायः विदेतः याः वेशन्यः वेशन्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः याद्यः

यत्वः पर्द्वः पः इस्रमः नुर्वे दक्षः सुः वार्क्षेत्र। । ने दः

ञ् प्रायम् की में ति त्यायम की में ते प्रायम की में ते प्राम की में ते प्रायम की में ते प्रायम की में ते प्रायम की में ते प्

यक्त.स्य.सर्च्य.स्य.स्यीय.स्याच्यास्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्या.स्य.स्य

ॱॳॖॱॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖ॔॔ॺॱॸॖॖॱॿॣॴॶॣॸॺॱॻऄॱक़ॗ॔ॻऻॹॱ ॳॴॱॺॎॸॱॻॖऀॱॸॖॕॖॺॱॸॖॱॿॎऒॺॾऻॱॻऻॶ॔ॻऻॱॴॴॱॺॎॸॱॻॊॱ

श्चायक्ष्याः प्राचित्रात्वाः विश्वायम् । भ्वायक्ष्याः प्राचित्रात्वाः विश्वायम् । विश्वायम् । विश्वायम् । विश्वायम् । विश्वायम् । विश्वायम् । विश्वायम्

दे·वश्रःदरःद्यं·क्वुवःकण्रशःगश्रुमःयःवर्देवःयःव्य

র্বুনা মহ

ক্লুব ক্রম্বামান্ত্র্যাম স্থ্রিম্বামান্ত্র্যা

ब्रम्। तक्ता नदे ब्रिन् वी गवशा नहेव नि में तर्वे तर्वे स्टर्

यउक्ष'य'ब्रुस'ब्रुर'ग्रेंब्र'ग्रेंद'य्वेद'ब्रेंद'वक्ष'दग्रेद'हें क्वेंद'यस'यहुव' वश पर्डेम'यून'यन्श्र'ने'यबिन'यानेयाश्र'य'

मुश्राप्तेयायाद्याव्यक्षाञ्चरया यदेःयरः

मनेमबाया यहेमाहेत्या क्रेबास

तर्वायदे।वार्वाञ्चराय। त्रुवायेरायाञ्चारम

૱ૺૢૢૻ૱ૹ૾ૻ૽૽ઌ૽૾ૢૺ૽૾ૹ૽ૢૼ૱ૻૻ૱ઌૢ૱ૻ૱ૺૺ૱ૢઌ૽૽૱૽ૺૺૺૺૺ૾ૹૢઌૺ૾૽૽ૼૡ૽ૺ૾

विवशः ग्री: ह्वः दी: अ: अेदः यः वः अर्थे; विश्वः स्वः हुः

यिथिया हे. भीश्रात्त्रास्त्रियो. पश्चात्र्यः

क्ष्मिबासक्सबाइसबायाध्याधित्। ।यादाकें मदायादिवा

য়ৢঀ^{৽ৼঀয়}ঀয়য়য়৾৾৻ৢয়য়ড়ৢঀ৽৻ৼৢ৽ঀ য়ঽ৾৾৽য়৾৽৻য়ৢ৾ঀ৴য়ড়ৢয়য়৽য়৾৻ৢয়য়য়৽য়ৢ৽

यत्वः र्वे र वश्य । । दे ते स्वा हेव पर्ने व सर्वे या स्वा । दे ते स्वा हेव पर्ने व सर्वे या स्वा । दे ते स्वा

तक्तार्यो | क्षि.पेश.मी.शक्तारायात्र्यं विश्व ह्या. प्रचराया | भि.पेश.मी.शक्त्र्यं विश्व ह्या. उद्या सम्बद्धारायहेषात्रेयात्र्यं

यद्या विवाद्यात्तरस्यात्तरस्याः स्वाद्यस्याः स्त्रा विवाद्यात्तरस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः स्वाद्यस्याः

ઌર્ટળ.વ.ધ.ખુ.શ્રીમ.જાદ્યર.કુદ.1 |પ્રીય.શ્રીમ.ઉજીપ. જાજુજા!|જાજેજા.જુટ.જાદ્યુંટ.જુટ.જુટ.જુટ.જુટ. વાલિટ ત્યા: દેત્ર સત્ત્વાલિટ ત્વર શ્રુટ ત્વા શ્રીજીજ જ उर्'अष्टिव'य'क्रॅ्व'य'यें। ।यर्केर'व्यक्ष'र्धेव'हव' मुः अर्क्केरें विद्रा । दे प्रविद्यानिया विषया विद्या प्र वर्रेन:कग्रमाञ्चयायदे:ह्या ।नगे:यश्रम्यःस्यःर्शेनः **यशः**र्ह्मेयःबिदः। । याँडेयःफुःर्देवःद्यः सर्केयः शुरः यदे। वि:शुरःर्क्रेश्वायः श्रेयावशार्मेयायदेःयसः षरः ह्रेंबा । पशुपःय प्रापः या प्राप्ता । विदः मी'न्याय'र्षेव'हव'लेटा। ।नमो'यनुव'या'यट सुमा तर्स्यार्थे। । वेश्वन्या है ख्रेन खुन्या विवास महा

बिट हेर बि बे त्य यावशा । यह द र्षेट प्रत्याश

य'दे'यः अर्गेद'र्यं'द्युग्रह्मह्मेंक्रे'यूद्रया विस्रह्म

ক্রীব.কনাঝ.নার্থস.ন.র্মুনাঝ.নার্কী

ર્શ્કું ર.ગ્રી.ત્ત્વય.ત્યના.ત્રર્ધે ત્રાત્યાન કેત્ર્

ण्यात्र स्वास्त्र स्वास्त

य:बेल:य:छ:तुर:५८। | भ्रि:यय:म्र्रेंग:५८:श्रेंव:हे.

र्टा क्रुंब्रम्ब्रथ्यश्चर्यश्चर्या । क्रुंत्यः दर्ग्या देःचलेवः ग्वेग्वरः यश्चर्यास्त्रम् । क्रुंत्यः दर्ग्याः देःचलेवः ग्वेग्वरः यश्चरम् । क्रुंत्यः दर्ग्याः শ্বীব.ক্রনাধানাধিসানার্দ্রনাধানস্থিমা

य'ग्राटाधेव'य। । ५गे'र्झेट'केव'र्येश'वर्ने'र्भूट' म्बरम् । इमाया देः यह स्रोतः विहा । । ५ मे यः स्व स्य स्य स्य स्थान ড়৾৾**ৼয়**৾৻য়ৢঢ়৻৸ৢৢৢ৸৻ঽঢ়ৢয়৾৻য়ঢ়য়৻য়ড়ৢয়৾৻য়ড়ৢয় य'धित्। विश्वन्ता सुक्षान्ती'र्क्क्साय'सेम्बाय' है। । दग में हैं अपदर येग्र प्राय पेता । पेर गी क्रिंयायायेग्रयाक्षे। विस्रवाउटातुः वे क्रिंयाया येग्रम् । वस्रमः उत् प्रसुदः पर्दे द्वी र्सेंदः द्वा।

उर्देय.तपु.मैंट.क्यंश्राम्।

गश्चिम यायायर्ड्स या चु यदि श्चुन नरा गर्हिस सायहराया गहिशायश। ^{५८:मॅ:}वी **पर्कें५:वस्रक्ष:वर्ध-धिक्ष:वस्रक्ष:उ**५:

শ্ৰীশ্ৰামান্ত্ৰী হিনান্ত্ৰান্ত্ৰী বিশ্ব

द्रमन्नात्वमात्रम् । भ्रि.म.च.५क्रेत्रम् स्यम्

ব্র্বাধ্যমাঞ্র । শ্রুবামর মর্ক্র বার্ না

ब्रैंयः पर स्वा । ३४५८। वर्षे प्रते स्वापस्य

श्चरमञ्जास्। ।यरे.य.वश्चरःदर्द्यःयदेः

ग्वश । प्रह्नवःयः हेरः रदः यगुरः हेः रदः॥

यङ्गाने स्थान स्थान विकास स्थान विकास विकास विकास विकास स्थान विकास समित स्थान विकास समित स्थान विकास समित स्था यु:कुव्य:द्रमदःर्वे:हेर:द्रमदःर्वे। ।मानवःषदःर्वेदः ब्रिम्स्याब्या । क्रिंस्य व्याप्त स्था । क्रिंस्य व्याप्त स्था । क्रिंस्य व्याप्त स्था । क्रिंस्य व्याप्त स्था

र्देग्या हिग्रु चरे चर्चे च चर वेंगा

यादीका त्या करिया करिया विकास की मिलिये प्रत्या मिलिया विकास की मिलिया किया की मिलिया किया की मिलिया किया की मिलिया किया की मिलिया की मिलया म

यात्यात्वत्या कुदि गर्हिमाया यो हिंगा यतुगा र्श्वेशा यम यो दी प्रमायक्श

यःयन्यस्याया सदःसदःमीः श्चेंद्रः स्युत्यः दुः सुद्रः

ॺऻॸॕॸॱॠॕॸॱॻॖऀॱॺॸॱॸॖॱॺऻॿॖॺऻॺॱॿॖॱॸऀॱॸऀॱॺॏॹऀॱ ॿॖऀॱॺऄॸॱॻॖऀॱॸॕॱॸॕॸॱॻॖॗॸॱय़य़ऀॱय़ॿय़ॱय़ॸॗॸॱय़ॸॕॸॱ

तप्तः भूवः हवः तुः अश्वः वादः यदः श्रुद्धः । यदः भूवः हवः तुः अश्वः वादः यदः श्रुद्धः । । ।

स्याम्बर्याच्चेत्राच्चेत्राच्च्या मिर्ध्यास्य स्थाप्त्राच्चेत्राच्चेत्राच्चा मिर्ध्यास्य स्थाप्त्राच्चेत्राच्चा मिर्ध्यास्य स्थाप्त्राच्चेत्राच्चा स्थाप्त्राच्चा स्थापत्राच्चा स्थाप्त्राच्चा स्थापत्राच्या स्थापत्राच्चा स्थापत्राच्चा स्थापत्राच्या स्थापत्राच्चा स्थापत्राच्या स्थापत्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या स्थापत्राच्या

दर्सेना अ' অ' র্মন্থা ব' নাব্ধ' দুখ্য নাৰ্ভী বি' নান্দা বিশ্বনিধান বি' নান্দ্ৰ বি

र्त्रा न विवयः सदावयास्य स्वाप्तात्रा । सः र्त्राप्ता

สูญี่รารรา รมาฏิ์สานาลัสสมาชิ คณารูาติรำนณิ ฉอูราชิาสุธิรามาลายาสมมาชิ คณารูาติรำนา

खेटाफाषायायुक्तायुक्ता विद्यास्त्रेत्राविदार्खेः खेटाफाषायायुक्तायुक्ता विद्यास्त्रेत्राविदार्खेः

येग्रबः५८। ।दबुःइस्रबःदवेयःवेटःर्क्रबःदवेयः य। ।यरेःयेग्रबःस्रुवःश्रुसःर्क्षेग्रबःयः५८। ।धे५ः

त्य.पट्ट्रेट्र.ता.भीष्य.पचींता.शह्र्यूटी |३४.शू॥►क्ष्य.सह्या. य.७४१त.रेब्री.शक्ष्य.की.टेश्चशक्ष.कटे.जाचे.टेब्र्य.सह्य.स्व्या.चयी.

त्तपुःक्ट्.यो.टेट्सःस्। टिटःत्तुःयु। टिसःचचटःत्तुःयश्चेशःश्चे। कुसःचचिटः कूसःधेषःतपुःकुयोःजो भक्ष्यःसुःकूसःश्चेषःतपुःचिःभक्ष्यःटटः। कूसःश्चेषः ग्राचेश्च न ट्रेगीभक्ष्य सिटिश सभ्यत्र २८ त्य सिट्गीश्च नत्त्यक्ष्य सग्नी सग यर दिर प्रकारे र्या मी र्वे क्षेत्र मार्के क्षेत्र प्रकार मित्र केष्ट मार्के केष्ट मार्के केष्ट मित्र केष्ट मित्र केष्ट मार्के केष्ट मित्र केष्ट मार्के केष्ट मित्र केष्ट मित

क्रेव-देग्राचावि-८८। अग्राञ्च-सग्राज्य-पदि-क्राच्याचित्रम् नि-क्रा

यारेन या केते म्यान स्थान स्य

ক্টুৰ ক্ৰম্বাৰা মৃধ্য ম' ইনি ম' মঙ্গুৰা त्रवार् ह्वेव र मर्बेषा विश्व महें र प्यर हुवी । अस्व रेवा

र्धे×केंशय95'वा→ अक्ष्य'र्देय'र्धे×केंश'य95'वा

सह्याक्षु देवे द्यो या ग्रुट सुयाक्ष्य क्ष्य विष्ट्रे या विष्ट्रे विष्ट्रे विष्ट्रे विष्ट्रे विष्ट्रे विष्ट्रे

य'यद्म'त्रुद'च'षी |५वो'च'शुच'य'यद'षेद'य।।

नेश्व ते तहे गाहे वा साम्याया । या ने या ने या ने या न

नेश्रास्यार्वेदाःसमः वृंग विश्वश्रम्भागीः वर्ष्या अ

गशुअप्याक्षक्र्रंदामीतुश्चार्विकात्पानुप्तम्बाद्याम्बार्श्वेत्र्यमिक्कामा

ચૅંસ-૬નો-ફ્રુંબ-ન્રી-ઑંદસા-શુ-૬ના-ધ-લક્ષુત્ય-ઘતે-ફ્રેં-ના-ફે-૬્રા દેસ-ક્ષેન-૬-च.रम्बास.त.चनवास.चेषु.छेस.चेस.चनवास.तषु.क्र्.वा.रटा रीस.इस.

उत् : तु : तु ने ने स : य : बें दस : त्व : त्व त्य : य ति : से : व : व ति स : सु : य ति : व : व

ર્ક્સ ર્ક્સમ્ય સા શુવાલ લેવેમ વિષે ત્રવે ત્રાણે વરા દુ: ૧૫ ક્રોંગ લેવા વી સદ્ધા

२गे'र्ख्य'र्इअब्र'२गे'र्ब्बेट'र्बे'बॅदेग'रु'ग्वट्टर्व'र्ख्य'र्ख्य'स्ट्र'र्खुग'याश्च्य' रे'तुब्य| त्रु'र्गेब्र'स्वग'य'योडेग'रु'ग्वटर्च,दुंय'र्द्धय'स्ट्र'र्खुग'याश्च्य'

मायव मृत्या मृत्य प्रमृत वया मावया यहवा वया कें प्रमृत्य या

दर्गेदशःशुःगर्शेष। यदगःशृगुरिःदगेःर्द्धयःश्रहः

อสากรารากรายูราธารารการสิงสอง สู่สา

कर्वियात्वरङ्गे। याक्त्रां स्वाध्यया कें र्राय्येवर यदे सर्वर्त्त स्वाध्ययां स्वयं स्वयं स्वयं क्षिया स्वर

पर्श्वराष्ट्री अःश्रव्धलःशःचनिष्यश्वरः वृःशःपश्चरः राष्ट्रीराष्ट्रीयः

বহুই। ব্যব্ধ দ্বোৰাৰ প্ৰত্য বিহুৰ নাৰ্ডি বু প্ৰবা ৰূপ কাৰ্

क्षेत्राया अववर्षः अवाशवशा कें द्रात्यक्षः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वा स्वात्या स्वात्यः अवाशवश्यः कें स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्य

यक्त्रं यक्ती प्रति स्थान क्ष्रं क्ष्रं प्रत्य प्य

ढ़१ॱॿ॓ॖॺॱॻॹॖ॓ॱॻढ़॓ॱॴॸॱॺऻॾॣ॔ॱॾॣऀॕॖॸॱ^{ॸॾॖॱॸ}ॿ॓ॱ^{ॸढ़য়}ॱॻड़ऀॱ

র্ব্বুব:কল্মানাধ্যমানার্বুল্মানস্থ্র।

अ:५वा:र्वे:बेश:य५वा:अक्टे:व। य५वा:यर:क५:ग्री:

র্ক্তরাস্করান্ত্রীরার্ডিনেরাস্ক্রান্তরাধ্রমা

कें दर्ध्व प्रवास्त्र प्रवास्त्र मार्चेत्य वेषायव मास्य प्र

রিমা.মারিগে.ডঞ্কা.বরা.ডরা.নে22.নিওখা বলখা.দুমারা.বীঝ.বরা.

र्धेग्रह्माञ्च प्रमार र्हे।

५र्मेव सर्केन नश्चा हेश ५व वी वस्त्र स्वा स्वा स्वा स्वा स्व

*ष्ठ्रमा तर्क्र वर्षे । वर्ष क्षेत्र अदशः क्षु अपवर्षे आ*ख्यः

वन्याने वे ने प्रविवाग्ने विषयायान्या पर्छे याया षर:द्या:य:<u>र्ह</u>्याश्च:यदे:श्चरशः क्युश्च। देया:य:द्दरः विवसः सुः स्व त्या वदेः वरः मुवेग्रसः य दहेगः हेव'अष्ठिव'य। श्लेब'स्'स्र्र्य'यदे'व'र्ये'श्लुर'य। न्नु व से द्या भू दर से इसका ग्री हैं व या बदका मुसामर्डेश युव पर्मार्से। । दे मिलेव मिलेग्स य'दे'वे'पर्केद'व्यक्ष'दग'मी'क्कु'यश्व'य। दगे'

यदे सः य द्वार्या कुर् भी वाया यर्वे र य र मा मी श

য়ৢঀ^{৽য়ঀয়৽ঀয়য়৽য়ৠ৽য়ঢ়ৢ৽ঀঢ়৴৽য়য়য়৽ য়য়৽য়য়ৢঀ৽য়৸৸য়য়য়৽য়ৢ৽য়ঢ়৸ড়য়য়য়৽}

ग्रे'म्बि। ५ये'ग्र५'यबर'र्ये'क्र्यश्चेश्च्रुक्ष'य।

यस्त्रः सम्भाग्ने स्त्रे स्वास्त्रः स्वादः या स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स सम्प्रम् सम्बन्धः स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् स्वादः सम्प्रम् सम्प्रम् सम्

ঀয়৽ৼয়৾য়৽য়ৢয়৽য়৽য়৾য়য়৾ঀ৽য়ৄ৽য়য়ৼয়য়৽ য়৽য়ৼৢ৽য়৽য়ঀ৽য়ৢয়৽য়য়য়৽ড়য়৽য়য়য়৽ড়ঢ়৽য়ৢ৽

क्रॅव'य। वटास्त्रवासेससाद्यक्षस्याची याद्य

অধ্য বেই রা নত্ত, র্মু হ , ত্তি হ , ই , তর্মু , অ , ই সধা , গ্রী , তথ্য প্রধানতে , আহ , অবা , ই সধা , গ্রী , শ্রী ,

देदःद्वा थे:वेशद्यग्रह्येदःया श्रुंतश्रयः

অধ্যান্ত্রী ব্যান্ত্র নিষ্ঠান্ত্র ব্যান্ত্র নিষ্ঠান্ত্র ব্যান্ত্র নিষ্ঠান্ত্র নিষ্ঠান্ত্র ব্যান্ত্র নিষ্ঠান্তর বিষ্ঠান্তর বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান্ত বিষ্ঠান বিষ্ঠান

८० अ.सक्ट्रस्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृत्य संस्तृ

य। ग्राच्यासास्त्रीयान्यान्यान्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास

यक्रियार्यायकाक्ष्म्यायम् स्वास्त्राच्याः

यास्यक्षात्रेत्रस्यायम् विषयाः विस्वास्यक्षात्रात्रः स्रोत्यवाः भ्रीःसकेत्रस्यसः यक्ष्यसःय। सर्द्राः स्यस्यक्षात्रस्य स्वास्यास्य स्वास्य स

खु:र्यः यश्च त्रः त्रः यश्च व्याः इत्याः यश्च व्याः यश्च

শ্বশ্বা শ্বীমশ্বর প্রমশ্বর থে শ্বীশ্বশ यदे अया चत्राबाय हो। यदे द्या वे अदस मुबा पर्डेंबा खेब पर्देश ग्री क्षुं के पदे लेंब प्रव सर-र्गे.च। चर-र्-र्गे.च। घःसर-र्गे.च। र्देव'चबद'र्ये। क्षेष'त्वु'चबद'र्ये। अ'त्देब'य। ऍटशःशुः*र्ह्स्*याश्राय। ऍटशःशुःद्याय। ऍटशः

ସ୍ଥିମ ସହି ଅମ୍ୟା ଶ୍ରିଷ ସହିଁ ଅ ଅଧି ଓମ୍ୟା ଖିୟା

ग्री:षो:वेश्वायाम्बद्धाःय। श्रु:दद्वायश्वादद्धाःया

याभ्रीमात्रकाया यदादमायान्त्रेदामीस्यवदाया

ক্টুব'ক্তবাধাৰাধ্যম'ন'র্দ্ভবাধানামূধা ষ্যুন্ত্রদান। নইমাঞ্বাবেদ্বাগ্রীরার্ট্রমানীল্যা

यर'ग्रमुद्रश्र'य'णर'द्रग्'यर'अर्घेट'य। वर् बेर्'या तुबाळर'य'बेर्'या हे'यर'गहेर्'या त्री:अर्वेद:च:व:र्नेत:बॅद:या अवश्य:र्न्सअत्र:

ग्रेंबार्बे कें.र्स रहा मेंबार्ड मान्यर मुख्या वर्डे बा

র্ষ, বর্ষ, শ্রীশ্ব, মাপ্সহম্র, মন্ত্র, ক্র্র্য, বর্থ, ম ज्याबायराङ्ग्रेवाय। देबायराववृदाय। ह्र्याबा

यदे नुम्कुय कुर वर्षे नम् नुम्य अयम्बन्य बेर्'डेर'दर्श्यम'र्र्युव्या महेव'य'र्षेर्'या

मु:प:पडर:पर्द। विग:प:केव:प्रंत:रगे:पर्व:

<u> ব্র'নেমার মেম রেমারা মার মার মেম রেমারা মা</u>

ক্টুব'ক্তবাধাবাধ্যম'ন'র্ম্ববাধানস্থ্যা

य। ग्रावरिः लट्टा स्ट्रीवर्धित स्तर्भाव साम्या स्तर्भा स्त्रीत्र स्तर्भा स्तर्भा

या गुत्र हु स्पर हुन स्तरे मन्द्र सु शुरु र य केत

र्च.धुरी । ब्र्.श्रूर. प्रट. रूबा. लु. चुंबा ब्रुंट. लुका या।

ब्रुव:कवाबावाशुअ:य:र्स्चेवाबायशूबा र्श्याम्बर्ध्यामुव्याचित्रं सुत्रात्यासुमा तर्कवार्वे।

हु'चल्याबाही देवे'कें'चर्डे अ'ख़ब'यदबा बच' र्के:ब्रूट:व:बेब:वु:वदे:क्वेंब:ग्रु:क्वःग्रु:केट: दे'वहेंब'य'र्क्केंग्रबायर'त्याबार्के। । यदादेवे'र्के' चुरकु्व सेसस न्यय सेसस न्यय केत में त्यम्

वर्निः भूर विर्वामी अर्धे अयः (तुः अविवास) वर्षे अ

ড়ৢঌৢ৽ঽৢয়ৢয়ৢয়৽য়৾য়৾ৢঀয়য়ৢঢ়ৢয়৾৾ৢঢ়ৢড়ৢঢ়৽য়৾য়৾ৼ৽য়ৢ

बेसबान्यदे न्यो यत्व केव दे न्य बनबा छेया

य श्रुव रश्चा वा वेषा वा निवर श्रुवा के वा स्वा ग्री ख

ૼૼૼૼૼૼઌ੶ૢૢૢ૽૾ૡૢ૾ૺ૱ૡ૽૱ઌૻૹૼૺઌ૽૾ૹૢ૽ૢૼૼૢૼઌઌ૽૾ૢ૽ૢૢૢ૽ૼૢઌઌ૽૽ૢ૾ૢ૾ૢઌઌ૽૱ઌ૱

म्रीक्षः म्रीः सद्भार्यः स्वार्यः स्वरं स्वार्यः स्वरं स्वर

য়য়ৢয়ৼয়য়৾য়য়য়ৼঢ়ঢ়ৼয়ৢয়৽য়৻ঽ৾ৼৠঢ়ৼ৾য়

ক্টুব:জনাধ:নার্ধ্য:ন:র্টুনাধ:নষ্ট্রমা

ਜ਼੶ੑੑਸ਼ਫ਼੶ਸ਼ਖ਼੶ਜ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼੶ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ ਜ਼੶ੑਸ਼ਫ਼ੑਜ਼੶ਸ਼ਖ਼੶ਜ਼ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼੶ਜ਼ਖ਼ਜ਼ਖ਼੶

বর্ষুব'মম'ন্ত্র। বি'শ্লব'উঝ'শ্রুঝ'ম'ব্দা ন্তুদ'

यः पुः रः पुः प्रेदेः तुः त्यः त्य देशः अपः अवः अवः अवः विष् इतः स्वायः विश्वयः यः विष्यः विष्य

रेते.द्या रेग्न्याग्री:द्यत्या रेग्न्याग्री:द्यार्थे:ग्री यायान्त्रास्याग्री:सर्स्याप्तृःध्वेत्रायाः वयास्तिः र्ह्येनः

य मुन्य पर्दे द्या देश वर्ष मुन्य स्थाय र प्रकृ

ग्रीसः क्षेंद्रायमः षदः द्याः यमः हेत्रः श्राः वक्षेत्रं ।

यंकित्रः त्यका ग्राट्रं माञ्चमाक्षां मान्वेत्रः स्थावेत्रं हिं। प्रेट्रे यन्त्रेत्रः दुर्केत्रः यः प्रदान्त्र स्वतः स

रटा क्रियानरानेश्वाचाक्षश्चेदानर्छ। नि

শ্বীথ.ছথাখানারিপানারী্থাখানার্জী ୖୖୖଽୡ୕୳ୠ୕ଽୖୡଽୖଈ୕୶୲ଶ୕୕ୡ୶୲ୠୄ୵ୢୖୡ୕୵୲୰୲ୠ୕୵ୢୗ सर्वतः हेरः सेरः या सः श्रुकाया सः दगमकाया ริเมเมิราย ริเมเระเฐญฆเมิราย ฮิเฉเ अंदाय। मदायः अंदायर्थ। भिः देवः सः देशः सः वःक्षेंदःयःकेदःयःगञ्जगश्रयेद। र्केंदःयःयेद। वर्न्निश्रायेन। वर्न्नुनिन्स्यश्रायेन। स्यायर

निश्रायायोत्। येषायोत्। इत्यायोत्। श्रुयोत्। श्रुयोत्। युश्रयोत्। येत्योत्। गञ्जष्यायायोत्। श्रुयोत्। त्रियोत्। र्वेष्यायायोत्। क्रिश्र

য়ৼৼৄ৾৻ য়য়৸য়ৢ৻৸য়য়৻য়ৼ৻৸য়য়৻ ৻৸য়য়৻য়ৼ৻ ড়ৼ৾৻য়ৣ৻য়য়য়৻য়ৼ৻ড়য়৻য়৻য়য়৻ ୖୣଽ୲୲ଵୢ^୲ୖୣଽୡ୕ୠ୕୵ୢଌ୕୷୶୶ୡ୲ୠ୵ଞୢ୷ଈୗ୶୶୵୳୶

ক্ৰুৰ'ক্ৰমাঝ'মাঝুম'ম'র্দ্রুমাঝ'মৠুঝা

स्वसः र्वितः या स्वरः य स्वरः या स्वरः

শ্ব ক্রম নার্থ ন

र्षे. तर ह्याबा तरु. वेट. क्यं थे. शुर्य तर

र्ह्रेण्यायर'यरयामुयार्थे। |दे'स्नाययाद'वेया र्यामी'यार्रेल'हु'दीद'यदी'सूग्या देग्'याळेद'

त्रुप्तः क्रियाचा संस्थान्य स्थान्य स्

रदःस्रक्तःयदेः भूषा भूषा ये। स्वःयः यतः स्वः पृःते वः वः स्वः यदः भूषा यम् यः स्वः यत्रः

इ.य.ध.सुत्र.तप्र.क्रियात्र.स्री क्षा. वेश.रच.ग्री.त.

या हे या हे द्वा राज हो या राज हो वा हे ही है है है है है है

<u> चयःश्रॅःयःपञ्चयःयरःवुर्दे। ।देःवश्रःयर्द्धशःध्वः</u>

यन्त्राः हेरः रे : यहाँ व : यहा यहा व : यह यह :

श्रेशश्चित्रश्चेशश्चान्यतः क्रेन्ट्रां तसम्बाधायः श्चुनः रश्चान्नेम् श्चान्यः सुमः त्यान्यः श्चेष्वः त्यः विश्वः तुः तः त्रिन्दः हो। त्येम् शःश्चें त्येम् शःश्चें। विश्वान्यः श्चुनः

बयार्से त्याञ्चर यम त्या हो। दे प्रतिवास विम्नास स इस्र सामा स्वास सम्बद्धाः स्वास स्वास

ने ने प्रतिव विवासी । ने ने प्रतिव विवासी है स्वर्स हिंद श्री व

त्रष्ट्रत्रायायवेत्र.र्.वेश.स्याग्री.स.र्सेयार्ट्राष्ट्रेत्राया

শ্বীব.ক্রমাধানাধীপানার্দ্বীমাধানধীপা

ग्रेंबरिक्षराच्यादक्ष्यव्या केंद्ररख्वय नु'र'र्र'हेदे'त्'र्र'। व्रद्ध्य'श्रेशश्रद्ध्य' মঝাবাইবাঝান্নদাধ্রুবান্দা। প্রথার্থতিন্দা ख्व'यदें'वर्षेर'रे'न्ग'न्रः। क्षु'न्रः। भ्रे'न्रः। क्षु'य्राधिव'न्द्र। न्ने बरावउद्यायदे'दिहेषाहेव'धे' रद्याने। पर्देशक्ष्यायद्याचीश्वास्यादाःवा अर्देव'यर'वर्क्ट्रेंद्रिं। ।→क्षरअप्रवादेव।

त्रम्ब्रीय द्वास्त्रम्ब्राचनित्व। सक्य व्याप्ति व्याप्ति क्रिया व्याप्ति क्रिया व्याप्ति व्यापति व

यम्यायास्यास्य स्वाप्तायम् । यम्यायास्य स्वाप्तायस्य स्

वश्चा वयार्थ्याचर्ष्क्र्याचदेख्तुन्। अर्नेख्न्न्याय्याः वश्चा वयार्थाः चर्ष्क्र्याचदेख्तुन्। अर्नेख्न्न्यायः अत्राक्ष्याः अत्राक्ष्याः

हेरदर्भ १९६१ मार विमामा श्रेस अर्केमा स्टाय विद्यासी स्टाय सम्बद्धाः स्टाय स्टाय

र्यायाम्बर्भासङ्ग्राप्त्र्यायस्थाम्बर्धास्थ्रेतः

यहर्मा अर्थेन विश्व स्थान स्य

चशक्राक्टर चराया दश्चरायादा क्षेत्र स्था हे 'द्या' इशक्षाक्ष करा चराया दश्चराया विश्व स्था हे 'द्या' मुस्याय विकास मुक्ता विकास स्वार्थ । सुर दिस्य मुक्ता स्वार्थ । सुर दिस्य स्वार्थ । सुर दिस्य स्वार्थ । सुर दिस

<u>ञ्च</u> भेत्र भे त्या रे पी प्रमानी । प्रमानी । **୰ୖ୶୳୶ୖୢଈ୶ୄ୕**ୠୄୖୢଌ୕୳୶୰ୠ୕୳ୠ୶୰ୣୡ୶ୡୄ୲୲ बरबा कुबा गुबुदा रया रया हु ले लेटा यदे पदे क्रुर:ग्रुर:य। ।५२:५ग:घ१५:ग्री:५अ:घदे: क्रेंशयन्त्रः ध्रीयः विषयः विष |ग्रद <u> ५ म मिन अप पर् हों र मी पर्दे म हे व वा पर्दे </u> শ্রবিশ্বস্থ্রীন'মম'গ্রুম'ঘ'শ্বম'শ্র্যু'দ্ اکے۔ *ঽ*ঀ৾৾৴ॱৠৄ৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৻য়৾ৠৣয়য়য়য়য়য়য়য়য় १३वः यर'वर्रेर'य'वस्रक्ष'उर'वर्रर'ग्वेग्रह्म'विग्रा रर्ट, रट. प्र्यी. यी. झ्. बर. शर्ट्रु. बिया. एक्जा श्रीयश वशश २८. ग्रीश. चल.सू.झैर.च.रु.ची योषय.२.५२२.मै.(जू.यंश्राचर्धयोश **चरास.** भैय.क्याकायक्षेश्राचर्द्धयात्राचर्द्वया

उर् अधिव साया ध्रमा तक्या या । विदे स्मित

यन्यायी अर्थे अर्थे देश स्थाय विष्या या वर्थे अरथे व

ૡઌૹ૽ૼ૱૱ૢૡૼૢૹ૽૽૱૱ૢ૽ૺઌૢ૱ૢઌઌ૽૱૱ ૡઌૹ૽ૼ૱૱ૢૡૼૺ૱ૹ૽૽ૢ૱૱૽ૢ૽ઌૡ૱૱ઌ૽૱૱૱

र्श्चेट मी दमी वर्ष केंद्र में प्रत्य व्यक्ष मुडेम हु यत्मक्ष हो देवे केंद्र में यह व्यक्ष मुडेम हु

न्या खेन विकास स्वास द्वार द्वार के त्या के त्य चे न विकास के त्या के विकास के त्या के दहेग्।यर त्शुर प्रश्न केरे प्रश्नेर पर्से त्र त्श्व । केरे प्रश्नेर प्रश्न

षरः हेर् वश्वराधरः पदे र्देव रदः से सञ्चत यर् नग

म्बार्यस्थित्रः हे.र्ज्यात्रक्तात्र प्रत्यीयः थे। रम्

र्श्वेर:५वा:श्वेव:५८:५व:५५:५३:५३) ह्वंयः

শ্বীথ,জনাপানাপিপানা,শ্বীনাপানাৰ্শীপা

विस्रक्ष क्रस्य क्रिट लेग या वे हे सु साधिव वें॥ हे कें ति हे हे शु कें या बहाय कें या के या के या के या कें या के นซ์.ต.นะ.น์.รูมฟะ.ปะ.นีณเป็นเปรียก นซ์.ต.นะ.น์.รูมฟะ.ปะ.นีณเปรียก

दशुरार्च। ।दे.हीराङ्ग्रेव'यशाखुंयाविस्रद्यार्च हे.इस.यराखुंदायाळेवार्चाकुंयाविस्रद्यार्च

মন্ত্রত্বত্বত্বর । ক্রেন্ট্রেম্বর্রের মেন্ত্র বর্ষীর্বার্থনের । ক্রেন্ট্রেম্বর্রের মেন্ত্র

ञ्जायाधेता ।र्छ्याविस्रज्ञास्त्रतापातायात्राता चुनायाधेता ।र्छ्याविस्रज्ञास्त्रतापातायात्राता

য়ৢয়৻য়ৡৄ৾ৼ৾৸৾ঀড়৾৻য়৻য়ৢয়য়৻ৼয়৻য়ৼয়৻৻ৼঢ়য়৻ য়ৢয়৻য়ৡৄ৾ৼ৸৾ঀড়৾৻য়৻য়ৢয়য়৻ৼয়৻য়ৼয়৻৻ড়ৣ৾৻য়৻ৼয়৻

यः अर्वेश । हिः स्ट्रमः श्रुव्यः मतुमः सुः छेवः वमः र्यः

বर्रे. यूर्य वर्षी । व्हिंग व्रिम श्री में श्री में बीची था। वर्षे. यह की । व्हिंग व्रिम सम्बी में सम्बी में स

याः त्र्या । देः प्रक्रियः विस्रास्य स्त्रियः । विद्यास्य स्त्रियः । विद्यास्य स्त्रियः । विद्यास्य स्त्रियः । स्त्रियः स्त्रियः । विद्यास्य स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः

मायातुत्र। १८ योत्रात्त्रेत्रात्त्रेयात्त्रेयत्त्रात्त्रेयाः भारत्युत्र। १८ योत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रेयाः भारत्युत्र। १८ योज्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्

र्बेट्रा । ने.चर्षेत्रःक्त्यः विस्रश्रःक्र्यः इस्याः श्रे

শ্বীব.জনাখানাপ্ৰপানাশ্বীনাপানকৰিখা र्टा १८, पर्वेष. व्याप्तिम्बारम्य प्रमास्त्रम् गुन्न महम्बा । १८८ चें र्ख्य विस्रम से ८ धर र्शेत्र.त.र्। वि.वंश.श.रव.वर्शता.स्या.क्षेत्र. यया । श्वःसेन स्यायः सँग्रामान प्रेतः या । ने यासे विदादमा ने दर्भे असी वशुरा । इस वश्री ฮ์बरभेगः इरामधेंदायदा । । प्रमुवः बुदः भेःदेः য়য়ৄ৾৾৻ৼৢয়৾৻ড়য়ৄ৾৻ঢ়ৼ৻ড়ঀৣৼ৾ঢ়৾৾ৢঢ়য়য়ৼ৻য়ৄয়৻ড়৾ঀ৻

चक्ष्मेदास्य स्था । वित्येद्र स्था । वित्य स्था । वित्य

स्त्री विट्रस्ट्रियःयः स्ट्रायः स्ट्रा क्रियः स्ट्रिटः

अर्देव प्रमानक्षें र रें ॥ → केंबायन र प्रायबा

व्या । यादः विया स्या हुः यया व्या । क्रिंशः

वर्षायं त्रीं निष्णु मा । अर्थे वर्षे वर्ष

ব্রমা বিষ প্র্ব প্র্বা বিষশ্ব নশ্ব না

हेश ग्रेश वर्ष कें कें र वर या यहें वर या थे। यकें द वस्त्रम्यायायायायायायाया । देशकी वहेगाहेवाया

अञ्चाया । श्वियः द्वादः में त्यादः भेवा

क्रेव प्रविवा । तक्रे प्रमण हो वे गार्वे या पर्

यश्रेव तायह्या यम् । । त्रिया सुदे विभाषा त्रुपः

মন্ধর'ম'মের্ম'মম্ব্রাধ্যমন্থ্রীম| ।র্ক্রার্ক্সমারম

यः तर्रे वर्षेषः यश्रा । प्रमे त्र्वः श्रीकः वे मर्शेः श्चिरः वृश्रा । मारः मे श्चिरः वे अर्रे वर्षेषः प्रमा

यटा है र या के र के स्टिस्स है स्टिस स्टिस स्टिस है स्टिस है

२८. ८८. उत्तवीश. त. ঔष. बुझ. ४८. श्रटश. भैश. १८४. भैश. ८८. थिट. ॐय. श्रश्च. ८५४. श्रश्च.

៹៹៶ឨ៹៷៶ឨ៶៹៹៶៹៹៹៶ឨ៹៙៶៹៰៲៶៹៷៷៶៰៶ ៰៝៷៶៹៶៲៶៵៓៲៰៷៶៰៶៶៹៰៶៹៳៶៷៶៰៶៰៷៷៰៰៶៰៙៹៶

यद्यायहूरे ला यह्या नेपान्य स्वर्गान्य प्राप्त हिं सेर

শ্বীব.জনাখানাখাপানান্ত্রীনাখানার্জীখা अब्रेव य दर। । शुव हु चबर में दे खर दे

यवेव:र्। ।रे:र्ग:ग्व:श्चे:हेश:श्व:यर्ग:र्श्वेय: ষ্ট্রীমা । দুলী অ'বেদী দুলা প্রশ্নশ্বস্থা কর্মা কর্ম কর্ম কর্মা কর্ম

ସଞ୍ଛିଁ। । ବ୍ରିୟଷ'ଅି'ର୍ଜ୍ୟ'ବ୍ରିୟଷ'ଞ୍ଜୁଁୟ'ଧିକ୍'ଟିକ୍'।

र्द्धवा विस्नाह्मसम्बर्धाः सम्बर्धाः निर्देशः

প্রসমান্ত্র-মান্ত্রিকান্ত্রিকার্মা ক্রিকান্ত্রিকার

यर्रेयाध्वेतर्हेग्रासर्वेग । डेग्प्रा वर्षे सूरायध्या

यदे'चर्झेन्'क्सस'न्यम्'सेन्'ग्रीस्। ।न्सुय'च'धे'

न्याश्चर्त्रात्र्र्याः स्था । यावश्चर्याः योवः

ইপর ইয়. ইয়. ইরমে এর বরা বিশ্বার

विभग्नः पदः म्रीत्यदः प्रमेशः श्रीयः द्वेष । श्रीयः पः

ক্লীব.হুনাখ.নার্থপ.ন.রূনাখ.নর্ভা อูมสามาระเล้าส์ะาฑิาผิส |ম'র্ট্র**র**্ য়ৼয়৾৾য়য়য়ৼ৾ৼ৾য়য়৾য়ৢ৾য়ৼঢ়৻ঢ়ঢ়

गुर-वुर-ळुत-अर्क्केग-व-मानुरा-कुर-हे। [A] व'ग्रेन'यदे'ख्र'षर'ङ्ग्रेव'यर'र्वेग १५में प ৫২, লুখ. জু. স্বৰ্য ব্যৰ্থ এই ই |ব্ৰাই্ট্ৰ

| यद्या

হব,র্মার,গ্রী,র্রুঝা,ঘর্ষকা,ধিম,গ্রিম,ররুমা । বিপ্রধা यदे'यष्ट्रद्र'य'वु'य'वुेद'यर'र्वेग । ३४५८। १५४

โฮฺ์ฆเฉฆฆเฆู้ฆเฆ่นั้ *ঀ*৾ঌ৾৾৾৾ৼৼ৾৾ৼৢ৾য়৾য়য়ৼৼ नु'न'ग्व'द्येव'देट'।

क्षेत्रक्षणभागभुग्रम् वित्रम्भा कें. देट. बट. सेट. स्यामा पट्टेट. ट्या. टे. अस्य.

युद्रायां सामुद्रान्तेयां । तिर्द्धेत्रायां द्वसाम्बर्धाः स्वर्धाः स्वरं स्वर

त्रव्यः क्षेत्रः ययाः स्त्रितः यत्रा विषयः द्वा श्रीयः रक्षः योश्चित्रः यत्राः योष्ट्रः यत्राः विषयः द्वा श्रीयः

लु. प्रष्टेंचे ता भिष्टा होते. सूची हिंचे बा प्रश्ने हुं ।

ૹ.ઌૺૹ.^{ૹૢૢૢ૿}૽૽૱ૡઌૢ૱ૹ૽૱ૣ૽૽૾ૺ૾૽૽ૹૣ૱.૽૽૱ૹૡૣ. ૡૢ૽ૺઌ૽૾ૺઌૺૹૺૹ૿૽ૺઌ૽૽ૡઌૢ૱ૹૡૣ૽ ૡૢ૽ઌ૽૽૾ૺઌૺૹૺૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૢ૽૽૽૽૽૽૽૽ૢ૽ૺૹ૽૽૽૽ૢ૽ૺ૽૽૽૽૽ૢ૽ૡ૽ૺ૱ઌૹૣ

कुषः च त्रुदः चुरः चेष । । नेदः यदेरः च याः विश्वः च देः येषाश्चः यचुदः चुरः चेष । । पद्दः च विश्वः यश्वः कुषः विश्वः च यो । यद्दः च विश्वः यश्वः च विश्वः च श्वः व মহি শ্বীব হিন্তু মাধ্যম শ্বীন শ্বীব শ্বিম শ্বীন শ্বী

क्रुव से तकत्। हिमायम मन तसे वा तसे वा नि

यग्रा:वेश:वेंग ।<गेंव:अर्क्रग:रेव:केव:गशुअ:

ळेत्र'र्येर'वर्ष्ट्रे'चर'वश्ची । । दर्षे 'गुत्र' धर्यं 'उर्

म्बर्भाक्षितः सूचा सूचा । अस्या मुक्षा अस्य । उत्तर्भा सुवा सूचा । असुः सूच्या सूच्या अस्य ।

यदे विवास्य मार्टा । र्षो यह्व से खेर यह्व

यदे विव त्यामा ग्रीमा हि सुर पर्झे प र्झेव त्यम

वर्ष्यायायर विष्

 ক্টুর ক্রমাঝ মাঝ্রম মার্শ্রমা মাম্ম্র

यक्तुर्'ग्री'यक्षुव्यार्द्रर्'याद्र्या । यहंश्रांश्चीरायदे

त्यार्थिया।।

यदे'यग्'भेशर्भेष । १९६ं अ'श्वीर'यरे'यर' अईर'

वह्रामीटामिय। विरयः रूझामियः विश्वसार्य्य दिं

लेला । वि.च.२४.ग्री.चैट.स्र्वेगश्रश्री । क्रूशःश्रीच.

क्री मि.च.र.सेट.टी ले.क्.ह.र.हे.वे.शु.ह.वे. यश्रिम ह्यासंस्थात्य प्राचीत्वरम्य स्थान यश्रिम ह्यासंस्थात्य प्राचीत्वरम्य क्री मि.च.र.सेट्री व्यवस्थात्य स्थान क्री मि.च.र.सेट्री ले.क्.ह.र.हे.वे.शु.ह.वे.

मुसायर्डे या स्वाप्त पर्माने विष्ठा मिना सामा

<u>र्च. पकुषा ता लटा रेची. तरा कूँ चेबा तपुर बरबा.</u>

मुक्षा देग'य' ५८' व्यक्ष' खुक्व'या यदे यर

रिष्याबायान्ग्रिंन् अर्क्षेयाः ग्राह्याः हेवा सुन्त

য়ড়ৢয়য়ৢয়য়য়য়ৼৢয়য়ৢয়য়ৠ

यर्तायायः विष्यं श्चिम्या स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्वान्यं स्व स्वान्यं स्वात्यं स्वान्यं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं स्वायं

र्या.मी.मी.भारा ग्रापा । येथी.यदा.स.प्रमास्थर्थः स्ट्रा -

श्रे च या वर्षे द्राप्त प्राप्त के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के

বর্ষির ব্রমশ্র শ্রী শার্টি মার্ক্র শ্রী শার্কী ব্রা শ্রহ

यबरात्.सम्बाज्ञीसार्श्वेसाता भक्ष्य.सम्बाज्ञी. पबरात्.सम्बाज्ञीसार्श्वेसाता भक्ष्य.सम्बाज्ञी.

इस्राचायार्वेषः यस्त्रावाया विश्वास्याञ्चेषः

না শ্রপ্রশারথ বিষয় এই ট্রেট্র শুর্ব না গ্রহ জ্বি

श्रेश्रश्चर्यातः भ्रेश्रश्चात्री त्यम् श्वर्यात्रः महः

য়য়৻ঽয়য়৻য়ৣ৾৾৾৻য়ৢ৻য়ৼ৾৾৻ য়ৢ৻ৼয়৻৻য়য়৻৻ৼয়৻ৼ৻ঽ৾৻ र्चेट्स हिर्द्ध वर्षे निष्ठ स्थान है निष्ठ है । से निष्ठ ব্যশ্'দ্যু'মীব্'মা শ্লুমঝ'ম'মাম্মম'শ্ৰীম'মী'শ্ৰিম' या गश्रुर:इस्र:यर:५ग:या ५५८स:श्रुद:या भ्रु चुर पक्ष प्रश्र केंग भेर ने अप। भ्रु अर्दु र अपः भेराया वर्रेरायप्रवामीसामार्मीसाया वाञ्चवासा नवादित्याय

क्वावस्था

क्वावस्था

नवास्य

क्वावस्था

नवास्य

क्वावस्था

नवास्य

क्वावस्था

नवास्य

क्वावस्था

नवास्य

क्वावस्था

नवास्य

नवास्य ग्रियाचा विश्वश्वस्थास्य स्थान्य स्था क्षेष्ट स्था क्षेष्ट स्था स्थान

य। सूरश्रश्रायिट्टायार्यातश्रक्षेत्रायरासूता

य भेन्यायशर्मियाय। कुर्चि यश्यम्य

য়৻ঀৣ৾৾ঀ৻য়৻৴ৼ৻৸৾৾৾৾৴৻ড়ৼ৻ঀৢৼ৻য়৻য়৻য়৻য়ৢৠ৻ য়৻ঀৣ৾ঀ৻য়৻৴ৼ৻৸৾৾৾৴৻ড়ৼ৻ঀৢৼ৻য়৻য়৻য়৻য়ৢৠ৻

যহূপ. র্বর বেইশ. ইপরা. গ্রী. ল্য. ব্রিখা দা. এইশ. প্রবিধার এই। বিধার প্রতিপ্র গ্রহণ শ্রীপ্র

র্মম্পত্র প্রার্থিক বিশ্ব বিশ্ব ক্রাম্পত্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র

ऍ**৴য়**৾য়ৢঢ়৴য়| য়৾৾য়য়য়ৢয়৽ড়য়৽ येग्रायरम्बुद्याय। यदःद्रग्यरअर्घेदःय।

नेवा द्वाप्तवराया क्ष्मायवात्राचाराया वा

क्रे'चदि'र्षेव'हव'षद'द्ग्'च'क्स्स्राक्षं। ।द्रस'यदे'

र्केश्व रें वेंग अर द्वे या वर दु द्वे या व अर

दर्भाय। भेरमासुः हेरामाय। भेरमासुर्गया

वर् सेर्मा तुकाळर् यासेर्मा के वर महिंद

या दर्ने अर्धेट चायार्ने कार्षेन या अवसाया इस्रमाग्रीमार्के कें प्रदानीमार्नमायर ग्रुपा वर्डेस

ড়ৢয়ৢ৽৻ঀয়৽ৠৢয়৽য়ৢয়ৢঢ়য়৽ঢ়৻৻ৼ৾য়য়৽৻ঀৢ৻৸৽ঢ়৽৸৽

यदे नुम्कुय हु र र्शे न्य में नुम्य के अधुक्य

सेन्डिन्दर्श्यापन्नायुवाय। यहेवायार्षेन्या क्यु पायउर पर्दे। विषाय केव पेंदे र को पर्व वै। येग्रज्ञायमः त्याकाय। भेग्रज्ञायमः त्याकाय। र्रायं र ल्या या अध्य पर ल्या या वय ୡ୕୳ୢୄୠ୵୵ୣୠ୵ୡ୕**୶ୄ୶ୄ୕**ୠ୵୳୲ୄଌ୕୶୲ୠ୵ୠୡ୕୶ शुःशुरःय। पर्सेर्विस्थार्गीःर्ययाग्रीःबिरःधेवः ऍ८८४१४५ॱॾॣॖेॅटॱघॱळेवॱदॅग्ड्वेवॱघंदेॱषव**र्वाः**शुःशुःरः य। गुत्रहाषदाश्चेत्रायदेगात्रशाशुराग्रुरायाळेता द्वित् । विश्वयद्।।

न्ग्वःसह्याहेसः ज्वा सम्प्राच्याहेसः ज्वा सम्प्राच्याहेसः ज्वा

मि. शकुर्यः क्षेत्रः ता. जूर्यः तानुवा सा. स्थाः स

द्यो प्रशादन सेंद्र यश में या बिद्या प्रतिया । प्राप्तिया । प्राप्तिया । प्राप्तिया । प्राप्तिया । प्राप्तिया ।

हि. ट्रेंब. ट्रेंश. शंकूबा. क्रेंब. ता ीषु. क्रेंब. क्र्या. जा

स्वारक्ष्यःस्। मित्यः वश्वः मित्यः प्रदेश्ययः षटः

झूॅब्र। पिश्चियःतः र्याःयः स्यः हिः बीश्वा । बिदः वीः र्याः यः ल्वा । पञ्चियः यः र्याः यः स्वाः यः स्वाः रक्षयः

मूर्विस्थाः मुद्राः सूर्वे हेवः यश्वभः भ्रः विया दिसः

ঘর ক্রমান্ত্রমার বিশ্বস্থানর

दमें तर्तु नस्या भी द्वा | नस्या भी द्वा । द्वा | इया द्वा विद्या । नस्या भी विद्या । द्वा | इया दमा विद्य हुमें न्या ।

ब्रुर्रित्ते कुषायः श्रद्धायः य। । प्रेग्न्सः श्रुर्रित्ते कुषायः श्रद्धायः य। । । प्रेग्न्सः

स्यायदे तर्शे यादरे द्या गुर्ता वर्शे र स्र हिर

बीझासिया.पक्षा विश्वासंत्या सराया क्षेत्रातासि.सुरी.

वर्तेव या त्रु से ५ '५ को 'वर्त्व = त्रु से ५ '५ में व सर्रेका' मझुस्रात्यासुमात्दर्कतात्त्री । विश्वान्त्रा सुमात्दर्कताद्या

८८ स्थ्रिम्बर्ग्यरायदे । १ वस्थाञ्चम्बर्भस्यस्य वर्देवरपत्वेवरपत्रा गर्हेर

য়^{য়ৣয়ৼ৾ৼড়য়৾য়ৼৢঢ়ঀৗ৾ৼঀ।**ড়৾ৼয়ৢৼ৴য়ৼৼ৾৾ঽ৾ৼঀ৾ঢ়ৼড়ৄ৽ৼৢ৾**।} ঐ শ্বর্ম র্ম্বর্ম র্ম ব্রম্বর্ম প্র ক্রি ক্রম ক্রি

यार्ने.स.मङ्ग्यायह्यंत्रे.सिनुःष्युःह्यै। क्षे.सङ्क्तेयह्रः

<u> बै.सी५.खंर्द्धी</u> क्ष्.सी.सॅ.सी.सं.ता.ता.स.सू.सी.कंर्यी

र-५-४-अम् प्राप्त प्रमु त्रु त्रु कें का मा घेट्राका ने डुःश्रुःत्रा ५ गेवि अर्केषा स्थाप्तर पावव प्यया

५.५.५.५ वी.वी. क्. २.५.५ म.वं. वह. वर्षे. १.५.

र्गोन अर्जा हेम इन। र्स्रेन स्वार्थेन स्वीरक्षें न्या गुनुसुरुषा

বুঝা ঝিশ্বাস্ত্রী:ব্রহামর্শ্বাস্ত্রক্রান্য বর্ষা প্রকা শ্রিকাস্ত্রী:ব্রহামর্শ্বাস্ত্রক্রান্য বর্ষা

অ| বির্বি:জনামান্ত্রাম্বারমের মের ক্রির্বারম্ভার্মা অ| বির্বিক্রিকামান্ত্রাম্বারমের মির্বারমের মির্বারমের মির্বারমের মির্বারমের মির্বারমের মির্বারমের মির্বারমের ম

हे। । मुग्नाबाधिरायायम्बायङ्ग्रेयबायदेःधिरः यात्पन्या । तर्क्ष्माधिरायायम्बायङ्ग्रेयबायदेःधिरः

त्व्वम्बायायाय्यमायर्कयायी । वार्के म्हाइया या केंगीयादीयीयादी रेंडिने रेंडिने हेंता वेर्केत्वी हुस्विहुक्षदी यहिन्द्रवारीहन्द्रवा माबदःयान्यान्यः में प्राप्तः स्थान्यः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स

उव. ५५. २ व. मूबा | १८व. श्रूर. झ्व. प्रस्थ. श्र

ष्रक्ट्रस्य स्था | अवस्य स्वास्था स्वास्य स्वास्था स्वास्य स्वास्य स्वास्था स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्

दे:वश्चर्वःवेश्चर्याः र्वेदःद्वः स्थः व्यवः स्थः र्वेदः स्थः ह्याः स्थाः स्थः स्यः स्यः स्यः स्यः स्यः स्यः स्

यर्षः मार्थः व्यक्ति । व्यक्तिः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स

यकी पर्छे अप्युक् 'यन् अपने 'प्रविक 'या भेया आपा प्राप्त या ' বর্তুপ্র, ন. লম. ২ঝ. নম. র্মুখ. নধ্য, প্রমে. শ্রীপ্র, *ગુ*ઠ્ઠ ક્રમ લેંદ્ર શું કુબ લેંકો લેંદ્ર મ્વ જુ ગુક્રબ વ ज.सैय.उक्ष.जू। वि.शःश.शर्थं.तं.चै.र्दे.ता ॸॱॿॄॱॺऻॱॸॱॴ ॴड़ॱॸ॓ॱॺॶॻॣॏॱय़ॖॾॣॱॴ ॸॖॖॖॱॿॣऻ वःर्केष्ट्रक्षेषी गुःस्यः इतुः दृःष। देः ईः ऋष्ट्रण। यानुषानुष्य। यानुगानुहैगाषा ५५:वा के वे द्रये के वे दे के बी ई ले ई ले खे बी अफ़ यःहे। द्योःद्योःहेःयेःयःर्रःर्वेःइःषःश्वःद्या गदः मैश्रायन्मायामा बद्या हीताया ने प्रमा हे यर ही यदेःयदेःयः र्वेयःयरः शुरुः छेग वारः वीश्वःयद्वाः यः श्लेशः सुद्रःयः देः द्वाः द्वाः वारः वीश्वःयद्वाः

अर्भेअः मुँ निश्वासाद्या निग्नामः श्रे निश्वासाद्या।

নষ্ট্ৰ'ষ্ট্ৰহৰ্ষ'ন্ত্ৰৰ্ষ'ম'ব্হ'| মৰ্ক্টব্'ম'ন্ত্ৰৰ্ষ'ম'ব্'ব্লা

५र्गोव:अर्केग:हेश:५व।

वस्रसं उर् ग्रुट हे प्रयस्ति प्रति प्रते प्रते प्राप्त स् श्रुर हेम महारम् प्रतमा सम्बन्ध प्रत्मे हेमा प्रति । इस् से से प्रति प्रति सम्बन्ध । से मा स्वाप्त प्रति ।

दःश्चिषाःषार्केदःयदेःयमःदुःग्वेदःयःदेःद्वाःश्चर्याः उदःग्रदःग्वदःखुयःग्रीःयदेःयःर्वयःग्वदः। न्नुःवःसेदः यःष्पदःद्वाःयमः स्विष्णसःयदेःग्वदः खुयःद्वःस्यः

মর্ক্টর'গ্রীঝ'বর্ণমধ্য'ন্দা। রুম'ঘ'গ্রমঝ'ড্র

यक्षरायदेः यक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्ष इस्टिन्द्रायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्षरायक्ष

र्बेट्सप्तरोसर्झेसिवेप्तप्तरा । श्रीवर्सेग्स

र्षेत्र[,] पृत्र युत्र याःषी । ङ्ग्रिं यात्र येत्र येत्र स्त्री यमः

रदः भुषा मुषा प्रदे । प्राचित । प्राचित ।

चैन निरंगेशक्षेत्रयंगर्यः श्रीत । श्रीत्यः रित्र हेरस्य भारतीयश्रा । श्रीत्यः स्वरायः रेति। चैन । भ्रीत्यः स्वरायः स्वरायः स्वरायः स्वरायः स्वरायः न्ग्वःयःबाहेषःइषा मुत्यःर्यः श्चेतः पहिंदः छेदः ददः हो । अध्यश्चः उतः दयतः यः गलतः दयाः या । । व्हें स्टिन्द द्वेदः स्वदः

श्चेत्र:र्स्यम्। हिन्नःतृ:यने:यःर्ध्यःयमःर्नेन्ना श्चेत्र:यमःरवृदःर्य:८्यटःरु:सूर्। श्चित्र:यमःर्नेना

र्गः इस्रश्रं सेर्प्य में होता । विर्मेश्य में हैर् प्य स्ट सेर्प्य सेर्प्य

ब्रैव'य'ब्रे| १रे'ब्रैर'ब्रेव'य'गर्डें'वॅर'वर्ह्र्।।

ब्रुविया यहिषा हेवा क्विवा ध्वेवाया अर्थे देशा ब्रुवियाया दवा यर्थे व्यक्ति स्वा क्विवा ध्वेवाया अर्थे देशा श्वेवाया अर्थे व्यवस्था

धेव'हे। भ्रिव'य'वे'ग्रेन'नगे'यर्दे। ।ग्रम्ख्य' श्रेयश्चन्यदे'स्ट्रशर्श्वेन'वे। ।श्चे'बन'व्य'यावद' क्ष'त्र्दे। ।स्ट्रिक्शर्श्वेन'ने'वे'दर्वय'ग्रदे'श्वेन।

गुर्भासामञ्जूषामधी । श्रुप्तिः स्वाह्यमञ्जूनः

त्राम्याम् वर्षेत्राम् वर्षेत्राम् स्वाप्ताम्

यदी-लुका अर्थे अर्थे विकास का अर्थे के स्ट्रीय करा । अर्थे विकास का स्ट्रीय करा । अर्थे विकास का स्ट्रीय करा ।

इसस्य। विंदिर्ग्यस्य परिर्देशया विस्तर्या स्थित वि

प्रविष्ठ त्युपायि प्राप्ति विष्ठ विष्ठ

करत्याम्बुस्ययावन्याः वेदाये स्त्रीरायायायः देशायदी यद्देवायम्। हिः यद्द्याम्बुस्ययावन्याः वेदाये स्त्रीरायायायः देशायदी यद्देवायम्। हिः

मझुअर्र्स्टरवदेर्ट्स्वेर् । | नुअर्थर्स्म्यान्सुदेर <u> २ श्रेथ प्रें र २ । । प्रमुख पर्श्चे २ वस्र ४ ५ २ ५ २ २ १ । </u> यके। र्हि:हेदे:५अ:क्षेत्राःत्रु:व:ये५। ।गुर:कुयः ८८.२.ऱ्या विषापत्रीयायाः श्रीकार्स्यवास्त्रीया हे। ।बद्याःग्रीःक्षेतायाःश्चीत्रयम्। ।गहवाया येर्'यदे'श्चेत्र'यर्ग'गुर'। विग'केत'त्वशस्य ह्यें द्राय द्राया द्रित्व विश्व विद्या हिन्द्र विश्व विद्या विश्व विश्व विद्या विश्व विद्या धुव.परी इ.क्षेत्र.लट.शवर.जुझ.प्य.धुट.त्.बटाशुपु.शर्ट्.पर्ट्य.तट्. बुर्स्॥॥

न् यात्रेयाश्चराश्चेयाश्चर्यात्रेयाः होनः याद्ये । याद्य

জা বিপ্লশ্নত পাট্টিব মান্য বঞ্ছল গ্রেমি বিশ্বর गवि'त्रुंबस'ग्री'ऋगशक्षेत्र'हे'सूर'वर्देव'यदे'स्वप'यात्राश्रुस'श्रे। गर्बे'र्ह्वेद' <u> ५७२ मुब्ब रात्रामा ५३६। । ५८ सं मुक्त क्षेत्र</u> रामे क्षेत्र रामे क्षेत्र रामे क्षेत्र रामे क्षेत्र राम <u> ၎</u>ရဲ 'સુંબ' શું 'સું ર પર્વે સ' ફે 'સૂ ર 'શુ પ્રતે 'સુંબ' તે | આવત 'ર્ધે 'વાર્સે સ' વર્સુ ન'ય' स्यः संस्थान्त्रः स्थितः स्वितः संस्थान्त्रः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स <u>नु'चिन्नेर'वर्दे।वर्दा सुब'चर्डुब्।'न्दः ब्रेंर'चर्ब्ब्र्य'याद्यंन्'व्यक्ष'म्वय'</u> नु:चलुग्रवा गर्लेव:य:द्वअशग्र्येव:ग्रय:नु:गन्नेट:य:देट:यमुट:यनेट: चतुः।वरः दर्गेरः वश्चास्त्रवाः वाश्चुयः वर्कतः हे वा वतः स्ववाः स्विरः दरः मदः त्यवाः स्यश्रम्भिरः पर्द्ध्वः योः र्क्षः वाः त्यः व्यव्याः वाह्यः याः क्षेत्रः योः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्या

ल्। स्याधिकार्केश्वास्यात्वेष्ठायायाय्येष्ठायायायाः त्रास्याधिकार्केश्वास्यायस्य स्वाधिकायायायाः

य इस्र अप्तर्गे द्रा शुमार्शिया यह में 'हमें 'ह्रों हैं दर्भेड

॰रैॱबेश्वप्रकीय। वैश्वप्य केर्प्य स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स

र्वेत्रः र्येट्यायः यदः प्रदेश्चितः वित्रः वित् वित्राः यः प्रदेशः यदः विश्वः प्रदेशः वित्रः वि केश्राचित्राची श्रेष्क्त सम्मायश्रीय त्राम्य । केश्राचित्राची श्रेष्क्त सम्मायश्रीय त्राम्य ।

८८: यट: ब्रीट: य: दे: ८८: दे: ८य: पंदे: अघद: र्ख्य: कट: वश: यञ्चट: श्रे: ८यों : यर्द्व: यर्द्व: य: स्थश्व: ग्री:

दशुरःरी विश्वायवाग्रुशयः॥ वेशासूरःरे:५गाःषः प्रमःदशुरःश्री अध्यक्ष्यायः॥ वेशासूरःरे:५गाःषः

देश क्षेट. ट्रे. ट्या. धे. योज्ञयाचा जग्रही उच्चा क्षेट. ट्रे. ट्या. धे. योज्ञयाचा जग्रही उच्चा क्षेत्र होता च्या होता होता होता होता च्या हो

त्रम्था बुबर्टा वयकाल्यम्बन्धा स्वमामक्षा र्श्वेट्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित् स्वम्यासम्बन्धाः सर्वेद्धाः स्वम्यास्य स्वाप्तास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वम्यासम्बन्धाः स्वत्यासम्बन्धाः स्वम्यासम्बन्धाः स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य स्वित्रास्य तर श्रीर त पश्चे य त परिका य पह्चे या क्षेत्र

यः ऋष्यः द्वेरः यर्ड्शः ग्रीः र्क्षः माः यः श्वम् श्वासः मान्दः यः ऋषुः देवः क्षेः यम्बा वेश्वः नः यः श्वम् श्वः मान्दः

यवित्र तर्ता या यवित्र सर्दि या ता हेसा सु धै। स्टर्टि । विश्वासी । ध्वा वास्य न्हर्से र व्या या हेसा सु धै।

प्रमुव पं रेव में केरे मुश्राय मुंद र मुश्राय र शुराय र

त्यवःश्चेवा देःवशःर्डेगःस्टरःयत्त्याःश्चे। दयोःयत्त्वः

নপুষ্ঠ মানুষ্ঠ মানুষ্ট মানুষ্

न्में ह्यें र भेर वर्ष विश्व यश्ची या श्चिश्व या के न न न

श्रेष्ट्रायाकेन्द्रम् अत्तुकायान्द्रम् वर्षाश्र

मक्षा ५मे १५५४ क्षेत्र अद्याय स्वायः प्रवायः । मुक्षा ५मे १५५४ क्ष्मा स्वायः स्वयः मह्यः ।

बुरःच:दे। दगोःवतुवःचर्द्वःयःक्रेश्रशःग्रीःसतुवः

त्रुचित्रः श्रीक्षः पक्ष्यः त्रुच्यः व्याप्तः ह्याः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप वक्षयक्षः त्रिः त्रोः वत्तुवः श्रीः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व

ড়ৢয়৻য়ঽ৻৶য়য়৸ঽ৾য়৻য়৻য়য়য়য়৻য়৸য়৻ঀৢঢ়ৄ৻৾৸য়য়ৼ৻য়৸৻য়য়৸

ঽঀ৾৾৻ড়ৣ৾৻৻৶য়৸৸ৣঀ৻৻ঽয়৸ৼয়ৣ৴৻৸৸ৠৢঌ৻ য়৻৻ঀৢ৻ঀ৻য়৻ঀৼ৾ঀ৻য়৻ড়৾ঀ৻য়৻য়য়৻৻ঀৢঢ়৻য়৻ঀৢ৾ঀ৻

स्यक्षा केशन्य स्वाध्यक्ष्य प्रविद्याय क्षिय स्वाध्यक्ष्य प्रविद्याय स्वाध्यक्ष्य स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष्य स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्य स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्य स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्य स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्ष स्वाध्यक्य स्वाध

यविष्यः सहित्यः सः हिष्यः सः स्थः याविषः सः ।

१ वर वैट.टबु.र्थक.कु.कु.रचड्ड्य.वे.र्थक.चु। बट्टट.य.ट्रट.यट्टेट.वर. नावेच लहूर्य ता.स ह्या श्रील ५८८ | । विवयता

यक्षा **पश्चेत्रः प्रत्येरः प्रत्येतः या क्षेत्रः प्रत्यः या क्षेत्रः प्रत्यः प्रत्यः या व्यवः या क्षेत्रः प्रत्यः या व्यवः या व्यव**

য়ৢয়য়য়ড়ৢ৾য়য়য়য়য়য়য়ঢ়ঢ়য়য়ড়য়ড়য়ড়য়য় য়ড়য়ড়ৣড়য়য়ড়য়ৢয়য়য়ঢ়ঢ়য়য়ড়ৢ न्नो त्त्त ची मानक संस्व से वा नावक सम्मन्त के सम्मन्त से वा नावक सम्मन्त से सम्मन्त से वा नावक सम्मन्त से सम्मन्त से वा नावक सम्मन्त से सम्मन्त सम्मन्त से सम्मन्त सम्

पर्वतः प्राप्ते प्रमास्या व्यवतः प्रमा व्यवतः विष्ट्रियः भूतः । पर्वतः प्रमानिकः विष्याः विष्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः ।

॰१॰वेशन्त्रः विश्वायः वेदः दर्। श्रेःवेश्वायः वेदः दरः। सः सुश्वायः दरः। यगः सः सक्षेश्वायः दरः।

क्ट.चेब्र.चर्डर.घ.ट्र.ट्ट.ट्र.ट्य.चन्ना चर्च्च.स्ट्र. क्ट.चेब्र.चर्ड्ड.च.ट्र.ट्ट.ट्य.चन्ना चर्च्च.स्ट्र.

यर्वे स्था व यर्वा यर् य या स्वी यर वे स्था स्था विर

শ্রিবাশ্ব্যাস্থ্যাস্থ্য ক্রিবা ন্ট্র-মোর্

ব্যাহ্মহা বিশ্ব বি

वियासायाप्टरासम्भुंदिवःकेष्यम्भा नेवसन्द्र्यम्बे

लर.रेब.उद्यंत्रच्या.च.ची रेबी.झूंर.खेबा.बी.शर्थं थे.री.सी.बा.चं.सा.ची

यः यर्दुवः यः यरुषः चः यद्देवः यः क्रेवः यः स्थनः यः यर्दुवः यः यरुषः चः यद्देवः यः क्रेवः यः स्थनः

यहूर वश्च हूर पर १ १ १ । इस अस र १ १ १ १ १ १

ন্ত্র্ব ম'ন্র্ল্ম'শ্ব্ম'শ্ব্ম শ্ব্র্র্ম্মান্ত্র মান্ত্র মান্ত মান্ত্র মান্ত্র মান্ত মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র ম

मर्से हुँ ८ वह वर्ष वर्ष पर्ये पर्ये प्राप्त मार्थ हैं ८ वह । रमे र्स्य सेट वर्ष वेश प्रयोग्य प्राप्त मार्थ हैं ८ वह ।

वत्यवस्य वर्षे स्थायम् साय। वन्ना न्ने र्स्या

^{য়ৼ৻৽ঽ}৻ড়ৢ৾য়৻য়য়ৣ৾৽য়৻য়ৼ৻ড়ঽ৻য়ৣ৾৽ড়ৄ৾য়৻য়য়য়৻য়ৣয়৻ ড়ৼয়৻য়ৢ৻ঽয়৻য়ৢ৾৽ঀয়৻য়ঽয়৻য়য়য়৻য়ৣয়৻

ব×-৯5.মৃ.ড়ৄ**৶**.৺শ্বমপ্র.মুপ্র.পূর্ব প্র.১৯১.

२८:वयश्रामुबान्यश्च अत्या अत्याद्यम् अत्याक्ष्यः विश्वास्य स्थितः विश्वास्य स्थितः विश्वास्य स्थितः विश्वास्य स

য়ৢ৴ॱय़ॱय़ॶ॔ढ़ॱय़ॱय़ॸॖॣ॔ख़ॱय़ॱढ़ॾॕढ़ॱय़ॱक़ॆढ़ॱय़॔ॱॠॺॺॱ ॿॺॱढ़ॆॎय़ॹख़ॺॺॹॿॹढ़ॺऻॎॱॿॖॣॸॱख़ॸॿॺॱॺॺॺॿॗॗॸ॔ॱॺय़ॱॺॸॱढ़ ॸॱॿय़ॹख़ॺऻॹॿॹढ़ॺऻॎॱॿॖॸॱॺॸॿॺॱॺॺऻॹॿॗॸॱॺय़ॱॺऻॸॱढ़ॸॱ

गर्से हुँ र मै कें म त्य श्रम्भ महन यर भु देव के

त्यम् । बेश्यम्द्रियम् वृद्धी

याखे.याश्वेत्राःक्रॅयाश्वःक्ष्याःक्षेत्रःश्रोत्री

मानिश्वास्त्री निगत्त्वर्त्यस्य स्वास्त्रित्ये क्ष्याः स्वास्त्राः स्वास्त्रा

प्रवित् रद्धायायवित् म्वरायस्तु विश्व विष्य विश्व विष

मुं मुंदरदे लेबानमुं न न्दा मुं मुर्धेमा न दें

*ଵୖୣ*ଷ'ପଶ୍ରି'ପ'^{ୠ୕୶ୣଷ}'ଐ'ପहेत्र'त्र्ष'५ଗୃ×'ଞୂ'ଐ'<u></u>ଞ୍ଗ'ଘ'

यः दिहें **व**ं यं केवः यें '५ गु.सः । वश्वः येवः श्रीः कें काः वः

श्चम्रामात्र यम् अंदित के यम्रा वेशयदे यम

^ᠴᢩ美ଽ୷୷ଌୢ୲ଵୄଽ୴୷ୢ୕ଌ୶୕ୄୢ୕ଈଽ୳୷ଵୄୣୣଌୄ୵୷ୣ୷୷୷ଵୄୣ୶ ଌ୶ଽ୵୷୷ୢୖୄଽ୶ଽୢୡ୴ୡୢ୰୴୵୵୵ଽ୕ୄ୷

ๆ बार्श्यात्रात्त्रवाचात्रचेत्रे हे.केराचीत्रप्रक्षात्री तर्झे श्रायक्षेत्रची झेंटाते.क्ष यी.चे.तेबो.क्षेत्रच्यश्चाच्ये.क्षेत्रचीच्यात्तराचेश्वश्चा दे.हेश्चात्रवी झेंटावाश्च्या वाश्वश्यास्त्रवाचात्रचे.हे.केशाचार्झेशायाते.चेवावाच्याची

त्रवार्थाः केते व्याच्याः वितास्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् स्वास्त्र स्वा

या.ज.रीयंश्रम्थायं १८८.तार.वि.वृश्यत्यत्त्र यस्याह्या स्वयः श्रेशः

चुनः हेशः र्डेनाः स्टर्मः मन्यस्य अवनः हो। से : क्रॉ. ययनः यनः सन्ति । स्टर्मः स्टर्म

ही पद्भाग पृत्री पह वर्ष प्रत्य पर्के स्पाय प्रमुख है।

यन्नान्नोर्श्सेट्रस्यन्नोर्स्त्यःयर्डे तृःयः यन्नाः वर्षः षट्रम्नानः नृष्ठेः वर्षः वर्षः यर्डे तृः यः यन्सः न्।

यर्गार्गे क्रिंटःस्यर्गे र्ख्या भैरावरी क्रिया मी

यन्नात्यः अर्थेटः यः न्दः। र्थेश्वः यदः न्दः न्त्रेशः यदः । यवशः मञ्जूशः ग्रीशः न्युरः यवशः यदः न्त्रोः तन्तुः

व्यादमामाद्रिः वश्चीदःश्ची हें दरास्वादाः स्थासः

यः इस्रश्चः ग्रीश्वः यन्त्राः त्यः स्थः यः स्थ सः इस्रश्चः यः इस्रशः ग्रीश्चः यन्त्राः यः स्थः स्थः यः स्थः य

र्थे.या. स्था स्थाय क्षेत्र या. क्षेत्र स्था स्थाय स्

म्यम् ग्रीम् श्वाम् वर्षे वर्षे सूर् रु वर्षे वर्षे

व्यवस्य से प्रमास्य स्था स्था स्था

वेश वेट अर्डेट व क्रियाय प्रवेश प्रदेश या प्रवेश

स्टिस्याः स्वायः क्ष्यां यह्ने स्टिस्य स्वायः स

योश्चरा में हैं रे. रेश. तर बीर स. पर्श्वर त. पर्रे या स.

यह्मंत्रः या क्रेत्रः म्यास्य न्यायाः नृष्ठेतः क्रें याः व्यः

यावु.याश्रयःक्रॅयाश्रःक्ष्याःक्रेपःश्रांत्रा

¥∭ ||

त्रुम्**राम्यान्त्रायम् अस्ति । वे**र्याद्वर

हेरा सु प्ये पर दि | दि पर त्रुप मास्याप सार हार त्रुप स

चाश्रुआर्-तुःक्षेत्रचतुः स्वयः स्वयः चित्रः चित्रः

ત્ક્ષેત્ર: નાલે. નાશ્રુઆ શું. રૂં નાશ્રા સ્થેના છેત્ર: અર્વિ: ર્શ્કું ન. બસા વહરા છિત્ર: વાને છે.

ક્ષુૈર· નુ· નૃત્યુૄું અ· વાઉવા· છુઃ અર્વોન્ · ધઃ ઘે· ક્ષે · ધન · ક્ષેં અ· વાઢા · હેંન · ક્ષે ર· છી અ·

मुक्षा महिता यहिता यह या यहिता सहिता या या

है क्य महिंद प्रस्थाय प्रमुख क्य

| विदे क्रांट्रेंदे क व्यानु द्वीं कायदे कु वाहिंद दी वाक्ष र क्रेंद र दर

यदीर इसका से त्या प्रकाय स्थाय स्था

ଯଦି: देश: पर्ष । ଯଦ୍ୟା: प्रश्चेत: यः ते: श्चेत्रः से केत्रः प्रश्चेत्रः या स्थाः प्रश्चेतः या । स्थाः पश्चेतः या । स्याः पश्चेतः या । स्थाः या । स्थाः या । स्थाः स्थाः या । स्थाः या ।

२८॥ यट.लट.स्ट.चद.ब्रॅंट.सं.चटर.बुट.क्रेयंबाग्री.पर.चवया.चया.

मल्दायित प्रक्षेत्र पर्दे। । अर्चेद प्रक्षुय या दे। अर्केद स्थ्रेद खी प्रक्षेत्र खी प्रकार खी चा प्रकार यर्हेर् प्रतिः भ्राप्तशास्त्रा नर्गित अर्केषाः श्रेष्तुते अर्योतः प्राप्ति वर्षे वर्षेतः . हें प्रश्ने हें हैं हैं हैं हैं कि स्वार्क के स

केन्नि चलियासर्मेन्यायस्यायदे रेसायस्य न्त्रीत् सर्केन् से लुदे

षर्ग्रेव.क्षन्नःश्चेव.पर्यव.चर्षवानाःवान्त्राताःग्चे.लव.जवा.चरिव.तःक्र्व.री. दर्चे प्रसादत्याप्य राष्ट्राविरा। ग्रावित ह्रस्य संस्थित सर्वत विसाय हेर्

यदेः ह्रा अप्तर्वेषायीश्वरम् तुवः तुः विवायस्य सम्बन्धः स्वरायः केत् दि। । ते वश्वरः सुदः বৰ্ণাৰাৰ্স্থ্ৰ'ন্'বৰ্গ্ৰ'বৰাষ্ক্ৰবৰাৰ্য্যমন্ত্ৰী সম্ম'ৰ্ক্স'

८८: द्विपाद्मा ग्री: ब्रंगबायवाग्राब्या ५८। व्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व

र्हेट पर्दे प्टर यश्चा इत्र देश मेश । यह व्रुदे हेट

र्'रर्'केर'वे। विगवाहि केव र्या श्रुप्यर्रिण रामा लयःगर्डम्'सुम्'ग्रिक्षःग्यक्षःयःधेक्ष। ।अर्क्रेम्' ब्रुव मर्षिव यश्रासुद्वय वहेंवा हिं हे क्रुवागुर শীঝ'মর্শাঝ'ম। ।ঋ৾৲'র্কে:ক্লুব'৲৲'য়ৢব'মম' য়ৢ৴৻৾ৠ৾য়ৼৢ৾ড়য়৾য়ৢঢ়য়ৢয়ৢড়ড়য়ড়ড়য়ড়ৢয় क्षें शुः इः सम्बुन्म। देवः केवः क्षेत्रः ग्रीः वटः तुः वे। *बॉर्ने र स द्या क्षें वा पत्तु से र शुरा क्षें खू* श्रुँ। रदःम्। तया अञ्चलः त्रुः चार्त्यः मञ्जूः त्रुः वदे'वर्तु देदे कुत्। |ववश्यश्राणे वेशवर्तु

र्ह्रेत्र वर्षः अदयः प्रते । द्वाः यश्चः से : यद्

व्याबाहेरी:न्यरामीबादी ।बोसबाउनार्नेदाया

न्विन्यायते स्था सेन्या । प्रह्मा यास्या । प्रह्मा प्रमा सेन्या । प्रह्मा प्रमा सेन्या । प्रह्मा प्रमा सेन्या सेन्या । प्रह्मा सेन्या सेन्या

ख्व'दर्भर'वे'र्चेव'य'येग्रम्। ।यर्ग'उग'यर्भेर्'

वस्राञ्चायायमः स्वा । यन्यायी सर्केन सेंवः

বৰ্ষস্থেদ্ৰে । বহি ক্ৰিদ্ৰের বৰ্ষ স্থ

प्रत्यापर तत्या प्रमाश्चा । श्चिष्ट प्रत्या प्रमाश्ची । प्राप्त प

यज्ञु तर्वा वक्कुर में अर वड्या विरे विर

वयः बर्श्यः र्सेयः संग्रह्मा वर्षे । यर्केनः स्वाहेः

ন'ট্রিস্কুমশ'শ্রীশা । ঠি'নন্'নম'র্ন'নজ্বশ'রশ' गुरा । श्रेयशं उदार्देव गुवायहंद दुः वर्शेया। ૹ૾ૻ અસ ૬ કૃ શૄ ગા ૬ અર્ટ્સ ઘડ્ટું ઘટ્ટે કૃ ઘે છા વેં ગો गङ्के वै भे दु नव् य हेई सु ई से के के सास द ढ़ॱॺॱय़ॱॺ॓ॱॹॢॕ। धुगॱढ़ढ़॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ॻॱॸ॔ॱय़ऄॕॸॱऄॸॱ यनवाद्यायान्या ।हेद्याद्यायीयान्या मर्बेज'य'षी । । ५मे य'दुर' ३५'य५म'मे ब'र्ड' বশ্বমাশ্বা বিপশ্ন এই ট্র্মাশ্বার এই প্র ह्येर पर्द्वा । अर्चेद स्व में र या इयश ग्री धून व र दें र चेर ग्री ख़ु गुवा

पहिंस्यायर्ट्स् हेर्द्धः स्वास्त्रस्य स्वास्त

^{ढ़ॏढ़ॱक़ॖ}॔य़ॸॱॸॺॺॱॴ*ॖ*य़ॗॱ**य़ॱॵॱॸय़ॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॸ॒ॸॱ**॥

ব্রুম:স্কুম:শ্রুম:শৃর্ম:শুরুম:শুরুম। । ১৯:

बुरःकुवःर्से वर्षे रः वडशःय। । वत् ५ से गर्हे र ॸॗॱग़ॗॱॴॱ**ॸ॓ॱॴक़ॗऀ**ॱ^{ॹ॔ग़ॹग़ॹ}ॸऻॸ॒ॱय़ॱॸॖऀॾॗ॔ॱय़ॗॱॾ॔ॱऄॱ য়ৢॱঌ৻য়ৢ৻ৢৢৢ৾৻ৼৢৄয়৽য়৻য়৻ড়৾৻ৼৣ৾ঀৢৢৢৢয়ৢ৽য়য়য়ঢ়ঢ়ঀৄ৽য় **ॸॱॴॱसॱऒ॔ॱ**मीॱॸॆॱऄॕॱॴॾॣॱॸॱॴॾॣॱॸॱॸॢॕ। वनॱवत्तः र्क्रुयायाद्या । ध्रिवायशास्त्रस्यायवीयश्चितातुः म्बिंग्। विश्वायान्दार्यान्दाम्बिंशयाञ्चायाचीन्त्रार्वेषा

र्भुं^{द्रावावस्या} देःचित्रेत्रम्नेम्बाद्याः देत्रः सेत्रः स्त्रा

यावि.सा.चर्य । १३८.सम.याविया.सम.यावसा

सहंसर्सर्यायायासुमार्द्सवार्ये। १८ प्रविद

मनेम्बर्यः भूरद्विस्रवास्यावायः स्वम्रादर्वयः देश्।

মার্সুনা মাদ্ররেমন্ত্রমান্ত্রমান্তর স্থ্রা মন্ত্রমা बि। । त्यु: इस्र अ: ही: र्कंद: कर: र्झेण अ: सेट्र। । धी: द्वाश्वात्रोशद्दः श्लेषाया श्रेषा विः वित्रवितः वः वित्र वस्रमाउन् चुरा। । (खुया र्स्चिम् मायने योगमास्त्र श्रमः क्रुवाशा । विट.त्रमः क्षाः दर्ते मः सद्यनः मीवः বৠৢবঝা |মেমেমে শুলাবশুলা থঝা শুলা বঝা।

यश्चर्द्रश्चायाः र्ह्नेया । श्चियः यः स्वर्धाः श्चेतः यम्भ सर्हेत्। । मुम्म सम्द्रित्यम् प्रमः स्ट्र

यर्द्दः भेरे महिंदः अः श्रें श्रेंदः यस्य । । वः अः श्रमः हः প্র'র্মাশা নর্ব'ৰম'ঔম'শ্রণ'শীশ'ন্তীৰ'ন্তীশ'নস্থলশা মাঔশ' निरक्षिंयायराशुरावशागुरा। विहिषाहेवार्श्वेर

वस्रक्ष:उर्-रे-रेग्रक्ष:य। । तहिग्-हेर्न-। नस्रक्ष:रे-यासुबाय। विवायायेत्यरारम्बुरावरार्वेगा क्रॅंबाइसबावसबाउट् कुंपबावुटा । १२ेकुंटे यविव मिने वास यस मास्या । क्रि.ज. पर्या वास गट्येवया दिने क्वेंट केव र्येश्वरिक्ष माल्य

इस्रम् ग्रीमा विस्वम् माया इस्रम् व्यासर्केताया र्नेत्रः इस्रयः ग्रद्धाः प्रयास्यः ग्रुव् । । ५.५ ग्र

यश्रम्भः महेर्यश्रम्भः द्रमः प्रदेश । देः यद्येवः मनिम्र यदे हुँ व हूँ व रूप १ व रूप हैं व रूप हैं व रूप हैं व रूप

श्चर-त्र-अरअः क्रिअः व्यायर-व्या । पार्याः वीः ।

र्क्षेण्यायमञ्जूत्। । मनामी स्रोधसादी र्पेट्यासु

वर्षा विर्ने वे सम्बाक्किया मह्रवाया धेवा विर्मे

यः दर्भेषाञ्चीः मैत्रा । यर्षेत् वस्रायोः विश्वा র্ক্ত্রীল্যান্যমান্ত্রী বিশ্বনির্বাদ্যমান্ত্রী बुदःचदी । ५ अ.च. श्रु. गर्छ अ. व्यं च स्य स्थित। 🦞 त्रबुःगर्हेरःळःसृदेःरेग्रायःते। गर्हेरःचेयःसृदेःर्रायःर्रार्यःर्रायःत्रेशः चरः रेक्पःतुः हेरः ग्रहेगः रेषाव्वतः ग्रह्मुक्षः क्षः चरुतः रेसु ग्रह्मः चर्गारः ला क्र्रि.घर्झ्.का.चु.ध्याचयरमा म्री.चे.सम्बद्धरमा सर. चलेत्रः क्रॅंटः घरेः दरः हेदः यश्रा । यदः क्रॅंदः यः बॅगबर्'बें'बेंदे'वरः। ।५८:घॅं'२८:खुबर्'ब्रें५:ग्रें'ख्रा

रट.जिंबाचर.बी.को विलय.चेबा.जैंट.चपु.टेबोर.

শ্ৰুম ৰ্মিশ্ৰা | বি: ইশ-মন্ত্ৰ শ্লুন শ্ৰী ভা

तसरःव्रषःसूरःचःयषान्धुरःचदे। ।र्बेःर्बेदेःषेरः वयायायर होट मी छ। । त्रु या धी प्रार्थे प्रार्थे दश ह्यु दे র্ক্তীনাঝা । বি'র্বেনাস্থ্রুঝাস্ক্র্যুস্থাস্থাব্দের ग्रिं-गर्नेव प्रमेग्राध्यश्चर्र ५५ । ग्रुं कुय सुग'यवे'वर्ड्स'सद्दर्भ'स' । वया श्रुर ह्रे'स' विग्रम्भःयः यहें व । सुः यन् गः यो व रः न्यः य उसः इस्रम्पर्मा । प्रवस्त्रेष्ट्राचर र्देवः स्रेस्रम्परम् न्याक्ष्मां अक्ष्यां अक्ष्यां अव्यक्ष्यां वि अक्ष्यां वि अव्यक्ष्यां वि अव्यवि अव्य

श्रूटश्र दर्गे र सुद विषा श्रिम श्रीय हे स सुद दिया

मियः सरम् मित्रः प्रकृतः यः स्ट्रिस्य। । प्रमः द्विः भुवः स्याम् वेषायः स्ट्रमः स्ट्रिस्यः प्रवेष। । स्युः

वरा विद्युःगश्च्याः तश्चानुरः गर्हेरः याः वे। विद्युरः यविदे:र्म्स्य:यन्तुन्:र्म्च:नर्न्स्य। ।विनःयसःवगः येर्वित्रम्भेर्म्यूर्म । विष्विष्ट्रः हुँ। स्टर्केर्व्याया बरबाक्चित्राञ्जा । श्चिताविता श्वराक्टर दे र दे दे दे विता <u> ५५७:५७१२:५७:५७,५७,५७</u>६,७५:। हिन दवेयानयान् स्नायानवर। । अर्रे कुरावह्नवः

नबन्बा शुः इं 'सबाब्रुन्बा क्लॅंट' पश्चार्मेत 'केत 'क्लेंट' ग्री'

<u> ફ્ર</u>ાઅસ'શ્રુ'ર્સુદ'એ'શ્રુ'અંદે'ન્ટ્રીનસ'ગ્રી'નૉર્ફેન્સ્સ'<u>સુ</u>'નોસ'સુ'નોશ્રુસ'<u>સુ</u>સ'ર્સ'સુ' বল্ববি:ব্ৰৰ:ব্য:মূব:ক্ষ্মে:ব্য:ব্যক্ষা:ব্য:অ:ক্ট্ৰম:ব্ৰৰা ধ্যে: ঠ্ৰী:দুৰ:

ब्री'यर विषा । डेश'र्से।। 🕴 व्युरप्यवे महिंरसंबी । महिंर र्सेर

तविकाक्षरायह्याकाश्चियाः वि। । नियाः यदः विरः तुः

શૂરા વિષ્ણેષ્ટ્રે કં કં ફં ફો રે રે રે રે તે છે જે કે

ଌୗ ସ୍କାର୍ଜ୍ଧିୟାୟଯାଇଁ ଆ ସ୍ୱାସ୍କ୍ରିଥି ଥିଲି ଅ

बेशव्हवाबेटा अर्क्टुंश्विमा श्राम्वेरार्टेप्टरम्पि

यदे खुः स्वायदे प्राह्मसम्। । त्रुः सः से समा देव'ववुद'श्रूद'अधव'र्देव'शुच'र्श्वेगश्रा । ११४'र्ह्ने' त्य नुदर्भेषा वाद्येते व्युर्धेषा वाद्यवा । ୖୠ୕୶ୖଈ୕୵ଈ^୲ୄୢଈ୕ୢ୵୵୵୕୕ଌ୕୕୕୕୕ଈ୳ୠ୕୕ୠ୕୷ୣୠ୵୕୷ ইপ্রমা বিপ্রমান্তর স্থান্থ ক্রিমান্ত্র মান্ত্রীয় স্থান यर:सर्दर:तु:ग्रेंबिया ।श्वर:य:श्व:र्केंग्रश:हेव:उंट: वर्षेयावर्षुदर्दुः हैंग्रास्यस्य । वर्षे देव सेंग्रस अङ्कु रिक्ष्ण अप्ता दे प्रिविद मिने मार्था से दा से दा से द

यर.ज.सैय.उक्ज.जूरी रि.चबुय.येनेयश्च.त.

गञ्जाबायां संस्थान्यायाः ने प्राविताम् ने गायाः तःभ्रात्विभशःभाशायः देःचविषःचनेगशःसः प्रा । श्रिमाशादे प्रावेष मने माश्राया विदेश सक्ष प्रावेद प्राय श्रिशाया প্ৰাৰ্থী কৰা বিশ্ব বিশ্ব কৰা প্ৰাৰ্থী ক্ৰুব্য বিশ্বৰী কৰা র্রুমানতরাদ্রমরান্যনার্ট্রা বর্ষমরান্ট্র सूर्वित्रावदायाम्द्रित्। विवादायस्य विवादा येर् ः देः तर्रे : इयवा । शुर् : र्र : करवा सु : दरे : हिरः

गाःस्रावःर्सेग्रम्। ।गर्नेरःयः वस्रमः उर् पर्नेगः

हु'बार्केषा । प्रयोगका रेगका क्षेट ख्या प्रकुट छु'

यक्षेत्र'न्द्रा । श्रेष्ठ्रमुक्ष्यं महिन्यदे मुक्षेत्र'न्द्रमुक्ष ব'ব্দা ।মগ্রর'মম'বেগ্রুব'স্টদ'ধ্র'স্কুম'র্স্কিগ্রম' शुरायदे। ।वगुःविश्वःदेशःगुरःदेरःवदेरःवदेः त्येया आर्चेया । ► देव क्षेव सः वर्त र स्वया या बेश शुः व्यव क्या शः गर्ने मः अञ्चु मः यमः भूदः यभः भ्रेषा । ५ अः यः अदशः मुकः ग्रीकः अहं ५ ः यदेः অব.জ্যাৰান্ট্ৰ.প্ৰ.খু থে.খু. প্ৰ.শ্ৰন্থৰে প্ৰ. শ্ৰ. প্ৰৰাষ্ট্ৰৰে ક્ર્રેંદ પાંદે દદ ભાષા ક્રું ભાષા દેવ દેં છે ભાષા <u>શ</u>્વા यंदे क्वें ५ व्यटका विट कु के या क्रका ग्री वट र तु सु ५ बहुर पर्ट्र र र्शे. उर्वेट य. सेव. श्रेश क्रुबा श्र. त. য়য়ঢ়য়ৢয়ঢ়ড়ৢ৾য়৾ঢ়ঀৢয়৾ঀয়য়ৼ৾ৼৠয়ৼৼয়ৢয়য়য়ৢয় सञ्चः र भः पर्हेश पर्हे अः युवः यद्भः देः प्रविवः मनेग्रायार्वे अंतर्भायार्थे म्या अर्केन् क्षेत्र में गर्ने र या गञ्जम्बा सूर वर्रे र धवे धें व हव सूर बेदःयःवद्यःदःकृदेःचरःतुःतुःर्वेदःयदःकग्रद्यःग्रुः য়য়ৢ৾ঀ৾৾৻৴য়৾৾ৼয়য়য়য়ঽ৻য়য়ৢ৾ঀ৾৻ঀৄ৾৾ঀয়য়ৄ৻য় यप्तरःश्चीःयवःक्षम्बःय। । ५ यदःयः वेदःशीःयवः य' अ' तु : र्करिं ' प्यत् = माने त' ने ' में माना ' प्यत् = में माना'

य'व'यदे'यवः मुश्राय'र्वेर'ग्री'यवः वय' पर्दः यह । श्रुः वेषा प्रायाः श्रीष्ठा श्रापदे यह । स्वार्थाः य'वस्रक्ष'उ५'तुर'वेर'५ग'यर'सर्द५'५'गर्केवा वःर्वे प्रद्यामी प्रस्थाय देशे हैं प्रसादमा प्रदा यविव ग्विवाब प्यते श्चेव श्चें यब प्रमा विर्वेश श्चे <u> ব্রিম্ঝান্তী: শ্লুমঝাস্কুমঝান্তী মা</u> বিষম্বারামা इस्राचायां सर्वेत् यात्रा । विवासम्बाधाः मुक्तायां मुक्तायां प्राची लेशाय:श्रुम अक्रवा श्रेसश:उव:गुव:त्य:व्यव:ग्राद्य ध्रेम | दिव: इस**य** ग्वाट: द्वा: प्रयाप ग्वाया | दे: वे अ सुबाया । विवाय से ५ यम त्युर यम विवा

র্ট্রমার্মরারমরান্তর্-ক্রু'এরান্তুর'| ।ই'ক্রু'ই'

यविव मिने मार्थ मा यदः धेवः या । द्योः श्चेंदः क्षेवः यें अः यदेः श्लेदः म्बरम् । इमायान्य अप्यास्त्री मुन्ने प्रा स्व स्य र्सेंग्य पर श्रुत्। । रट में सेयय के ल्राम्याच्या । १८८१३ सम्बामुमायस्र्वायः धेवा । ५वो : य : य अ : श्रु : यें : गुवा । य र्वे ५ वस्रवायः विवार्सेषावायवावाने। । पर्वेदावस्य थे:वेशयश्चुदःवदी । । ५३:घःश्चुः गुरुशःर्वेदः यात्र स्ट्राप्त । स्था स्वार विष्य स्वार स्व स्वार स्

र्ध्ने र रेव केव द मी या । श्रेर र्से मणश्रव र्वेर

न्यम्या **क्ष्रं सु इ.स**.स्यामा सेत्र क्रेत् स्थाय**रा**म्या

षी । मानया सेरावरायदे र तुका कुर्वे। । ईसाया

श्चु'अर्देग'दग्र-र्ये'श्चे। ।वयाम्डेग'ध्रम'महेश'

वहेंवा विरार्खायां हैं हैं में या विरासी हैं है मु:ग्रायाण्या ।गर्षेव:पद्मःवेद:येदे:मुय:पः यहेव। ।गुन गुर सेव छेव जुन ख़्व लेट। । धुर तश्चरार्ख्यामुश्चायत्वाद्यायरम् मुरा । ४८:३८: श्चित्र स्याम्बिम्यासुर यदि। स्विम् मी स्यापिर स्टि त्तुग शुरा । क्षें यज्ञ र्गे इं भू उ र हूं हूं य ई र या हुं र यत्। वक्वासःवर्हेन। नेवसामहिन्यान्गरःमश्रुयान्धःवर्विनःवन्यस्यः वमा क्षे.क्षेक्षे चर्टे. सुपु. मी. प्राप्तु. कुर्या स्त्रीमी

५८। । वर्षिव यश्चरत्र्वश्च शः चुे ५ : भुग शः गुः

त्र'८८'। ।गर्षेव'यश'रेव'केव'त्याय'यदिव।। ब्दार्ह्यज्ञाद्वामीया । द्रयम्भे गणकावायज्ञा

अर्मेव र्से दे श्रुव कय अश्वत्य द्युर श्रायदे। । ग्राटश रे.क्षर.ट्यार.ब्र्र..तकट.ग्रीय.ब्री.ह्। शिवय.पर्जे. यंबे लेखायर्झे राया धुमा तर्कवा वें। । हो राङ्के दे यशः ग्री: यो अ: मतुर: य: यद्ग । श्री: दर: श्री: यर: <u> ब्रिट्र</u> त्यः मर्झे त्यः तद्दे तक्षः श्री । दिवः क्रेवः पत्तु रः क्षेत्रेः শ্রদিমান্ত্রী ক্রেক্সের ক্রিমান্তর ক্রিয়ানির इ्ग पङ्गा विषय विषय स्त्री । विष्य स्य में श्रिम् गर वैया गिर्येदश श्रुं र श्रुव प्विव पर्व्यायर

 य। १२ गुरु अर्गे द र्यं अयर्बे ५ यम अर्दे १ । । । । १२ गुरु अर्गे द र्यं अयर्वे। मह दे १ ह्या अर्दे १ हे दे । विषय मिर्ड मार्च मा मिर्ड मार्च मा स्थान मिर्ड मार्च मा स्थान मिर्ट में । । । विषय मिर्ड मार्च मार्

<u> ५ ग्र</u>ीयायिं मात्ती । हैं या अर्ह्सू या अम्पी । मुन

व्वात्व्यात्वेतुः वेदिन् । श्चिवायुरातुरात्र

गहेरः यदगः अववा । हुँ : यशः ई झूः यः वगः ये।।

यत्रीरः वर्षेरा **वर्षः यहं अः तृ अः अः यः** अंवश्यवेषः यक्कुः यहं र्ष

अरदर्वे र प्र' ५ द र नु अश्वर प्र' ५ द । । माद प्यद प्रदेश

र्ह्में रक्ष र्ह्में ' विश्वेष'य' ५ र है ' वश्चे ५ र्ड्स्य'

यमुदार्वे रायद्याः श्रेरार्ये अवव्या ग्वश्याशुस्रा

क्षें क्षूः हुँ रेंद्र ग्रीका । षो ने का क्षुत्र ५८का गाँठेका

येर-देर। ।र्यर-क्षेत्र-र्यर-वश्चर-रु:धे-क्ष्मा

ब्रॅ॰क्टॅर-तब्र-प्रवीट-रेटा श्रि.पर्श्चेर-त. लुझ.रयी.चयीय.बीरा ।लाई,_{स्थाना} जया.श्राह्यज्ञ. ञ्च स्ट्रेट सार्चेत्र शर्चेत्र वे क्रुं क्षुं क्ष्र्ं क्ष्रें क्ष्रं क्ष्रं चरमा सक्ता स्मा ल्रिस्याश्चरः दे प्रविव मनेग्रयायः स्। विप्तर्वः षे नेश्वाचर्राकेराश्चर । व्यक्षान्यविदा विद्सूर्य **र्हा तो कुर तो अप्तरा कि कि कुर्ज अप्तर कुर आजि** त्रु द्वा कें हं शु त्रु न्यु नि मह तुष नि हैं रा क्ष कें कें निषा कें र

८८:श्रुं प्रश्वित् त्यःश्रुप्यःश्रुप्यःश्री । द्विःश्रेङ्के व्यत्तुत्रःश्रीः । द्विःश्रेङ्के व्यत्तुत्रःश्रीः । द्विःश्रेङ्के व्यत्तिः। । द्विःश्रेङ्के व्यत्तिः। । द्विःश्रेङ्के व्य

मझेर:अर्देग:उंग:व्रिशवय:अवद:दर्। ।धुम:

৻৻ড়৻য়ড়ৄ৾৾৴৻ঀ৾ঀ৻৻ঀ৾৾৾য়৻ঀ৾য়য়ঀয়য়ড়ৢ৾ৼ৻য়ৼৄ৾ৄ৴

য়ेरॱৡढ़ऀॱय़ॴॻॖऀॱऄॱॺॕॴॴड़ॖॸॴॻॱक़ॖॗॗॗॗॗॱ

ขึ้ง เต็วจางสมมาสิวธิมาสิวรัชา เสิง वुषाम्याः तृः प्रष्ठोयाः प्रस्य । प्रस्थाः स्वाः यद्षाः सर्गेव'र्च'स्रे'त्व्वग्राय'य'स्या'तक्त्य'र्ये। वि'र्से' <u>२५ ५ जूष्ण्या कॅंगीयां केंगीयां के र्रे</u>ड वै। ईंत् वेईंत् वै। कृष्य वे कृष्य वै। अके क्व य्र'हें हा अस्याम्ययः दे यः राष्ट्रे अस्य अहा

श्रम् । वि.र्वेश्वर्षः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थाः विश्वरः स्थाः विश्वरः स्थाः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थ विश्वरः स्थाः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थान् स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थाः स्थान्त्रः स्थान्त्रः स्थान्त्र

खूः र्देः हुँ। सुश्चेतः बेरः शेर्मे वादरायस्थात्रशा **क्षें म् या री दे**

धे⁻श्चेत्रयात्रेश । त्युः कुव्यः न्यादः र्वेत्वः श्चेत्रश्च

य। व्हिः सुदःयन्गः यें अः शुक्षः यदे। विश्वेवः यः नुभः

মম্বের্যুম্মেম্বর্শি বিশ্বস্থাম্বর क्रॅंचर्यान्यान्या । देःचलेवायानेयायायाः क्रेंब क्रॅंचर्अ:५८:। ।क्रॅंअ:ग्री:५व्वेट्अ:ग्री:क्रॅंचर्अ:इस्स শ্ৰীঝা |বেলবাঝান্মস্থান্মমুল্মমুল্মমুল্ম ড়,৾৾৴৾৶৶.৾৾৾৾য়য়য়৻৸ৣ৾য়ৢ৾ঀ৾৾৴৻৴৴৻৾৾*৻*৾ঀৠয়৾য়য়ৣয়৾ৼ৻য়ড়ঀ৻য়ড়য়৻য়য়৻ঽ৾ড় गुर्वायायदायादयाद्यास्थिम्। दिवाद्यस्थायादादयाः বশ্বম'ন'শ্ৰা |
বি'ব্য'গ্ৰমশ'ড্ব'উ'মিশ্বম'ন। दह्मारहेव विस्नान विद्यास्य । विद्यासाय कुःषश्चर्या । १५ कुः १ प्रतिवासम्ब

মাপ্তহেমা ।ক্রুথে'থে'রের্মীমা'ঘ'মাহ'র্মীর'ঘা । দুনী'

ब्रुॅंट केंद्र र्थे अप्टर्न अनुराम अन्या । श्रेम या उरे प्यटा र्वो'तु'विर'। ।<u>५</u>यो'य'सुव'सुय'र्क्वेय|स'य-र'श्रु५॥ रदानी सेस्रा वे पॅद्र साम्रा तत्या । तदी वे सदस मुश्रामङ्ग्रह्ण या पेत्रा । द्यो या यदी प्रीश्रा क्री यें ग्राह्म वर्सेन्'क्यब'षे'वेब'र्सेग्ब'वबग्बग्हा ।वर्सेन्' वस्रमाणे विद्यायदा सुरायदे। । न्याया सुराविद्या ୖଌ୕୕ଘ'ଧ୍ୟ'ୖୖଵ୕୕୩ୄୗ୕୕୕୕ୗ୕ଊୄୖଌ୕ଽ୕ଘ'୕୕ୣ୕ଽ୕ୠ୕<mark>୶୶</mark>'ଘ'୕୕ୣ୕ଽୄୗୗ য়ৼড়ৼয়ঀয়ৼৣ৾ৼয়য়ৣ৾৾৽ড়য়ড়৸৸য়ঀৢয়ড়৸ৼ৽ঢ়ৼ

र्कर'य'न्या'यर्जेन्'यर'गर्जेय। । १ वर्षे यर्द्ध'स'न्'स' यात्तात्रात्त्र्वाश्चितात्रक्वशः भेताकरात्रम्या क्रासि<u>रा</u>ग्रेशः श्रेयश्चरुर्नेवःगुवःयह्न। ।हेश्वःशुयश्वरःयदेः र्देशः मुदाः क्रेंया । अदशः मुशः विदः रु. मिनेगशः वश्याप्रः। ।श्चरःषदःवर्त्तेवःघरःसर्दर्त्तःगर्शेव।। यहं सः वेशयश्ये वेशय द्या सर्केन स्रुव मानसः यर्चराय्यस्याद्या । विद्युरार्चाः द्याः क्याः क्याः व

परः अर्दित्। हिंग्याश्वास्याः सुत्रान्दः सुय्याः ८८। १८:श्वास्ययः ८८: स्ट्याः वः स्वाया। पर्देगः हेत्रः श्चेंदः प्रदेशः वार्वेनः सुय्याः । याः कुं प्रायादाधीव या । अशुं प्रमः श्रीकाया मदायावका

<u>ৠ</u> | ঘমঝডেব্'ঘ'ব্ব'বর্জ্'ব্যমন্ত্রীঝা |ঝর'রু' **५ मार्ड** विश्व नर्हे ५ वश्व वहिंग हेव पाइस्य मने गश्च स्वार्थ य न्यानिन। क्र्रेंब्रासर्केषा-द्रसायाः भ्रुःसिदेः सर्केदः देशः य। । श्रद्याः मुद्याः सुगः तर्कत्यः देदः तर्देरः चरेः येग्रबःर्नेग ।श्रेस्रबःउदःग्रदः५गःदर्गेः५दःसेः येग्रबःर्वेग वि:च:कग्रबःचयःयु:श्रेबःसर्केदः देंबाय। विंबायाध्यादेटायदेरायदेखीयाबा र्वेष । श्रेअश्चरत्रमदाद्यात्र्ये द्रा

র্ক্টিল্বান্ট্র'ব্যান্থ্র'মিব্বামর্ক্টর্'র্বেব্বানা । বৃদ্রী'

त्त्व:ध्रम:वर्क्य:देट:वर्देट:यदे:येम्**य:**र्वेम ।

श्रेश्रश्च अत्राम्प्रम्यायर्थे प्रमान्त्री । वि <u> ५म्'वस्रस्य ५५'देर'वदेर'यदे'येगस'र्वेग । वेद'</u> र्धे'यदे'येग्रह्मासस्त्रं यदे'येग्रह्मा वितर्धेदे'स्ट षदःचदेःखेग्रद्यःविदः। विवःसर्वतःहगःहःचदेः येग्रबाय। ।५र्गेवायर्केगाम्बुयाग्रीपापिका र्वेत । पर्वे क्वें बें व हे पर्य पर्केश प्रीत्य हैं हे अ दुर गुव प्राप्त क्याक्तवायायवरायवे क्रिंवाययावी युरास्त्रा स्रेस्र सं हे म्हण हु'चरे'चरे'कु। ।अदअ'कुअ'गुव'क्वीअ'चर्झेर्'डेट'

मर्वे र ह्ये व ह्ये व र्ये से त्या है। । मर्थे मार्थे व र्ये र स्थे

बेसबाध्वार्वेग । हाधुगवारा राख्या से पिबाय रा

वर्द्धा रिप्ताश्वर्षा र्रे देवा वर्षा व

বেইন্সামান্যার একার্মিনানমার্কীনা । র্ক্টিন্সা

अर्केग'न्गे'यत्व'श्चे'न्श्वेर'चर्शेन'व्यश'वेन। ।

वा । प्रदेव:य:दे:धेशः श्चे:दशु:पदे:येग्रशः विगा

त्वुटःर्घे'गटः<</p>
ग्रुथं
ग्रुथं
ग्रुथं
ग्रुथं
ग्रुथं
ग्रुथं

मुंदे म्यावायायाय। भिर्मे द्यां म्यायायायायायायायाया

<u>ক্রম'गार्</u>देश

वि'यदे'र्क्स'ग्री'श्चु'वे'र्श्चेग्स'य'व। ।श्चु'य'यश्चुव'

ये ५ के अप्तान विश्वास्थ्य अर्थे ५ । अर्थे ५ ४ ४ ।

प्रथम्बार्यकूर्। "यर्गाव्यक्ष्र्यामा"

ष्याचक्र्री "पर्डेशःव्व परे ग्वेग्बः"

म्बिम्बर्यं प्रवेतः प्रवेतः प्रवेतः मुक्तः स्वा ॥ मानवः

พะ.यबर.श्वें.र.श्वें.व.तथा.श्वांबा.यी.श.यवत.यम्वेष.तर.ये.त्। ।यग्वंबा।

्छ। । विर.तर.री.यसग्रह्मात्ते.यक्ट्रेर.त. নৰ্গ্ৰাশ ৰ্থা

अश । मुःगरः भूतः तु। चेःनेष्ट्रश्चः वेंतः भूतः

तु। वित्यम्रतुः तसम्बाधायते वर्षेत्या ने वित्र

म्नेग्रबादाव्यवाउद्ग्यासुग्रादर्स्यार्थे। ।यद्ग

वे क्रेंब या गवन श्रुरका वशा । पर्डे अ ख्व । खुर त्थ

भ्रुतश्रासकेशय। ।देः देवेः श्रुदः तुः वे व विंदा

भ्रुॅव से सदय य पॅव ५ ५ व स्व। । यद भ्री र दहेग

यश्रव ता. ते. द्याः श्रुवि । । व्यः क्रेवः विश्वः यदेः अदयः শ্ভিম'শ্বীশা ।শ্ৰিম'ট্ৰিম'শ্ৰুম'নইশ্ৰ্ম'নশ্ৰীশ্ৰ ૡેશયાદ્વા ક્રિંદ્રમાં ખેરાયાદ્વા છેલા ક્રોસા र्त्विं प्रतिः बोस्रबारितः देवायमः पश्चिष्वा । १३ छेतः য়ৢয়ড়৾৽ঀ৾ৼৼ৾৸ৼয়৾ঀয়য়ড়য়ড়য়য়য়য়ড়ৼ षट:इंट्या ।बिंद्रची:धे:वेश्व:बुग्रशःचीशःदे॥

यश । दे भे भें ज हुन नियम नियम । विद्राणी

यश्वा अर्भुवः षटः र्षेवः प्रवः सुरः सर्वेदः वशा মাৰ্থ,নে.শ্বীনপ্লাপ্ল,পঞ্জানসাগ্ৰীস। । খিন.বৰ্ছমা.

हेवः क्केंब्राया न्याया निष्वाह्य सहिवायमा लेवा

केव'र्चम'येदे'सर्केम'स'य। |कम्स'य'ङ्ग्रीस'यस'

गर्नेट चले बुट । । यत्त ग्री सुर्से क्षेग संधिषा।

ૡ૽ૢૼઽ_૽ઌ૽ૢ૿૽ઌ_{ૻૺ}ૹૣઌ૽ૺ૽૽ૢ૱ૹ૽૽ઌ૽૽ૼૹૢઌ यान्य। दिरायाधेषाग्रदाश्चरायायग्वा हिंदा वे परे पर पश्चित या भी । १२ दे द पा के द शी अ र्झेट्य.य.शुरा विदेर-वे.य.यर्ट. घट. व्य.ट्य. मैबा । पर्न क्षें प्रकारे या मुखा अत्वा । विंद वै'वर्षिम'र्ये'सर्म्योर्'यम् । विस्राम्यदे'सर्सेव' यदःजयकाः तकाक्येज। वितःज्वास्त्रा यरदः ध्रेषा विष्टुं केत्र समीतः में शुर वयश्राभ्रां हें व्यास्त्र प्रश्लुष्ण । वित्र वि

<u> स्वायान्य स्वास्त्र्वास्त्र्वास्त्र</u>्या । स्वित् ग्रीकारविषायवे

ब्रैंर'य'यर्दा ।वय'य'यवेदर्'यग्रैश'यर'

মর্মুর'ট্রিই'মারুই'মগ্রীই'রঝ'ম'ঝমাশা । ডিম'

दह्या'शरु' श्रदः या ज्ञ्या वा या ज्ञुसः व व्या वा वा वि

<u>ব্রুম:শ্রব্ধ:এর্ব্র:</u>ঞ্ शूर। । र्ढंदशः र्सेग्रस्य दिगः हेतः दिन्य सः ये।।

यर्गाम्डेगायेव यम् क्रु लेख ग्रम्था । दे छेर म्बिम्बार्क्षित्रवहिषाःहेवः ५८। । १२: वटः व्यवः यशः श्रुवात्रेषः तक्ष्व। । यमुः च्चैवः ग्रीवः वे पर्वेषः

येदःय। । अर्वेदःवशःवर्देदःयमः र्ग्नेगशः वेशः ग्रम्बा । दयद हिंद वर्दे द य हेद श्री बादी । । य

र्केंद्रशञ्चाद:तु:पर्दुव:र्कें:पहः। ।ञ्चाःगठव:यगः

অগ্ৰমা ।মহত্ৰ:ঘট্ট্ৰর:ট্রিব:অ:শ্বমশ্বর:গ্রহ:।।

प्राची | प्रत्न क्षेत्र प्रमानमार्थे क्षेत्र प्रमान्ये क्षेत्र प्

सर्<u>ष</u>्ट्रीय.ज.यु.सीयाय.जयीय.त्रा विट.सूट.

स्थर्याते श्रुप्तेश माना श्रिमा से प्राप्त है सास मान है । से मान से साम से साम से साम से साम से साम से साम स

यालव.र्या.रट.ट्र्य.प्रक्ट्र.ड्रीव.का विवर.डी.

र्श्वम्भिष्ठाः । स्टर्मः श्रीमः मिन्द्रः श्रीमः स्ट्रीमः स्ट्रीमः

ब्र्याय ब्रिंद ग्रीका गुक ग्रम भेव। । इस ब्रेंस द भेंद य'गुप'य'अभ । ५गव'श्रुप'गुप'यर'हेस'सु' <u> २७८१ मुनः यमः हेशः शुः ५५० १६</u>९ छेतः वर्रें र य उन श्री अर्द्धन । इर श्रें र हम श्री **५र्से५:सबःसूरः। ।हिं५:ग्रैबःस्**रःविंवःसवरः५गः ଶିଷା |୫୮ଘ'ଊ୕ୖୣ୕ଽ'ଘ'ୠ୕ଽ'ଖୢଽ'ଘଶ୍ରିଷା |ଶ୍ଲିଟ त्रश्रम्भेशः स्याधाः क्षेत्रः वे। । यात्रवः मीश्रामादः श्रुवाञ्चाप्यरायग्रीत्। ।भ्रित्गीवाञ्चवार्वेदायायीवा

<u> ५वाःवे। क्षिमःर्देगः दम्यायः चरः शुरः डेबाः ईबा।</u>

शुःषेशकेंशद्याः भूवःयमः सहित्। । ग्राम्शः उवः इ: र इ: र वे। । ने केन अर्वेर षर न्धेन ख्व व। ૡૼઽૹૹૢૹઌૹઌ૽૾ૺઌઙ૽ૼૡ૽ૼઽઌ૽ૢ૿ૢૢૢઌ૽ૹૢ૱ઌઽઽ ୟୁ-୪୬୯-୬୯-୭୯-୭୯ | ବ୍ୟୁମ୍ୟ-ଅକ୍ଷ୍ୟ ବ୍ୟୁ अर्गेव-र्रे-बिंद-वे-बिग्राक्ट-धिश्रा । वि:ययर-ह्येव-ঘ×:ম্ব:জ্বাশাস্থদেম। ।এম:শ্রীম:দ্যাব:প্রম:

<u>चश्चित्रायः धेत्रा। । सर्द्रायः दहेषाः यरः बाद्धेरः स्त्राः</u>

ब्रेग्र उत्यो रेग् हेर् केंग् । द्वेत य वित्र व

तरःत्रश्ची । व्हिंदःश्चेश्वःत्रङ्गुगशःवशःशेदःगेःषो।

यन्द्रकेशः मुग्नम्। । व्विद्रक्ते सुः द्वः यद्वेशः यहे सः ला । मार:रु:बार:बे:मानेमाश्राः सक्षेत्रा । घर:दाः कुर्यावनःश्चेर्यार्या ।वे.स्रायायावनः ब्रॅट:यर:शुर। ।ब्रिंद:वे:यय:यट:वशयावेगवा य। १२े.७२.४४.४.३.३१४.४४८.४४१ । १८४.५६४

वे र्स्वाके या पर्हे या वश्वी । १८४ पा यक्षेत्रा पर

यर'दर्खया ।क्षेत्र'न्नर'र्ह्चिन्'ग्री**श**'र्सुर'बन्' गुरा । व्रीःर्क्षेत्रायेत् स्वायम्य व्यवस्य।

सर्राधारहिषायाम्य विदायायम् । हिषायो य'न्न'न्रेंशयें'क्रस्य । व्हिंशय'सेन्यरंशुन' नबर्ग्यं श्रास्त्र स्त्र हिन्द्र स्त्र हिन्द्र स्त्र हिन्द्र स्त्र स्त्

यदम्भामी सेद सेट र्षेट्स यहें तुर सेद्रा । मास्ते सहस्य दम्म तर सें त्या दें । मुस्य सार्थेट्स सम्ब

ब्रिजःचद्र। विर्ट्रेषःश्चिशःन्वरःस्र्यःश्चर्यः। इसःचरःत्रश्चरः। व्हिन्।वयःचत्र्वाशःवदरःस्टः

ग्रै के से पार्य प्रस्ता । वित्र के त्री । वित्र के त

व.लटः। विराधिरःपर्येबश्चानरःपर्यीरःयःश्चरी। रेबोपःवुरेक्षरःभषुःर्येबश्चानरःपर्यीरःयःश्चरी।

र्रेल र्श्नेन डेंब ग्रम । हिंद छी बार्य दार से द हेंद स्मा

यायवानवेदाय। ।ब्रिंदाग्रीशःश्चेंगाग्रदानहराना सहरा । वियायह्यायी अपने श्चिष्ट विश्वास्त्र । विष्या ন্ধ্যান্ত্রীধার্দ্রনিমান্দ্রমের নিমানি দ্বাদ यर:वर:चलेर:य। ।बिंद:ग्रीशः रू:चलेत:चहर: *च×*:ग्रु×। ।५म८:ग्रे५:श्रॅम:म्रेर:ग्रे५:यदे: यत्रा । प्रहेषा हेव मुख रेषा राये ५ मुख वर्षा। ग्रम्बायार्वेयायाम्यायावे । वित्रं ग्रीया स्वराया ग्रम्बर्धाः अत्र । अः रतः दः वेः अः यद्येरः दगा

इ.२४.५६८.२५५५.ज.स्बर्धाःच। ।वित.५६५.

শীঝ'র্ন'শার্ন্বি','ম'মস্কুমঝা ।মৌমঝ'ডর'রুমঝ'

मरमी:ध्रीरवे:मध्यावग्री:वदी । द्रयय:दे:र्बिट् ग्रीसायविःमिरावे। ।गर्गायायायविवार् श्रास्यावसा ग्नेग्रम् ।बिंद्रांग्री:यक्ष्र्वायाक्षेत्रयाक्षा ।धरा विद्वम्बान्यान्यः क्षेत्रकेनः यो। विष्यः वर्षे सः द्वादः धुमः र्श्चेन प्राप्ती । ने ने जे अभे ने अभ्येन प्रमास्य । नियम र्धे मर्वेष स्रेर है में बिन्ना विस ने र दिर पर र र क्विंगमा विंद्'ग्रेम'दन्य'त्यकेंग'पक्रेम'पदे।। ब्रम्बर्यायमु:वुवःर्भुग्रायर:बुर्गाविय:यह्मः नगःवेःवगःपगःयंशः । विनःवर्धेश्रशःशुरःवशः रावानिक्रमी । वि. वे. द्वा रु. व्याक्ष यम शुरा। गर्डें हिंद गुव दु पक्षेत्र अध्या । अ दिश

বন্তু ম'শাৰ **শ**'ৰেই ৰ'ক|

ন্ত্ৰ-শ্ৰন্থ শ্ৰেন্ড্ৰ ন্দ্ৰ্মা হ্ৰিন্দ্ৰ ভূতি হিন্তু নিৰ্দ্ধ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ত্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ত্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ড্ৰ শ্ৰেন্ড শ্ৰেন্ড

र्श्चेत्र'य'र्श्चेत्र'य'यक्षेत्र| |य्यय'वे'त्रम्थावे'त्रो' भैग'त्रम् ।श्चेत्र'य'येत्र'ठेट'यर्थे'यर'श्च। ।श्चित् ग्रीत्र'युत्राय'रुत्र'ये। ।यायुत्र'य'त्र'युत्र'येत्

मश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वेमश्चा । श्वे

म्बर्वित्रः वित्रः स्वरः स्वरः स्वरः वित्रः श्रीसः ते वित्रः विकासेत् वा वितः तत्रः वरः वरः वरः वर्षः वश्चरः

શ્ચું વર વન્ ાર્હેર મુશ્ચ વર્શે વરે શ્ચે વસ્તી

ર્શ્વેંગ'ર્વે'લ્ચ'૬ઽ'ક્રુંચ'ઘર'ક્ર્યું ફ્રિંદ'યીંચ'દે'ર્વે'

र्धेग्राम्यान्यात्व। विष्यायम् यहेग्।यम् त्युमः

ড়ৢয়য়য়ৢৼয়৸৸য়য়৸৾য়য়য়য়৾য়ৢঢ়ৢৢঢ়ৢ৸

श्चेरायुःहगःयःधेरालेशयङ्गरा ।श्चिरःग्चेश्वःहगः

श्चिंत्यःश्चेंगश्चरःयःष्ये। ।यद्गःवेःश्चेदःयदेःश्चः

लेबाबेमा ।ब्विंदावे:ले:यमानेगबाशुमःवया।

ल्ग्रास्यास्य स्याप्त । स्यास्य विष्य स्थाप्त । स्यास्य विषय । व्रेन्यायक्ष्मादी । वर्यः दर्गेन्यः स्वावेशः ह्या। मदःवःवर्गेः वेदःदेखें रःच। । विदःग्रीकः श्रुमकः <u> शुःकुन् वश्रामञ्चव। । गाउँ मः सुश्राः गुवः नगायः मः नः</u> र्श्रम्बा । भ्रम्बाद्यः भ्रम्यायदे मुः विद्यः बेरा। वसमाउन सिविन या हिन केन की । ने केन पर्सन वस्रशः कुः वेशः गशुरस। । युशः यशः युशः गवितः <u> न्याः हुः वे। । खः नवेः र्श्वेयाः वेः वेशः ग्रयः । व्हिनः</u> वर्हेर्-विश्वात्। विश्रेर्-विश्वार्श्वार्श्वार्श्वार्श्वरः ह्या । मार विमाय में र से ब य में र मे न्गार्खेन्यीः मङ्ग्रन्याञ्चन्। । अभेयावीनः नमनः सं के'न्वरःयें। <u>|</u>न्वायें'यार्क्षेत्रकारदिवासयान्दा। বষ্ট্ৰন্মান্ত্ৰীমামৰ্ক্তৰাজ্য দুৰ্গান্ত বিশ্বনা দ্ৰিন্ यक्षेरक्षः मृत्यः वेदः यञ्चेग्रवा अर्दा । विंदः वेः

अर्मेव में क्विंद ग्री मावक अभवक देवे। । अधक के · दवःदर्गे:धेवःवेशःगशुदश । भ्रुःवशेदःयुःवेः

श्रेव विश्वाम्बरम् । विश्वास्य म्युय दिरासम्

वर्वी पिरेरवर्गेरवण्याकेषामुषायाचेरा।

প্রসাসুন্ত্র বাষ্ট্র কোনে । প্রান্তর বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র বাষ্ট্র ব শ্রুমান্দ্র বিশ্ব বাষ্ট্র বাষ

भ्रे. यह्य त्रा | व्रिट्ट क्रिट्ट प्रमुख्य स्था । व्रिक्ट क्रिट्ट प्रमुख्य स्था । व्रिक्ट क्रिट्ट प्रमुख्य स्था । व्रिक्ट क्रिट प्रमुख्य स्था । व्रिक्ट क्रिट प्रमुख्य स्था ।

श्चार्यः क्रेंब्रास्यान्य स्थार्यः स्थार्यः क्रियाः वित्रः त्याः स्थार्यः क्रियाः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः स्थार्थः

র্মনামান্ত্রনা, ব্যান্ত্রী, বিষ্যান্ত্রমান্ত্রনা, বের্যান্ত্রমান্ত্রনা, বের্যান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্ ব্যব্যবাহা

यश्वरः। ।याववःग्रीःयश्ववःयर्द्धशःयाववः,रयाःवै।।

वे.यार्थर.जीयाद्यत्य । व्र्या.याद्याः श्रवरःश्रेष्ट्रः ग्रीयः सत्तः क्षेत्रः स्थात्यात्यः त्यायाः । व्रितः क्षेत्रः ग्रीयः

য়ড়য়৾ঀৗড়য়৻ঽৼৼয়৻ঽয়৻য়য়৻য়ঀ য়ড়য়৾ঀ৾য়য়য়ৢ৾ঀ৻য়ৼয়ড়৻য়য়য়৻য়ঀ য় श्रृंत्यःयः इस्रायः व्यायः विष्य्यः हेत्रः न्याः हेत्रः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य स्र्वः यमः सहित् । विष्यं विष्यः विष्यः

ख़ग़ॿग़ॱॾॖॕज़ॱॻऻॿढ़ॱढ़ॸॖ॔ॸऻ॒ऻॿ॓ॸॱॾॗॗॴख़ज़ॱॾॺॴ ख़ॻऺॴॱॾॖॕज़ॱॻऻॿढ़ॱढ़ॸॖ॔ॸऻ॒ऻॿ॓ॸॱॾॗॗॴख़ऒॾॴ

ज. श्रुंट. यथुरा । ज. जुरा दश्चिर. श्रु क्रुंग. यज्ञ.

य। ।ब्रिट्र ग्रीका गीय विकास क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विकास

यदिः स्वायान्य । विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः । विश्वयः विश

या । दे.बाबेब.यक्षेब.यक्ष्य.लब.श.यंचेट्रा. यक्ष्.यम्। । पञ्चा.क्षेय.क्षेय.वक्ष्य.वक्ष्य. यक्ष्.यम्। । पञ्चा.वक्ष्य.वक्ष्य.वक्ष्य.व विषाः श्रेषाः कषा श्रायाः हषाः षार्वेत्। । नेः यः केंश्राः केनः শ'অ'र्षित्। ।শর্উ'र्से'र्ছित्'ग्रीश'र्र्स'रेत्'ग्री। ।শ্रेंग' শ্বাস্থাস্থাস্থাস্থাস্থাস্থাস্থাস্থা পুলুই

हेव'८८'वे'अर्केट'श्चेव'य। ।श्वेयश'उव'गर्ने८' यर ग्रेन प्राचित्र मानि । यहिषा हेत्र या ते र्केश शु वर्ळवा ।हिंद्रची:वङ्गद्रवःवःदे:द्वाःञ्चद्र। ।व्यदः

मुलः रेग्रास्त्र्र्य्य अधिरः ग्रीया । ग्राटः लेगः यदेवः <u>५८। । पञ्चे र खूब ५ या कें स येग स पर ५ में ८ सा।</u>

र्देर-५ग्-अर्देव-वेंदश-पश्च-उन्ना । वहिग-हेव- म्बार्या वित्रित्र मिन्ना वित्र मिन्ना मिन्ना वित्र मिन्ना वित्र मिन्ना वित्र मिन्ना मिन्ना वित्र मिन्ना म

ୱିଁଟ୍'ଶ୍ରିଷ'ନିଁବ୍'ର୍ୟିକ୍ଷ'ସଦ୍ଧି। |5୍'ସ'ବିଷ'×ସ'ଧ୍ୟଞ୍ଜିବ'

श्रीस'त्या । श्रुत'यह्या'योस'ने' स्ट'नेट्'ग्री।

য়ৢয়'য়ৢৼ'ড়৾ৼয়'য়ৢ'য়য়ৣয়'য়'तৢয়| ।য়ऄॕॱय़ॕॱहिं५'

ব্ন্তু-মান্ত্ৰ্ৰ শ্ৰেষ্ট্ৰ কা

ॻॖऀॺॱॺ॓ॺॺॱॸॺॱग़ॖॺऻ |ॻॷॖॻॱॻढ़॓ॱॺॗॸॱॸॖॱॻॾॖॕॺॱ ॻॱय़ॺऻॺऻ |ॺऻॺॱय़ॕॱॾॗॗॸॱॻढ़॓ॱढ़ॾऀॺऻॺॱऄॺॱॺॺऻ। ॼॖॻॱढ़ॾॖॺॱॺॏॺॱॺ॓ॱॻॾॕ॔ॺॱॻक़ॗॖॻॱॻॸॸॱऻ ।ॿॖॻॱय़ॱ

 ब्रिंद् ग्री मानेव त्र्रव वस्य अन्तर्वी । त्रिंद्र प्य

यश्च द्वाराय स्पन्न विष्या । स्राक्षेत्र शास्त्र स्वारी मिल्टा

स्म्याया हिःसःहेःस्रमः इस्यायस्याय। हिःसः <u> दे सुर अर्थे व सिंदा या । यद या यो से अस वे दर</u> यर:शुरा । दे:क्षर:बश्रशःउद:शब्रिव:श्रेव:यदे।। র্বান্মরের স্কুর গ্রীশ্বান কুরা ক্রমশ প্রবা বিশ্বম पञ्चम्। इस्रा ग्रीका क्रींव से प्राप्ति । क्रिंव पार्हित गुरः भ्रे अर्वेरः दें। विहेषा हेवः भ्रुः दरः व्रथः वेः श्चायायर श्चें वालेता । के क्षेत्र श्चेश्च श्चायर के त

नेश । वर्गे नदे तहेगा हेवा हिंदा तर्म मेंगा

अर्गेत्र में हिन्यम तस्य मुश्य में न्या । यहें वा स

यरमामी अप्रमी यसम्बन्धा । माराधेव रेबावे

ব্ব্ৰহ শ্ৰব্ৰ ৰ ক্ৰ

ढ़ॻॖॕॱॻॹॖ॔ॺॱॻॖॖॻॱॾॖ॓ॺॱॺॾ॔ॸॱॻॱॾॣ॔ॺऻॺॱॾॣ॔।ॎऻॎॿऀॱ ॿॎॖॖॸॱय़ॸॱ॔ऀॱढ़ख़ॺऻऺॺॱय़ढ़ॖॱॻॾॣॕॸॱय़ऻऻॾॣॕॻॱ॓ॸ॔ॿ॔ ॹॾॖ॔ॱॻख़ॖ॔ॺॱॼऀॻॱॾॖऺॺॱॹॾ॔ॸॱय़ॱॾॣ॔ॺऻॺॱॾॣऻऻऻऻॿऀ

૮વઃલેમ:શ્ર્યાવયા.તથાવશ્ચિમ:વર્ટ્સવિશાયીના

यवश्यम्ब अध्याः अर्केन्।

र्द्र'य'यत'रे'रेत'केत'सर्केण'गेरायश्चरा

ग्री'पद'दे'द्रथय'पञ्चेष्राष्ठा'रश्चे' हुष्ठा'पञ्चुर'छेट'

यार श्री आयव र्घे अस हूं ने अ नरा लुकेव श्री र्थे

ন্ৰ্যাঝ জী।

्था । तुःगरः ङ्ग्५८६। देः अः षः हेः वः षः र्ङ्हें इः वेंरञ्जरद्वा क्षःयश्रास्यारु बुरावरावर्ह्नेराया

<u> दे.चलुष.याचेबास.ता.चशस.२८.जा.सेबा.उक्जा.</u>

र्ये। । पर्डे अ'स्व' परे' ग्रे ने ग्रे अ'से देव' शु' अ'सू र'

वियायह्याः भेत्। । संदश्यायाः भाषेत्राः स्रेते हेताः वि षदः अर्थेदः **हो ।** १२े.५वा.ची.चाञ्चवाद्याः अञ्चः

८८: ह्रेंट. य. पश्चरा. य. इसश् विश्व. य. श.

*दह्*षा'न्स्ट'न्षा'अर्क्केंद्र'क'न्द्यूषा'र्हे'र्वेषाद्य'सर' **यर्ફ्हें वा । १५ : क्रेंब : क्रेंग्से : सेंप्स : सेंप्स** यवम ।**अ८अ**ॱकुअॱळॱॶमअॱम्डेम्'ॸॢॱवेॱयदेॱ स्याधिवाव। विगयमवीप्रमावीयम्यासर्केता यर:व्रा । व्रिय:यह्मा:मोश्रःवे:यधय:द्गाय:य: ब्र्याबान्त्रम्बाह्मस्याचन्त्रम्। व्रिःकेवः घॅबा वे में र विर बुया यहेगवा यर्डेया यर ग्रूर

क्या.चाडुचा.पज्ञी.जा.श्रेच.ता.चश्रश.कटा.शर्ट्य.ता. पहंत्रश्राचश्रेच.चीट.पश्चर.त्रम.चीटा ।श्रदश.मीश. ख्रा.चाच ।श्रेश.चीट.जीश.चीट.शर्ट्य.वीट. अर्देव'यर'अर्घे'यब'यव'यदमेंब'अर्द्र। । विय' *৻*৻ৼৢয়৾৾৾৽ౘ৾য়৾৽৻ঽ৾৾ৼৢ৴ড়য়য়৽৻৽য়৾য়য়য়৽ৠৢ৾য়ৼয়য়৽ <u>नक्केत्। १३, कुष्ट्रेयः लु. वीट. ह्यूट्यं वाट. लुवा ह्यू</u> चलेत्। ।देःचलेतःमनेग्रयःयःतेश्यःयःयःस्य श्रेयासईरावा ।शुःविषाःश्लेवायाः क्रेवार्धेरार्देशयाः रद्यरायमा विषया । याराविषा यञ्जासे स्रोरायावा । यार्बेर्-चर-चर्डेंब-च-र्र-। ।यार-ख-दर्श-च-र्या

नु'दर्| । मार्श्वर'नु'बेश'य'सु'षे'सर्केम्'मे मल्र

. भुग्नुबः धेव। । श्रद्धः क्रुबः यः वे 'न्य् 'न्टः अर्दयः

মৰীৰাশ্বী-মহৰে'মহা | |ইৰা'মহ'ঐগ্ৰৰা'বৃহ'

वे श्चित्रश्चा श्चार्या । वर्दे दः क्ष्म्यायस्यः दरम्पदः विमायदे दः क्ष्म्यास्यसः स्थायः वायः वादेः

র্মাশ টিম. বইমা. ওর্ম. জুব, পঞ্জুব. র্মাশ. ঘশু. গ্রিথ. ই. ই. র্মাশ. পূম. শ্লুম. পথ. পর্জুব. র্মাশ.

र्टा अनेश.वेर्.सर्ट्यं व्यक्ष.वेर.के.कुर.

अ.धिश्रं अळूचे जूबार्य र्टें र ख़्रिर बार्च अ.धीर ता।

दे.र्या.चैश्व.तःक्षेट.यञ्जे.भ्रर.तःश्व.क्ष्यश्व.सक्ष्य. च्याश्व.क्ष्या.यञ्चल.यञ्जाश.यश्व.क्ष्याश.सक्ष्य.

याशुः विया यर्तु प्रस्था यर यर्डे वाया है। या श्वायशः व्या अपन्या यर्डे अश्वायर यर्डे वाया है। या अविश्वा वाया अपन्या विया है। या श्वायश्वाय

ૹૢૢઌૹ<u>૽ઌૢ</u>૱ૢઽ૽ૻૹ૽ૼૼૼૼૼઽઌૺઌઽ૾ૺ૱૱ૺૹૢૢઌૹૹૢ૽૱૱ૢૺૺ ख़ॱक़॓ॺॱ*ॡॕॸॱक़ॺऻॺॱॸ*य़ॸॱॹॖॗॸॱॸ॔ॱक़॔ॱॿॖॸॺॱऄॸॱ र्डे रद्दे रुद्ध स्थायेव यम द्वेत्। । विय रद्ध मा स्था यरःगृत्रुयःवेदःग्रुश्रःयःसुदःगर्त्रेवःश्लेयःग्रेदःस्टः में मित्रेव पर मर्शेत्। । त्याद पर्जे मित्रे बेट सं हे য়য়ॅ॔ৼৢঢ়ৢ৾ৼয়য়৾য়য়য়য়ৢ৾য়৸৻ঢ়য়ড়৸ঌ র্মিল'নেইৰ'ক্ডম'ন্দ'ক্ট'অ'স্ক্র্মিনশ'নস্ত'ঞ্ৰ'ঝ'ন্টশ'

वर्षिमः वेषः अतुमः श्रमः त्रषाः वेषः त्रमः वेषः वर्षेवाः श्रेः

य**ङ्गसङ्गा ।** १५५ स्ट्रास्य स्था में या सामन्य या मानन

यायवायर्गम्बाइयायमायर्ज्ञा ।यहेषाहेवा

শীঝ'র্ঝ'র্মিট'টিই'নম'র্মুঝ'ন'লঝ| |ঝেম্ঝ' क्कुश्रार्थेव प्रवास्यात् ध्रीव यात्र ध्रीय यत्रा हेव यम्बा । पर्ने प्रस्मानेम्बास प्राप्त मानी स्थासेन सुः ह्रेगश्याव्यवः द्याः द्याः स्था । देः चलेवः ग्रेष्य रेश प्रया र्वे र स कुय ग्रेष्य ग्रेष्य व র্মারাগ্রীরান্তরমার্শ্রদারা বির্গাসুরারার *ਜ਼ॗ*য়ॱॻऄ॔য়ॱख़॒ᢋॱदेॱवेॱॺऻऄॺऻॱॸॖॱढ़ॺॊ॔ॱख़ॱॾॣॖॖॖॖॿॱढ़ॾ॔ड़ॱ

याधिव। १२ ५ मा मी हुँ ५ मालव धर यह अस्त्र सुया ग्रूरःयरः अः अर्वेदः ह्रे। व्हिंगः दरः ह्येंदःयः दगः

यः सुदः दुवदः तमावः श्रेः सदव। । पार्डे सः सुवः देः वेः यदमा में मिलेव सेव सु ह्रेम्ब मानव दम दम दम

धेव दे या यदमा दद यम्बा । माद विमा हमा हु यव न्रीश शुव तु तर्शे या यव तर्ने गया अही। यदः विया तर्गे यः श्या यश्या इस्र सर यद्दर् यर'यरे'अ*ईर'* ५८'। । ग्राट'लेग'से**श**'ग्र'अवद' ર્શ્વેંદ અનુસ સેન ક્રું સદલ ને વ્ય ર્શ્ને વ નન નન शूरा क्षिरवर्षात्र न्या हे क्षर त्याय पर

स्रे.युर्ने,यःस्वरःस्त्रीयाः विष्यः स्त्रीयः विष्यः स्त्रीयः विष्यः स्त्रीयः विष्यः स्त्रीयः विष्यः स्त्रीयः व स्त्रीयः प्रयम् स्त्रीयः स्त

देव केव तर्से गाय पर । किया शाय दे र्से में शायी श वे रव वर्षे वुश्व वश्व र प्राप्त विवश्व र युर युर वै। । ने कें वियायह्या या में याय विवान क्री में सूत

वर्देन कग्रा ले स्ट मेश के सु अव हिम वस

वर्देग्रास्यम्बाद्यस्यायर्क्षयःग्राहा । ग्राहार्केः

৫5 ম'র 'ঝমঝ'রুঝ'য়ৢম'মম'য়য়য়'৻ঢ়য়'য়৾য়।। श्चे में केंत्र सेंद्रशासुत लेट सेंद्रशायश हेंत्र या यत

ୂର୍ଗି ଜ୍ଞାୟ ଞ୍ଜିମ ପଞ୍ଜି ପଞ୍ଜି ବ ପଷ ମୃଆରି ନିମ୍ବାଷ ଶ୍ରଷ यस। १वै. १ अर. ५ विट्स स. में रस. ५ है ।

ขึ้น.อุน.ชส.ส์ไ โทเชิทสานฟื้น.ลู้น.ที่ไว้นั้น.

त्रह्मायरे भेशतहमाहेतः श्चे सात्र तकेते न्यर

<u> २</u> इ.स.च ४४.५५ हे ४.क।

र्धे 'क्रुं अर्के ५ 'सुग् 'दर्कवा । । श्रद्भ 'सु अ' देश '

यरः इस में व्यक्तरः गुरः क्री दें प्रवाकेर क्रें द्रायका मुग्ना भ्री तक्या । श्रा दर्ने मु अर्के प्रवे पं भ्री

<u> ५५ म् विता ५६ म् वित अरा क्रेंत्र अरेत क्र्मा प्रकृत</u>

শব্ধাঙ্গ্রবর্ষ বেগ্রুম। ব্রিবাঘা এ'ব্রিণ্ড্রাধ্র্যা

षरम्बुवार्सियुन्दवायेऽन्याधिषा ।ञ्चानदेन्त्रीवा

এবিম র্রিঝ গ্রী এর্ন 🖹 মর্যাশ্বা ডব শ্লুমঝা মহার

<u> ५ग'र्वेय। ।य५ग'वे'अ८अ'कुअ'र्धेगअ'ये'वहेंव।।</u> श्रेमःश्चुःश्चेषाश्चात्यःश्चेष्टः यदः। । यादः वियाः सेयाशः

यर वृत्र यदे क्षेत्र । दे कि द क्षेत्र यर पेंद्र अ स

याववः द्याः भाष्यः यः सः स्वाः भाष्यः । यादः यः स्वाः सः वः सः वः सः । । यादः यः स्वाः सः वः सः ।

गुवि र्वे दः सेव त्या विव हिन सम्बन्ध स्ट र वे द

अद्वित: ५८१। । । तर्शें त्यः मार्डमः हुः खतः वर्देम् सः

सहर सदे स्वाब के या । रे र्य र्से में बालेय

शूरःव। विद्राद्याप्त विद्याप्त हुवा दिवा के।।

रे'षर'यर्ग'में'क्ट्रॅब'य'षेव। । ग्वर'य'क्ट्रॅब'के'के'

য়ৼড়৾ঀৼঀৄৢঀ৾ড়৾য়ৼড়ৼঢ়য়ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼঢ়ৼঀৄ য়য়য়ৼড়ৼ৻য়৻ড়ৢয়ৼৼৼয়ৢয়৻য়৻ৼৢৼড়ঀৢ৻৸৻ঢ়ৼ৻৸

यन्याः वे 'श्रुप्यक्ष' अक्षे। |यज्ञ'यः वे 'श्रुक्ष'यदे '

५५२:गवशःवर्रेव:क

यर्याक्षरार्श्यासेटाश्चेषास्याचा विश्वेषा यदे हु सुदः ब्रेंदः वी बा कु अर्कें दे ख़र वर्बे द वर्चे बा

बर्'र्ड'अर्द्धेश'य। । देश'र्व'श्रेशश'उव'श्रश्रश'

उर्'यरे'य'र्ग'र्र्यस्व'शुरुरेग ।क्रु'यशस्य

रु:बुद:वर्दे:वर्ङ्गेर:य:र्श्चेव:दर्वेद:वरे:ब्रेर:वर्गः

र्वे अः सर्द्रायः क्रें म्या अंश्री । ।। श्रे ५ मे प्यष्ट्रवा व्याप्त स्थापत

८नु.क्षेत्र.ब्र्य.चर्षयो.जन्नाचन्न्रीय.चर्ड्याचित्र.नुर्या मध्याचित्र.चर्षयो.

য়য়ৄ

य। । प्रमामि केषामि अप्रभुव परि मि पा सुर

२७। । प्रष्टाकेव:वृग्य:वृग्य:इस:वर:दर:हे**द्य:**सु: सञ्जन्यदे महीं वाया विदेशकाय दे से मार्थ सहंबाबेबानुः यात्वृत्रवार्वे॥

ेखा । पञ्चेषायबदः अदशः क्वेशः यर् व. यः दयः

म्बर्याकुर्। विश्वीतः यश्चवः याः संदशः श्रें र अर्केनः मीःर्द्धवा ।र्षेदशः ह्रमश्चायाः केवः के याः सः स्ट ग्रम्भा । भृगुःभुः इः द्रिः ब्रायायाय दर्गा । विः यः शुरःयशः व्वेतःयक्तवशःगाञ्चे स्या । विःयहतः र्शेरः

^{ब्रिस}श्चराञ्चेत्र'ग्विशयास्य । देद'दर्येत'केत'र्येदे'

र्षेत्र क्षें श्रुय प्रह्नुत (षर प्रबट प्राच्युर শ্রীমশ্রমানশ্রিব থে শ্রীকান দেবী নশ্রমা । বিশ্ব रेरःक्रॅशःश्चेॅिन्द्रयःपद्युःह्यंदःपरःपश्चिप। ।गार्वेनः यवः यवः वर्देग्रासः सः यद्यान्याः से वर्देव। । मुनेवः दवःसरः स्रेवः यसः हिरः श्वाबः दसः यद्ये। क्रियः यः न्यरः तुः अर्दन् 'या मार्शेया चारते वस्य । यह मुच सर प्रष्ट्रेव म्बुर रचन गुव ते खुरमा विम

र्'नश्रुव'य'गर्शेय'न'दर्ननश বিপ্ত:র্মার্ ব্ৰাম্মান্ত্ৰ'শ্বৰ্শমন্ত্ৰম'ৰ্মাৰ্ |गावव'गाव्ट' र्बर मर्डेन द्वा सुयार्डेन पहार्थेय। विरागश्चा

|ଛ୍ଲିଏ.ମଫ୍ନ୬୍ଲି. ইল্ঝ'ন্দুহঝ'শ্ৰন্থ'নেইর'উঝা

*ষ্ট্রবে*ষ ক্রিম ক্রিমের 15धियाः য়৾ৡ৾৾৾য়য়৾ৡৠয়ৼ৾য়য়য়ৠয়৻য়৻য়ৗৠয়য়৻য়৻ঢ়ঢ়য়ঀ <u> ଖ୍ୟାଞ୍ଡଂସଂସଂଜି'ଦ୍ୱଟେଖ</u>୍ଲଶଂସଂର୍ଶିମ୍ବା ।ଛ୍ରି'ଞ୍ଜିଟ୍ वहेंव परे निवस्त्र श्राम्बे व पर हें ग्रा । ब्रिव শ্ভিশ'শ'দ্ম'ন্মান্ধ্রিমশান্ধ্রশ'ন্শ্রম্মা ब्रुट्स'र्षेत्'सवद'र्रुद्वेत'य'गर्नेयः यस'ग्रैस' तुः नः दमा मोश्यम् लुदः ईसा लेटा । धिरः ग्रीश्वः देः

य:८बी.ल्ल.जव.क्र्यंत्रःता ।टिश्वःबाद्धवाःवीशःत्रः यह्त्रःसीपुरःशीरःशीयःधी ।ल्ल्यःश्वाधाःवाधःत्रः कुष्रःश्वीयःज्ञास्त्रः वी.जव्यःश्वाधःवाधःत्रः कुष्रःश्वीयःज्ञास्त्रः यश्चित्रः भिरः। स्थित्रः यत्वेदः स्रुवासः स्र्वः चः यः सह्त। । द्वां यत्त्वः स्रुवः स्वाः त्यः स्रुवः

यः व्यक्षःयमः क्ष्यः ग्राच्यः प्रम्यः यहंतः मुः सर्हेः यः व्यक्षःयमः क्ष्यः ग्राच्यः प्रम्यः सर्वेः स्वा

क्ष्या हि.पर्व्स्स्य प्रमाहिताल्य । इया हि.पर्व्स्य क्ष्या सम्माहित्य ।

य:ब्र्याया । व्याप्य या प्रेया क्षेत्र । व्याप्य या प्राप्य या व्याप्य या विषय । व्याप्य या विषय । व्याप्य या

য়ৼয়৾৾য়ৢয়৾৽য়ৣয়৾৽য়ৢয়৾৽য়য়ঢ়ঢ়য়৾ঢ়ঢ়য়য়য়য়৸ য়ৼয়য়য়য়৽য়ৣয়৽য়য়৽য়য়৽য়য়য়য়য়৸৸ য়

 রূম.লু.৬ শ.পানত.৫র্মু.পরা বি.মূথ.প্রস मुसम्बस्यायम् लयायलेस्य भेटा । स्टा बरार्षेत्र

स्यात्म्राम् स्राम्या विताने साम्या

यश्चात्वयः धः ५ अः सुरः ५ रः मृश्चेत्यः यः यहवः यदे दिं । ।यह क्रेन ५ मु : धे : दिं र : यठ अ दिं र

र्'न्यवा विभयःक्षेत्रस्यः श्विष्यः स्वार्थः

र्त्य:केदे। । ध्रम्बादावेद:प्रेंटब:ब्रु:चङ्ग्रद्धाःयः **अ**:न्युव्य:ळग्रअ:न्दःवृदःविःवःअग्रअग्रअःय। विन्

च बुदः व बार्य दुयः अर्दे ग्वाबदः श्रृग्वाबः ग्री । विर्वेशः

त्विरमुळेरपङ्गिरपः । हुन्यरळेंबादनुषः

यन्दः श्रूपः अर्थः देशः ग्रुदः। । द्रययः अर्द्धवः इयः ୩ୠୡ୲୷ୣୖଽୡ୲୴ୢୡ୕୵୲ୣୠୄଊ୲ୣ୷ୡ୲ୄ୲ୡୢୣ୷୷ୡୣୡ है:श्रेर् धर:वर्रेर् धेंदश ग्रें गर्शेश । क्रुर शे বক্তব্যম্যব্যমা শ্বাহ্মান্তর শ্রুইন্মান্ত্র শ্রে वदुर:५५२:१वरामवद्याः सर्हि। । श्लेषाः ध्व:५:४:धेरः त्र्प:पश्रव:ग्री ।सह्र-प:स्वस्थ:केव:पश्च्यायःयः र्गे'-5्यु'-घलेशकें'-५गद'ଌ୍ୟ,'ग्रुय,'ग्रुयेगश्रा। तहरः देंद् 'ये: हेंग 'कर 'यं ब' खुय' गुव 'विया । व्हि' ড়৾৾ॱয়৾৾ঀ৽য়ৢঀ৽য়ৣ৽ঀয়৽ঢ়৾ঢ়ঢ়৸৸ঀঢ়য়৽ঢ়য়ৢয়৽ঢ়৾ৼ

यहें **व हे अ'याः क्रिंय 'यार्हे** व 'यावश'य' गुव 'ग्री'

५७२:ग्रावशायर्नेव:का मर्ख्यामी र्वेम। । तत्वम्य संत्र गुव फुर्से र से र

লুহর,ঐ.অঅবা বিঘ.অবল,ইপ্র.ডরিল,বি. के'वर्केदक्षिम्भाय। भियाः वृद्धित्ववस्याम्भियः

यः दर्गेय**ञ्चा । देशः** द्युदः र्हुवः विस्रश्रः द्वसः द्वाः शमितिस्य । श्रीस्राध्यः हिरादह्यं द्वार्थाः स्व

र्ध्व निर्श्वेत। भ्रिन्य वर्षा वर्षे पद्धा

<u> वेदःय। बिंदःग्रे:इस्राधरायम्य</u>्वायराव्येदःग्रेक्

রুবরা *বি*র্বার প্রকার্মী কর্ম রা **८८:यञ्ज। । यु८:कुय:र्श्चें,५:यदे:र्रे**अ:र्श्चे**ज**:अहेब:

नुषाने। । प्राकेषायहेवाक्षेयाक्केटायदास्या

त्स्याग्री**म।** सिंग्राचरुते विदानसमाग्नियायर

५८४:ग्रावशःवर्देव:क्रा वगेरशः वेदः र्वेग । प्रष्ट्रवः सः द्राः र्हेशः वद्वाः यदः श्रें श्रें दः श्रे। ।यन्दः श्रुयः ध्रेवः यश्रः श्रेदः गुवरहाख्य। ।मुयायश्रवरहेग्सवस्यस्यरस्रीतुया यम। । अ.स. यज्ञायहेगा हेन हमा हा श्रूमा शुमा **ॐया ► ।** डेश र्हेन् २०५० प्रमुख प्रते : इ.च. व. क्रे. तर्हे . व. वर्षेन् रहें अश्वायः क्रेवॱयॅॱयःम्बॅंयःचॱयर्नेचबःचःयर्नेॱवै। । अष्टिवः हॅम्बःग्रीःचन्मः क्रेन्नःत्त য়ॱॴয়ॱख़ॗॴॱॺॏॺॱॸऀॸॱढ़ॺॱय़ॾॢॖॖॖॖॖॎख़ॱॸॸॱऻॱऄॖॱक़ॸॱॾॖ॓ॱॾॣॕॸॱढ़ॾऀढ़ॱय़ढ़ऀॱॸय़ॱ

নর্বাশ্বর্মার্শ নার্শ নার্শ

व। इंशद्वद्वात्राहिष्ट्री हेवासम् व र्श्वेष्ट्री हेवासम् व राज्येष्ट्री हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम्य हेवासम

🄊 । वि.स्. महे. रे. ती. ता रिश्व कुषे . च खुष्या श्रीव. रिष्ट ह्रीशात्र अ.सी. सी.

<u> र् ज्ञ पर्डेस प षट र् ज्ञ पर हैं ज्ञा पर्दे ज्ञार</u>

मुश्र-रेग्।य-८८:वियशःशुःख्वःय। यदेःयरः

র্ঝ'ঝয়'র্ট্রবাঝ'নুঝ'নাব'ন্তুবা ।ঠিঝ'র্মঝ'

गुर्व मु मेर्द्र अदे मद्रशास्त्रम्थ अर्केम् । स्रम्थ

मुबान्नायार्क्रबान्नुराञ्चावबान्धायके। वियायविरा

ন্রুম্মান্ধার্থক্রিমা ক্লীকার্ম ম্বিমান্ধার্মান্ধার্মান্

यर्त्यायदे।यार्थायञ्चुराय। त्वात्राञ्चरायर्थेयाय्वा भ्राह्मस्यात्रीः श्रृंदाय। साम्यानुसायर्थेसाय्वा

वर्षावर्षे केर्

९:७२। मुखःसर्केषाःवर्तेषःयःवृग्यःद्वयःयःदे। ।

यर्द्दःयन्यन्त्रं अर्नेदः श्रुयं यः द्वेषा ददः स्वा

য়ৢঀয়৻ঀৢয়ৠৼ৾৻য়৾ঀৢঀৼয়৾৾য়য়য়৻য়৻য়৻ঀৢয়৻য়৾ৼ৻য়৻ ড়ৢঀ৻য়ৼয়৻য়য়৻ড়য়৻য়ড়য়৻য়ড়য়৻য়৻য়৻ঀৢয়৻য়৾ৼয়৻৻ য়

ই. ওরিজ, অর্মুই. ল. প্রস. পারন্ত, প্রবস্থা, এথিছা প্রতিপ্রস্থান্থ, সমান্ত্রীয়, বিশ্ব নার্থিপ, প্রতিপ্রাপ্তিপ।। প্রসংশ্লীপ, এই, ক্রমে, প্রসাধ্য প্রসংগ্রহণ প্রস্থা, প্

यदाः वतः भेत्। । गुवः यः धरः यभः भूवः यदेः ध्वः यदाः वतः भेतः भेषः वेषः देवः देवः वयमः हे । सूरः सदसः

प्रवागुन्द्रका मित्र्रान्त्रका स्वाप्त्र क्षात्र स्वाप्त्र क्षात्र स्वाप्त्र क्षात्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र

म्याः हित्रेषा । विर्वेरः यद्याः गुवः यः ह्याः हित्यः यरः चल्याया । विर्वेरः यदे अद्ययः सम्याः गुवः ग्रीयः स्याः हित्येषा । विर्वेरः यद्याः गुवः यदे विर्वे ষংঝ'ক্রুঝ'নউঁম'ঞ্ব'নেব্ঝ'নের্গ্বাঝ'নম'লুম। वर्ने केन् इ नवे न्नु यान्या प्येत्र । । न्यया स्व न्नु स अन्या मुका पर्डे स ख्व त्र का विका भू ୩ୖୖୣଈ୕ଊ୕୷୵ୡୖୣ୳୶ୖଈ୕୷ୠୣ୶ୄୠ୕ୡୄୖୣୣ୷୷୷

र्केशग्राव रूटायविव गर्ने ५ स्रदे पो मेशायदी ।

अर्ळवः नयेः वस्रकः उनः र्धेन्कः शुः <u>ई</u>मिकः यदेः

व्यव्यवस्तुः प्रवश्यक्षां स्रामी यत्वव्यक्षीः विवशः ह्रीराम्स

यास्त्रीम् । । वेश्वायर्हेन् वेदार्नेवायस्य। यनै क्षेत्रावस्यानस्य ने किन

वित्रपत्वामा । भ्रे किंगाम र सें त्र भ्रे केंग दि सें त्र क्षेत्र। । याञ्चयाश्रञ्जूः याक्षेत्राः याद्याद्याः प्रदायः

यनेश्वानेत्रप्रायदे द्वयायम् । ईिं हे दह्रेव द्वर हिंद या मुर्शेय या दिवस् । मुयाया देग्रासः सः यार्दे दः वसः सुवः युदाः हो। । याववः सूदः ૡૢઽ[ૢ]ઌૣઌ૽ૺૹૢૼઌ<u>ૻ</u>૽ૹ૾ૢ૽૱ઌ૽૽ૢૼ૽ૺઽૢૼ૱ૹૢૼઽૢૢૢૢૢૢૢ૽૾ૺ૱ૢૡૢઽ૾ૣઌ૽ૼઌ૽૾ इस्रायमायत्वायदेग्वर्षे गुन् क्ष्या । स्ट्रिं म्बद्धाः अर्क्षमः विद्वारा याचित्रः याच्या याच्या विद्वार

अ.ल. अट. य. शवर. लश. क्र्री विश्व श्री.

त्यर् र्के वार्चेश्वाया श्री सदय षदा । । ग्रादा वर्ष

<u>ব্যথ ন্থ্ৰ স্থ্ৰ মহি প্ৰুশ্ব মঠিল ঠিকা শ্ৰী শ্লু।</u> য়ৼয়৾৾৾য়ৢয়৾৾৽য়ৢয়৾৽ৼৼ৾ৼ৾য়ঢ়য়৾৽য়ড়য়য়ৢয়৾ঀ৸৾ त्रु'य'र्केश'ग्रे'श्रु'य'गर्शेय'य'यरेपश्री । ह्रय'र्हेग' क्रेन्ट्रियः बेर्च्या श्री स्था हिंद्यः स्था । क्रियः स्थ

<u> दे:देद:इय:यर:ङ्कॅ्द:य:बार्झेय:य:यदेवद्या ।गुद:</u>

য়৾য়য়৻৴য়ঽ৻য়য়৻ড়য়৻৴য়ঽ৻য়ৄ৻য়৸

<u>୕ଌୢୠ</u>୵୕୕୷ଵୖ୲ୣ୕୕୷୕୵୷ୖଽ୲ୖୢୄ୕ୣଽ୴ୡୄ୵୷୷୷୲

हिंद्रायाम्बंयायायदेयम्। दिंद्राद्रमाश्चित्राम्ब्रमा मर्देद्रावसाम्द्रावरादेयम्। विद्याद्वदेश्वदार्देरा श्चेद्रामस्रमागुद्राहरूष्ट्रम् । दिंद्रासेद्रासाधेद्राह्मा हायदायदेशमह्द्र। । श्चिद्रायसासुद्रम् सुदाहिंद्राया ব্রুম'শ্ব**র**প'দেইর'ভা

यक्षेत्र'य'रदेयम। |यहत्र'य्यं'गुत्र'शेःस्ट

र्म्स्याच। देवसङ्गाचसाची क्रेसासुराचित्राचा । वर्म्स्याच। देवसङ्गाचसाची क्रेसासुराचित्राचा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स

यनगश्रा>कंदायाद्या श्रीयनगश्राती त्रासार्ट्रे हे तहेंत्राया

ଌୖ୶ୖ୕ଘ୕୕୷ୖଈ୕ୣ୕୶୶୕୷ୠ୕ୢ୶ୠ୷ୠୄ୕୷ୠ୕୷ୠ୕୷ ୠ୵ୠ୕ୢୢ୷ୠ୕୷ୠ୵୷ୠ୕୷ୠ୷ୠୣ୷ୠ୷ୠ୕୵ ୠ୵ୠ୕ୢ୷ୠ୕୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷ୠ୷

८८.८मी.५८५५.पद्धाः प्रमासम्बद्धाः प्रत्ये प्रमासम्बद्धाः । सम्बद्धाः प्रदेशः प्रस्थः । सम्बद्धाः प्रमासम्बद्धाः । ର୍ଦ୍ଧି, ବୟ, କ୍ରିଘା, ମ, ମ୍ପ, ଅଧି, ଅପ୍ର, ଅପ୍ତିୟ, ମ, ଅଟ, । য়ড়য়য়য়য়ড়য়য়ড়য়য়ড়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য় के.य.के.यम्भेशत.र्यरः। श्र्राश्चर.वर.तपुःर्क्शत. মাধ্বম স্থ্ৰমাধ্য শ্ৰী: ব্য় স্ক্ৰিমা: ব্য বেমাঝা না নাগ্ৰীধা य: ५८। ५ में व अर्क्रवा वा शुअ: यः वार्वे ५ : यः वा श्री शः

य'र्रा र्यायदे'र्केशञ्चरश्य'र्रा दयग्रा

र्ॱर्वेदॱर्येद्रश्यायायर्रेर्ज्ञण्यात्रा वेश्वरादरा

गिर्ने सुगागी न्यर मीश्रास्य न्य स्यान्य स्थित ग्री

यदे'न्गे'तन्त्र'याञ्चरयायह्यायान्या यान्य

য়'য়'য়'য়ৢয়'য়'য়য়ৢয়'য়'ৢঢ়ৼ'|য়ঢ়য়ৢয়৾ঢ়ৼ

क्टबाया अर्क्टबायम हैंदि या इसबाया या साबा य पश्चिम य य श्रेंग्म सर्देर द सर्वे रेस दर वरःसदेःगेग्राश्चाशुरुः उदा वर्षेरः यः ५८: ८४: ब्रॅट्सी क्रूर क्रूर या हेबाया द्राह्म प्राये केंग्र ౘ[੶]য়ౙఄয়[੶]য়৽ঀ৾৽ঀয়য়ড়ড়ঢ়৽য়ৢ৽য়৽ৼৄ৾৽*ঢ়ৼ৾*য়৽ य क्रेव में या क्रेंग्राय य धुंग्राय पञ्ज व पत्याय ঘর্ব:শ্বহন্ধ:শ্রুম:১৮। গ্রহ:শ্রুম:শ্রুম:১৮৫:

वस्रशं उर् 'र्रा र्गे' यर्तु यर्द्व 'यः इस्र शं ग्री'

য়য়ৄড়য়য়য়ঀঀয়য়ঀৼৢড়ৼয়ৢয়ড়য়ৼয়ড়৸য় र्श्री ।श्राचरातीक्ष्यायाम्बर्गायावी स्निमास्याम्यास्यासमा ब्रे'न्टा । श्चु'य'बेय'य' सुत्यर'न्टा क्वे'यय'र्श्वेग' ଅଧି ।ହୁଶ୍ୟ ସମ୍ପର୍ଶ ସମ୍ପର୍ଶ । ଅଧି । मु:दे:चंबेद:गवेगद्य:धद्या मुस्या । मु:यः दर्गेनायानया द्योत्या दिने ह्यें राक्षेत्र स्था दिने अ५ मा अद्या । श्रेम य उ पर से मु लेट । । ५ मे ।

शे'ब्रेन्द्री। नि'क्षर'सर्वय'विद्यम्बर्गस्य प्राप्त सः यने'य'य'रेष्'यर'ष्वस्य स्यर'यश्चर'य्यासः सर्वय'स्यायस्य स्थार्थस्य स्याप्त स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य ৲ৢৄৄ৵ ৲ৢৄৢ৵

लुषा जिश्चाम्भात्मराश्चित्। । प्रतामी । स्ट्राश्चापर्येजा । पर्याप्रमाश्चापात्राची । प्रयामी स्ट्राश्चापर्येजाश्चापर्याची । प्रयामी

र्झ्यायायेग्रयायायेत्। । विदाग्रीः र्झ्यायायेग्रयाया त। । ध्ययाउदादीत्। विदाग्रीः र्झ्यायायेग्रया

उर् त्रुट परे पुंजे द्रा । श्रुव पश्या गुर

क्ष्यार्ज्ञ। चिटःक्ष्यःश्रेष्ठः रश्चः म्बिम्शः दयदः श्लेषः द्वाः वर्ष्ठः प्राः । चिटःक्ष्यः श्लेषः द्वादः श्लेषः द्वादः श्लेषः चिटः श्लेषः । चित्रः । । । वर्षाः । । । । । वर्षः चित्रः श्लेषः । । वर्षः । यास्त्रमात्रक्तात्म्। क्षालार्स्रास्त्रःवीत्याक्षाः इत्रास्त्रः ৾৾*ড়*ॱয়৾ড়ৢয়য়ড়ৢয়ড়ৢড়ৢয়ড়ৢয়ড়ৢয়ঢ়ৢয়

यव यत्त्व प्तरा के देशहै के या ची हा ता का की का प्तान

*ई*ॱइॱ२ॱइॱ२ॱॺॱॺॾॣॱॺॱॷॱऒॗॱॸॖ॓ॱड़ॗॕॱॺॸॱॷॱॸॗ

ૡ૽ૺૡૺ. છું. જા. ૪. ૪. ટાલુચ. તો^{બ્રુ}ટજા. તટું. ૨૫ વે. જ્વાંતા ફ્રિજાજા. દ્યો. છુંજા. ક્ષેટ..

ষমশ্বের, বিমান্তর, দ্বীব, কর্ব, শ্বীর, শ্রম, শ্রম, শ্রম, শ্রম, শ্রম, শর্ম, লম,

५वायमः त्र्युमर्मे । ५ वशक्षं वः ययः विषयः व विषयः विषयः विषयः

য়৾য়য়৻ঽঽ৾৻য়য়য়৻ঽঽ৾৻য়ৣ৾৽য়ৣ৾ঽ৻৸৻ড়ৢ৾৻৸৻ঢ়ৢয়য়৻য়ৣ৾৽

यः र्रेयः तुः ध्रीतः यदेः क्रॅबः इसबः स्टिंग्बः

ঘম: শ্রুম: উল । র্রির: র্র্যামরা: র্র্যা ব্রিমরা:

युक्तयायात्रश्चात्रुद्धयायात्राक्षयायाः इत्। चुद्दात्तेत्राचित्रश्चात्राञ्चात्राद्धयायाः द्वोश्चायते रुद्धयाचित्रश्चात्राञ्चात्राद्धयायाः दक्षयायात्रश्चात्राच्चात्रश्चेत्रायाः दक्षयायाः युक्तर्वेत्रा विश्वश्चायाः स्वर्थायमः

ब्रिंयः यदः यदे । विश्वास्य म्या स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत

ग्रीःक्ष्याविष्रमाञ्जीवःश्रेर्देता विष्याविष्यमाञ्चरा

यर द्या द्रा हिंद्य सेयस सेट्र यदे रहेता

विस्रवाग्रीका विस्ताविस्रवायार्ज्याधिवार्ह्णका

विव विवादात्विक के हैं शहर हैं विवादी रहें।

पबदार्थे हुँ दार्थे दक्ष सुः हैं ग्रा हु दारे दिया

र्द्धवासिम्बार्क्केट्टायादी सेना स्वारहा

यक्ष्याची प्राप्त विश्व क्षा विष्ट क्ष्य क्षेत्र क्ष्य विश्व क्षय क्ष्य विश्व क्ष्य विश्व क्ष्य विश्व क्ष्य विश्व क्ष्य विश्व क्ष्य क्ष्य

वश्चा इत्र अध्या क्रिक्ष त्र विष्या में क्ष्या या या उत्तर या विष्या वा स्थान

বর্দ্সম'মই'মৎম'ক্রুম'মউম'<u>ফ্</u>র'বে**র**'রয়মম'

यकी क्रिंश'८८'च्च८'क्र्य'ब्रेयब'८पर'पी ।

५८५:यावश्वःवर्रेवःक।

र्धुम्बामञ्जूदे दिह्या हेव व। । 5ुबामञ्जू

मनेमश्रायाश्रीः धीरामीः गुत्र । । यदमाः मीश्रायाः . अ.स. ५.५ मा. च.स. १.५ म. १.५ म. १.५ म. १.५ म. यसः र्ह्मेयसः ५वाः वीस्रा । क्रुयः यः वससः उ५ः धे५ः ग्रीकासर्दिव सुसार्। विदामी स्यास्नेद खुका रवा <u> चर्तर स.लुझा । भ</u>ील.च.र्याय.ल.रच.धि.सेच. वर्ळवार्वे। ।ह्वाम्डिमान्हेरावाह्वान्हेरान्ना ক্রিমার্মমা বিদেশাক্রমার্কার্মার্কার্ यत्वम्रायाप्य । दे स्मर केंश्चा ग्री प्री द्वी दश्च स्था য়৻ঀৢয়৻য়ৼ৸৾৾ঀয়য়য়৻ঽ৾৾ৼ৻য়ৢ৻য়৻য়৻ৼ৾ঀয়৾য়৻য়৻ৼ

इसम्। । ५५८ स्थानी स्वरंभन स्थान स्थान ขึ้งไ โข็งเฉเนี่ง.ขึ้งเต้งเวงไรนายรู้ป उँदा। । पदे प्रस्मानेग्रायावस्राउदाप्ताः

मैश्रपङ्गित्। । भेर्फिमात्यायासेटायात्यायात्रा।

श्रेयः श्रुवः इस्रश्चः ८८ः ध्रुवाः यदेः वार्वाशः सर्क्रेवाः

षेश। क्वियायादेःदगायादीः अर्केदायमायाः। । वा

प्रबदःर्भायःस्थ्रश्चर्राद्रिःभर्केषःर्दः। । ध्रिःभदेः *स्*रायाचे स्वायक्रयाया द्वा विर्मेदाया

यर तयम्बाद्यः यदे अर्क्षेम् ग्रा्वः श्री । क्रुव्यः यः दे : दम्

५८५:यावश्वःवर्देवःक।

यःषरः अर्केन् यरः यग्ती । अर्केन् यः मनः **इ**स**रा**ञ्चः येर्-मु:के'य। ।रे-५म'मुय-य-१यम् उर्-पायर

র্মুখা বিষ্ণ বিশ্ব নি শূর্তি বিশ্ব নি শূর্তি ক্রিল ক্রান্ত্রী মুপা ।শ্রীক.ব.র্রাব.ক.ন্টিম.বঞ্ছক.পঞ্ছ্রই.লস.

<u> यश्ची । १२५५: क्याबाले इन्याकी स्वाप्तरामी बा</u>

वै। । भुष्ठान्दरमान्दरने प्रविव भेदा ग्रीका ग्राटा।

ৠল'ম'মব্দাদীঝ'মগ্রীঝ'ম'স্ট'মঞ্চীঝ'ম। |ব্র

<u> ব্যারমঝাড্র মের্যা শীঝার্ঝা র্মি মার্থি ব্যব্যার।</u>

ୱିଁ ୩ ଷ' ଘଞ୍ଜି: କୁ ଉ' ଘ' ग୍। ବ' ၎ ଦ' ଷଦଷ' କୁ ଷ' ୬ ଷ୍ୟା ।

रदः मुयः इस्र अप्तरः श्चें यः ददः से श्चें यः ददः। । वर्चे ः

य'ग्**व**'ग्री'यर्केंद्'व्यक्ष'ग्रद'य'थद'। ।दे'द्ग'

र्धुण्**रायहुदे**:दहिणाहेवःर्ड्सेवःसान्ग । । १०५००० र्धुण्यायहुदेःदहिणाहेवःर्ड्सेवःसान्ग । । १०५०००

ৼ৾য়৻য়ৼ৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়৻ড়য়য়৻য়ৼৢয়৻ৢৠয়৾ঀ য়৾৻৴৻ঽয়৻য়ঽয়ৢয়৻য়য়য়ড়ৼৢ৻৻৸ৢঀয়৾য়ৼ৻য়৾৻ য়ৣ৻ড়৻য়৾ঀৢ৻য়৻য়ৠৢ৾য়৻য়ৼ৻য়ৠৢ৻য়৻ৢঀ৻য়য়৾য়৻

क्रेंब म्यूट प्रवेट रे र्या था । दिशें प्रागुव थ स्वर

बिर यरे यरे धुरा विश्वयाय बिर वी ह्या ह्रेर

प्रविधायात्र त्रा । प्रतिषा भी या विषा से र प्रता ह्यू र

यर्थेय प्रत्य । विष्यात्रक्ताय प्रत्यक्षेत् स्त्रेत् । विष्यात्रक्ताय प्रत्यक्षेत् स्त्रेत् ।

मर्केष्यः यः धी | | द्रमे : यः दुदः बदः यदमः मीकाः डेः

न्द्र-पानुबारदर्नेन्। विकास सम्बद्धाः

अष्ठित्रयः ५८। । गुत्रः हुः च बदः चॅं 'दे 'धदः दे 'प्वित्रः हो । । दे 'द्रमः ग्रातः में :हे अः अः प्रद्रमः कॅपः सेदः ।।

हे। |दे:दग:गुद्र:श्चे:हेश:शु:यदग:श्चेंय:छेद:॥ दगे:य:यदे:दग:वअक्ष:छद:रय:हु:यर्झें |दुक्ष:

ন্ধ্যান্ধ্রামান্ত্র্বান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্ বিশ্বসাধ্যমান্ত্র্বান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত্র্বাধ্যমান্ত

নহ ন শ্ব 'ব অজ্যা প্ত নহু শ্ব স বুকা মহল'লী'বলী'মই'স্ক'ম'বেই'লোর'লোম'ল । ইংইলিটিম'ম লগেলেই'লেম'লেলী

ম্ব্রান্তর্গর্ম মেল দ্বেল ক্র্রান্তর্গরাক্র বিষ্ণান্তর্গরাক্র বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্র বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর্গরাক্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত ব

^{चॅंकेर} ब्लें क्लें र्वें रचते क्लें रही **सुका न्टरने प्रतित सें रका क्लें** न

है। विश्वश्वास्त्री श्रिम्मान्यः विष्ट्राच्यः विष्ट्राच्

श्रेयश्चरगुर्वाचीर्देवःश्चित्राधित्र। सिंदश्यायायेदा

୰୵୵ୡ୕ୣ୰ୢୖଈ୵୴୵ୄ୕ୠ୕୩ୣ୲ଌ୕ୢ୕୩ୡ୲ଘଞ୍ଜମ୕ୡୣ୷ୡ୲ ୰୵୵ୡ୕ୣ୰ୢୢୠ୵୴୵୕ୠ୕୶ୣ୲ଌ୕ୢ୶୷ୠ୵ୠ୵ୠ୷ୡ୷ ୰୵୵ୡ୕ୣ୰ୢୢୠ୵୴୵ୖୠ୕୶ୣ୲ଌ୕ୢ୶୴୷ୡୢ୵ୠ୷ୠ୶୴ द्यतः क्रेवः व्यक्षः यद्याः यः दर्गेद्रशः शुः वर्शेयाः क्रेवः वें: इस्रशः यद्याः यः दर्गेद्रशः शुः वर्शेयाः

यर्ग भेर वर्ष केश यशुः यः तुंश वर्ष क्या यञ्चर

हे.क्षेत्रःक्रूच.क्षेत्रःचट्टा । यहःक्ष्यःक्षेत्रक्षःह्यः वर्षकःक्ष्यःक्षेत्रःक्षेत्रःचट्टा । यहःक्ष्यःक्षेत्रकाट्टाष्ट्रः

ଯୁଦ୍ଧୟ'ରି'ସଞ୍ଜିଟ'य'5८'। |ପ୍ରମଞ୍ଜସ'ଈଧୟ'5यରି' ସ୍ଥୟ'ୟ'ୟ। ।ଚି'5୩'ବିୟ'ସଜିୟ'୩&ଷ'ୟ'ଌୁଽ।।

पश्चप्यायाया ।देःदगःदेशःपत्नेषःगवश्याःस्ट्रम्। देःपत्नेषःवर्गेःयःषवःदेवःद्। ।ग्रुमःस्ट्रपःश्चेशशः

वे प्रश्चेत्रवर्षः विद्रा । दि प्रविव रुवे प्रश्चित्रयः

य। रिस्रायायवित्रः तृत्वस्यायम् निरात्रायायः । विश्वायतः ।

त्रे। अर्भुव्यक्षेत्रपद्धव्यव्यव्यक्ष्येत्रयाः व्यक्ष्यं । विद्याः व्यक्ष्यं । विद्याः विद्या

দ্রীম। । বেছমান্মথান্ত্রীশ্বারী শ্লুর অমাশ্লুন মেম

दे.ग्रेट.श्रदशः मुश्चः रेष्यशः शुश्चेश । ।श्रदशः मुश्चः रे श्रशः श्राप्यद्याः नेदः तश्चुर । ।दः वेः प्यद्याः ग्रीशः वेः वशः श्राप्यद्याः मुश्चः रेष्यश्चेशः ।श्रदशः स्थाः श्रा अः हैं 'षः हैं 'गृःवै। अवः हः वृः गः हृःवै। अवः हः षः यः है 'रु: हः प्रहे: इक्कः हृः यः वैः वै। अं ष्णः अः अः अः अहः

ष्ण, यु:य:य:यु**अ**:ह्रॅग्न्य:यम:पश्ची । विश्व:५२१ क्षें.य.

र्हे.ल.वर्षे। तंही.च.ब.चु.क.र.क.र.श्र.र.श्र.र.श्र.र.

वै.च.टे.र्या वर्षे व्याप्त कार्या राज्य वाया

ङ्काङ्का इ.स.इ.स. वाचान्यासः स्टास्ट

हे र्ह् तार्ह् तात्र स्यात्र स्यात्र राष्ट्र राष्ट्

केंश्वर्द्धित्राद्वयाद्वर्षाः सुवर्श्वराष्ट्रवर्षाः वद्याः ।

गुरु' पबर' रेग्राब' स्' श्रुपब' ग्रुब' वसब' उर्'

गुवा । वर्देरम् विवास यद्या व्याद्या विद्रा

यत्ग्र**ाम्यायाया ।** । गर्ने र त्र्या सुद सुद हैं है र क्षेटार्चेदे:वार्टा ।८गेवि:अर्केवा:वाश्वय:८८:७: न्यायायतः वर्षे देः र्स्वेषा श्री । स्थितः श्री मास्या । स्थितः स्थितः स्था । स्थितः स्थितः स्था । उत्रामित्रः यद्याः सुस्रा । यात्रश्रायदेरः र्त्तेत्रः या यर्गार्श्वेग्रायुव्यक्तिमात्रीयम्। । व्याप्तम्यः र्दः अयाषाञ्चै। * र्रेवार्सेन्व्यक्ष्र्राणेन् अर्क्चेन'रद्दे'स्य'यश्च। |दर्ने'गुद्दःश्चेंद'व्य'र्धेद हतः ह्रें म्रायः प्रेम् । क्षें स्रदः हः वृः मा हः क्षृः ह्रेः हेः गान्स्ययायाचीतुं। केंत्रुं कैंत्रुं क्ष्य गास्य विदें इ वःषेःबुःदृ। अदःश्रेदःह्यःद्यःबद्यःकुषःवेदः বিষশ্বের্মা ।শূর ঘৰ্মার্ক্রমের্ক্রির শ্ব্রম বট্ৰেন্সন্ম বিষ্ণামনিদ্ৰমন্ত্ৰৰে শ্ৰুৰাৰ্ভুৰ ঘটি दर्गे प्रापुत्र। । पर्केन त्रस्य प्ये मेश र्से म्या सेन हेंग्रायर वेंग । यह अर्क्षु यू दे स्ट्रेड्र ये अर्थे

यो.योङ्के.वु.म्.२.५ चं.सं.सं.मं.चं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.मं.सं.

এখা 지혜도적'되

दर्शे '८८'। ।८४'उव कु अर्द्धेते र्द्धेग्राय स्तुरा

ष्ट्रम् परक्षा हिं हेते महुद्द दर्कें व इत्य दर्हे र

स्रु'र् श्रु'र् हि'स्रासायो हुँ स्रु द्री ► वर्तर स्रह्मवार्कें सास्रह्में

यतुष्या मुष्याय स्यमें प्राचित्र विद्यालया सेत्र केत्र स्राक्रुत्य धित्

दॅर:अर्केंद्र:यदे:श्रुवा । यदेंद्र:द्युवे:यर्चें र:र्केंग्रह्य:

नर्देशःश्वानः र्द्धेयानः न्दा। । त्रुः सेनः केंश्राशाः विषेत्रः

ব্রু'ম'মর্ক্রিশ্'শৃষ্ট্র্ম'র্ড্ড'ব্রম'মা্বর'

तुषायरीयाम्बराशुयाधेम । अर्केमान्दाशुवार्थेदा

র্কুমারাইপরা.মূী বিমান্যবেরিনা.ঔপরা.ক্রমারা.

न्यम्'सेन्'न्रस्य या न्यम्'षश्वस्यस्य मुन गुरु तर्दे खुयायम्। । दर्गे गुन द्रमाद्रमा बेटा यार्श्वेदायमार्थेष । दिषाः स्रेवायदे स्रेवासेवासेवा मलयः धर्मायदः। । श्रुः र्क्षेम् श्रः सर्केदः यदः श्रुवः श्रुः न्नु ने उन्। नियायायदान द्या प्रमान के मुख य:षेश । तर्ने गुर्व र्येट्स श्रुदे लेट यः श्रुट पर र्वेष विंद्राम्बयाञ्चरम्बराषे नेबर्भमा

यदः च्राच्याः स्थाः स

ন্মুম'শ্ৰ্ম'এই্ৰ'ক্ৰ| क्रिंगमञ्चर पर्देशकी क्रिंगिर्दे प्राये प्रीटिस सुर से स्

यर मुद रुप वशा । यर्षे र यद्श ग्वा मुं में में यदः यर्षे वः द्रां यर्केष । ग्वा व व व दः देव व व्यः वे वि

त्रु'सर'वड्या । १६५र'म्नेम्य'वर्ग'व्य

नवीं दश्यः भेदः चलुवाश्चः श्वः वार्शेवः । विवः नवः

त्वरःवदे:५व्वेरशःशुःश्रुवःह्र्यश्रःहे। ।श्रु:५८:

अर्केन:श्रेव:श्रु:अर्केश:अर्केन। श्रिम:शेन:त्य:वय:

अर्क्केंदे:र्क्केंग्रबाया:स्रुगा:दर्कवा:वी | प्रदेश:सु:दर्चेर:

षे[.]वेशवर्,वव्यवासेन्यवे.की ।यःश्रात्रात्रा

म्हेश्य श्रें श्रें में प्रें स्थान श्रें स्थान श्रें स्थान श्रें स्थान श्रें स्थान श्रें स्थान श्रें स्थान श् या गुर्वा त्याची प्रस्ता स्थान प्रें स्थान श्रें स्थान स

શેર વાલી ક્રિંયાની વર્ષેત્ર તેંન્સન મુદ્દ વર્ફ્સેટન્

र्रेट'वर्वेर'य'व। । शुक्ष'दग'षेट्र'ग्री'ग्री'दगे'र्डे'

বল্লীৰামা বিশ্ববিদেশ্বেমান্তমৰাক্তনাৰাৰমৰা

उर.भव्रुज.ज्.चनवात्रा ह्रियात्र.सट्य.सीत्र.

अर्गेव नुरक्ता **रोधश्रा नियम् ।**

ପ୍ରିଁଶା ।ଦମ୍ପିଁ ଅଦିଂଶ୍ରିଶ୍ୱ ଅଟ୍ୟୁଷ୍ୟ 'ମ୍ୟ' ଅଷ୍ଟ'ୟ' गुरा । श्रेग परे सुर दग दश्य सर्पे ग्राम्य सुर त्। विर्वेरवाहीश्चित्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेरश्चर्यस्त्रवर्षिय। धॅवॱॸॖॺॱॸॺॊॱढ़ॕ**ॺ**ॱक़ॗॖॖॖॗॖॖॗॗॖॷॱॻढ़॓ॱॸॖड़ॱख़ॖॖॖॖॖॖॻॱऒक़ॕॺ*ऻ*ॾॢॊॗॱ न्त्र्'गुव'ग्रैब'र्वेच'यर'तु'यदे'स्वैर। ।वर्बेन' ব্যঝ্রেদের জিন্ধার্যমূদ্যীর দ্বা বির্লু गुर्व वर परे वया दुष्टी व पर में ना है। हैं नह बर्बा देव केव द्या यदे बेसबा केट द्रा हिंग

यते:ट्रे:अ:र्याय्याप्यः अध्यायते:क्रॅंश् | यह्यःल्या्सः यवरःविते:क्रॅंग्रस्यः भ्रुयसः अक्रे:विरः | ।श्रेट्:ट्रः

यन्याः वे : वर्शे : गुवः के र : वर्कें वे : ध्वेर। । अर्थेवः इस्रमायनद्रमासुन्नन्गान्तेनायत्रयायम्माग्रीमा।

१८८ वर्ष

এই অবৈ:গ্রুম্বরাই অ:অব্রিঅ:এম:অর্থ সূর্যার্থ ।। ่ อูมสาน่ณ ดุณ อละ รูสาดรุ้ม ๆ ลิทุสาสุสา

गुरः। । त्यायः त्युयः तृश्रश्रः क्याश्रः श्रश्रः उ

पश्चरर्नुम्बर्ग्या भेगम्बुःवन्गब्या क्रिंत्स्यादर्वेरः

र्यर:ब्रिंग:ले.चेश्रासवर:ब्रिव:वश्रा ।वर्गे:वा:वव:

सर्दर्ध्यायः हेश्यः द्वारः वश्चिरः । । श्चिरः यः

শৠয়য়৾ৢয়ড়৾য়ড়ৢয়য়ৢয়য়ড়য়য়৻য়৸ৠয়৾য়ড়৾ঢ়

यर्वाखर्वेदशःशुःवश्चिषा ।यरे:यरःवशिवशः

पश्चितायायायायाद्याहै। विश्वीताश्चेदायहे विंत्वया ग्रेग्'हु'वर्ळवा ।वर्ने'य'गुरु'अष्ठिर'र्बेर' न्यरःत्रुषञ्जिय। । अर्षेत्रःसंखे वेशङ्कीयःयः श्रेः มรณสลิ । โล๊ร ขิงเอรก ที่ นุก เฉลา यः अष्ठित्। । तसमाश्रायतेः श्रुवः श्रूरः यद्गाः नीशः

गुर-५र्गेदस-सुमिर्स्य। । यनम-ते मुख-सेन-सर्वे देश वेंदश ह्यें ५ ५ ५ १ वर्ने ५ ५ ६ १ वर्ने ५ ५ ६ १ वर्ने ५ ५ ६ १ वर्ने ५ वर्ने

वकर:द्रथ:क्रेंग:उव। ।गुव:व्रश:य:द्र्य:य:द्र्यशः

यदे व्याय कुष्में प्रक्षें प्रमा विषाय के मार्च प्रमास विष् गुप्तःपरिः र्क्षेण्याकेवः ये । । वृः प्रः वृः सेवः स्र्यायः ^{১৪২-শৃৰ্ষা-ক্}ৰ্মন্ত্ৰী অধীক ৰিছিন নুমানভ্ৰমান্

यश्चित्रायम्बा । निरः वश्चायन् मानिः निरः मानवः यः श्चित्रायम्बा । निरः वश्चायन् मानिः विराम्

श्रू दश्य वश्रा । ग्राविद देव श्रुव या या देव स्ति

श्रेशश्राचलगान्त्री वितादर्वे रार्श्वे प्राकेतार्वे

यन्ग मेश्राय इस्रा शिवाह यव संस् त्राव सेन

यासी विद्यस्त्र मर्क्ष्या मुख्य में स्राह्म स्राह्म

ୣ୷ୢୢୡୗୣ୵୕ୠ୲ୣ୲ୣୖଽ୕୶୕ୣ୵୷୕୵ଽୖୣ୶ୄ୕୵୲ୢ୕ୡ୕୷୕ୢୠ୕୵ୄୡ୕୷ ଽୗ୶୶୲ୢ୲ୖୣଽ୵୶ଽ୲ୄୡ୕୰୕୷ୖୠଽୖୄୡ୕୷୕ୠ୵ୄୡ୕୷

क्रि.वशा विभासः क्षेट्र.ये.च्ये.ची.जीशः चिध्यशः यमः प्रकृषि । ब्रिंचा.क्ष्येश्वः वश्वश्वः स्ट्राच्यः अभवा । विष्यं वश्वः श्वर्यः व्यव्यः स्वर्यः स्वर्यः ৼ৾৽ড়৴৽য়ৄ৾৾৾৾ঌ৽য়ৣ৽য়ৢ৽য়৽য়৽য়৽য়৽ঢ়ৼ৽৸৸৾৾ৼয়৽

ૡ૿૽૱ૠૢૡૡૡ૽ૼૼ૾૱ૢ૱ૹ૽ૼૡ૽૽ૹ૽ૼ૱ૹ૽ૼ૱૱૱૱૽ૢ૱ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹ૽૽

ष्ट्री'क्ट'म**ा**र्क्स्य'यां अर्केम्'मी'न्य'र्क्क्म'न्ट'। । भ्र्रिय'

यः अद्यदः षञ्चः अर्क्षः पञ्चरः पः सूर। । देरः द्रञः

<u>ব্রুম:শ্বর্ধ:এর্ব্</u>র:ক্রা

श्रुक्षः यात्रयः क्षेत्रः इयः द्वाः छेटः । विः त्विकः यः तर्छ्यः

क्र्य.क्रेट.ट्रेंच.चश्च्रैत्रया.ध्रे। क्र्यःश्चें.लट्यात.क्रुच. जीत प्रात्तेच त्यश्चेत्रया.ध्रे । इत्यत्वेच यात्रय न्ड-रणव्**र**ाव्हेंव का

র্মির'মানর'বৃত্তীবশ্বাস্থা |গ্রাস্থানস্থান্য'র্মানর'বৃত্তী'ব্যা শ্রমানর'বৃত্তীবশ্বাস্থা |গ্রাস্থানস্থান্য'র

सर्कें व प्रति स्थित | विष्यां ग्री प्रति संस्था ग्रीता

य्याचा । स्टायक्षेत्रायक्षेत्राक्षेत्राक्षात्रायः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्याय व्यायाः । स्टायक्षेत्रायक्षेत्राक्षेत्राक्षात्रायः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्यायाः व्य

ळेंग'तृ। ।र्रःहे'र्श्चेय'पश्चेर'र्ह्यम्थ'र्देव'य'से' यदय'वेदा।।र्हे'हे'र्श्चेय'द्वेव'सर्केग'तृ'पगुर'य'

र्टा विवश्रार्ट्येश्रास्य स्टाया अर्कें वायते.

ब्रेम् हिं हे त्यास्ते ह्या ग्रम्य स्टा

यश्ची । प्रत्रमार्ययेषान्त्र, क्रेव. स्वामा ग्री. दम

८८। । पर्झेर वस्त्रामा भेषा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त व्रेन्'डेन्। पिंब्रान्ब्रुब्ख्वाय्यान्नरायां अर्द्धेवायते ष्ट्रीम। विर्वेमस्य:मेव:केव:<u>स्</u>य:गुर:मञ्जर:पम: নগ্ৰী । মাক্ৰশ্ৰমানহ্নামিশ্ৰমাগ্ৰীদ্ৰমান্ত্ৰীশাদ্ভা । খ্ৰি: ব্দাৰ্শনাম ক্ৰিমান্ত্ৰ ক্ৰমেন ক্ৰমান ক্ৰিমা दर्शे त्यः र्क्षन् सेनः स्त्रीतः हे सः कषा सः यः नृतः। । अर्थे तः न्ययः क्रें इंग्हेर स्टाया अर्क्कें इंग्हेरिया । विरादें हा

 শ্রদ্বেদ্রমান্ত্র। ।শ্রদ্রেশ্বেমান্ত্র্যার্থ্য ইন্ট্রার্থ্য । ব্যার্ক্তশান্ত্র। ।শ্রদ্রম্প্রান্ত্র্যার্থ্য হিন্তু ।

য়ৢ৴৻৴ৠৼয়ৣৼয়ৼ৸ৼড়ৼ৾য়৻য়য়৻য়ড়ৢঀ৻য়৾য় ৻য়য়৸৸য়য়ৢ৾৽য়ৼ৸ড়ৼড়৻ড়য়য়ৢঢ়৻য়য়ৼয়য়ৢ৸

सर्रमः वार्यायाः वार्यस्य स्थान्यस्य । सर्रमः वार्यायाः वार्यस्य स्थान्यस्य स्थान्।

ख्टार्चि:क्रु:सक्रेड्:१००० विकास क्रिक्टा स्टार्चि:क्रु:सक्रेड्:१००० विकास क्रिक्टा

नवर में सुयान्द र केंबर से दबा क्र से बाह्य दबा या

स्रवः त्यसः देवासः सः निस्ता । विदः वी ।

र्ग्रेट्य:ब्रॅंट्र:ब्रु:अर्क्ट:यवर:बर्य:प्राः । व्रि:र्र्य: वर्ग्रेट्य:ब्रॅंट्र:ब्रु:अर्क्ट:यवर:बर्य:प्राः ।वि.नः। न्यः इत्रायर्ने नः र्षेवः वयश्यकेवः स्। । वः सः यत्नः

क्रे.फं.ज.ब्र्याचार्यरा ।ऋ.य.लब.जबार्या ळ्या. इया स्वास्या । हिं हे यळ्या पश्चीय श्चीय श्चीय <u> श्रुणश्रामञ्जूयाद्या । भ्रेश्चाद्यायी श्रुराद्यात् स्</u> यर्दा विश्वयद्भात्रश्चर्यस्त्वःयः स्ट्राक्षे हि शुः सः सः प्राच्या प्राचित्र । । ग्राच्या स्वाचार्टे हे क्षेट घेंदे क्रिंय य गुवा | दिट वका य स्थका हे यर्वाक्षेत्रकाश्चरःयरःयश्ची ।वारःयःयहेवःवत्रः ब्रीत्याद्वरार्ब्वेदाबेदा । बियम्बर्ययम्याद्याद्वाः क्रिंशःग्व। ।दर्गेःचदेःर्देवःदुःचन्गःग्रेशःर्थेन्शःशुः यञ्जरः। ।श्चे<u>र</u>ॱवेर-शेॱग्वरुषःगुर-सुयःअर्केगः ন্থ্যক্ষজন্ত্র প্রাথ্য বিশ্বমান্ত্র্য নি ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র ক্রিমান্ট্র

म्बन्धः । मार्नेनः यमः भ्रेषः यम्भ्रेषः यमः स्वार्थः । । मार्चेनः यमः स्वीः यमः मेर्नेनः यमः स्वीः यमः स्वीः यम् यावनः मेन्द्रिनः यमः स्वीः यमः मेन्द्रिनः यम् स्वीः । यमः स्वीः यम् स्वीः यमः स्वीः स्वीः यमः स्वीः यमः स्वीः स्वीः यमः स्वीः यमः स्वीः यमः स्वीः यमः स्वीः स्वीः यमः स्वीः यसः स्वीः यमः स्वीः यमः स्वतः स्वत

व्यम्पर्यायाची र्हेंश सवतः धर्मा वेषा या सेत् र्येते

यसःक्रेवःर्। ।सःस्रादर्भेःगुवःनर्गःमेशः

य'८८। व्हिंग्रामानेश्रामहें व'य'स्वर'यश्रामु

अर्क्षे.पश्चित। रिग्ने.ज.श्चेर.पश्चेश.तय.त.शक्ये.

<u> न्वुरःगव्यायर्</u>देवःक। র্জুহর্মান্ত। । প্রমন্ধান্তর 'ন্ত্রহ'ন্তুন'মর্কুদ্য'ন্থ'

र्यायर्गेर्वस्थ । श्रुवःचबरळेबः हे ख्रुः सेर् स

र्वेतःर्नेग ।वरःषयःवुरःक्ष्तःक्षेरःर्वेरःवर्गः

<u> ल्</u>यासात्रसा । हि: श्रेन: त्रु: योन: पी: तस्य न्या यो स्थान
 प्रस्ता | क्रिंग्स्यकायाम्य प्रस्तान ।

र्त्वे : १४ व व्यव्याचित्र स्वात्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान

यक्कें प्रकेषा शुरुष्तु या त्या स्वाधार स

र्नेव:इस्रब:श्रुव:य:स्रावब:य:५८:। ।५८य:सर्वेव: न्नु या स्वाक्त्र अहे अन्ते प्रति । देदान अन्तर सुदा

क्षेदार्चेरासकेषाणीयम् । पार्डेसाय्व में हे गुव र्रं पबर में प्राप्त । वि प्राप्त में या वि प्राप्त में मार्थ

वर्देदावायदा

र्वेष क्षितः अर्क्षेषः यद्याः यः यदः अः द्युदः विदा। वित्रसर्वरम्ईवरम्बाधरायसासमा ଞ୍ଚି**ଟ୍ୟୁ । ଧଞ୍ଜିଟ୍**ୟୁଷ୍ୟାଶ୍ରୁସଂସଦ୍ଧ: ଦିଶ୍ୟ ग्यायिक्तर्भेरात्री । अर्क्षेगात्र स्वार्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स् র্ষ্রবাদমার্কুম বির্ক্তমাঞ্বাস্ত্রবাদ্রমার ৴৾৾য়ৢ৾৾৵৻৽৻য়ৄ৾৾য়৾৾৽ৠৢ৾৾য়৻য়য়৾য়৻য়৾য়৻য়৾য়৻য়৾য়৻য় *বিষ্ণু'বহ'ঽ*ই্ব'বহ'বই'বহ' קאָם־עוֹקבין

(ક્રુંવ:એન્:અર્વેિક:વેં:અર્દેક:શુઅ:

य'न्रा हिंहे'अकेन्'सुसम्बद्धान्यस्य

बिटा । ग्रायम: ५ साम देगा प्रमाग ५ स द्वारा ।

न्युरःग्वकाःवर्नेवःका

বিশ্বর্মরান্ত্রী । ক্রিঝার্যরান্তর্বার্মান্তর্বার্রিনান্তর্বিদ্ধির। । গ্রারান্তর্বার্ম্বর্বার্ম্বরার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্তর্বার্মান্

অশ্বর্দ্ধী। বিশ্বরশ্বশার্ম রাট্রশার্ম রাইর দুনর্ যুদ

বমর্কিশ । দ্রিশিশাবস্থির ক্রমান্সনির মহর মান্ত্র

য়ৢঀঢ়ঀ । पर्वाःगुवःयदेःग्वेषश्चः स्वः स्वः सर्वः सर्वेषः । अवः भ्रेव। । पर्वाःगुवःयदेः ग्वेष्वश्चः स्वः सर्वः सर्वेषः

অমার্নিশ । মীমমান্তর শূর শ্রী শ্রুমানশ্রুমানের শ

^{১৪২-শৃৰ্ষণ ব্}ৰ্যান্ত্ৰ স্থিতি নি ক্ৰিল্ডিল কৰিছে কৰ

र्चेय । प्रदेश, यो अस्त्र अप्रयास्त्र अवस्य स्था । चित्र । प्रदेश, यो अस्त्र अप्रयास्त्र अस्य स्था अस्य ।

उवः गुवा । श्वरः यश्वस्यः श्वेषः विवस्यः स्र्रह्मः यः

व। विद्यायार यहर स्वाद्याय महिस र्वे व

क्रॅंशःश्चुःगुवःहःचबदःइदःइधेरःभेदःर्वेष । क्रेंः

ম্বশ্যন্ত্র দুবর্শ বরি শান্তর শ্রুম বর্মা। শ্লুবর

हुः तर्ने हुः नुष्ठात्र क्ष्यः त्राच्या । विष्ठाः स्वरः क्ष्यः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः

सर्देव विश्व हु त्युवा हूँ त्रश्र ह्या श्र द्रा

ग्रह्म प्रत्याचे रार्षेव क्रिक स्वर्म मुदान हा।

*৲য়ॱक़ॕॺॱॸऀॺॱक़॓ॺॱॻ*ॸॖॸॱॾऀढ़ॱक़ॸॱख़ॻॺॱॺॺऻ क्रिंश'८८:बर'बेट'श्रे'यहेग्रश क्रेंब'य'लेश । अ ব্যা্রমঝড্ব'অব্পিক্রিব'অম'র্কী য়ৄয়য়য়ৢয়ৼ৾য়য়ৢয়ৼয়য়৾য়য়য়ৢয়য়য় বিষ্যাহার षश्विर:तु:इयाद्युवानु:यर्द्धे:८८। বিশ্বস্থিত <u> ৫র্</u>ছী মী'বার্র'বেরম'বারি'শ্রীর'বর্ধী'বা**ষ**। [제**작**도 <u>ৠয়ৠৢ৾</u>৾৾৴ॱয়<u>ৢ</u>য়ॐ৻য়য়৻৻৻য়য়৻ঀ৾য় |শ্বৰ্ষা ावेंद्र

য়য়য়৻ঽ৴৻ঀৢ৾৾ঢ়৻ড়ৢ৾৾ঢ়৻য়৾৾ঌৢ৾য়৻৸৻৻ঀ৾ঀ৾৾ৢঢ়৻য়৾৾৾য়৻

ব্যাস্থান্দ্ৰেমৱন মন্ত্যা শ্ৰুম ঘটে বেৰ্শ্বী ঘা আ

८८.७.घषु.खु८.इश्चा.के.घ.८८. **|**र्इःर्क्षेर् यमु<u>५</u>'५८'ळईू.'य'र्श्रेगश्चरा शिवदः दर्शे.

इस्रश्नरःश्रुवायासन्सायरः वृत्त ।सद्दर्वेशः सर'र्दे**र्य**'गर्व'वुदे'कुर'सब्वेद'र्डर'। फिर

र्भियाः दहेंव अर र्यें अप्ये ने ब सुब सुव है। *৻*৻ৼ৾৾য়ৢ৻য়ৼ৻য়৾য়৻য়ৢয়৻ৼৢয়য়ৢয়৻ঢ়৾য়য়ৢয়৻ঢ়

শ্বামার্কুমা, প্রামার্নু শ্বামার্নু শ্বামার্

दर्शे 'र्सेदे' रेअ'य है 'यवेत 'र्यट 'र्येदे 'र्सेस्।

য়ৣঀয়৾য়য়য়য়৸য়ড়ৣয়য়য়ৣ৽ড়ৼ৾৻৸ৠ৸৻৸ৠ

য়ৢঀয়ৠৢঀয়য়৾য়৾য়৾৾৻য়৾৾৻ঽ৾৽ঢ়৽ড়৾ৼয়৻ঢ়ৠৢৼয়৻ঢ়ৢ৾৻

विगायके मदे तुंबा हो तृ शुरामदे कें। । त्यद में इत्यादर्चित्रायार्क्षेषासान्द्रयमा योन् ग्रीस। । यर्केन মই শ্বীৰ শ্বেম প্ৰীৰ মাম মানুৰ মাৰ্থীৰ বুৰা বুৰা देंग'सेव'सम्बद'र्श्वेद'ग्वक्ष'शु'स्वेद'यर'र्वेग <u> अ</u>द्रान्देश के अप्तान स्थान स्था वश्रक्षः धरः द्याः धरे दे : घलेवः यनियश्रा । गुवः हु:पबद:र्थे:गुद:ग्री:पदग:र्थे:सु ।हें:हे:पदे:प:

मद्रायाची । मानवा (Bପ: র্মমর: হব: শ্লীব: परि: মগ্র: রূব: র্বিল । বর:

*ॸ्*रॅंश्य्त्य इय्यायायट येंदि कर न्वय उटा

ॴय़ढ़ॱॿॎॖॻॱख़ॕढ़ॱॸढ़ॱॵॸॱॻॿ॓ढ़ॱॾॗ<u>ॏ</u>ढ़ॱख़ॕ॔ॺऻॾॱख़ॾऻऻ

केत्र संदेश अर्घेयः वृंष । मार्वेत्र तुः स्यायः स्रुः धेर केत्र संदेश अर्थेयः वृंष । मार्वेत्र तुः स्यायः स्रुः धेर

विदःयह्माहेष्र्या । मञ्जामाञ्चरः स्यायास्याप्तः विद्या

นราศ์ท ใพ้าคิสาสัสาฏิาลูาระารฏิรามิรา สิธานาศัพวงาธธาลายามามิธายติวธรณาสธา

उद्गा विष्यास्य केत्र चित्र स्वास्य प्रमा विषय । स्वास्य विषय । स्वास्य विषय । स्वास्य विषय । स्वास्य विषय । स

यव्ययः स्वाबायः क्रेवः स्वीबः स्वीवः यः स्वा । स्वः यव्ययः स्वाबायः क्रेवः स्वीवः स्वावः स्वीवः ॥ । स्वः

क्रेव रेंद्र मझय द्या यदे द्यीय युष्ट र्र्

देग हैं हे सेस्र द्यंदे दें व सर्वेद व मा । इया

केव हैं ग्राय परे खेव या अनुप्रका केव शीका

य्रा विट्या वित्राचित्र वित्र वित्र

क्रेवःस्त्रः र्देवः अर्धेदः र्वेष । ५ घटः चत्रेतेः श्लेवः यतेः देषाः यः ग्रुटः कुष्ठः श्लेशश्चा । ५ घटः चत्रेतेः श्लेवः यतेः

यम् ग्रीत् सुराम्डिमार्हेम् सायदे स्ट्रास्त्र स्वा ्वियरः म्रोक्त सुराम्हिमार्हेम् सायदे स्वा ्वियरः

म्यानिक्षित्यायमार्देश्या । अत्ति या स्थानिक्षा । अत्ति या स्थानिक्षा । अत्ति या स्थानिक्षा । अत्ति या स्थानिक । अत्ति या स्थानिक । अत्ति । अति । अ

द्वतः सर्देन स्थान्य स्थान्य । वित्र सर्वे स्थान्य स्थान्य स्थान्य । वित्र सर्वे स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य । वित्र स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य

यम्बर्तासवरः द्विव वश्री विवर्ध्य याचरः कुः सक्त्री वि

ङ्गेर्-पर्डेयःस्व ।क्रॅबर्-प्रीट्यःस्य स्वरं स्वरं स्वरं वित्यःस्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं

क्रें र.बीं र.त। क्रिंबी.चूं ए.बींच.बीं र.त्रा.जींच.बीं.

प्रस्थानम्बर्धनम् । प्राप्ते मिल्ली स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान

दर्मा । श्वान्यायाः सवरः स्त्रीतः स्त्रः स्त्रीतः । श्वान्यायाः स्वरः स्त्रीतः स्वरः स्त्रीतः स्वरः स्वरः स्व स्वरं त्राच्या स्वरं स्वरः स्वरं स्वरं

श्रीयः अः भीयः श्रीः भीयः । । यद्गः स्वायः ग्रीः नर्द्यः स्वयः नियदः स्वित्राः स्वयः स्वयः

इस्रान्यान्ययाः सेन् वर्डेसाः स्वादन्या । वनेः

लु.क्षेत्र.बीत्र.त। रित्तज.क्षेत्र.बीय.बीत्र.लास्

त्रश्री वित्रः त्रश्रास्त्र स्थान्त्रः स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्

অশ্ব:ম্ব: শ্বীব: শ্বী:ম: শ্বী:শ্বী: শ্বী: শ্বী:

ग्रे'रेगश्र'ग्रे'द्रिंश'श्चर'र्वेदा'यर'र्वेग ।रद'रेग'

<u>ব্রুম:শ্বর্ধ:এর্ব্</u>র:ক্রা

वुरः हुतः श्रेअशः ग्रीः ५ ग्रीव्यः वर्षे रः द्वा । विद्याः র্মান্সাম্বান্তর প্রমন্ধত্ত শ্রীকা | ব্রুমান্ধ্রম यसग्रस: इंग्रस: यस्य । वर्षे: द्वा: सेसस: उव'य'खेब'य। भ्रिं'खे'खेंदब'हेंचब'बदब'क्रुब' য়ৢয়৻য়ৼ৻ঀৄ৶**৾য়ৼয়৻য়৾য়৻ৠ৾৻৶৾য়৸ঢ়ৼৢয়৻য়৻**ৼ व्रेव-स्वयं प्रा । व्रिकाके प्राये प्राय्य स्व <u> च</u>ीत्र:क्रुम**र्श**:५८१ । ५गो:५५,व:भी:धुेन:५५,व:भवे:

वस्रास्त्र सिव्याय स्त्रीय । स्त्रीय

शेर्-विर-ख्य-क्षेत्र-विर्म-पर्श्वे प्रस्ति गुत्र

বড়মাৰণামীবাৰুদাৰেছ্ণাবেণীবাৰ্মমা বি

चैत्रः क्त्रवश्चा । है :क्ष्रेरः चक्कें चः क्केंत्रः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व चैत्रः क्ष्मा है :क्ष्रेरः क्केंव्यक्षें चः क्केंत्रः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः व्यक्षः

क्रम्यानीया विवादाः यभ्रीतः श्रुवः त्यमः सह्यः वर्षात्राः चित्राद्यः यभ्रीतः श्रुवः त्यमः सह्यः

अ.जेंब.कू.वंटा.च। डि.केंट.चटब.ब्रेश.अ.ज.ज.व्यूट. क्रुंचब.कु.वंट.च। डि.केंट.चटब.ब्रेश.अ.ज.ज.व्यूट.

स्र प्रतिष्य । । । । । विश्वान । विश्वान हिंदा विश्वान स्वाम् स्वाम । । । । विश्वान हिंदी । विश्वान हिंदी । । विश्वान हिंदी ।

देशक्ष्यं वाष्ट्राच्यक्ष स्वयम् स्वयम् स्वयम् विश्वयम् स्वयम् स्वयम

पर्वीट.यपु.ऋ.क्...श्रेचा.वीट.री.यक्रीयश्वात.र्यग्रे.जुबीश्वायत्रवृता। क्र्थ. लच्चे चत्रपु.क्...श्रेचा विच्चा विच्चा क्षेत्रण्याची व्यवस्था विच्चा चत्र ન શ્રુઝ ર્જ્ઝ વિ. છે જ જ તાનુ જે દાન જે જાત કૃષ્ટી કિ. તાનું તાનું તાનું તાનું જ હતું કૃષ્ટ ના જે જો છે. તાનું વા શ્રુઝ ર્જ્ઝ વિ. હતું તાનું જો હતું તાનું જો હતું તાનું જો હતું જો હતું જો હતું જો હતું જો હતું જો હતું જો હ

यर्थ्यात्मार्भ्यत्मक्रिम्यम् स्वाप्त्यः स्वाप्त्यः स्वाप्त्यः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्व स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स्वापतः

्र श्रुवःग<u>ञ</u>्दशःचल्याशःश्रा

वःश्राञ्चायान्। क्रीप्टिंश्उचीद्वायाक्याद्वा

डें। अर्द्ध हैं। १डें। २६ं अस्ति हे त्रृंद्ध वेशक्षणका डेंड्डिश पत्रहें १८डें। २वें प्रायति स्थिता स्थ्रिया है।

বর্ম নাম্বর্ম ক্রম স্থান বি নাম ক্রম প্রান্ধ বর্ম । বর্ম । ব্যান্ধ ক্রম স্থান নাম ক্রম বর্ম । বর্ম নাম ক্রম ক্রম স্থান নাম ক্রম প্রান্ধ নাম প্রান্ধ নাম প্রান্ধ নাম প্রান্ধ নাম প্রান্ধ নাম প্রান্ধ নাম প্রা

यमःर्विषा ॥ इ.स.च्या ॥ इ.स.च्या ॥

॔ॴॴॱॿॸॱॻॸॱऄ॔ॴऻढ़ॹॕॱॻढ़ॱॺॸॱॹऻ ॴॴॿॸॱॻॸॱऄ॔ॴऻढ़ॹॕॱॻढ़ॱॺॸॱॠॴॴॶॴॱ या हिनाः हुः वश्चरः यः सेरः यः सेना

भ वर्षेट्र अरुक्ति मी जिनका यह व प्रक्षाय है। **याद्या दे**र् यश्चर्म्भ्रेरःयदेःबेरावस्रश्रा । यदः ५८:यरे:यः यासुरादवुरायदेःगवया ।श्रुवःस्याग्रेवायः स्रव्यःचर:रु:चह्रव:शुर:रुगा ॥ म् ग्रायदेःवनसःमहतःमध्यायःते। श्रेष्टेनःहमाःपःमनः

बेट्याम् प्रदे। |ग्रायटाम्बुसःई:हेदे:व्ययः

শ্বন্দ্রমার্থ বেম্প্রা

यदे'गिरेर'केव'र्ये। क्रियायर'श्रूर'यर्द्र'रेगिश

🕯 लयः अभाइत्रभागीः वियमः यहवः यह्नसः यात्री प्रद्वितः

क्य पश्रुव ५८ दर्शे प्रये अर्थे वा । अर्थे ८८ ४

सक्र्य भिजःक्यः येयश्चरः युः त्यी मार्यः स्थः स्था । स्थः स्या स्थः य्या स्थः यो स्थः स्थः स्थः स्थः स्थः स्थः

विवसःयन्। यहवःकेतः स्वाधः स्वाधः । विद्यः न्ययः विवसः यह्न विक्षः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्व विवसः स्वाधः स्वाधः

यबर.सूपु.लूब. ५ ब. भाषत. वियः १ विष्यः विरः । विषयः

र्वित्रक्षात्वराष्ट्रक्षात्वर्षः वित्रक्षाः वित्रक्षाः वित्रक्षाः वित्रक्षाः वित्रक्षाः वित्रक्षाः वित्रक्षाः

बहुब के सद माने व के कि का की माने प्राप्त के के कि का के कि का के कि का कि

द्युर-५५६८८४१ । क्रें-भु-भु। वर्ने५८४४५वा पह्न और द्युर-५५६८४४५८४। । क्रें-भुक्त वर्षेर-वर्षेर સ્તુ. પત્રું માર્ચે. શુંસ્થ. સૂંચ. મુંચે. પદ્ધ માં માર્ચે. સૂંચ. મુંચે. પદ્ધ માં માર્ચે. સૂંચ. મુંચે. પદ્ધ માં

ब्रूट्या मुक्षा दिटा खुग्र का दी सेटा देटा देवा वर्जे स

वर्ह्मेत्। व्रिं क्षेत्राबेवार्सेश्चर्यन्यार्षेत्रात्वा

এন্থাৰান্ত্ৰ। বিজ্ঞানের্ব্যমান্ত্রান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যানের্ব্যান্ত্র্যানের্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান

शुराय। विहेग्रा विषा श्रेड्रेते हें वें राज्यश

यहवःगर्सेत्य। विर्म्भःयविवःश्चितःयसःविस्

क्रेंब्रास्त्रसङ्ग्रेंचश्राययेषा । प्रबद्धेत्रप्रेंक्रस्त्रा इयःगुत्रसङ्ग्रेंचश्राययेषा । प्रबद्धेत्रप्रेंक्रस्त्र

८त्रश्च १ क्ष्र्याये । त्र्यश्चर पङ्ग्यायमः वर्षि ये १ प्रह्व प्यमः वृषि । स्थित्रा ५८ प्रह्या प्रदेशकेर प्राप्त्राच्या । त्र्यक्ष्याम्य स्था

विस्तुं प्रम्यम् प्रति । प्रक्रेव प्रम्यम् ।

प्रबर'योर्देर'यदिः सुत्य'स'केरा | तर्योद'यायस'स'

सम्बर्द्धाः स्थान्य स्थान्य । स्थाय । स्थान्य । स्थाय । स्थाय्य ।

<u>ব্রুম্পার্কারের্ব্রিক্তা</u> त्त्रुयःग्री**य**ःदिनाःहेत्।ग्रुयःयरःर्नेना

गुन्दा वित्र के अदे महेन मी महर दर्कें य

के। क्षिम्बार्-तुषानुर-क्षेत्रायकरायदे र्ह्वेबाम्य याववा । मुयः दयदः गाम्नादेः सेदः ख्वाबः श्रीदः पदेः

सवम् । श्रियः सम्बर्धेदशः दक्षेत्रः दस्यः यः त्वित्रशः

यहवःर्नेम । क्रुयः गुवः अष्ठिवः यसे ख्राध्येः

सर्व.र। वियायक्षेत्र.ष्ट्र.सर्षुर.क्षेत्र.सर्व.संयु.

শ্ব-থেকা শ্লি-গ্রিকান্টি-মান্সক্র-মেন্টে-থেন্টি-उव्। । पश्च रद्देव श्चेशस्य विषय यर पह्न यर

नेम । ध्याप्रस्व यन र्स्य स्मिन्य यदे महिस

त्रद्यत्व । तिरः र्यम् अस्यम् अस्य द्वितः त्रम् त्रम् स

५ चुरःग्वस्थः वर्देवः का विदःक्षेत्र'न्याद'यदे'र्क्षय'न्'रदेन

वर्विर विवे विवा विवीदका सर्दर क्रेडिका संक्रिक हैं।

विवश्यम्बर्नेग विवायश्वात्त्रः नेवाययिः रे

र्कें असः स्रा । विग'गसुअं कें सं स्तृं या सेट मे दे 'ट र्टे'

धेश। क्विंयः दवः रेः नृगवः र्छेगवः द्वयवः वर्देयवः

सह्यः । । । नेषो प्राये प्रमेश माने व र के व र्यो । व प्रमा

यह्रदःर्नेग । अर्केगःग**ञ्**यःश्चगशः हेः ५५५: छी:

নচ্থ-দৃ

אלקיטן

यह्रदः विग

र्से प्रें अ। विश्वामाश्चरा दुर ह्वीमा रेता पर दे ह्वी

৻ৼৢ৻ঀ৾ৠ৸ৄ৸য়৾ৼৄয়য়য়৾য়য়৻৻ড়৾য়য়য়৾ঀ

<u>|श्</u>रु:चंदे:५व८:ध्रुग:अह्रुव:यंदे:दार्वेर:

୲୕୕୲ୡ୕୵୴୕ଽ୶୵ୡୖଽ୕ୡ୕୵ଽୡ୵୳୕୶୕ୠ୴

ন্ত্ৰ-শ্ৰ্ৰশ্ৰ্ৰ্ৰ্ৰ অম:স্ক্ৰ'ব্ৰশ্ৰ্

भूशःश्रीश्वःदविमःम्ब्रीम् । विश्वःवाश्वेशःश्रूवःदव्यः भूषःश्वाश्वःदविमःम्ब्रीम् । विष्यःवाश्वःशःश्रूवःदव्यः

ख्यूरत्वयायासेरायात्रीत्रात्त्रीयात्रीयात्रीया व्यूरत्वयायासेरायात्रीत्रात्त्रीयात्रीया

दयमःयदेःग्रीः चीतः ग्रीकाः । ग्रीकः क्रिकः स्वः यदेः

न्द्रभाद्यं ख्रिमान्द्रभावस्य । विवायदेवे सं बेरा

क्ष्रिवक्षः विकास वितास विकास वितास विकास विकास

स्ट्रा । अह्र क्षेत्र क्षेत्र स्वयं अवस्य स्वयं क्षेत्र स्वयं क्षेत्र स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वय स्वयं स

ন'ব্দ' । মহ্ব'দ্বির'র্ট্রগ্রাম্যমগ্রম'ন্ত্রন'র্ড্রম' বাম'ন্তরা।

য়ৢ৴ঔয়| য়ৢ৴ঔয়|

सक्ताः भिः भी कुः सुरायमः बोर्श्यायः उर्देयस्। सिवः

यश्चर्यः ब्रिटः क्रुश्चायः ग्रह्मेयः याः यद्देवस्य । न्निः सः

য়ঢ়৻য়ড়য়৻ড়ৄৼয়৻৸য়ঽ৾৾৻ৠৢ৾ৼ৻ঀঀৄৼয়৻ৼৼ*৻*৻

यर्गामविष्यास्त्रार्स्यम्भायसम्बाद्यास्त्र

ব্রমা । খ্রুম: ব্: অন্তর্ম ক্রান্তর বর্মী ব্যাম: ব্রিমা

^ह नुदः खुदा श्रेशश्चिर देव देव हो। । या श्रे पाद्मश्चा

भ्रेत्राशुराउँग । भ्रेत्रायाक्रयसायायेदायाद्या।

र्वेद्राव्यक्षार्वेद्रपुर्वेषायम् र्वेषा

५७.४.४०४४.५५५७१

। বুদ:য়৾য়য়:য়ৣ৾৾৾য়ৢ৾য়:য়য়:য়ঀৢয়য়:য়ৄ৾॥

श्रेत्यान्त्री । मार्षेमा प्रेम्र स्था नुमाना ने निमाना सम्

उर्'गुर्' । वि'यदे'र्केश्गुं'श्चुं'वे'ग्ग्राश्रय'व।।

७७। | हे.चळु.तस्र.चैट.भीच.टबीच.झ्या.मीज.ज.बीचट.चतु.चैट.झ्या.स.

र्श्वेन^{:यम्}नै। ग्रुट:सुन:सेस्रस:ते:ह्मा:तु:परे:परे:

ক্রা। বিদ্রান্ত্র স্থান্তর শ্রীর নেইন্র ইন নেই দ্রার না

दर्भः धेश्वाञ्ची प्रमुख्य प्रदेश विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विष्त विष्य विष्त विष्य विष्त विष्त विष्त विष्त विष्त विष्त विष्त विष्त व

षी विप्तदेर्क्सग्रीः श्चाने म्यामस्य मा प्रदेवः यः

क्री: ५ म् : इस्र अ: व्यः चुरु अ: विव । इः *ञ्जूषासारा* अवासी क्षेत्राचन्त्रा महास्त्रा । स्राप्त्रा स्राप्ता

सःश्र.प्र.ज.योष्ट्रश्राचा स्थाना वि.चतुःक्र्यामीःश्र র্ব'শ্বশ্বস্থান্তব্যশ্বর দেইশ্বস্থান্য'শ্ব

दर्शे प्रदे र्देव हिन स्वार्थ

यश में या नर में वा विदेश रामें वा निवास में विद्या विद्या

क्रें म्दे पर्कें द वस्त्र विदाय विदाय के कार्यी क्र

दर्भग्रम्भायात्। भुग्यात्रभुत्रायेरार्केशवा

गवशास्त्रम् अर्घेटा । श्रुवः रश्या श्रेष्या यात्वेवः

वर्जेदे मर्ज्या मुक्र न्यया थ्व स्वासाया हिंर

सर्करःसर्वतः द्वेदेः सूटः यह्नदः ददः सुवः य**रा**।

गटःभुःचभ्रयायामुःसर्द्धेरादर्द्धेःगवेशायदेः। ।

न्नो' अर्द्धन 'श्रूर' च'ह्ना' हु' त्वर र श्रूर 'देन । ११३५'

विषा अर्क्षेषा पर्दर क्षेत्र श्लोषाबा प्रथा दरी खुवा

त्रमा । मार मासुर प्यत त्यम दुम दुरे श्रीव केत

हेन व केंब्र ग्री प्रयम्ध्य प्रयम्बर्ग स्था स्था

७७। अमें हेव संग्रास रेयायर तराया बेटा अमें हेव या तहात.

[ॣ] भुॱगशुदःशुगशःहेवःदत्यःर्क्षग

मर्बेय। । ध्वम्यहेव या थे ने बासर्केम पहेब प्राप्त व्यन्त्राया । मुलायदे र्केश भूदे हेव अर्केग यर्ने:स्याम्बा । याराध्याबार्क्रेरान्राक्षेराह्रे:बुरा বছ্ৰা'মই। । শ্ৰীৰাশ'মশ'মব্না'ৰ্ম্যাশ'ৰেৰ্ন্ত্ৰ' यः हे अः दर्शे दश्या श्रेंत्य। विवाहन श्री हेनः वा विवा हर्वास्त्र भूतः द्वारायाया वर्षे द्वाराया वर्षे दिन् द्वाराया *वर्हे.चतु.चुम्राचबद.वर्ने.सिंग.चश्र*िचयःश्चेत्र.

र्देन प्रदेश द्वाद र्ह्हेन से बदायका | इस मह्मा दर्गे प्रदेश के प्रदेश स्वाद्य क्षेत्र । विकायका में हेन या सेन प्रकार स्वाद स्वाद्य स्वाद स

यव दर पर पर सहेश या अर्केन । हमा छैर

वियान्या क्षेत्र मुक्ता मुक्ता विवास क्षेत्र स्थल क्षेत्र स्यास स्थल क्षेत्र स्यास स्थल क्षेत्र स्थल क्यास स्थल क्षेत्र स्थल क्ष

हत्वर्श्वस्थायम्। श्र.श्र.प्रगुर.हे.हे.यादवःयःपत्व्वाद्यः

शुःगर्शेय। ।गशुरःशेःदगमः र्स्ट्रशः नुद्रसः सः

द्यरःगश्रुदःतुःगर्शेत्य। ।श्चगश्रःशःगर्धःगःदगः

केव र्ये र प्रत्वा श श मार्शिय। । प्रते केव र्हे हे र्हे

क्ष्य्रीय अ.स्. इ.प. विया मि. ५८ सिया प्रश्ना । यो र. ५८ या.

র্বমান্তব্যাঝাঝ্যামার্কিনা।

ૠૢૢ'ઌૹૢઽ:શુળૄૹ:ફે૱:ૡસુવ:ૹ૾ઌ

। বहर प्रथीय श्री स्थाप प्रथीय स्था

यहवःयत्वग्रह्मां अ*ई*नःयः कुरः ष्यरः युक्षःयः यग्यः यात्रोनः छेरः यन्ते वे हेवः २८.इ.च.ब.क्.च.उ.च.च.द. श्रीचश्रास्तर हो हैंग्रासाय दुन ପର୍ମ୍ବର, ମପ୍ତ, ଅଟଣ, ହିଶ, ଧିନ, ସିନ, ହିପ, ଶ୍ରମଣ, यदे अपायायविषा मी यर र् मुखाया इसका सु

यश्चा प्रदास प्रस्त प्रमाणका स्वास्त्र । यश्चा प्रस्ति प्रस्त प्रस्ति । यस प्रस्ति । यस

मेब्र्स्य। । । ब्रिन्स्य-रिक्ट-श्रु-मश्रुट-श्रुम्बर-ग्री-

स्यसः हे : श्रेन् रद्युटः यः क्रेन् : यं यत्वेदे : यार्नेन् यसः यः विगानी : यरः नुः यहन् यरः यत्यासः सुः गर्सेया

यम्बर,यर,यर्थेयात्रा,यस्य,योर,यर्था,यर,सुशक्रा, भ,ष्या,या,यर,र्य,यम्ब,त्यर,यर्थियात्रा,श्री,योश्चला

ପଟ୍ଟର' ସମ୍ପୟ: ପଦ୍ଧୟ, ସମ୍ପୟ: ଅଧ୍ୟ ଅଧି : ଯୁଦ୍ଧ, ଅଧି : ଯୁଦ୍ଧ, ଅଧି : ଯୁଦ୍ଧ, ଅଧି : ଅଧ୍ୟ : ଅଧ୍ୟ : ଅଧ୍ୟ : ଅଧ୍ୟ : ଅଧ୍ୟ ଅଧି : ଅଧ୍ୟ : ଅଧି : ଅ

प्रेष्टिः यहं . ला. औं . यें। ट्रेंब्बा स्वे . श्री आक्रुंबा का वा अपने . स्वे . या अपने . या अपने . या अपने .

क्षेत्रः मृथ्यश्चात्र वहूर् द्वेदः। दे क्षेत्रः पर्वीयः ताः लदः। दिग्र्ये

য়ড়ৄ৾৶৻৶য়য়য়৻ঽয়ৼয়য়য়৻ঽঽ৻য়ৢয়৻ঀৢ৾ঀ৻য়ৢয়৻ ঀৼ৻ড়৾ঀ৻য়ৢয়৻য়ৢ৻য়ৼয়ৼ৻য়য়য়৻ঽঽ৻য়ৢয়৻ঀৢ৾ঀ৻য়ৢয়৻

स्वराहर । र्क्ष्मश्चात्रेश्चर्यात्र स्वराहर । स्वराहर ।

মন্দ্রের ক্রের র্টান্দ্রের ক্রির ব্যান্তির ক্রির ক্রি

ट्रे.ट्रे.पर्खुव.ट्र.पंजीय.त्तर.क्वीय.ह्या १३४.घटुब.तपु.

ब्रॅंचर्यात्रभुत्यायसांचेदाचीं ब्राच्याच्याचेद्। विश्वा तदीरः यात्रसाःहेत्रात्रसांचेदाचीं व्याप्ताःचेद्। विश्वा तदीरः

ल्ल.की.स.प्रेष्टिः यह.ल.की.वी ड्रम्म्ला ॥ यथियश्व अका.मश्रम्भात्राच्य स्थात्र स्थात्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य स्थात्य

ैं क्वें**य अंदे पर्क्ने** र य अर्क्क प्रक्तु स

নন্দ্ৰাম মাঁ

🥯। र्वि:तःयःषीःमान्धःसर्क्षेमःनश्चा हिःषीमः

ब्रूटम् व्याप्यात्व्र्ट्यानेटा । हुः धेषा र्देर ग्रीका दर्शे

यः र्ह्मेय। । र्ह्मेयायाः वर्षेयः यउद्याग्नेगदाः सु

मर्जेया । भ्रु: ५८: भ्रु: श्रेव: र्जेट: यव: ग्रीका । वियवः

ग्री:पर्ज्ञें:य:पत्रुन:दे। विंदश:य:गुत्र:यशर्श्वेय:

यह्रेत्या म्रिवायायायायायायायायायायाया

বুর্ব বেরবাশ মার্শ্রিশ মার্দ্র নার্শ্র বর্জন বর

य्रा । भ्र.प्रेय. प्रीय. येश. र्यः स्था. प्रयः व्या. व्या.

र्रेयार्थे या अवस्था । निर्देश दर्जे र स्वेत् ग्रीश

ଞ୍ଚୁୟ'ବ୍ୟ'ୟସ୍କିୟା ।ସିସ'ୟ'ୟ'ରି'ରୈ'ସ୍ୟ'ଯିଷ' ସରିଷ'ଷ'ସାହିଁୟା ।ସିସ'ୟ'ୟିର'ବ୍ୟ'ର'ଥିଷ'

यंबेश शुः वार्शेषा । विवास सेन वशान स्थित यम । से नवो यसुन्य सर्वस्था सेन स्था । सेसस के के सेन से कारण करता

क्ष्यःश्रेष्ठश्चा ।श्रुःश्चःश्ची । १३वःश्चर्याः । १५वः श्चर्यः यद्याः । १३वः श्चर्यः यद्याः । १३वः श्चर्यः यद्य इतः त्रविष्यं स्वरः त्र्यः श्चरः व्यवः । १३वः स्वरः स्वरः स्वरः । १५वः श्चरः । १५वः श्चरः । १५वः श्वरः । १५वः य'८८'।।र्त्ते'भे'त्रे'त्रम्'हे'स्यम्।के'कुपःश्रव'र्सेटः वेषा'य'भे। किंक्ष'ग्री'य्येम्यंपाक्रीम्'तुःष्वेस्य।।

त्वर्यः या है . ब्रीट्र आ क्रींट्र यह । विशु यह स्था तर्वर ।

য়ৢয়য়ৼৢ৾৾৽ড়য়৻৾ৄৠয়৾৽য়ৠয়৾য়ৢয়৾য়ৼঀৢ৾ঢ়৽য়ড়৾৻৻ য়য়য়৽ঽয়ৼয়য়৽য়৽য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়

यद्याः वीश्वायक्षेद्रः वस्त्राश्चः यस्यात्रः या

🕴 👸 শেষা ঔদাৰী দানে মান্ত্ৰী দ্বানাৰ কৰি দিলে কৰা দানৰ প্ৰদান

मा क्ष्री है.चर्थ्य.य.यसग्रय.य.झुँवायायायामुग

तक्वार्ज्ञ । सिमारक्वाः भ्रुत्यः श्रुत्रः श्राद्यारः भ्री।

श्चुन ने अर जेग स्वामा निर्मा निर्मा सेन

মার্প্রসামর্মুবার্প্রস্তুর্বার্প্রসামির বিশ্বসামির বিশ্বসামির

यश्च त्रुट्ट या । धिया तर्स्य क्रेंब गादे <u>त्रु</u>टा

गुर्व-हु। । ग्राट-य-वर्त्तु-वे-य-हेग्राब-यदे-वय-अ॥

अभूरायाञ्चेदास्याः स्वायास्य स्वयाः गुर्वा । भयाः हुः

ष्टुे'चर्द्र:देर्-रच'दचर'य। ध्रिम्'दर्ख्य'म्बेर'

ସଞ୍ଚିକ୍'ୟ। ।ଞ୍ଜିକ'य'यर्ङ्क'दश्का'दश्व'के' य। ।यर्केद'य'यश्वर्यात्रक्षेद्व'दश्कि'र्याय'के

सिया.तक्ष्या.ट्र.चाषुय.याचेयायात्यास्या.ध्या.ध्रा.

नेव्रित्यक्षेत्रमा धिमायक्ष्यत्रहृत्रमः हुँ धीमोह्या

भु.कॅ.क्टबात्र। भिर्टेट.के.ब्रे.क्ट्याबाट्टार्विया तरायग्रीयाबातरायिबाला वियातक्तात्रमी.व्रेव. त्र्व्यात्र्विरः स्याप्तृत्याः स्याप्त्याः । व्याय्याः व्याय्याः व्याय्याः व्यायः वयः व्यायः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वय

শ্র্রের ন্মুন্রা ব্রের শূরা মার্ব দি । মৌরনম

र्ब्बे्ज्यःअ:क्रेन्यःम्डिम्मी:पर्ब्हेन्य।

स्वायम्याम् । ज्यायाम् । व्यायम् । व्यायम्यम् । व्यायम् । व्यायम्यम्यम् । व्यायम् । व

त्रियो.क्युरी ।क्र्यूर.क्र्यूय्याच्युय्याच्युयः या वित्रया.तक्ष्या.ट्यूय्यायाच्यूया.याज्ञ्यायाच्यूयः

ୡ୲ୗ୴୷ଐ୶<u>ୄୖ</u>ୡ୕୶୶ୢୠ୵୰ୄ୕୷ଽୄ୷୕୶୷^{ଌୣଌ}୵୷ୢ୰୲ रट.म्.पूर्ट्र.मुअ.क्ष्यांशास्त्रस्थाः पर्वियासः स्री सुमा तर्कवा स्वा हु नुमाय वश्वास हे न प्यते। <u> ५२, मुद्र र्द्र मुं सेर य श्व</u>ेष य। । प्रवर य रय यबर्फुहुरमधेश । यतुर्परम्यस्याहेबप्रय र् अह्र मा विष्य तक्षा माने के के रायदे র্কুমারাইপরা বিপরার22.রেরীমারান্মর্থা य केन स्रा विंगिके र मार्थे प्रदेखे में कुँ मेहा । ଜୁ୯୬.ଘ.ସମ୍ମୟ-22...ସମ୍ମୟ-ଥୁଁ-ଘ.ମା । ସିଧ୍ୟ वर्षयः त्रुः पवेः तुषः तुषः त्रुः पक्कुव। । पक्कुवः यः वस्रश्चर् नेत्रप्तयम् ॥ । मयायदे मिर्

र्ब्वेज्यःअ:हेरःम्डिम्मी:चर्क्ट्र्नःया

মালপ্ন, অশীহপ্ন, মালুথ, অশীপা, মীথ, থপা, অশুস্

देयातक्तास्याविदार्स्यातास्याम्। विस्तर्

इस्यात्र तयोस्याया । वित्रा तर्क्या यहे सार्यो

यालेग्या । धुःदवःयन्द्राःलेः श्चेंदःख्याः छेदः या। बुःकुःर्षेःददःषदः द्वाः थ्वःयश्चा । श्चेवाःयः छेवः

क्केंवायाकेराम्डेमामीयकेंदाया र्धे तर्हे अश्वास हिन स्था । ध्रम तक्ष्य गुरु दश

वर्क्केरःस्वःदगदःवदे। ।द्रशःधेःखुरुदेःस्यःहुः *त्योसशस्य । धिःमोः यञ्जः घदेः दमा* देः वर्गे दः घदे।।

देग'य'ङ्कै'यद्मार्श्चेय'य'छेद'य। धिग'वर्खय'हु' रेते'व्यबादी'यर्यबायबा ।हुँ'वी'स्यायते'बा

वॅव'केर'य। ।रे'र्यायङ्गर'र्राययेग्राचेर॥

वहेगाहेत्रमञ्जूअस्य अश्वार्षाया हेत्या । ध्रमा

त्रक्षाः भ्रः भ्रः अर्क्षेः भ्रे : इसायदे। । मे : नुमान्नाः सम्मान

उत्र: धुमान प्रसूधकाया । द्रिमामिक सम्हित स्तर

ग्रुं'प्पे'मोबा । रुमाद्मस्रम्यास्य स्वायादी होत्यासा ।

सुगायर्क्यासुः धीर्स्वेग्राह्मस्रस्य सुव्याची । सुः ५ मः

र्ब्बे्क्यः अः हे रः माउँ माः मीः प्रक्षें प्राया **बी'दब्रा'डी'धीबा'यङ्गेव'ब्रा । गुव'वबा'र्गे'क'**द्याद'

यदे'यहेर'ग्रैका । ईंर'र्र्स्से'यम'रव'य'केय' या विषा तक्या है या ज्ञाना क्या पदी ज्ञिन

गहिश्राचें यादें ५ र र र गश्चया ॥ ५ र र गहिश्रा वर्हेर्फुहुर स्थेश विव फुर्वा रेंदे सेश्रश्रवर

श्रेयाय। विषायर्कयाने केन मश्रुया स्थान मेंनि यदी वि'यदे'सञ्च रूप्य प्रमास्य मा विदेव

८८. म्. जिट्या मार्चेट ही व. क्षेत्रीय अ. म्या । पर्हे स्था

यःहुः देः द्रवः अर्क्षेषाः वेदः स्रा । इः वदेः स्र्यादाः ग्रीः

यर्झेर्प्यायर्पेर्प्रा । ध्रुषायर्क्यायावेर्षेर्पुः

শাউশা

র্ষ্র:মহর্মান্ডহরামান্ত্র বিষ্ণার্মার্মার্মার

क्रम्बद्धम्मीयक्ष्र्र्प्यः वर्षः क्ष्रम्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्यानः स्थान्यः स्यानः स्थानः स्था

শ্লুঁঅ'ম'ঈম'শাউদাদী'নঞ্চুঁব'মা

क्रुं.ब्रुंट्र.जग्न.बैट.चर्गा॥

। ब्रैंयर्गर्भरप्रेर्पतेव्यवित्रस्विर्येत्रः

বৰ্ষাঝ শ্ৰী

्रका । भू. ई. पश्च. प्रायस्य श. श्राम्य प्रायः स्थायः

वक्षाया विर्म्राचायका ह्याँचा पूर्वा हिंहु रे

धेशतहेगशयमुनःर्श्वेय। हिःरेशवःयः इसशः

यश्रञ्जीय। भ्रिंतायायायायायायाया

यज्ञ:५गार:घॅदे:५सुबा:गावबा:घदे। ।ञ्च:घदे:

गञ्जाबाची गाइवा ह्रेटात्। मिंहे हे दे ह्रीयायुटा

বহর্ম'মর্হ'র। মিকুম'র্মুর'ম'ঝ'রিম'বেঞ্জ'

यक्षित्। क्षित्रमादे त्रुप्त । क्षित्र द्रम्भ वस्य १५८ । ज्ञि

इवा ह्याबाबार्यास्यास्याताराट्टे.ला.बाबाा - ज्यान नहीं | चिद्धे नुना च चवार्यास्य

देव। हिंगश्चरम्य मुश्रातुन ने प्यास्या वर्ट हो बर्ग से स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण

ष्ट्रीत् भ्रुति स्वाप्तकराचि प्रत्या । विषयात्रासः विषयात्रासः ।

क्केंवायायायुषायक्वा |विवेदावीयायेग्यायक्वा बेदादायायुष्यायक्वा |विवेदावीयायेग्यायक्वा

ल्ट्रमःश्रुखर्वरःचदेःइसःयः उत्रा विव्रंतरः त्यः

र्क्केवग्द्रग्रस्यक्रेंद्रग्य|

तदुःसीमा सिमाःश्चिरःश्च्रीजःमःब्रिट्यःजःसियाःवक्ताः

त्र्। कियाबानउदायदी ब्रियायायबाब्रा स्वीमायविदानये ब्रिट्टायबा

व्यःम्बित्रःवित्रं स्वें स्वें व्यवेषः या । व्यः क्रें विंतः व्यःम्बें व्यः यः वे। । वित्याः मीः क्रें व्ये व्यत्रः कतः

রুষ'শ্ব'র্ডিব্'শ্রীষ'অশ্বুঅ'দ্ব'শ্বইন্ম। বিষ্ণান্দ্রইন্ম

या । ने.ज.स्या.ध्याच्याच्याच्याच्याः । यन्यः ।

इ.ए.जग्रम्भाग्य । व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र । व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र । व्यास्त्र व्यास्त्य व्यास्त्र व्यास्त्य

क्ष | प्राञ्च प्राचित्र विश्व क्ष | प्राचित्र विश्व क्ष विश्व विश्व विश्व क्ष विश्व क् ब्रैंवारगरम्ब्रेंरय।

বিশ্বমান্ত্রী

[বুঝ'শাঝুম'

୩ୠୡ୲ୄୖଽ୕ୢଽୢୄୢୠୗଡ଼୕୷ୣ୕ୢ୕୴ଽ୕୷ୠ୕ୣ୶ୡୄ୲

सुग्। ग्रेश दर्श्य यग उत्र

बरबाक्चराक्चेरायदेख्या । भ्रार्थे हिंदायाहण

वर्ता । विंदायायमा उधाय में दायो । विद्या

उग्। चुरः द्ध्यः श्रुवः याय। । तुश्रः यदिः वश्रः वर्डः

चिरःक्ष्यःचर। ।श्रेःसद्युवःद्विंग्राञ्चस्यश्रःद्येःग्रुरः

उँग। अध्व, मुेव स्व, शुअ र्स्व शय र र्वेग। ।।

्री र्क्केल'यकेंद्र'य'अर्क्क'यक्किय'

নন্দ্ৰাম মাঁ

अश । १ में प्रमे प्रायाय के मार्च प्रमे प्रमे ।

हेव गर्शे हो द श्रुव या के। । अर्के ख़व अद्राद्य शुव

षदश्या विश्वस्यद्ययद्यस्य ह्या हिंदियया

यहेवः श्रुवः गर्शेः श्रुवः सः श्रुः द्या । ष्षैः धेवाः वर्दे दः यदेः

ग्राज्यक्षेत्रः । । बोस्रवास्त्रत्रातुः वास्त्रात्रेत्

म। ।गण्यायशङ्कीयान्ते नः मुयानार्से। । भूर्से

ঠ্**র**.ম্য.র্ম.র্ম্বি.প্রা বির্বাধাস.প্রেম্থিন.প্র

षेट र्देट या । गराया सकेव र्द्द उवाया । देगा

यदे कुष र्से क्षेत्र स्रुव स्रुव । ब्रु यदे वर्षे र उद

न्यारः क्रें। अि.स्यायात्रः म्यां श्रास्त्रः स्रोत्रः स्रोत्रा । श्रुः

या विवासी विद्यास्त्री विवास केता विद्यास केता विवास केता विवास केता विद्यास केता

यम्र्यः विष्ट्रिवाश्चार्यस्ति। ।श्च्याः ग्रीट्रां मेट्राः

ब्रेन्'क्या'र्से'न्न्। ।तुषा'सर्वव'स'न्न्'सर्वव'

न्धेंबॱक्रेब्-र्से-ह्रेब्रायह्य । वृस्रवायायस वै रया ह्रेंब य। । अर्केषा ह्रेर वर्केश ही र ह्रेंब या र्के। ।युर्-सेर्-मञ्जूमश्रःयः रूपमासेर्-मर्देव॥

शुवास ने बिंदा ह्या वर्षे मान्या वर्षे वा स्वार्थ स

देशयायतुर् क्षेत्र्या विष्य केवायर्शेर् वस्रा

यक्ष्यश्वायदेवःयाम्बदःयशः मुखा दिनः

न्नेश्चरने होत् ले होत्या । श्लेश्चर रेग होत् धेत अर्ग्गेम्**या । विंद्**याउव या शुम्राकेव या।

ୢୖୄୢଌ୕ଽ୕୵୶୲ୄ୲<u>ୡ</u>ଽୄୠଽୢୖୄ୕ଽଽ୶ୠଽ୕୶୕୷ଊ୕୲ୄ୲ଡ଼୕୶ नवीः अः शुङ्कीं व्यः आ । । व्र्हन् श्वः नेवाः अः ननः नेवाः नेनः

বৰ্ষমান্যাৰ্যমন্ধান্তন্যস্থিদীৰান্ত্ৰী বিশ্বমান্ত্ৰী বিশ্বমান্ত্ৰী

गुःत्रात्यः वात्रा ये द्वाप्तुः जो श्वायाहे वे स्वाप्तुः

या । गर्ने व हे ज्ञुग हे द दहेग व हे द या । इग

नुयः द्रमः नुयः द्रमयः द्वायः द्वे। । यर्गे । यः मार्चमः प्रः

खेश अक्ष्य. यम्चि. ३. यम्बेट. यक्ष्र्ट. यः क्षेय. रश योत्रयश ग्रीश योश्वरशः

म्र्रिकायदायस्य प्रमुखा

ঘর্থা

र् रोहे युटकेव ये ह्या केंग्रा मुव दर। । धुराहा ब्रैंग'क्कु'अर्क्कें न'बदे'दहेग्रय'द्रस्यम्। वि'सर्दर' ञ्च परिर्देन स्मार्थ सार्व भू। पर्देश स्व र्र्भूष ૹૡૢ૽ૼઽ੶ૡઃૡૢૹૄૻ૽ઌૹ૾ૡ૽ઌ૽ૼૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹ૽૽ૢ૽૱ૢ૽ઌ૽૽૱ૹઌ૽૽ૢ૽ૺૡૢ૱ गर्वेश त्य है। । यद त्यम अर्केम मैश रय हैं गर्गश्चरम्। ।अर्देवःवर्देदःयदेःयवेःवव्रशः त् श्चेत सर्द स्या । पर्देश खूत श्चेंत सः दर्प सः

तकरःगिरः अर्देगः ८५ :बिटः। । ह्यः वयः क्रेंबः गिरेः व्यक्षरः देः अरः आ । पार्डे अः ख्वः क्वेंवः अः इटः क्वेंटः

यमुः ध्वः षदश्यायते श्वेदः ये ते। । याशेरः त्वः के सः

गर्डें दर्शुयय पर्हें त्य हैं है। । ग्रीविव हे श्रीव में गर्वे र ह्ये व द्या येव र र । । व्यु र्स्वे ग व इसव से से व ल्यश्रायाधुगाचुश्रायदे। |यर्डेशास्त्रार्श्चेताशः

श्चेर:५८:वग्राळ्य:ह्र्ग्य:घॅ:रे:ब्रिं५:५८। ।स्ग् ८८.के.प्रीट.स.स्यु. १८४.४ तथा श्री । १८४.४ तथा गीय.

हु:चत्वादा:य:युर:य:ष्ये। |चर्डेश:वृत्रःर्ह्चेत्य:अः श्रेरःषोः श्रृषाः ५८: त्युरः यें अर्कें केवः ५८:। । यो ५८:

वकेरायामुवार्याञ्च्यामात्माम्। ।मार्वेरायाध्यसा उर् रच हु वर्देशश्रासर् स्या । पर्देश स्व ह्यें वा

য়য়ঢ়ৢॱয়৾৽ঢ়ৢঢ়ৢ৽য়৾৽৸ৼঢ়ৢ৽য়৾৽ৠয়ৠৢয়য়৾য়৽

कः र्र्ज्जेषाः अह्रदः सवः सरः द्वीदशा । तहेषाश्चः दरः

र्भः तथा । वर्षे अश्वास्त्रः अश्वास्त्रः अश्वास्त्रः । वर्षे अश्वास्त्रः । वर्षे अश्वास्त्रः । वर्षे अश्वास्त्रः ।

ब्र्रियःसः व्याक्षःहेषःर्वेवःयदेःवयकःग्रीकःगदः ८८:गटः। ब्रिसकः हवःग्रीवगकःग्रुकःरेःधेः८यदः

यस्याश्चिम्। । ब्रिंगःभश्चाशःमश्चिरःयवशःमःश्चमः । १११। । ११४, १८५। । ११। १९६

রূম:পার্হ্ম কি শুরুম:জুম:জুই:জা:লীম:

ঘ-ৠবশ্বত্থ-বিশ্বস্থি

ষ্ট্র্রিঅ'মন্ত্র'মর্ম্বর'মন্ত্রী'ম। ग्री । भ्रितःगदेशः ग्रदः देदः र्स्वयः गदेशः शुरः

सहर तुः मुर्शेष। । दे सः र्वेचः ग्रीः र्केः स्वशः ग्रा्वः

हु: बदा । अ: ५८: श्रे. बी: बी: विदे: विदे: श्रें की: विदे:

ব্রমা বিষশ্পর-মাট্রির-মাশ্রুব-মম-ট্রি-মো

वा । वरः कर् वर्षेत्र चर्षेत्र असः देशसः दरः वरः यःश्रेम्बा । र्वास्थवः यक्षः यमः श्रूमः यः श्रुः र्क्षेम्बः

८८। भ्रिं यस ८४ ८८ सक्व स ८४ १८ १

৻ৼ৾য়য়৾৾য়য়ঢ়য়য়ৢ৾ঢ়৾য়য়য়৸

हेव यहेग हेव यश्वे यद्शय थी। । यग विश

धूर-त्रिवेरकेर्यर्यरम्दिर्त्यार्शेया विहेना

विटः मुक्षः यदेः र्देवः इस्रवासः सुक्षः य। । वयदः सेदः सूत्र ग्रीस गुपाय सम्प्राम् ५ द्वा में स्वाप्त । भूताया वर्क्केन विदान्य केंबा विवेया यान्या । हिमा रु हिंदा শ্বুব' নেঝ' মর্ক্রমা' মর্ব্রহ' ব' বহ'।। শ্ব্রহ' हेद' र्देव' र्हेग्**रा**ग्रुट:बेसबा:देव:दॉ:के| |षर:दॅदे:ब्लु:क्षर: वयेवाबिटामुद्यायम् अर्दित्। ।मुवायवे द्यीवा वर्षेत्रःचबदःबेदःदगवःचःदेत्र। ।यर्क्नेःद्रशःयः

यरे'येग्रस्तुर्'सुर्यार्स्हेंग्रस्य य'त्रस्य । । ययेय'

यर्वाः वीशः देरः व्याः विवा । यर्वाः वीशः क्षेः स्यशः

मेंत्र हिं अहें अ त्या श्री अ । श्रूट या अवत प्य अ

ৰ্ষ্ণুব্য'মন্ত্ৰ'মৰ্জ্ব'ন্যন্ত্ৰ'মা

म्बर्यायायायाया । क्रिं स्ट्रान्त्रायाद्याः त्रीयः रि. पञ्चीययायाद्यः स्था । द्वारायाद्याः

यश्रमश्चायदे या विश्वासी स्थित स

BZ-34.3.42.22.1 142.22.23.3.3.3.22.22.

ঀৢৼ৻ঀয়য়৻ৼৼ৻৸৸ঀৢৼ৾৻ঀৣ৾৻য়ড়ঀ৾৻য়ড়ৄ৾য়৻ঀঌৼ৻ ৼ৻ড়৻৽৽৽৽৽

द्यं के तर्दाया । विष्ठा त्या विष्ठा के त्या के त्या विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा व विष्ठा विष्ठ

বন্ধর মধ্যা বিশ্ব ক্রিন্থ বাই ক্রিন্থ বার্ম বার

म्बर्धायदे अः धुंग्रास्त्रा । वितः मृत्वः त्रुवः म्बर्धः यदे सः धुंग्रास्त्राः । वितः मृत्वः त्रुवः

विस्थातवयाईं ५ वि.य.५८। विश्वा५८ या.

भ्रुंज.भदु.भक्ष्य.चभ्री.भा

विद्यातसेयानम् अर्द्र-तुःग्रस्य। विद्यम्यविर्धेरः

अश अभ्रम्भ तह माल प्रति मार्थ न स्था मार्य न स्था मार्थ न स्था मार्थ मार्य न स्था मार्य मार्थ न स्था मार्थ न स्था मार्थ न स्था मार्थ म

क्रिंट, स्त्रः प्रश्नेट, यह प्रश्ना । स्त्रं प्रश्नेट, यह स्त्रः स्त्रः

ฃ๊ॱลมามเลราฐลาฃ๊าลูามารา เช้ารถๆาฐัญา

त्रागुवायश्वर । क्षिंग्वाशुभार्दे हे नशुभार् हीवा

यरः कर् यहत्र यश्य यरः कर् यश्य विद्य महत्र यशः विद्य यहत् । ॥ ॥ यः विद्य यश्य विद्य यहत् । ॥ ॥ यः विद्य यहत् । ॥ ॥ यहत् । ॥ यहत् । ॥ ॥ यहत् । ॥ ॥ यहत् । ॥ यहत् । ॥ यहत् । ॥ ॥ यहत् । ॥ यहत्

र्वेदे मुल। हि. अर्क्रेग 'द्र अर 'दें 'ग्रद्श अद 'दर्हेश'

उर[्]वेद्विरर्श्वेययाया **कॅर्न्ट्र मेर्न्ट्र** मेर्न्यू द्वा वर

ब्रेयः क्रें ब्रु्यः ब्रेंग्बर द्रीग्बर यक्षयः बॅदः दः देः देर गर्डें वॅदः यत्रु।

वर्सेन् वस्य हें वया केव वने धीया सम्बा हिंव

यग्रानिश्वाय। | प्रवासम्बद्धाः स्थाप्ति । स

र्वेम निर्मे हेव स्थानवे मनेव रेव या अरुव आपर

गर्केव गरीव स्रुवक प्रकेशका শ্বম্মান্ত্র মার্ট্র ব্যামান্ত্র প্রামান্ত্র প্রামান্ত প্রামান্ত প্রামান্ত প্রামান্ত্র প্রামান্ত্র প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রামান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প

गदिर्दिन् बेर ग्रीका । निर्धमका खुवा मर्डिर ग्रीका तर:र्ने.ल्। । १८म्. ईशश्चायक्त्रः निरःक्ताः क्षेतः

শ্রুম্ঝা । ঘমঝাডির ঝমঝার্মার শুমা यरे'य'उब'रु'ह्वेर'यर्द्र'व्या । ध्विर'ये'र्थेग'

यदे अर द्विंद् शुर् । । । । । । । हें । दें । यर्दर

য়ৼয়৾৾য়ৢয়৾য়ৢৼ৾ঢ়৾য়য়য়ঢ়৾ড়য়৾৾ঢ়ড়য়৾৾য়

ব্যথ:পরি.ঞ্ছর.রূত্রপ্রধারাঃ প্রধারীপারীন. श्रेश्रश्राद्यम् येदः व्येत्रः येश्चेश्रादाङ्गेरः यदेः श्चेदः

र्दे अर्द्धर द्यम रु से दाया भी स्वर् विष्ठ स्वर

यदः विदायसमारेमः न्य्येगमा स्थापादर् वसा क्रें'तर्देशःशुरायाधमा श्री'पामावदाशीशायराया क्रिंद्रायानुः देर्नुश्चेश्वात्रश्चर्यायवदेख्यायार्वेदा

র্বিশঃ বিশ্লব্যবস্থা শ্রীশ শ্লীর অমানদ্র নামার্থি ୱୁଁ ଧ୍ୟ ପର୍ଦ୍ଧ, ଅଟ୍ୟା ସିକ୍ଷ, ସିକ୍ଷ, ଶୁଷ, ଅଷ୍ଟ, ଅଷ୍ଟ, ଅ

गुंबः गेग्रायेऽ'त्युव'यर'ठुंद'गुंब'वर्त्वा'हु'

मर्बेयः ५५:वृः यदुःर्द्वः याः भूः सः तें द्वः वृः योः त्रुः तृः <u> ५ श्रेग्रास्य एवः र्सेटः स्याः तस्यः श्रें स्विटः।।</u>

ঘরে'ঝৢয়'য়ৄ৾য়'য়য়ৢয়'য়ৣয়'য়ৣয়'

र्चेन र्नेन । ने अर प्रक्रिंग अप के में के मान अर कि कि प्रक्रिंग के मान अर कि कि मान के प्रकार के मान के मान के मान के मान कि मान के म

गर्झेद्र'ग्निद्र'श्चित्रश्चर्याद्रीग्रह्मा व्हुब्यप्तरम्बर्धा वर्केन्वस्यायन् धिस्राधस्य स्ट्रा

ग्रेश्चायाक्ष्री। विवादशक्षियदे प्रमुख्य

ययानुबाहे। । श्रुमानाके सम्बन्धान विवासामा प्रो।

श्चेर्'यदे'अर्द्धे'यश्चरम् वर्षे'यः श्चेयःय र वेष । ३ अयः

. तर्ने.लर.भाष्म.त.भाषयःवियःर्रे. हुतुःयभाषः तरीष्मः लक्षः विरः यर्त्। ।।

ৄ ঐ্নার্বেশ্বর্গ্রার্থার্

শ্বুব**ষ। ।ম**হষাক্ত্রৰাস্ত্রণ হোলামী ব' আম্ব্রলা বের্ক্তআ

वि । विरुप्त से इस्मान्य है। व्याय रे से हावा प्यास्

व श्रुप्ते वे के हि हे हैं पूर्व या ह वृष्ण ह वृष्ण ह य

ने अध्या प्रकृषा ५५ वृष्टी के स्टिश्च अप्रास्ट्री

षायारीक्षेप्तस्ते षायारीक्षेप्तस्ते हुं द्वार्या इ

ાર્ક્સસોન તર્જી વાસાસાયા તર્કે સાચાય છે.

38|

विद्याः हेव यदेव यदे गर्डे वें कें द्यम

येर्।

र्रे य रे हे। के अह अ ब्रु र य रे शुङ्क द्भु हे या या वॱ**ॺ**ॱॺॖज़ॱॸॖ॓ॱॺॗॱक़ॗॱख़ॱय़॓ॱॶॾॣ॓ॱॺॱॸॄॱवॱख़ॱय़ॱॸ॓ॱख़ॱॸ॓ॱ त्रु द्वा के महत्रामध्यामही के लागा माहि हैं स्व है षे त्रु त्रु । ब्रुव परि क्रें तर्य ग्री अ अरश क्रुअ थर निष्यात्रवात्रा । अः धेः केः नेः क्षेत्रः विः क्षेत्रः ।

निष्याः विषयः ।

निष्याः विषयः ।

निष्याः विषयः ।

निष्याः र्हेग्रसःह। क्षिरःहेःउवःग्रीःग्रॅरःग्रिरःदह्याःयःव॥ **ब्रै**व'य'सवर'म्रेव'र्के'षद'दबेव्य'यर'र्वेग १रे' নন্ধ্যা প্র্যাব্রিমঝঃ ঘর্রিদ্যাঃ ঘর্ট্টর্বেশ্রুঝঃ

त्रश्चेत्राचित्रः विश्वास्त्रः क्ष्यायात्रः । । यञ्चेत् । यञ्चेत्

क्रें गड्य इस्या

यर वर्हेग उँद ग्रव्या स्वाया हैंग्या शुर यदे।।

न्याः वैश्वः देशः गुरः देरः वदेरः चदेः येगशः विगा

नमें नायरि धें अधुरातु नम् । क्रें न्यम् अेन्य

वर्षियःश्रीयः वश्री वर्षे, यः बहुबाः श्रीयः श्रीयः व

<u> दे.लु.स.ज.ज्यू</u>ट.तस्.क्रुगी ॥

७७। । ध्या ४: हे अ: गुव: य: क्रुं अअ: यदे: यर्डे अ: ख्व:

বেশা । মর্কর রম র্মান্স নের বর্মীর শ্বা

বঙ্গুঅ'শ্বরা । ব্রিল'লাশ্বরা'ন্রব'শ্বরা'শ্রন্থ'

श्चरश्चित्रा विदुर्धिः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

वर्से इंग्या सिन्। इैप्टिंग् रुपै हुउ स इ रूई

षा । ५ वृ म ५ षा । ४ इ हे अ शु यु च द्वा ॥ १५५ वृ

र्ये। जुन्नाबरमानुस्यान्त्रालस्या 22वी क्रा.च्रे.िस्ट्रे.च्रे.िस

^भ श्रुव म्बुरक पत्या का श्री।

ईःबुक्षःचन्नुकःअवरःचर्क्षेःचःवे। **८गोः यः ८८ः धेक्षःसुरः**ह्

दर्गे प्राम्डिम गुराया सुकाय। । दे सी काया दर्गे द

বৰ্ম বিৰেশ্ৰেম স্থান ন্ম নিয় বিশ্ব

धरःवेषा।।।

Ī	Ī	Ī	

हैं। यान् हैं। एहें। दुई यास्त्र हे वृष्ट्र वेयह्याय

हिं हिं अर्केन दुवा सेन अपन्तुवास सें।। **७७। ।** द्वाराशेरामेदात्रस्यादस्यात्रस्या अविवा । पर्ह्यात्तीर पश्चव पर्दे अदर पर्वा याम् या । नरामुरार्केशामी श्रुवाय्वरार्दे हेते र्हे हेरे गुरुटा । अर्छव देरे दि द्यया दय र दे चलेव मने महायदे हु। । गुव मी इस दस्य द्या य र्केश ग्री है। । अर्घेट र्वेश द्व रेग दर्गे क्रमशर्देव स्व सर्दा । सर्वेद पर्देव स्व

विवश्वायाम्बर्धियाचायदेवश । महाव्वृहासर्हेः श्चेत्रात्वयश्यायार्श्वयायायनेयश्च । श्चीयञ्चेत्रम् हेतेः नवराधुणार्रे हेतेः केंबान्वीरबार्रे हेतेः षे भेशर्रे हेवे इरकुवर्रे हेवे वर्त्र वर्ष र्रे: हेते = वेग अर्केग र्रे: हेते = अविदानुन र्रे: हेते = रेषा'यदे'र्हे हेदे**ः छॅ**'क्वुव'सेव'य**ब**'ल्यब' यर पहन शुरु देश । शुरु दर्शे । यर प्रत्य प्रत्य यरःगर्नेष्यःयःवदेवश्रा ।क्रॅश्चःग्रीःवर्षेरःर्षेः

यर्भेरः यरः मर्शेषः यः यरेयश्रा । वर्षेः र्वेतः ध्रिम्बासेरः सहरः यरः मर्शेषः यः यरेयश्रा । देः स्ररः मर्शेषः यः यहवः यरेः च्रीवः स्वयः ग्रीक्षा । वैः

रयायञ्चरावद्या विषासर्केषायत्त् सेयान्य क्रॅ्रवारग्रीत्र्राण्या । यत्रायदे सद्या ग्रुस यावव सव इस र्रेय सँग्राम् । ५ सः सम्मागुनः गुन मुंग मुंग मुन। । । या दें दश श्रद्धा सुश इमायाक्षेरामेदीसर्जन्। विराह्मस्याम्यानुन्तुःह्मसा द<u>्</u>ष्याञ्चार्क्षेत्राञ्चा । तुःशानाञ्चायाः मुत्यानाः गुञ

वश्याप्रमा । विश्वश्राकेव श्वाबा हे दे भुगवा गुवा

वळम् । १२'यवित्र'यन्या'उया'यार्शेवा'वरेयसा बिरादरीस्। विश्वयायबित्रःश्चेरायसञ्जीयायबिशः

हुर अ गुबेर झे रेयर गेड्गिश्यक्त सेरा। त्र्ने. श्रेश्व. श्रैंट. ट्रंट. वीच.श्रेंपुर. वीचिवेश. चर्षेत्र. यद्री । वियश्वाता सुषा तक्ष्या मुश्रीय रहे यश सुन

ॻॖॏॴऄॣऀॻॴॗॎक़॓॔ॱॸॻॺॱग़ॖढ़ॱढ़ॖॱॾॖ॓ॴॱॶॱढ़ॾऀढ़ॱॼॗॸॱ ^{देग} । पर्नु प्रविष्य अस्तु यः सुयः परिः द्वेतः ययः य। ।ग्रम्भयः यष्ट्रवः यष्ट्रवः यदेः श्वेदः यें वि। धिंग्राषः स्वरःगुरु:विय:विय:उट:कुरु:से:कर्। ।ह्ना:यर: रयः दखेवः दखेवः यदेः यगः भेदाः भेषा । कुः गरः यह के दार्च ५ त्यायगाय देव के। । यद्भायग्रह । यवश्रञ्जात्यः वर्षः वर्षः द्याः स्त्रोत्। । नः सः स्त्रेः स्त्रः

<u>श्</u>रेव'र्येदे'वि'गर्विव'सर्हि । । श्रें सुव'र्रेव'र्ये के'व्य'

अर्केर्प्यातविषा ।र्यायायुव्यप्तार्याः अरम

न्याक्री मार्थानुदेर्द्रम्भूराम्बराम्बर श्चे प्राप्त विश्वा । दि दि प्राप्त विश्व से स्वाया विश्व से स्वाया विश्व से स्वाया विश्व से स्वाया विश्व से स यदी विह्याम्चीरामुन्युम्स्स्रसायासर्केराया वर्षा । मन्त्रमान्यायायायात्रहें न्द्रमया ग्री रहूं दे'ह। |प्रगाद'पकुरु'त्रु'याद्वयश्रादर'धीर्पय द्या विषय दर्गे केंबा क्रिंट्य द्वार स्थान विषय हरें वर्षा विश्वास्य क्रिया श्रीय द्या यस प्रीव श्रीका र्त्वेत्रम् । मुविःदवः वरः करः विः वरः अर्दरः यः ५८। । अर्क्षेग'५८' शुक् 'र्शेर'६६ँ श शुव 'र्र थ'६' ग्राईष्या ॥ > ७ वर्ग्न सर्वेषा हे श्राइता

७७। हिं हे तकर केव है तें वु रें ५८। । सर

यः श्रेष्यः हे पर्द्वः क्षयः ये प्या १५ मा मुख्यः

মন্ত্রির মার্বি মর্মীর অম শ্রেশ শ্রেমারা । মার্ম ম पर्कुत् मु: अ: इस्रश्राय: अर्केत् 'यः तत्त्वया । यः त्रः

र शृ' हु ' हे र ' द्र ग' यदि' अधुष्ठा । द्र देव ' गुष्ठुअ'

पर्रः क्रेश्रापत्र्वा प्रीः भेषाश विं र्डू केव चेंदे श्वेदःर्घेदेःदळरःषदःहें हे र्श्वेग

વળ: તું. સર્જેન : યા તસુવા |ব্রুমার্স্ট্রিশার্মার্ম্বর यदी विश्वाय द्याद लेश मुन्य हो। अनुवास

ह्मनायं पर्मेत्यन्। । यद्यानेयाये नार्षे केंश्र

सर्देव:र्:सर्दा वि:श्रु:र्यमःपश्यःविदःक्षरः दर्शे ह्वें या हम । हे पर्द्व ह्वया यें पाया यर्के नाया तर्यता । दे.चलेव.याचेयाश्वास्त्रातिर.चश्चेव. उटा क्षिम्बायायदेर्त्यासुरदर्गेर्देव्यस्त्। सिम् मु के ल सदय पहें श पदी । ज्ञ दें र म विंत त्रे विषान् सक्रेन् या वस्या । विद्यान्तरे सामवाया

क्रॅंट्यात्याधिया क्रिंट्याक्ष्या । क्रुयायदेयक्र्या यात्रुवाव्याध्यायक्ष्यायक्ष्याः । व्यादायक्र्याः यात्रुवाव्यायक्ष्यायक्ष्याः । व्यादायक्ष्याः याक्षायाः व्याद्याः । व्यादायक्ष्याः व्याद्याः व

पर्विट्यातपुः भैरी विटः श्रेयः श्रुष्यः तपुः तपुः विपः देः भिर्मे

য়ড়ৄ৴:বাবরিকা বিশ্বস:ব:বস্থার-বর্ম মার্হ-বাবরিকা বিশ্বস:মার্বর-

यन्य विन्याश्वर्याश्चर्या हेते विन्यं या

शर्थ्र-सि.त.ज.शक्ट्र-त.पर्येज। विचयाश्वाध्या

রিমারা. ছারা নির্মার নি

मुश्रक्षंटायासर्क्ष्टायायत्या । सरमामुनास्या শ্রীন্'শর্ন'র্দুম'রমশ'ডেন'র্শ্লুম। বির্দিম'ন' वहेग'न्द्रमार्शेर'द्युत'र्देन'श्रुद्र'न्द्र। भृगुःद्युत' यः वैं 'न्रसः क्षुं 'षे 'क्षु । । बदबः क्रुबः दयदः वें 'वतुवः ज.षाक्र्य.तायवीजा विश्वाबा ह्यायीय ज.ध्रुषाया

वयर:सकेर:शुर:उर:। ।यञ्जय:यबर:गुरुग:यः মহ্৴:ম:মহম:দ্রীব:মঝ। ইি্মাশ্ব:মঝ:শ্রমেশ

<u>ଞ୍</u>ରିଟ୍'ଦ'ଧ୍ୟଞ୍ଚିଟ୍'ସ'ଦମ୍ବଦା |ଧମ୍ବ୍ରଟ୍'ସଦି:ଞ୍ଲି୍ଟ'ଦ୍ୟ' नमे र्क्षेम्बरम् सुन बुन बेन। । शुन य शुन से होन हे

ग्रीक्षाक्षे मुत्रायतुर् ग्री दस्य दिस्य वा । । ग्राक्षेत्रः মর্ব'মর্কুম'য়ৄর'য়৻ঽয়ৢয়ৢ। য়য়য়৻

दवःदर्गेदेःभूगःचश्रूयःश्रेय। ।<u>द</u>ुगःगश्रुयःवदः अर्केर्यायस्या विकास्यावयाम्यायिकात् <u>रविरःभेरःग्रहः। ।गञ्जग्राञ्चःत्रादहरःर्क्षेत्रःचलेतः</u> र्देश्च्रास्य विषया विषया स्टर्धिया स्टास्स्रेया त्या सरदः प्रहेशः प्रदे। । रेग्राशः सः परे प्ररः ग्रानेग्राशः ज.भक्र्र.त.पर्यंजा भि.चर.त्रिः कुष.च्र्र.ज. यगाय:देव:के। ।यज्ञ:वयुदःगावशःश्च्राःवःवदशः विष्ट्र अर्ग । १५.के.कें.बेय.बुव.सुव.सुव.सुव.

सहरा । शिं.मुव. देव: यें. के:यः यहसः <u>नव</u>ुहराः

श्चेतायात्र्यायमाश्चेषा वियायविःश्चेमार्यः वियश

य'गुरु'हु'चबर'। ।हे'चदे'श्रशकेर्र'चकुर्'यः

<u>ख़ॱॸॸॱख़ॱऄॺॱऄ॔ॸॱय़ॺॱॻॖऀॴ</u>ऻॿॻॺॱॻॖऀॱय़ॸॣॕॱय़ॱ यहुन्'डेट्। विंद्रश्यायागुरु'यश्चें या अर्ह्न्या। ৰ্ষ্ট্ৰ'ম'শ্ৰুম'ঝ= ৫র্ল্ড'মই'মর্ল্সব'র্ম'পুশ্র'ম্বা' ୴୶୲୲୶ଽ୶ୢୢ୶୶୕ୣଌ୶ଽ୳୶ଽ୶ୄଌ୶ୄ୵୕ୣଌ୶ୄ ग्रह्मर स्वासेत्र केत्र क्चें या ग्री । या त्वी र सदी । र ग्र यर्डेश'ग्वक्ष'यहव'ह्रस्य प्यः दहिग'हेव'एर्नेव' यदे मर्डें में कें दयम सेदा । दुश्र सेद रके म यात्यसारहें असायदे दयवा । अर्थे व से द स्वा ପର୍ଚ୍ଚୟ:ଶ୍ରିୟ:ଘ:ଝ୍ଟିଅଷ:ଯି:ଖ୍ଡିପଷା |ଷମଷ:ଶ୍ରିଷ: ळें '५८५' से 'य= व्यव' में अं कें 'रवस' गुद्द 'हु' বষ্ক্রীবর'ম'ৠ |5ৢয়'য়ৢয়ৢয়'য়৾ঢ়য়'য়ৢয়'

ग्री'दर्धेद'यश्र'म्। | ४ठ'५ग|४'वव्य'ग्रंडेग्।धुग् मिन्याञ्चन प्रमा । यो प्रमानिक स्वाप्त मिन्या विकास मिन्या विकास मिन्या विकास मिन्या विकास मिन्या विकास मिन्या

र्वेदे लया तुः नयया युव यू र्वे स्ट्रेंव गदि त्रु पदे

अर्देग विषयमञ्जूराष्ट्रमायक्कित्रमयासहैत्राविः

चर्दः भ्रा । षो : ने श ५ द्या । षश कें : षो : सर्के ग : र्हें स्थ : या विष्यायमःमुखासदेख्यात् ग्वित्त्वते स्वा

खुम्बादकदः नः में। । षो : वेबार्बे्ब नः से : रनः हुः

गुरुष। विह्नम् हेन् गुरुष्यः ग्रीसुन् स्रोयः या।

ณะมานนิ:ามีกลาง ผู้สามีสามาที่สา<u>ม</u>า য়৾ঽ৾য়৾৻ঽয়ৼঀ৾৾য়য়য়য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৢয়৻ৼয়৻ড়৻

বক্কুৰ। । গ্ৰুম্ব ঋ ই শ্ৰুৰ শ্ৰুষ হেৰ্ন্ত থে মাইম্বা শ্বুর মঝানারীদাঝাঝা ৠদার্মী কর শ্রী দার্মা

য়ড়ৄঀ৾৻৴য়৻য়৻ঀৠ৸য়ৼ৻য়য়য়ৼৢয়৸য়৻য়ৢ৻

यन्त्र'र्से । भिंग'यनेव'यनेग्रा'ग्री'र्सेंग'र्स्थरा' वर्हें अका अहं ५ 'या | या ईं अ 'ख़ेब 'हें 'हे 'वहें ब 'वा

वःश्चित्रस्यादव्यः श्चितः श्चेरवित्र। श्चित्रयाकेतः ग्रीक्ष'ग्राद्माक्षुद्रकाया । ध्रि: ५८: ५८: ५८: ग्राक्षद्मायः

षी । षि:५अ:इस**अ**:यः वर्डेस:य्व:य५**अ**:ग्री:श्रुव:

र्ष्ट्र म्या श्रुपः धरः अर्द्रः यदेः यदः श्रवाः या । यः

चर्षेत्रःश्चेंदःचरःष्याचष्याचिषःचरी । व्हिंशःश्चेंदःशुदः

यात्र्यत्रायायर्केत्यायत्वा॥॥

। अर्गेव चेंदे कुव विरावश्वाय पत्या वार्षा

্রি । শ্বর্ষী বার্মার রাষ্ট্র বার্মার রাষ্ট্র বার্মার রামার রা

र्नेत्र गुत्र शुव्र परि र गुर्स क्षेत्र छेत्र गुप्त पत्ति । क्षेत्र क्

क्रेव स्थार्केश स्तुव दे केद माञ्चमश्रा

श्चिय:य क्रेव में शक्रें त्युव रें व्यट ह्रेंव।

व्यिःईं क्रेवः র্য়রে:এনশ্ব:অম্পর্যাক্রনেশ

ळेव'र्येब'ञ्चु'दश्'इद'वब'यउद्। १५७१८:श्रु५:

વિશાયશ

क्रेव'र्य्य'स्युत'यरे'सुत्य'यर्यंत्र्यं । । पर्सेव'त्र्युयः क्रेव'र्य्य्य'सुत्र'यरे'सुत्य'यर्यंत्र्यं । । पर्सेव'त्र्युयः

यः अर्देवः तुःशुरा । श्रिवः यश्चः क्षेवः य्वेदेः सामयः दरः यः अर्देवः तुःशुरा । श्रिवः यश्चः क्षेवः य्वेदेः सामयः दरः

यक्षियायायदेवका । दिश्वाया स्थल यस स्थल य

মাধ্রুস:ব:বইব:পরিধা । শ্লীব:বশ্লীই:বর্ষর

यः देवः अर्क्रमाञ्च यथः विद्याः यद्भवः । । यद्भवः । । यद्भवः । । यद्भवः । । । यद्भवः । । । यद्भवः । । । यद्भवः

यः देवः केवः धुँग्रवः त्युद्धः सुवायः दयः । । यद्देगः वेवः हृष्णेः केवः सेवः सुवायः वयः । । यद्देगः

हेव द्यो येग्रा केव यें अ द्विय पर में या । देश

শূর্চ্-মন্ট্র্শ্বরাত্মিশ্বরা

য়ৢৼ^ॱचीॱळॅशॱয়ेॱ৻য়য়৻য়ৣৼ৽য়৻য়॥॥॥ য়ৼ৽ঀৗ৽ळॅशॱয়৾৽৻য়য়৻য়ৣৼ৽য়৻য়॥॥॥

ર્દ્યા લુક્ષા દ્વા વક્ષુવા ઘર લર્દેદ ઘર ક્વા લર્દ્ધર ઘરા વક્ષુક્ષ ઘરે દ્વા

য়ৢয়৽য়ৣৢয়৽ঀৣ৾য়৽য়ৢয়৽য়৸য়ড়৾ৼ৽ৼৄয়৽ড়৽৻ঽঀৣ৾য়৽য়ঀয়য়৽য়৸য়৾ড়৽য়ৣ৽ঢ়ৢয়৽য়ঀয়য়৽য়৻য়৽ য়য়য়৽য়ৢয়৽ঀৣ৾য়৽য়ৢয়৽য়৸য়ড়৾ৼ৽ৼৄয়৽ড়৽৻ঽঀৣ৾য়৽য়ঀয়য়৽য়৸য়৾ড়য়৽য়ঀয়য়৽য়৻য়

क्र्र्यायः स्टाप्त्राविः स्टाइक्षः श्रृः श्रृः स्ट्राच्या हिं

उव'लच'लुअ'दब्विल'र्ड्से र'र्क्क्ष । मुन्द'न्दर'क' <u> अग्राक्षंद्रशर्द्ध्याश्चाशयायरः वर्श्वेश। । रेशः</u> यःचित्रं व्यव्यात्रं राज्यायात्र मान्यायते । व्रिः इसमा

<u>ୱିଁ ५' पक्क ५' ५८,८४' गलय' ୴श्च' गु' गश्चुय' दर'।।</u>

वर्षेत्रः वें विवे त्रेया क्षे व्ययम् विष्या । देवा हवे

ब्हेर:तु:वर्रेत्।वस्रक्ष:त्वर:ध्रुव:त्रः। हिं:हे:वेर:

के'र्रादेर बेर र्ख्य र्'यक्षेर्। । वार्डें वार्वेर

ঘমান্ত্রীলেঘাড়ুমান্ত্রনামান্ত্রনা বিদ্

त्र्रेश्याणे नेश्वाः क्ष्यां श्रुवः इत्याः श्रुम्। श्चित्र শ্র্নিস্থান্থা বেইব'গ্রী'শ্রশ্বানাই্রিউন'র্মেমের্ম'ব্রন্থান্মা

य:८८:८१:८४:८४ । श्वाराहे:श्वाराह्य:४४:८८: य:४४:४४:८४:४१ । श्वाराहे:श्वाराह्य:४४:८८:

मुश्रास्त्री विश्वेयः यात्रीयः द्वीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः

मार्श्वता । हिं हे वया शें रे स है। विद्या स्टूबा स स सर्थे वससा स्टूबा स्टूबा से स्टूबा स स्टूबा स

য়ৢॱয়ড়ৣ৾৾৻য়য়য়৻ঽ৾৾ঽ৻য়৾ঀ য়৻য়৾ড়৻য়য়য়৻ঽঽ৾৻য়৾ঀ য়৻য়ড়ৣ৻য়য়য়৻ঽঽ৻য়৾ঀ য়৻য়ড়ৣ৻য়য়য়৻ঽয়৻

श्व.बाङ्गुर्फा । क्रू.श.टें.बाँ.ज.बां.ज.ल.ट्र.स.र्घो। अ नेत्यन नना । श्रीने ठन ठल क्रिय नेत्रनीय

द्रः हुँ : ते : कुँ : विष्य : कुँ : विषय :

त्यी ह्या स्याप्ति त्या सामा आसी हा हैं। या हुन क्या स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स्थापता स

^{য়ঢ়ৼয়ৠয়য়ড়য়য়} ౘఀ౹ఄ౸ఄౘয়য়য়৻ৢঽড়ৣ৾। ৼ৽ৼৢ৾৽ঀ৾৽ড়৽য়ৢ৸য়৻ঀড়ৢ৾। ড়৻ড়৻ৼঀৣ৾৽ড়৽ৼ৽ৼৢ৾৽ঀ৽ড়৽য়ড়৻য়ৼৢ৻য়য়৻ড়৻

षें'षें'षें। अ'अ'य'२|२| २|'गृ'य'**अ**'अ'८'ईः

इं:हुँ:वै:र्नेः ष्पःयःयःर्नेः अःर्वे:वगःर्वे:र्ने:यै। अः

ब्रॅं'वर्गार्थे'त्व'र्हे'ड्वें। इंश्हुँ'वै'र्नेः वर्गार्थे'त्व'र्ड्वे।

षक्ष्युं यू र् द्वि द्वु ये षू र्ये गे स्व हो वैसे उ न व स

ॸॣऀॾॣ॔ॱय़॔ॱॾ॔ॱॺॖ॓ॱॿॖॱॾॶॎॸॱॎॾॱॴॵॱॷॎ॰क़ॗॕॗॗॗॗऻ ^{ऒॾॕ}ॸऻॱॾ॔॰क़ॗॕऀॱॸऀॱॸॖ॔ऀॱॱॴढ़ॖऀॴॶऒऄॸॱय़ॸॱॿॖॖॸऻॎॱक़ॗॕऀॗॗ ॾॕॱॾॖ॓ॱय़ॎॾॸॱॺॊॱॿॖॖॖॺॱॾॖॖॱॸॱॎॿॱऒॱऄॱॷॎ॰क़ॗॕॗॗॗऻॱॺऀॿ यदीरावी | प्रमाधारप्रकारमानुस्त्राह्मासासः स्रोह्मा । । प्रमाधारप्रकारमानुस्त्राह्मासासः

यास्त्रया । क्षेर्यान्त्रया व्यायास्य म्यान्त्रया । क्षेर्यान्त्रया व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्य व्यायास्य । क्षेर्यास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायास्य व्यायस्य

त्रुष्ठ के के त्रुष्ठ व्यापात्र के त्रुष्ठ क

यासियो.पक्षां मुं भीयपायान्य मिन्नां यासियापक्षां मिन्नां भीयपायान्य मिन्नां मिन्नां

चर्झेत्। ।क्षें.स.स्यां.त्यायां.स.स.स. क्षें.स्याःस्याः स्याःसक्षेत्राःस्याःस्याः ।क्षेत्यःक्षेत्रःसः क्षें.स्याःस्याः

श्चर.येबा.कुय.त्रुषु:श्री विज.कुये.विबा.खेबा.चर्टेट. श्री चळाळ ४००० विकास

क्रे.च.क्रुव.र्ज्ञ। ।र्थे.प्र्येट.क्री.लुब.क्रुवाबाक्ष्यका

यग्रद्धेरद्युत्य । । । । व्यान्त्रीय हास स्वान्या । स्वान्त्रीय हास स्वान्या । । व्यान्त्रीय हास स्वान्या । स्व

<u> વુ.સ.</u>ટે.નર્સે.સ.ટુ.ફ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ્રેસ્ટ

सारा ले । वै. प्रस्तु वार्स् सान्तु गा वि. सी सारा सारा ले । वि. प्रस्तु वार्स् सान्तु गा वि. सी सारा कैं। य'नग'र्श्वेन'यदुन'र्श्वेन'यन'श्चेन्या ।र्श्वेन'

यदे दर यश्र भेश्य है। क्रिंट से क्र

तर्भूयःचदेःद्रशः क्षेत्राःचदे। ।वतुरः क्षेःस्वःद्रवसः दर्रः कृरः देश। । ।षेः वेशः वतुरः क्षेःश्चवः द्रदशः

वस्रा । र्वेरसेर्खं र्रं स्था । इ.चर्रेर प्रयम्भ है. म्रं सब्द्रा सेर् खैं धैं सीस्रा । विवर

यः अ.स.च्याः क्रियः अ.स.च्याः । विस्तरः स्याप्तरः । विस्तरः स्याप्तरः क्रियः अ.स.च्याः । । विस्तरः स्याप्तरः । स्याप्तरः स्थाः स्थाप्तरः । । विस्तरः स्थाप्तरः ।

वर्चे केंब क्रिंट केंग्ब क्षुव द्रम्य । यद्व खी

শূর্ম নাম্ব্র শূর্ম নাম্ব্র শূর্ম নাম্ব্র শূর্ম বিষ্ণা নাম শূর্ম

ોદ્ધ.

क्र. क्र. १ | अक्रेन.सेश. संस्टा है। इ. १ | अक्रेन.सेश. संस्टा है। । अक्रेन.सेश. संस्टा है।

यक्श्राताः शकूरे.तंरायग्री मिक्यात्रः क्ष्रां श्रह

र्चेश्वश्रम्भाषाणीः यद्गा र्हे हे त्येग्रम्य श्रीतः अर्गेत्रत्वेदः श्रीदः द्वा । । अत्यरः त्या हे हे सुत्य ये

१ई:ग्रा५:स्युदि:

र्षेव फ्रव हें ग्रह्म या देश । ग्रावह रहं या है प्रावेद ୖୄଽ୕୩**୶**ଂଘରି:ୖୢୣଈ୕୕୩ୄୡ୕ୄ୶୕ଅୄୗ |ଘଞ୍ଚିଁଟ୍:ଘ୕ଅ୕ଔ୶ଘ୕ षेश्वायक्षेत्रप्रम्यवी। वित्रियायरेत्रात्र्वाया य'यहव'य'वे। ।यद्या'र्श्यम्भ'गुव'य'अर्केया'द्र बुव र्केट की। । ८ र्देश शुदा क्षृव र्वे ग १८५ रेप र्क्केय

मुर्भा । विद्वायायस्यार्क्षदाञ्चदार्चमार्च्यार्वेदाया।

*વિ*ર્દેટ.લૂથ.કે. र्षेत्र कय अर्केन यम यत्रेश *५८*:म्बर्सर:यदि:सर्कें५:य:५८:। १र्ने विंक् क गुरु प्रबद्ध अर्कें द्राया अर्केंद्रा विंद्र ग्री क्रीं र द्रा मुक्ता । दिन्द्वायायाद्या । यद्यामिश्च यात्रेत्रः स्ट्रेन्द्वायायाद्या । यद्यामिश्चयाया यात्रेत्रः स्ट्रेन्द्वायायाद्या । यद्यामिश्चय्याया यात्रेत्रः स्ट्रेन्द्वायायाद्या । यद्यामिश्चय्याया यात्रेत्रः स्ट्रेन्द्वायायाद्या । यद्यामिश्चय्याया यात्रेत्रः स्ट्रेन्द्वायायाद्याया

प्रतिह्म हे पर्वत्याम्य प्रतिहे से स्वास्त्र प्रतिह्म स्वास्त्र प्रतिहम्म स्वास्त्र प्रतिहम्म स्वास्त्र प्रतिहम्म स्वास्त्र स

य्यायः पश्चिम्यः स्थाय। । स्थायस्यः यात्रियः प्राप्तेयः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थाय स्थायः प्राप्तेयः स्थायः स

नस्टान्या । मानुमायदे श्रेश्रश्रायक्षरान्यः

क्वेंत्रअः सेवः यश्याः अर्दित्। । त्विः त्वेंश्वः त्वेः त्वेंत्रश्चा यश्चर्याययम्बिरा । दिगामर्स्विग्रायङ्ग्वर्शुम यदःर्-धुंगश्चायञ्चरःर्य ।श्चाश्चायश्चेरःर्थः यर्डवःषयासेन्'वर्नेम'मस्याग्री । स्नुयायस्रवःवर्नेः নশ্ৰ-প্ৰস্থম-দ্ৰীশ্বাহি[[

्रे पश्चेत्राचार्क्षयाश्चीः तुरुष्टिं द्वश्व । द्वायाः स्वायम्बद्धाः विषाः चित्रेरः तुः विषाः चित्रेरः तुः विषाः चित्रेरः तुः विषाः चित्रेरः तुः विषाः चित्रेरः विषाः

क्रेंट में श्रायक्कें मा । अर्केंद्र पदेश मानका वदे मा

अक्ष्य.रो । १५.भ.धीर.ज.च.च.च.च.चेय। । ८४). श्रीय.रर्ज्य.यी । श्रास्थ.धीश.पश्चेय.तप्र.धीज.

तर्वः द्वः तयदः द्वादः यः प्रश्नेत्। । श्रूदः प्रतेः द्वः प्राः तयः द्वः इयस। । ह्रसः वृत्यः उत्रः यदः

भेर-तर्माहूर। विकाःस्ट्रिस्य ज्या श्री र दियाः स्ट्रिस्य ज्या श्री र दियाः स्ट्रिस्य ज्या श्री र दियाः स्ट्रिस्

क्रमाश्चित्रः स्टेन्सम् वेस्टस्य स्थान् । मानस्यः

यद्रेरःश्चेष्ठःतर्देषःयानेयाश्चःयाश्च्याः । स्वर्धः सुश्रःतश्चेषःतर्देषःयानेयाश्चःयाश्च्याः । स्वर्धः

単知知、古道口、古工、知義之 | 1gをはなと、変血、割を、発発、発電、 到し、一路のコープリー | ののは、その、コン

णन्त्रःश्वरः विज्ञुत्यःचत्रेःन्यरःचें यञ्चत्रःयन्त्रःयःष्टिं ज्ञुत्रःदर्धेत्रःत्यश्चार्देःहेतेः

गशुद:दें[[

भै गैं।कंट:केट:स्वाबाःसर्वेद:सेद:पश्चापर:प्वेक्:स्व:स्वाद्यः

বহৰান্ত্ৰী,ৰাট্ৰ-বেণ্ডল,ৰ্ছৰাৰা,বৰ্ছা নিৰা,বেণ্ড,বনা জু, বাই,মা,সে

ॱसॱয়ॱॸॣॱग़ॗॱॴॱॴॱड़ॢॕॱॺऺऺ॑ॽॱॾॄॱॸॣऻॱऄॎॱॸॖ॓ॱय़ॱऄऀॱॸॖॱॺॎॱॺॱ

[बृ·के][बृ·के] 55^{-ऑवरअस} औं कुँ:ब्रे॰ख:देे खे़े गाृ॰ये गाृ

ये'अ'ङ्ग्गृ'ये'ङ्कुँ ह्याँ अ'दै'दाये'हः वेशद्रा

इयाश्वराम्डेंन्य केंन्त्रे नुप्ताहृत्या कीन्यात्रेंनी इह्य बायाया रम्ह्य याया बर्म बहु से प्रायाया

ড়৻য়৳ঽ৾য়৻ঌ৻ঽ৾৻৴য়৻ঽ৻য়৻৸ৣ৻৸য়৻৴য়৻য়৻য়৾ या कें प्रहं श्रुः श्रुः श्राः श्राः श्रुः श्रूः श्रुः श्रूः श्रू

तिः भ्रें त्या क्षें सान्या क्षे त्या त्

रहा अवस्वनाया के जुषा मुर्हा यह मुर्हा सामा में प्रमु

रावह्रस्यायायाहः स्रोद्धः अष्ट्री स्रामुस्या

ਵਿੱ'ॸॖे'क़ॣॹॱॸऀॱय़॓ॱॺॱय़ॱॸ॓ॱॷॱॸॱऄॎॱॸऀॾॱ*ॿॕॱ*ॸऀॸॺॿॆॸॷॸ। ଊ୕ୖ୕୴ୠୢୖୄଽୣ୕ଽୖଽ୕୵ୣୣୠୄୄୄ୵୷ୄ୕୳ୖୣୠ*ୣ*ୡ୲ଽ୲ୖଽ୕୵ୡ୲ଽ୵ଊୖ୲୵ଽ୕୕୕ଵୣ୕^{ୡୄ} <u>इक्षत्वस्थानमा हाक्षमा क्षेंग्लूस्</u> से सुक्रुः **द्या**या से सुप्त षी:दै । र्रेंगऱ्य कें खुः यहं गु तो सेवासद साय र्भ स्वाम स्थापन स्वापन मृत्यः सुवः रें साम्राधार्मः मं से पे मान्यायाः हें । श्रमः विः कुँ स्रूप्तः स्था अहि । स्वार्थः विष्युः स्रास्तुः ियाङ्कर्मुं मृर्द्धः श्रादाः में खुं मासी के सा हे'**७**।'सेत्रःइंस्यादायां से स्वृप्य **छो**'दै । । ब्रुगायर्खःण

ଊୖ୕୕୰ୢ୕ୢୠୣୠ୲ୠ୲ୠୄୠ୕୵ୣୠ୵୷ୣୠ୲୷୲ୖଽୣୄୠ୷୷ଊୗ୲ୣୖ୳<u>ୣ</u>୕ क्वयाया क्षें प्राञ्चा मृद्धा स्था से स्वृप्त स्थि दे इयया ध्वा विषयमा क्षें स्वीयात सह्यात स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्य য়ৢয়ৢয়য়য়য়য়য়য়ড়৾য়**ঢ়ৼ৾৻ঢ়য়ৣ৾৽ঀৢ৾৽য়৻য়৻য়৻য়৾ৼ৸ৢৼৼড়৾৽ৼ৾**ৼ गर्वेराञ्चीवागरायबराय। क्षें प्यत्नाःस्त्रः इ.५.५।याः रे सू र ष्ठे[,]दे शुक्रुवाया सुक्तुवारोक्ते श्रादारी सुराष्ट्री दे ॻॸॾ॓ॴ **ऄॣॱऄ॔ॱॴॱऄॖॱॾ॔ঃॳ॒ॱॸॱॸॖ॔**ॱॳ॔॓ॱॾॹढ़

यद्यत्ता हिन्दै। इ.वे.यह्म श्रृःहुःश्वायाया हो हिन्हं है। श्रीःदै : यात्री : हायायाया हो हो यह हो। वेश्वयर्थे व्यवश्यी : व्रे इट्यट्या हो : वे : इ.वे : यह : श्रृं : इ.वं : याः याः यो : व्रे षायश्राम्यायदेवरात्त्राम्यत्त्रक्षेष्ट्राव्य ઌૹા શુદાવદાયો બે જા ગું! વતુ ૬ ફે દે જ્ઞુ અર્ઢેં જેવ ધૈ'(વ'ર્નેગ'ર્<u>ન</u>ે'ર્સે સેગ્\ગ્રુ'ક્ષુઢ'ક્ષુઢા'ર્ઢેંગફ્રા'ય'વર્નેન यदे र्वेदशर्श्वेद :बद शे वेश यर शुरा कें लु हुँ। ग्वश्रान्त्रिः स्पन्ति। स्प्याक्रेवाशुर्याञ्जर्शे ग्विश् मु: गर: मु: दग: यथ: यॅट: अर्दे: विस्ता र्स्रामः यर्रे र. व. क्रॅंट. वाश्या. ग्री. क्रॅंट. क्रुव. ग्रूर. वावश.

वे। ले.स्यः मुक्कुत्राणी ५.दूं यत्। ले.स्यम् स्यास्य

गिलै यदमा दगार मिर्हेर दर आवत तर्मे ही मिर्हेर यहूराय

न्द्रस्थात्रम् वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वर

র্মান্ত র্র্বান্ত র্র্বান্ত ক্রিল্য ন্ত্র্বান্ত ক্রিল্য র্ব্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য নির্বান্ত ক্রিল্য ক্রিল্য

यहेगाःह्रेवःयदेःबेदःर्थेःयेग्रबाद्यः । यद्युः इस्रबः । यद्युः इस्रबः । यद्युः इस्रबः

য়ৢয়ॱऄॕ॔ॻॺॱय़ॱॸॣॸॱ। विनःषः वर्देन यः गुतः ढ़ॹॖय़ॱॺॾॕॸॖऻ वॎ^{ॾॢ}ॸॱ^{य़ॱढ़}ऻऄॕॱॶॎॗः ॸॢऀॱॸॖ॔ऀऀऀॱॹॱऒऄॱ २ अ: अवितः तर्वे : ५ ८ । | क्रिंश क्रें हि: क्रुं अर्के रः प्रक्रें रः प्रक्रें रः प्रक्रें रः प्रक्रें रः प्रकें राप्त राप्त रः राप्त रे राप्त राप्त रः प्रकें राप्त राप्त रे राप्त राप्त रे राप्

श्चितःतरःश्चीर। क्ष्यायहं क्ष्यूं क्ष्युं हैं। देव्वेतःश

 गहॅरवर्श्वयाया र्हे हे चेरउवर्दा | धुस्रकेतर्घयायुवायू

र्शे रटा चुटा स्वा विषा र्घे प्या स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व

त्यः में हो त्येषा श्री वास्त्र विष्यः स्त्री क्षेत्रः स्त्री वास्त्र विष्य स्वाप्तः स्त्री क्षेत्रः स्वाप्तः स्वापतः स्

न्तु'क्रअक्ष'न्द्र। |न्त्र'चित्रे'क्र्यं'न्यम्'मे कुय'र्से'चित्रे |न्त्र'चित्र'केर'चकुन्'चह्न'स

ग्रदशयद्याय। । अहेशः स्थः द्याः चेदिः यहतः गर्नेरःकेवःर्यः ५८। । श्रुवः ५८: रसः गर्भेरः ५५:०। ८२:बदःर्सेग्बा ।८र्देशःवर्धेरःधे८:ग्रैशःश्च्यः यदे'अर्केन्'इब'दत्या ।न्गुब'यर'यवेब'य' ঽ৾[৽]য়য়য়৾ঀৢয়৸য়ৼৄৢয়য়৸৸^{ঽয়য়৻য়য়য়য়য়ড়ৢয়৾ঀ} মঝ'ম'শ্বম'মগ্রীশ'মর্ড্¶

हैं। प्रगायः प्रकृतः त्रुः आधिः त्राः प्रदः । । प्रययः व्याः आवयः यश्चितः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याः व्य म्रायित्व प्रमास्य । इत्य म्रायित्व प्रमायित्व । विष्ट्र प्रमायित्व । विष्ट्र प्रमायित्व । विष्ट्र प्रमायित्व ।

पर्झेब्स्य:क्षेत्राः साम्योधियः प्रमा । विः नेब्राः समितः । विः नेब्राः समितः । विः नेब्राः समितः ।

म्बर्यायदे अर्केन्यार्हेर यदे प्रवेशन स्टब्स्

यक्तुर यश्रव र्यादे कें तस्यो विष्य स्थान के स्वि है। विषय स्थान के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के

रस्रो उँहाँ यञ्जांत्र अङ्ग्रेशर्ग वॅर्न्सर्जन षार्श्वात्र अराहा यथिता अङ्ग्रीविस्टिन

[A.宋.[Ā.월] ; darāķa #a. raz 21 a 2 1 a 2 2 2

र्याष्ट्रित्यम् त्रुव्यक्षत्याकृत्यव्याः व्याष्ट्रियः यह्नायात्वयः न्याष्ट्रित्यम् त्रुव्यक्षत्याकृत्यव्याः व्याष्ट्रियः यह्नायात्वयः

यदे'अश्रुष्ठा । ५र्गोव'अर्छेष'यक्षुव'य'गर्वे५'वे५' यदे। । भूट'५श्च'गर्वे५'वे५'यर्नेर'स्ग्रिप'ठेग। यदे'यर्ड'अर्जुस्व'र्दः यर्ड'युं'व'र्दुं। यर्ड'र्स्वे;त'वै।

याकृष्ण वेद्रायाचेद्रायाची श्राचेष्ण वेष्याक्षाद्वी क्षाक्षाक्षाक्षाक्षा याक्षायाक्षा विद्याची श्राच्याक्षा याक्षायाक्षाया विद्याची श्राचेष्ण

यां गृःर्वे ष्षे। हैं हैं स्या क्या या कृषा हुई वि हैं का

শূর্চ মান্ত্র্যু বিষয় শ্রী শাস্ত্রা

है। सासाक्षेत्राख्यार्क्यायात्त्वाहैं। सासाक्ष्यायात्वाहें। योर्वेत् छेत् त्वा ययोगसा छत् सदे न्याख्यायाया दे । युः हे। वहंत्र स्वत्तः हे वे स्टायवेव तुः श्वराया वे स्वयाय वक्षसाया

भ अर्थेव संवेद स्वेद स्वार्क्त स्वेद स्वार्क्त स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्

यक्षे । प्रमादःदाव्यः । हिं हे श्रेवःद्यं सः दृःमाः यक्षे। । प्रमादःदाव्यः । हिं हे श्रेवःद्यं सः दृःमाः র্মর্মন্য । ক্রিমেক্ট্রমের্ম্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ্রমান্দ

यदः श्रुवा । स्यायन्त्रम् । श्रुवायः वर्षे स्थायः स्थायः

तरु.शकूर.तरु.कूबाबा । शि.जंबाईश.रेबा.धूँ.

लुश्रःश्चेषाःवश्वायाः। श्चितः वर्षेत्रः प्रदेशः

यरेदे तर्रे र तर्हे र यंग यश्वय भिरा । कुय

यक्ष्रवः त्रुः ५ गूरः यक्षेत्यः यदेः सः ग्राणयः व । । श्रे५ः

यश्चित्रः त्रुवितः स्वतः स स्वत्रास्य स्वतः स्व

ঀয়য়৾৾৽য়ৢয়৾য়য়য়৽ড়ৼয়৽য়৾ৼ৽ঢ়য়৽৻ড়ৼ৽ঀ ৾ঀ৽৻ৼ৾ঀ৽য়ৢয়৽য়য়য়৽ড়ৼয়৾য়ৼয়৾য়৽য়৽য়য়৸ यर्सेर्वस्थान्तरमें स्विन्त्रम्थ्रीत्रः न्यारस्या घरः यदेः श्रुटः करः श्रेत्यः स्वाध्यः यरः सर्हेत्।। महुस्रश्चान्तर्भे यश्चुतः श्रुंदः यदेः त्याः सुत्यः उत्।। स्वित्रस्यस्वासः श्रीटः त्याः कृत्यः यदेः त्याः स्वाधाः

र्नेवर्न्याश्रेयशयीः में हेदे ये थे खेश । युवर्नेगः

*৾*ঀ৾৾৾৾ঀॱ৻ঽৼ৾৾৾য়ৢ৾য়ৢৼয়ৼ৾য়য়৾ৼঀ৾৾৾য়য়য়৻

मर्षे से ५ मत्य मुदे पर्दे पर्दे असू ५ द्वा । विषय

शेव हैं हे दे हो दाया यह या शुर उंग । १८५ या

क्ष्यांत्रा या ट्रेंत्रा स्वात्रा उद्येट उर्वेट वर्वे क्षुत्रा।

८२.श्चेम.पश्चित.मश्चा.पश्च्य.पश्च्य.चाम्बा.त.म्।

लश्रञ्जी मुं अर शुर तर्वे प्रते केंग्रश । प्रावितः

यव क्रिय श्रवार्श्वेर प्रदे प्रचार श्रव श्रेव श्रेव। विहें

बेर्-इर्-च वर्षे व संदे र्वाद क्षेत्र व। विवासेर र्श्वेद्र'प्यंदे'द्रमे 'येम्बर'य्यर'शुरु'रेम । ३४४'य

ૹૺ. કૂપ. તતુ. ^{સુ}તા. પલન. ૧૧ . ભૂ. થીય. તુવે. તત્રા. કૂં. કું. બુંચા. તૂરે. તીતા. પ્લ

ૹૹ૽ઽૺ.ઌઌૢઽૡ૱ૺઌૢૼઌૺ.ઌઽૹૼઌૹૢઌૺઌૢૣઌ*૾*ૹ૽૾ૺઌઌ૾૱૽૽ૼૺૺૺૺઌ૱૱ૹૢઌ૱

અર્લ્ય-'[']['] એક્ટાનું કે ક્યા છે અનુ માનું કર્યું કહે તે કહે છે. તે કું તે કહે તો કું તો ત્યા પ્રથા પ્રાથ્કે તે કહે તે કહે તો કું તો ત્યા પ્રથા પ્રાથ્કે તે કહે તે કહે તો કું તો ત્યા પ્રાથક તાલું તો ત્યા પ્રાથ્કે તે કહે તે કહે તો કું તો તાલું તાલું તો તાલું તાલું તો તાલું તો તાલું તાલું તો તાલું તો તાલું તો તાલું ત

नुःर्ब्वेदःयःन्वोःयेगद्यायवेत्य।। ५१४१००० 🕴 न्याःक्वेद्यायसूद्यायः वर्नेः বর্নির ^এক্কুঝ'ব্বহ'য়র্ক্রলাক্কু'ল্বহ'র্ন্-রম'র স্থার বিশ্রুর প্রাক্রমার স্থার বিশ্বর বিশ্

শ্ৰস্থ্যমার্থ[[

है। रययाध्वासम्बद्धाः स्वाप्ताः स्वापताः स्वाप ग्रीका | प्रक्षेत्रायाः स्टायदे प्राप्त मे माक्षा स्थाका

श्चर-र्-पश्चलायदेःनिवन-रुक्ष।श्चिन-रुव्यकाञ्च

क्रें'वयानु प्रवेश । इस्रामेश क्रेंश ग्री न्री दसासु

र्श्वेम । ष्ट्राष्ट्री खूरस्त्री हिंग स्त्री हिंग स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा न्याप्त्रिन्। ज्यान्यान्त्रिन्तुं प्राप्तिन र्ह्वे (मू:५) ५ अ: उव अर्गेव : यें व म : यें अवदः दर्गेदे

ર્જુયાં શ્રુ. શ્રું સ. વ. ક્રેત્રજ્ઞ. ગ્રી. હેળ. રી. ટેલા ક્રેજ્ય.

रगाः विः हैं खारगाः र्चेः द्याः यगेषा अः यद्याः स्थाः सः ष। षः सः सः संगोः खाषः र्चेः वः संस्थाः स्वासः सः सः

য়৻ৼৄ৻ড়ৣ৻ঀ৻৻য়য়৻য়ৣ৽৻য়য়য়৻য়ৣ৽ য়৻৸৻৻৻য়ৣ৾৻ড়ৢয়৻ৠৣ৾ৼ৻য়য়য়৻য়ৣ৽ য়৻৸৻৻৻য়ৣ৾৻ড়য়৻ৠৣ৾ৼ৻য়য়য়৻য়ৣ৽

यमुर्'ग्री'क्'र्क्षेष्वाश्वास्त्रश्वश्वात्रीः न्यत्यःश्वर्षेव्यः विदःव्याचित्रेः विदःयमःतुःत्रह्यःन्यत्यःश्वेःयन्यः

ययो. तृषु. कें. क्षूयोश जोतूर टेट वश्य ट्राय क यटे ही बट बहा वर इति वर है खड़्य ट्राय क यटे ही क्रियनेवायां में इस्मार्थान्य क्षेत्र क्षेत्र

बुषायायायहेवावषा इत्यादर्द्धमायायद्गाउना द्विवार्श्वेयायहेवावषा इत्यादर्द्धमायायद्गाउना इत्यादर्गायहेवावषा इत्यादर्द्धमायायद्गाउना

य। क्षेत्राटवाया सःस्याग्रीम्बाक्ष्या सूर्

बार्ट्रेटा। बट.उट्टी बिट.चि। ब्रूच.चि चा क्षेत्र रचे चा च राज श्रे श्रे क्षेत्र चे

यहराया विराधमार्ग्य क्षेत्रायाचेरायदेशस्य हरामकारायम्

८८:बुषायाध्यवाउटाःर्ज्जेषाःयाववार्विःस्टाषोःक्षेटाः ८:र्ज्जेषाःउषा स्टाषावेटास्टायार्थेयाःउषा स्टा

ন্ট্র-বেই্গ্রেম-জীন্সা र्श्चेषाः स्टःषीकाः र्केदः स्टेष स्टः शः स्टःषीकाः र्श्वेष रटाविया रटा यो शारबिट शारीया विं र रटा यो खे.

श्रूदः वस्रशः उदः र्विः सदः वीः विनेदः तुः र्वेदाः ईवा यन्ना मी केंबा क्केंट वस्त्र उन् विदे मनेन त्

र्वेय रेग्नु र पार्जे्य कें कें कें विषय में प्रस्य

वह्रमान्ययायनेवायवे न्र्येन्या ॥ १५ ण

বদীশ্বাস্ত্রহ্যারমধান্তহ্যী ।এশ্বাহণার্থা বরি:ব্অ:বৃ:র্কুল ।ব্রম:প্রম:র্ক্রম:গ্রী:বৃট্টবর্ম:

श्र क्वेंत्रा । व्विंद्र ग्री मेग्रा स्वाया स्व सञ्जा । मर्वेद : द्वेद : सः खुक्ष : बे : य : प्रचे : य क्रा

धेर'यवेद'दशुय'य'र्र'। ।यन्र'क्क्ष्य'यक्ष्रुद

মর্মীর র্মান্ত্রমান্ত্রমান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান र्वेरबागवबावबाम्याम्बर्भिराया । पर्याया सर्क्रेग्। शुरु : दर्दशः शुपः श्रुंय। सिरु :यशः इसः प्रते:

त्र्याय प्रसंदि। विन्याय संस्था गुवाय विन् वलेशया | द्रमार्क्षदश्यर्क्षमामी दर्देशसूवा

કુંત્યા જાઁ.ચ.તા જાઁક્ય.તા.તાઃ ટ્રૄ૿.ચ.તા.તા

क्षें च्रे अःदृग्गु ः वः ष्यु दी ः हैं । क्षें दह सातृ **अ**ॱअॱथॱ^{ऑग्अर}न्य। कें'र्यअ'गुव'व्याकुय'यअ'

<u> श्</u>रः अर्द्र पदी । अर्थेव दें अद्य केव विंदि ता

*ष्ठ्रमा तस्*यार्थे। । वार्से ष्यू ग्री वे। वार्से र्थे हिनी वर्से ५ में वे। ५५ व वें कें के के के के वे। ये के के है। वे है पा ह भे कु हू। के स्वक्ष क्रें व व का द हा यव.कर.री ।भैजायपुरायक्षेत्रयायश्चरायरार्था वडराय। । १५.७.५८.५५.वर्षेत्र.व.भेथ.त. **५८। ।घर्षाःस्याः इयाः वर्धे सः वर्षे सः ५८:घस्सः** याधी विभिन्नरायमाळन्। बस्रासाउन् विभागमार्थे गा यर्याः वे : अर्देव : यर : युरः खुराः ह्रे। । ररः रेषाः खेः नेश्रासद्वाशुरावश्रा ।श्रदशःशुश्रामध्रवायः বশ্বদশ্ভবন্ত্র ।ৠিব্রদ্ধের্থকের্মিশ্ব यर र्वेष । यद्या द्रा दर्शे था श्रु यह दे दे

শূর্ট্-মার্ক্স্প্রিশ্যমাঞ্চিশ্যমা

द्यास्यायर्चित्रः मान्याः प्रश्नाः स्थाः । द्वाः निषाः । स्वाः स्थाः । स्वाः स्वाः स्थाः । स्वाः स्थाः स्थाः । स्वाः स्थाः । स्वः स्थाः । स्वाः स्थाः । स्वः स्थाः । स्वाः स्थाः । स्वः स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्थाः । स्थाः स्

विदा । विवाधदायम् विद्याद्ययाययम् ।

खुबाय। १दे.ह्य.बाखादर्गेदायमः वृंग ।ह्य.चद्गा

|মর্কর'ড়ৼ'য়শু'ঀয়'ৢৢৼয়৻'য়য়ৼ'য়ৢ৾৾ৢড়৾৾' त्या वी वित्रसर्वनम्गः हुः नगः विश्वः नदेः येगशः र्वेम । सङ्गः वै श्रेङ्के हं पा षा या या दें। । सर्के ५ ब्रुव मवर्षा तर्र र मार ख्रम्बा मदी । त्वुर र्से ब देंग कु न न । । गर थर अ हे र वर्षे र य र र ।। **अ**:सुर:कु:प:गट:धेद:घ। ।अग्:पर:ग्रीक्र:थ: মহাব্যব্যাপ্তা বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় বিষয় য়ৢঌ৻ ।ঌঽ৾ঽৢ৽৽য়ৡ৾ ৽৽য়৾৽য়ৢ৾ঀ৽য়ৢয়য়য়য়৽য়ৢঀ৽য়ৼ वुर्दे। विश्वायायदे मुँगं कं कुयाश्रश्चात्रायार्द्द मर्श्वेयागामा यह्नवायहेव

यबर'र्चे'श्रेष्मश'र्नेव'ष्मक्रेर'सर'र्चेश्च'यश्चुत्य'य'त्र्वेर| थेण्यस'य'यञ्च'यि

૧.૫૪૪.ઌૂર, ૠૢ૾ૢૼઽ.૮૮.ઌ૱૱.ઌ.ધઌ.ઌૺઌૢ૾ઽ.ૹ.ઌકૢૼ.ઌ.ૡૢ

য়ৢৼয়য়ৢঀয়য়ঀঀঀয়৻ৼৼৢ৸৸য়৸ড়৾ড়ড়ৣ৻৽ড়য়য়ঢ়

ৼৢ৾ঀয়ৢয়ৼ৾৽ৼয়য়৸য়য়য়য়য়৾য়৾য়য়৾য়ৢ৾ৼয়য়য়ঀ

दर्भ र माने ग्रह्म र मुक्ता सदि मान्द या सत्महा ह्या

শ্র্রুমা ভূতির শ্রুমার্মার্ম্রার আরমার্ম্র নের্ম্বুর শ্রু

य. २८.। १८६४ : श्रीय ही व. व्यविष्य ह्या. १४.१

बि'ब्रिंदे'स्। ।५र्गेश्च'वर्ने५'कर'वरीयश्च

यर्ने प्रवेश पर्छेष प्रये सेंब प्रश्नास सेंद्र । । स्रायतः

ढ़ॣॸॱॿॖॎॻॱय़ढ़ॆॱॺ॓ॺऻ**ॺ**ॱख़ॖढ़ॱक़ॕ॔ॺऻॺॱॻॖऀॱॻॸॺऻॎऄ नेश्वासर्गेत्रः यें खुषाः प्रतिः खुषाः दुषाः य। । त्याप्यतिः अ'वेट'भ्रु'गश्रट'द्यग्रब'र्धेव'हव। <u>विव'यश</u> सर्वेव में प्या स्था वर्षे मन्दर्भ । सर्वेद गर्नेर दर्न प्रवेश पर्सेय प्रदे सेव यश अहैं ।। য়য়ৢॱৡॅঢ়য়ॱৢৢয়৾৽য়য়ঽ৾ঽ_{য়ৣ}ৼ৽ৢৼ৽ঢ়ৠৢঀ৽য়৾ঽ৽য়ৢ৾। र्हे. हे. चे र. क्षेत्र. क्षें. र र. चैर. श्रा । इंग्रह्म और. षो'गा'र्द्र्'हे'र्श्चेग'श्चेय'य। । ११व'य'५४४'वग' यशः चेतः देवाश्वः यदेः र्सेवाश । अर्केतः वहिं रः दहेः यवे**ष**'यर्डेय'यदे'सेव'यष'यर्हें । ।शेन'यदे' क्रूरःविग्रम्भर्तवरःध्रुगःभ्रःकेवःषव। ।शुःसःदेःभ्रेदेः

বার্ট্-ম:অর্ক্ট্রান্যমাঞ্চনা:আ

यतेः दः र्रेः त्वुगः स्रमः क्वेंग्राम् । विदः क्वेंदः से क्वेतिः गर्दे दः उत्रः ययः ददः युमा । क्वियः केतः सम्मासः र्वे सः श्रुषः स्ट्रें तः उत्रा । दुमः विदः यद्गः यद्गः । र्वे सः स्ट्रें स्ट्रें तः उत्रा विदः हें द्याः उत्र हें हें ।

येग्रम् । अर्कें ५ मिर्ने ४ यदि मिर्वे अ यर्के या यदि ।

ष्ठेव'यश्व'अर्हेंद्। ष्ठिव'यश'दर्दश'श्वाप'र्घेणश'

येदःम्ब्रींगःस्ट्रस्यवृत्राया । व्हें:सेदःसक्हेदःस्थाःषाः

ग्री: न्यमः न्यरः श्रीवः स्र-रश्ना । इरः श्रीटः केवः येः

म्बदः अर्केमः दृष्टुः य। । अर्केदः महिंदः दर्दे प्रविशः

वर्डेवःवदेःस्वःवश्यश्यहेंद्र। ।गृतुसःकेवःस्स्रशः

দ্বী.মার্নি.সুর.পা মি.সমা.দ্বিম.মর্থ্র.পা.সুমার্মা

यहवःसदेःर्स्वम्भ। ।गर्ने ५ श्चे वःवरः र्से वःयेषः हेः र्से व सः ग्रे : यद्या । इसः युः देवा सः युः हः यद्या गुः

चे'र। ।गुव'दब्विय'सकेर'ग्राह्मुस'य'र्सेग्राह्मर'र्देर' चर्मा'स्यक्षा ।सर्केर'महिस'दर्दे'चलेक्ष'चर्ह्नेय'

यदम् इसम् । सर्केरमि । दिमः स्मिन्यस्यः स्टिसः । स्मिन्यस्यः स्टिसः । स्टिमः स्टिसः स्टिसः स्टिसः स्टिसः स्टिस

निः वर्षाक्षे के । अभिर्मे वर्षा सुर्मे वर्षा स्वर्

मुक्तिः वर्षेत्रम् । विक्तः स्वर्गः वर्षः वर्तः । विक्तः स्वर्णः वर्षः वर्तिः ।

শ্র্ট্-ম্নের্স্ক্র্শিষ্ম শ্রেষ্ वर्डेवावदे:बेबावबायहिंदा । द्यावेदे:बेदातुः र्द्धरःक्षरःहवाःसःक्रुवा ।शुःशोः अक्षेत्रः वाश्वयः स्वात्रः यर्गाः र्ह्याः वर्षाः । इषाः यः यो व्यवः सुवः यतुव'रदा। |<u>दे</u>ण्याय'ञ्चे'ख्'ये'क्र'र्डे'य्य'रा। রন' শদিম' নশান' অ' শ্বুম' ম' রম**শ** ডদ্' শ্রীশা। अर्केंद्र' गर्नेर यदें' प्रवेश पर्डेया पर्दे सेव यश

द्धरःश्चेत्य। । वदःश्चःश्च्याःगीः पदंतः र्मेदः र्श्चेयाः र हो । यस्तुत्यःश्चः पद्धः यश्चयः प्रोः पश्चेतः रोतः यदियः इतः । विर्क्रसः प्रोत्तः स्थान्यः प्रोतः यदिवः यदिवः स्थाः

यविवः क्चेंद्रा । गारुमा समः मावशः ५८: क्चें ख्रः

अर्देन । श्रुवायंत्रे अध्वात्रे मुक्तान् प्राची न्यया

गर्हेर:पर्झे[यस:धेय]:स्रा ञ्ज्ञादाः हो। विवित्तर्वाः विर्मेराद्वेराद्याः विद्या

याक्क्षमा । अर्केन महिंग यदे प्रवेश पर्वे या प्रवेश

শ্রর'অশ্ব'মার্লিব। ।শ্বন্ধান্ত্রশানশ্লর'শ্র্ব'ব্র্নার'

अर्क्षेण'न्यु'तयर'चर्झेन्। ।न्यो'यनुबन्धे'मुश

इयार्व्वरक्षंन्ययाञ्चेया । क्षुवायदेन्दरर्ध्वर

ग्रम्बायदेर्तुरामुबाय। विविद्यार्ग्या

मुबायाकेरार्अर्देन। विमुबारयरार्यायवा

इस्रम्भाराख्याय। । तयन सेन ख़ुन ग्रीमा त्युया यमः अहं ५ : दुः मुर्शेत्य। । श्री ५ : विदे : ५ मो : येम सः

मुद्यायदे प्राचित्र विकास विका

श्रेशकात्रकाःकेंबो.त.कें.शक्शकायीः पर्वीतःश्चिर-2.त्रुशातप्री ॥ बहुर-यङ्ग्वशत्त्रवाता

यर्गेव द्यार कुव खेर वी हुँ र्दंश यहे सर्केषा इस कुष सर्वेद नगर यय सुस दी गेर रुष केद में न्वुमा अर्वे वें नावमा यहेव। । तुरावें नाया वास वर्दरम्बेषाश्रास्त्रदुवःवर्दरःचतुषाश्रा । ५गारः मश्रमः सदरः मश्रमः सर्क्षरः यः दर्नः प्रवेशः य। । मदायद्वे श्रुवायदे यहे गाहे व वस्र अ उद यदः। ।यार्वेदःग्रेदःद्यःहयःर्केसःमुवःयञ्ज

শ্চ্ন্ন্ৰ্শ্ন্মশ্ৰণ্মা শ্ৰুব্-ব্ৰুশ্-ম্ৰ্ন্ন্ৰ্ন্-ৰূণ্-ন্ত্ৰ-

त.श्रृंश.कुट.मुट.। विशव.क्ट.शर्थ्य.पर्यं. विषयात्रात्रश्रुटः। व्हिट.विष्य.श्रुटःत्रश्रःवर्येयाः

বিদ্যান্তৰা:মুন্ত্রিম:ছী। ।মগ্রম:বন্ধ্রম:জীম:জীম: বিদ্যান্তরা:মুন্ত্রিম:ছী। ।মগ্রম:বন্ধ্রম:বন্ধ্রম:জীম:জীম:

ৡঀ৾৻য়ড়ঀ৾৾৾য়ৢঀ৾৻ৢ৾৻য়ৠৣৼ। ।৻ৠ৾৾৽য়ৣ৾৾৻ৼ৻ৼ৾৽য়ৣ৾৾৻ৼ৻ৼ৾৻য়ৢ৻ ৻

ড়৻ঽয়৻ঀৠ৻য়য়য়য়য়৸ড়৻ড়ৣয়য়ৼড়ড়ৢয়ৼৼ৸ য়৻ড়৻য়য়য়ড়য়য়য়৻য় ড়৻ড়ৣয়য়ৼড়ড়ড়

নাপ্তমানাহর নাভর হ্বা শ্রু ভূজ ভূজ হুজু হুজু হুজু হুজু হুজু

र्ज्यूर.जू.र्र्ज्यतालय.र्टर.तीश । तर्चे.यह्.श्रुव.र्ज्ञ.

ब्रिंद् के पशुदाया अशु प्रमुख उत्रा । प्रद्या के इत्यादर्चे सान्या क्षेत्रा उत्ता । वान्या उत्रादिस **୵୵ଊ୕ଽ୶ୢୖୢଈ୕୵**୕୳ଌ୶୲ ୲ୣଌୢଽ୕୳ୡୖ୵ୣଌ୕ଽ୕୶ ब्रिंद्र चर्डे य व्ये। |दे य गर्वेद्र ब्रेद्र द्या मुक्ष्मा। यदेरःयदेः विग्रम्यः यद्वितः क्रीतः दी। । सःग्राधेत्यः सः यरदः यद्यः पद्भवः उद्या । इ.कटः सुरः रटः यर्केरः

गर्नेरःचलेखा । पर्डेलःचरेःस्रेतःलखःत्सुपःधरः

ळेव'र्येदे'गवसाम्जुर'नशुरा ।शें'स'ग्लीर'गे

विरः श्चेरित्व । तुरः वित्यत्वार्थे व्यवाद्यः स्था।

यर्हेंद्रा

ङ्गे'चर्मुद्र'वरुष'यं'य| |गुंव'चबद'सर्केद्'ङ्घेव' ङ्गे'चर्मुद्र'वरुष'यं'य| |गुंव'चबद'सर्केद्'ङ्घेव'

ୣ୲୵ୢୠ୶୕୳୕ଌୖୣ୶ୖଌ୕୵୕୷ୖ୶୶୕ଊୄୠ୶ୄୢୠୣ୷

র্ক্রিনঝা ।ব্দদ্রে বিজ্ঞান্তর বিষ্ট্রেনঝার্কর বিজ্ঞানির বিষ্ট্রিনঝার বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্রেন্ডর বি বর্লিব ব্রুষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্রেন্ডর বিষ্ট্র বিষ্ট্র

वरी

दे·भ्वेॱग्वुॱवेॱग्वुॱवेॱअॱङ्गग्वाःवेःङ्गुः क्वें कें देःवःवैं ह विष्वात्रुक्तित्रुकी ह्या दुर्स्त्रित्वन्यार्थे न्देश मुद्राःलय। ।गहुरुःर्सेःगर्डग्रुः चुद्राःयः दुग्रुः [य| |८्यःक्ष्याःश्रुदःयः[य्याः८यवःय। ।गीःविदःश्चः क्वेंग:क्वें: र:बेव:या । तुर:विंद:रें:धे:क्वेंगवा:दव्य: শ্বা ক্রিনামান্দর্শে ও নেওমান্দরা বিরিদামা विद्यात्रुयः स्ट्रा स्था । मार्सेयः विमायवेसः निया'न्य'र्क्षया'ञ्चा ।यावश्य'शु'यावश्य'यर'यह्न' रु:गर्भेवा । यदगःगी:श्रेश्रश्रायः छे:वर्देदःय।। दे·वे·विंद्र·ग्रीश्रायम्यायः सर्वेद्रा । यद्याः वीशः

অশ্ব'ই'ই)ব্'য়ুহ'৷ |ব্'অ'ৰ্ট্ট্ৰ্ব'য়ীশ'ৰ্ম্ম্

শ্র্ট্রম্ম্র্র্ট্র্যুষ্ঠাতীশ্রা

यहिं र प्रकें प्रकाणीया आ २८ २८ २

सर्हित्। वित्राद्यां सर्वित्रात्याः सर्वित्। विर्केशः स्वरायिक्षः वित्रात्याः सर्वित्रः स्वराय्याः सर्वित्रः वित्राव्याः सर्वित्रः वित्रवित्रः सर्वित्रः वित्रवित्रः सर्वित्रः सर्वति । । वित्रवित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वित्रः सर्वेतः सर्वेतः

यलुग्नशःश्री। क्ष्रःश्रृःश्री त्रुःशःश्र्वेतःयः प्रत्नेतः स्वेतः व्याप्तः स्वापः व्याप्तः स्वापः व्याप्तः स्वापः व्याप्तः स्वापः व्याप्तः स्वापः व्यापः स्वापः व्यापः स्वापः व्यापः स्वापः व्यापः स्वापः व्यापः स्वापः स्व

्ट्रेंक्'ने। क्रेंट'यंदे'ट्ट'य**ब**'णै'यब'क्रुट'र्ने'यब'

अदि क्षेट्र तु । षा यश्रामा यू या नि स्था यतु न है । सूत्रा

ઌ૽ૼઽૹ੶ૹૢ੶ਗ਼ઽ੶ઌ૽ઙૢ૿૽૽ૢ૿ૢ૽૾ૹ૾ૣ૾૾૽૾ૣૻૼ૾ૢઌ૾૽૱૱ૹ૽૽૽૾ૢ૽ૺૹ૽૱ૹૼ૱

या तुराविषेत्रा से सुर्रा स्वाप्त सुर्धा वी प्राप्त स्वाप्त

মাট্ ম'নস্থ্যানমান্ত্রনামা वग'र्रः यें गढ़ेश शें भें भी वर'य'गठेश'शे'

सर्गेदे:बेद:घ:५८:३:गशुस। হ্র'মান্ট্রর'দু'ম' र्'न्र विग्राया स्र्गाः भ्रम् स्राम्स न्र स्थानित्र

य'न्दः श्रुव्य'न्दः। धुवा'वित्रश्चा'न्व्य'त्यु'वाषेरः দিরে দ্রীম নেশ্রান নির্মান ক্রিকা মানুকা น์นิ หุนสาปิสานดินสานสาสีทุสาปิวนาทานั้ว

यववःत्र। श्रुवःगशुराः यक्ठेःगञ्जगशञ्चः रःश्चेवःयः <u> र्सःश्चःश्चेत्रःत्रःमहेश्वःय। श्चेःतर्श्चेतःयदेःरस्यःश्च</u>तः

उत्र सेङ्क् रदे विग ये न्ययाय र बुग य। उद्दर ग्रे ॱक्रॅंट ॱवॅं 'व्य जुव वहेव व्य वे द्वेट व्यव व्यवे

त्यमःवनाः उद्दान् द्यां मार्थः विष्यः विषयः विषयः

निदः ददः बदः मुखः र्वेष्याय। यतुवः तुः पार्वेदः

ब्रुव्योक्त्य्या श्रुषावया यो वित्र विदेवाय। दिया

वनाः र्ह्हेव यायामिविवया। मणका सुः हे व से फ्

मझ्जाच। देवु:ब्री:रूजार्च:दाजाः अर्मेव:पर्व:ब्री: इ.र्जा रमाक्व:ब्री:मुक्तु:प्रकृतःक्ष्या

क्रेयश्रय। ५२'वग'गे'वर्हेल'वेर'५८'श्रग'क्ष्रा'

ব্:ৼ্রান্সুব্:শ্রী:শ্রু:মা শ্রাথশ্ব:ব্রর্নে:হ্র यङ्बाय। यगवःङ्गॅर्विटःङ्ग्रीटःर्वे छः रुवा उत्रासु अर्क्केंदे'न्यम्'र्क्केम्ब'न्द्र'यङ्ब'य। केंप्चई'स' नृगायास्याद्रीस्यारम् र्दः हुँ नै कें। कें पर्द सं कृ गृ त्य भूँ भूँ क् निसूत ने वःषःगःर्द्वःर्द्वःषतःषतःष्ठ्रःत्रृ। वेशःसरःरुःपञ्चर्व। ।ऋगशः रे[.]गादे[.]अबस् **छो.दे.चू.च्ये.फृ।स्राम्यास्यःक्रे।स्यःक्री** सहसायः

यश्रेया यदे र र्क्या उद्देव ग्री स्विट म्हार ग्रेश पदे

<u> इ</u>दःवश्रायोःविश्वाग्चीःअर्वेवःर्येःध्वाःदुवाःय। क्षेदः

युःगश्चमा दे:चन्द्राता क्वें सार्धे:वमार्थे:ये:पृःशें:श्रेडू गुःशुःगुःशुःखता क्षें:ग्रेःप्टायःयःयेष्ट्रवःशुःखता

स्या हुँ तुः द्वा वेश व्या सुँ प्राप्त विश्व वि

यः मश्चमाश्चमा । श्वरं स्वीसा स्वाप्ता स्वाप्ता

ॸॣॸ॓ॱढ़ॖ॓ॱऒ॓ॸॖॎॕॱॴॻॷऀॱऒॱॸऻॗॱऄ॔ॡॱॵॱॵॱॸऀॱॸॾॗॱॸॖॱॷॱ ॴऻॴॎॱॴॱॻॱॻऻॗॱॸ॓ॱढ़ॆॱॴॱॸऀॱय़ॖॱॸॖऀॱॾॣ॔ॱॾॖॖॱॸॱऄॱॸॖॱॸॖॱॷ॓ॱ

८,२५,२०.५,१४.१४.१५.१५.१५ अ.२.४.२। बुर्ड. बुर्डी क्षेट्र.केष्ट्री २.४.२.४। २.२.२.५। त.२. त.२.८,४.४.५).४.४.४.५.४। ४.२.४.४। बुर्ड. ૹ૾ૺૼ[੶]ਸ਼*ਫ਼ੑ੶ਸ਼੶ॸੵ੶*୩ੵ੶**ਸ਼**੶ਸ਼ੑਸ਼ੵਖ਼੶ਖ਼੶ਸ਼੶ਲ਼ਜ਼ੵੑ੶ਸ਼ੑਖ਼ੑਖ਼ੑਫ਼ੑਫ਼ੑ

ये खार्थे मो महूरे वे से 5 न स्प्रांस है ईसे सुर्ग कें

म्। स्मानायम् प्रमास्यम् । वास्यम् दूरस

रुवे द्या हु वर्षेय। । यार्षेव यश र्वेद य दर

श्चिमा:र्जुमा

ळेत्'र्ये'ऋग्'गे'.न्य'ध्यश्र'उत्।

वे म्ह्रिय्वर्ष्याया । वे प्रतिव विषया व्याप्य प्रस्य विषया

वश्रतकरायराचेत्। |ह्याः यद्भावस्य अकेः वश्रतकरायराचेत्। |ह्याः यद्भावस्य अकेः

येग्राचर वुग्रा हिंग्रें र से प्रेंत्र के प्रेंत्र

मुसंयह्यायहेत्। विग्यत्र्वाः श्रेस्त्रां स्याय्

र्दे :विवाउव। । भैवाकेवार्चेनाङ्ग्रीयायाः विवादाः । सम्मान । विवादाकार्येनानम् । सम्मानेनानामा

यमुत्रा भिरायशर्चेत्रत्वश्वाहिरायायेत्रायरा यर्देत्। भिरायशर्चेत्रत्वश्वाहिरायायेत्राया

इत्यः तर्हे रः यद्याः स्वाः त्वेरः यस्यः त्याः । । वदः । । द्यत्यः दटः ग्राम्यः

र्वेदार्डेटा |बेर्दराक्क्षायार्श्वेष्ठाश्वायायी |यशाग्री:

<u> इर्ट्स मुनः वर्गा वः र्स्ट्रेय। । इसः र्स्सा उत् मीसः</u>

यनग'य'शुरका । नर्देक'शुय'गुरु'शुं हूँर'र्शेगक'

सर्हित्। हिश्चास्त्रेयः एक्ट. द्रियः स्थान्यः । । स्थान्यः स्थान्यः । । स्थान्यः स्

यः गुरु त्यु यः अर्देन । वर्षे प्रें व गर्से व या या या प्रायमी । व्याप्त व

न्द्रीय क्षेत्र में मार्केश यने प्रकार में मीया क्षेत्र या है का यने मा

*ॸॣॸ*ॱॺॗॱॿॴॱॺऀॱॿ॒ॸॱॺऻॸॴॸॖॴॸॱॸॖॱॿॗॗॸॱॼढ़ऀ॥

हिन्य व्यक्ति विकासी हैं शुक्त स्वासी हैं स्य प्रतिता विकासिक मिरामिक स्वासी स

गर्डेग'र्छेर'र्नेर'र्न्ग्रेश'यर'र्रेला विंश'र्र्र्राखे

ব.খ.লখ.শ্রী.পাবত.৫র্মু.ষ্ট্রা ব্লিথ.লখ.র্মু. ર્જીંગુજા-દે.બાવર્ટી 1થું.મુટાજી.યોજ્.યું.વાલ્ટ. या । प्रवृट:मी:वय:चबट:य:य:र्श्रम्या ।यस: ग्रें मन्या हेर दूर गेदि वर्षेत्र । तु सम्मन्यस्य यन्यायर्ह्हेन्दी ।यन्यायीयर्हेन्ययर्दीयवेश ला विर्याद कुर लूर श.ग्री पर्छेष स. श्रीर श हिं. त्र्युयःयरः अर्द्देन्। । क्रेश्वः हे । सुः नर्येवः यगायः ५वः विदा । भ्रुः प्रदेशातुदात्र प्रशेषव्ययायम् । प्रमूतः य श्रूदः वर विश्वास्त्र स्वास्त्र विश्वा । विद्या सेवः

শূর্চ্-মন্ট্র্শুন্মন্ত্রশাল্পনা

वर्हेर पश्चिष्य भीवा स

सर्गितः र्येश्वाम्य स्वाद्याय वित्र सर्दित्। विष्य स्वाद्याय स्वत

्रे क्रें-देट:अक्रेन:अर्केन:अर्केन:वि क्किं। क्कें-विक्रिंग्वी क्किंग्वेन:विक्रिंग्वी क्किंग्वेन:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्रिंग्वी:विक्

ব্রদ:র্দ্রিকারার। বিএ:র্নুই-রেন্ট্রন্থার্মরার্থ

व। ।गरशन्गरः नेवाश्चीः उँ नः यहः उव। ।सुः सुः

स्व प्रति । याषायः स्व म्यायः स्व सः स्व

ञ्चतःर्वेट्यः चयाः यो - राज्यः मी - राज्यः अर्क्षयः देः भूतःर्वेट्यः चयाः यो - राज्यः मी - राज्यः अर्क्षयः देः

वशःश्चेवः पर्ववःव। विवृत्रः दरः यउद्यः यः मनेमबाश्चामर्बेज। ।ष्ट्रिःइ:रेटे:रेमबाग्रीःहः

गी'वै। ।गुव'श्ची'गर्डें'बॅं'चगु'विश्व'कें'सेट'या ।दे'

धि' सके ५ ह्यु : बा हो ५ : के दार्शे : प्रविष्ट : ५ : ५ : विष्ट : विष्ट : विष्ट : विष्ट : विष्ट : विष्ट : विष्ट

यङ्गप्याम्बद्गायदे रामनेम्बर्भुम्बर्भा । । ।

<u> इतः सूत्रा व तबदे मुव ५८ स्वा । श्रेयः श्रुवः </u> ইঅ'র্মীর'শ্রু'ব্র'বডঝ| |ব্রম'মদির'মর্গ্রহেম'

नेत्व। दिव केव श्वः स्वी वि श्वेर व। वि गा निशः कें'धे'न्यर'धुम'स। ।्रम'र्येदे'म्रुर'यशार्डेन्

वर्देशमर्थेव समुवावा । । ५ स. ५ मा समु स. मी वहर

गर्ने र पर्श्वे । यस स्थेग स्था ષ્કોઃફેઃફઃષાફૄેઃફ્રઃરેઃઘજુઃટ્ટઃમોઃકેૃઃજ્ઞઃઘઃરેઃૠૄઃરઃઘ<u>૬</u>ઃ ষামৃ'র্দঃ র্দঃকুঁ'ম্ম'র্নঃ গান্ধরাষ্ট্রামান্যমা हुँ। ञ्च-ञ्चर-पग्-भिषाःकें-भेराय। बिंदागीःकें। त्यःश्चीटःश्चें वृथः अध्याद्यः वृश्वः वृ ब्रिंट् दे निर्दर देवा बार्स क्षेत्र क्षेत्र विद्या विद्या विद्या र्नु भुः सं स्वा विषय च ब महा वा का च तर विष्ठ हों

याश्चर्या । भेर्यः केर्यः तुः स्थाः सुर्यः स्थाः स्थाः । सुर्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्था त्राम्बर्याः । भेर्यः केर्यः तुः स्थाः सुर्यः सुर्यः स्थाः सुर्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स

स्थर्भः दृदः कुवः केषाः केषाः । स्वतं व्यवस्थाः स्वतः व्यवस्थितः स्वतः व्यवस्थितः स्वतः व्यवस्थितः स्वतः व्यवस्

त्तित्र, स्विधायाः विकास । विकास स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधाय स्विथान्त्रस्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधायाः स्विधाया

ব্যাব:ওব:য়ৢয়ৼঢ়ঽ:য়ৢয়য়৻৴ৼড়ৣয়য়৻ড়ৢয়ৼৼৢয়ঀ। ব্যাব:ওব:য়ৢয়য়য়৻৴ৼড়ৣয়য়য়৻ড়ৢয়ৼৼৢয়ঀ।

यम्र १९ श्रुष्य यदय ११ अम्बा । ।यद्देय: व्रेंब यम्बर्गाद १९ श्रुष्य यदय ११ अम्बा

য়৾৽ঀৢ৾ঀ য়ৢ৾ঀড়ৢ৾ঽ৽৻৸য়ড়ৄঽ৽৸৻ঽঀ৻৸৻য়৻ঀৢঀঀয়৻য়৻য়ৢঀ৽

श्ची इस्ति । स्ति । सि हिंगा धिन दिन सहिंशा यदी

चलेबान्बागुरा । विनात्त्रवबान्द्रबागुवाञ्चया रु:वार्केवा । श्रेंव कें दिवेव वावका वेंद्र श्रेंदर्गी न्ययः ध्वः चवनः यः हें हे :य। । मनः हे न अः र्श्वेनः मी श्वेर दें ख्या । विगाद दवदश वर्गे र घर क्षेत्रायायम् । व्रिताम्बुरक्षेयामराम्यरा यङ्गा । दे रेट श्रुव यर्ड्व कुय र्से या । सेट त्रां मार्श्रेयायायदेवश्यायात्री ।श्रेराश्रुरादेग्रह्मा क्रुन् श्रेयायान्या । श्रूया श्रया श्रया थी पर्देश श्र्या

द्वे'अर्क्षेग'यर्नेश'गर्डर'८८'। श्चि'श्रुव'गश्रर'यदे'

देलुकुटाक्समा । शुगमायक्केरान्वीटमानीटा

वर्त्ते राक्तें श्रेट्याम्बे अन्द्याः श्रेन्। विदामी क्रूटाः য়৾য়য়৻৴য়ৼ৻ঀ৾য়য়৸৸য়৸৻য়য়৻ঀয়৻ঀৢয়৻ঀৢ৾৸য়৾ৼ यः श्रेत्। भ्रिःषेः श्रूरः यः त्यरः तुः श्रूश्। भ्रितः यशः इस्रायवित्वयुवायरासर्हित्। ।वगाःविद्यात्यया श्चेत्रविं मञ्जीदश्वाया । विष्यया मुनि श्वीवः श्वीवः ।चश्रभःर्देवःधेदःचित्रः মধ্র সূর স্থ্র নথা

क्रिया विंदायाम्ब्रियायायनेयबायाचे। इत्या

মাধ্যম:মাধ্য । বিহুষ:মীম:প্রশ্নেম:জ্য

अर्देर्वेरक्रिः क्रिन्देशः शुवादरः। । महावि धुम्बार्भः ग्रें प्रदेशः शुप्तः प्राप्त । मान्वनः व्यटः ध्रेः वटः

বর্ষীয় বর্ষ প্রামান্ত্র প্রমান্ত্র প্রমান্ত প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র প্রমান্ত প্রমান্ত

[त'[त'त्र'ते'त्र'ते| गशेरक्षेश्रश्रस्त ग्रीश्रश्रहेत्यर वर्त्त वा वर्षुक्षुत्र देव वें के बश्रू केंग्रश्रक स्स्त वबर वें त्रक्षुर वर्श्यकेंत

सर्देग'दगर्भरार्थे'मर्विवार्द्धयाउव। ।धुमाम्यसा महोराग्चीर्हे हे पश्चस्या ।मार्थेवापहार्के भी प्रसा

य'तह्र्य। विभायत्र'ङ्गेर'व'र्पयाचेत्र'र्रा। म्युर-तुर-रेव'केव'यद्विय'यश्चात्रामुव। स्थियःसुयः

ब्रायबर्यः क्रुवः दर्यक्ष्याः पश्चितः श्रुवः व्यासितः । व्यायबर्यः क्रुवः दर्यक्षयः पश्चितः श्रुवः व्यासितः मह्मान्यक्षा भित्रकेत् नुःसमास्याः । भूत्रत्वक्षाः । भित्रकेत् नुःसमास्याः ।

यक्क्षत्र । ।यग् भ्रेश्चर्यं । ।यादश्वर्य । ।क्षेत्रश्वरः स्रोत्यो ।यग् भ्रेश्चर्या ।यादश्वर्या । क्षेत्रश्वरः

च्लुग्रह्म्य। ।श्चेत्रश्चरः देग्रह्मः पहेरः पहेरा ।श्चेत्रः स्वाह्मः पहेरः पहेरः पहेरः पहेरः पहेरः पहेरः पहेरः

न्द्रश्चियाः क्ष्या । शक्र्यः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्तः स्याप्त

शक्ट्री किं.श्र.शहटामी.खकाचबटाशी हिं.हे.

दिश्यायात्रेश । कियश्रासुन्तर्याश्यायाः विश्वायात्रेशस्य । अस्य सुन्तर्याः

মন্থ্যপ্র। বিশ্ব মহা ক্রমের ক্রমের নির্মান্তর ক্রমের বিশ্ব মহার ক্রমের ক্রমের

य:५२:५ग्र२:४३:४३८:गर्झेय। ।श्रेय:क्षुद:र्रेय: য়৾৾য়৾য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ৢৢৢয়য়য়৸৽

यनेव अर्धेट सं भे नर्देश शुया र्रूय। । अर्केन ने

युःर्के:के'मिल्प्:युं:पबर:या |म**ाय**र:यर्क्व:र्हे:हे: यल्द्रपार्से । भ्रुप्सर्देषाः श्रेरार्से ग्राशेरासीः सर्देषा।

ক্রবর্ষাপ্তাক্তাপ্রান্ত্রাক্রিবরা বিষ্ণাব্যথ र्मेव केव होरा वादा वादा । विशेषी विषा वादा है।

र्क्षेम्बरपञ्चसम् । मार्षेद्राद्यदेशयेदेःमुयादाः वहेव। अध्वायार्थे धीर्मिम्बर्सिस्टिन् सेम । अर्केट्

गर्ने रः अःगणरः रें अर्केगः वशः ग्रेः नर्देशः ग्रुदाः

क्षेया । प्रकेंद:र्देः क्ष:र्से:र्डेद:यह:स्रीव:यबद:

ন্ট্ৰ-ন্ৰ্ৰূপ্ৰমাঞ্চন্ या हिं हे दिया में येंदश हीं दिख्या भि में महेंग

यः सः संस्थित स्वा । सियाः याला सः सारः नियः स्वा । ८८। विगामियं रेव केव क्वें या सम्बर्धिया

र्यरम्बर्यः यर्ट्यः र्टः देव। विवयः शुः १

ब्रूट ब्रेन वस्त्र उन्न नियः क्ष्य त्य । विता वर्ते रः

বদ্ৰানী:শ্ৰিক্'অশ্বাস্ত্ৰুবশা |মৰ্ক্ৰদ্ৰাদ্ৰিম

चरॱसर्देंद्र'द्र्वुंद्रॅर'द्रषेष'चदे'द्रेंस'श्वा'र्ह्हेंया। अर्केंद'र्देः क्रु'र्के'गहद'दग्रर'दर्गे'यबद'य।।

ग्राचर अर्द्धव र्हे हे ग्राच्यायव या अनु अर्देग र्ड्र.कॅट.भटेटब.टेट.केयी क्रियंश.बी.योती.

বর্ষা, শূর, পুনসা বিষা, মালসা, স্কু, সাঞ্চ্যা,

गर्नराय्येषाया विष्ठि स्थाः स्थितः स्थिति । स्थिति । स्था

5型.22.1

য়য়ৢয়য়৻ ৠ৾য়৾য়য়ৼয়৾য়য়য়য়য়য়য়ঢ়য়ড়৾৸ য়য়ৢ৻ঀৼ৻য়ৢয়৻য়৻ঀঀৼয়ৢ৾য়৻য়য়৾য়য়৻য়৻য়ঢ়৾ৼ৽

मर्पविः हे श्रुवाश्य देवेया चरिः दर्श श्रुवः र्र्हेया।

अर्केन्द्रिंग् र्वार्यन्य स्थित् ग्रीका अर्केन्। । यार्केवाः

ल्.सकूर.ट्री हि.ज्.चग्र.चेशक्.इटामा मधर.

पर्गे.के.प्रूर.मे.शक्र्.रेट.च२अ.त। श्वर.

दर्शे' अ'श्वेरःगेदे'गिर्देरः उत्तरः। क'श्वःयः रे' विदः अ'दरः। गृतुअ'र्अ'दरः। श्वें'श्वदश्वः अ'दरः।

त्रै'व'र्से'पर्झ'८८'। श्लेंघ'८चेंव'यज्ञ'यचुट'गवंश' ८८। ८४०'पव्यट्ट'देंहे'०'र्सेग्राय'र्स्डाय' र्ग्री गर्नेर्प्यरं ग्रेर्ं प्यते प्रमेग्न गर्नेर्प्यरं प्रमेश गर्नेर्प्यरं ग्रेर्ं म्या प्रमेश प्र

য়য়য়য়ৣ৽য়৸ড়৻ঽৼ৻ঽয়৻ড়য়৻য়৻ড়ঽ৻য়য়

য়ৼয়য়ৢয়য়ৣ৾৸য়য়ৢয়৸য়ৢৼয়৸ৼ৸ৢয়য়ৢয়য়ৢ৸৸ৢ

न्तुःतयरःवर्भेन्। वश्रुवःवर्देवःग्रीःतुःर्श्चेनःश्चेन्या

इवा वर्चे राया यन् गा उगा वा श्रदा यर मेन प्रते

ୡୖ୕ଽ୕୕ଵୗ୕୕ଽୖଽ୕ଈ୕୕ୢ୕ଶ୍ୱପ୕୕ଌ୕୕ୠ୕ଷ୕୕ ୰ୖଌୖ୕ୢଌ୕ୠ୕ଊଈ୕୴ୡୖ୕୕ଽ୕ଽ୕ଵୄୄୗ

मू अ.चर्येट. योचे अ.च.च. अष्ट्र्य हिंद. यो अंतर

यान्ने प्रत्या गुन श्री हे विं स् श्रुमा विं विं स

মার্লুমান্দ্রমানক্র নির্বাহ্ম মার্লুমার্ক্র নহন্ত্র হা বহুমানক্র মান্ত্র মার্লুমার্লী স্থান্ত্র মার্লুমার্লী স

 केरः स्व। । गर्गः यरेदे दे वरः दरः गर्वे रः यः वे यः **५८। । ध्रम्राउर यरे ५०० मार ह्यें ५ यदे यग् ५००** र्क्केया । विष्युष्ट्र अप्तानुष्ट्र मानुसून् प्रमुप्ता स्थान ष्री-दै-वृ-व्यै-ह-।व-।व-।वृ-हे-।वृ-हे। क्र-वर्ड- वद-ग

दवर वा इता अर्झ पूर्ड पिहु हु यो खू र्थे गो गहूर वै भेड नहा या है इंखू हुँ। वेश गहें रास रास्ट्री

षदः ठेषा प्रबेदशः विषा द्रषा चें हे या दूर्ड **ইু**।

<u>| बुदःधुँग्रथः क्रुदः तुः क्षेः चर्दः श्रूरः श्रूॅवः</u> (<u>3</u>51 |गावव केव वर द्या विश्व श्रासक्व यर

71 *|५्यः ह्*र्श्वायक्कुवःयदेः गर्हेरः यः दर्नेः মাইন্যা

चलेशया । प्रद्याःस्याःस्याःस्याः वहितः वर्षि सः दरः यङ्बायाधी । भ्रायध्वानीवार्श्वयायध्वानीवा

यश्रमः श्रुपश्रा । श्रुवःयः तुरः वाषवाः तुरः वोः तुः

वि'नम्। अभिष्य श्रेषा' अर्थे। प्राते स्थं प्राते स्थं प्राति स्थं प्राति स्थं प्राति स्थं प्राति स्थं प्राति स

बुँब'ल। ।गर्बेर'बुर'कुल'दर्गेर'र्ड्डुं'दर्रेर्स्ल'र्

র্ক্রীনা বিষামন্তর বিষাধার্ম বিবর কারা

राधाः स्ता डेबायवरामहेराङ्गेरावबाववुरायाकंग्रवाद्यायाः

षा ष्रिष्कृषुः दुँ ने पर्दा त्यर पा स्वापिकृत रूर्द सू

यदि:याश्चरःक्रुव:र्द्र:सर्दे।।

स्याः तत्वयाः यास्रसः स्रीतः स्याः स्थितः वस्याः । विदः स्याः तत्वयाः यास्रसः स्रीतः स्थाः । स्थाः स्थाः । विदः

स्वात्व्युवाःवास्त्रःश्चेतःक्षरःवार्षे। दिःद्वाः स्वात्व्युवाःवास्त्रःश्चेतःक्षरःवार्षे। दिःद्वाः

यर्थ. कु। विष्टेष. यभीर. श्रीय. त. यश्रिय. श्री.

ধ্রদার, পারত, পাওস, তের্ম, প্র্রদার, শ্রী। বিই, মাইর, ধ্রদার, ইপ্র, মার্থ, তেরি মার্ম, মার্ম। বিইন, ক্রমার, পারত, প্রক্রমার, বিশ্বমার, মার্ম, মার্ম নার্ট্র-বেই্ট্রান্যমান্দ্রনামা

বম:জন্বর্ল্লীলাদু:লাইনিয়া মি:মগ্রন্ত্রিলাহাংগা্র: বর্বুন'দ্বন্ধ্রা বির্তুঅ'নই'দ্বীর'অশ্বার্ন' यरःसर्देत्। ।यद्याःगवदःसःवेशःयेःयंःधेशा শ্বানেশ্রন্থিব্বের্থানাস্ক্রম্মা বিদ্রু বর্লুবি:র্কুমার্মারার্ম্রর্মারার্ম্ররা বিশ্বমা য়ৢ৾ৼয়ঽ৾য়ঽয়য়ৢৠয়ড়৾য়৻

ક્રે.શુ.ઌૡૢ.શ્રુવ.વર્શ્વેર.તજેય.શ્રેય.જે.શ્રેય.જાજુર.જેલુ.તહુ.ત્વેશૂત્ય.વશ્ચેર. कुः क्रॅबान्डीनबानम्युम्ग्रावाहुः পুদ'নশ্বশ্বারী

*|*घरे'ळेव'र्घुटश'धुम'र्हे'हेवे' カヨエ.

त्यं र इसम् । मिट्ट प्रदेशम्य ग्रीम द्यं र त्याम न । विषय प्रत्य प्रत्य प्रमेश मिन्य स्था

चैटा । विशेष:वैट:अवेष:यदे:अन्दर्शः सुद्रषः

यूर्य में हें अर्थ के ये प्राप्त के का किंदि हैं कि किंदि के किंदि के किंदि के किंदि के किंदि के किंदि के किंद किंदि के कि

নশ্লদ্রের শুর্বি । বার্ষ্ণ রে মের্ক্রদর্ভির বিশ্বর । ইরি রে ক্রিমা । বার্ষ্ণ রে মের্ক্রদর্ভির বিশ্বর

प्रश्नेद्रा । दिश्रः क्षेत्रा क्षेत्रश्च क्षा क्षा त्रवाया त्रविया

णहॅरवर्ष्यायायीयाया यन्याया (अर्केया अञ्चन प्रदेश सुया केन प्रेंग्सूया)

ग्रीक्टरप्रमुविष्या । श्रीस्त्रुविष्याः भ्रीक्रिविष्याः भ्रीक्रिवेष्याः भ्रीक

ম্বেহা মিহুত্বেম্বাশ্বর্শেপপ্রাভীনা মূম্বা

र्सेग्रम् । अःसं त्युग्रायते कें तस्य र्र्जेन्। यनगः वर्षे प्रेंत यनगः सः यति र्र्जेन्य स्थितः र्जेनः

र्ययाः संदेता । स्वास्यास्य स्वास्य विश्व

য়ূম। I৶ঌ৸য়৻ঽঽ৻৶ঌ৸য়৻য়৴৻৴৸ৼ৴ য়ূম

यश्रमा धिःवदःग्रमदःयदेःद्याःगश्रमःर्सद्।।

इ.र्चेर.वृथ.शुटु.स.व्रिजा विटे.कुच.लु.

विश्वासर्वित् शुरुवश्च विश्वाम् विश्वास्य स्थ्या स्थ्या विश्वास्य स्थ्या स्या स्थ्या स्या स्थ्या स्

्र रे.लू.पूर्व कू.लू.यू.वू. १८.ट्रे.ट्रेंड क्री वायश्वाताः प्राची:लूट्याकी:वाड्री लि.चेश्वाटविट्यालशावारः वायरायाः वायरावर्याकाकी:क्र्याकी:क्र्याका

यश्चिरः या । श्चित्रः पर्श्वरः ष्यः श्चेरः स्वाः श्चित्रः या । श्चित्रः पर्श्वरः या । श्चित्रः पर्श्वरः या । श्चित्रः या । श्चितः या । श्चितः या । श्चितः या । श्चितः या

सदः श्रुरा । मार्सेवः वः रहतेः र्वेदः सुमः यहेव।। कें नामदः वर्देदः सुक्तः वुः विचया । श्रुः वः देव।।

শ্র্ট্-মান্স্র্র্শ্রিমান্দ্রশ্রা देव केव ५८। । श्रु केंग्र ४५८ मुं व ५००

मर्सेया । १५५: भुःयवः संभः यदेसमा भा सगुत्य:कुव:क्षुव:क:ग्री:वी:वी| ।धुग:विप**रा:श्रॅ**र:

गर्ना के तो विषेत्र मित्र मित्र

उवा विह्दा ह्वेव से हिंग हायाया सिवद ह्वेंद नवाः यदिः वाव शः अर्केवाः श्रेंवा श्रा । वा सः यत्वा शः

मवश्वशःश्रुवःयदेवःश्री विर्वेरः ५८: ७८:

विविद्यः स्वित्रान्द्रम् । अभूतः स्विताः स्वतः ।

ग्नेग्रं अ: ग्रंग्रंय। धि: त्र : ग्रं : प्रं : प्रं : प्रं :

<u>ਫ਼ੑਖ਼੶</u>ੑੑੑਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼੶ਫ਼ਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ਜ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼

र्दे:हे:क्रेंब:ग्री:क्वेंव:अ:बेंगबा ।गर्डे:वर्वेर:वेंदब:

र्ह्रग्रस्य अप्तापञ्चाता । अनु मा अप्ताय । अनु मा अप्ताय । अन्ताय । अनु मा अपिताय । अनु मा अपिताय । अनु मा अपि र्षेत्र⁻स्वेत-पश्च-पङ्गेत्। |प्रमासेत-प्रमाय-प्रसुय-ও্যশক্ষ্ম ক্রম্ম বিশ্বশ্বা । ইুর্ শ্রী প্রশ্বশ্ব স্থ द्वासर्हेंद्राया । पर्केयायदेः स्वेत्रायश्चायायमः अर्दिन्। विकायायने व्यत्तेन श्रुवासर्ने श्रूवाका यक्ष्रवायते के सका শ্ৰ্হশ্ব:ঘঠি||

र्यार:र्थर:श्रद्धा विश्विष्यःयत्र

ন্ট্-মাই

यः पश्चित्राः गृश्चेत्रः गृश्चयः या स्वयः सर्द्रः छः द्वेतः ।

सदयः वर्षेत्यः वर्षे । स्त्रुवाः वर्षेत्रः वर्ते वर्ते वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्ष

या |र्क्षेण्यायावेशः हें यायायाद्रीयः अहतः अहिरः अहतः वार्षेयः व्याप्तिः विश्वायायायायायायायायायायायायायायायाय

यलियःह्रसः वर्ञ्जेषाः वसः अह्र। । र्यासः ह्राः सः षी कय श्रेन न्युग्रमा राधिक स्था । तस्रेन प्यस यवि'ख्व'ः श्रे**५**'गश्य'५घट'श्रू५'दर्शे'घ'य' . तुर्बार्क्केटा । व्यद्याः कुर्वार्केटा वी प्रमेत्र या प्रस्त सह्र मा । भूट. प्रष्ट्रेय. प्रशास्त्रीयः विट. <u> স্তুব' গ্রুম ঝ'শাম' শূর' বা রহ' র্ক্ত ঝ'গ্রী' শ্র্রী ঝা</u>ণ্ড্র' మీ' वहिषा हेव गुव श्री श्रायर्के द शुर या । भ्री द प्रवे

गुन्न हुः कुः चर्देः द्वाः र्वे : अदः वे दः अदः वे दः ख्यः द्वाः स्व वे दे स्व वे दे स्व वे दे स्व वे दे स्व व

শূর্ম নুম্নে শূন্ম শূন

प्रविग्राच्या विक्रासद्र श्रुपः यः ये स्मर्

प्रश्चितः बोर्बेशः भ्रीवः क्षेतः पर्दः केतः उर्हेरः भ्रीदःशह्दःश। विज्ञादःपश्चितः पर्दः केतः उर्हेरः

यम्। विरायम्भार्नेमाम्भगः हेत्राचिताः यम्। विरायम्भार्नेमाम्भगः हेत्राचिताः

यम् त्वुद्र । । । अर्जेम् रह्ला प्रतेष क्षुपावश्च यम् त्वुद्र । । अर्जेम् रह्ला प्रतेष क्षुपावश्च

यः धेषा विशेष्ट्रमः स्ट्राम्यस्य स्ट्राम्यस्य स्ट्राम्यस्य

यश्यह्रित्याश्चित् । वित्यम् क्षेत्रः हेरियावः বর্ষীর:বিগ্রান্তর। ।এর:ঐ.স্বের:শ্রীর: पर्वतः या गढ़न में पर्वाप्त । विश्वास्त्र स्था यर्द्र से दे सर्वेद मिर्हेर यत्ने ह्या । इया दर्वेर यर्डेल'यदे'तर्धेव'लश्चायुय'यर'सर्हेंद्। ।^{डेश'य} ૡઽ૾ૺૢૹઽૹૢ૽ૼૺ૱ઌઌૢ૱૽ૹૺૹૡ૽ઽ૽ઌૢૼૺૺૺૺ

ैं र्रें हे न्य क्ष क्षेत्र मार्थ न्य निष्ठ क्ष मार्थ क्षेत्र में क्षेत्र मे

รุม ชิ้य क्षेत्र अस्य प्राम्य विषय अस्ति ।

ष्ट्रीर'पञ्चित'ष्ट्रीर'पहरु'पर'पत्युग्रवाः पर्द्र'वाःस'

षार्दः दःहुँ प्रैं कें निद्वास्त्र हुँ हैं हें पहतास

ग्णुः र्र्ह्मेव सः अुष्यर्गा रुट र्द्र त्रुष्य देश सर्वेष

শ্লু'অ'ব্ম'ব্শাম'র'ঘার গোর্রীঅঃ শ্লাধামামা यरदः र मर्षेव से वेर के के व अ स् सु न पा सु र्वे केंप्रमः रेव केंद्र क्वा व कर में यो यो व व वेंप्र रु यहवः सः यहुः गिर्वे अः र्सेग् अः सूरः से ५ 'सूव' से दिः র্ক্টিগারা-শ্রীরা-মর্ন্ধীনঃ ট্রিন্-থে-মর্ক্টিন্-মা-বর্বাবা-वैश ये 'र्हेग' यर्ग श्रेंशयम ये 'रेश वया बराया র্মিল্বাস্ট্রি'মর্ক্রিস্বর্ঝঃ লান্ত্রল্বাস্ক্র্র্র্স্রিস্ক্রিস্ক্রিস্ यर्द्र-क्षे-ब्रुव-क्षे-वार्ट्र-अ-ब्रिव-क्ष-द्र-अ-व्य-

८८: बर्दिया रेव केव श्वरक्षेयाश्वर तत्यः मीश्वरम्बित्य विद्यासकेद्र प्राप्तः विद्यस्य प्रदेशः

निद्रकेंस्रम् शुरुरेषः वद्यां योगः सेत्रः त्यमः

पर्डेल'प'वेश वर्षेम्यायन्तियम् स्यापनि स्थित्। मर्देन'रेम्बास्स्रापनमुद्गासुः स्थित्।

उन्न'त्रिंर'वड्रब'ळें'रेट'लेट' वर'क्र्न'येर' पदे'र्ब्र्ट'र्ल्यक्र'स्ट्रिंड व्ह्न'यर'र्न्ड्ब'स्नुव'र्ब्रु

क्ष्यां अर्ड्स वर्ड्स वर्ड्स वर्ष स्वतः स्वापाद्यः । इत्राच्या स्वतः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्षः ৽৽ৢ৵৻য়৾য়৾৻য়৾য়৻ৼয়৾ৼৼৣ৾৻ৼ৾৻ৼ৾৻ৼ৾৻ঀ৾ৼ৻য়৻য়ঽ৻৶৵ঀয়৻য়৻য়৾য়৻য়৾য়৻য়৾য়৻য় য়<u>ৣৼ</u>৻য়য়৻য়৽য়৻য়৻য়৽য়ঀয়৻য়৻য়য়য়৻য়৻য়য়য়৻য়৻য়য়য়৻য়৻য়

ळेंबाचतुत्र केत हैं हे म्यु क्वेंत केत ग्रीबात हेंबा बुखा चर्ते।

ै जुल्यां केवायं श्रुष्टि गर्बे व्यायकी प्रमास्त्रीयाः यदेवः स्ट्रम् गर्केट्रा ग्रुष्ट्रियां स्ट्रम् वित्रा

कुष्ठ-ब्रान्ध्यः म्यायाविजाया व्याप्त्रिः क्रिः स्वाक्षः यद्भः

 ग्रॅंदर्सेव्ययम्यस्ति । यवःयःस्रेयःकेवःवर्षाःसवः

हे त्रवा में वार्क्षया विषया वार्षेत्र स्ववा ते हैं हे दे वारोगः वटार्केणका विषया विषया स्वाप्त स्वार्केटा है ट

योश्चयःस्टर्स्यया । यथेययःस्टर्म्यस्टर्म्यस्टर्

ર્દેશ'વનાર્જ્યુવ'વ'દ્વિદ્વા (ૠું'ષ્યે'ક્તુવ'કેવ'નર્સેવ્ય' વ્યાવલેવ'વસ'અર્દેદ્વા (નર્વેદ'ક્ર્યુવ'વન'ર્વે'ક્ષૃન

ब्रियःयालटःयाष्ट्रेशःयमुत्र। |यालशःयाल्यः श्रे.मी.

चर्रः ब्राबाद्यायः त्र्येषः व्यक्षः । व्याद्यः क्षेत्रः व्यक्षः व

শূর্তমানুর বিশ্বর্থ বিশ্বরথ বিশ্বর্থ বিশ্বর্থ বিশ্বরথ বিশ্

याल्य स्थानमार्यक्त यो स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

ख्यःमञ्ज्ञाञ्चमः द्वाः क्ष्यः यश्चः यश्चितः । द्वाः क्रः ख्यः मञ्जूयः द्वाः द्वाः क्ष्यः यश्चः यश्चितः । द्वाः क्रः

ॼऀ.शटेट.रज.झे.चे.चेंचेंचेंचेंचेंचेंचेंचेंचेंचे । टिर. खेत्र.चेंबेंश.सेंचें.रेंचें.क्चेंबेंचेंचेंचेंचेंचें । उिंचेंब्र.

ट्यामः बार्ज्ञालः खेटः क्षेत्राःकश्चः श्रयः बी. यञ्चयश्री। नियमः वार्ज्ञालः खेटः क्षेत्राः स्थानः विद्यक्षी।

यहीय. जन्ना. भेजा. कुव. बार्श्चाज. जू. यहीय. जन्ना.

য়য়৻৴য়৻ঀ৻য়য়৻য়ঢ়ৢ৾৴৻য়য়৻য়য়য়৻৴য়৻৸য়ৢ৴৻৻ য়য়৻৴য়৻ঀ৻য়য়৻য়ঢ়ৢ৾৴৻য়য়৻য়য়য়৻ঢ়য়৻য়৻য়৻৻য়৻৻

विश्वस्य प्रमाणियात्वर्ष्यः स्ट्रिंत्य हुत् । यह वा वा

^{শূর্ত্ম মার্}শিম শিক্ষা শ্বিম মেরা হ্রম মেরিই সেই বাংক্র মারা ক্রম স

त्रम्भा । विद्येत्र त्यस्य स्थाय विदे प्रदेश स्थाय स्था । विद्येत्र त्यस्य स्थाय स्था । विद्येत्र त्यस्य स्थाय स्था ।

म मार्वे र हु व के व र्ये दे मार्थे व गानि माने माने माने माने व स्ट र माने व स्ट र

८मः दस्यः मीतृयः मीत्यः पश्चः स्वाः स्व इसरः संस्थानुसः स्वाः स्वा

८४४.त्.चि.धेय.त्य.ता । विच.शर्य्यायकु.य.८४४. त्राचिच.केर.ता.ता.ता । विच.शर्य्यायकु.य.८४४.

र्चे मार्डमा अस्ति। । । ज्ञास्य मार्जन स्थास्य स्थास्

र्म्यवः ह्यः दस्याः उव। । गणमा यादेः यः दवः द्याः

मह्म्यक्ष्यम्या र्येदे:क्षेट्रायम्बेम् । मार्षेक्यदेखम्ब्याया र्येदे:क्षेट्रायम्बेम् । प्रस्कियम्या

दर्गःताच्रेका । म्याय्वेत्रःस्याकाःकेःक्यकाःहः इयाःवाच्रेका । म्याय्वेत्रःस्याकाःकेःक्यकाःहः

まぬぎによるとう してめままいれてしまりまして

৴য়ৢ৻ঀ৻ঢ়৻য়৾য়৸৸য়৻ঀ৻ঢ়ৣ৾ৼ৻ড়য়য়৻ড়৻ড়৸য়৻ৼ৻ য়য়ৣ৾য়৻ঢ়৻য়য়ড়৻৸৸য়৸৻ঢ়য়ৢ৾ৼ৻ড়য়য়৻ড়৻ড়৸য়৻ৼ৻

शर्वे अधिया विषय त्रियात्र विषय विषय विषय

यश्रामुद्यायम् अर्देत्। । यद्वाद्यात्वेषाः स्वेदाः स्वाद्याः स्व

क्रियायाद्या । विक्रीसासुंदाधिदायित्र वित्र ते साम्याधिदा

इस्राच क्षेत्र विद्याः स्याचा वस्राद्व त्या व

মন্ত্ৰ'ৰ্ম্য মাৰ্হিদ্ স্তিশ।

म् मुयम्पर्देष्टिःगर्ययम् व। स्प्रिंधःम्यूर्यः स्वाक्षाः यज्ञदेः त्यः ग्वक्षः स्वर्यः मुक्षः यश्रृकः यः श्रुदः ॥ इतिः त्यः ग्वक्षः त्योः यश्रृवः सं श्रुदः ॥ इतिः त्यः ग्वक्षः त्योः यश्रृवः सं श्रुदः ॥ इतिः त्यः ग्वक्षः स्वर्यः मुक्षः यश्रृवः यः श्रुदः ॥ इतिः स्वर्यः स्

अध्वः मुन् श्रेय। । चुनः स्र-न्यः प्रमेम् अर्केम्सः य यश्च स्थायम् स्था | व्याप्त प्रस्थायः स्थायः स् या स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः

प्रमाणिक क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र म्हेत्र महेत्र महेत्

गर्नेर प्रगुरावयाया प्राप्त श्रुप्त स्थि गे ग्रुस

মূপ: মূপ: মূপ: মন্থ্য ব্ৰম: ব্ৰম: ব্ৰম: ব্ৰম: মা: ক্টব: মূরে:

सर्केन्'श्चेन'कु'के'लेट'कुन'से'यकन'यर'शुर। केंं यहं'श्च'र'ह'वि। रट'छेन्'सूर'यश्चय'यरे'

গ্রদার্মা শার্রা রা র্মিরা অর্মা র্মিরা রামা

सर्वःश्चीः सःगविःय। गवसः दरः विरः दरः गर्ड्गः स्मारे राष्ट्रीर सः गविः । स्मारोकः स्याधानः स्वोः

यम्। तेरः क्रेंट्सः प्रदी । यशुः क्रेवः स्याः स्वः ८ मोः

यश्चेत्रक्तियां । रेश्वायम् श्चुयायार्के यश्चित्रायाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः यात्रः द्वीयः यात्रः द

क्षेत्र। |देशःवयवःक्षःयव्याप्तसः द्याः क्षेत्रःव ८८। |व्रेतः तः पश्चियः वशः श्चितः वः द्रिशः श्चेतः क्षेत्रः यञ्चयश्च। ।ध्ययः वशः श्चेतः वः व्यः व्यः पहेरा (द्रायाद्रम्थ्यक्षण्या) पहेरा (द्रायाद्रम्थ्यक्षण्या)

दय्यम्। भिग्नायम्,माम्,यम्, स्मान्, कर, याःचेत्रः दय्यम्। भिग्नायम्,माम्,यम्, स्मान्, कर, याःचेत्रः

ब्रुंग । देशरगिरः सुरान्तुरः महितायरे मा ब्रुग्यः इतः (व्रिक्षा । ब्रुव्यः सर्वे का निर्माणका स्वारं

कुयशा सिंग.याधेश.र्झे.मी.श्र.रचर.र्झेल.खयाश. २० हिमा सिंग यमीय रेले मैंचे के ज्वा सम यम

यह्र्य। विज्ञान्यक्षाः भ्रात्यमः मुः सक्कृतः प्रीं सः वद्याः क्यम्। विज्ञान्यक्षाः भ्रात्यमः मुः सक्कृतः व्यम्

यर्षेट्या । विषयः सट.कें. यद्वः श्रैयः श्रूः वीश्वटः राज्या । विषयं वाज्य वाज्य श्री विषयः या विज

यदःस्या । तर्वेरःक्ष्यायः मुःसर्वेरः त्यारः यास्यः यदरः यास्या । तर्वेरः क्ष्यायः मुःसर्वेरः यारः यास्यः

वियातम्बरम्या । यास्य द्वात्यमेगस्य स्थितः

शुःर्रेवायरासर्देत्। ।ब्रिंत्वायर्रेवायरे ध्रेत र्घे चगाय चक्कुर चक्कुर चये क्केट । । रुअर अधेर र्डेन्'यव'एकर'र्सेग्राचायम्ब'एह्वेन्'ग्री। भ्रिका

तु'न्य'य'ल्यश्र'यन्'यह्व'य'न्र्'। ।यव' यरेदे. दब्रूट. ग्रवश यश्रव यः देव. क्रेव. ८८. ॥

[®]८.तर.पर्थातपुर्धास्तुः क्रीश्रापट्टराचर्षेयश्चाः <u> २मो.५२५. घण्या.२२. कैयो.५५. घश्या.५. लुझो</u>

क्षेर चेंदे फेर दहें दा बया कें क्षें का या था । । वर पु

শূর্ত্মন্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্মান্ত্র্

मेश क्रिंभ: न्दः मञ्जाशः उतः न्यः ह्यः भेश क्रिंभ: न्दः मञ्जाशः उतः न्यः ह्यः

क्षेत्रात्त्वःक्ष्रः पर्वेजःश्रीयः स्ट्रेंच्यः तः सूर्याया । यार्ट्रसः नाजा । । ज्ञाले भीताः भागाः मञ्जानाः स्वा

ॺॱॹॖढ़ॱय़ॼॹढ़ढ़ॱॾॣॕॻॱय़ॱॻॿॖऺॺऻॱऻॾॣॕॺॱॻॾ॔ॱ ॺॻॱॿॖढ़ॱॻॹढ़ढ़ॱॾॣॕॻॱय़ॱॻॿॖऺॺऻॱऻॾॣॕॺॱॻॾ॔ॱ

चलुःस्वःग्रीकारग्वाचायम्यास्त्राम्या। मिवःयकास्यः मिवःश्चेत्यःचलेवःश्चेदःयःस्त्रम्य। मिवःयकास्यः

याने ग्रह्म इस स्थार हों व ना अर्रा । अर्रे म व ना या । याने ग्रह्म इस स्थार हों व ना अर्रा । ना ना ना ना ना ना

सर्इक्ष्रियशः स्वाय्वरमा विष्रो पक्षेत्र केत्रे चें

यः प्रतिविद्यास्त्र स्त्र स्त

क्ष्म् अः ह्रारस्यानः श्रुयः क्षेत्रः स्ट्रियः दर्भे स्ट्रियः स्ट्र

डिं.

८८:७५:५३:५१व:५३५:५५:५५

ग्रेसियश्रस्टायर्था हिम्सायायाया ।

वयायकार्वे। ग्वित यदःग्रस्य याया श्रदाःग्री पङ्गतः

य. ब्रिट. घर. ७०. ग्रीश. घषुश. घरु. घर्षेष. ब्रीट.

মাট্ ম'নস্থ্যানমান্ত্রনামা

য়ড়য়৻ঀয়৻৸ৼয়৾৻ড়৻ড়৻য়ৢয়৻৴৸ৼ৻ঽঀ৻ঀ৾৻ৼৢঀ য়ড়য়৻ঀয়৻৸ৼয়ৼঀ৻ড়৻ড়৻য়ৢয়৻৴৸ৼ৻ঽঀ৻ঀ৾৻ৼৢঀ৻

य<u>श</u>ुः येदः कें अः श्चेंदः हें ये ये । विंदः ये अर्देवः <u>५३८२४.४५१,५५८४.४६६८७। । श्रद्या भैर</u> यश्रव यः श्रुदः विदः श्रुदः। । ययः कदः वेयः वर्षेः
 र्शः श्रें श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्रें
 श्र र्वा नियार्क्षमायामधिया**या**यूया विवासपर्वे र्क्ष्या चनवाक्तुः अर्क्षेत्राम्बदः त्यम्बा केंद्रवाः क्रींदः गुत्रः मर्डिः हेः वेरविषा । वर्देन विश्व वार्य विष्य विषय त्रुः इत्या । तिर्वेरः ५८: श्रुवः यरः तरुत्रः यदेः क्रॅंचर्याचुराचुरा ।क्रुंदार्यदेःचक्र्राद्वाचुरायरः

न ग्वेशगुरुष्ठियावशुरुरोरिहेरिक्षा हि

ग्निन् अ'यर्नेम् ।क्रिं अ'श्रेन्' अम्य श्रम् न्सूम्'त्

रेग्।य'८८। विरादकें'यशक्वास्य स्टार्ग्दे

न्स्राम्भवारहें सवा । १२५५ में वासास्वा

वश्वायायाद्या । इस्रागुन्दन्ने येग्रासकेन र्येश

विष्यः सुरुषः । इत्राम्यः यः यद्धः यद्भे यत्रः वित्राः प्रमेरि।।।

মাট্র-মেই্র্রিম্মাঞ্চনামা

^ह सःगङ्ग्याञ्चःर्स्वेग्रास्यायाञ्चःयविःयन्याद्वस्यः ત્ત્રું યાત્રોમ: ઋું અત્રાયાલુયાત્રા: ૠેં N

ૹૢૼૼૼૼૣૹૺૹ૽૽ૹ૽ૺૹ૽૽૱૱૱૱૱૱૱ૹૢ૽ૣૹ૱ૹૢ૽ૼ૱૱૱૱૱૱ૢૺ૱ૡૢૼૺૺૺૺૼૺૼૺૼૺૼ

यश्चन्त्रं त्वेरक्किं त्रवेर अर्केन् इस्यक्ष्य अर्था द्वेरिया है स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य विकास

ब्री. प्रशुक्क त्ये प्रज्ञान क्षे. श्री. च्री. स्था च्री. स्था स्था च्री. स्थी. स्थी. स्थी. स्था च्री. स्थी. स्था च्री. स्थी. स्थी. শ্বর ইশঃরা ই রে প্রিট্র্র প্রতি জু রে প্রঃ র্ভ্বা বর নার্থ

ॻॖऀॴऒक़ॣ॔॓र.ॾ॔ॴय़ॖऀॳ.ॻॖऀॴ<u>ॸॷऀ</u>ऻ ऋ.**ॻऻ॔ऄ॔ग़.॔ॻऻ॔**ऄ. **त्रुश**'र्ओ' क्रुव'र्दे' हे' तकर। । इन्जेर से इ स्थेर

बेल'गर्वेव'ग्रम्'ग्रा । **इ**'र्केंग्राड्यु'त्युल'चग्रत'

यक्तुर'त्रु'अ'या । षो'नेश'यरुर'ई'ते'ग्रह्भर' श्चेयसम्प्राण्यायर्केत्। ।यर्वेर र्ये पर्ने अर्केन

वहैषाःहेदः दयदः धुषाः ददः। । शुः रु: द्वाः दें हें हे :

र्चे.स्.स्.संची स्वा.स्या.स्या.संचायाः

ख़ॖॱऄॕ॔ॺऻ**ॺॱॴ**ऻॵॱऄॺॱॻॸॖ॔ॸॱॾॆढ़ऀॱॺऻॿ॓ॸॿ

येग्रबास्वावनायार्दे हे ये रावना उवा । धुना यवि'ख्या'त्या'स् र'अर्गेव'अ'वेर'त्र'। । यद'ब्रुट'

मुयार्से त्राक्षिया थू में या । षो ने बा ক্রুথ'র্ক্তব'

য়য়য়য়য়ৣয়ৢয়ৼয়য়য়৾য়ৢঢ়ঢ়য় |মশ্মস্ম

<u> ५४२:वगः श्वेव:अर्गेव:बिटःश्चेंट:५८।</u> १५३५ इत्त्रश्चित्रक्ष्यः अधित्र व्यास्य विष्य विषय

कें दिर अके न 'श्रार्हें हे न सा क्षेत्र मा किंद्र में कें कें ने से साम किंद्र में किंद्र में सिंह के केंद्र में सिंह मेंद्र में सिंह मेंद्र मेंद्

गु'ते'र। ।षे'नेषः क्षु'केव'घर'क्षु'म्र'क्वुत्य' र्बेग्रंडर्टा ।ष्ठ'क्यः क्षु'केव'हेर्ट्टे'व्याप्टर्ड्ट

र्श्वेसप्रप्रदा भ्रिक्तियात्रेत्रक्षाः स्टब्स्य विकास

८८। हिं हे हे ८ पडंब ग्रुट क्ष पडंब पें था। भे ने ब पत्र के दे ग्रुट क्ष प्राप्त के प्रा

८ यो र ते. अप २ ४ २ १ वि. अप २ १ इ. अप २ १ वि. अप २ १ वि. अप २ १ वि. अप २ वि. अप २ वि. अप २ वि. अप २ वि. अप

भे त्येव त्या । यो वेश्वः श्च्या पर्वं प्रति स्त्रुत्यः

इ'ग्रासुरा'झ्'र्कॅग्राग्वावी'यन्ग्'क्रस्या'गु'ग्राकोर'झुरेसका न्ययायुवानेबानयाना। हिंहे ब्रुवान्यया

गर्डट हो वग ही र्श्वेगशा । श्लेश खुः खुयः गविदे শ্বশ্বদ্যার্ক্তম্বাক্ষার্ক্ষার্ক্ষা

कुर शुर या परिवार्से हे राया यह वा अ । शुर शुर र

र्वे महत्वबर श्रमः र्त्तेव रहिंग । वियमिट द्यार

उत्रः वर्षतः वर्षाः में दः क्षे । द्रमे वर्षे वर्षः

বর্ত্তর শ্রহার্ন্নর বের্মি মারহার বিশ্বর শূর্ব

<u> श्रे</u>द्गे प्रेंत्र क्रुट द्विय प्रेंशिय । । । थे : वेशः प्राः द्वाः द्वाः

थे'यह्र'अके**न**'ग्रुअ'र्हें द'केव'यकुन्। |दअ'कुव्य'

युःपर्डवःमुरःश्च्याःश्च्वःपत्वः५८ः। । वयःसर्वेः

कें मुलक्रें में धुमाला | बिम्मम्तर् केंद्र

सुँगावरीयविष्कुवासर्केगायस्य याति यात्र मान्य । यात्र । । याँ । । याः । याः । याः । याः । । याः । याः । याः । याः । । याः ।

ञ्च.ष्या.र्थायोचरःश्रेपःश्रेपःश्रेपःश्रे

चर्या. भैज. धूर्य. सूर्यात्रा. श्रूर. क्र. चभैर. क्र्यात्रा।

षाक्र्ये. लेक. क्रुचाब. प्रेश्वा शक्रेब. चेट. क्रुप. बीट.

वश । विषयः पश्चवः श्चीः प्रयादः प्रमुदः भ्री। । पश्चवः यः प्रस्वेषः पश्चवः यद्देवः वप्रवादः यदः

यर्चे र प्यामुक्षा । श्री सञ्ज्ञ प्याम मुक्षे वर्षः यर कर ली । याविका ग्री का ग्री प्याम प्राप्त र प्याप । यस्र स्राप्ता । यो विका मुक्षा वर्षः प्याप । यो विका स्

য়ৢয়ড়ৢ৸ৢয়য়য়ৼ৾য়য়ড়য়ৠৢয়ড়ৢয়ড়ৢয়ড়য়য়য়য় য়ৼ৾ঀ৸৸ড়ৢঀয়য়য়ঀয়য়ড়য়ৼ৾৽ঀঀ৽ড় য়ৢঀ৸ড়

ब्री। क्रिंशश्चेत्यस्य वर्षेत्र क्रेन्स्य क्रिंत्र व्यास्य वर्षेत्र व्यास्य क्रिंत्र क्रिंत्र क्रिंत्र क्रिंत्र

ઙ:વાશુસ:સુ:ર્જ્વવાશ:વાલે:ગદ્દવા;ફ્રુસશ:ग્રુ:વાશેમ:ક્ર્રુસશા |ଦ**୍ୟାସ**'ୟସ୍ତ୍ୟ'ଜିଅ'ସିଷ'ସଷୟ'ସଞ୍ଜିୟ' 551

यायसेवा । क्रें मेम्ब्राम्य सेन् रहेर्ने माया कुरायम यर्देंद्र <u>|भूत'तकुर'श्लेर'र्घ'र्द्दय'युर्व'गा</u>म्र'

यदी *ୣ*୲ୣୠ୶୕୵୵୕୷ୢୠ୶୕ୡୖଽ୶ୢୢୠ୕୶୕ୠ୕ଊ୕ |र्थेग्।यर:प्रश्नुंविद:प्रश्नुय:द्वुंद:र्सुप: बिट्य

Ü । मार्वे र हो र से र र से से से स मार धे त

[ଶୁମ: ୟ' ଘଷ' ୟାସ୍ଟ ମିଁ 'ୠୖୖ୕ୡ 'ଝିଁମ୍ବାଷ' **J**51

इस्रमा मुर्चा । ब्रेंगा केंद्र क्षेट सुट्य क्षेत्र द्व **ब्र** क्षेत्रवाह्य । विष्ट स्वाह्य स्वार्थ या स्वार

मेर्प्यम् अर्द्दि। । अर्द्दम् व सेष्रम्यदे सुव

र्क्षेम्बरग्वित्रःविद्या । श्रीः सञ्चतः वेद्यः र्क्षेम्बरः

इ.प्रश्चाः स्याः श्वाः विच्याः स्थाः स

য়ৄ८ॱघॱत्यरमुरःदेव ।ॐअप्यत्देवरःहेप्वंवणामः पश्चप्यस्य मुक्षप्यस्य स्वास्त्रस्य ।ॐअप्यत्देवराहेप्यस्य

^{ଷୟ ଅକ୍ଲୁଲ}ା। କୁଁ: ଶିକ୍ଷୟ ଓଡ଼ିମ ଧିବ ପଷ୍ଟ କ୍ଷୟ ଅନ୍ତି ଓଡ଼ିଆ ସମ୍ବର୍ଜ ଧି

श्रे अश्रायश्याम् ५ व से ५ उ र श्रे अश्राय र से ५॥

र्दे बर्नु अः श्रुं अः व्यापार दे ग्राम् व ग्राम्य द्यारा से द्या

गुर्तिः ह्रियः ह्युः संस्थाः द्वार्तिः स्थाः स्

युक्तं प्रति पर्दे प्रति । विषयि पर्दे पर्वे स्थित । विषयि पर्दे पर्वे स्थित । विषयि । विषयि । विषयि । विषयि ।

इम्ब्रम् इंग्रम् मिन्द्रम् इस्मिन्ते । सुन्द्रम् विस्त्रम् विस्त्रम् विस्त्रम् विस्त्रम् विस्त्रम्

ब्रिंद्र'य्य'स्त्रम्'यर्क्ययप्रहेंद्र। ।यद्य'यी'द्य'द्रद्रः बर्टास्यक्ष'त्रेयस्यहेंद्राः ।यद्य'यी'द्य'द्र्य

यदः मुश्रायदेः नययः भ्रः स्री । ॥ श्रुतः यमः यष्ट्रतः । ॥ श्रुतः यमः यष्ट्रतः । ॥ श्रुतः यमः यष्ट्रतः

मिश्रामित्रःमिश्रातपुः त्रदः व्यंता स्वा । मिश्रातपुः

वर्षिरःग्रीक्षःपर्झेरःपदेःगर्डें:र्केःवे। हिमकाःग्रीः

शुः अर्देषा श्वेरार्थे प्रेति हिता । गुत्र हा जुरू । भुः अर्देषा श्वेरार्थे प्रेति हिता । गुत्र हा जुरू ।

अह्र-। ख्रिन् : येन्याः चन्याः स्टेन्ट्र-वर्सेन् : यह्याः स्टिन्ट्र-वर्सेन्

<u> ५८८ मी ५८८ ईवाउँ वा</u>

ৼৢয়ৠয়ৠয়ঀঀ৾৽ঽঀয়য়ৠৢয়ৠয়ঢ়৾ঀয়ৼৠৢয়য় য়ৠ৾য়য়ঢ়৾ঀয়৾ৼয়৾য়য়ঀঀ৾৽ঽঀয়য়ৠৢয়য়ৢ৾৽য়য়৾ঀয়য়

ॲं. विवः हु: यहेत्। । गुवः हु: त्यरः अर्दरः हिंदः त्यः धुमः यदमः में त्येष्टरः दृरः व्यवसः हुंदः द्यदः हुः

यक्ष्म । विश्ववाद्य प्रमुक्ष प्रति प्रमुक्ष । विश्ववाद्य प्रमुक्ष प्रति प्रमुक्ष ।

ऄ ऄॴ ॱऻट्याऱ्ट्रिय्स्ट्र्याश्चित्रःयश्चरा

उव। | प्रमार्थिते त्येष श्रीका प्रक्लें र प्रदेश में से सि

हन्यश्चिम् अर्देन् वन्यार्थः विवेष्ट्रः यहेत्। । गुर्वः हु: द्वायार्थः विवेष्ट्रः यहेत्। । गुर्वः

मैं'न्म्'न्द्रव्दाह्मस्रस्त्र्यार्थस्र्स्त्र्यं विद्वार्थः स्टायबेदान्द्रस्यस्यास्यास्यास्यास्यास्य

युर्यावेच वर लट्ड ही । विव जं अस्य प्रायविद्या

₹ॱ**ગ**ાલુઢાઃઙ્રઃ ર્કેંગ્લામાલેઃ⊐૬ગ;ફઢાલઃ ગુે:ગાલે≍ **ક્રો**ઢાલા

तर्त्रों प्रायदेव प्रति हम्बा । किंव सें रक्ष प्रति । प्रति ।

यद्येत्रः नस्य म्यायस्य । यद्याः । यद्याः । यद्याः । यद्याः । यद्याः । वित्रः

क्षरमान्त्र श्री दें ताया से ता श्री र हे ग्री पर से पर

यदे'न्याङ्ब'दर्'यवेष'य। विग्राचिर'यवुर्' क्षेय'यदे'यव्यायर्वेग ।रे'क्षेर'यवुर्'

यह प्रति : स्था तथा स्था तथा । स्था तथा स्था तथा स

बर्भः मुभः पश्चनः शुरः दर्गोवः अर्केगः दसः

दयर'यर्झेत्। प्रयो'तर्तुत्र'श्चे'र्श्चेरत्राद्धया तयर'यर्झेत्। प्रयो'तर्तुत्र'श्चे'र्श्चेरत्राद्धयातर्ह्चिर'

क्रें न्ययः श्रेय। अत्रुवः यदे न्यः श्रुवः यावायः यदेः

देर.वसर.जा विक्र.रट.जूटशःश्चेर.सेश.त. १८.वसर.जा विक्र.रट.जूटशःश्चेर.सेश.त.

क्रिंत्र**अ.भी ।** भूषा.ज.ल.षक्ष्य.क्षेट्र.सूट्य.ट्याट.

य'रदा । इ'यर'हग्'हुःक्षुव्ययेरेग्गह्रअःर्वेश

निदा । दिः वैसाददः याञ्चाददः से वहाया

चर। अश्चां स्वान्य व्यान्य व्य विद्यान्य विद्यान्य

व्यः इस्रायमः वर्गः वर्षः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स

ब्रिंट्र प्रह्नेत्र ब्रिंट्र अर्केट्र ब्रिंट्र वर्षा । अशुः स्यायाः

स्वःस्यान्यः स्ट्राक्षेत्रः स्वा विश्वः स्याः विश्वः

ह्मःक्रिंभःमुद्रः २क्कें यः श्चेष्ट्रियम्। । सर्दे रःदः यस्रसः र्देदः धेदः यदिदः २ सुयः सरः सर्हेद्। । यदमः दरः

মহাব শেষা শ্বীমাষা ডব হো শ্ৰীমা । ব্ৰি.

 वुर्यत्रः श्रुक्षात् प्राप्तः द्वान्यः वर्षेत्रः यदः यश्रुक्षातः प्राप्तः द्वान्यः यद्वानः । । देः वर्षेत्रः

ଜିନ୍ୟୟ ଓପ୍ଲିୟ ଅନ୍ୟ ଓଷ୍ଟ୍ରୟ ଅନ୍ୟାକ୍ଷା ସ୍ଥ୍ୟ

श्रेशः मुत्रः स्वर्दः देदः विषयः यहतः व्याः या । । स्वर्धः देदः स्वाः स्वरः स्वर्वेदः देवेदः यहसः यः या । । स्वर्धः देदः

वरःसर्यायव्यकर्त्राययर्त्रस्यस्यात्वा । वितर्दर

द्यश्चर्यं त्राचित्र त्या वाया प्राचित्र विश्वास्त्र विश्वास विश्वास

योष्यःत्त्रश्चर्यः त्राः विश्वः विदः। विष्यः ज्ञान्यः वर्षः यत्रः स्वयः वर्षः विदः। विष्यः स्वयः

सद्यम् भिषान्ययाययम् मी स्थितः सर्वतः हमा हुः चगाः भिषायने स्थितः स्थितः । स्थितः

ट्रें अ.चींटा.भ.जीश.क्रेंजा.भह्ट.तपु। १क्र्अ.बींट. चुचा.लुट.ज.रचे.ता.२भ.चींश.चीटा। रिट्रेंट.तपु.

ल्येर प्रविव क्रें र सु हिर इसम् ग्रीमा प्रद्या

श्चित्रायस्य द्वायाय स्थाय स्थाय

য়ৢॱয়৾৽ৢয়ৼয়য়য়ৢয়ৼৢ৾য়য়য়৾য়য়ৼঢ়ঢ়ঢ়। विषःৢঢ়য় য়ৣ৽য়য়ৼঢ়য়য়য়য়ড়য়য়ড়ড়ড়য়ড়ড়ড়ড়য়

ब्रिट.शब्य.चर.कर.ब्रुज्य.च.रेटा । चर्छेथ.त.रेट. .हे लब रेट्य बींच क्रैज शहरे २८। । व्य क्रैट

विद्यानिकार्केषायमेयार्भेष । यहायार्भेषा ही

*ૹ*ॱૹૄ૱ઃૹૢૐૼૹૹ૽ૹ૽૽૱ઽૹ૽૽૱૱ૹ૽૽૱૱ૹૢ૽ૢ૱ૹ

षाषायायार्द्धः

🕴 गर्भेषायदेवसारुसामेनायकीयर्भेगा

নৰ্শ্বশ্বংশ্ব্যা

२००१ । मीयः क्रुयः यामः यस्य सह्यः यदेः ययोदः यश्चितः स्वरं यार्म् यः

वरेवशकी यगायः यक्तुनः त्रुः सः इस्रश्रः याः वार्श्रेयः यः

वरेवमा । त्राधेव वर्षे च वर्षे म प्राधेव।

नश्रमानविद्यन्त्राचानम् । । । विरम्भास्

व्य वें या सम्बंध । विष्य स्था के कें मान सम्बन्ध

मर्बेज'य'दरेयबा । रुब'सेव'दर्के'य'यर्ज्जेग'रु'

मर्जेल। । प्रमाय प्रतिव दुर्ग प्रमाय प्रमाय ।

নুষ্ণবিষ্কুষ্ণ আৰু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু ক্রিম্ম প্রস্থাপুর র্ভ্রিম্ম বিষ্ণু বিষ্ণু ক্রিম্ম প্রস্থাপুর বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু বিষ্ণু ক্রিম্ম

दर्बाय:य:र्टा । ले.चेश्व.कंच.क्य.क्य.य:यध्याः दर्भःय:यञ्जूषाःहःबङ्खाः । प्रश्रमःय:यध्यःहं

अंश्रह्मा । विकास वि

व्ययः संस्था । व्यवस्थाः स्वतः स

য়ৢয়ৢয়৻ৡ৻য়ৣয়৻ড়ৢয়। ।৻৻ৼয়৻য়ৣৼ৻ঢ়৾ঀ৻ঢ়ঽ৾৻ য়য়য়৻ৼৄ৾৻৻৻৻ৼৣয়৻ড়য়। ।৻৻ৼয়৻য়ৣৼ৻ঢ়৾ঀ৻ঢ়ঽ৾৻

コ川の教で、新山 | はまれ、湖下、日子、日本、新山、日子 | 145名 湖 | 145名 河 | 145名

ग्रॉक्यःयदेयश्चर्यःश्चेत्रःयक्वेःयर्ज्जेगा

यार्सेत्य। डिकाशुयाकेवाग्रस्यकासर्दायात्रकार्विवातुःश्वरायदे॥

🕴 गशुरः अर्केनः वर्नेनः वें वः श्वेवः सुरः

নৰ্শ্বশ্বংশী

🎯 | १ग्रुरःसर्केर्ःसर्देरःयश्च्यायहरःयरःश्च्रेंव। बश्चाञ्चःसुर র্বুঅ.२% রূপ্রর্থান.घङ्ग्यीश.ज.क्ष्य.चथ्। श्राम्था.ध्या. क्रियान्द्रः स्वाया ग्रीया स्वीयया स्वाया स्वया स्वाया स्य

वस्र अ. २८. स्वा श. १८. ११८ वर्षे र वर्षे र वर्षे र अ. १८. १८ वर्षे र अ. १८. १८ वर्षे र अ. १८. १८ वर्षे र अ. १८

डेग'झुठ'रश'ग्रोडेग्श । अु'धेश'वेट'(यसस'

लूरश्र.ज.यिय। ष्रिट.चिश्रश्च.रय.उयेशश्चरी.ज.

र्हेग्बा । प्रःश्रुदेःसःगः धम्रुवः उत्रवा । गहनः

র্মা. ১. ট্রি. ঘু. প্রা. ব্রু. প্রার্থি প্রান্ত ব্রু. মূল ব্রু প্রান্ত ব্রু প্রান্ত ব্রু প্রান্ত ব্রু প্রান্ত ব

พี่'พี'ฑ'ฑ'ล'ฅัรฐา คิฆมัร์รุฐฆาลลูลม สู่'ม

ড়৽৻ঽয়৻য়৻য়৻৻ড়৾য়৻ঽৼ৻৸য়য়ৼয়ড়য়৻য়ৢয়৻য়ৢৼ৻য়য়ৢয়৽ ড়য়৽য়ৼৼ৻য়য়য়৸৸৸ঢ়য়৾য়য়য়য়য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽

क्राक्षाया हिंहिंदी यो महिंदा है व तत्त्वा हिंदा

यित्र विदः स्विदः स्वेत्र स्वा श्रामित्र स्वा श्रामित्र स्वा श्री । स्व

त्रविष्यं विराधित्रक्षे विराधित्र विष्यं विषयं विषय

गश्चरःशर्केन्।वर्नेन्।स्वनःश्चेवःस्वरः। त्रः वेंदः वेदः त्यदः कग्रह्मा वर्षेत्र। । वृदः कुवाक्षेत्रकाद्माद्म । भ्री प्रवित्तुत् ଅି.ଖିଛା ।ଞୂ୍ଧ୍ୟ.୯ସିଂ.ଜ୍ୟୁୟ. उव। । ५ वट दें ग्र्व रहें दें व्यव अंद की । विवा ग्री:इ:प्रस्यान्यकान्यः विष्या । भ्री:र्क्याः परः र्देवे त्वें तः र्श्वाया । रेगयः द्वा क्षेर हेवे अर्चेव:इसमाया । १८६५:ल्वंव:वर्माययः अर्द्देर-र्रु:पर्झे। ।य्वुयःश्वरःश्वरःश्वरःषेरःषेःवेशः মুঝা বিষশ্ধ নাশ্বিম বের্দ্র ম ম ব্র্দুম ম र्वेम । । मसमामसुस ५ मा ५६ मे । अ५ ५ য়য়য়য়য়ড়৸ৼ৾য়য়য়ৢয়৸ৢয়য়য়য়ড়ঢ় য়য়৸ড়য়ড়৸য়ড়য়য়য়য়য়য়য়য়ড়ঢ় য়য়য়য়য়য়ড়৸য়য়ড়ঢ়

या. प्र. त्या. त्

ଊୖ୕୵୷ୖୄଌ୕୵୳୕ୖୢୠୄଽ^{ୣୄଌ}୲^{ୣ୷ୄୠ୲}ଽ୕ଽ୕୶୕୶୶୷୶୕୷ଽ୶୷୶ଽୗୄଽ୰ୢଌୢୣୣୠ ୰୵୵୵୵୷୕୕ୖ୶୷୶୷ୠ୕ୄ୕୶୵୵୵୲ୗ୵ୠ୴୶୷ୗୢ୶

यह्मकाग्रीयःचनायाः त्री । । । निः यधुषः मनिमाद्याः स्त्र

यवन्त्रश्रा पङ्ग्रक्षेत्र प्रचेत्र स्त्रम् स्त्रम् प्रकृष्णः स्व

यात्रासुमात्रर्कत्यात्ये। विःर्केष्ट्रम् क्षृंत्रात्वे। केष्ट्रम् विःर्क्षः विःर्वे। केष्ट्रम् विःर्वे।

गश्चरअर्केत् व्यक्तेत्र व्यविश्वेत्र ख्वरा कुरका के कुरका के | साक्ते कुरका साक्ते कुरका

यः क्रिंभः शुरुः छेष । त्यवः क्रम्बः सः त्यं वः त्यं वः शुरुः छेष । विद्याः विदेशः स्थितः स्याः स्थितः स्य

देव.वृट.क्रुवाश.ह्याश.वशा ।श्रुर.ट्.श्रटश

শ্বিষার্শ্রমানমার্কী বিপ্রধার্থর

सर्हेर् पतितर्ता विषयमार्श्वेर् कर्या सेर्यं

य'र्र'यू'र'हे'से'श्रद्य'श्रु'तृतुःश्रृ'तृ नर्गेति'

સર્જ્રેના સર્જેન 'દાશ્વાસાનેશ્વાની કરા સ્થાન

ध्याबार्यात्र सम्बद्धाः स्था । देवाबार्याः स्ट्रीतः ।

শহাশাহা

गशुरःसर्केन्'वर्नेन्'र्षेत्'श्रुव'ख्रः। र्वेष । हैं ५ या ये ५ छे दावळें ये ५ य ४। । ४ ८ ५ य ८ र् दे हें र पर दें ग । व वर्ष प्रमुवस पर दें पे মহারা বিরিকার্সনে হ্রেমরাস্থ্রীনা হমরা ওব बी विसर्देसस्टर्स्य वर्षेत् शुरुष्य । दिना यदे विदर्भ स्टर्भ । यद्या यी प्रश्रायदे क्रॅंचर्रान्यान्या । देःचलेवःयानेयार्रायदेः च्रेवः क्रॅंचर्अ:५८:। ।क्रॅंअ:ग्री:५व्ठी८अ:ग्री:क्रॅंचर्अ:इसर्अ:

बेसबः उवः गुवः यः यवः मदमबः शुद्दा विवः इसबः मदः दमः यबसः यः गुवा दिः दमः धस्यः उदः उः देमबः या विदेमः हेवः वसबः वेः सः खबः

গ্রীঝা বিশ্ববাশ মার্ক্স মার্ম মার্ক্স মার্ক্স মার্ক্স মার্

योर्चयाश्चरः योश्चरः । क्रि.जा. तर्ग्या । जा. तर्या । ज

धेव'य। ।५वो:ब्रुॅट'केव'र्येश्च'दि'क्श्नर'वाश्चरश्च। भ्रेवा'य'रे'खट'शे'ग्रु'वेट'। ।५वो'य'स्व'श्वर

त्रत्या । तर्ने वे सर्भ कुश पश्च राधेवा। त्रुट र्ये वाट दग तर्ने र वे ख़्या श्राय श्व र प्रेया।

यसर्विन हे यम श्रूम वर्षित ग्रुम श्रु क्या के का स्थान के का स

त्रक्षः श्रीयः श्रीयः विद्यः त्रिक्षः विद्यः त्रक्षः स्था विद्यः विद्यः

शूरः अः धम । पार्रे पाउतः तुः पास्यः हे स्रो पारः

ঀৠয়য়ড়ৄ৾ঀ৻ড়৾ঀ৻ড়৾ঀ৻ৠৢ৾ঀ৻ড়৻ৼ৻

त्वा ।श्रुक्षः यः व्याः त्वाः स्याः यश्चितः व्याः व्यः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्यः

*ગ્*ર્સુર:સર્કેન્:વર્નેન્:થેંત્ર:શ્રુંત્ર:લુદ:(

৻ৼয়৻৴য়ড়৻৴য়ড়৻য়ৣয়৻য়৻ঢ়৻য়৸ড়ৢঀ৻য়৻৴ৼ৻*ঀ*৻ रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्रावात्र ग्री:**हेश्र:श्र:**यद्याःश्चेंय:छेटः। ।द्यो:य:५५:द्याः

ষপ্তর হে প্রমান্ত বিশ্ব বি

यहेबायदे:वीव:स्यबादरा **৳র্ক্রম**র্ট্রেস यरेव'यदे'व्वैव'क्वयश्र'रम्। । र्गो'यर्व'श्रे'ब्वेर्'

यत्व'यये'वीव'त्वयशयीका |हे'ख़र'र्ब्रेव'यय'

यहयः यंबेदः तशुयः यरः वृषा । दर्गोदः अर्केषः यश्चारपाञ्चयातस्यात्। १५५:वृः यदुःद्वे:पाषा **स**.चू.^{दे}.च.ल.के.२१ ट्रेट्ट है.सर.ज.बेंच ब्रूंश परं है.केंच.

<u>५२:बव:ह:सुर्दे:सुर्क्षेण्याम्यायः वर्देशयाम्यदः याच्येयायदे:५ग</u>्नः

म्बुरःअर्केन् तर्नेन् र्षेत्रः श्चेत्रः सुरः।

वाश्चर इ.रेब्र्स वेश उर्द्र नियम त्या क्ष्वीय हूं बीय कुर उद्वर दि

यश्चर द्वीर त्र. त्य. कुर. री. रश्चामा हे. र्यूर. श्चर. यर्झ्झ. व. रट. यावव. वक्रे च च र्सु च तरे सर्के ग रह र त्युर विदा वर र दें विद स वर्ष देश मान स वर देश

इसार्श्वेट र्चेल ग्री रेगका पञ्चेक हे पहर प्रकार वत र्से व रचना से र र वहुट

त्यायः त्याः श्चितां व्याच्यां प्रवेदः द्वाः स्वाः स्वाः

यर'शुर'डेगा <u>।</u>।

बरबाक्चबार्केबार्टर्न्नोय्द्वर्ट्टः त्रुः अर्थेः

क्रिन्ह व्यापन में प्रमान क्रिया में स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन

तव्दारम्बद्धाः तस्याः तस्याः विष्याः स्वाह्यः स्व

मुन्मा क्रॅ्रिटायाकेटातुम् क्रॅ्रिटायदे दर्णमा

५ त्रा'अवितः तर्शे '५ दः । के सार्श्वे दः वे राख्नुः वाहे रा

यन्याप्तरः यन्यायाय्यम्येत्रः वितः क्रींयाया **क्रम्य** यश्चरश्चर्यर्केन् मु:केव्:यर्ने:यवेश्वर्यः <u>स</u>्ट:हः <u> ५२:परे क्रॅंट में गुरा अर्हें ५३ ग्रै३ ५५, क्रं</u>गी: मुँग्राज्ञ'ग्राज्ञ'यदे ख़ुः सुराहार्रायदे र्ग् युः वि ៖ हः अर्क्षेण मुखः यें । ज्ञः यः ५ । श्रुरः अर्ग्धेण हाः ळे'पदे'न्गु'ख़्'पश्रम्शः पन्ग्'गे'क़ॗ्रहन्र वरः अर्देनः स्न्यिः स्टाहान स्त्री द्वारा ग्रैः नरःग्रे:धुँगश्रवःग्वश्यदेःषः दुरःहः त्रः रोट म्याप प्राप्तः स्व १ त्रायः स्व १ त्रायः स्व १ त्रायः स्व १ त्रायः स्व ব্যাঞ্বেষ্বাৰ্ষঃ অব্যাশীঃ ক্ৰ্বাৰ্টঃ कें. त्री. त्री. कें. त्री. कें.

दवैदःय.र्ज.लु.सं.अश्वायश्वायश्वायः ववैदःयपुः यपुः ग्रीः स्वित्रश्चायथः अक्षत्रश्चायः यविदःयपुः त्री कुरम्परम्य अर्दिनः सुन्यते कुरम् र् न्यार्थेषः स्रम्पानमुर् ग्री स्रम्ययानयम्यः श्चर विदे हुर हर रयर अर्देन श्चे या न्या थी

व्यः इर्याया प्रयास्यः श्रीः प्रतिः स्पृतः प्रतिः र्वे श्रीः

वग्रन्त्राक्ष्रं त्र्यश्चर्यायस्यः वीं त्रुदेः स्ट्रयदेः तर्गे प्रते सु ५८ सुँ तायते सु से से से से से से से ति ति

वन्गामो कुरम् नरम्य सर्हिन् क्नि यदे कुर

ह्राचक्केत्रात्रुवार्क्षयः वक्केत्राक्केत्राक्क्ष्यायः বষ্ক্রীবঃ এ্রাঝাল্রীর্কির্ব্বেরস্ক্রেরার্ম্ক্রীবঃ

दग्राचार्मेव्यादिः त्र्रायस्यः त्र्रेत्रः सेयसः वः

यरे'यरे'हेर'यहेव'यश्चेरः वर्षार्वेव'यर'कर

ति'चर'अर्हें**नः कें'चर्केन'क्टेंचर्य**'वर्जेर'वर्षेवा' विटःकुषः भूटःभेरःर्घरःषभूषःर्गःपगेग्रा ब्र्रेंपः ध्रेंग्रायामुयायदेमुयासस्त्रादर्धिरः वर्रे र पर्वः र्रेवः गुवः वश्चायः य र दः ॥ मुवः वि मुल'र्ल'सुल'र्नुल'र्लेः वद्याख्याख्र'र्द्रमुल'ग्रुर डेगः वगः स्वायान्य प्राचित्र वर्डेल'वदे'तस्व,लस्त्व्वव'यर्भ हेंदि । क्र

यदशसाञ्चनानीसान्नेसानसान्धसानसानस्य स्थानसान्धिः हं स्थान्य स्थानसान्धः हो स्थानसान्धः हो स्थानसान्धः हो स्थानसान्धः हो स्थानसान्धः हो स्थानसानस्य स्थानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानसानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स

इंदे:बहेर:बब्दि:बहेर:दंश बहेर:बी क्रिंड हेबडी क्रिंट्राया

मिश्रा यक्षेत्र, ता श्रिंदा यत्रा खेला यखेशा

५८। क्षिंस्ट वर्षेत्र यहे क्षेत्र सुत्र सुत्र

यदी विग्रानिश्चान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यस्

वृंग । पञ्चर त्रस्य तर्रे धिश स्वास पङ्ग प्रस प्रमुव र्वे॥॥

	4		
٦			

~~
ころいろはあるし
11 000 II
- 11

	E	4	7
٠	7		۴

रे'र्चे'पश्चरश्चरश्चर्

इ।र्रेदेः करामबराष्ठ्रामरार्श्वेष्व। ग्रॅराष्ट्रग्रबायदेः खुग्रबादर्रेवः कः

 $\mathsf{A} \mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{T} \mathsf{C}^\mathsf{C}^\mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C} \mathsf{C}^\mathsf{C}$

বশ্বদ: পঞ্ছই. হ্যা. গ্রীপ. জুঝ. লবা. বশ্বদ: শ্বদ: ক্রী. জুঝবা. নদ্র. শ্রীকা. থিই.

নপ্রবাজিনপ্রে প্রমান্ত্র বিশ্বর বিশ্বর প্রাক্তির প্রমান্ত্র বিশ্বর প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র বিশ্বর প্রমান্ত্র বিশ্বর প্রমান্ত্র বিশ্বর প্রমান্ত্র প্রমান্ত্র বিশ্বর প্রমান্ত বিশ্বর বিশ্

জ্ঞ.প্রঃস্কুঃ মানব.সঔস.স্থান.প্রিব. প্রীনশ্ম.র্যার.

बेटामुयः हिट्सुरासूटार्श्वरामुयावदेर्राग्रीया

त्रें र हें गुरु वर्षे प्रांतु र श्रेर यश यश्चय ध्रेर

दें ५ मा अया धो : भे अ : वे मा : ये दे : मा ले र ३ वर्गे : गुज :

ब्रैतःगश्रुअः ५वा वयः श्रुः ५८ः गश्रुदः । श्रुवायः ग्रीः

य्रेट्ट, यर्वें श्राचित्रः व्यक्तः व्यकः विवकः विवक

हेशाधी सदा १ २५ त्युव श्रुव श्रूव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रूव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रूव श्रुव श्रूव श्

वर्षिर पङ्गिरः वर्षेर पर्देर वर्ष श्रुग्राचर

 মার্স্থান্য বিষয় বিষ্ঠান্ত বিষয় স্থান্ত বিষয় বিষয়

शुः यहेषा हेत श्रेन परि यहें न सुन्य र्रेषा स्त्रः

৻য়ৢ৾৾৽য়ৠয়৾৻ড়৾৽ড়য়৽য়৻ৢঢ়ৼয়ৼ৽ঢ়ৢ৾য়৽য়ৢয়৽য়৽য়ৠ য়ৼ৽য়ৼ৽য়ড়ৼ৽য়ড়ৼ৽য়ড়৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽

য়ৢৼয়ৢৼয়ড়ৄৼয়ড়ৄৼয়ড়৻ড়ৼৼয়৾য়য়য়৻য়৻ড়ৼৢ৽ য়ৣ৻য়৻ড়৻ৼয়৻ৼৣ৻ৠ৻ড়য়য়ৢৼ৻ৼৼ৽৽৽ঀৣ৾য়য়৻য়ড়ৢ৻

मुयापिर पृथित वर्षे संदेश है द्रित प्राप्त से स्ट्रिस स्ट्रिस

यर्यन्याः भे कें त्यें याः भें याः मुं विदः । वदः यार् वः

सक्त'द्रत'त्र'कृष'द्रत'र्भण्यः श्रे'चक्कुत्'सर्हः र्के'द्रस्व्य'चत्रण'र्चे'त्रः = =र्ष'त्रः व्यक्तित्रं

ब्र्-श्री.लथ.क्षमंबास्व श्रीय.यर्मा.श्री.उर्रे.स्

म्बितः र्से म्बितः ५८ । में में में से स्टर्में प्रस्थितः से त्र से स्टर्में स्टर्भेतः से स्टर्में स्टर्भेतः स

यहोषाः हे तह्यः स्टःस्टः धेर्यः यदः संयः स्टिनः

वर्रे र सुवे : करः हे श्रे र व्रयः यात्रवः याव्रवः ग्री

श्रेषाःश्चितः १८ १ १ त्रों व स्वर्क्षेष् १८ १ व विव १८ वे वि

याञ्चरायाञ्चराक्षः ञ्चेत्रःश्चेषाः से सर्केर्यः दर्राधिकाः

रेषः गुरुपबरअर्केर्परिश्वेतस्ररके बर्प मैज. यद्र. प्रेट. विश्व सूर्य. ज. विय. कीर. द्र्यी

ये खे . ले ब . लू दे . जू दे . अर्के र ब्री व . बे म ब . र्ग'स्रवर'सेर'मवर्ष'शुष्ठ्य'शुर'यर्षः विसर्ष'

মাপ্তমা ব্যুমা মা বছবা একা বুই শ্লুমা র্মীনঃ दर्शे गुत्र घुट द्या श्वेट घें र श्रद्श क्रुश र्वेषा

<u>भू</u> म् सुरा द्वा दा र्से द ग्री म् वित्य प्य स्र स्र केंस

र्येट्सः श्रुयः ग्रुसः श्रूटः श्रेट्गा श्रुवा शः स्ट्रह्म असः

यर्द्र में र लु यश यहर देंद यर श्रूट गट ह

য়য়ৢ৾ঽ৾৻৾য়৾৾৾ঽ৾৻য়৾৻য়য়ৣ৻য়য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻ त्रते र्षेव प्रवासमा स्रीव विदः क्षे स्रीस स्रीप रामित वरःकर्'ग्व'वश्वयवश्च इर्'वुर'ग्व'वबर প্রদার্মান্তী:মাদেরে দ্বন্তীদর্মান্ত্র্যু দার্কির রু দ্বুমান্ত্র্যু ম गहतःश्चेरःबेदःयमःर्वेगः वर्षमःयदेः मुः अर्द्धः केव र्से क्रिंद्यायदे अधरः देंग भेव यज्ञ पुष्टा पर अन्द**र्भ**ःग्रेनिः यहेन् त्यमः न्यामः नुसः ग्रुटः बेसवायबेगः इवायदे ब्रेंट तयमः ब्रेंट हेर

쥧도.

क्षुत्र

श्चेट हेते पश्चेग ह्या केंब ५ मिट्य गट ३

श्चेर त्यें र त्र शर्रे हेते तें र स्ते माने र

त्त्र : क्षेत्र अद्याः क्षुयः यदे : यश्चेतः स्याः दत्यः ।

ষ্ট্র, গ্রী. অব. ক্রমারা. বপরা র২. গ্রহ. গ্রীম. কুমা ८.के.केर.ज.४.व४४११५५५५५५५४१ ४. র্বৈহর্মন্ত্রীন'ঘরি'ঝ্রিম'ঝ্রম'রাশ্রুম'র্বনাঃ র্র্রা'রম' वुदःबोस्रवः देषः यः दहेवः यः धीः व्हेंसः वउत्रः বর্ষুব:দ:শৃষ্দ:শূল্ব:দ্র্ম:স্ক্র্ম:দ্র্মারঃ র্স্ক্রম: ८८.भ.ष्ट्र्यंत्रक्षश्चाताः शर्त्रताः चर्याः चर बार्रेव मीय ५८ सी बार्ड ८८ वा मुरू से बार स्वा মর্মুখ.ঘশ্লীবার্মারা.ঘ.ড়েরীম.বুঝঃ পরবে.প্য.২রিখা.

ર્જે**રા**સર્દ્ર 'સુ'સ' ग्रन्त्रव्देव'यर'कर'र्ह्वेगः র্নিব্'শ্র্ঝ'নগ্র'ম্র विश्वायदे सुश्वायत त्र्रीमः ন্ম ব্যু ক্রু পে ই কা दह्माश्राय केत दीं

বরূব'বহ'বয়ৢ'রুগ'র্রুগঃ ন্ব্ৰাজ্যা থেট্ৰ-**५**अ:श्रुं दर्गे द:घेंदेः

বডশ্বশ্ৰম্ভিন্ন ক্ৰিলঃ सञ्जूषात्रात्वाचा ज्ञीता । बायायाः वेषाविराञ्चा स्वीता રે·ર્વે·વશ્વરઃસર્કેન્·વર્નેશ્વરક્ષેઃવર્ક્ષુઃન્દા નૃર્યોનઃર્ક્ષુન્શા વરઃક્ષન્:ग્ર<u>ી</u>: देग्राक्षेत्रायात्राहें हे या त्यस्त्राक्षायात्री सुकास्त्रात्वकार्से गर्वेदका ગ્રી: નાવશા ક્ષેં, હવું ને. સંદુ. ૧ તાના છે. જાયવા હશે શા નાવના વાવવું કે. સ विष्याक्षेत्रायमञ्जूष्याचर्वे विश्वाः स्वायाङ्ग्याः स्वेत्राचित्रमञ्जूष्याः

ই।এখ্যস্থা।

🕴 गर्ड्याः र्ने रःगत्या अप्तगर सेंदिः वर्झे अप्वत्तु अप यरे.य.३४.मी.७४८.४.मूर्यत्याय.य.चे.

*য়ৢ৻*য়৻ঢ়ৢঢ়য়৾৽ঢ়ৼ৾য়৾৽৻ঀয়য়৻য়৾৻৻

७७। वि.स्. चै.मी.भी.च.ला। क्र्.रनमा.श्रर.तपु.लीश.सक्र्या. र्गेश्चर्यरक्षि । स्यःहार्द्वशयदेः युः र्क्षेयः यदीः धेवः यश्च। । यदेः यः उवः तुः क्के.य.टे.लु.ट्र्या ।य.यस्य.केय.टेज.टय.पत.य.य.यथ.याच्याच.तु.हु.रा । वीय.

યતે[.]વાર્જુવા ફેંમ **ત્રમા**ત્રે છું તર્મ જ્ઞુવા | વુનાય ર્જ્જેવા યમ સામાન

धे^भर्देव। विवानस्यामस्य स्थानस्य स्थानस्य महीयान्त्रे महिन्द्रम् । स्थिते प्राप्त स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्य स्य स्य स्थानस्य स्था

गञ्जरकार्ग्री:क्रुग्ग्याकामार्ख्याःहॅरःबेर। विदेःकेट्यःचरःक्रुट्यःवेदः

વલ્દા |∄.⋬ૈટ.ૐ.ૐ૪૪.ૐ૪૪.ઌૢૡ.ના |૬.ૐ.૪.૮૨.૬્ર.૬.તો.૨૪. વલ્દા |∄.⋬ૈટ.ૐ૧ૹુ૨.ૐ૪૦૦૦

त.शूर्याचा विवित.कुर.शर.तूच.शह्रे.केंत्र.धेशका.लुर.वुरी दिवाय.

য়ुःषर्ष्कुः चमुः ३ ते. मुः नविरः २ रः। । अर्घरः चः ५ वः १ वः रचरः श्विषः ६ रे र यतः त्याक्षे । साः रः । व्याद्याय विष्यः विषयः । विष्यः यो । विष्यः य

ब्र्याचा । प्रदेग्याविदः क्रेन् क्षेत्रः स्थानः ग्रीः पञ्चरः प्रक्षेत्रः हो। । क्षेत्रः स्थेतः

यरे विराम्चेत्र क्रुयश्र के या यरी । वर गर्रे व मुर्ग ग्रामहर सवद क्लिंगाय

या हिंहे स'यम्भारता में हिंद्र दरमहुंद्रमा विदे व उद्य में हिंद्र विम्रम्

यश्चरायाः यहार स्थान स्था स्थान स्थ শর্শশর্শরামা ঘরি'মার্মাঝ'রশ্ম'শ্রম'থা

यदे गिर्द्याचार मिर्ट्या शुरु यथा । जित्र हे पिश्वार्त्य स्था प्रति स्था स्था । जित्र हो नित्र हो नित्र हो । जित्र हो नित्र हो नित्र हो । जित्र हो नित्र ह

कुश्राचकुरदहेग्रस्ट्रान्त्र्याचकुर्गाम् । मुद्राख्याः कुश्राचकुरदहेग्रस्ट्रान्त्र्याचकुर्गम् । मुद्राख्याः

देश्रायम्,दह्मश्रास्ट्रायिट्राट्या ।यास्त्राव्याः देश्रायम्,दह्मश्रास्ट्रायिट्राट्या ।यास्त्राव्याः

ख्टात्, ध्रेश्चा मुद्रेटा हे. खे। स्ट्रिटा लया क्रेंत यें। इंटा त्रुप्त के प्राचन स्ट्री स्ट्री

ढ़ॖॴॻॿॖॱड़ॺॱॴॹॴ ढ़ॴॴॾॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॴ ढ़ॴॴॾॗॖॖॖॖॖॖड़ॺऻॱॴॴॢॴ ऻॸॣॹॱॾ॓ॿॖॱॸऻॹॴ

विरःश्चेत्रः भक्षाः विरःश्चेषाः प्राप्तः । १ १ १ श्वे १ १००१ । विरःश्चेषाः प्राप्तः ।

योत्र के. यभै. यभैट. यश. यह्यश. भीय. यश्रभ.कूर.रज.मी.ययर.य.यत्नेम वियश.

থাৰ:পৰ্য। । শহন্ম:শ্ৰুম:শ্ৰী:ম:শ্ৰম:মহ্ৰ: ব্যুৰ:পৰ্য। । শহন্ম:শ্ৰুম:শ্ৰী:ম:শ্ৰম:মহ্ৰ:ইহ:

শ্বর'য়ঽর। ।ঌৼয়'য়ৢয়'য়ৢ৾৾ৼয়'য়য়'য়ৼৢয়ৼৢ৾ঽ' য়য়'য়য়য়য়

यवःतकरः। । । ५ वः मर्ड्याः मर्ज्याः । यः सः शस्याः यहः । यवः तकरः। । । ५ वः मर्ड्याः मर्ज्याः । यः सः शस्याः यहः ।

লু.পুরার্থনা ক্রি.ছারারারে পু.পুরার্থনা বি.স্থারসরাজন

खे.ब्रिंद्र.मेंच.टेंट्रब्री विज्ञान्य स्था. श्रेट. विष्ट्रिंद्र.मेंच.टेंट्रब्री विज्ञान्य स्था.श्रेट.

अवदः विषयः यो स्टब्स्ट्यमः स्त्री विषयः श्रीतः अवदः विषयः यो स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः শর্ণশন্শন্মর্শ ই্ম-ঝমঝ-প্রুদাঝ-শ্রু-শ্রু-শ্রু-শ্রো ব্রুদাঝ-দ্রু-জ

ञ्च स्ट्रेट क्रि. लुचा - द्वार - । स्ट्रिया स्ट्रेट । जा - विष्या स्ट्रेट । जा - विषया स्ट्रेट । जा - विषया स

ब्रि.पर्श्च.ब्र्.ब्र्.ब्र्.ब्र्.ब्र्.वर्थे ।श्च.र.म्.यं.व्री.

ব্রহারবম। বির্বি: ব্রিব: ব্রমশভেব: বার্ক্র:

बेब् गुरा | प्रिशेष्यायायर्क्केश्वायार्वे ब्रुबार्केषायास्त्री | प्रक्केंश्वायास्त्री

ग्रुश्चःयाश्चरत्रा । (८६) द्वीः रचाः हुः (८६) व्याः व्याः व्याः व्याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः

यार्श्वमार्श्वमा ।विदेशित्माष्ट्रविद्यमायाक्षेत्। हुँ। हें हे यार्श्वमार्श्वमा ।विदेशितमाष्ट्रविद्यमायाक्षेत्। हुँ। हें हे यदे अर्द्धव हम्बार्च उत्र में हे यद्याय देव में र्च

શ્ર મશુરા શું નશુંબ લોકેંગ વા સદલ સર્દન સા

रावाय विकास विकास

वस्रश्चर्याकेव र्रायस्त्र र्रायस्त्र विश्वरात्य वै'र'वै'र। वह्रं'इ'रे। वङ्कु'वङ्कु'वे। वर्ड्र'यू'हे' षतः दुँ दुँ षतः षतः श्रुः तृ। दुँ तुँ प्रकूषत। अः अः

रग्ना रग्ना श्रु र्वा वर्षा र्राच्यु रामुदे सुद्धारण ल्रीन् मासुस्रास्त्रव्यः यान्द्रान्यस्य या वस्रवास्त्रन् द्वेशक्षेशक्ष्यायः वस्रश्चः अत्वः यः न्दः पञ्चेरश्चः यः नदः पञ्चस्रश्चः यः वस्रशः उन् स्वः षः पृः वः षः श्वृः

त्र्। ति'यान्त्रेक्षे'गा'र्'षो'श्रुःग्र्। वेशयवे'यराने'रयायत्त्रः वर्षेराष्ट्रान्ता । वाशक्राक्रान्थ्यावे पर्हेन्यवे हेशा ।श्रेन्यं

८८.वु.कु.कु.ट.क्रेचाकारुट्र,कुट्री । १४८.वु.च.कु.च.कु.च.कु.च.वु.च.

हुँ ते त्रु तृ। क्षेर्य्या । श्रिं सास हुँ ते त्रु तृ। के प्यतः क्षेर्याम । यर् प्रमाधका हेवा ह्वी पास हु मान मही वा पार्टे साम त

यद्ग्यायः त्रायः विद्यायः स्थायः विद्यायः स्थायः विद्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः

यर्ज्जेषाः हुः षञ्जेषा । भ्रिः षयाः सक्ष्वः याः न्त्रः याः ज्जेषाः हषा सार् प्राप्तेषाः प्रमाणक्षेत्रः याः ज्जेषाः ।

ロダ知、劉子、と母、お、劉祖 | 1時初、と母、日聖子、発、系、 といか ブン とる、スヨ・ブラム コ ヨ リ リゴ・ブブ・ス

द्रश्राचकुर् र्ह्मेन । प्रश्राचर्त्र राष्ट्र स्थायकेर स्थायकुर् रहेन । प्रश्राचर्त्र स्थायकेरा स्थायकुर रहेन । प्रश्राचर स्थायक्र स्थायके

र् पङ्गिषायः र्ह्मेष । या से सार् र र ही या सार र हिंगा

होत्रायः र्ह्मेय । यात्रस्यः हो त्यायः होत्याः स्थित्यः स्थाः ह्येयाः स्थाः ह्येयाः स्थाः ह्येयाः स्थाः ह्येया सःधिः त्याः स्थाः स्थाः ह्येयाः स्थाः स्थाः

द्याः त्र्यां व्यवःगश्च्या ॄ विद्वेःस्यः स्क्रीं स्वाःत्रः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्व विश्वां विषयः गश्च्याः है विद्वेःस्यः स्वांस्यः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःसः स्वाःस

ସ୍ଥିୟ'ସଝି'ସଞ୍ଜା । ସଟି'ନୃ≭'ଞ୍ଗ୍ୟ'ସଞ୍କ୍ୟ' ସ୍ଥିୟ'ସଝି'ସଞ୍ଜି' ।ସଟି'ନୃ≭'ଞ୍ଗ୍ୟ'ସଞ୍କ୍ୟ'

यर्रे:वॅरःचरःशुरःअःवग ।वर्रे:वःउवःर्,चह्रूषः

हे.भ्रे.यर:स्य भ्रिकाश:वय:धिकायक्ष:रय:यस्र्र इ.भ्रे.यर:स्य

वसा अधितातसास्यास्य साम्यस्य स्वापन स्वापन

तर. र्व्य । श्रेश्रश्च वर. य. हे. श्रेर. या । श्रिर.

रु:वर्'यश्चरयर्वेग विर्शे'यरेवर इसस

ग्रिग्राह्म नगर र त्या ची आ

यर्षा'यर्देर'र्द्द्रयञ्ज्ञात्त्रम्य । विस्तर्द्द्रः यर्षा'यदेर्द्देर'यञ्ज्ञात्तर्भः । विस्तर्द्दरः

নশ্ম:ন্ত্ৰ:ব্ৰুব:উহ:। ।নম:জন্:ब्रेन्स: নশ্ম:ব্ৰুষ:ম। ।নম্ম:ম:র্ক্রম:নন্ত্র-বেশ্রুন:মম:

त्य । यट्रे.यान्यश्चित्रश्चित्रश्चराः ह्याः यर्थः वित्राः ह्याः य

यवुरमःभिरा । यदेःयबुरःयस्रुवःयःगर्वेदःवेदः संसःयउदःवमा । यदेःयेगमःयवसःयःवेःवेःयसः

म्रायक्षे वि. त्या स्ट्राय्य स्ट्राय स्ट्राय्य स्ट्राय स्ट्

गर्ग्यश्रप्रभरप्रयाम्।या

त्यः र्श्वम्बार्याः मान्यत्यः योदः । अन्यान्यः स्वरः मान्यः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्

वर्रेव। विर्नेवर्तस्य स्थानिकायास्य स्वरं हिम। मृत्याखाञ्च सामानुसः

धरःर्भेगा ॥

ज्ञाञ्च वाञ्च वाज्य वाज्य विष्य स्वाचा विष्य वाज्य विषय स्वाचा विष्य वाज्य विषय स्वाचा विषय विषय विषय विषय विषय

র্মশ্বরেপ্যম্পা । বৃদী নশ্বরের্ণ শূর্ব নম কর্ন দ্রীর বিধ্বরা । খ্রি মম

यरे केव विरात् क्षे यर र्वेग अ्रिका विषया मित्र रेव रायमा सेर विष्य

[ॗ] वेशप्रयाक्षेपार्यायत्ग्रशक्षा

ेख्य । । श्रुप्तश्रयाय हें ५ से ५ मे श्रप्त स्वास देवा

કુૈરા | યાર્સ્સુસપ્સે ત્વામુસ્રાત્રસપ્સાયલે દેં મેં જેના|

ब्रॅं.ब्रॅंस्स्स्स्स्मिणे.चेब्रःब्र्र्ड्स्प्लयःय। ।रुब्रः

मझुस्राः क्रुव्यायदे : सुस्राः व्याः सुमाः तर्रवाः विदे

<u> स्वायन्त्रामुयार्यये । स्वामुयाम्याम्य</u> श्रेयश्चरपदे न्यो तत्व केव से न्य धनशक्य

<u>ৠ</u>८.पर्या.यीश.त्र्यात्य.पंत्राया **এইম**

ब्रूट्यालेबानुयदेर्केबानुः इसाम्बानुः हिटाटे

दहेव य ब्रेंब्राचार त्वाबा की । यर देवे कें ग्रुट

य'श्रुव'रकाग्रवेगवाद्यदाधुग'वेब'रवा'ग्री'ष'

र्मेश्वर्ष्ट्रम् स्टब्स्ट्रिंड्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्रिंड्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्रिंड्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्य स्टब्स्ट्य स्टब

য়ৢয়৽ৠৢ৽য়য়ৢয়ৄৢয়৸য়ৼঢ়ঢ়ৼড়ৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৾য়ৢয়৽য়ৢঢ়৽ ড়ৢয়৽য়য়য়৽ঢ়য়য়য়য়ঢ়য়য়য়৽ঢ়য়য়৽ য়ৢয়৽ৠৢ৽য়য়য়ঀ৾য়য়য়ৼঢ়ঢ়ৼড়ৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৾য়ৢঢ়৽ড়য়৽ বর্ষুব'মম'ন্ত্র। বি'শ্লব'উঝ'শ্লুঝ'ম'ব্দা ন্তুদ'

य:ञ्चुत्र:रञ्जाञ्चेषाञ्चःरचट:ध्रुवा:वोञ्चःळें:८८:वृत्रः

वेशः रयःश्वेरःय्।

यःवृःरःतृःहेदेःद्यःयःदिःश्चरःडेशःश्चर्याःश्चा ।वृः रेते'त्। रेग्रां ग्री'त्त्य। रेग्रां ग्री'त् र्से ग्रां प्रां ૡૡ૽ૹૠ૽ૻ૽ૹ૽ૺૡૠૼૡઌૢૡૢ૽૱ૡ૽૱ઌૹ૽ૼૡ૽ૺૹૢ૽ૢૼૺૢૡ

शुर् यर वर्रेर य रेश वरे क्षर इस पर पक्ष

यर गुःह्रे। सुर यें ख़ यें दे दग गुर रर यं बेद

यक्षेत्रः स्ट्रान्यः । त्रुः वेश्वः स्ट्रां त्रुः वेरः यक्षेत्रः स्ट्राः विदः वेरः स्ट्राः विदः स्ट्राः विदः स्ट्राः विदः स्ट्राः स्ट

८८। इस्रायरानेश्वायाइस्रशङ्गिरायदे। ११

*ঀ৾য়*ৼয়ৠ৾ৼয়৾৾

रेते सु ने क्षर केंबा बसबा उन क्षेंद्र या हेन ने। सर्वत हेन सेन या सा अक्षेबाया सारवावाबाया दे सा सेन या दे सान्द्र स्थाय सेन या दे या सेन या वाटाय सेन या विषय का क्षेंद्र या हेन त्या वा बाबा वा बा केंद्र या सेना क्षु: येन दें: येन केंग: व्राच: येन केंब:

দিপথাপুটা লুই.মু.ইপ্র.ল*ম*.ধুরান্ত্র,ডিপর

ঀ৾য়৽ঽয়৾ৠৼয়৾৾

गुःचरःतुःष्परःभेदःत्। । सःरेगःयःभेद। सःरेगः यःबदःयःभेदःयःवश्वःकःभेःभेद। कःभेःबदःयःथः यरःतुःषदःभेदःत्। ।देःचलेवःतुःश्वःगःचश्रूयः

व'र्र'। गुरु'वधूर'व'र्र'। वर्षेष'य'र्र'।

यस्रासेन्। षे विश्वासेन्। र्वेच यासेन्। सर्वेच

ક્રીવ-કે-બેંગ-બશ્ચ-વૈવ-હ-લ-શ-લ-શ-લશ-

त्दश्रप्रे अध्यः ध्रेवः हें। |त्रागश्रुअःतः स्थः

মম মর্শবাধা মধি ঋমঝা স্কুঝা গ্রমঝা ওদ্য শ্রাম

यःष्यरः सेन्द्री । भृः देवेः सुः नेः क्षः यञ्च नः सुनः

*ব্*ঋ:ম্ম:শ্লীম:শ্লী

त्रिश्चर्याः मुंग्यः र्देशः सुत्रः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्व स्वाद्यः स्व

বশব্ প্ৰাম্ব গ্ৰী ল ম্বা গ্ৰী ল ম্বা

वस्रश्चर्त्तरम्हित्यरम्बित्यर्थः स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वाद्य स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त

 वैश्वानुःचः चुन्द्रहे। येग्रश्चाश्चाश्चा । देग्रश्चः वैश्वानुः ने दिवन विश्वास्य । दे दे दिवन । विश्वासः

हिंद्र'ग्रैशपश्रुव्यायविवर्द्ध्य श्रुप्य या श्रुप्य हें। देयविवर

यानेवाबायाः इस्रवागुरः हेबाबुः धेः स्टार्टः।

वर्डे अ' ख्व' तद्य' ग्रैय' दे' भ्रद्द' हे ख' वगाद' श्रुव्य' वया कें' दर' ख्व' य' वृत्र' दुः हे दे' सु' दर। वह

द्याः श्रेश्वरायदः श्रेष्ठः स्थः व्याच्याः स्थः त्याः स्थाः व्याच्याः स्थः स्थः स्थः व्याच्याः स्थः स्थः स्थः स

व्यायस्यायः विश्वायः विश्वायः

55:ब्रा कॅंगि:हे:बा:हे:यू:रावा:हे:यू:रार्श्वाहे:

প্ৰাম্ব্যস্ক্ৰীন্ম

लेश.कुरं.श्रं.यं। इ.ज्बीय:यंश्चात्रात्त्री.ल.क्ट्यां.यं.सीयां.पक्ष्यां.प्र्यां। ।सरकाःमीकाःपर्यात्त्रीयाःपक्ष्याःप्र्याः। ।क्ट्याः पक्ष्याःप्र्याः। ।सरकाःमीकाःपर्ययःप्रियोःपक्ष्यःप्र्याः। ।क्ट्याः प्रभावत्रेषे । श्रं प्रभावत्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रात्त्रेष्ट्रा

र्स प्रमु: वीव: वीक्ष: विक्ष: र्या: ग्री: य: र्स्य: हु: यीव: यमुय: यम: ग्रीम: विका: रय: ग्री: य: र्स्य: हु: यीव: यम्प्रम: वीव: वीक्ष: या: ग्री: य: र्स्य: हु: यीव:

त्रम् वर्षा पर्टे क्ष्मा खेरा क्ष्मा स्टा क्ष्मा क्ष्मा स्टा क्ष्मा क्ष्मा स्टा क्ष्मा क्

गुराउँवा डेशायदीयह्याहा यादायीशाहेत्र छेदाद्रोता

चर-दर्भरः। विम्नाम-संप्रेन-सःश्ले-श्रेन-स। किन्

वशा पर्टे क्षेत्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्याक्याक्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक

र्हेन'र्5'वुश्र'य'य'यहेन'नश यर्5'श्रेग'उन'

ଦା: ଶ୍ର୍ୟୁଷ୍ୟ: ଯ: ୟି: ଅଶିଷ: ଯଫ୍ର: ନ୍ଥିୟୟ: ଶମ୍ପୟ: ହଥ.

धुरः र्ह्मेषायादे प्रविवाद्या प्रवासीयायादा

वेशप्रयाश्चिरायें। यः ब्रेन्यः हम् ब्रेन्य। विंदः यः ब्रेन्यः वर्षे अनः

या । धर्र्र्र्र्वस्थेवर्र्व्यम्बेग्सेव। । श्रुवाया केर वि वि प्रमुव य। इस्मिश्र यदे अदश मुश्र श्रु

गुर-देर-वर्देर-चर्दे-धेम्बर-विमा ॥

इस्रम्भाग्री। । द्रमायादे त्यास्रमा तर्कवार्वे। । प्रमीमामा

रेग्राक्षंस्यग्यमुर्द्धावे चर्दा । श्रिःसद्य

गर्वेद्रायदे मुक्राद्रा व्यायाप्याद्रा । व्यश्कायम

शुर-उदास्त्र-सुर्य-र्स्टिग्राय-पी । । प्राया-विद्यानेत्रा

🕴 ୬ୗ୵୕୴ୖୣୖଽ୵୷ୖୡ୕୳ୠ୕ୢୄୖ୕୕୕୕୶୳୕୰୷ୠ୕ୣ୶ଽୖଽୡୄୗ୲ ७७। । दययः स्व हें हे दे स्थ में बी । द्वा में बेद मेदे मेद्द प्य उवा । यो ने बा हो ये दिद <u>बेर'दर्से। ।श्रेर'मेदे'मर्नेर'ठत'</u>ः सॅर'दर्गा। ড়৽য়৽য়৽য়৽য়ৼৼঽ৽ঀ৽ৼ৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়ঢ়৽৾৽ त्रमुनः नज्जुक्षः सम्बद्धाः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः सम्बद्धः स उत्राष्ट्रीत्राण्चे या अया स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्व

यायायहेवावश्वाद्यायाद्वीरायायन्त्राख्यान्येवा र्स्सियायविराद्यायक्षायाद्वयक्षायाक्ष्यायाद्वीता युर-देव विश्ववयर्थायन्यविष्यद्वयर्थः विर्धेर्ययर्थः युर-देव विश्ववयर्थः विश्ववयः विश्व

खे.य.रेटा । ३.यश्रभातार.यखेष.पंग्रीय.त.रेटा। इत्राथायञ्चभाराप.श्रह्मा । विषेट् वेर्या.

यत्र मुत्रायस्त्र या मुर्याया सर्हित्। विश्वाया वर्षे हे

पर्दुत् से पर्द्धुत् से पर्दुत् से पर्द्धुत् से पर्दुत् से पर्देश्व से प्राप्त का स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित संस्कृतिक स्वार्थित [ॣ] श्चे.पर्ध्यप्तप्त्र्यप्तप्त्रप्तप्तप्तप्त्रः श्चेत्रापत्त्रशः यर्द्र'यश्राम्याम्यावेशःचुःयःयत्ग्राशःश्री।

वर्ज्जेषः दर्वेव अर्क्षेष पर्न 'दर्व' मुव'र्चे 'बर्ष'

षो अ र्नेः गा ५ ग र्केश श्रुति र्ने र्ग् त मुर्न प्राच = १

ঘটুই, নতু, প্ৰবৰ, ইজ, ষ্ঠুই, এপ্ৰজ, পুঞ্চ, স্ব,

*୴*अश गदःवरःदें तें तद्देव प्रयाणे वेदाःस्श

গ্রীব, বারুম, লাম, লাম, মুর্ম, জাম, শ্রীর্ম,

यः गर्बेयः चः दरेवशः वें दग्यः मुद्रः वरः करः

श्रेयशर्रे हे पद्वा पक्षे ये १ सु पहेश पर्

र्वेर'सेर'यः गर्बेय'य'यरेपशर्वेः र्केब'क्य्य'

केव'र्से'स्'श्रुश्रुश्रुश्रुश्रुप्ते'पर्ववः प्रज्ञुते'हेश'वहेव' बयः कें**रा**महिरः क्षें त्रिन्। बयः महिरः यगादः

ययश्यवरःम्.बंबश्यःतःलः बश्चलःयःपरेयशः र्सेः अर्गेव'देश'हेश'यत्रुद'वय'र्केश'यष्ट्रव'य'

মঁইঃ নশ্ব:নন্ধ:এঝ:ডব্:ন্ঞ্রুন্:বইব্:রমঝ:

ডদ্'ঝঃ শ্রষ্ঠিঅ'ম'৫দ্বৈশ্বার্থানীর'মম'

कर्व्यर्ज्जेषः श्रुःपःग्रादःदर्छं स्वर्धःगरःश्रुकाः

र्भेटः सेत्रः यश्चरात्र्यः यतियः वर्षे यात्र्यः यहं र

गुरः वरुरःविदेः द्याः दरः द्युरः विदेः ग्राध्यः

<u>বর্</u>শক্ষর মেন্য বাধান ক্রিকা শ্লুবি দেন ক্রিন্ থেকাঃ র্ট্র্

म्बुसःस्याम्बेर्यास्य स्थान्त्री स्थान्त्री

क्षे.यम.बिबाः पश्च.बाश्वेत्रा.क्षेत्रया.का.क्रेबाश्वा.ह्येट. १९८० वर्षे

क्ष'त्रमध्रमः देंन'बेम'ध्रेम'दर्धेम'र्खेममान्द्रदे' यरे.योक्षेयात्रात्रक्ष्रः व्वेषः स्वात्रास्त्रः तर्शः बुद्वित्तेर्वेर्वेर्वेर्वेर्वेर्वे हे वर्डू म्बर्भरक्षुरबायबासुयायदेः नुरक्तायर्केता हेव सेट वि यन ब्रुटे ह्रेट हुँ यस यहुन दहुया नुगुःसेरःमोदेःभुः सःमार्वेवःसन्सःचन्याःसुमः सम्रोतः सम्बद्धाः सम म्बर्या देव नुर बेस्य पङ्गिरः म्बर्

इसाहग्रास्थ्रिसेटे प्रायाय हिंद सेंग्रासः सर्केट

यर तत्या र्ये प्रमा ग्वित श्रेस्य उत् इस्य यर्द्र' यद्येदेः द्या दर ययायः मुवः यरः छर् पर्झेंगः अर्केग्। शुक्रायश्चायांवे तशुपाय राष्ट्रीक् য়ৢ৾য়ॱয়ৄ৾৾য়য়৽ ৺৽ৄ৾৻ৼ৽ঀ৷ য়ড়ঀ৾য়ড়ৄ৾য়৾য়৻ড়ঀ৾য়ৼ৾৾ৢ येर त्रु प्रदे त्वयः गर्भर सर्देग पर् प्राप्ति राय स्वारक्षायक्ष्रिनः स्वास्वयार्ह्हिनःवरःश्चेनःयः শৃষ্ক্রম'ম'মঙ্কিষাঃ মন্তম'মিদ'মর্কর'জ্বির'র্ট্রির'মে' मुग्। तक्ष्या प्रक्रूं नः से प्रकाय र प्रेग्ना साम्या . त्रुवान्त्रवाञ्चा वाचे द्वार्ये दः ॥ व्यव व्यव व्यव वाचा या सुन्न श्रा क्षेत्र प्राचीता स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वीत्

ह्यायिवेदाग्रस्यायेदायर्थिकः र्याः त्वाविद्याः द्याः विद्याः विद्याः

सिमाः यस्ट्रेस्य वर्षेत्र यगुषा त्र्य द्वेर से द केट्र त्याय अधित्र से स्वयः स्वयः द्वार्षः वर्षेर यदेश्यरः वर्षेट्र से द्वेट्र वर्षेत्र यगेषायः स्वर इग्र वृःषाः वृःषः व

কুঁ'কুঁ'দ্বন'দ্বনঃ **ঝ**'মাৰ'দ'ন্য| সি'হ্ন'

गर्नेव प्रमेगश्च रुप्त श्चे रुप्त द्वीर र्घे

ব্যক্ষরের বিষয়ের বিষয

ন্ত্ৰ'বাহ্ববেঃ

यञ्जेषाः सुः धेश्वाः यञ्जेषाः व स्थाः सुः व स्थाः सु

ग्रुमः प्रदेशः प्रदः अवस्य स्ट्रिसः

র্যানের্ভ্রমান্থর বেব্রাঃ অবারে ইটি ইটি ইটিবরার্যারি । অর্থ্যালিকঃ অক্সান্ত অব্যান্ত সম্বাহ্যালিক।

क्रवाबायपुरुष्य प्रमान्य के ब्राह्म के ब्राह्म व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्य व्याक्ष व्याच्या व्याच्या क्षा क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच्या क्षा व्याच

বর্মু'ঐহ'গ্রীঃ ঘইর'ঘই'য়য়ৢ'ৠয়'য়ৼয়' র্মিম'ঘডয়'ঝঃ মি'শ্লমা'য়ৢ'ৠয়'য়৻য়য়' यदः अवा के के के के कि कुर के त्र के तुर के

श्रूर देवा मान्त्र त्र्या यञ्जा श्रुर देवा । यो न्यर स्वर्थ वित्र स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वय स्व

मु:रेष:क्र्ष्मश्यव्यक्षश्यदे:बुश्यश्रद्ध: वरः कर्:बर्देव:चषेषश्यव्यद्धः यश्रद्धः सुः वरः

यर्द्रायस्याः श्रीटः वीं रत्यटः अर्क्षेयाः विवाश

৽ঽ৴য়ৢ৾৽৻য়য়৽য়ৼ৽য়ৼয়ৣয়ৼ৾য়৽য়ড়৻য়৽ৢৼ৽য়ৢ৽য়৻য়৽ৼয়৽ঀৼ৽ঀ৽ৢঀৼঢ়ৢ৾৽য়৽য়য়য়৽ ৽ঽ৴য়ৢ৽৻য়য়৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়ৣয়৽য়ৢয়৽য়৽৻ঽয়৽ঢ়ৢৼ৽য়৽ঀ৽৻য়৽ঢ়ৢ৽য়৽য়য়য়৽

ড়ৣ৽য়ঀঽৼ৽ড়৽য়য়ৣয়৽য়য়৽য়ঀৼৼ৽ড়য়৽য়য়ৣঽ৾৽৾য়ৢ৾য়৽য়ৢ৽য়৽৻৽য়য়৽ঢ়য়ৢ

त्रमः त्युरार्मेश श्री क्षान्य स्त्रम् त्युराय स्त्रम् त्या स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स् त्रम् त्युराय स्त्रम् स्त्रम्

ড়ড়৻য়য়ৼ৻ঀৢ৾ৼ৻ড়ৼৢ৽য়ৢৼ৻য়ৼ৻য়ৢড়৻য়৾৻ঽ৾ৼ৾ড়৻ৼৢ৻য়৻ড়য়৽ ড়য়৻ড়ড়৻য়ঀৢ৾৽য় ৽

यान्त्रायाक्षः भीत्रायाद्वेत्रः वित्रायात्त्रेत्रः केत्रः याद्वेतः वित्रः यात्रः स्वाः स्व

चान्द्र-प्रादेश नेवा यहें त्र क्षेत्र चात्रा के वी प्राप्त क्षेत्र प्राप्त के विकास क्षेत्र क्षेत्र विकास क्षेत्र क

मुलासक्वानी माश्रदामुदार्से रायतमा ५ मी सव्यापनी सायर्देश

🕴 येर्वे दः अञ्जू तश्च अर्वे व : क्षेत्र : वें : अर्के व : वी :

विवसः वहवः गर्बेषः वदेवसः वत्ग्रसः बे॥

९७। ।^७वॅ ८:४। वशका ७८: याचिव प्यते । ब्याया यहव प्यक्ते : ये ५ प्यति ।

२३८४१%४७१वेश५५२१वत्ववश्रां।।१०८४५%। । ४०७८५५४८

मुल'यदे'म्बरम्बस्यस्य स्त्रास्य । । मार'दर्वः

इंस.लट.एकस.चंद्र:श्चिस.पर्सेज.योस। श्चिर:खुंदुः

नवीः येग्रासः गुतः यद्युदः धेनः प्रवितः वेदाः । नदिं सः

ব্রক্তুর্-ইর-ডর-ন্নু-মবি-র্ক্তবাশস্ক্রমশ্বনা । বর্ষ

क्या. यर्टेट. वियाला. ट्या. मूला. याङ्गला. पट्टेटाला. क्या. यर्टेट. वियाला. ट्या. मूला. याङ्गला. पट्टेटाला.

व। विद्याउव सर्वेव से प्रमुव से विद्या से से से

धी । भ्रुं कें भ्रे नेगश्चर्म्य प्रमुपः प्रमुरः स्वायह्रम् भेरा । प्रमुरं कें भ्रेष्ट्रम् श्रुम् श्रीमः प्रमुपः प्रमुपः स्वायह्रम्

श्चित्रायह्यायय। वित्याययायम् स्वर्णस्य

र्ग्रीजार्ज्यरारी विस्तयदालार्भाक्षेत्र्यमः

वस्रक्ष:उर्-त्या | प्रद्या:उष्-त्याक्ष:द्याः वस्रक्ष:यहेव:स्वाःक्षाः | प्राद्य:उत्रःसर्वितःवः वस्रवः वहेव:स्वाः सर्वे:स्वाः । स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः ଔଷ୍ଟ ଶ୍ରିଷ ଓଷ୍ଟିପ ଅଧ୍ୟ ପ୍ରିଷ ଶ୍ରିଷ ଧିଷ୍ଟ ଅଧିକ । ଅଧିକ ପ୍ରଶ୍ୱର ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ।

र्मे. विश्व संभित्र स्वास्त्र में विश्व स्वास्त्र स्वास

มัลทาษิดเอเลที่ลู่เลู่ โรอเชลิทสเปิส. ชั่นสานชิเท่ะงานเช้าตูเช้ โรอเชลิทสเปิส.

त्रम्भः त्रमः स्थान्यः वर्षः वर्षः । । यद्यः स्थः । । यद्यः स्थः । । यद्यः स्थः । यद्यः स्थः । यद्यः स्थः । य

अर्ग्रेय.त्र्यं.यक्षेय.रह्म्य.म्य.मञ्जूत्मा । भिन्य २०। अर्ग्रेय.त्र्यं.यक्षेय.रह्म्य.मञ्जूत्मा । भिन्य २०।

ग्रैसारग्रीय प्रमानिक केरा | प्राचेत हें से स्वाप्त । प्राचेत से स्वाप्त । प्राचेत से से स्वाप्त । प्राचेत से स

चिश्वरात्त्रयाटाचीश्वरद्यार्श्चेताःवेटा। विस्ताहित चिश्वरद्यीत तर विन शिश्व श्वरणा ।तहा। हन

यदे केंब में केंब बाद स्था वित्र में क्या महित

यम्यान्यस्य प्रदेशस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस् स्थानस्य स्

विषयान्यस्य प्रमुखः स्वायस्य छैरः। । प्रविदः र्देवः

सुन ग्रीश तंश्वाप सर ग्रीन ग्रीश र्से प्रशासी । श्रीन

यदे त्युया वर्षे मार्ये अक्षा या के का न्यवा यदे॥ यदे वर्षे वर्षे वर्षे अक्षा अह्या यदे । भे का उव्हा

इस्राध्य हैं है ते र्चेट यहा से हैं दा | दिवा र्चेता

वसम्बादि द्रो तर्तु वस्य अस्त त्या । यदम

वर्षेट्र अ.भ्रुवश्वायर्षेव्यक्षेत्र केत् चेर्यः अक्रियः यीः विवश्यः यहत्।

उगा गर्द श्वाबा द्या यंबा गर्बेया दर्पन्यः व। । गारका उव अर्गेव में पक्षव वहेंव कु अर्कें ल्री अभ्रु:क्रें:क्रे:विगवायम्वयःवमुक्र:रवःवह्वः उटा । प्रवेद देव सुव ग्रीश दशुव पर प्रवेद ग्रीश र्त्वेत्रम् । समियः श्चेतः विदः ददः मवसः सुयः दुरः बिंद्रा । वदे हेंद्र क्षश्च मुर्रे स्थाय दे हेद র্মীনাশ্বাসাধ্য বিশ্বাসাশ্বাসাধ্য বিদ্যাস্থ্য বিদ্যাস্ মানব:বের্নিবি:র্ক্সাশ্বাস্ক্রমশ্বাপা বিদ্যান্ত্রনা

गुरु

৺र्वरशञ्चायश्चर्यक्षकेत्रं अर्डेन ने विषयनहरू। भुग्रास्त्रा स्थान

च्वायर्ग्वर्यः प्रमुवः यहेवः मुः यहें धी । भ्रुः हें शेः विषयः प्रभूवः प्रमुवः यहेवः मुः यहें धी । भ्रुः हें सीः

|ग्राट्या

र्पूत्रका हिं.हे.एकट.बी.च्याय.हेबाबाखिया.केय. र्पूत्रका हिं.हे.एकट.बी.च्याय.हेबाबाखिया.केय.

यहुर्। अिःदव्ययःस्यःयदिः व्यक्तिः दुः केरः यर्गेदः

द्याः उव। । । भेषः श्रुवः यहेवः श्रुटः पर्दः सहः वश्रा । प्रहेवः दः प्रहेवः यहेवः श्रुटः पर्दः सहः

मर्झेत्य विद्यान्य । विद्यान्य स्वास्त्र । विद्यान्य स्वास्त्र । विद्यान्य स्वास्त्र । विद्यान्य स्वास्त्र ।

यह्रव यह्रव कु अर्कें थे। । ह्रा कें से विषय प्रमुख

^ॳर्मेदःसःश्चुयसःसर्मेदःकेदःर्यःसर्केगःगेःबयसःयह्दा

यमुरःस्यःयह्रवःस्टरः। ।यत्वेदःर्देवःसूवःश्चेशः त्य्वायायराष्ठ्रेत्राष्ठ्रीत्रार्क्षेत्रत्या । १२ १३ राव्यु से १ श्चित्रवार्ग्ने अर्क्षेत्राद्मस्रमाय। श्वित्रवार्ग्ने दाव्रवा

गुर्अ'यश्चार्शेव'यह्म' । श्चे'यर्शेन्। श्चे'यर्शेन्। अदे:बुग:हुअ:रव:अवर:वी | |वर्ग:र्बेग्डा:

मदशःर्बे्दशःदर्गे प्रदेश अर्वे व मुडेमः स्। । दमः

गश्यायी भेगश्यायी पश्चिया म्बिमार्स्य स्था स्था स्था है है है दिया सिमा सम्भावा ואם.

य कु अर्कें र वर्षे अे ८ ह्वा यह व विव <u> বন্তু অশ্ব ক্রি করি করি । শ্লি দে</u> व्याद्यः अनुवसः अर्थतः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन्तः अर्थन् अर्थन्यः अर

*ଝି'ଘର୍ଷ୍ଟ 'ଖୁଷ' ଶ୍ରିଷ' ଦ୍*ଷୁଘ'ଶୁ×'୫୩ । ମିନି' ଧଣ୍ଡ୍ଷ' ট্র্মারার্থর শ্লবি নেরহ রেমানার শ্লী। বিশারর दयःवर्षेदेःन्धेनःतुःहगःर्मेयःबेदः। ।श्र्वःवह्नुनः र्धेग्राज्ञ:तुत्र:गुत्र:ह:स्य:५२:यदे। ।५गे:अर्द्धत: श्चेर विदे से से मज़्या शुरु के विषा व पर्हे दे <u> चैत्रः स्वयः यत्तः स्वेतः स्वा । यत्यः श्रेयः श्रेटः </u> मी:बुद्रशः शुःहमा:श्चेत्रः सेटा। । प्रमायः प्रवितः श्चेतः

ঘর্ম মর্ক্রিদ্র ঘর্ষ সমান্ত্র মার্মীর বর্ষা । গারু মার্ম ম

য়ৣ৾৾<u>৴</u>৾৴৸ড়ৄ৶৾য়ঀৼৣয়ঽ৴ৠৢঀ৾৾৸ৢ৾য়৴৻ঀ৾৾৾৴

यश्राम्यव वें रामुदे क्षेराचें उत्रा प्रावेराय

चर्नेदः अञ्जुत्रका अर्मेव छेव दें अर्केन मे वित्रका यह वा

हिन' विद्याः श्चित् पर्दः देव गुव पर्दे न्य वा शुर दशुय विवा वर्षेट्रस्यास्त्र्यं वर्षेत्रम्य वर्षेत्रम्य वर्षे শ্বর্থ ই র বর্

यर्भेर्ययः बिरायसम्ब्रा ॥ विवर्षः यर्थः यर्थः य्यायः स्था ॥ स्थायः य्यायः स्था ॥ स्थायः य्यायः स्था ॥ स्थायः य इयदः यस्त्रवः विद्यातः याद्वात्राः स्था ॥ स्थायः यदः स्था ॥ स्थायः यदः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था स्थायः स्थायः स्थायः स्था ॥ स्थायः स्थाय ्रै र्ययः ^चर्मुयः र्यरः ग्रम्भः यः र्रः ध्यः श्रसः

इस्रश्रंणे विषयायहव यत्या अर्थे।।

🤊 । जिर्चेय. अर्क्र्या. याज्ञा. तात्र. श्री. स्रोच. तात्र प्रत्य. याच्या. याज्ञाय. याच्या. याच्या. याच्या. याच्या. डेबा चायायल्याबा बी। क्षेर श्रु हो। सुन र्सेया शाहीय श

यञ्जरे:न्यय:ख्रव:वृग्यदे:क्या | ।दहेग:हेव:न्यर: धुग'कुय'य'कु'अर्क्वे'दर'। । धुगश हेदे'यदग'छेद'

अर्थु:श्रुशर्र:हेदे:ब्ववा ।श्रुवशःख्यःगुरुः

देट'वर्देर'द्वो'येवाब'र्स्क्रिया ।याञ्चर्'श्चवाब' तभ्रेत् भ्रु: देदशः ग्रीशः इदशः यदी । अर्केषः श्रुवः वैवःर्सेरः ह्वेरः यदेः सर्ख्वः रयेदेः म्बी विरः यन्नारुना से यार्ने वायरुका केन् पुरा । क्रिया तक्ष्रव .लंट. ध्रेमका क्र्या क्ष्या यह्य पाटा निया। र्रोय. थिय. श्वीबा. हु. भी. शक्रुपु. यरेबी. थेरे.कुरी क्षेत्र शुपा निप्ता भी सेवा यश रया पहें शा परी।

र्हे:हे:यहेंब:याग्रम्यायायायतुत्। |यञ्चवायामदी यात्रगारायेये:येत्रार्रम्थाउव। |रेम्रार्चेवाग्रम्ये श्चेषार्यम्थास्त्रम्थायायायायात्रम्॥

चल्वे क्रिंद्रायम्ब मदी | दिसयः स्व तर्मे चिरे अर्मेव'र्येर'विवश'यहव'गर्शेव। । मु'केव'स्ट' म्,म्,म्,याचाराक्षेयाक्षेयाम्,। सिजानिराधेया मझराग्री:स्पु:न:रम:महत्र:मदी ।श्लेश:अर्क्रेगः यश्रव यदे मुया अर्बव विषय यह व विष । श्वयः यदे मर्द्या मुन खूँ न्या सर य स्वास्त्र म्या स्वाप खूँ य मुः अर्क्वेदेः ग्रान्यश्चारम् अर्देन् प्रहेश है। श्रा्या रेग्रास्त्रम्भ्रायः र्श्वेदः वेदः श्रेयः यदेः सर्गेत्। । श्रुयः अर्क्षेग् न्युंभ वर्षेम वन्ग येम ब्रम् वन्न वह्न र्नेग । कु: तें ५ त्यः श्रेंगश्च न ४ त्वः स्वाः स्वाः गुरु।।

यदःयीः शह्रे स्पर्धः विद्युत्ति । अर्थः विद्यान्य । अर्थः विद्यः विद्यान्य । अर्थः विद्यः विद्यान्य । अर्थः । अर्थः विद्यान्य । अर्थः । अर्थः

ষ্ট্রবাধা ক্র্রাম এর্ট্রম এক্রামা বার্রম এর্ট্রম ব্রিম এর্ড্রম এর্ট্রম এর্জনা নাধ্রম এর্ট্রম এর্ড্রম ব্রিম ব্র

सर्वे.यक्षेत्रमा ।श्रुचे.यद्यः योषेशः स्थायः उत्तर्

यद्यः प्रस्तुत्रः त्या प्रस्ता विश्वः यद्यः य

यम्यान्त्र स्वास्त्र स्वत्य स्वत्य

क्च-इब-त्र्-कु-बाकुश्च-बश्च-वश्चित-वश्च-वर-श्रक्तिवश्चित-रच-विद-

ଞ୍ଜ୍ୱିସଂ୩୍ୱଟ:ଞ୍ଲ୍ନପଷଂଅଞ୍ୟ,ଐହ୍ୟୁର୍ମ୍ୟର୍ଥ,ଅଞ୍ଜିସ୍ୟସ୍ଥ,ଅକ୍ୟ,ଅନ୍ୟର୍ଥ,ଅ

र.जट.टेनज.कुय.चे.चं.सूबीश.येश.वेयश.चंध्य.वोड्र्ज.जट्टेनझ.चुबी.

दत्ते.रे.मू.श.षुश्वःवयःत्रश्चेतात्त्रीयः वैद्यः प्रह्मेयः पहुतः भीयः विद्यः रेतरः

मैं हें हें 🕽 विश्वायते अर्बन मुर्शेया द्राय देवा विश्वायहन मुर्शेया

यदेवशयद्रेट्ट्र्यं अवायम्बद्धाः स्थापायद्यः स्थापायद्यः स्थापायद्यः स्थापायद्यः स्थापायद्यः स्थापायद्यः स्थापाय

दहेव कु अर्केश र्य वुर यह यह यह यह से से मुर हु या १

કું·લૅં'૧૯૯^૦ ક્રું'૧૧ કેંકા૧૫ વાર્રાસ્તરે:થેર્'ગ્રેકારક્ષુર'વાર્વો પોવાકા

वस्रेव्या ॥

क्षॅ. श्रु. श्री |पञ्जय:य:पञर:र्येदे:_{क्}र्य:पर्ट्रेव: र्जायान्या । श्वायाकेवाकारान्यां श्वायायदे श्रु। । तुषाम् श्रुयाय विवाय देशः भ्रुम् देशाय दुन तुष यदे। । वित्रकायन् तम्ब सेन सेव तका मुका शुर-डेग । अद्वेव यश्च र्रेश ग्री ने छेन हे प्रवेव শ্রীশ্রা বিষ্টি'বর'৫র্ল্র'ব'শূর'গ্রী'ষ্কুবর্ষ' सहर-छेटा । विकासकाचर्र खकाकुवाचाग्रहाः यदी । वित्रकायन तम्ब केर मेव तका मुका सूर

ঽ৾য় ।ॐয়য়য়ঀ৾য়ৼয়ৣয়ৼয়ৢয়ৼয়য়য় য়ৣৼৼয়৾ঽ। ।য়ৢয়ৼয়ৡয়ৼয়য়য়

र्कवा भ्रिवायह्र रया के अस्तु प्रदेश हु। प्रदेश हु। प्रदेश हु। র্বাঝা মন্ নদ্র উন দ্রবা এঝা ক্রুঝা গ্রুমা डेग । (इस्रायदाविस्रमायुन त्यस्या मी स्रापन दी । ଛ୍ଟି। । ଶ୍ରୁଦ ଞ୍ରକ ପ୍ରମ ଝ୍ରସ ଝାରଣ ମଧ୍ୟ ପ୍ର ପର୍ୟ : केदे। ।वनसःयन्:यहत्रःचेनःधेतःयसः*कुसः*शुरः उँग ।पश्चव'यदे'कुव्य'यर्कव'वर्द्य'त्रुदे'त्र्रीट'त् মার্থাঝা মানাঝনেরেবেবের্ট্রাঝর্মঝ गुव-हु-वर्षे । क्विय-घरि-धेव-यश्व-अदर-घ-ग्रह्मः यदी विवश्यन्यम्बर्डन्स्वर्थन्यश्चिष ग्रूर-डेग । ध्रुप-पदे-५ पर-धेदे-पश्रुव-पः श्रेव- २६५५ क्षिण्यार्थः प्रस्थात्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थान

उंग । तर्वे अर्क्ष्म न्त्रु सार्व्य प्रत्ये म्यू मार्थ्य विषय । त्र्ये प्रत्ये प्रत्य

श्ची प्रदेश प्रदेश विद्या देश देश प्रवास्त्र में प्रदेश प्रवास के प्रवास के

यद्गः तम्बाद्धः स्ट्रियः मुद्धाः विद्याः मुद्धः स्ट्रियः मुद्धाः स्ट्रियः स्ट

र्ह्मेल'स'र्से'च्रर'य'रम्'न्यर'गुद'न्म्याङ्गेद'य'ने'प्वलेद'नु'शुर'डेम्

वर्से.धी.स्वेश.स्वेश.स्वेस.स्वेस. क्रूब.ग्रे.भ्री क्षि.उर्देज.चंडेचब.ग्रे.भ्रेंस.खेटब. याम्यायदे। विश्वयः विश्वयः में हेदे विश्वयः शुः स्यः यहवःरेटः। । अवयः षशः धेवः यशः शुवः <u>ग</u>ुयः न्यतारत्यरः वेता । श्रुवशहे ण्युव्यक्तः श्रुखेरः वहु गहेशः यः শ্ৰন্থ ম'ম'শ্বী ম'শ্বী ক্ৰশ শ্বীৰ মাৰ্থ |

^ҕฃ҇ぺ.घ.๓บ.สม±ชช.ฎ.๒๐ฮฆ.घधेष.บรัสม.เ.ยู่। นปัน.ขึ้น.

ৢ ৻ ৢ

स्याः स्थाः स् स्य स्थाः स्था स्थाः स्था

र्मेषार्श्वीत्रःश्वी विषय्यायत्। यहस्यः स्र्वीतः र्सेन् स्त्राः स्वीतः स्वीतः

मुन्मुकाश्चरान्य । श्वित्रायन्यम् वर्षान्यः सम्

स्री वित्रकायन्यम् वित्रः स्वाप्तः स्वरः स्व स्वरः स्वरं वित्रः स्वरः स

धी । । প্রবশ্ব নের বিজ্ঞান্ত হার । । । উলা ।। । अविव केव वि दशु देव में के अर्केश में विषय

নদ্ৰ'ন্ৰুগ্ৰাশৰ্মা

१८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० । १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८०० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८० | १८०

বল্লখ,পত্ত, মূর্ট, বেট্র, মত্ত, মূর, কুর, প্রপ্ন, মারম, প্রধারী, মার্ম, মার্থী, মার্ম, মার্ম,

मा क्र.मे.क्री यट्ट्य वयास्य तस्य शुर

<u> ५ विद्याकित त्या । व्रिः श्चेतः वर्षेत्रः वर्षेत्रः यर्देतः । </u>

विद्रशः हु: दे: अर्था | विक्वे: ये दें से: प्रेंट सं: शुव:

कर-क्रेव-ग्रीम। विमायदे-दगे-जेगमा-ग्रीव-प्रमु

सद्या । भूरायय अर्डे से प्राप्त स्था स्था । भूराय से स्था । भूराय से स्था । भूराय से स्था । भूराय से स्था । भूर

क्रिंबा यहाया सहरे स्मिन्बा क्र्या ग्री महूर यहूर

교환기 (현화·현리·환희·구리도·대회·현도회·주희·

यदी विवायक्षेत्रगाक्षेत्र कुरकायर्ड सदी देत

तिब्राक्ष्म । हे.क्ष्यं.पर्ट्रिक्यान्याक्षां.यपुः

ਖ਼ଞ୍ଜା ଛିନ୍ଦ୍ର | ୧୯୭୯ ଅନ୍ତର୍ଜ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତ

ଜ୍ଯୟ'ସଞ୍ଜ'୩ଈ୕୴୲ |ଌ୕୕ଈ'ସଜିବ'ଞ୍ଜୁ୕ଟ'ସଈ' ଜ୍ୟୟ'ଞ୍ଜି୩ଈ'ଐଈ'ଞ୍ଜିସଈ'ୟଖିଆ |ସଛଟ'ସିଥି'

लूब. पेथ. संज, भीब. शरद. य. जू। मिन्न र य.

तश्चेषःत्रम्बः रच्यावः स्थान्यः स्थाः । वित्रवः स्थः तश्चेषः त्रम्यः वित्रवः वित्रवः स्थः स्थः । वित्रवः स्थः ।

त्रवुत्यः यदेः तस्त्रेरः तः गुन्यः मुर्हेरः स्टरः । । अर्केमः

रवः इसः गुदः विः वरः वर्गेः वदेः यस। । वर्हेदः यसः गुवः वबदः वर्हेदः सदेः मुखः सः स्रेर। । वर्हेदः

त्रावस्यःसःस्यविद्यः न्यायमः विवसः यहेषः सूचा हिषः यस्य श्वित्ययन गोगो अन्य श्वीत्य स्व छ्या निर्याण

रवीर क्रेंच. यश्रभ. श्रूश. धीश. रेग्ने. यदुःशवीशी

য়ড়ঀ৻ঀঀয়৻য়য়ৼয়য়ৼড়ৼ৻ঀ৻য়ৼ৽য়ৼঀ৻য়ড়৽৻৻ঀয়৻য় য়ড়ঀ৻ঀঀয়৻য়ৢয়৻ঀৼয়৻ৼৢঀ৻য়ঢ়য়৻য়ৼ৻ড়৾য়৾৾ঀ য়ড়ঀ৻ঀঀয়৻য়ৢয়৻ঀৼয়৻ড়য়৻ড়য়ঢ়য়য়য়৻য়৻ आवन क्रेन वित्वा देन दें के अर्क्न मी विवस वहन

देव: बॉर्झक्: बॉट्डा व्हेव: व्हा: त्यु: देव: बॉ: क्रेट्र: ब्ववा: यट्: खुव: ट्रायहव: प्रदे: वॉर्झक्: व्हेचडा: वेवा: ट्वॉडा: बेडा: वावडा: वट: व्हा: अ: क्रें: ट्वट: वडा:

हु.ज्.५००) डी.५ थ्रुब. १५ थ्रेच.ह्यझ.त.ट्यो। ।। एह्च.घे.थक्ट्या म्य.हीट.चरी.चरीय.तप्ट्येनस.परीया.डी.१४थ्र्या ५५ हेच.चरुषाचर्श्वेता.ह्म। टे.लप्ट.घे.सप्ट.स.चे.योप्ट.ट्या.श्वेट.चर्श्वेय पर्ट.चीयात्र स्टोच्य द्या चेत्राच्यात्र त्येत्र चेत्र चेत्र घेत्र चेत्र

त्यनशःश्चाप्तः महिश्वः स्वाः अर्केषाः मीः विषयः यहवः वक्तः स्रोतः यहुतः हितः त्यन्यः श्चाः यहिश्वः स्वाः सर्केषाः मीः विषयः यहवः वक्तः स्रोतः यहुतः हितः

यह्रवःश्रःविष्यशङ्ख्याञ्चयःक्ष्यःश्रःक्षेः विष्यः यह्रवःश्रःविष्यञ्च अङ्ग्याः क्षेःश्रःश्रःक्षेः विष्यः । वार्वेशः

અવિત જેતુ (૧૧૧૧૧) જેતુ જેં જે અર્જે ગ ગૌ (તૃવર્ષ વાદ્મત્ એઽૠ<u>ૼ૽</u>૽ૢ૽ૺ૽૱ૢઽ૱૱ૢ૿ૢ૽ૺ૱૱૱૱૱૱

क्रेंश'गुव'ग्रेंगश'यदे'शुगश'अदद'य। हिस' वर्तेव सें प्रमासे प्रमास विश्वास श्रुपश । मार में

१ई:क्रेंर

अर्द्धव:द्रोते:र्देद:देश:म्**रायाय:यदी ।**ह्रिम्सः

ख्व:श्रुव:ग्री:ख्रेट:पिट:ग्राह्म स्यायका । पर्वे:पदे:

यदे द्याद क्षेत्र सुत्र सेट यात्र का सुर देया । दि

येद्र'यष्ट्रिव,तत्रंदु,त्याचब्द,तत्रा ।चक्रे.कुय.

श्चेर:हेदे:ट्रे:पश्चर:दत्युय:दत्युय:देव:। ।८्यम्:

येदःव्याधयाधरःवर्देदःस्टानःस्यय। विस्यः सर्दर् दर्शे प्रदे:रेर् र्येत् व्यक्ष प्रमुव म्हेल्।

अपन्य केत्र विषय क्षेत्र क्षेत्र या त्या क्षेत्र क्षे

यिश। ।श्चः यदः नियः स्वाः नियः दर्धेषः यदेः अभिशा ।श्चः यदः नियः स्वाः यदेः

ন্মর্থা |ব্রন্ম:অম্ম:এন্ম:ব্র্ম:র্থ:স্তু: ন্মর্ন:অম্মা |র্ন্ন:র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্র্ম:ব্

न्गुव्यःवर्षिमःवी । सर्दनःस्रेवःचतुनःस्रेवःर्वनः

श्रूट त्र होता । अत्र में या स्थाप स्थाप

यष्ट्रिमः पश्चित्रयायाः यश्चा । विमः सम्बद्धाः स्थितः स्थाः । विभागायाः । विभागायाः । विभागायाः । विभागायाः ।

पर्चः नगर पेंदे सेटा । श्रश्य पडश सुयः गुत

यक्कर'दर्कें'चदे'न्यो'सर्बद'कुषा ।वर्डेस'स्व'

कें'न्यमा सेन्'यदे'यनेव'स्रशुन्म। हिव'द्युन्

पशुरोदः भूषा प्रवासमा द्या परिष्य । प्रवास

· स्व न्त्र अदे 'श्रु' कें 'श्रेन अधर पहुव। । स्व केंग्र

क्रे.प्राष्ट्रिर.कर.क्र्र्.मुक्ष.ग्रुर.क्रेम विकास.वरी.मावकावर.

न्र्मेव ग्री त्याव त्रेंद्व न्नु या से न्यर य्या विश्व हेव यउश्र यञ्जुल रेंग

न्याम् स्तरः सक्ष्यं तह्यं तर्देत् तर्यत्व तर्रात्मा मुन्यः ह्ये त्याः स्त्राम्

<u>बु</u>'पदि'षर'क्षेशपबर'र्घर'वेश। शु'इस। ॥

क्षान्त्रक्ष्याम् भ्रास्त्रे व्याप्तः स्वाधाः भ्राप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व यत्वाधाः भ्रास्त्रे स्वाप्तः विद्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः विद्याप्तः विद्यापत्तः विद्यापतः विद्य

स्वयः सहस्यातस्य स्वयं । अर्थ्यस्य अर्थः स्वयः स्व स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । अर्थः स्वयः स्

वित्रअ:यन्द्रम्याः यह्रवः मुर्श्वेषा । वित्रम्यः वित्रयः यह्यः मुर्शेन्यः वित्रयः यह्रियः । वित्रम्यः वित्रयः व

भुष्य.चयायम.अटश.भैश.वी विह्या.धेय.भैं. भुषाचयायम.अटश.भैश.वीटा विष्ट्रया.धेय.भैं.

र्झेस'यरि'न् श्रेस'सर्द्र'म् न्या । यहस'न्ययः न्यर'र्वेदे'र्देर्चर'दर्के'म्बेस'म्बेद्य। । यार्चेन् क्स'र्श्वेस'यस'से'सेन्'म्बेस'म्बेद्य। । यास्यः

वश्रक्षःर्श्वेयःवेःपदेःपद्वेरम्। ।येःवेशःपगः

यः अष्ठितः यदेः श्रूरः यः वै। । यदेः श्रूरः द्विरशःशुः

अर्क्चेम्'न्ग्चेश्व'यदे'द्रय'दर्क्कें'ह्रम्'यदे'श्ली । विर् अर्-नु'न्यय'केष'र्यर'मर्थि'अर्-या ।यम्'न्द्रे हेदे'र्ट्रेन्ट्रंर्यर'दर्क्केंम्बिशम्बर्धया ।हे'यर्ड्व'न्नु'अदे'

वियसःयरःहगःगहितःस्टिः। विर्केशःक्षतःग्वामसः

यानव क्रेव । च.प्या . च्या . च्या . क्रेश क्र्या मी . वयश यह वा

यहेग्राक्ष्यां मान्त्र स्वाप्त स्वाप्त । प्राप्त

त्रुप्तः श्रुद्रः यः ह्रणः तृ स्वाः युर् स्वर्षः श्रुः चेवः विश्वः यः विश्वः यः विश्वः यः विश्वः यः विश्वः युर

ने'ने'चबेत'त्शुच'यर'द्येत'ग्रीक्ष'यक्ष्य'ह्रमक्षेत्या ॥

रेग्रम् क्षु प्रति केर गेदि व्यक्ष प्रमुक् गर्केष दिपका प्रवृग्का

म्यान्त केत् वित्य केत्र महित्य केत्र महित्य केत्र महित्य केत्र केत्र महित्य केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत

त्राप्तव। मिल.र्यट्र.श्रीय.एक्ट.यपु.श्रुंश.यार.

यद्यः र्वेष । भिषः गीयः स्ट्रियः यद्भः यद्भः यदः सर्वः सवर। । श्रिषः सम्बर्धः स्वादेषः यद्भः यदः सर्वः

म वियायक्षेत्रक्ष्मक्ष्मः क्षेत्रक्ष्मः सेत्रायिः विवायक्षेत्रक्षः स्रोतिः स्र

यश विंश्वां अन्तर्भागां अस्य विषय विंश्वा

ସିପ. ପଞ୍ଚିସ. ମଧି. ଷ୍ଟମ. ଖୁଧାକା. ମଫ୍ଡ. ଧାନ୍ତିକା. ଦସିଅ. ଅଞ୍ଚିସ. ପଞ୍ଚିସ. ମଧି. ଷ୍ଟମ. ଖୁଧାକା. ମଫ୍ଡ. ଧାନ୍ତିକା. ଦସିଅ.

वी । जिंद. मुब्रा क्षेत्रा श्रा श्री क्षेत्र, त्रा स्था प्रतिया विष्य, प्रश्नेष, यद, कल, श्रेष्रीश, त्रव, ब्रोधश, तर्वद,

આવન કેન્દ્ર (સ.જ.શ. ટુર્ને સ્ટ્રા. કુ. જાલૂના ત્રી, લેગ અ. ગામથી ॸॆऻॖऻॖॖॖॾॱक़ॆ॓ॺॱॸॺय़ॱॻय़ऀॱक़॔ख़ॱॸॖॱढ़ॸॖ॓ॺॱॴॾ॔ॸॱॻऻऻ

गास्रदेः स्टिश्च दहित प्राया विषय प्रमुक र्वेष

इयामञ्जय दराञ्चे मार्रेया प्रदेश्चु तस्या ग्रीया

૱ૢ૽ૼૹૣ૽ઌૹ૽ૼૹૡૢૼઌૡૢ૽ૼઌૹ૽૽ૢઌૹ૽૽૱ૡ૽ૼ૱ૡ૽ૼ૱ૡ૽ૼ૱ૢૢૢૢૢૢ૽ૼ૱ૢ

दगेदशः अहंदः श्रुक्षः तुः क्षेत्रः वें विषयाः यहतः वेंग। ध्यायक्षत्रः त्रुः भेषाषायदेः मेः क्षेत्राक्षाः ॥ धिषाः

ग्रुअक्त्रिं र्स्य सेट मेदि ट र्से धिस्रा मिंदा दत

दे'न्वाबार्स्ववास्यबार्व्ह्यबायह्ना ।न्वो

यदे'यनेशमानेब'केव'र्ये'व्यश्चम्ब'म्ब

यामन केन वि. त्या हैन में के अके मा मी बिन सा महन

বেট্ট্রনারা। শ্রিই.মার্পিরেট্র্,যেন্ড্র,য়েপ্র, শ্রিম.মির্ম.ইটিম.

इ.ह्रेम । रिश्वाचिश्वा ह्यूचे प्रत्वश्वी क्रमायव्या

यहवः नार्क्षयः यदेयकः निनः दर्गेकः विकानः निः र्क्षेयः सुः सङ्गः केः नयम्बन्धः नदः हेवः युः मेनाः पर्वाकाः विकानमः निः र्क्षेयः सुः सङ्गः केः

सुत्र⁻र्खेदी:दहिषाश्चान्यत्व पाळेत्रःश्चीशःदश्चिः चःस्यःस्यःस्यःसः

यः वृष्ट्याः स्त्रीय व्यवस्य म्यूष्ट्राय विष्ट्रेश्चरः वार्त्रे वार्त्यः विष्ट्रेश्चरः वार्त्ये वार्त्यः वार्त्य

क्ष्यःसरःश्रुरःद्वेग। ॥

આવવ :ક્રેવ !ઇ.તમી.ફુવ .ત્રુ.છુ.જાજૂના.મી.લેવ**ય**.તમેથી १ भुष्मुयका हे। वार्त्यु मेवार्चा क्रेते विषयका यह वायस्य विषया विष्

यदे द्रयय शुराग्राह्में श्रीश्वावयश् । क्रिंशद्ययः चबर चॅदे भें त प्रवास्त्र मुद्रा हु। विसेय विद

विवसःयर् ह्याः यह्रवः यत्र ह्यू यः ग्री । स्रिवः यसः

ब्रिंग्राथशाह्रयामुयाद्ययादयरार्वेग । डेशया तर्ने "ध्रम्यायाम् स्याम्भु खेरायमु तुषाया सराववुरासेषा यते र्हे हे आर्क्केत यर्दे॥॥

ଝିଁ**ଈ**'ମ୍ପ୍ରିଲ୍ଷ'ଧ୍ୟସଦ'ମ୍ପ୍ରଷ'ଧିମ୍'ଘରି'ମ୍ଫ୍ରିୟ'

यायत्र केत्। प्र 'दश्यु 'देत् 'द्यें के 'सर्केग्' मी 'ल्यक्ष 'यह्त्त्र्।

यम् । तर्सः तशुक्तः त्वायः यः सेन् ः यम् । तर्सः तशुक्तः विष्यः विष्यः सेनः सेन् ः सेन् ः सेन् ः सेन् ः सेन् ः स्वितः स्वित् । यार्षे स्वायः विष्यः सेन् ः सेन स्वित्रः स्वितः । स्वायः विष्यः स्वायः स्वतः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स

र्केशकिन्द्रस्यायमान्यायके यने वार्केयशा श्री । सुःस्रके वियश्चायन सुवान्ति यह वार्यान्या । सर्दनः सेवार्से वार्यास्यमान्यायके यह स्थान्या । सर्दनः

केव केंग्र भी क्या कि का भी भी की का निवास केव केंग्र भी कार्य भी का का मुख्य का निवास याश्चरा विषया केत्र विषय केत्र केत्र केत्र में विषय केत्र विषय केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र केत्र

पश्चित्रः प्रस्ति स्त्राचा श्चित्रः स्त्रीत्रः । प्रम्नियः यः । पश्चित्रः प्रस्ति स्त्राचा स्त्रः स्त्रीत्रः । प्रम्नियः यः ।

वयं म्बर्यं मुद्दा में मुबर ये छै । विकाय बर्य

ब्रुवायाब्रेटार्वेरावुबायाधी ब्रिटान्टार्ग्नेषायते. ब्राह्मकावर्गकाकाकाकाची व्रिटान्टार्ग्नेषायते.

୬୪୪ ଅଟି । ଅଧିକ ଓଡ଼ିଆ । ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ । ଅଧି

यविरायपु.योष्ट्री । डियातपु.यक्षेत्रातासीयः सुरा विष्ट्रायपु.योष्ट्री । डियातपु.यक्षेत्रातासीयः सुरा बार्ज्ञातास्य

અવિત : છેત્ર :વિ: વસુ: મેત્ર : મેં : છે: અર્કેવા: વી: લવસ: મફત્ मर्जेयायायनेयम। । अर्केमानुः श्रुः सेटायरः

मर्बेयः यः यदेवय। । धेवः यश्चः दः विदः मुक्षः यः

শ্র্রার্থনেরেরমা ব্রিমের্নরের্থনেরার্ <u> ব্রীর'র্মীরারা। । শের'মই'বেরুহ'মই'শার্র</u>র'

ग्रुवास्। ।यञ्चवःयःखुवःर्रदःग्रवश्यःपः ५८ः।।

यष्ट्रव'य'यद्देव'यदे'श्रुश्चातु'त्त्रस्यश् ।श्लु'र्क्वे'त्तुत्य'

यक्ष्य.यप्तेय.श्रीमः श्रिमः भ्रिमः स्त्रीयः श्रीमः स्त्रीयः श्रीमः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीय

वै। । भूग प्रभूष सेसस उत्वर वर प्रशुंद र्वेग । पञ्जिषायानु पायस्यायस्य । क्रिंसार्झेन सर्दि

व्यवायर्'यह्रव्'य'र्दा বিশ্বর মন্ত্র মার্ল হয়।

यानव क्रेव वि. त्रमु . त्रव . त्रं क्रे अर्क्षम . मी . व्यवस्यानहर्वा

मुश्रात्यायर्गेरायमः विगा श्रमः अङ्गायी।

यायरे क्रें र त्रुटायार्या | यर्गाम्बरायास्या

क्ष्य्रीय:यश्याय:श्चेत:श्चेत्य:यश ।श्चिर:री:यरमः

रेव दें केदे लयस यह व यत्य सार्री।

्छ। । प्रयाणप्रशास्त्रेटाहेते.के.जशास<u>्</u>वरसा

ध्रेषाहे। ।र्ज्ञें श्रंके अप्ययम्य परिष्विः च्रेष

ষ্ট্রঝা । শূর র্র্ব-ধ্রর ঘর দেই রাই র্র্টের মান্ত্র্র

वशा विव परेदे के बेर ग्व फु कुश शुर है ग

न्नु यानर्बेद् वयक्षक्रिकाद्म वकानक्षुवार्द्म ग्राम्य याक्षि मुन्दिकावकार्द्म

हेशक्षुरप्य द्योर्दे॥

। वि.त्यी.र्यूष्य. यी. अक्या श्रीता. यी. या. यी. या.

🕴 श्रदशःमुश्रासन्तरः प्रदेशः स्वरी

व्यश्यम्ब यत्य्वाशः श्री।

२७। वि.मू.मी.मी नि.चम.मम.२४.२४।.क्र्य.भीटु. ८८१ हेर् या वा वार तर्ते त. सुष्र तका शहर में हुर

র্বাঝ'নষ্ট্রীব'শীঝা ।ষ্ট্রীন'শান্টঝ'নশ'ক্রশ্বাঝ'

खुबारमायबायायदे। ।गुरुयामुदेखेराबीरमीर य.पर्यात्राह्यंत्रात्री विष्य.धेर.विय.पर्यापर्था बदबाक्चित्रासक्त्रायाचेत्राचीकते।बदाबायहत्।

अ'चुर्अ'ग्री'न्यया ।ग्नन्दर्य'नेर'र्झ्रेव'नङ्गव' यदे सः वमा हेर्। अनुवायम्ब स्वरं चर्च हेर सें र

वुद्रायदे अर्केन । अर्केन में श्रुव भूदे द्रवह र्ये

विवसः वस्त्रः गर्सेय। विशः वृदेः सूरः वः ५ वृदसः उव'न्ग्रेब'यदे'श्रे। ।यर्ड्व'यदे'र्ज्य'दर्देव'क्य्य'

মর্কুম.ফুর.মী.মানারা বিশ্বম.ফুর্

यर्दरःर्सेम्बायः यर्द्धयः यदिः मन्त्रेत्। । मन्द्रमः यङ्ग्बा

श्रम्भुस्रावियायदेः नविदःसः स्नम् । मादः यः

र्वेश्वरायेग्रयस्य स्वरं द्रायाः विवर्ते । विवर्ते विवरं स्वरं

सर्केम श्रुप के द हो द विषय पहल मर्शेष। सर्दे

इग्रामायायुमानेमानु मुप्तर्देते द्रयय। । द्र्यीया

य्यू राष्ट्र क्षा त्र क्षेत्र क्षेत्र

বঙ্গাধ্দেয়ি দের্লী দেরে মের্লীর দি মের্ক্রিল। প্রথানির দিরু

য়ৣ৻য়৽ৡঀ৾৻ঀৢ৾৾ঀ৻৻ঀয়ৼয়য়৻য়ৣ৻য়ঢ়ৢঀৼঢ়৻ৼ৾য়ৄয়য়৸ য়ৣ৻য়৻য়য়৻য়ড়য়৻য়ড়য়৻য়ৣ৻য়ঢ়ৢঀ৻য়ঢ়৻য়ৢ৾য়য়৸৸

নশ্ৰংক্ৰুদ্ৰভীৰ ক্ৰম্ম ক্ৰুমেৰ্ক্টিই মধ্য দ্ৰীৰ দুদ্ৰ

इ'म्बुस'न्ने'येग्बर्ने विद्यायते क्क्रेंत्र केंग्मेबा सम्बद्धारीहार केंग्राह्मका विद्यायता केंग्राह्मका

याङ्ग्या । विश्वासायदी यदः श्वास्या मुश्चास यहतः यहतः स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स

शु-र्चेत्र गर्सेयः वरेत्रसाते श्वरायर सर्केग मे श्वयायर त्रुः त्र

यश्चेतः त्र्त्येतः र्त्तेतः त्राचितः यः केत्। । स्थितः त्र्युतः । वयश्चायह्व त

<u> अ८अ:मुअ:अ७व:य:२ेव:यॅ:कदे:व्यश्यह्व।</u>

୲୳୷ୣୄଞ୍ଚୁଽ୵ୣ୵ୠ୕ଽ୳ୡ୕୶୴ୠଽ୵୕୷୰ୡ୶ୡ୷ୢୢୄ୷୷୵୶୷୷ୢୄ୷୷୷

्रेम् । । वि.स. प्रेंचे प्रश्नियात्र प्रों अत्यार्ट्व प्रमाये प्रश्नी

🖁 अविवःर्ये कुः तुर्दे विवशः वह्व वत्वा शः श्री निक्छ. ग्रेट. शर्मेव. मू. मू. श्रु. श्रु. श्रु. श्रु. श्रु. श्रु. श्रु. **38** विशासरमुषायाधिरायविवायविराखेराखे 551 षेश । द्रययः वृतः त्रुः सः ग्रह्मः वृत्तः स्ट्रेसः सर्केष

षयाक्वेयात्रुस्य स्पयादर्वे राम्समाया होया

भु:र्के:व्यव्यायन्:यञ्जयःयमुरःयम्बःशुरःउग ।

ब्रिंद्'वे'चु'च्य'श्चुद'र्षेव'य'ग्ववश्य। ।ग्रह्म'ञ्जूग'

स्र विवश्यर वह्रव वश्यर। विर्गर्शेषश

वेॱऒर्<u>रे</u>ॱॹॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॱग़ऻॖॺॱख़ॱॾॗॗॖॖॗॸॱय़ॱक़॓ऻॎॵॹॱॷॴॱख़ॖॸॱ विवसः यदः वहवः वसः ग्रदः। । वद्गः र्सेग्सः

इस्रश्रादियाःहेवः चुः या विं वरः गये दा । विं द

৾ঀৢ৾৾৲৻৽৸৴য়ৣ৾৾য়৻ঀৢয়৻ঀৢ৾ঽ৻য়ৢ৾য়য়ৢ৾য়য়৸ৢয়৸য়য়৻য়৻

दगद'वेग'नुस्रक्ष'येन'गन्द्र' मुख'यद्र'। विंद्

৾৾**ঀ৾৾৾য়ৼ৾৾ঀ৽ঢ়য়য়৽৸৾৾ঀয়৽য়য়ৼ**৾৾ৠৢ৾ঀ৽য়৾৾৸৾৾ৢয়য়

व्रमास्य विवर्षाय निम्म वर्षाया । विन्म

র্মিল্মান্ত্রিদান্ত্রমান্ত্রির জ্রীমার্ক্রিনমা

মানশ্ব-বিন্মুন বেগবের্ন বিন্ধের বিশ্ব বি

देंब् गुराब्विंद् वे माब्ब या भ्रमा य है। यदी । गाह्य

द्भगास्रमः विवर्षायन् विह्न विष्यः युमा । विन्यः बॅगबाबिन सम्बंधित तुबाबिन बीबार्से यथा <u> देॱक़ॣॸॱॾॆॱॺऻॖऄॺॱॵ॔॔</u>ॸॱॻॖऀॱॺऻऒ॔॔॔॔॔॓॔॔॔॔॔॔ॺॸॸॿॴय़ॸऻ

ট্রিগ্রম বৃষ্ণ ক্রুঅ ন' শ্রষ্ণ নড্রম' ট্রর' নর্মুনর্ম'

ग्रेका हि:क्रेर:क्रेंव:यदे:र्देव:यबर:दश्याःवका

<u>चूर ठे</u>त्र । डेबर्-५:घर-द्यंबर्गुबर्-३बर-५५-र्स्नुः नवः

गुन्ना ब्रुट् मानुसा पदी धुना वर्कवा त्रु सा सर्केना नीना पन्नुवा स য়ৢয়ৼয়য়ঀ৾য়ড়ৢয়ড়য়ৢয়য়য়য়৾য়য়য়য়ঢ়য়য়৾ৠ

ग्रम्। ।वग्राःभैश्वायदेःयेगश्वास्त्रःस्त्राःस्त्रां

噶瑪拉布長壽祈請文

無死怙主無量壽[,]尊勝佛母如意輪; 德師噶瑪拉布尊,身壽住世百劫長。 庸人多繋聚財義,汝離諸事行頭陀;

噶瑪拉布永長壽,加持我等如爾行。

餘為俗世心紛擾,汝於顯密義嫻熟; 噶瑪拉布永長壽,加持我等如爾行。

智者少有持訣竅[,]汝能聞義圓滿修;

噶瑪拉布永長壽[,]加持我等如爾行。

智修偶亦利生厭,汝則於他慈超群; 噶瑪拉布永長壽,加持我等如爾行。

如此一心祈請故,十方三世菩薩佛;

加持成就此善願,吉祥利樂圓滿成。

此文乃由敬信、深具出離心、少欲知足的大禮拜 喇嘛向創古仁波切祈請而完成。由虔誠弟子噶瑪 羅卓若傑於二〇一二年五月,南無布達創古佛學

院恭譯。

^व स्टार्चे म्ह्रुस यदे सर्वे पत्नुम् सं

शि ।

श्रेवा.त.यथवाश.त.त.वा.वु.शक्षश्र.त्रा.त्री.त.त्री.

यतर सुर तुत्रा यर मुश्रुद्धा यत्रा मुर्डे र्वेर सुर वे मुश्रुय यते अर्हे वर्देव य वर्दे जिन्नाय के श्रेष्ट्र यत्रा मुर्डे र्वेर सुर वे मुश्रुय यते अर्हे

ॡॱॻऻॹज़ॱॻॸॱॸऺॹॻऻॹॱॻढ़॓ॱड़ॗॱॱॸॖॱॹॗ॓ॸॱॿॻॱॻॱॺऺॴॱॹ॓ॹॹॖॹॱॹॖॹॱ ढ़ॱॻऻॹज़ॱॻॸॱॸ॔ॹॻऻॹॱॻढ़॓ॱड़ॗॸॱॸॖॱॹॗ॓ॸॱॿॻॱॻॱॺॴॱॿॖॵॹॶॹॱॹॖॹॱ

यः अ.ज.भैयब.श.भकुर्त्। । अटब.मैब.ज.भैयब.

स्युत्रक्षेत्रं ।क्रॅंबायाश्चायक्षेत्। ।तर्रुवाय्वत्याः स्युवायाःश्चायक्षेत्रं ।तर्रुवायःश्चायक्षेत्। ।दणेः दे. यखेष. योचेयाद्य. ता. ट्या. यक्ता. ता. लट. ट्या. इं. यखेष. योचेयाद्य. ता. ट्या. यक्ता. ता. लट. ट्या.

तक्ताज्ञ। हिं.हे.श्लेट.त्यान्यः प्रतः हिंग्यायः यमः ह्यायायते सम्यास्य स्थान्यः स्वापः विष्यः

तक्ताल्। भ्रिन्द्रक्ताल्। भित्रकेत्रात्तान्नमा तक्ता वास्त्रमा विष्यात्त्रक्ताल्। भित्रकेत्रात्तान्यस्या

म् । दिवयः वृष्ठः इत्यः सियाः पश्चाः प्रस्यः । दिवयः

२श्रीश्वाताः स्विताः तस्याः स्वित्। चित्रः स्वेतः स्रोः याः स्वित्।

तक्ष्यार्थे। भित्रकेत् त्तुः र्देन् या ध्रमा तक्ष्यार्थे॥ अर्घेन् नार्नेत्र र्थेन् या ध्रमा तक्ष्यार्थे॥ भित्रकेत् त्तुः

यःवःष्ठ्रमःवर्कवःव्यं। द्विःस्रःसेनःयःवःष्ठ्रमःवर्कवः व्या । न्ययः द्वेत्रःवःष्ठ्रमःवर्कवःव्यं। । क्रन्सःयःवः दक्त.ज्र्। |२्यज.चबट.ज.सैब्य.दक्त.ज्र्र्॥ ज्र्। |क्रे.सै.ज.सैब्य.दक्ज.ज्र्। |क्रे.सै.दु.सै.ज.सैब्य. सैब्य.दक्ज.ज्र्। |क्ट्य.तश्च.टुव्य.ज.सैब्य.दक्ज.

इंव.रव.र्यायायाः सिवारवर्षणाः विष्विः यहिर

स्रवाद्यात्याः स्राह्यस्यात्ये। वित्राद्यात्यात्याः

स्रमात्रक्षाः म् । स्राप्तम् स्रोत्रायते प्राप्ताः स्रम्

दर्कयःर्वे। अदि-अदि-ग्री-म्यास्य पादक्यार्वे।

मिनेम्बायाः संद्र्याः यदेः देनः बेरः द्र्याः यरः रेवाः

य'अर्देव'यर'अष्ठिव'य'य'खुष्व'यर्कय'र्ये। | दे'

प्रवित्र ग्रेनेग्रायाप्य द्विते रहेरा बेराह्म अप्यर रहेला

८चवाताः सुमा तर्कवार्त्या । ५८ मध्यः ५ मवा वा सुमा

वक्षयाचे। विक्षंत्र नयाया वित्र हिर्षेत्र श्रामानाया

स्रमायर्क्यार्ये। । ५ घटार्येदार्नेमामी मुखासर्वत

ग्री:मुल:र्से:वा:दर्कव:व्री विव:ए:इस:यर:

य.लट.रेबी.तर.र्क्ष्यक्षेर्यक्षेत्रका श्रीका.सुथ.सुथ.सु

केते'यद्भ'य'र्यापुंचलुग्राय'रे'र्यट'गे'कुय' र्ये'य'सुग्'वर्क्य'र्ये। १२'र्ग'य'र्सेग्राय'

ब्रिंग्राच्युरे तहेग् हेव ग्री विस्राम्य स्थाय ५५ व

दे'त्रविव मनेग्राय'द्य'त्र्रं स्याय'यद'द्य'यर

) ~!99 ~|%~|% ~ ^\\ ~\&& ~ &~ ^\\ ~\

ৼূর্মারামের, সাহরা শ্রীরামের সামের, তার্মারামের, তার্মারামের, তার্মারামের, তার্মারামের, তার্মারামের, তার্মারাম ব্যাহার

क्केन्-डेग्-चतुग्रास-हे-वर्के-तेन-गतेस-परि-सनस

२८. । श्रु.य.क्र्य.भ.२८.भवंद.भ.भ.भक्ष्य.स. १८.१ । १८.४.५८.५ । १८.४.५८.भ.भ.भ

वस्रा त्र्रम्यवात्रस्य प्रम्यावस्य स्र

क्रुव्यच द्रा च बीक्ष य वा हे का क्षु खे कर च व व व अर्केन:हेव:ग्री:नर्गेन:नया नगो:वनुव:ग्री:नर्गेन: रमा धुँगश्रामञ्जरी:५गो:५५्व:गी:५गों र:धेंगशः यद्रा वर्षेत्राप्तः श्रुवायः दर्ग वर्षेत्रायः वाहेशः शुःषी मदायत्य। यक्ष्यश्वायायक्ष्यायाय्वेतीयश বগ্রীঝানাব্রা। বগ্রীবার্ স্কুমানাব্রা। বগ্রীঝানা

स्याप्त्रम् व्याप्त्रम्य स्थाप्त्रम्य स्थाप्तः स्थापतः स्यापतः स्थापतः स्थापतः स्यापतः स्यापतः स्यापतः स्यापतः स्यापतः स्य

क्षे.च.ज्या.तर.५६्४.तर.५०४२.घ५४। अरश. য়ৢয়৻৻ঀৣ৾ৼ৻য়৻য়৻য়ৡয়৻য়য়৻য়৾৻য়য়ৢ৾৾ঀ৻য়য়৻৻য়ৣয়৻ নবৈ'ঝয়'ৠৢ৾'ৠৢৢ৾য়'য়'য়৸ৼ৻ঝয়ৢয়'য়'য়৾৾ৢয় या श्रुव:रु:शुर:या रयर:रु:शुर:या र्कर:अर: ग्रुरःय। अञ्जितःय। ग्रिंगश्राय। रे'र्गामी'श्रुतः

शुक्रीं पत्य। प्रदार्ये संस्टायर त्यूर प्रत्य।

यत्या ग्राःग्रॅं रःश्चे पत्या क्षःश्वें रेटः यें द्वय**रा**

ગુૈ.લેળ.ર્2.ત્રજ્ઞ.વલ્લા લેળ.જાકવ.લેત્વ.રિ.શ્રુે.

वशा यदगःश्रेअशःउवःद्युयःयरः अक्वेःयवया र्द्रायर्वेदिः श्रुं मवश्रास्य अक्षे मत्या धीर्मास ষ্ট্রিন্'র্নি ।শ্বর'জন'র্মুর'রর্ভর'র্ন্নর্ম'র্মার্ম' র্ম্মুর'জন'র্মুর'র্ম্বর্ম'র্মুর'র্ম্বর্ম'র্ম্ন

 दे. दबा. बश्च. कट. प्रदेश. प्र. वर्षे. प्र. वर

यायायक्षेत्रायावत्र। विक्रायावावाविक्री यामाववादमादमाकुः श्रीवायायावावाविक्रीः

यात्रकाः क्षुः क्षुत्रकाः त्याः व्यवस्थाः विस्थाः विस्याः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्याः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्थाः विस्याः विस्थाः विस्य

 यःग्वसःयदेः द्वोः वदेः सः वः ग्रद्धस्य म्राधः द्वः । वद्वाः ग्रीसः स्रेस्रसः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः व्यक्तिः । यदेः द्वोः वदेः सः वः ग्रद्धः स्वः स्वः स्वः व्यक्तिः । वद्वाः

मैश ग्रीट सुव अर्केग हु श्रेश्रेश वश्चेत पति द्वी यदे सुव महासम्बद्धाः स्ट्रा

अर्'तर्रं ज्ञान स्मी ज्ञान में चित्र स्मान स्मान स्म

<u> दे.</u>द्या.चत्रस्य.क्ट.यञ्जूष्य.क्ट.पञ्चस्य.

है। वर्ष्ट्रेस्न्यात्रसम्बद्धाः व्यासक्षेत्रसम्बद्धाः विष्टासम्बद्धाः विष

য়৻৻য়ৼ৻য়ৼড়ৼয়৻য়৻য়ৣ৾য়৻য়য়৸য়ৢঢ়য়ৼয়৻য়ৢ৻ য়৻৻য়ৼ৻য়ৢ৻য়ৼ৻ড়ৼয়৻য়৻য়ৣ৾৽য়য়৸য়ৢ৻য়৻য়৻য়৻ বর্ত্তরাষ্ট্রর বর্ত্তর স্থান ক্রান্তর্ভ্রর বর্ত্তর প্রত্তর ক্রান্তর্ভ্রর বর্ত্তর প্রত্তর প

८८। हे.केर.८.केर.वैट.चरु.अ८४.मैश.चर्ड्श. ११४.८८४१४४४११

ড়৾য়৾৻ঽৢয়য়য়য়৾ৠয়৻ড়৾ৼয়৻য়ৢ৾য়ৄ৾৻য়য়৻য়ৼ৾ৢ৻য়

रे प्रवित रु प्रमा भीश ग्रम स्मित्रा शु प्रहें प्रम

বল্লীর্থ। । ইক্রান্থ প্রমন্থ প্রস্থান্থ সহ । বল্লীর্থ। । ইক্রান্থ প্রমন্থ প্রস্থান্থ সহ ।

ट्ट. विर्यामुबाधम्बर्गः उट्ट. या पश्चीया वेटः

गर्सेयः चः यदेवकः सें। । चन्यायीका सुः वः सेनः यः

या वियासं श्रुरायरायग्रीस हे श्रुयस शुः हे यर सक्षेत्। विश्वारा युका ग्री यक्षा के स्माया महामा रमा मी स्मायाय वि दमा दरा। विदाय राज्य स्मा स्माम स्मायाय वि दमा दरा विषय स्माया स्माया स्माम समाया समाया समाया स्माया समाया समाया

র্ষ্রদামামীনার্শ্বান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত্রান্ত

মর্ক্রমশ্বার্ট্র বিশ্বমশ্বর্ট্রর্মির্শ্বর্টন্

र्शेय.त.चश्रश्राच्याच्याचरः

अर्क्षेत्राः मुत्यः वादः द्वाः दः सुरः चत्वाश्रः यः ददः।।

୩୯:५୩:୧५%:୯५୩:५८:५े:५६३:୩८:४:५५॥

ড়৾৾**ঀ**৾৻৸য়য়য়য়৻য়৻য়য়৻৻৻য়য়৻য়য়৾৻য়ড়ৄ৻৻ৼ৾৴৻৻৻৾৾ঀ৾৻

मैशकी सिश्चर्यरम्य मिश्चर्य के स्थित सिन् सी स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स

सक्तर्यस्त्र सेट्र स्ट्र सें प्रमाणी सेवाय इसस्य विद्यालया । सेक्स से केस हमार सेक्स स्ट्रास स्ट्रास स्ट्रास से

मेश्रासी क्षान्य स्थान स्थान

ॳॖॣॸॱॻॱॻॳॺऻॖॾॱॻॱढ़ॸॣऀॱॻॸॣॖ॓ॾऻॎऻॻॸ॔ॻॱॸड़ॹॹ ॳॖॾॱख़॔ॾॾॱॾॖॖॱॼॸॱॼॖॗॾऻॎॻॸॹॱॸड़ॹ॓ॺॾॱ

लट.यग्रीट.तर.श.ग्रींर.कुर्य जिश्व.ग्री.श्रीय.तपट. शहत्त्र विट नर्सवीश तर त्री अश्वेष कर वेश चिर-क्ष्य-क्षर-प्रश्वाद्या

- ► न्वुरःग्व्याग्यस्यायः प्रह्नेन्।
- ▶५७,राष्ट्रम्यावर्षार्स्याः ह्याः स्ट्रीत्राया
- ► ५ में व स्थानिया है अ ५ व ।
- ► ब्रुव,यधुषु,धं,शरु,ईजार्सूरा

भूष्ट्रेष्ट्रेष्ट्रयाच्याः केष्यभाष्ट्रदायदेः यबदः श्रुंदः भूष्ट्राययायत्वम् अर्थे।

हि.सं.य.श्रुंट.तूं.ट्रे.ट्या.यइव.हे.श्र्ट्य.तर.श्रह्ट.तटु.हुंट.कुंचश्र.श्रुं विर्यात्र.यंत्र.कुंट.तूं.तुंच.हेंच.कुंच्यश्र.व्यात्रश्र.व्यात्र.कुंच.कुंच्यः विश्वश्र.यंत्र.कुंच.तूं.यीय.हे.यंव्यःक्षायश्रेत्यःवश्र.यंत्र.वश्र.यंत्र. विर्यात्र.यंत्र.कुंच.तूं.यीय.हे.यंव्यःक्षायश्रेत्यःवश्र.यंत्र.वश्र.यंत्र. विर्यात्र.यंत्र.कुंच.तूं.पीय.हे.यंव्यःक्षायश्रेत्यःवश्र.यंत्र.व्यःक्ष्यःवश्र.यंत्र. विर्यात्र.यंत्र.कुंच.तूं.ट्रे.ट्या.यंद्रव.हे.श्रंच्यात्र.यंत्र.यंत्र.व्यंत्र.कुंच.कुंच्यश्र.कुंच

動物工業与[]

षूत्तः इ.र. दक्तः स. हे. इ.व. २.६। व्य. १ १ १ १

यग्रीत्। विनःमीःह्यःश्चेत्रःयतःश्चेत्रःयः यग्निःसः दमःमीशा विनःमीःह्यःश्चेत्रःयदःभ्वेतःयः स्विनःस्वः सुसःह। विनःमीःह्यःश्चेतःसुनःसुनःस्वः

उर्'या

|खुब्र:८८:८वा:खे८:८८:घब:धुवा:

দ্ধুখা । শ্বীকান শ্বীব কা স্বাস্থিয়। বেজ্জা ন= শ্বীশ্বীৰ কো

स्थर्मा विषयः मुका स्थर मुजान स्थान स्

य: न्य । नि:क्षेत्र:क्ष्य:ग्री:न्द्रीटश:क्ष्य:य:य:य: य: । । व्यव:उन्:क्रुय:च:न्य:वीश:वाद:चर:

र्येत्रस्य । रिविट्या.ग्री.लयं.जया.मी.सबूदुः स्री.गीय.

ब्रीका विकायःग्वायः ब्री:ख्यः प्रवः मह्र

र्चेदः। |यदेःयरःग्वेष्ण्यःयःवस्रवःउदःयद्गः ग्रीकःयर्ह्मेद्। |स्रोःर्क्षणःदस्यःयःवस्यः

यब्ध्याः अर्क्षेत्राः । अस्यः अर्केषाः प्रत्याः श्रृंशः प्रसः

यः धैर्या । क्रियः यः देः द्याः यः वे अर्केदः यरः यश्ची। विः व

ୠ୕୕୵୕ୠ୕୵୕ୠ୕୷ୖଽ୕୵୕୕୷ୠୠ୷୷୕୷୕ଽ୷ୗ୕ୣ୷୷ୄୗୢଈ୷ ୠ୵୕୷ଽ୵୕୕୷୶୕ୢ୶୷ୠୠ୷୷୕୷ୡ୕୷ୢ୷ୡୢ୷ୗ୷ୗୣୠ୷

च.ट्रे.ट्ये.ज.ल.च.क्ष्ट्र.चर.चश्ची ।षक्ष्ट्र.च.याट.

क्रम्भः त्रु: भेर् क्वु:के:व। | दे:द्याः क्वुयः वः वस्यः उदः यः षदः श्रें क्षा । प्रवदः वें:क्वुंदः यः ददः परेः

क्रियसः रवा. मुशा विषयः यः ग्रीयः यः स्वयाः वस्तयः भ्रायसः रवा. मुशा विषयः यः ग्रीयः यः स्वयाः वस्तयः

यक्त्रीयम्यात्री। । यद्त्रीयः क्ष्यायः वे स्थानः विकासीतः इयम्बीसः वे। । युष्यः इम्मान्यः वे स्थमः विकासीतः

ସສະ:ଖ୍ରୁଁଟ:ଖୁଁଷ:ଐଧା ।ৠয়৽য়৽য়ৼয়৽য়ৠয়৽য়ৠয়৽য়৽৾৾য়৽

য়য়ৢয়য়৸ ৻৴৴য়৾য়য়য়য়ঽ৴য়ঽয়য়৾য়য়৾য়

র্মিম'মপ্রদামা । খ্রিমিঝ'মস্তুমি'ক্রঅ'ম'শ্যুর'সম'

มิ'สู้โล'รุะ" |เฉฐิ์'ล'ฑูล'ฃิ'ฉฬิร'ลุมฆ'ฑะ'

व्यःषदः। । देःद्रमःशुद्रःशुः हेश्वःशुः वद्रमःषः

रदा । यदः इस्रास्त्रिय्यान्यस्त्रितः दहेयाः हेवः क्वेंतः

अ[.]८च । विटः स्ट्रेचः रेअः यरः अटशः क्रुञः अः कण्ञः

বইুষা । মর্শীর মি'ই 'ব্যামব্যা শীষা হমষা ডব্

वा विर्वेरलें न्नुवर्षेर्यरमङ्ग्रीर यर यञ्जूवा

য়ৼয়৾৾য়ৢয়৾য়য়৸৸ৼৼয়ৢঢ়৻য়য়য়৾৻ঀৼয়ৣ৾ঢ়৻ৼৼ

गुरु यः यदः वेदः यदे : यदे : धुर् । यञ्जयः यः वेदः मी'र्य'श्रेर'यल्ग्रायर'यर'। । यर्ग'मीश' वयःश्राप्तयः श्रुप्तः वार्श्वयः यस्य विष्याः वर्षयः य: ५८: अर्के ५: उरः यम् वाकाय: ५८: । हिका कुः धेः रदावश्चराविदाविद्यार्थियायाधी । द्रवीयाञ्चदा বৰ্ণ'শীৰাস্ত'বৰ্ণাৰাখা । বিষৰাস্তৰ্'বৰ্ণ' ଶ୍ରୟ:ସିମ:ହିପ:ସ୍ଥିୟ:ସଞ୍ଚିହିଁ। ।ସମ୍ୟ:ସଫ:ୟଟ୍ୟ: मुसः इस्र सः नदः सुँग सः नद्यः धी । तहेगः हेवः नगः व.यट.चर्ययञ्चाराकूट.तर.श्रेरी ।यट.लट.श. ট্রির'বे'ব্ল'ম্ম'য়ৣম'মম| |মশ্বম'র্ইল্শ'ন্ডম' ଞ୍ଘ:୪୬:ଘ×:ঋངঝ:क़ॗॺ:ॺॗॕॖढ़|<u>ऻऄ</u>ॗऀ॔ॺ|ॺ:བञ्ड:ॺऻ:

ঘৰ্ষ স্থূৰ্ব স্থ্ৰিব অম

ब्रान्न । ज्ञान्त्र व्याक्षेत्र क्षेत्र क

स्यस्याव क्रिंट्स्य क्षेत्र स्याप्त व । स्याप्त स्वर्ग स्यस्य स्वर्ग स्वरंग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्

द्यात्रात्त्वर्त्त्रत्वे । क्षेत्रायः गुवः क्षेः हेत्रः वीष्ट्रात्त्रः त्वे । क्षेत्रायः गुवः क्षेः हेत्रः

ସສ୍ୟର୍କ୍ଧିମ୍ୱିକ୍ସ୍ୟୁ शुर्श्चेतःशुरःहे। । प्रबरःद्यंःश्चेतःयःर्षेदशःशुः

हेंग्राइंदि: हेंदा । इंद्याइंग्राइंद्राइंदि: हेंदा

र्षेदशद्यादा ।हग्छाः हुः अः कुअशः श्रुवः अदः श्रुदः

यर र्नेग अः धं न्नर र्नर सुर् र गर्ने र हुन

শ্বন। ব্রিঅ'ব্রম'ন্ग'ন্ন'ম্ম'শ্বি'শ্পন'র্মম্ব'ন্ন'।।

दर्गे प्रांगुर ग्रे क्षु क्षु इंदर्भ प्रम् । व्रस्थ उर्

अत्रत्यत्वाःवीशःक्ष्यः यञ्चतः हिं। ।देशःवीदःसः

वयायटायहेरायायुरा हिनायामटाइयदाह्मया

यर:शुरु:य:५म ।५े:५म्'अ:सुक्ष:र्थे८क्ष:बु:८:

वरःर्वेग । यश्रान्दार्वेदार्शेदश्रावत्त्राणीः यश

बु:यदः। वि:क्षेत्रःयहूँ:ब्रुब्राःसेव:यश्ची:यःक्ष्रमः इस्रश्चरः। वि:क्षेत्रःयहूँ:ब्रुब्राःसेव:यश्चरःयःविव।।

ୠୖ_ୖୢ୕୕ୠ୕୶ୡ୲୕୴ୡ୕୷ୡ୕୷ୡ୷୷ୡ୵ୄୡ୵ୄୢଌୄଽ୲ୗୄୄ୴ୄ

मैं।ब्रिंव:५८:ब्रिंगशक्त्रस्थश्रह:उंस:५२। ।८व:र्सेट:

श्वा प्रश्रेया प्रत्ये प्रत्य

वे.सव.सर.श्रुर। विर.क्त.श्रुर.स.स्र.स.

ই্লিশ্বান্ত্রিন্'উন্'। ।শ্বীমশান্তন্'ন্না'শ্বী'র্শ্তুনি'ন্ন'

ଘଞ୍ଚମଞ୍ଜିଁ ମଞ୍ଜିଁ ଶ'ୟଧା रे'र्ग'र्र्द्वे'ह्ग'हु'दर्शेग्रायरर्नेग

ড়ৼড়ৢ৾ৼ৾ৠৼঀ৾ঀৼ৸*ঀয়ৼয়*৻য়ৢয়৻য়য়৻ঢ়ৢ৾য়৻ঢ়ৠৄ৾ৼ৻ यदे'अर्वेवि'र्दे स्था । अर्देव शुस्र हग हिप्प नग मेंबाक्च्यायास्। ।यार्देदबायङ्गयायागुवाहार्या क्किंग्यम् । दिः द्रमा त्यः ष्यदः अर्केदः यः क्रुः केमः বগ্রী। ।ক্রুঅ'অ'র্র্মঝ'গ্রী'ব্ম'ঘরি'র্ক্রঝ'রইর'

ह्रम्'हु'दर्ध्र 'धर'र्वेम् ।दे'द्रम्'घद्रम्'मेश्राद्रश

य'न्य'न्ट'र्बे्बेन'यस'यडिय'तृ'श्चुन्। ।यन्य'य'

यव प्रमार देर्ने प्राप्त रेश मुंग श्राम । प्राप्त मान ।

र्श्चेत्रयास्यातुः र्ह्हेत्रया इसम्या । ते त्या त्रा व्या

ব্রিপ্রা

[3]5

বৰ্ষ:ৰ্ষ্ট্ৰব:ৰুমা

बर्'अर्देर्'तु'शुर्म। ह्य'ग्रेश'श्रेर'व'ह्य'श्रेर्' ଵୖ୵ଽୡ୶୶୲ୢଌୗ୕୕୕ୗଢ଼୵୵ୢ୰୵୷୶୶ୄଌୗ୶ୄୠ୷ রবর:শ্রুর:র্মঝা বিবর:শ্রুর:শ্রুর:শ্রুর:শ্রুর व'यत्ग्राय'य। । व्रद्ध्यःश्चर्यः श्चिर्डरः प्रशः

ଯ×'ପଶ୍ଚି। ।ଦି'ଌ଼×'ଧ'ୟଶ'ଶଧଶ'ଓଦ'ଞ୍ଜି୩ଶ'ଶ୍ୟ

*ॸऀॸॱढ़ॾॕक़ॱॾॖॺॱॿॸॱॸॸ*ॱऻॎऒॕक़ॱॸॖक़ॱग़ॖक़ॱॿॖऀॱऄॱ

वस्रक्ष:उर्-तुःषदःद्विरःचःव। ।वर्केर्-वस्रकःषेः नेबर्गन्यक्रिं भे बर्में न्या । विवयः न्यः नेबर्भन्यः

उँरः। । वुरःद्ध्यः श्चेॅर् यः गुवः हुः श्वरः वरः वेऽ।। तबर:मॅं:क्रॅंर्प:य:क्रुय:यर:क्रुटका:य:यर:। । a: द्रदश्यम्भूषायागुर्वातृःश्चुरायमायश्ची ।श्चिराया चभ्रियायाक्कां अर्कें राष्ट्रें प्रस्ति । या श्रद्धाः विद्याः स्वार्थें स्व

ग्रेन'यव'यम'मु'यर्केरि'भु'म्न'योश विर्म्'य'य'

ग्रीयम्बर्भायः हे. यत्रेषः रचित्रम् । स्थित्यः ग्रीमः रोगान्यः राजान्यः रचित्रम् । स्थित्यः ग्रीमः

यबिर.ज.धेर्य.थ.उद्या.तर.यश्ची (रिश्व.यबिश.

ग्रीमायन्त्रा ग्राम्य प्राप्त । सार्यम्भयः

নৰমন্ত্ৰীমান কৰিছিল কৰা বাবে বাহাৰ কৰিছিল কৰা

यात्रश्रह्माः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्या स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्याः स्टार्ट्स्या

म्विम्बर्याक्षे धी क्षेत्रको मृत्य । । दे द्वा क्ष्रद्वी । स्व । । दे द्वा क्ष्रद्वी । स्व । । दे द्वा क्ष्रद्

चश्चित्र। दि.क्षेत्रः भाज्यस्त्रियां श्रेष्टः स्थान्त्रेयः स्थान्त्रे

री मियातास्त्रस्यामी विटामी तम्रितायहमा

न्बर्ह्युर्ज्ञ्चर्यंग न्वर्ष्यप्रसाम्बर्धाः न्वर्र्षुर्ज्ञ्चर्यम्

दर्सयः क्रेंत्रस्य सम्माद्धः त्री । गीयः यमः क्रेंग्ताः सम्माद्धः स्त्री । गीयः यमः क्रेंग्ताः सम्माद्धः स्त्र

<u> २वा. मुत्रा. तस्य तस्य मी. तमू मा । बी. टथ. ।</u>

वन्यायाम्यानुः विषयवराङ्ग्रेव। । अर्गेवार्यानु

क्रॅ्रेयश्चर्स्यश्चर्द्दा | श्रुव्यःप्रः व्यवस्यः

ल.चेशक्ष्यमा विश्वःस्यःश्वयश्चरःस्टःस्यः

क्रॅंचर्यान्या विरास्त्र वर्षाः क्रॅंचर्याः क्रंचर्याः वर्षाः

ব্যা:শ্রুব:ঘম:ন্ট্রবা । থকা:ন্ট্রিকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা:শ্রুবকা

सुन्याः चेन् छेन्। । वित्रः स्वास्त्रं नश्चास्यसः गुतः हः वहें ससः समः चेन्। । यनुनः ग्रीः स्वित्रः स्यसः

ষ্ট্রবর্ষারী-ম্বান্তীন উদা । বিরুদ্ধরা ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর ক্রিন্মর করি।

क्रियायर प्रमृत्य । क्रिक्य क्रम्य क्षा क्षु प्रक्षें प्रया हु

क्ता |पञ्चलायाक्तुःश्चरंत्रश्चा क्षेत्रा |पञ्चलायाक्तुःश्चरंत्रश्चा

उँदा

551

<u>ब्रिं</u>द्राचा द्वराद्या क्षेत्र द्वरा क्षेत्र व्याप्त विद्या द्वरा क्षेत्र विद्या द्वरा विद्या द्वरा विद्या द्वरा

বিষ্ঠ্যবিদ্যবিশ্বন্ধ্যম্প

यदः लदः र्शः यश्चियः यन्नेयाशः यदः क्रुवः यः ली।

चिर ख्य र्श्चेर पर्द श्चेंब यय चे चग स्थरा।

বৰদৰ্শী:শ্ৰুদ্ৰ'ব্ৰদ্ৰস্ত্ৰ'ৰ্ম্বাৰ্মাৰ্মাৰ্মা

নৰ্ভাষ্ট্ৰিব স্থ্ৰীৰ বিশ্ব

न्त्र । गुनु नुष्ठ प्रमाण्य प्राप्त हिंद्र । विष्ठ । गुनु नुष्ठ प्रमाण विष्ठ । विष्ठ । विष्ठ । विष्ठ । विष्ठ ।

द्रश्याच्य्रस्याः शुः ते 'ब्र्रूब्राय्याः शुन्यायाः । विद्याः विद्य

अःश्क्रम्बाद्यायः पर्वेष्ठ्यः । अर्थेष्ठ्यः । अर्थेष्ठ्यः । अर्थेष्ठः । अर्थेष्ठः । अर्थेष्ठः । अर्थेष्ठः । अर अर्थेष्ठः । अर

श्रुर.तर.धूर्य। श्रिंट.त.क्ट्र.श्रुट.त.ज.योथश.यश. अश्रुर २५। जिल्ले ५५ व्यूज श्रूर कर्न ग्रीडर

ग्रदा दिर्वारस्यायः वस्रमः उद्गायमः

हे। हि.क्श.जब.रेट.ध्रेय.श्रुट्य.श्रह्म.श्रह्म. इर् ন্দ্র বিষ্ণা বিশ্ব বিশ্

रेव'केव'चमुव'हे'मुय'च'त्र्यश्वाय'स्य । विर'नी' दर'भे'भे'चरे'चदे'सकेंग'त्रस्थ ग्याद्य । विर'नी'

୩୮:୴୮:ଞ୍ରି୩ୡ:ସଞ୍ଜି:ଜି୮:ႜ႓ୄୣୄୣୡୡୡ:୴ୡ:ଘୄ୲୲

ଽୄ୷ୢୖୡ୵୕ୣ୷୴୷୷ଽ୕ୡ୕ଊ୕୷୷ୡୗ ୗଌ୕୵ଢ଼୕ୣ୷୴ୄୡ୷ ୰ୢ୕ଈ୕୷୰ୢଌ୕୷୷୕ୄ୷୷ଽ୷ୡ୕୶୷

म्हें मा भीत न सर्जे नज तेजा । विरुद्धन सक्ता

८८.त.प्रभुट.त.ची विश्वर.व्यक्ष.८४.त.त. अक्ट्र्य.थ्रे.५४.५४. विषट.वीक्ष.प्रचट.

वस्रक्षास्त्र होंदायर त्युर्ग । देशकी वींग्राह्म

दव.त.भेंटश.त.लुप्री ।श्रेंट.य.शवए.लश.टे.

षर:देश्वाधुर:अर्बेटः। दि:द्याःक्वेदःयःस्यःक्वेदः यदे:यर:वर्ळें। अि:कें:वर्देरःषट:दे:द्याःयेग्रशः यर:वॅटः। ग्युवःहःयबटःवॅ:दे:षट:ठे:वर्दः

यम्। दे. द्याः मेट स्यूम् श्रेष्य साम् वितर्

मुश्राभुश्रान्वराय्यात्र्यात्रात्र्यायात्र्यत्या । ने.स्रेश्रा

यबर:यॅ:ब्रॅंड्र-यं:यर्दे:यर्ह्द्राव्या ।श्वराद्याःयाःयाः ऍदश्वराद्याःयरःयग्वरा ।श्वराद्याःयाःयाः यबस्याः

य्वियास्यः प्रस्कतः सम्बन्धः । । प्रमासः प्रमासः भूजास्यसः प्रस्कतः सम्बन्धः । । प्रमासः प्रमासः

বৰ্ষ:শ্ৰুঁব:শ্ৰুঁব্ৰ:শ্ৰুমা श्चेम्बास्य स्प्राचे स्थाने स्थान

「ロエ·ミエ·ミ・ラ・製エ·ス・道 | |ଈ୕୵୕ୡ୕୶୲ୡୗ୶୶୲ଌୡୄ सवःस्त्रेरःदेरःयत्गःश्ले। । वदःस्त्राः अदयः स्त्राः वर्षेर र्थे रव हु वर्षेर। | TTTT | AND | AND

र्धे'गुरु'रुदर'अर्केर्'यर'दशुर। । घुर'रुप'र्वर'

यङ्बारा:वस्रबा:उर्-यहुत्य| |ग्रदःयदःयवदःयः र्ह्ये ५ : प्रतः क्रेंब : प्रमाय दि। । प्रमाय : प्रमाय :

ह्याःर्ग्नेषाःयःषी ।देःषीः द्वयःयमः श्चेतःययमः अन्ताः मुर्भायविव। । विटासुयायर्केगायार्भेयाने या वेटा

उम । तह्रमः न्ययः हे सूरः मित्रे व उत्तरः न्ययः नः

বৰ্ষ স্থূৰ্ব প্ৰমা

त्रान्ते । क्षेत्राया वर्षा । क्षेत्राया वर्षा अत्राप्त । ଞ୍ଚି×:ପଈ୕ଊୖ୲ୄ୲ୣ୲ୠୖଽ୕ୠୄ୕ୠୄୠୣ୴ଽ୕:ଘ୕ଅଣଦ:୴ଈ୕ दे'अर्बेद'व्या ।यदे'य'उव'ग्री'वेद'देर'रय'हु' वर्गे। १२२:र्बेट वशके र्बेब वस वर्रे नग গ্রহা বিপরার্থ-সার্থাস্ট্রা-2-বেগ্রীমানমা

५में प्रतेः इः प्रः वः देः शुक्रः गुक्रः । । प्रवः प्रः श्रुं ५ः <u> ब्र</u>ीर:रव:ह्:वर्क्ट्रें:वर:वश्ची । ।वर्ष:वे:वक्टे:ववे:

ढ़ॸऀॱॸॹॱॿॺॺॱॶॸॱॸय़ॱॸॖॱॸॾॕऻ॒ऻॸॖॺॱॺऻॶॺॱ য়ঀ৾য়য়৻য়৾ঽ৾য়ৢড়৻য়৾য়য়য়ড়ৼৢঢ়৻য়ৢয়৻৸য়৾৾য়ৢ৾৻য়৻ यदःयःअर्क्रेयाःहःतङ्ग्याद्यःदःदेश । यद्याःवीः

<u> ५म'राबु:बु:इंश:बु:च५म'र्झुंच:इंटः। ।५मे:च:</u>

র্বন হিন্দা মানুসান্দ্র ব্রা

यग्रम् । त्रहेषाःहेत्रःहेर्श्चेत्रःश्चेश्च्यः उत्तर्यमः

यभ्रा विक्रियायक्षेत्रभ्राय्यक्षेत्रभ्राय्यक्षेत्रभ्रायः विक्रियायक्षेत्रभ्रायः विक्रियायक्षेत्रभ्रायः विक्रिय

ब्रैट.य.श्रवय.लब्र.भैज.यब.शर्च्य.श्रेश.री जिट.

यश्रवःयः वद्यद्याः वीश्वःदेरः विवः विव ।देरः वेः

वर्गामेशस्परावस्त्रास्यार्चवात्रमा । श्रुपाया

য়ৼয়ৣ৾৻ঀ৾য়য়য়৻য়৻৻৻৻৻৸৸য়ৣয়৻য়ৢয়য়৻ য়ৼয়ৣ৻ঀৣ৾৻য়৻য়য়৻য়য়৻৻৻৻৸৸ য়ৼয়ৣ৻ঀৣ৻য়৻য়য়৻য়য়৻

ल.सर्य.स.सर.त्र्.पश्ची | प्रबर.त्र्.श्चिर.सर्यःश्चित.

ক্র-মের্ছির জ্বর্মান্ত্র ক্রিল্মন্ত্র ক্রেল্মন্ত্র ক্রেল্মন্ত্র ক্রেল্মন্ত্র ক্রেল্মন্ত্র ক্রেল

বার্মঝা শ্লিব্ উল্লেউল্লেখ্যমান্তর্

বর্ষুধ্যমান্থ্য | বর্ষুব্যক্ষ্মান্ত্র্যক্রর্ম অক্ত্রিমান্ত্র্যা । বর্ষ্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত

इंदाःचर्रम् । ब्रुंदःचयाः अद्यायाः मद्रम्यः अर्छ्णः इदाःचर्रम्

নী'নার্হা |মারব'লখাবের্ন্র্'ন'শার'অ'লব'ন্রিন' উমা |শার'দ্য'নাশ্রম'নক্র্র্র'নব্দের'নান্ত্রম'

য়ৢ৽য়ৼয়ৢ৽য়ড়৽য়ৣৼয়য়৽য়৻ঽৼয়য়ৣয়৻য়৾য়৻য়ৢ৾ৼ৻য়ৼ৻ঌৄ৾য়য় ড়ৢঀঀৼয়ৢৼ৻য়ঀয়য়য়য়য়য়৻য়য়৻ড়য়ড়ৣৼ৻য়ৼ৻ঌৄ৾য়ঀ ড়ৢৼঀঀঀৣঀড়ড়য়ড়ৼয়য়ড়ড়ড়ড়ড়ড়ড়

यः यर्द्रेष्णे : दीश्र हेष्यः श्रॅम् श्रायश्चायश्चिरः उद्दः लुश्चः हेषाहतः याप्याय। ॥

বর: ব্রমশ্রমর শ্লুব্রন্মর। সম্প্রান্ত্র স্থান্ত্র স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান স্থান্ত স্থান্ত স্থান্ত স্থান স্থান স্থান্ত স্থান স্থান तक्ष्यार्ज्ञ। दिराङ्ग्रह्मराञ्चात्रीयाः क्षेत्राः स्त्री। विरास्त्रवाः श्रेभद्यः द्रयदः द्रम्यः दरः वरः। वितः व्र्यः द्रम्यः यास्त्रमात्रस्यात्म्। ।दसात्म् । वस्रमास्तरम् र्भूमान्ते न

उदा । अर्वे देशायया दे स्वार्क्षेदाया । सामे :

येर्'यर'वर्वेर्'वश्चिर्'य। । विरःस्वाःसेयस'वः

^१ ५र्गेव्यः प्रस्थान्य व्याप्तिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः व्यापतिः च्यात्रः चयात्रः च्यात्रः च्यात्रः चयात्रः चया ঝয়'য়**৻**য়ৢয়ৢয়'য়ৢ৾৻৻

🌬। ।२र्गेव.च.३.वाद्यायाये.वे.वा.च.च.वाद्यायायायायायायायाया

ମ୍ବିଦ୍ୟା.ଓଷ୍ଟର:ଗୁଁ । ହୋଷକା.ଘି.ଧିପମ:ଥି:ଇଁ স.ମକା.ଏ । । ବ୍ୟକ୍ଷମଣ୍ଟ ଶୁଷ୍ଟ ଏହା

म्विट्स्यक्षःस्य विष्य विषयः म्वित्रः स्थाः स्य

বদ্ৰানীৰ শ্বীনাৰ কিন্তা বাৰ্

यन्त्रवा । सरस्य क्रिस्य अञ्चित्र प्रस्था । ते । स्थित । स्था ।

र्दे। ।श्रदशःक्रुशःगुत्रःयःध्रुषःवर्कयःये। ।घ८णः वे'णे'नेश'अर्केग'र्वेदा'र्नेग धिंगश'पदु'८ग' मीः धुँमाश्राङ्गश्रश्रश्रश्रा । श्रामञ्जादमाः या विश्वासाः ୴୲ୗୗ୕ଌ୵ଢ଼୕ୣ୷ୢ୶୶୶୷୵୷୰୷ଵୄ୵ଢ଼୷୴ୄଢ଼୷ त्यक्र:मु:पर्मुद:य×:पश्चितः । विरः कुव-२म:यर-अटम:मुम-विरा म्रि-१८:वउमः यदे पर्द पर्द पर्द विषय । अविषय अविषय मुन्य विषय শ্বর-শ্বর-রে। ক্রিম-শ্র-বের্মম-র্ম্মম-শ্রুম-শ্রুম-শ্রনা क्रिंशम् क्रेन् पॅरि श्चु प्रश्न क्षिण प्रश्न प्रश्न स्था ঽ**ঀ**৾৽য়য়৾৽য়য়ৣ৾ঀ৽ড়ৄ৾ঀ ৸য়ৠৢ৻য়৽য়৾ৢঢ়৽য়য়য়৽

শব্ধ । ক্রিবাইরি মর্হ্ উদ্দের্বাবার্যুদ

ब्रेन्'यदे'अर्क्के'यशर्बे्यय'यर-वेष ।<u>इ</u>षिबासप्रदे শ্বর্শ ক্রান্ত্র্বাশ ব্রাণ্ড ব্রাণ ব

<u> ଅଟ୍ଟା । श्रेयश्रञ्ज द्वयश्य य ପ୍ରଥଶ ସ୍ପର୍ଥ ଅଧିକ । ।</u>

ग्रीबायसेटबायद्यात्या ।म्राटायदेबायर्क्या <u> इस्रयम्बिग्रास्यमञ्जूषा । इस्रयःग्रीयःट्रेःसरः</u> বল্লীঝ'ঘ'ঝ| |ঝ্ৰম্ঝ'ক্ৰীঝ'ক্ৰমঝ'ঈ'ৰ্ম্বীর্স'

डेम । १२५५:सदे: १५५४:५५:मुर:स्ट्रा । श्रे५: यदे:श्रून:सुश्चान्यः यस्त्रेन्श्वाया । विक्रेन:यःगुत्रः

<u> ५८:अ'र्चेत्र'य। १२'५म'हेस'सु'य५म'र्से</u>य'उ८'।। वुरः स्वाञ्चरायाञ्चेरा गुरु देग । या रेथा ध्वेर दुग

*ই*লিঝ'নগ্ৰীঝ'ৰঝ| |৫ৰ্থী'র্ল'ঝিঝঝ'ডৰ'গ্ৰম'

নগ্রীব:র্পুনা নগ্রীব:র্পুনা মির্হির:ব্লিম:র্মার্ম:মর্হির:নগ্রীর

वसा । तुः येदः तुदः स्वाः रेषा शुरुः रेषा । यः श्लेसः

য়য়ড়য়। ৠिंदःयदेःॐয়য়৾ৼৢয়য়য়য়ৼড়৾ঀ। য়ৼয়য়য়য়ৼৼৠ৾ৼড়য়ৼ৾ঀয়য়য়য়ড়য়

बदबाक्षुबाद्दर्बेटाळेवाद्यासूत्र । बिस्रबास्त्र साराक्षेत्राक्षेत्रासाराक्षेत्रा । साराच्यासाराक्षेत्रा

ম'মঙ্কম'র্শ্র্ম'ম'মঙ্কম। । শ্বান'র্মান্স'মঙ্কম' শ্রম্ম'মঙ্কম। । শ্বান্স'মঙ্কম'শ্রম'র্মার্শ্রম'

ସିଷୟାଯନ୍ତ୍ର ଞୂଁଷ୍ଟ ଏଷା र्वेष १८५४:यॅ.८५४:य्र.४.४४४:४४॥

वन्ग मी र्येट्स र्श्वेन खुव र्युव र्वेग । नर्देश र्ये वस्र १८८ म् १८६ मा स्था ।

৾ঀৢঽ[৽]ৼৄ৾ঀয়৾৾৴ঀ৾ঀ Iঀৢয়য়৾৾ঀৣ৽

येद[.] छेटा । र्ह्या विस्था द्वस्य द्वसाय स्था प्रताप्त विस्था র্মুস:শ্রমশ্রম, মার্ম প্রেম, মার্ম শ্রম্ম প্রিমে প্রিমে প্রিমে প্রিম শ্রম্ম প্রিম প্রিম প্রিম প্রিম প্রিম প্রিম

विस्राय रें या द्वेत हें ग्राय विग्रा विस्तरा प्याप द्वा

कुरत्याये। किर्मानयमासूरायेगवमानेरा।

र्र्ण द्विय ह्याबा र्व्य । पार्ट्से व रच्यु बा पार्ट्स बाबा

য়ড়ৢ৶৻ঀৢৼ৻৸য়ৣ৾য়য়৻৴ৼ৻ড়৾৾ঀ৻৸য় ৽য়য়৻য়ড়ৢয়ৢ৾ঀ৻৸য়

मुं अ क्षु त्र ते हिं हे क्षु त्र ते हिं क्षे ते हिं क्षे ते हिं के ते हिं के

ग्रीका ।पर्सेव त्याका या रेवा क्षेत्र हें गका विगा

য়ৢঌ৻৸৸য়য়য়য়ঢ়ঽড়ৼয়য়য়য়য়য় ৼয়ৼয়ৼয়ৼড়ড়ড়৾য়য়য়য়ৼয়

इस्रायर वर पदे हैं निश्चर रहा । दिस निश्चर

म्बेश.त.धेर.रट.वी | रिया.यश्चित्रासूत्रा

यग्नेश्वायाधिश। विशास्यायार्स्याधियार्ह्सग्रा

र्वेम । अद्यास्यास्य स्वास्य स

র্বি, বিদ্রুষ্ণ এই বি, বের্ম এই বি, বিদ্রুষ্ণ এই বি, বির্মাণী বি, বির্মাণী বি, বি, বির্মাণী বি, বির্মাণী বি, বি

ପ୍ରଥୟ/ଅନ୍ତି କୁଁ ସ୍ୱ ମଧ୍ୟ ।

यश्चराः स्वित्रः तुत्राः स्वित्रः यश्चरः यश्चरः यश्चरः विद्याः स्वित्रः विद्याः स्वित्रः विद्याः स्वित्रः विद्य विद्याः विद्याः स्वित्रः स्वत्रः स्वतः स

श्राप्तेड्रार्चि:क्रें.प्रपा (वृक्षेत्राष्ट्री:क्रें.च्यायक्रे:क्षे.चेश्वाश्रेश्वायश्चरःक्षेत्रःवृत्तः राज्यस्यासम्बद्धाः

हेमहब्स्यम्या॥ दर्नेःक्ष्रःयश्चेश्वःयदेःयश्चरः वस्रश्रद्भयाःस्यःया॥ दर्नेःक्ष्रःयश्चेश्वःयदेःयश्चरः

व्यट्यक्रेश्चा । सार्य्यश्चा मुख्यायानुस्याय्यः मु दयदायक्रेश्चानुश्चाय्वा । मुख्यायानुस्यायदेश्चा ह्याप्तृःश्चाद्याय्वा । मुख्यायानुस्रयायदेश्चा नुष्याप्तृःश्चायाय्वा । स्वित्यायानुस्रयायदेश्चा नुष्याप्तृःश्चायाय्वा । स्वित्यायानुस्रयायदेश्चा त.क्र्रेंच.तपु.क्र्री |तर्या.ग्रेट.वेट.क्रेंच.सक्र्या.ल. ^{वशकातपु}र्श्चेंय.तश

यम् र्स्य । प्रमे प्रायदे स्थित स

दा । विश्वास्त्र विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्

ब्रिंस्क्रम् । विभग्नायदे यह्नेत्राय विभाग वि

कुष्या भी भी स्थान स्था

य्या यर्न.क्षेत्र.चश्चित्र.चत्र्य.चक्स्ट्र.चक्स्य.ट्स्य. स्रम्भा यर्न.क्षेत्र.चश्चित्र.चत्र्य.च्या.

लुचे। ।योचेबारचे.जुच.मेशबारेयो.धे.झेटबा.वै.श. शर्या ग्रेथो । ।रशिजायालार्येयोबारियार्थे.श. उंग । जुत्यः यः वुस्रक्षः यः प्रदः वे स्रोदः मो : धिक्रा । स

दिन्याबन्यामुबायर्न्याक्ष्र्वायदेखें। । यन्या

ग्रदःविदःख्वःअर्क्षेषाःषःषावशःश्वरःहे। व्रिःवः

बेर् पदे सुर षर ह्रेंब पर र्वेग । र्ने पर दरे

พิสเช้ารถสายผลเจรารูโ โรณาฮักเกคิสเ

ग्रेव'यबर'य'यह्रेव'य'५८। ।श्रेसश्खाउव'गुव'

ग्री:र्म्या:पर्म्यासिम:ब्रिम:वश्रा । यिश्रव:पर्यः पर्मव:

यानुपानुदायम्भूग।।।

वश विज्ञाय नुस्रास्य में तयर प्रहेश सूर

च्छ्यः वर् यः हे क्षेर् या दिन्ना यर्गनी विद्रम् व्याप्त वर्षा वर

वर्सेन्'व्ययःग्रीय। ।वने'न्गवः कु'यर्से'र्वेव'यर

र्वेग । दे: दगः वर्षेरः यः है: श्रेदः तु। । दशः षदः यदेः

^भ जुल'श्रश'वे'च'क्षशम्श्रदश'यदे'र्श्हेंद'दह्ग'

শ্লুব্ৰম্ম নৰ্গ্ৰম শ্লুম

অঝ'রুমঝারুম। বির্নু'নঝ'ন্রম'রুম'ঝাঝ'

र्द्रमःहेत्रावस्यात्रः त्रुवः से विदः र्वमः हे

क्षेत्र भेत्र या क्ष्यमा । त्रि त्या क्ष्य विश्व स्वयः । व्यव स्वयः । व्यव स्वयः विश्व स्वयः स

ग्रद्भान्त्रम् वर्षाः द्वाः वर्षाः वर्षाः

र्यदःश्चितंक्ष्यः जन्न । विद्यायदः स्रात्रः भवदः लन्नः

ন্ত্রীপা হিন্দ্রপ্রেমাণ্ডমান্তর্মান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত

ब्राज्यं अदे व्यवस्थ अत्यः धरा | दिः यः इवः दवः व्यवसः क्ष्रवाः क्वा | विषः अत्यः धः क्षेटः चे ः धटा।।

र्यम्'यश्वस्य विद्युद्धःयमः वृग् । सर्वरः

য়ৢॸॱয়ৢॺॱढ़ॻॖऀॺॱय़ॺॱয়ॾॕॺॱয়ॗॖॸॱॐॺ ।य़ॸॗॗॱॸॖऀॱ য়য়ॖॸॱक़ॆॱॷॺॱয়क़ॕ॔ॱॸॺॱॺॏॺ। ।ॸॖॺॖख़ॱॻढ़॓ॱॺॱ

য়ৣ৾ঀ**য়**৻৴৶৻ঀৣ৴৻য়য়৻৴য়৸৻ঀৣ৾য়৸য়৻ঀৢ৸৻ ড়ৼ৻ৼৢঀ৾৻ড়ৢঀ৻৻ড়ৼ৻ঢ়ৣ৾ৼ৻৸য়৻৸য়য়৸য়৻ঀৢ৸৻

ग्री.श.याषु.पर्श्वर.पर.त्या ।पर्श्वश.पड्शश.प्र. लट्डचे,क्ष्वे सिट्टार.ग्रीचा ।याज्यश्वरीय.स.स.

च्. स्थर्या चीर. शक्र्य. ता. ल्री । योष्टा शुरी प्रटार्कीर. की अप्रविष्टा स्थर प्रस्ति । विश्वेश प्रहेश स्थर

यर् मिने मुझामादायर मिन । प्राप्त स्थार्

होत्री अर्थेव की कराया निया क्षेत्र अर्थेव की वा विष्ठी के स्वास्त्र की स्वास्त्र की वास्त्र की वा

वरेवस्याने स्यम्बी रिम्बस्य से से में में

ब्राह्म विकास वितास विकास वितास विकास वित

मिन्ने हिरे भे निम्ने निम्ने

৾৾ঀॱৼৄ৾৾৾৽ৼয়ৼ৾য়য়ড়য়য়য়ৢ৾য়ৼয়য়৻৸৸য়য়৻ঢ়৽ ৻য়য়৻য়ড়৻ঀয়য়য়ৢয়৻য়য়য়ৼয়য়৻৸৸য়য়৻ঢ়৽

ञ्चत्र चेवा तर्शेवा वा स्था हो हो निवा कराया र्बेशकु:५८:५५ेश:घवश:घ:धेश ।५४४:घठे: ये. यर्या. कुज. कुज. यंश्र्रेर. य. यहूर. शैर. व्या भूर्ते सुरः वरे वया र्क्षेयाय वरे छे वय्ययाय अर्धेदःचरःर्वेग । श्रेंग्रां ५ मा १ वहिंग्रां या वेंराया र्देदश्यः धरः र्दुरः र्वेषा । सुद्धेदे । धरः वी । । यादः वी । য়য়ৢॱড়য়৾৽য়ৄয়৾৽ঢ়য়ৄড়৾৽য়ৢয়৾৽য়ড়৽ৼয়য়৽য়য়৽ ष्ट्रीत या । तर्गे प्रांगुत त्र अप्पेंट अप्रेंगु पा पुरासुय श्रेयश्चरत्रस्थः याश्चेशस्युराय। । गर्वेद्वस्य

सुर् उर्व तयर वहेग्रह्म य ग्रेर् यर वेर् या छे

ર્શ્કેન્'લ્ફ્ષ્ય'ર્સ્સ્રેન'વમા

ঀয়য়য়ৢ৾৽য়৾৾য়ৢ৾৽য়য়ড়ৄ৾৾ঽ৻য়য়ড়৾য়য়য়ড়ৢয়৽ ডব'ন্ব্ৰ'ঝ'য়৾'দিঁগ্'ন্ত্'য়ঽ৾'র্ক্টগ্^শ্যী'ঌম'ননম य। ।विदान्ते विश्वासी द्वार्य द्वार्थ हें दास्व वाहें द <u> न्व्यः क्र</u>्यां वायः युवः विन्यः विवा । विह्यः <u> ମ୍ବ୍ୟୁ: ବ୍ୟୁ: ବ୍ୟ</u> र्डें तर्देव पर वेंग । दे सूर पद्या में द्यो इस गुर्द-तृत्वबद्ध-अर्थेग्य। । घुद-सुय-बेयय-द्वयः श्चेत'य'भेर'श्चेत'यरे'य'र्दा ।यश्चेत्य'वेद'रे'

ર્ફ્રેન્ડિયા ફ્રેંક્ વ્યયા

विषाः धिव। । विंदः ग्रीः ञ्चः यमुदेः उँदः यवः दषाः षोशः

ब्रीयाः दर्- ख्रुवः करः यः यवेवशः अर्धेदःवश्रा। ब्रीयशः उवः र्थुवः करः यः यवेवशः अर्धेदःवश्रा।

स्तः भ्री प्रस्कामायाः श्रुवः सम्भानिकः स्त्राम् । स्त्रः भ्री प्रस्कामान्यः स्थानिकः सम्भानिकः स्त्रामानिकः स्

स्यम् वे स्थान्य स्थान्ति । विकान्य स्यान्ति । स्थान्य स्यान्ति । स्थान्य स्यान्ति । स्थान्य स्यान्ति । स्थान्य

মন্ত্রমান্ত্র । বিষ্ঠান । বিষ্ঠান । কুমান্ত্র । বিষ্ঠান । কুমান্ত্র । বিষ্ঠান । কুমান্ত্র । কুমান্ত

म्बुर्यस्य । विष्ट्रम्यस्य । विष्ट्रम्य । व

<u>५८:।।वर्गेश्वःचःक्रश्रशःग्रेशःवशः५णः५८। क्रिंशः</u>

৽য়ৣৼ৻৽ৼঀয়ৣয়৻য়য় য়৻য়য়য়৻য়ৣয়৻ড়৻৴য়৻৴ৼ৻৸৸ঢ়ঢ়ৼ৻য়৻ঀৢয়৻য়৻ য়য়৻য়য়৻য়ৣয়৻ড়৻৴য়৻য়য়৻য়ৣয়৻য়ৢয়৻য়ৢয়৻য়ৢয়

र्वेम । भु: दत्र नुरा: वम: दमदः वेदाः वेदम । प्ये: कदः

इस्रमागुराधेराम्ब्रामान्या । प्रह्रवायास्वासुरा

र्क्षेन्याय । हिनार्रुः वर्धुरः यः येत्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्र स्थान्यायाः वित्रः व सःस्थान्याः स्वरः वित्रः व

यः इस्राचः वे त्रहेषामा से दः वृषा । प्रचेदमायः

इस्रम् वे : में या प्रम्या । स्वित्र स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य

ર્શ્કું ૧.વક્ષા ર્શ્કેવ વચા ষমশত্র্বেই অমার্শি । শ্বামার্শী ব্রিক্রের্

बुदाय। दिखनराभीदर्भिष्यस्युनासुराज्ञेन स्य ८८: मु: केव: व्याब: य: इसबा । यिट: य: यबस: य:

त्र्यूयःश्रुरःहे। ।हुःधैःर्देगशःशुःयदेरःध्रेतः वशा । मानेव ५८ : ३व : ५व : ५व : ५व : ५व : १ । ३ :

<u> २व.जश. धृज.जञ्जशबाचा अश्राचा व्याच</u>

८८:स८:शुर:वया ।क्रॅंग:स्व:श्र्वा:र्श्वायः

वहेम्बर्भरोदःसम् । भीरत्यःयदेः त्रुमः वर्देदःयमः

र्वेष । ५र्वे द:श्रेषश्चाययाये ५:७४:५:५२। । १३४:

विदःस्यार्भेश्वाह्मस्रम्। । भ्रान्गःश्वदःयः ग्रेनःसरः

र्बेन अर्थः त्यः गुरु त्यः सम्बन्धः वर्षः वर्षः । । ५५:५८:

बस्रश्चर्यस्थान्यःसर्दिन्यविवःतु। विदस्यः र्ह्हेर्यः कर्यः सेर्यः सर्वेष स्टिन्यः सेर्च्छरः यसेः

श्चेर्-कर्-य-भर्-य-स्वन् । स्र्र-य-भर्-उर-वकः भेर-यम् । अर-र्न्नर-तु-क्वेः श्चेर-य-सर्वन्।

अर्थ तर्रा १५८ रेचर १ व हीर तर्सा

यहरे. कुष. त्र्र स्था १८ यदः श्वरः स्थारः

মারিমাধা, হথ, হো মারিমাধা, হার হ'রেও, প্রথা,

र्क्षेत्रश्चरः र्वेष् । विहेषा हेत् सुत् सेतः हे हे हु

या ।दे.र्याञ्चेश्वाय.धेर्यःश्चरःद्या ।शःस्यश

स्यस्त्रं अर्धे र्घ्या छेटा | ट्रास्य प्राप्त | स्थिता या । स्थित

ર્ફ્કુેં ૬'લ્ફ્,જાંક્સું ફ'વ્યમા

इस्रम्भः मुः स्ट्रम् । स्रोस्रमः विद्रः मुः स्यमः स्रमः स

उर्-दी । क्रें-स्ट-र्म्मा सेर-रेट-म्य-र्म्म । ह्म-

म्बाम्बासासास्या । द्राया प्रकार विदायी क्री द्रार्था

वस्रक्षत्रः वाद्यः विष्यः । विद्यः । व

क्षेत्र क्षेत्राचाराचायायाया । व्हित्राचा क्षेत्राचा वि

বস্তুর'মম'মর্ল্ব'মঝ'মন্ত্রাঝ'স্তুম'উনা । এঝ' ডব'শুর'শুঝ'স্ত'ব্দ'রী। । । পিদ'ব্দ'র্ক্রর'শ্রী' ঘম্মঝ'ডব'ব্দ'। । ব্রম'মান্ত্র'অঝ'স্তুম'র্স্ট্র

अटार्चे । स्टामी खेम्बा स्वाक्ष क्षेटा द्या।

ইবা. शे. প্রথম শ্রীপা. বলা. শ্রীপা. প্রথম শ্রীপা. প্রথম শ্রীপা. প্রথম শ্রীপা. বলা. শ্রীপালম। শ্রী। শ্রীপ্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্

तम्। विर्मे पर्यः मक्ति पर्यः मिन् विष्यः विराधितः सम्

र्थाश्वःसरास्त्रम् । म्लास्यं क्रिंग्स्य श्वरः

र्क्षेत्रस्य म्ब्रियः विद्यान्त्रेत्रः विद्यान्त्रेत्रः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या इतः। । यहित्राः हेदः इत्याः ग्राटः इतः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या

্রপ্রধার মূর্ব নের্মার বিষ্ণার ক্রিল ক্রিল ক্রিল ক্রিল ক্রিল ক্রিকার ক্রিকা

र्च.ज.ब्र्यम्ब.त्री क्षिट. हेत्. श्रेश्वास.यीरी क्रिय. क्षेत्र क्ष्यास.यी क्षिट हेत्. श्रेश्वास.यीरी क्षिय.

ર્ફ્રેન્:વક્ષાર્ફ્રેન:વચા ঘম:মা:শ্রুম:ব'মা:শ্রুম। বিদ্বাশ:ব্দ:ঘরুশ:ঘম:

भ्रीत्यमुरुविद्या । त्यादःषदःषीद्यीयदेशः

ग्रूर। ।वार्ड्वाःजवाः।वटः₹अशःर्त्त्र्वाःघः५टः। ।विः र्नेव मुंब सुब येग्बर म्वब संने । हग रु द्यो

वर्वासञ्चन'य'र्दा। । रगो'वर्व'र्देव'यद'व्य्वा

यरः विष । प्रश्चयः यः वर्दे दः प्रदे द मे श्चिरः द मा

र्वेष्यः र्या ग्रुटः व्यायमः वृष्य । यायेटायः वस्रवारुट्र श्रुट्याव्यावी । । बोस्रवाने प्ययास्ट्र

र्झें अ: शुरुर डेग | ५ में र्झें दः अ: इस्र अ: हे ५ र स्वर

बिरा विश्वयः दरमिर्वेदः यः श्रॅटः यमः वृष् । देः

বর্ণব মব দ্বর্ভুম বা গা্রু । র্ভুঝ ব্রিমশ্ব প্রশ্ন শ

য়ৢ৴৻য়ৢ৴৻ঽঀ **ড়ৢ৾৻য়৻ঀৢয়য়৻৻ড়৻য়য়৻৸ৢ৴৻য়ৢৢ৴৻

वशा हिनाः हुः श्रेना यः बदः ब्रेदः र्वेन । यदेः वर्जेः

नवाः श्रीयः श्रीयः श्रीयः विष्यः विषयः विषयः

য়৾৽ঢ়য়য়৽৾ঀ৾ঀ ।য়ঢ়য়৽ঢ়৽য়য়য়৽৾ঀ৽ঢ়৻ঀৄ৾ৼ৽ঢ়৽

५८। विश्वेदःश्वेंश्वार्यात्र्वाः स्वार्याः स्वेताः

मुश्रभुरः विद्रा | द्रिग्यरः यः सुरः यः स्वरः यः स्वरः यः स्वरः यः स्वरः स्वरः यः स्वरः स

য়ৢ৾ৼ৽ৼ৽৽য়ৢ৾য়৽৽য় ঽ৴৻ **ৢয়৴য়৾য়৸৸৴৾৴৸৸য়য়৸৸য়৸৸ৢয়**৻৻

<u> বুর্মার্থীয় । পর্মার র্মান্থার প্রা</u> ५र्षेट्याय। । श्रेययाउदाद्वययायादे रहें रा र्नेग । दे:चबेव: ४८: अ८अ: क्वुअ: द्वेशअ: ५८: ।। *ज़*ॺॱॺॕॺॱॠॺॺॱॻॖॸॱॸॸ॓॓ॱॹॗॖॸॱऄऀॺऻऻॸॸॺॱॻॸॱ यःवैवःवरःतु। ।हगःहुःकें रवशःत्रवः यः ५८ः।। रयः हुः बुदः यः बुदः यरः र्वेग । यद्गः वे । यञ्ज

ग्री:वश्राग्रदा विस्रश्राद्दाख्वाबेदावर्क्षे:वरा

हग्राप्त्राचे द्रायुव शुरु देव । व्यवस्था स्था

৴৸৻য়য়য়য়ৣয়৻ঀৢ৾৻৸৸৻ঢ়য়ৣ৾৻ৼৄ৾য়৻য়৸য়৻৸৻

*ॡ*र्नेर्न्नात्या ।इटच्चर्नेःचरः६र्नेर्न्नःषटा।

अर्मेव र्ये वह्य ५ चुर्य रे छे ५ वे। । मेम्य अ५ ·

र्म्या स्थान स्था

शुर्वा । यहिं विश्व विश्व विश्व विश्व । यहिं श्व विश्व विश्

ર્શું ૧.૯૬૫.શ્રું ચ.લથા

दर्गे पदि:रूग पर्यथामार उदर उदा । १५ गुन यन्गायाञ्चीवाशुराठेग । युरासुयान्नीयनान्यादे ५वो'यर्व'ग्रीका ।यर्गे'य'यर्ने'य'र्श्वेर'यर'र्वेगा दर्गे प्रते क्या प्रकृष क्षुत्र मुडेग स्। प्रदे प वस्रक्ष:उन्:दबुद:पदि:ग्रव्का ।पङ्गव:प:क्रेन:न्द: यग्र-क्षे-५८। ।वडकानेः खुव-रेटामवकाशुर र्डेम ।मारमी'र्ज्ञन्युंश्रान्मी'र्ज्ञ्ज्युरा ।यहसा यदे:न्वुह्र्सायासुमा:वर्क्यार्ये। ।म्नहःमी:न्रेनः श्चेश्वाचन्या प्रयो प्रयोग्वरीयमेश्वाययर यर्वाः ध्वाः तक्या। ॥

हें स्पायते मह्यायने उन ह्वेंन प्यस

নন্দ্ৰাখ:শ্ৰ্যা

७७। । यम् यं श्रे हे च सह। ने श म श श र र अर्देव:**स्**रुप:मञ्जिषाद्य:यं। । अर्क्रेग:मी:र्थेव:५व:

५स.सप्ट.क्ट्र्स । चिर.क्ट्र्स.स्रम्सर्य.स्य.स्य. ग्राचा प्रवा । अवयः धवा वयः अवयः अविदे अवयः याबाद्यान्यक्ष्मायवयन्त्रमञ्जूषाः श्रुत्यायबाङ्गरः

यात्रस्यवराष्ट्रीवायते। व्रियोगायहेसायाने प्र

यर'यह्री । यवर'षश्र'र्देर'यरद'व्याकेव'र्के'

|মহরমৌর'রের্কিম'ররি'রের্ক্রী'র'শ্রুর रमगः सेरा ୲୕ୣୄ୳୶୕୶୲ୢଌୖ୶ୢୢୄ୕ୢୄ୷୴୕୷୕ୢୡ୶ଈ୳ୢ୕ୄ୴ୣଽ୴ଈ୳

हेवे वें |শূর'ব্রাম্ম'ইশ্রাম'ঐ'ঐম'র্বি **|**ત્યુવ:ફેંગ'શેઽ'ઘંદે'સુવ'ફૂંગ'શ્રૂ' বৰ্ট্ৰ.ঘশা

অ'ড্রিমা

ଘଟି:ౙୁଁଷ୍:ବିଶ୍ୟ:ଘ୍ର:ଆ

র্কুমারার *∖*ગ્યુંવ′શ્ચેવ્ય;ક્ષસ'ત્વર્ડેવ'મઉં'વ્ય'ક્ષુમ'

વર્જ્ય ભેં| *বিব*্রাইন্মার্যান্তর্মান্ত্রন্

ાળે 'બેશ' શુક્ર, શુંશ્રા સુદ: વ્રદ્દ યાલેયા શ 赵左5.51

*୲*ଘର୍ଟ୍ୟୁଦି:ମଧ୍ୟ:ଝିଁଣ୍ୟ:ୟ:୴ୡ वे'सईर'या **ઽઘનાએઽ^{ૢૢૢૢૢૢ}ૢૢૢૢૢઌ૽૽૾ૺૡ૽ૼઽૢઌૻૡૢઌ

<u>|୬</u>୪-۲۲-۵-۲-۲۵-୬ दक्ष्यः व्या

<u>|</u>ଝିଂଇଁଂନ୍ଦିମ୍ଫ୍ରି:ମ୍ବ୍ରିଲ୍ଷ'ୟଷ'ୟ'ସାଦ୍ଧିଷ' ग्रुजःश्री

^{नदेश्चॅस}्यम् ।वाटःवाटः (८५७:घः नेः अःने रः क्ट्रॅंकः

JZ[]

त्रक्ता.ज्री विश्व.यीय.क्ष्य.यन्नेट्री.वीट्र.जीश.यन्य.सीयी.

दुःषी । पाश्चरः गर्डमः मेश्रामः ग्रह्मं म्यान् हैं। वसकारमः प्रकारम् स्वर्गानीया ग्रह्मं म्यान्सः हैं।

রমশন্তর বু। । রামশন্তর ব্রহর্টির ইমানাই। নর্বার্থন

पर्वेष. उद्देश । रसमा सेर्च म्सूट में र्द्र स्याध्या.

तक्ष्याच्या । विष्यु प्रसारा स्ट्रीहर स्ट्री स्थाप स्ट्री स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्ट्री स्थाप स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्थाप स्ट्री स्ट्

पक्षताता । सरायविष्युर्धरायात्राक्षतात्रीयराक्षेत्रः। विष्यात्राच्या । विषयात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रीयाः भे क्षेत्रकेष व्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स

र्स्यायाधिका विकान्तः हैं क्षेत्रामिक प्रतित्वीया वर्षिक क्षिक्षा विकान्तः हैं क्षेत्रामिक क्षिक्ष क्षेत्रामिक क्षिक्ष क्षेत्र क्षेत्

बि'बेटा । अ'यमम्बन्धः स्ट्रांट स्याहित्यां य' मटा ।बिंद् 'ग्रीसम्बन्धः स्ट्रांट स्याहित्यां य'

दर। दि'यबेव'गुव'हु'ग्रेश्चिम्य'य'ध्रम्'यर्ख्य' वि । मार'वेम्'यर्गे'यर्थ'येर'यवेव'केर'दर्खेदे' गुरुषा । अ'गुब्बर'श्चिष्ठ'र्द्धिः

यायी र्वित्रप्तयाः सेर्यं यात्राः प्रमाः विद्याः त्याः स्थितः स्थाः विद्याः त्याः स्थितः यात्राः स्थितः विद्या स्थित् स्थित्या स्थित्याः स्थितः यात्रः स्थितः विद्याः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थिति स्थितः स्थित अर्केत्। । त्यवःयः पर्दे रः त्वे त्राचन्वाः वो : यदेः न्याःचलेखा । यन्याःन्नःक्षेस्रकाः उत्रागुतः ग्रीः क्रैग'यदे'यश। विश्वायर'शुरागर'अर्वेयावेट বৰ্ণাশ্ব:নম্মী ।শ্বুৰ:ক্ৰ্ব:ৰ্ম:শ্ব:মগ্ৰীব: यमः अःश्रुमः उत्रेग । त्यन्नः ग्रीः श्रीयः यदमः गानुनः हुः <u>बर् वेर् वेष । जुयः दर जुयः श्रद्भः वर वेद्राप्तरः </u> मुलादरा । तर्भे पात्रावामु प्रमाला हे साधी परा।

য়ৼ৻ড়ৼড়ৣ৾য়য়৻য়য়ৢ৾ঽ৻য়৾৾ঀ৾৻য়ঀ৾য়য়৻য়য়য়৻ঽৼ

র্ষ্ট্রবা ।শূন্ধাস্থামানপ্রন্থামান্দ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্যমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ্রমান্ধ

य। व्रिंग्धेशन्तरश्राहेग्वरेग्वरः मनेग्राह्मश्राह्म

यञ्जुत्। । वञ्जूत्यःयः क्षुः अर्क्कः दयमः हुः सेदःयः । यञ्जूत्य। । वञ्जूत्यःयः क्षुत्यःयः वञ्जतःयः ।

यरेतम्। ।तुसम्बस्यातसम्यायदेःद्वोत्यःकेः ऍट्राया ।मावदायदःर्देवःध्वेरःग्वदास्त्रवास्त्रेवःर्यरः

यर्ड्री | हे.ब्रेन.विरःक्ष्यःक्षेटःत्र्.स.ब्र्यःयम् । क्षे

वे.वय.र्थतर.थयश्चात्रीम। १५वयःवाज्यसः त्रयःह्राज्यस्य श्वीमः । १८वयः श्वीयायः

जूटश.श्रुट.संघ.श्रंश.क्ष्म्याताली टिज.उट्टीर.

ब्रॅंट'मबुस'ब्रॅमब'से'चबर'वर्षेर'च'षे। सि' र्वियादियादेवाद्वयस्य अञ्जीत्यूरायम्। ।यारारी कें'वर्'रेत्'य'रय'श्चेत्रवश्या वित्रम्यायावत

८८:यर्झे व. ५ बी ब्रा. स्व. जू. ५ व. बी. ५ व.

र् मुँदायम् अः शुरुषे । भ्रुवादम् अः स्थितः विस्रा

वर्बेर्'र्र'वर्झेंब्'र्युब्र'र्र'। ।वब्रय'गहब्

ব্রশন্ত্রবর্ষামাদ্রমার্রান্ত্র্রান্ত্রা । ব্রির্বাথ্য

क्रेंतराप्टरणे नेशक्तु अर्कें भी โฐ๊รฺนฺยผฆ उर्'र्षेद्रअ'र्स्'र्म्यअ'शुर्'रेय । (५४'८८'रे

यवितः श्रेंगा ययदः द्वेंश ये दःयम বিমহাথহা स्व.स्य.र्ध्यात्र.तव्य.र्क्त्य.वीत्र.द्व्या । पत्र्य.

चरि:दे:चलेव:केदःग्रद्धःच्यःयद्या । ग्रुवःह्यः दे:चलेव:वेदःग्रद्धःच्यःच्यःयद्या । ग्रुवःह्यः

तपुरम्, भूत्राकंथ.किंस.कुर्या ।याट.लट.ध्रेथ.पविंट. तपुरम्, भूत्राकंथ.किंस.कुर्या ।याट.लट.ध्रेथ.पविंट.

बयःश्रुदःश्चेतःयोष्ट्रयः । विद्यःद्वेतःश्रुवः । इत्याद्यस्त्राः स्वाद्याः । विद्यः द्वेतः स्वादः स्वादः ।

ल. नेश सुबे . जश सूर्य श्री विदे . यो ने यो श सूर्य श सूर्य

यः र्वेग्रासेन् तह्ग् शुरुरेग । ग्रान्तु तर्गे र्ह्ने

মুহ্ম নিশ্ব মা দিব দেখা শুদ্ধ শুদ্ধ কৰিছিল। মূহ্ম শুদ্ধ মান্ত্ৰ

ह्रेब.क्.व.च.च.च । श्री.श्रंब.क्रियंब.जंब.क्रियंव. ट्र.शक्ट्य.च.च.च्या ।ह्र.ब्रंट.ट्रे.क्रंप्ट.ल्.व. क्रुंब.क्.व.च.च.च्या ।ह्र.ब्रंट.ट्रे.क्रंप्ट.ल्.व.

यर मुखाया थी । विकेश से दारें दिस दिया वर्षे हा विकास

सुषायान्य । विश्वसायये र्ने व गुवायम के व वश्वाय सुमार्थिय । कें यन् वे श्वायम के वा

व। । परिःग्वेग्राश्रश्र-८ःपरुशःपशः चैतः पक्षपशः । विद्रम्यश्राश्रवः स्वाः श्रीशः पदिः

नक्ष्मकात्रका । अन्यस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य देवः हेर्गकात्रका । अन्यस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य শং শ্বিশ্বর্ম। শ্বিশ্বর্মা বিশ্বর্মা শ্বিশ্বর্মা শ্বিশ্বর্মা

ଜିନ୍ୟ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୦୦୦ | ୪୯୮ | ୪୯୯୪ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯୮ | ୪୯

यलेता । इस्रान्यायने या उत्राधी लेटा यस्रा नेमा । यने केता सम्राधी सायने सुया यर्थेन

शुरार्डम विदादेरात्यराश्चरार्द्दाशुः स्दार्यदेः

न्त्रमा । प्रयासरा सेवा केवा यहारी बेता यहा. वर्षा

व्या । र्ने ह्यें र है य त्रुम र र ह्य र न्ये

ৼয়৾ঀ ঀৢড়য়ৼ৾ৼয়৾ৼৼয়য়ৢয়ৼড়ৼয়ঢ়ৠৼৼয়ড়য়ৼ য়য়ঀ

ख्व'य्द्रम् । ध्रुव'यर्क्यम्'य्कर'ग्वे'रेव'त्रे न

द्वरात्राचा विषय्ययसम्बद्धाः वश्चराः १९३ ।

चर्निर्क्केव:वेश:g:आ **दे'अर्धेद'वश्रा । व्यद्यस्त्रव'केव'र्धेदे'**ख्द'वङ्गव'

র্ব্রাস্ত্রুমান্ত্রকা । দ্রকী র্ক্তিকার্রা ক্রামান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্

*न्गरःचवेःतव्रम् हिंसक्रः खें*न्सः ह्रेंग्रसः न्ययः दरः वृत्रः परिः सुक्ष। । दयमः सेदः श्रुत्यः त्रकाः चर्डेसः

वृत्र वर्ष देय। वर्षेत्र त्वर्ष मु अर्छेष প্রশ্বানার্ছির শ্রুম ক্রিম । ব্রুমশ্ব ক্রির নেছ্যা ঘরি

<u> ५५८४:५८:गुरु:५२३८। । श्रुरु:२४:ग्रेश्य</u>

र्यर:भर्व:क्रेव:ब्र्य:ल:ब्र्याया । मुल:ब्र्य: इस्र १८८६ में १५ में

र्द्ध्यायायक्रयायम् यह्षाः शुरुरेष । इस्राधरा ह्या

અર્જે: क्रु: अ: १३ २: क्रेंडिं: प्रमा | विषा: अर्केष: क्रु: अर्केंदि:

दर्गे गुव क्वें या शुरू की विदायमंत्रा सुरम्हें हमा वर्गे गुव क्वें या शुरू की विदायमंत्रा सुरम्हें हमा

हि.ब्रैंट.च.रेटा ।श्रुंबश.ब.धेश.बी.शक्र्.रवा.धे. श्रुंब.चर.वेटा ।श्रुंबश.ब.धेश.बी.शक्र्.रच.धे.श्रुंब.

विद्याते। विष्ट्रियःतायाः मुःसर्क्षः द्यायः स्वीयः स्वीयः

ड्रेम । इ.क्षेत्र.क्ष्र्च.क्ष्रे.चर्.चर.मंर्नुमश्रास्थ्र

ଅଧା । ସ୍ପମ୍ବର୍ଷ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ । ୧୯୭୯ । ୧୯୬୯ : ୧୯୭୯ : ୬୭୯୭ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ : ୧୯୭୯ :

यङ्बायायदी ग्रम्यादे यत्वेताम्नेम्बायबायदि श्रूप्णे बदे स्म

यदे:ब्रॅब्स्स्य स्थान

कुदे त्यायानु श्रुमायद्।

र्श्चेव'ययाद्मस्या |हे'यवेव'य्ग्चय'यदे'सञ्चर অঝ'ঝঝঝ'ডব্'ঘমঝ'ডব্'ग্রী। । । নঝম'র্ন্<u>র</u> ম'

ં આ | તાર્સે શું સું સું સાસ્ત્રસંગ્રન્ટ લો નસંગ્રની વા प्रें र से । सिंग्राय सुर्यं मुख्य मुख्य सुर्यः

्रे हे·मरः बुदः विच**र्याः ग्रीसः सर्द**ः यदेः देशः र्देवः

षुगाः कुः क्रेवः चेंदेः क्क्षेवः ययः चतुग्रवः कें।।

इस्रान्यायाद्यारी । वर्षेराया

रयः वृत् । ।यने अः गहेवः य बरः य श्रेवः गर्भअः यदे'पदुर्'र्वेप'वश्रा ।ह्यंप'पविव'पश्चिप'प' यर:कर्:य:यकेश:यर। |कें:रवश:गुव:ह:र्य: । सुदः देग् अः व्यायाः श्रेः ळेंबार्श्वेदायमः विष প্রাষ্ট্রবাথমার্ল্রআ |য়ঽ৾৻ৼয়৾৻৸য়য়৻৸য়৻য়৾

र्वेष ।५०४.५५४.४४.४५४.५५५५५४,५४.

हु'षद्। इिन'द्रक्ष'यर्थ'श्च'षद'से'ग्नि निद्रा । प्रदेर् द्योदे सुः अर्द्धेदे द्ययः यः श्चेदः यरः

र्वेयःयःरे:श्रेरःर्। भ्रिःरःश्रेःयःक्रेःस्वशःगुतः

हेंग'ये८'८मे'र्क्षगशस्तुःकुव'इयश्। ।कुव्य'य'श्च' प्रविदे कु' अर्क्षेत्र प्रह्मा शुरू 'डेम । हि' श्रेप 'देश' म्री स्वराया मुश्रायम स्वर्ग । ह्या क्षेत्र स्वरायया यदेव मित्र स्वराय स्वरायया । स्वराय स्वरायया स्वराय स्वरायया

चलर्च्न महेशल च्या व्याप्त । मिल तक्षा

स्मर्यः हे प्रविदः महाया विद्यः स्यः मह्यः

अन्याद्यक्षेत्रं स्ट्रिस्यादर्श्वरायम्ब्री । श्चिर्याद्यक्षेत्रः स्ट्रिस्यादर्श्वरायम् । श्चिर्याद्यक्षेत्रः स् अभवाक्षेत्रः स्ट्रिस्यादर्श्वरः द्वाया । श्चिरः स्ट्रिस्याद्यः स्ट्रिस्याद्यः स्ट्रिस्याद्यः स्ट्रिस्याद्यः स्

র্ব্রেঝ'মইর'গ্রুম'র্ব্বমা । শুরুম্ম'রর্মাই'র্ঝ' র্ম্ব্রেঝ'মইর'গ্রুম'র্ব্বমাই'র্ঝ' ଅଂଞ୍ଚ^{ଅଦ୍}ର୍ଞ୍ଚ୍^{ଅନ୍}ର୍ଷ୍ଟ୍ର ଅଧିକ୍ଷ୍ମ୍ର ଅଧିକ୍ଷ୍ମ୍ର ଅଧିକ୍ଷ୍ମ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ମ୍ର ଅଧିକ୍ଷ୍ମ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ମ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ମ ଅଧ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ମ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ

র্বিল ক্রিম্বর্মর প্রমর্ম রহার ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম রহার ক্রিম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম করে ক্রেম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম করে ক্রেম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম করে ক্রেম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম করে ক্রিম্বর্ম করে ক্রেম্বর্ম করে

दबुवाक्षे। विस्नानि क्षेत्रकाने क्षेत्रका से दासे स्वाप्त है। दिसुवाक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रका से दास क्षेत्रका से स्वाप्त क्षेत्रका से स्वाप्त क्षेत्रका से स्वाप्त क्षेत्रक

र्दे:प्रॅंशःक्रॅ्रः। क्रिंदःबेदःयःयगग्राद्याग्राद्यः

ब्रूट ता हो | | येवाबा पर पहणा वदा वा वि सः

क्रॅन्'यर'र्वेग प्रिंन्'अ'र्श्चेर'यदे'रूट'श्चर'र्ख्य'

हुःविद्युत्य। । मानेश्वादहेन द्यमः मेश्वाह्य प्रति । हुःविद्युत्य। । मानेश्वादहेन द्यमः मेश्वाह्य ।

ग्रॅंटर्नु:यञ्चस्रह्मा । स्रान्देषा:यन्तुःय:उन्हरः

લિયા.છુવે.સૂવુ.સૂથે.તજા

१८५५:श्रेव् बेश्चानुःग्रादःगीश्चानगानाःचा येद् **୲**ୖୣୠ୕୳୶୶୕ଌୣ୕ଽ୶୷ୠୄ୵୕ଌୄ୕ୣଈ येत्। |พร:รุฑ:รัส:ขิ:มฮฉ:สิ:देश:घर: ম'ন্ত্ৰমা *ૣ*ઌઽ૽ૺ૾ઌ૽ઽૠ૽ૢૼૼૹૹઌ૽૽ૼ૱ઌઽ૽ૺ૱ૢ૱ૐૼૺ૱ र्नेग

ব্রিম্

व'येर्।

१८९े'छेर'र्हेग्रथ'व'अ८श'क्रुश'ग्वद

| घर्म्याः उद्दर्भः वित्रः दिने स्मेतः व्यदः

*ादर्-पोत्र-विश्व-या-मार-मोश्च-यर्कें*त्र-यः यर वेग

ঀয়৻ৢঀয়য়৻য়য়য়য়য়ৣড়য়ড়ৢ৴ৼৄ৾ঀয়

मुल्री विमायायर् सामित्र ब्रह्म रहिमा रहि अदे

म्बिम्बा । प्रेन्यायाधेवाय्वेन्यावन्त्राम्या

क्रेंद्रायर:वेंग | षेंद्रायायाधेदामुयायशागुराया

લુગ'કેવ'ર્સેલ'લુંક્ **।**कॅ्राकेर्ग्याद्यानियेयार्स्य देशस्यायस्य ચેડ્યા

र्वेष । श्रूट पट से अश्राचा ह्रेंट पट से अश्रापीत हिंग्**या**गुटाबेसबायाय<u>व</u>्यायटास्टावी

র্ষমরা ষ্ট্রির:শ্রুম:র্মর:এ:বেশ্বর্মর:শ্রুম: श्रेयश्राधेव यश्रा ब्रिं तर्देगश्राध्यश्राउट श्रेयश

यर्केन्द्रप्रस्थित । व्रिकायकार्केषायदः क्षेत्रायीकाः

यानश्चर्छर। । वायवावर्वदिते सूरमेशया

नर्श्चेर'यम् । सामर्डे**य**'मातृषा'स'मर'यय'दर्हेषा' नेबायदी ।बोसबार्देव क्सबायेव सम्बानिय

ब्रुॅट पर विष । स्र रग्य हेंग्य पदे प्राय

क्रुवबारम्यक्षरावी । विर्धि: सेन् सेसबाग्री:सु

व्याक्षेत्र यह क्ष्म विद्युवा स्ट्रिस्य स्ट्र

८८:चयःचदे। विःगवशः कुः अर्द्धेः येः गर्धेः यह्न

यर:र्वेग । प्रकृर:सेर:सेससःय:यर:यर:प्रसः यदे सें। । अर्वेद से द दें त ते हे पतित स्वा ने र अर्<u>च</u>ेदा । वित्रः भेतः र्देतः यः वेः र्द्धेयः र्केदः यः क्षेत्र । । त्व्यायायेत् स्टार्टे स्टामीया नेयायस र्वेष । प्रायायाया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्वाप्याया स्व त्र्यार्भूटा । मार्वेश्वायायभूश्वायश्वावेशायहेत् रट:बर:ब्रॅय। र्दिन:ब्रब्य:ब्रेस्रब:ग्री:ब्रव्स: ख्नुबार्ह्मव्यायमार्वेम । विनान्नेनान्यायायने

ધુના ક્રેવ પંતુ ક્રૂઁવ તથા वे'सुगानुःके। । अधरः ५८: चयः घः ५तुः अक्वेवः घें ।

धेव। १८६७वे गुव ५५५ अः हें गवा केव वेवा गुर व्या । माउँमा ने बाराबुद दें द हें मुबाय दे मादे द बा

र्घेयः र्वेग । बेवःयः येदः यदेः यदेः क्वेवः क्वुवः कदः

येत्। । यर्क्षवःवहेवःयेतःयदेःवेतःग्रमयःश्चीयः

নার্ল্যবাধার্মার বিশ্বরাধার প্রামার বিশ্বরা

প্টুব'গ্রীঝ'শ্রুবা ୲ୖୢୄ୫୕୕୴୕ୖ୕୶ଽ୕ଡ଼୕୶୶ୄୖଌ୕୵ୢ୕ୢୄୠ୕୶୕ଌୣ୵ येर्'यर'र्नेग । पत्रद्र'तेव'न्य्या गुःदर्हेव'य'

रदःश्ररःश्रीया |८व:र्हेग्राज्ञाःत्व्रुवायाः ४८:प्रांबेवः

<u> २व्रेट्य श्र.२ग । घ.भज.च्र्याच्या श्रटाच्या</u>

र्वेतः ग्रेन्। । श्रुँ बाद्याः केंबा केन प्रानेतः पार्हेग्। बा

<u> લુ</u>ષા કેત્ર મેં તે 'ર્સૂત' તથા

भ्रुः तरः वृंग । तर्जे दः अदः श्रेदः हे देः स्वाधितः अः दग्गां वाद्ये। । तर्जे द्वादे विद्ये देवे हे वे धरः वर्षा । वुदः दह्याः ग्रें वाद्ये विद्ये विद्ये

वर्रे। विञ्चयासेराकेवासर्त्वागुवानुपर्सेसायरा

बिबा.कुर्य.सूर्य.झूर्य.जन्ना

त्रयः हूँ वाक्षा । हूँ वाका क्षेत्रः क्षेत्रः वाक्ष्यः यावरः

<u> हे'र्र्प्युपर्हे हेशयर्द्रपर्वे॥ ॥</u>

ब्रेव बरब मुबर्चेग ब्रिंग्बर पर्देर मुल पर्स्य

वरुषाश्चम्राह्मित्रा । हिस्रात्मारात्मो वाही ह्रोत

र्षेत्रपदेशम् । देश्वरप्रविष्टरसेम्बर्

वस्र ४५ मी । ब्रिंव यस इस ५ म है प्र विव

त्र्यात्र सुरू देश | देश द्विष्ण सुरक्षेत्र विदेश हुत । विदेश द्विष्ण सुरक्षेत्र । विदेश द्विष्ण सुरक्ण सुरक्षेत्र । विदेश द्विष्ण सुरक्षेत्र । विदेश द्विष्

🕴 पर्डे अ'स्व' तर्बा अ'त्युग्बा ब'यदे' वेद पर्गो र र्नेव'चक्रुक्र'ग्री'क्क्षेव'यय'रेव'र्य'क्रेदे'सेट'च' ন্ৰ্য্য ইয়ি |

७७। । अर्देव द्यादे विद्य नुद्य स्वर

য়ৢয়য়য়ৼঢ়ড়ৢয়য়৸৸ড়য়য়৾য়য়ঢ়ঢ়ড়ৢঢ়য়য়য়য়

चश्राश्चायात्रस्य। । न्द्रश्चारम्ब्राय

বদ্ধা:র্ম্মামারশ্বর্দানের । ৠ:য়ेत:দ্রামানের্স্ত্র্মা

यानयः वादः श्रुषाः अर्थेत्। विद्याः यो विष्यः यो विषयः यो यो विषयः य

द्र्यातः क्रुप्तः क्रुप्तः यथा । यादः यथाशः द्र्यातः क्रुप्तः क्रुप्तः यथा । यादः यथाशः

५क्किंट.तसःब्र्ःब्र्स्स्यत्विबाद्यात्रकात्री ।श्विव.कट.

भ्रायम् भ्रायम् भ्रायम्

न्योः र्क्षेय्यास्यापुत्रः याः थाः स्टालेटा । क्वियः स्रस्यः - स्यो स्क्रियः स्थापितः स्थापितः स्थापितः स्थापितः

न्वो'य'वुर'सुय'धुर'यश्चॅ'यश्च| विर'र्झेन'यन्थ'

यक्ष.येट.क्य.स्याक्ष.यभ्रीट.ट्री विष्य.तत्रायम्यट्र. यक्ष्ट्र.क्ष्य.स्याक्ष.यभ्रीट.ट्री विष्य.तत्र.यम्.ट्र.

यह्मयायद्याः स्थायः स्थायः

न्यायस्यः है। यदिवः यश्चितः यः नृतः। विव्यः सेः यदिवः यद्यारका स्वरंभितः वितः ततः। विव्यः स्वरंभित्रः

प्रतिव स्तर्भरम् मुकासिन होन् र्रा । क्रिं रप्रम

गुवःहःविभावसायवुदःर्सेग्राणी भ्रितःपदेः स्वरायसम्बद्धाः

र्श्वेत्रात्मेत्रकेरात्मात्रका सम्मान्य वर्षात्र विदेश । वर्षित्राचित्रकेरात्मेत्रकात्मात्रका सम्मान्य वर्षात्र विदेश । वर्षित्र वर्षात्रकेरात्मात्रका सम्मान्य वर्षात्र विदेश विदेश ।

गर्छक्षप्तयोत्रङ्गेवायायाक्ष्मा यक्ष्मा तक्षमास्त्रते विमानुः सुमानविष्मुः र्वयायमा । स्थि स्वास्यान्याः नेपान्ति स्थितः হী'ন<u>ের</u>্বাহার্স্ক্র'মহা।

ह्य स्वापा स्वापा । विवाह स्वाप्त स्वाप इ.स.च्या स्वाप्त स्वाप

मुर्यः वृदः वृद्या । दे प्यवेदः मृत्येयशः स्यसः मुर्यः वृदः वृद्याः । स्यास्यः स्वयः वृदः वयः सदसः

য়ড়য়৻য়য়৻ঀৢৼ৻য়৻য়য়৸৸য়ৢৼ৻ড়য়৻ড়য়৻ য়ৢঀয়৻ঀঀৣৼ৻য়৻য়য়৸৸য়ৢৼ৻ড়য়৻ড়ৼ৻

হ্য-বের্বিশ্বসংশ্রুব-নেম। श्रेयश्वस्था ।कें.रवश्वह्रश्चार:५य:केंशः

श्रेष्यहेर्छर। ।गरर्रिक्ष्वयदेखेरर्रेरक्के यर:र्वेग |दे:दग:<u>र्</u>देगशायदे:श्रदश:क्रुश:इसश:

८८:वी । १५म:५:४) तत्रयः शुर्वायश्वरायश्रवः पङ्गेवः डेरा । पत्र्रप्तरपत्र्यं भेरेष्य भेर्भः द्वाः

শীঝা | ঘ্রমঝ'ডেন'র্'আন'রুমাঝ'রুন'ম'র্ড্ডুম'

डेम ।हे[.]क्षर.स्ट.केट्.ट्य.क्रॅश.वर्ट्ट्यक्र्य।

श्रेसश्चार्च दे द्यार्केश वर्दे द्युराय वा ।दे

केर्-च्र-इ्य-श्रु-प-श्रुं-प्य-र्वेग ।यन्गाने Jমার্ট্র'মম[.]

८६ त्र अ. भे. ८ स् अ. शु. ४. ४ दे र दे व

 इत्याया व्याप्त क्षेत्र प्रथा

 इत्याया क्षेत्र प्रथा

ଊଽ୲ୠୖ୷ୢୣଈୣ୷୷ୠ୶ୠଽ୲ୠ୕ଽ୕୵ଵ୕ୣ୶ୣ୲ୠ୷ୢ୶ ୰୶୕ୠୣ୷୶୷ୢ୕ୠ୷୕୷ୡ୕ୡ୕୵

|ঘর্ডুম'শুর'

र्श्वेश ग्री मुद्रार्थे त्या श्वेष श्वेष । विद्रादेश ग्रुदा स्थ्रेष । विद्रादेश ग्रुदा स्थ्रेष । विद्रादेश ग्रुदा स्थ्रेष । विद्रादेश ग्रुदा स्थ्रेष ।

ग्रेशस्याः हाराङ्ग्यास्य स्ट्रास्य । हार् स्ट्रास्य

सुरः सः व्यूना यदेः सः व्यतः हो। । व्यतः स्त्र्वः सर्वेना हुः सुरः यह्न वः व्यतः यरः वृत्ता । सुत्यः यः देः स्थः द्याः यदेः र्केश'यहेंब'उंद'। । व्यद'कुप'र्श्वेद'य'गुब'ह'र्श्वद' नुश्राहे। क्रिंग्रायाक्षेत्रामुः अर्क्षेः संदर्श स्ट्रिय्य य'र्र'। ।श्रेसश'उव'क्कु'सर्कें रय'रु'श्चेव'वेर्' र्वेष । अर्देरवः अः त्युषशः क्वायः विषशः यश्चेर्प्तरा ।श्चेंर्प्यःश्चेंब्य्ययःहेयिबेद्यर्गः र्श्चेन केटा । अर्देन नगरि नेट अर्स्ट्स नगपरि वहिमाहित्रत्। । पर्डिसाक्ष्राने वहिते भी वस्र अर्देव ने देवा विकार्केश ग्री नवर धुवा वीका कुया वर्वे हें हें ୬.୯^{ପିଶ୍}ଧାନ୍ତ, ୬.୯.୯୬ ଅନ୍ତମ୍ୟ । ଅକ୍ଟ.ଅ.ଅ.୧୯.୬ ଅନ୍ତମ

<u> इमोर्देश</u> ॥

्री अप्तर्भाषुतः मृत्धः माञ्चर्याः अर्थः यहे स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व

यदे. छेव. ब्रेट. में। क्रेंब. त्यस यत्यम श्रा

्रका ब्रि.क.शु.प्टे.स.प्टेः उर्ट.क्टेर.क्या.श्रट.श्यास.ट्या

शहूर्य । जिया,ताय,लार,उचर,यंबा,चुबा । शहर,त्यं,उयाय,जाल,यव.

ସକ୍ଷୟକା | ମସିଂସାହିଁ ମୁ:ଜର୍ମିମ୍ ଅଂସମ୍ୟର୍ଗ ସ୍ଥମ | ଦେମି:ସକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ୟ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧିକ୍ଷ ଅଧି

लुषी । प्रस्त्वासायाज्ञीसायेश्वसानुष्यः दश्यसा । पर्दः वृः सर्ट्रः जीवाबालुषः

के.य.र्थेम । जर्मा सूच कर्म अस्त्राची । व्यटका सुट स्ट्री स्वा । व्यटका सुट स्ट्री स्वा । व्यटका सुट स्ट्री स्

क्षश्चेर्यक्षेत्र हेव्यास्ट्रियास्यास्यास्य द्वित्यास्य स्थित्र

तसम्बन्धः प्रते : स्वाप्तः स्व

विस्रसः यदेः यः उत्। । यद्याः योः सुः सुः सः सेयाः यो सः

सःसर्वेदःषदः। | स्दःस्रेस्रसःग्रस्यःपदेःष्यःपः यसःस्रेदःग्रस्य। | देःदःवर्डसःस्वःक्वःयःवःदेदः दयगःसेद। । यद्वःदःगदिःसर्देगःस्वःग्वेःवहेदः

वयम। । न्युः वः मार्ड्याः हें मः विषयः वः वः विषयः वः

र्सेग्रम् । अर्द्धत् प्रबट्सें ग्रेश्चर्ये गुर्प्य मुर्

दुश्रञ्जा ।वयःगठेगःधुगःगठेशःयठ्यःगवगः

 क्षेर:त्। ।वुर:कुप:वेद:य:क्षुंग होर:त्। ।वुर:कुप:वेद:य:क्षुंग

दे। । श्रुम्बाह्ये:श्रुव्यःश्रुव्यःसुद्रःव्यःयद्माःव्यः

ग्रेंग्रा ।ग्रथमःशुः चुरः सुतः स्रेस्र स्परः ह्युदः रश्रायाञ्चेयाश्रा । भ्रुर्अर्देया द्यार र्घे ख्रिया यार्थे व यर रगर रहेव। ।गर्षेव र नुर सुर सेसस न्ययः सञ्च केव विष् । क्षिव विष् हे स सक्व पदे यज्ञ निर्धेत्। ।निषशः निर्वेशः श्चित्रः श्चेतः स्विनः सु यर्गायायष्ट्रवा ।गर्डें यें गशुभार्ये रे मुयासून र्ये प्रवित्। व्रिट्टे क्षुत्र ते क्षुस्र से र पत्ना ह्या परे वर्षेत्र। । वुदः स्तुवः स्रोधसः द्यादेः द्योः र्सूदः वुः वः

वत्या । गुव गुर ग्रंभ सम् सर्गे ग सर्व र दर द्ये

_{কণ্}ষামীদ্যবদ্য**র্ন্ন**র।

यःप्रमु। धियाःगर्षेवःरूट् इतः इतः स्वराङ्गियः श्री ह्री | षट:श्रुय:श्रुव:य:वी:प:वग:पक्च:वग्री:।। श्चिताला मुवानी पास्या प्रमाति । किंदा भी दें र

ग्रेंग्रा । षटःश्रुयःश्रुवः रशःग्रेंग्रार्परादीः

त्वक्ताःज्या । क्रिंशः श्रुः श्रू दः तः यद्यतः पशः देवा शः ग्रीः यर्ग । धुग्राग्यकार्देर चेर यक्ष भ्रुव रक्ष

श्रेरःक्षेत्राये। विश्वामुश्रासुमायाने सेटा हुन सेन म्रेम । प्रद्याः यो अः क्षें या शुरुः सुवाः सवाः स्रुयाः

नुन्'यमुत्र। क्रिंश'र्मेश'मुरुप'म्बेल'विद्र'

ক্রন্থ্যমন্থ্র

য়ৢ:ড়ेत्र:सर्ब्य:द्व्य:द्व्या:ह्या ।श्वेस्रश्च:स्वा: ख:पञ्चे:प्रश्च:ह्या:हु:याञ्चेयाश्चा ।श्वेस्रश्च:उत्र:सुव: য়ৢ:ড়ेत्र:सर्व्य:द्व्य:द्व्या:ह्या ।श्वेस्रश्च:उत्र:सुव:

हु:बुम्ब:ग्रीब:अबिव। बिय्यक्ष:उव:गुव:ग्रीब:क्रीब:दम् हु:ब्रम्ब:ग्रीब:अविव। बिय्यक्ष:उव:ग्रीव:ग्रीब:क्रीव:

जाबाद्यवी । भीवात्राष्ट्रियः पूर्यः समाः सुराजाः सेताः १८ । स्थान

वर्षतात्र्। क्रिंश्चित्यायक्ष्ययाये । विद्यायाया

म्हिन्यः । वित्रायः न्द्रः क्षेत्रः स्थान्यः स्त्रायः । वित्रायः स्त्रायः स्त्रायः । वित्रः स्त्रायः स्त

योश्चरक्षा विस्तृत्व,त्य. त्यं , त्या स्त्रीय. श्रीया विस्तृत्व, त्यं त्यं , त्यं यो , त्यं यो , त्यं यो , त्यं यो ,

ক্রনাশ্বাস্থান্য ন্থান্ दर्कवार्वे। ष्टिन् ग्रीः श्रुः कें पञ्जवायः ग्राम्बा सेन्

<u> रयम्' येर 'य स्वम' तक्य वे । क्विंर मश्रुय दिमः</u> हेव:र्याद्युयश्राम्दश्येद:य। रिव:केव:ग्रीशः यग्रदाङ्क्षेत्रयाञ्चेत्रयायश्चा वित्रदायगासेत्यवे

सर्वतः दरः यदे । यद्या । विकायकाः दरः यद्याययः

ર્શે ક્રુમ તુષા ત્રા કે કે કે વર્ષા વર્ષે દ્વારા છે.

ব'ম'ঝৢঝ'বৠৄ৾ঀৢ'য়ৼ'য়ৢৠৢৼৠ ৢয়ঀৗ৾ঀ'য়৾'য়৾'

र्। भिःस्वःभः तर्दः प्रः भः भर्दवः शुभः पत्वाशा

ট্রিব্'অ'স্কু'মাউম্'ম্ব্র্র্ম'মার্ক্রঅ'মদ্ম'র

यशः ग्री: इसायर श्लेव या सामित्र श्लेष विदे

<u> बर्'रा'लर'र्के'यमु'श्चरा'रा'रा'। र्रिश्रांशेव'रके'</u>

सुमा तक्षा | मार विमा दें र र प्या के र सदे य र मा सुर स्था | पि र सुर र दें र र प्या के र स्था स्था र सुमा तक्षा | मार विमा दें र र र प्या के र सदे र

यदे महिरा । यन महिमार्डमान्स्य विमार् र या श्रीसा

सर्ख्व र्चेश्व वश्व। । । वाले से दाय महिता क्षेत्र विता सुश्चा

ড়ৄ৾য়৾৾৾ঀ৾য়য়ৣ৾৾য়ৼয়ৣয়৻ৼৣ৾ঽ৾৻৴ৼয়৸য়ৢঽ৻য়ড়ঽ৻য়ৄয়৻ ড়ৢ৾ঀ৾৾৾ঀয়ৼয়৻য়ৢয়৻ৼৣঽ৻৴ৼয়৸য়ৢঽ৻য়ড়ঽ৻য়ৄয়৻

वर्षा ।दे.वे.विटःक्वःश्लेटःवः अर्धेवःचर। ।विटः अदःभःश्लेःदेगश्चित्रःव्यः स्त्रेटःवः अश्लेषः स्वशःगुवः

हुःर्द्ध्यः विस्नाः स्रमः त्वाः त्वाः या । यदेः विविष्नः विद्राः निष्यः स्रमः त्वाः त्वाः विद्याः वि ক্রদাশ্বামীন্ মেন্ ক্লিবা ক্রদাশ্বামীন্

ন্ত্রীর্ নির্মান্তর বিষ্ণার্মীর জ্বার্মান্তর বিষ্ণার্মীর ক্রিন্তর বিষ্ণার্মীর ক্রিন্তর বিষ্ণার্মীর ক্রিন্তর বি বিষ্ণার্মীর বিষ্ণার্মীর বিষ্ণার্মীর ক্রিন্তর বিষ্ণার্মীর বিষ্ণার বিষ্ণ

इंदु-क्ट्रेंचश.ग्रीश.चंबुश्री सि.शक्ष.चूबे.टेटश. रेत्रबे.शुर.ज.पर्वेज्ञी विर्वा.ज.त्वच.बुर.बैबोश.

पर्याः श्रीम्बार्याः गुवः श्री विष्याः स्थितः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प

दर्भ करका क्षेत्र । । शुक्षः ग्रीः भीः नवीः वाश्रुभः से : इंदर्भः क्षेत्रका क्षेत्रा । शुक्षः ग्रीः भीः नवीः वाश्रुभः से :

दग्रव्याचा ।दग्रमी से दग्रे चित्र विद्या सर्वे व्यार्थे

 コタマー教 | コスカー教とは、
 1日本日・教とは、
 1日本日・教

रयःहेवःगशुस्रार्श्वगश्राप्तयदःवेशःर्क्षन्यर्वगशः য়ঀ৻য়ৢয়৻৸য়ৢয়৾য়য়৻৸৾৾ঀড়ৢয়৻য়৻য়য়৻ৼ৾য়৻ বৰ্ষপ্ৰাম:মই্ল:ল্:বৰ্ষৰা বিষয়:শ্ৰুয়: য়৾য়য়৾৾৽ড়য়৾৾৽ঢ়য়ৼ৾য়৾য়৽ড়৾৽ঢ়ৄ৻৸ঀৢঢ়ৼড়ৢঢ়৽

श्रेयश्चरपदः इयश्यः भूरः चः चन्ना । देवः येदः ষ্ট্ৰাক্তির নক্ষাক্ষা নাম্ব্রি এই নিক্রাক্রি । বিক্রী

নবি'শ্ব'শ্বি'শ্বীশ্বানবৈ'ন্ত্রীশ্বান্ধ'ন্ন'।

৴য়ৢ৾৾ঀ৽ঢ়ঽ৾৾৽ৠয়৽ঢ়ৠয়৽য়৾৽য়৾৾ঢ়৾য়য়৽য়৾৾৽ र्वेशगुरक्षेप्यदेवप्यवर्केंद्रधेवप्यक्षस्य।

মর্ক্রমশ্বার্'বশ্ব'র্বর'অশ্বর্'ম। । গ্রহ'

सेर्'यश्र'दर्'वश्रम्भाय'संस्थि'र्ये'वश्रम्भा

यञ्जयत्वे.ताय.ताया.भूषा.त्य. प्यमुत्। ।या**श्वरः** भ्याशः ८४१.१५४४.४१.४१५४.५५.४५४४ । ई्र्अ.स. यःलुबार्धः द्योदः यबः तुबाय। । धीः र्द्धः र्श्वेतः ८८.कट.परीट.ज.ब्र्याचाता । ४८.घषुष्रीय.घ.य. व्या क्षेत्र वास्त्री । क्षेत्र वास्त्रीत्र क्षित्र विकास विकास

ल्.यनवाश । श्चितशः क्रिंशः र्यटः श्चेरः लः श्चेवशः

বস্থিব:ব:রমশ্ব:মার্থ:র্য:বর্ণশ্বা 🕽 স্ট্রেন:

ସିଁदेॱଝିଁଈ'ସଜି'ଝୁମସ'ଊୁ'ଊ୍'ସକୁମ୍ | ସମ୍ଭ ଋଧ୍ୟା

क्षरः र्झेरः यनगर्भा के अः युर्भा क्षें र स्वा विशेषित र्क्यामिस्रायक्यायासर्चयाचीयाचीयम् । विना

सम्रायायते द्रास्त्रम् सम्बद्धाः मञ्जूमः । अत्रायः । । अत्रायः । । । अत्रायः । । । । । । । । । । । । । । । । ।

ক্রনাধ্যস্থান্যন্ট্র্রা र्चे प्राचाया । विक्षा क्षेत्र व्याप्त विकासी विकास

नेबा विस्थायदे सूद य सँग य सर्वेष र्षे

বৰ্মৰা বিশ্তীন্বামন্ত্ৰবিশ্বৰাম্বাম वर्षायम् । इत्र नुमार्च्यायार्वेद र् र्षार्चेद

क्षरा हिंदि तहिषा अपूर्वा तर्शे दाय के दार्थे

यनग्रम्। सित्रकरः र्झेयः सेयसः येरः वः येः वर्गः

यम्। धिवःकरःभ्रेगःयःचयःग्रदःभ्रेःदगेदेःयम।।

<u>৴৻ঽয়৻ৠ৻৸ৠ৾৾ঽ৻ৠয়য়৻৸৻৴য়৻৸ঽ৻৻৸ৠৼ৸</u> यरे. योचेयात्रा. पूर. रात्रा. भर. ता. श्रेत्रा. यञ्जा. ग्रेका । प्रद्याकुर र्षेट्या शुर्वा प्रमः विद्या श्रीका

र्क्रेयम। ।गल्दाश्चिमान्गे पानुनायार्वे मार्थे

_{কণ্}ষামণ্ডান্ ळें। १२े.ज.स्मार्नेमार्थः ५मेदः अअअः सुरुषः

वया क्षिरःवयः नगदः तयः हेवः सुः षोः स्टबः व।। <u>ୖୣ</u>୵୴ୖ୳ୣଈ୕ୣ୵୕୶୕ୣ୶୶୷ୠ୶ୄ୵ୖୢଌ୕୕୷୷ଽ୕୷ୢୄ୶୕ଽୡୄ୲୲

<u>देःष्ट्र</u>ीरःदयम्बाराः इस्रायः दर्शे क्रीः प्रेया । दमेः वःग्राटः तञ्जूतकः गुरुः वःषे : उटः देः। । व्रु: ये८: ग्रुटः

कुय अर्केग फु श्रेसश पश्चे द तथा विर्मे देव मु

ळेवॱसर्दर्याणे सरार्दे। । सी दमो पद्धार्ये सुरस

य'न्बो'न'न्ड्। ।बाब्द'ग्री'र्श्वेन'श्चेद'य'

गर्नेरःच:५८। । भूभःय:शुर:बेर:चरेव:यर:श्रु:

य'र्रा विवेव'य'श्रूअ'र्र्रावे'र्व'र्र्र्र्यंराश्रू॥

र्देव:५८:४व:४४:गह्रय:चर्हेद:४६ें५:४:४८:। ।

चुअअर्द्र श्रेट्र हें क्वें अप्तेट कें अप्य हें द्वा । द्वी प्र

बर्बा क्रुबा व्याप्ते व्यापते व्

य'रे'क्रस्य ग्राव'य'षे' स्ट'र्टे'। । ध्रिंग ब'यहुदे'

वहेगाःहेतः रवाः वद्यस्याः वस्याः उत् व । हिंग्याः

গ্রন্ম'শ্রিম'দ্ব'দ্বি'মট্টির'ঘম'লার্মিমা ।মন্ম'

मुश् वृद्धः श्रेयशः यश्रृष्ठः यह्त्वः द्योः यदेः यश्रेश।

য়ৢॱ८५ॱ८५८:घरःघबे५ॱगुबः५ेॱ५मःथ। ।য়ुः८४: য়ेॱ८५८:घब्मशःघरःमर्सेखःघः८५घश। ।

यदेशःसर्क्षेत्रः यद्गाः गीः दुशः गशुसः द्योः यः इसश्रा। वदेशः सर्केतः यद्गाः गीः दुशः गशुसः द्योः यः इसश्रा। गुर-न्नु-भेर-नुर-हुत-धुर-र्वेत-वशा । । वस्र

यक्ष्यात्वें रायार्दे राव्याञ्च म्यायात्वें रायां स्था । दे स्था । विद्यायां स्थायां स्था । विद्यायां स्थायां स्था । विद्यायां स्थायां स्था

<u> २८ २: मु: १३ १ । । ५५५: २ मु: १४: १३: १</u>

উন্'ন্ম'র্ক্রম'র্ক্রুন্।

|प्रश्रम्याद्यः द्वेत्रः गुत्रः क्रेशः

द्य्यः धरः प्रवेषः । । प्रमुषः दरः दर्यः यः । व्यायः सः क्षेत्रः द्युपः । । यः सुषः द्वः दरः स्वः यः । द्युपः परः विषाः । । प्रमुषः दरः पर्यः यः यः । दम् प्राप्त । विरायते श्रूष विषय श्रूष्य विषय श्रूष्य । विरायते । विरायते श्रूष्य । विरायते ।

दवः र्सेटः स्वाप्यस्याय वेदा त्वाप्येत्। । व्यास्येतः

यरे क्रीर से हमा त्युरा । दे त्य क्रमा सेसस क्री

वरःर्वेष विषायायेऽ वश्रारः स्रेतः वर्गा विर्वेरः

<u> श्</u>रुवायदे अद्यासुयार्दे न प्रमासेन । । प्रमास्तित

नमें तर्व वर्षे र ग्रीका पर्क्षे र । । यत्व त् यर्षे व

श्रुयातर्त्तेव यरार्वेग । दे यर्वेदाधेदाद्मदासूदा

वायर्भेत्यः क्षेत्रः स्टा | दोः याः क्षेत्रः वा वायर्भेत्यः क्षेत्रः वायः स्वित्रः वायः स्वित्रः वायः स्वित्रः

भ्रेष्ट्र क्षे. म्रुक्के क्षेत्र क्

के.टे.बस.ब्रें र.सरीय.ब्र्यामा.सम्मा । भु.स्या.श्री. १.टे.बस.ब्रें र.सरीय.ब्र्यामा.सम्मा । भु.स्या.श्री.

भ.श.तमायधेयो विधायाधेयःश्री.श्याम् । १८०१

त्रमः वृंग विम्येद्रम्यायम् विक्यास्य विक्याः स्यान्त्रीयम्बिसः स्याप्तम् विक्याः विक्याः विक्यान्त्रीयम्बर्धाः विक्याः विक्याः

केश्रक्षेत्र'यर्डेत्र'त्रश्चर'य'यत्त्रेत्र। ।यदे'य'उत्

मुं विद्यायस्य ह्या । विष्य स्था । विषय स्था । विष्य स्था । विष्य स्था । विष्य स्था । विष्य स्था । विषय स्था । विष्य स्था

ক্রণ**ঝ**ঝেন্সেন্ট্র্র

उव् तु ख्रीव प्रश्नेष । ते स् अरक्ष स्व र्वेष । अर्देव ख्रुय प्रत्वेष । यद्वेष अर्थ प्रत्वेष । वि स् अर्थ प्रत्य स्व विषय । विषय ।

ब्री'क्ब'प्रवि'धे'अर्क्चेग्'शुराया । श्रे'र्नेग्'पर्ट्वेदे'

क्षेट र्ये या । पह्रम हे क्षे या येव यर र्वेग । क्षर

उैग'र्हेन'य'स्**अ**'र्ह्सग्रान्य। । प्रक्रंन'न्ये'स्न

वयायायतःया । तहिषाःहेवः। यस्याःवेः ग्राम्याः सेरः

_{কণ্}ষ:মे**৲্**ন**े**:ৰ্ষ্কুৰ।

र्नेगान्त्री विद्रान्यमास्त्रीतान्त्री विद्यासर्वेदार्सिम्। বর্ষীর্বার্যার্ক্সীর্বারার্বার্যার্ক্সীরা বিশ্ব यदे अधिय वश्यक्षेत् यदे श्रुव। । यश्य अ भियः

বস্ৰুষ্ণ ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম ব্ৰহ্ম বহন

अर्केन्यरर्भेष । ने कें ने यंवेन मनेष्याय ने॥

तर्यात्रमात्यास्रीत्वयुरार्विम् । भ्रिष्ट्रास्यायमातृतस्रो

म्बर्द्ध वे व्यवस्य । अ के मिन्न वे वे वे वे यम् । अदशः मुक्षः वयः सहयः धुः प्रदेः र्क्केवा । देः

देर'वदे'श्चेद'र्थेदशःश्चेंद'ख्व। ।**अ**दशःश्चशः

ब्रेश र्ज्याच्यास्य स्यान्य स्वतः वर्षः वर्षः

यदे·अ्अॱर्वेच·र्वेम । श्रे·श्ले·र्देम्अःयदे·वेःर्सेशः

स्रच्यूत्र वियायम र्वेग । वय प्रमुळे दे रें अ র্ষ্রশব্বা । মহাক্তুদ্প্লীব্যস্তহার্ল্যাথ্যমহার্কীশা য়ৣব'মঝ'য়৾য়য়য়'৻৴য়য়ৢ'য়৾য়'য়৾য়। ।য়ৢয়'য়য়' शुर्चि इस महिका ग्रीका । ग्रीका ग्रीका पक्ष प्रकार में र हेशपत्रम्भिष । १३४ मे प्रवेद र् सुँग्रापर् พิโ โฆะฆ.ฺฺขิฆ.ฺขิะ.ฆฺฆฆ.ฺะฅม.ฆฺะ.ฅโฐะ.

दर्चेत्र'यदे'ळे| |दे'द्रम्'गुत्र'य'पश्चेत्र'यगुर' विद्रः||र्ळेशग्री'यदुद्र'ई'र्वेद्य'यर'र्वेम्|ह्रु'दर्धुय' वेक्स्यायेदेच्यायेश्च

यर्गेत्। श्रिःर्तेःतेःत्वाः इस्यः श्रः दर्गे। श्रिः यश्चितः देवः द्युदः देवः व्यतः स्याः स्याः श्रद्धाः । श्रेः यश्चितः

बी मिक्ट्र,त.रेंबाशकाः सक्ट्र,विबायकाः क्रियाता. बी मिक्ट्र,तारेंबाशकाः सक्ट्र,विबायकाः क्रियाता.

र्थानसम्बद्धाः विकासम्बद्धाः स्थानस्य

श्चेयःयरःर्वेष विंतःयःतरःश्वरःवें उत्रा हः

वि.य.यम्प्रेम ।श्चिषःम्बरम्याच्यासः वि.य.यम्प्रम ।श्चिषःम्बरम्याच्यासःपरःश्चितःसः स्याम्बर्धः

दर। विष्यः ह्र्यास्त्रः स्वीरः वेष्ट्रायः विष्यः । इत्या । विष्यः ह्याः स्वीरः वेष्ट्रः वेष्ट्रः विष्यः । विषयः दरः मन्यक्षक्षत्व । श्चिमः त्रास्य व्यास्य विकास । मन्यक्षक्षत्व । श्चिमः त्रास्य विकास ।

वित्यः श्रीः के दिश्चा विद्याः विद्या

केव'वेट'। विंग्राय'ये5'यर'धेव'यर'र्वेगा

यभ्रेषायबरायदीयाः भ्रेष्यायदेशस्त्रम् । प्रमेषायाः म्यास्यायेतः स्व

विश्व त्र स्व विश्व त्र स्व त्र स्व विश्व विश्व

प्रचर पर्दे . ले. अरश में श्र स्था | पर्द्या हेव.

दर्न व व य दर्वे व खें। | ह्र द खु य क्षें च क ग्रीक

ভ্ৰম্প্ৰান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষ্মান্ত্ৰ ক্ষমান্ত্ৰ ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত্ৰ ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক্ষমান্ত ক

क्रेंबान्त्र । श्चिमः यदः यदे : क्षेत्रः विदायमा स्। ।

র্বিল্বাম্যমৌদ্যমমের্বীবেমর্ক্রিলা ।|ঝ্রম্বাস্ক্ররা

वे.प.विषाविषायक्यः ह्रॅंटास्य ।पकुराद्धः सार्वेषाः बरबाक्कबाबिदाग्वि । विवाहबादार्गेदाया वस्र अन्तरम् वर्षे वर्षे स्वराय । विदायस्य स्त्राव অঋান্তদ্বেশ্বশৃষ্ণান্ত্ৰ-মৌদ্য বিদ্বদিন ডব্ৰু: बिदरदेरःश्चेरप्रसर्वेष । देवरकेवरश्याविर्विदर ষ্ট্রিমঝ'অগ্র'মহিঅ'শ্বুম্ **।**षदशःश्रेटःकुःकेः ।सववःवःवेसःवेरः ग्रह्मयः बेटः देंदः बेटः दयर।

यहेग्राज्ञ'त्यम् द्वेद्र'य।

यदे विटारेम क्षेप्य भितः केत्र त्या स्था

स्यश्रक्षेत्र प्रमुत्र। दिःश्रेटःश्चुत्यःयदेःग्वःश्वेत्रश्च अतःश्वेतःश्च्या । व्यःत्रःश्चःश्वेदःश्वेत्रःश्चे।श्चः स्यशःश्चेत्र । दिःस्रवःयवेदःवेदःवेदःदेरःश्चेःयरः

่ ขุ่น รุน ขาน พมา คิรา | ใช้ พารุ มาลนา ผมพา

स्य । भूभः कृते कु ग्रुटः से दे 'वर्ष ग्रेटें हे न

यदः। १८,यधुषःचर्टरः झुषः मी. ह्रीटः घः इत्रमा १८४. कुषःचर्थः चर्यः सम्बद्धः सम्बद्धः

 क्षक्षक्षर विष्य । भ्री विभाग स्थापिक विक्षा विभाग वि

र्षा'गश्च्य'वर'र्र्र्यार्वि । । र्षा'र्र्र्र्य्य' व्यक्ष'यवयः ईर्'याः श्वेषाश्चा । श्व्या'यश्च्य' वयश्चर'वेर'र्र्र्याश्चिष्य' । यर्रे'याः केव' व्यत्ये विर्देर्यः श्चेष्य । युर्येर्ये अर्थेर'र्वेर' यद्य'वश्चे श्चेर्यं । युव्यार्थे हिंग्यं द्विरे

५८:८व:र्बेट:क्वु:घ्रे:ग्राम्बा । विव:र्बेट्ब:र्वा:विः

श्चित्रः त्राविः त्याः सद्याः । विस्त्रः त्राव्यः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त् स्त्रां स्त्रः स्त् स्त्रां स्त्रः स्त् म्बर्धाः स्वर्धः स्वर्धः स्वरंधः स्वर

द्वःस्रअःत्वुदः। । भिर्त्वेदःशेरःचेद्रशः द्वेद्रशः । । भिर्त्वेदः । । भिर्त्वेदः । । भिर्त्वेदः । । भिर्त्वेदः

यहेंब्र'य'सेट्। ।ग्राट्यर्ट्ड्, सक्ट्रेंट्, सक्ट्रेंट्, स्ट्रेंब्, स्ट्रेंट्, सक्ट्रेंट्, सक्ट्रेंट्, स्ट्रेंब् सहित्य व्याप्त विकास स्टर् स्ट्रेंब्र स्ट्रेंच्, सिंग् स्ट्रेंट्,

क्ष्यात्यःश्चित्र विद्वात्त्रःश्चित्रः स्वात्त्रः श्चित्रः स्वात्त्रः श्चित्रः स्वात्त्रः स्वात्त्रः स्वात्त्र

यरः र्वेष १२:५८:वेंशः सुरः वीश्वः शेः र्वेषाः करः केवः यययश्रा १२:५८:यर्ज्ञः सुः युरः वश्वः अवः उ५:यशा

त्ययम् । पिट्ट्रियञ्च स्ट्रियः ह्याः हः त्युरः। । स्ट्रः स्ट्रिट्रः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट्राः स्ट्रेयः । स्ट्रः स्ट्रिट्रः सर्वेद्रः स्ट्रियः स्ट्राः स्ट्रियः स्ट्राः स्ट्राः ^{ङ्गश्ची} अदि:स्रेन्स्क्रेंश स्रोद्रःस्रेन्द्रःस्रेन्स्क्रेन्स्क्रेन्स्क्रेन्स्क्रेन्स्

यर्देरकें रेवकेव हो पत्र प्रक्षा । व र हेव विर

यदे खु र्से रु सम्भान्त्र महिल्स स्वा प्रस्ता । यह मा सम

वर्देरकें रेव केव मावया धरायदा । वियासरा

स्तुः मुद्देश्यः स्त्रां स्त्रां स्त्रां । स्त्रिः स्त्रां स्

यम्बा । प्रतृत् ईते हेट स् स् सुर देश्वर । यह । ।र्दे यह यह स्टिन् हेर स्

लुर्न्यवेष्ट्रस्यायायदेः विद्युर्न्स्य विष्

विटार्ने राहें मात्रायदे सद्या मुत्रा दें र र प्या से र ।।

याच्चित्रः स्त्रान्य स्त्रान्त्रः स्त्रीत् । वित्रः स्त्रान्त्रः स्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्त्रः स्त्रान्तिः स्त्रान्त

<u> ने:श्चेन:ने:श्वे:ल्वाका:वर्ष्चन:व्येन:व्यं</u>न ।वय:

विगार्देर र्यमा सेर रे विषय माने मुन्ना प्रञ्जीय

क्रिंबारहें व प्रश्नेष । श्रेंदायाद्या क्रिंबा व्याप्त वे

र्वे रद्याया । श्रुव रया ग्री वेग्या दे सर्देव यर

७व.त्रर.सूर्य ।श्च.ष्ट्र.तश्चरातात्त्रेय. १४.तश्चरायहःश्चर

वै। ।यस्यास्यान्याः सः द्याः चल्याद्याः यदेः

ळें। मिया.धि.वयश्चारायश्चेत्रायश्चेत्रायां राष्ट्रीत्राया

ळेव'र्वेच'र्रहम्'हु'र्यो'य्यय'र्वेम् ।रे'व्यायद्य

শ্ৰীশ্ৰাস্থ্য ব্যাহীশ শ্ৰীশ্ৰাস্থ্য ব্যাহীশ

র্মিগ্রামা

येदःस्य

याल्वर्त्। विशेष्टर्स्यश्रायदेश्यरश्चित्रः याल्वर् । विशेष्टर्स्यश्चिश्वर्त्तर्भाक्षेत्रः याल्वर्त्। विशेष्टर्स्यश्चिश्वर्त्तर्भाक्षेत्रः याल्वर्त्त्। विशेष्टर्स्यश्चर्यः श्चेश्वर्त्तर्भावः श्चेवः याल्वर्त्त्। विशेष्टर्स्यश्चर्यः श्चेश्वर्त्तर्भावः श्चेवः

वस्रश्चरा । विवाहना वेश्वरम् वेश्वरम् वेश्वरम्

|२२५-अ५-अ५-अ०-व्याप्तर्मे: देव-५५०

१८,त्वुष्यम्बेषासात्रपुर्वे,सुर्वे,त्यसूर

ন্বশ্বইণ্ট্রণ মর্ক্রণ্মশ্রর্ক্রণ্টণ্ড্রণ

र्केशः गुवः वहीवः र्वेग । देः वशः यद्गः में रेकें देः

यहेश्यायवम् । विदायस्य देवसादमायदे विदा

येत्। ।कॅं.र्रःषं.वेशःर्यमायेत्रःवर्ड्यःस्वः यत्रा ।गरःवेगःष्ठेतःग्रेःयर्ज्यःवेःश्रुःयद्वः

या क्रिंव मी त्या मी इस क्रिव संग्रित कर या हिं

कु'तुमा अर्कें त' मार्ते द' श्चेत शेत र्यं 'श्चेमशा ।

दह्मेश्रायागुर्वात्यशङ्गेष्ट्रियायम् सुरम्।

ব্র্রমার বিশ্ব-বৃষ্ণ প্রের প্রমার্ক্রমার নার্ন্র ব্রমার বিশ্বনার বিশ্

श्रीशः भूत्रा । । शर्मा मैं श्रम् श्रम् या से साय है

রীর-রূমমার্বন। ।ॐশান্তর-মৌর্য্যুমার্বর-

কশ্ৰাস্থান্ত্ৰীন্

<u> व्वेत्रस्य अप्तरा । प्रमो पर्तुत्र भ्रो ख्रेत् पर्तु अप्यदे ।</u> त्रुव:क्रुवशःग्रीका ।हि:क्षुरःर्क्केव:यम्रायह्य:वर्षवः त्र्य्यः प्रमः वृंग । ५ में व स्र्रें व स्रुधः व स्रुधः व स्रुधः व वर्षवार्वा । १५५ म् वर्ष्ट्या पर्द्युः पाष्ट्रासार्वा म् वृष्टी पर्द्या तृ। श्रॅब यस त्युय यदे मा अन्य । प्रेमें व सर्केम मा अस ज.क्षेय.तक्ष्त्रज्ञ्। वि.म्र्.मर्के.मे.ल्। व.म्र्.भ्र.मे. षी वर्सेष्रहासानीषे षे कुर्ने विश्वहर्ति वश्वनाम्बर्मा तक्ताव तर्वश्चा हो स्पृत्या । त्रिक्षा स्यायम् । विकास स्यायम् । उत्तरिक्ति वासायम्बिमायनुवायवात्रक्या स्वायने साळगाया दत्तिरःस्,^{ख्र}.२्य.त.क्य.त। च.त.येत्रःश्लीयश्चितःधिःपश्चीरःयेश यदे.य.२४. म्री. खुट.।यश्रमा. खुट.ज.२४. दुट. हुट. यूचे. शुट.ज. चज. शू. ক্রণঝারীব্যবিংশ্লুবি।

चदःकुरःशुरःद्वेग। ॥

श्चुरिन्द्रप्यश्चः मार्डमामीश्चर्यह्रेत्रत्व। क्रेंस्ट्रीरः क्रेंद्रेर्यरः कद् शेवा

*५*८। यङ्क'५ग्र-र्ये'.वक्के'.क्षे५'.स्'क्क्षुं क्ष्य्यक्षेत्रा युक्तिस्क्षायः क्षेत्रा वेक्ष'५क्षे

। परे क्रिंव पश्चाय पत्तृग्य कें।।

জি'ম'র্ন্টঃ ই'মর্ক্রম'ঝ্রম'রুর'ঝুর'মারে

गर्षेत् त् स्रोयश् न्ययः यद्यः क्रेत् वें यः स्यशः यः

ধ্বম্বা ক্লুৰা গ্ৰম শ্বীমা দ্বাদ্য মীন্ এৰ্দিম শ্ৰীমা

वर्भे रः वरे भ्रेर रें अर्दर द्यम हि सेर य

षिः वरे.व.३४.७४१.व.व.५८७८१४४४.५८%

यन्मान्ते तर्ने न्त्र अं कें तर्वे अं शुरू स्था वन् । क्रे प्त

ग्वित ग्रीकाय राम केंद्र या देश दे र मुक्का वका

ब्रूट्यम्य प्रत्याय प्रत्रेश क्ष्याय प्रत्या मित्रा विष्या य प्रत्या विषया य प्रत्या विषया य प्रत्या विषया विषय

শ্রুষান্ত্রমার্থারম্বরাজ্ব শ্রীরাঃ দীদার্থার্থার

दब्दायायम् वित्राचीसायस्यात्राम् विस्थायकीते स्व

यकुर्द्वेषाष्ट्रासार्चे द्वात्र्यो स्वात्र्या विश्वयाय दिन विश्वयास्त्र

ૹ૾ૺૡૹૢ૱૽૽ૣૼૼૼ૽ૄ૾ૺૢઽૣઌૢૼઽૡૼૼ૽૱ૢૢૼ૽ૹૢૹઌૣ૽ૹ૽૽૱ૡૡૢઽઌ૽૽ૢ૽ૺૡ૽ૼૹઌૣ૽૽૽૽ૢ૽ૢૢૢૢૢ૽૽૽ૢ૽૱ૡ૽ૺૹ૽ૼૹ

पत्त्र'व्यं मर्डें' व्यॅक्ट इससा ग्रीस क्या म्बिम्स प्रति सें स्टस मुस सूट

र्वेषाद्यायात्रेद्याङ्ग्याद्याः स्थायः स्थायः प्राच्याः प्राचः प्राच्याः प्

ग्रम्भुम् त्यायर्केन् पायस्य । मुयायरे पङ्ग्रम् या

दवेषाश्चू र डेग्राः ५ग्रे ना श्रेस्रश्च उत्र गुत्र प

বাইঃ বের্গ্র'শ্ব'শ্বম্প'র্ক্তর'র্র্র'র্ত্ত্রম'র্ন্তবাঃ ব্লী' **३** वस्त्र अर्थं अर्थं स्त्र में स् यःश्चेत्रःशुरुःचेगः श्चेतःगवेशःदगःतशःर्केगशः *हें* ग्राच के कें मेर वर्ष येत्र क्राया हैं ग्राच विवास বর্দ্রস্থার্ম্য রবাঃ বর্ণ বান্তর ব্রেক্সী গ্রুম উবাঃ क्रुेबावबायज्ञदीवानुःक्षेः युबाहेवादीयाबदबा मुसर्नेगः गुरस्तार्वेयः वसाहे सेर त्ः सूया

पद्मारम् प्राप्त प्रमुद्धाः देशाया

त्रित्रशत्वात्रात्रीः ध्वीत्रश्चित्रश्चित्रश्चीत्रश्चीत्रश्चित्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्यात्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्यात्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्रश्चीत्

श्रुराथावर्षः यदे।याउवाद्गायहार्षाहेःश्रु।यरः

मुल.यपुर्यक्षां यहिर गाविच र्य विरायधार प्रमाः

यीय. थे. पाचर. त्रांश भिय. तर्. याखेर. पर्योत. यशः

ৢ ৸য়ৢ৴য়ৼৄয়য়৻ৡ৾৾৽৵য়৸য়৻য়ৢয়য়৻য়৾৻৻

ेख्या । । इ.स.चे.स.चे.स.चे. दर्ने पञ्चर्यायश्चायश्चर्यायः ह्र्रिटः तुः

यसम्बद्धाः विक्रम्भायाः विकासी विक्रम्भायाः विकासी त्रिया. तक्ष्या. ज्ञां । इत्रमः ५ वृः याः ५ ईः ५ त्या । । । असः ५

य. उर्थं स्वा. क्रूंट. री. पश्चाशा तपु. क्रुंबी. त. लट. श. जीश. त. बटे. तर.

व्युर्भा वर्डे अप्युव यद्या दे प्रविव मिने माया प्र रततायबराजास्यातस्यात्र्। विस्थास्य

य**्या ने** प्रवित मनेग्रास पा न्यया चित या धुग

_{ગઢ-શ્રષ્ટ્રનશ્ર}જ્ઞાથા ગર્સેઅ'એઠ'લઽઅ'દે'ગઢેઠ'યાનેયાઅ'

यः इसः यरः सर्देनः यरः सन्निनः यः तः स्वानि वाह्यः । यर्द्धसः स्वानि वाह्यः । यर्द्धसः स्वानि वाह्यः ।

च्चा । ब्रि.स.च्चेर.वुर.। अंश्रय.स्व.चेर.ट्व.श्चर.त्यस.चर.

ग्रह्मद्रशःयसःवदिःर्ड्यः सेःश्लेष्ठग्रह्मायः सर्द्रःयः ग्रायः के। 🕴 गृतः सेगः

क्यायर ब्रूट यहंद छी माबुट बा ब्रूग बा के विकास के विकास

য়য়৻ঀয়৻ঢ়৻য়৻য়৻ড়৾৻য়৻য়৸৸ঢ়য়য়৸ড়৻ড়৾৻ড়৻য়৻য় ড়য়৻ঢ়৻য়য়য়৾য়৻ঀ৾৾৾য়ড়৸৸ঢ়ঽ৻য়৾৸৻ড়৻ড়৻ৼ৻ড়৻য়

क्षु त्या मान्य अङ्गु । प्राप्त विद्वार प्राप्त विद्वार प्राप्त विद्वार प्राप्त विद्वार विद्य विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार

स्यात्रायम्बर्धान्यः विक्रित्यः स्वाक्षात्रे विक्रास्य स्वाविक्रित्यः स्वाविक्रित्यः स्वाविक्रित्यः स्वाविक्रित

নার্বেশ:শূনাধাপ্প:শূর্নাধা ॸॆॱॴक़ॣॕॱॾॗ_ॱॖॖॣॖॖॣॱॴॱॸॖॱॺॣॱॴड़ॱॸॆॱॺॷॵॗॱॻॖॾॣॗॱॴ

55 द्या कॅंगिंगां वे गां या वे। र्रें खं वे। र्रें खं वे।

र्हेल की हेल की इन्सकी इन्सकी सफ्रेफ़्का यं फें ज़िवा अस गाम्याय दे या दृष्टे मे अस अ जू

वुदुः वु रु विकादेवः यवः व्यवः ग्राटः वयम् वायः यवा ग्रीः श्रीयः यह्न या

यरः ह्येंदर्यः देशः तुः यदेः ग्रह्यः दिने रहेनः त्या हिन हुना हुन्य हुन्यः यहेंद

त्श्रुर-र्रे। ।र्थायाश्रुयार्-चन्नुबायर्हेर्-चिबाय-सक्सवायोर-पास्पिचर

यर'त्शुर'र्रे। ।यन'गडेग'य<u>त्त</u>्रेस'न,क्ष्स'नन'य'र्रः ही'यस'नन'य'

५८:वर्गःश्चे:विश्वःयःवस्रश्चर्तःश्चेरःयमःत्युमःम्। विश्वःगश्चरशःश्चे। ॄ

व्यवस्य द्रान्त्र्रम् श्रुणमा ग्री माइतमा श्रम्मा भाषी । व्याप्ति स्याप्ति स्यापति स्याप्ति स्याप्ति स्याप्ति स्यापति स्यापति

ૹ૾ૻ૽૽૽ૺૡૢૻઃઌૻ૽ૹ૽ૢૺૢ૱૽ૢૺ૽૱૽ૹ૽૽ૢ૽૽ઌ૽ૹૣ૽૽ઌ૽૽૱૽૽૾૽૱૾ૺ ૱૱ઌ૱ૹ૽ૢ૽૱૽૽૱૽ૺ૱૱૽૽ૹ૽૽ૹૣ૽ઌ૽૱ૣ૽૱૽૽૱૽૽ૺૹ૽૽૾

न् पर्यः म्यान्यः व्यान्तः व्य त्रः पर्यः व्यान्तः मान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः व्य

र्से र दू र प्यू प्यः व से से झ मा स है। आ से ह झ प्यः ह सू मा ह प्यः अस हे समुद्या स है। आ से ह सू अ अ से हे। अ से हें हु स्वः आ से ह औ सु से आ से स

व्रित्त्रम्यम् अत्रायदे म्बर्क्षञ्चम्बर्का है। क्षिं क्षा से द्वे स्वर्षे द्वे स्वर्

ष्यात्री है। ष्यात्री हिंद्वासः ष्यात्री है। स्यात्री है। प्यात्री है

त्रपुः विकायश्चाम् अस्या। । विकायश्चाम्य स्वर्णा स्वर्

गेगड्रश्र्गश्वी वर्धे म्हर्ण्याण वस्थायूक्षः हूं वस्यान मेरिसंड्रिण वस्यान प्रश्वापित्रण ष्यक्षेत्रे स्वर्धा स्टूब्लि वस्यान प्रश्वापित्रण ष्यक्षेत्रे स्वर्धा स्टूब्लिक्षः वस्यान स्वर्णित्राची

गीफिश्चर्या वेंद्वेश्वरूषा अक्ष्यपूषा अक् गारहिगाषा ५५वा केंद्वा केंद्वारहारा द्वेरिद्वेरी इस्ट्रह्वर्य केंद्वेश्वेत्वे संयोस्यो ससंयोधर

इं.र.इं.र. लुंदे सुदी इ.जुं.२.जूं ते जुं ते हैं. जी गी.बी.जु.बी.बी.बी.क्.जुं.की ते.कु.जुं.हें. जा गी.बी.जु.बी.बी.बी.कु.जुं.लू.कु.ची.कु.जुं.हें. ઽ૽ૼૺ૽ૣૼૼ૱૽ૺ૱ૢૡૢૹૻૢ૽ૼ૾ૢૺ૱૽ૺ૱ૢૡૢૹૻૢ૱ૻૣૼ૱૽ૺ૱ स। शुर्चिक्विये इ.स। सम्प्रीक्विये त्या सम् *ૼ*ٵૣૢਸ਼ૢૹૢૹ૽૽૱૽ૺઙ૽ૺૢૢ૿૾૱૽ૺૡ૱ઌૄૻ૱ૢ૾ૢૢ૿૾૱ઌ૱૱૽ૼ૱૱ ग'स्व। अञ्च'ह'श्राग'ह। यह'स्राधे'स्दुःयहें'झ' *ૡ૾ૼ*ૼૢૼ*૽૱ૢૢૼ૱ૢ૽ૼ*ૡ૽ૺૠૢૺૺૣ૽૱ૺૢૢ૽ૺ૾ૡૺૹઌ૱૱૱૱૱૱ ५गे⁻र्बे⁻र्ने-वर्षक्षरम्॥ वर्डेस-ध्व-द**्स-दे**-वर्षेत्र मनेग्राय: न्ग्रायर्डेय: य: षट: न्ग्रायर: हेंग्रा মন্ত্ৰ: শ্বাহ্ম: শ্ৰুষ: শ্ৰুষ: অম: হ্ৰমন্থ: ডব্: ব্ৰ্যুব: ম: म्बे.पर्हराग्री:कुय:र्यायाधुमायक्यायी । र्षि:इ নাৰিংখাৰ্মাৰ্মাৰ্মাঞ্চুমাৰা

रे द्वारे द्वार्य द्वार्य व्याप्त व्यापत व्

বদ্ব:ব্ৰুব:ব্ৰা

भें र्ह्हेव यम प्रश्निव मर्हेग मेव केव १

নৰ্শ্বশ্বংশ্বী

🥯। ।८गॅवि.सर्केग. रेव.केव. गश्या. या सुग वर्कवार्ये। दिमी यावदी धीश्वाने यम अर्कें व स

ব্ৰী বিষয়সভৰ ইমশ শ্ৰীম ব্ৰুম শ্ৰীমম শ্ৰমণ কৰ

यःल्री । विषाः यङ्गः विषाः स्रोतः बुदः यह्षाः द्योः यः

বগ্রী বিশ্ব-রমশ্বর মান্তর মান্তর মার্

र्नेग **୲**ଌୖ୕୶୵ୣୠ୕୕ଽ୶୲ୠ୕ଽୄୡ୕୕୕୵ଽୗ୶୶ୄୖ୷୵ୄୢ୕୷୷ गुर्मा दिस्यास्या स्थान स्थान

ग्रुंगःचह्रेशःचदेःच्चितःक्वयः ५८। ।क्रिंशःके ५:शेः

दशुर-पर्वेष-परि-द्वेष-क्ष-दर। द्वो-वर्वे-श्रे-

म्रेन् तत्त्र परे म्रेन्स्य अर्थे । हि सूर पर्झे प

য়ৣ৾ঌॱ৻ঀয়৻৻য়ৢৢঢ়৻য়ৼ৾৾ড়৾ঀ ।हिॱ৻ঢ়ৼৼ৾ৄ৾ঌৼঀৣ৾ঢ়ঢ়৾ য়ৼ৽ঀঀ৾ঀয়য়য়য়ৼঀৣয়৻ ।য়ৢঀয়৻ঢ়ৠৣঢ়ৼৢ৾৾য়ৢঌ৽

यम्भासहर्षेत्रम् ३ तर् या । । ने स्रम्यन्य

মুখাপ্রপ্রথ প্রথ প্রত্থিকা প্রিম-2.প্রম্প

ર્ક્સેવ'વ્યસ'ન્?ર્વેવ'સર્કેથ'મેવ'કેવો

मुद्राद्यायायमें द्रायम में मा

म नम्ब मुका र्र्ह्मेव प्ययः सुँग्वा या युः त्वा पतिः ন্ৰুশ্ব শ্ৰী

७ व.श्र्.मी.४३ म्र्रील.स्रील.मी.प्रायपु.क्ष्यायथी.तायशालयायप्र.

ાવદ: यायु: તાય: ૩૩, ૬; ફેં· ફે· ૬૩ું દશ્વ: ત્રી: ૬ ગ્રી: વર્યા વર્ષે ર: તાય: છેશ છે: છોં:

শ্বীর, শ্রীর, শ্রুর, দেপা দেঠ, মার্পরেশ নেপা ছ, দেশ রপা নপা এই, শ্রী, ধীরাধা,

<u> ব্রাব্যার্থ রাহ্ব। ষ্ট্রী মর্মার্থ রাষ্ট্র মান্ত্রার বর্ণ রাষ্ট্র ।</u>

ग^{डेगाहासर्दे} विंग्रायसुन्त्रायलेटे कुयायास्या

<u>ব্রমের্ডমঃ ন্নুমের্থিরেম্মের্বরের্</u>ন্ত্রিমার্ক্ক্রির

र्द्धेग्रमः अ'स्यावेट'मे'ह्य'क्रेट्रम्नेग्रम्

जात्वियासः स्यास्याः स्रितः यास्याः स्या

ग्री:श्रुव:श्रू:रः श्रूव:ग्री:श्रूव:प्रते:र्स्ववाय:प्राप्तः ग्री:श्रुव:श्रू:रः श्रूव:ग्री:श्रूव:प्रते:रस्वाय:प्राप्तः

मर्वेदःबेदः ५ दः स्रेदेः सं: ५ मो : दर्गे ५ दर्गे ५ दर्गः नि सः यसमार्थः विस्ट : ५ दर्शः संस्थाः विस्ट यह मा मीसः

বৰ্শঝঃ ট্ৰিৰ:ভ্ৰ-'ই'অঝ'ই্শ্'ট্ৰ-'বৰ্শ'শ্ৰিম' বঙ্গঃ বৰ্ষি-'ৰ্মঝ'ন্ন'ৰ্ম্জিশ্ম'শ্ৰ-'অ'অ'মন'

र्दे : कुवायि सेंग्री शहर से शहर देता से विद्याय स

र्भे र्भेट्र गश्चिम प्रम्यास्थात्म् प्रम्यास्थात्म् । प्रम्यास्थात्म् प्रम्यास्थात्म् प्रम्यास्थात्म् । स्रम्यास्थात्म् । स्रम्यास्थात्म् । स्रम्यास्थात्म् । स्रम्य यर्गः गैशः यक्क्षशः यदेः श्चेंतः यमः स्यः यबदः यर्नः कुयः यक्क्षशः यदेः श्चेंतः यमः स्यः यबदः

यसम्बर्धाः यः यह्राः नयताः नविस्त्रः ग्रीः अवितः यः

स्ट्रमः दे:५मा:गुव:म्री:ह्रेश:सु:य५म:र्स्न्य: स्ट्रमः

यक्षेत्र. तपु. र्याजा श्रीर. यी. श. रूव. क्रवे. र्याचाः

वर्षास्त्रप्रविव:हुःगुव:य:छ्य:यरःर्वेषाः हे:त्त्रुः यवेव:हुःगुव:य:ग्रम्थय:यरःर्वेषाः रे:र्वे:यवेव:

८ में १८८२ स्थास्य स्था । १९ में १९८२ स्थास स्था । स्था स्था स्था स्था स्था । यद्र-पश्चितः म्राज्य स्था श्चितः प्रेशः प्राक्षेतः यद्र-श्चितः म्राज्य श्चितः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः

यदः श्चेतः यम्भेतः स्वामा अध्यः धितः वृषाः यस्रवः यदः श्चेतः यद्गाः स्वामा अध्यः धितः वृषाः यस्रवः

য়ৢ৴৻ঀৢয়৻ঀৢ৴৻৸ৠৢয়৻৸য়৻ঀৄ৾য়৽ ৸ৠয়৻ য়৻৻ঀ৸য়৻ঀৢ৸য়য়ৣ৻৸য়য়য়য়ৣয়৻য়৾৻৻৸ৼ৻৽য়ৣ৾৻

यदः निश्च वितः वितः यद्यः यद्यः स्वः स्थनः व्याप्तः निश्चः वितः वितः यद्यः स्वः स्थनः

र्येट्स हैंदि केर विट हेर वहें सेर वर्र हेंग

यक्षेत्र यः दर प्रेते प्यर्थः मद्भः मद्भः मुक्षः विश्वरागुनः

यहे. भ्रीट. कंब. खटा यह यह स्था विका

प्राम्बद्धार्थः स्थार्थं स्थार्थं स्थार्थः स्थाः त्र्यः स्थाः स्य

रश्रम्बिम्बा हि.पर्व्वः ब्र्रेयः याम् स्राप्तः <u>त्वृहः। । मार्क्षयः चः तदेवकः क्षं भ्रमकः द्रमः तयः ।</u> यवेश:५र्वे दश्। ।श्लें व :यय:र्षे दशःशु:दशु य:यर: ব্ৰীব্ৰ'ন্ত্ৰীঝ'ৰ্ক্কীনঝা ।শ্লীকাঝা-চুঝ'ৰেন্ত্ৰী'স্কুমঝ'নঝম' ब्रैं र वेंगाय ५८। विकार र विद्यार विद्या वा स्वी कुः क्रेवः ग्रेवा । इस्यायायायायायायायायायायाया

[ॗ] वॅ५'ॶ्य'च५े'चदे'क्कॅ्र्ज'यय'चतुम्ब'र्से॥

ভা । শ্লুনঝান্রঝান্র্যুঝিন্র্স্র্রিন্র্র্র্র্রাস্ত্র

লপ্লাপ্ত বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

ব্রুদর্ঘরি না রুম । বর্ষ ক্ষেদ্র ক্ষা ক্ষ্রির । ব্যান্ত ক্ষা ব্যান্ত ব্যান্ত ক্ষ্রির বিশ্ব ব

यदः सबदः दसमा श्रीम्था । मारशः उतः श्रीम्थाः यदे रः मोर्वे दः तस्रे देः रेम्थाः सबदः दम् । श्री रः दः

बे'बेट'झट'वश्च'यहँ अश्च शुरु देय । शि'ट्ट शे' श्रेव'यम् । श्चिट्ट या श्वे'ट्ट शे'

बाबूर. तकुषु वाद्याता हिंदे . विश्व स्थित विश्व स्था । अभ्यासकुषा मुचाबू की । हिमाबी आश्चीया चेट्या अप रही वायहार नेता वी । बिंदी स्व विम् की यदे श्रेम्रश्चर देव वश्चा ग्रम् । विष्य स्वयः

<u> বর্ষানই শ্লুই ব্রথা শ্রীষা এর্ট্রিয়। । শ্লহ্মা শ্লুষা </u> यञ्चत्राय: द्रमः क्रुकाः सुत्रः ग्विषः विकाः विकाः विकाः विकाः विकास

मुयायाञ्चरायस्यायदेवायदे क्ष्रियस। विदेश यन्त्रः नृषो : प्रदे : इ: यः वारः अर्क्केशः नृरः। । यन् वाः

क्या. क्रेंग. प्रश्ना. प्रश्न. तर. ट्यार. प्रप्त. शरीशी

শ্রম্পানদ্রাষ্ট্রার্থির বিশ্বর্মান্ত্র্রার্য্যুর স্ত্রী

²ટું કા. મું. તર્જું વ. તથું મ. તુવ. ધે. છું. વકા ક્રે. છું વ. વકા મૂં વ. તે તારા ક્રેયા ક્ त्यश्चित्रविष्याचेरात्यवातुषारेखाईन्याधिवायमा हिन्द्रवाणुरानेक्षर

म्याक्षः क्षेत्रः चम्यादः क्षुत्यः सेवकायः स्थूरः स्टः मीः वक्षेत्रः मार्केकाक्षः क्षुः वीकायः

ब्रैंद'यय'श्चित्रशमदश्यस्यु'येद्रा

यदःऋर्द्देदःकरःमेश्वायःषःवृश्वद्वैःरङ्गा ॥

[ॣ] देशर्देवःक्षेदःयॅदेःपश्चवःयःक्वशयदेः

ষ্ক্র্রিব থেম নেন্ত্র্বাশ র্মা

७७। दिशार्देव श्रीट चॅरि पश्चव या मुशायरी श्रूव यस र्देव गुव शुव यदे: भेर प्रतेव वेर स्व वे। कें क्कें त्र त्यस से मे राक्का सर्वें

षः र्रेषः ध्रेत्र। । भ्रेंत्र अः तर्रुदेः न्तरः ध्रुवाः क्रुयः तः

वर्डेशः वृतः वर्षा । क्रिंशः ५८: ५ मीः वर्तु ५ मीं नः अर्क्चेग-देव-द्य-के। <u>|</u> इस-गश्रुस-ध्याश्र-हे-स्व

यदे विव त्याया श्रीया । दिया देव खिर से खेंग

|र्ग्याचकुरःक्षेरःर्ये'र्ययः यदे त्रिं र सें के।

ख्व'ग्रम्'यदे।

यहवःसः नदः। । यङ्गवःसः स्पुवः सेदः मविश्वःसरः ସ୍ତିବ'ଶ୍ଚିଷ'ର୍କ୍ଲିପଷା |ସ୍ତିବ'ନ୍ଦ୍ରପଷ'ଦ୍ୱସ୍ଥମ'୩ବଷ' यगवःपक्कुनःर्वे सःस्ते : धेरः। । **भू**रः श्रेनः श्रेवः गर्वेव'यज्ञ'र्वेद'सेद'स्य। |यगाय'गिनेर'त्नु'स'

बर्बा क्रिया से दिया वा से दिया वा से दिया वा स

हे परेव परे विव स्वर्भ ग्रीका | देक र्देव ह न्याश्वरात्र विश्वरादितः वश्वरायः अर्केणः

मी'न्द्र्यामुन'मिनेर'यमुद्द'षी'न्य'ञ्च। ।नुषा ग्री दिवस्य प्राप्त में स्वाप्त कि सर्वे मा

न्यरः केवः र्हे : हे : खुरः यः श्रेंग्राशा । ग्रायरः हे रः धे :

५स.सं.त्रीज.पर्यूच्यायही विश्व.सूचयायात्रः यहेर्'ययर'यये'वीब'त्वयश'ग्रीबा ।रेब'र्रेवः र्गश्यम्भुरः यक्ष्रवादहेवः यक्ष्रवायः यरे

ळेव'षे'वेश'यश्चेर'यह्र् यावद'दर्शेदे'गर्डी हिं <u>इ</u>.सब.स्.स्यास.कंपु.स्य.पत्रीर.सा । वाश्वर.च.

ल.चेश्राश्चराष्ट्रराययरश्च्याशा ।यावश्रा

য়য়য়য়ঢ়ঽ৻ঽয়ৄয়য়ৢৼয়ৣৼয়ৢ৾৻ৠৢ৸য়ৢঽ৻য়য়

ॸ॔ढ़ॕॳॱॼॖ॔ॸॱॻऄॖॸऻॖऄॱऄॗॴऒॣॴॗऄॴॗढ़ऄॱॸ॔ढ़ॿ र्गश्यम् र यक्ष्रं यहेवः यक्ष्रं यः यर

कर्रातुर्भेयाधेवायश्चितायदेख्य । । सान्गा याञ्चरात्यायग्रदर्भेतायस्य । । वीस्रिसायसा

|2্রশ:মহার શ્રે ભૂમ ભગમાં ત્રારે દ્વા સવા શુંજા |देश'र्देव= नुग्राम्बुन्। यक्षुत्रदहेत्। पश्चेत्र यः सुत्र

रेटमात्रकायदे स्रेतायका सर्हेत्। । वर्रेता स्रेत

वस्रामित्रात्कराष्ट्रमः हं भ्रात्म विरामित्रा

नवे पश्चेत नव अस्ति । नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियासिक ।
नियसिक ।

৻য়ৢ৴য়৾৸য়৾৻য়য়ৢৠ৾য়য়য়৾য়৸৸ঢ়য়৻৸য়৾য়

र्वाश्वाचिरः प्रष्ट्रवः प्रष्ट्रवः प्रष्ट्रवः प्रष्ट्रवः र्रेट'म्बर्ब'यदे'न्यय'ब्र्रेन्'र्डम् ।यशुपाओन्

মই মর্ক্রিশ শধ্যম স্ক্র মানা ব্যৱসা |५य:उव: **पर्ड्न न्नु अदिः श्रु कें रे** में पह्ना

શ્રેઽ.થેંત.ૹૡ૱.શ્રે૮.કેંત્ર.વર્શ્વેટ.ો

त्वीर. सुर. तर्रे. कुर. हुर. श्रीयर। क्षिर. वर्षे. सुर. त्वीर. त्वीर. तर्रे त्वीर. त्

हेव'ववुर'र्हे' हेवे'के'स'के| | भगवायम'तृषा

য়য়ৢয়৾য়য়ৢঀয়ড়য়য়ঽৼয়ড়৾য়ৢৢয়য়য়য়য়

美

৻ড়ৄ৶৻য়ৣ৻য়

|ロ新.ロ.¥か.

मु:य:न्य:पदे:हें:हेदे:म्बुटा । ब्रुटा:च्य:म्बुस:

यक्कर्'र्ग'यदे'क्क्षु'र्घरश्र'ख्वा ।गर्**य**'घुदे'

त्तुं या वाद्यया द्वीर तकर दा धिद्या । श्लीव रहेट र्शेया

यदेः द्रं अर्क्केषाः श्रुं दःशु सः स्वा । देशायवरः इत्या वर्धे रः ५ सः यःबरःबलःदुःग्रेद्रःब्रुबःवदुःक्षुरःवैद्यःविषाःयरःपञ्जुलःवद्यःदुद्यःदेदःग्रेः

ૡૢઌૺૺ૽૽ૹ૽૽ૼૺ૱ઌ૱ૺૹ૽ૺ૱ૡઌઌ૽૽૽૽ૺૢ૱ઌઌ૱ૺ૽૽ૹ૽ૢૼૺ૱ૹઌઌૺૺૼ૱ૹ૱ઌૡૹ

র্কুঅ'ব্রিমরাব্রাইর'মতরামর্ম্বুঅ'ম'র্ন্বর'র্জি'মম'ন্ত্র'মরি'রু', র্ব্র ॱख़ॖॺॱऄॹॱय़ॱऄॱढ़ॺॖॖॹॱऒ॔ॸॱॿॖॻॱय़ढ़ऀॱॸॗॺॸॱॻऀॹॱय़ॸॖ॓ढ़ॱॼॿऀढ़ऀॱक़ॕॹॱढ़ऻ॔ॸ॔ॸ

पर्झू र परि दुशकेव केव। खुर हेंगशप्त प्र मुख्य ग्री केंश हे केव कें केंव

য়ৢঀ৾৾ঀয়ড়৾ৼয়ঢ়ৣ৾ঢ়ৣ৻৶৾৾৻ঽয়ৼঀ৾৾য়ৼ৸য়য়য়৻য়ড়ঀ৻ড়৾ৼয়ৼঢ়ৣ৻ড়৾৾৻

य'गुक्'चबर'अविय'विच'चरे'चर्थेर्हे'हेश'विश्व'य'रे'चर्वेक'र्'रव्युच'यर

র্মান্ত্রশান্তর্মান্তর্মানর বিশ্বরাধ্যান্তর্মানর বিশ্বরাধ্যান্তর বিশ্বরাধ্যান্য বিশ্বরাধ্যান্তর বিশ্বরাধ্যান্তর

क्रम्बर:ग्री:श्रेम्बर:हे:८८:। ।यायद:दर्ग्रे:क्र्बर क्रम्बर:ग्री:श्रेम्बर:हे:८८:। ।यायद:दर्ग्रे:क्र्बर

र्श्चेर:इस्रय:ग्री:तुर्य:य:धेर्या । म्रिंग्य:यदेर:श्च्य:

चक्रुर्'गाम्भागं क्रांची चिश्चेत्र प्रते कुर्यं सर्वर

सर्देव प्रस्पन्न हो द्वारा वा । सी दर सी सीव हो र वर्के

मृत्याक्षेत्रक्षा । भूति व्यानिक्षित्वाक्ष्रम्यान्यः भृत्यक्ष्या । अद्युवः मुक्तिः य्याः विक्षः द्योः येषाक्षः स्वाः

रु.यसेया । रमो.यर्च. अर्चेच.सुर्च.यर्च. स्ट.च्य.

ସ'ଦ୍ଗସ୍ଥ | ଦ୍ୱିକ୍-ଫ୍ରିଷ'ଅ୍ଟିସ'ସଶ'ନ୍ତି

🕴 मलक्र व्यत्स्में स्मी अह्म मुस्यमायलेका क्षा नुर्गेति सर्केमा सेत् ळेव'म्बुस'य'सुम्'दर्खय'र्ये। |५मे'च'दर्५'धेब्र' **ऐ.**घर.सर्क्षेत्र.वशकी । ।श्रेसश.२व.[.]संसंश.ग्रीश. বুষাশ্বরুষান্ত্রমাষান্ত্রা । ব্রশান্তরার্লা येर:बुद:दह्य:द्ये:चः इयश् । व्रु:येर:बुद:सुव: র্ম-দের্জু-দম-দেগ্রী বির্লু-গার-ঘমঝ-হ৴মান্তর

यहवा ।गार्म्यःयःधिःयङ्गवःयःक्तुवःशुरःस्वा ।^{३वः} य' ५६ रे पृ: ची: की: हु: यहु: अदी: होद: ग्रीका क्रेंब: य' दगे। येगका दयेया।

यदे। । मदः श्रदः माववः श्रदः द्यदः वद्शः र्केशः श्रेदः

कुत्। १८८ र्नः मान्न यने क्षेत्रं यन्मा स्थाप्या वस्य

বর্দবের চিষ্ট্রপর্য্তু দক্ষুবাঝান্ত্যকারীর শ্বদদ্

यः व्यायमः वृष् । क्रिंशन् वीत्रानुमः सुयः स्रोधाः ग्रे'न्ग्रेय'वर्षेर'त्। । पन्य'र्सेयास'सेयस'उत्

ব্যর্থ ডেন্ শ্রীঝা । ব্রুখ লব্ধুয় দের লব্ধ দেন हेंग्रायाधी विशेंद्गाक्षेत्रकारवायास्या

य। अि.क.ल्ट्याङ्ग्यश्चरश्चरश्चराश्चरा

र्नेम । सरमा मुना भू मनुमा पहें साम दे प्रीत

क्रुवबादमा विक्रानेदाक्षीत्रावस्या

<u> बुेब ऋत्र ५८। । ५ में ५५५ अ. बुेर ५५५</u>४ यदे-विद:स्यक्षाग्रीका ।हे-क्षर-पर्क्रे-पःर्क्केदायकाः

त्र्यायः यरः वृषा 🕴 । यर् रः व्ह्यां शायशासुत्रः

मुर्यः यदः यष्ट्रवः यह्वं वः यह्वं वः अदेः हिंवः यदे रः

ग्रन्त विचा विचा चर्या न्यो खेया सं खेया स्ट्रिंग स्ट्रि

द्रियः सप्तुः श्रृष्यः जम्रा पट्टेर्यः प्रकृषः सप्तुः सम्बन्धः स्ट्रेसः स्ट्रेसः स्ट्रेसः स्ट्रेसः स्ट्रेसः स् स्ट्रियः श्रृष्यः स्ट्रियः स्ट्रेस्यः स्ट्रेसः स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य स्ट्रेस्य

सर्टे.क्र्यकातक्षेत्र.ता.मी.सक्ष्ट्र.ब्र्य | प्राप्ट.याहेर. सह्ट.क्र्या.मी.प्रांट्र.क्र्या.मी. प्रापट.याहेर. नम्भावातक्ष्यं.तह्यं.क्र्या.सक्ष्यं। प्रमाट.याहेर.

र्श्चेव'य'द्यो। ।।

ल्रिस्सर्ट्स्यास्यस्ट्रिंदि केव इस स्था स्था । यापद र्ह्सेवा

श्चेत्र'यवर'म्ब्रक्ष'स्वेद'स्कुक्ष'स्वुर'स्वेम । विकायवर'

ક્ર્ષુંશ. વર્ફુ વે. શૈવ. વર્ક્ષેવે. લદ્દજા. ટેનળ. જૈંગ. ફ્રિજાશ. ચીત્રીશ. ત. વેશ્વ. જૈંચો.

বশ্বম:বৃগ,নশ্ব:দ্বর,বহশ,বশ্বীক,ব,বড়ুর। নুবরক,মাই,রত্ত,পাঞ্ছর,

ૡૺૡૼ૱ૠ૽૽ૢૼૼૼૼૡૢૻૡૹ૽૽ૹ૽ૢૢૹૡઌૣ૽૽૽૽ૢૢ૽ૢ૽ૡ૽ૺૡ૱ૹ૽ૹ૽૽૱૽૽ૼઌૣૡ૽ૺઌ૽૽ૢ૱૽ૢૺઌ૱ઌ૽ૺૢૢૢ૽ૢૢ૽ૺ

७७। ।यदमामीद्भामसुस्रामीदमोपदेरस्य वरीयानहेवावशा वर्गामीशक्कीवाशशास्त्र र्भः अःक्रेंशः हे गाम्रायदे गास्य अदः अः सुस्रायः प्रस्र वशादहेव धरासुर डेग । देश स्टाम्बद सी चेशः सुर सुर र क्रेंब या र सुर र हैय । श्ले या ध्राया वस्रश्चर्याः अभिताः हुः सा शुरुष्यः प्राप्ताः प्राप्ताः सुना तः हैं।

हे. के. धर. की राज्य है. यं श्री यं श्

अर्घेट:वेट:हेंग्र**ा**चरे:श्रेंट:तु:उट:वर:शुर:डेग्। શ્રું) ન વસરા ૩૬ ૬ ભુરા ૬૮ મૈન સ નિવેઠ ૬

<u> अ</u>द्र-देग् गुद्र-भ्रे त्व्या वर दर्ग्य व्यापर गुर ୖ୕୕ଽ୕୕୳ୄୗ୕ୣୣୣ୷ୠୡ୲୷ୖୢୡ୷୷ୠୡ୲୷ୢୄୣୄଌୗୣ୷

यर:शुर:डेग ।र्केंग्रायान्त्रेय:ग्री:र्श्वेंत्र:य:रूप्रयार्थ:

के'यापश्चित्रश्वरात्र्वीत्रायाहीः स्रायापित्रात्

ब्रॅंट बुबायर शुर डेग वि: मुबार पर द्रा चलेते क्षें वश्वा व्या अते खेव यश क्षुवा या या क्षुत

डेग्'गुट्रा भेषायेयाय राष्ट्र राउँग् । क्वॅंग्**र्स्**या श्रीः

ୢୖୢଌ୕ୢ୵ॱय़ॱᢒୖॱ୕ॻୢୠୖ୵୕୳ॱॿਸ਼୶୕ଌ୵ୄ୕୷ୗୢ୶ୣୄୠ୕୷ୖୡ୕୵୷ୖଵୄ୵

वु'य'ञ्चर'रेग'गुर'र्थ'ञ्चुय'यर'गुर'रेग किंश'

र्क्केव्ययायम्याःचीःयदेवःशुय।

દ્રે 'ત્રુ'અંતે' ક્ષેત્ર 'બ**જા**' ગુે' 'ગુંરે' તેં 'ગુેર' ધર' શુર' કેંગા क्रिंश हे 'त्रु' अदे 'चष्ट्रव 'यदे 'चन्ग' में 'त्रेन 'यर 'श्रूर' উল ট্রিল্ঝ'নস্তুরৈ'র্ব'ন্র্ল্ম্ম'ম্'ন্রম্ম' उर्'बे'यर'वेर'यर'शुर'उंग ।वयायक्रे'यदे'र्के' द्र्य. याद्राजा. सीयो. सी. कुष्य. त्र्य. शहूष. यी. पत्रीय. याचर. शुरुर्जेग । परुर्देते श्रूट्या सेट्यर परुव ર્<u>રે</u>બ'શ્રીશ્રાશ્રોયશ'હવ'ઘયશ'હ5'ફેં'ફે'વઢદ'ઢેવ'

र्घेदेःर्मे तसदःयः दर्मेदः सरःशुरुः डेग । अर्देरः

क्क्रॅब्राय्ययायम्यायीयम्बर्

द्याया है स्वास्त्र स्वास

यर तके य क्रेर व कर्त्र य पर र । । व्रिका स्का

इत्यः सम्बद्धाः स्था । वितः स्वाः स्थाः स्याः स्थाः स

सुर-त.भ्रूंचाबातार्या । चित्राच्याः भ्रुत्वा अक्टा तुन क्यून्य एड्या श्रीर-२म । म्रिया १८ रूप्याय क्षात्रुः तः ५८ः। । सुतः क्षः सुदः कः ५वादः तः विष्यः । सुतः ।

भ्रुं या प्राचित्र हुं या त्राव्य हुं स्थाय हुं या या व्याप्त हुं या या व्याप्त हुं या या व्याप्त हुं या या व्य

सर्केष । जुन्तमार्डेन यत्र दहेत्य प्रिंत प्रार्थे त प्रति ।

र्षे :क्रॅ्रेस प्रकार हे बार्स क्रुं त्र हें तुर्म स्थाप क्रिंट हैं है : हर स

ૹ૾ૢૢૺૺ૾૽ઌ૽ૹૹૹ૽૽૱ૡૢૼૺૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽૱ૹ૽ૢૼૡ૽૽ૢૼૡ૽ૺ૱ ૹ૾ૺ૾ઌૹ૽૽ૣૼૼ૾૽ૣ૽ૢૺ૾ૹૣઌઌ૽૽ૢૼ૱ૹૢ૾૾ૢૹ૽ૢૼઌ૽ૣૼૼ૾૽ૣ૽ૢૺ૾ઌ૽ૺ૱

उत्रार्श्वामा । व्याप्य रात्री मा विका भी ने हे ने न

न्नो'रिन्द्रायम् । ज्ञास्य अस्ट्रें हे स्रोध्या । हिनाः

उटायदेव:यरःग**ञ्**दशयःगदा । । यर्द्धदशः येदः

र्क्केव्ययायम्याःचीःयदेवःशुय।

स्रमान्याः स्रम्भः वित्रक्षेत्रः स्यामः स्या । द्रमारः स्वा स्रमः स्वर्भः स्रम्भः वित्रः स्वर्भः स्वरः स्वरं

तुःवेःक्वत्यःक्वः वायुदेः सर्वे व। । सःदेन्यः वहंसः श्चीरः वर्तेः सःश्चुत्यः यादेः श्चुरः । । श्वरः सर्वः नेः धः श्चेवः

রমান্ত্রীনার্থ বিজ্ঞান্তমধান্তম্বা

त्तरम् तस्य म्वा । यम्य प्राप्त भ्रें व यम प्रम्य प्रत्य म्वा । यम्य प्राप्त भ्रें व यम प्रम्य प्रत्य म्वा । यम्य प्राप्त भ्रें व यम प्रम्य प्रत्य म्वा । यम्य प्राप्त भ्रें व यम प्रम्य प्राप्त भ्रें व यम प्रें व यम प्राप्त भ्रें व यम प्राप्

त्यंत.त्य विश्वाय.पर्न.क्षय.र्ययः क्ष्यः यावायाः क्षायः अक्ष्यः क्ष्यः या

^{३अवरर}ु^{कुवर्}वर्वे॥ ५वो'यर्तु **र्वे'क्तुश**'यळ५'र्द्हे५'

र्क्केव्ययःयन्यायीःयनेवःशुय।

स्रियायान्या विद्यायस्य स्रियायये । त्रियायान्या विद्यायास्य स्रियायये । स्रियायान्या विद्यायस्य स्रियायये ।

स्त्रियः। । पार्श्वःस्त्रियः हेः यः वित्रियः स्त्रयः यात्रीः स्त्रेयः यात्रीः स्त्रयः वित्रः स्त्रयः वित्रः स्

বৈত্রী মানা ক্রমার ক্রমান্তর স্থানা ক্রমান্তর

গ্রু×:উগ

শ্বর্থ শুরু মান্ত্র শুরু মান্ত্র মান্ত মান্ত মান্ত মান্ত্র মান্ত্র মান্ত মান

म्बुस्यः विद्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वितः त्यः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स स्वासः विद्यासः स्वासः स्व

यतः ग्रह्मः या । विष्ठं सः या या स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य स्वाहित्य

यव्द्राय्युरः स्वा । पर्दरः चल्लाः स्वायः स्वायः स्वायः । य्यायः राष्ट्रा । पर्दरः चल्लाः स्वायः स्वयः स्वयः चलः

सुष्र.जद्याचा । ।यश्च.चक्षष्य.चक्षष्य.चष्ठ.क्षुट.त्य्.

ର୍ଗ ।ଞ୍ଜିମ୍ୟ:ଧସ:୬୯ମୃଗ:ଓ୍ରସ:ଓ୍ରସ:ଓ୍ରସ:ଶ୍ର

वळत्। हिमायसस्यायसेयायसेयायसेया

र्श्वर मुंश | र्रोत्र अर्क्ष्य माश्रुय मुंश प्रदेश प्रस्य । व्याप स्थाय स्थाय । व्याप स्याप स्थाय । व्याप स्थाय ।

उर्'ग्री'वीत्'ग्री'क्रूनबाय'र्'र्'। र्वेत्रेष्णवायावीत्रा लूरशः श्रः ह्यां श्रा तदः शरदः वरः क्षेत्रः त्रः । র্ক্তরা শ্রী: বৃদ্রীনরা ক্কমা অমা বৃদ্ধা ক্রমা শ্রীরা

श्रे वियः क्रेंपश्रः ग्रीश दे पित्रेष्ठ द्वापः परः श्रुरः डेग । नगुः वैद्यान्ययायम् यद्यायी मानुना

सरदः देशः शुव्यावस्या वितः यो अद्या । । वित्या उत्रः **ॻॖऀॱॻॖॸॱय़ॗऀ॔ॺऻॴॶऻ**ऻक़ॣॕॴॹॣॕॖॻॱॻॹॗॖॸॱॻॖऀॱॻॾॣॺॱय़ॱ

वर्द्रअः तुः त्रीरः वरे वरः अर्द्रः तुः वर्षेव॥॥

🖁 प्रगाः विश्वायदे स्त्रेंगश्राश्चायस्य ।

নৰ্শ্বশ্বংশ্ব্যা

৯ । বিশাপ্ৰশ্ৰেষ্ঠ্ৰ মাৰ্ক্তিশাব্মানাৰী ই্ট্ৰিব মাৰ্ক্তিশাব্মানা

ञ्च-भ्री**श**-अर्केन-र्देश-य। ।श्वन्श-क्रुश-युग-वर्कवः

াশ্বসমাক্তর শাহ

<u>|ব্রি'ব্যা'রমঝ'ডব'</u>

ব্রি'ব'ক্রম্বাশ্ব্য

|ক্র্রা'অ'দ্রিঘা'বর্ক্অ≣

<u> देर:वर्देर:वर्दे:वेग्रूश:र्वेग्</u>

५म'दर्शे'५४'दर्शे'दर्शे

<u> देर:दर्दर:यदे:येग्रूश:र्वेग्</u>

ૡૢૻ૾ૹ૾ૹૻૹ૽ૼઽ૽ૡ૽ૼૹ૽ૻ૽

ন্ম-প্ৰশানন য়৾য়য়৻ঽ৾ঀ৻য়৾ৼ৻৴য়৾৽ ৻৴য়৻য়য়৻ঽ৴৽ र्क्षेत्रवात्ती:रयायाः स्थान्येत्रायकेंत्रावेत्राय। ।रयोः यत्वः धुमाः वर्कत्यः । **बोस्रवः** अवः महः द्रमः । देः न्गा वस्र अप्तर्देश प्रदेश प्रदेश विष्य । विषय र्धे पदि येग्रास्य सर्व पदि येग्रा । विव सेंदि स्राच्यायदे सेग्रास्ति । वित्रस्त्रं ह्याः हुः यरे.जुबाबाता रिग्र्य.शक्र्या.बाब्या.

৯ল । ননা.ধৃধারিধ!রিপার্মুনারানারী **রিপ.রিপা.পূ**না**রা.**না.

न्यः विषा । इमेर्या

यदे मद्या । र्हें म्या ग्री अर्हे मा स्वार्ट रहे से स

त्रहेषाःहेवःषाङ्गाःवःषाषाद्याःवीरःञ्चः पराधेदाः अर्केतः

या किँकाग्रीन्यायाञ्चीन्त्राह्मस्रकात्यावीन्तीन्या

वर्रे के वहिषा हेव रुषे चरे चर्या क्रिं गरी

यर्दे। । दमो पर्व द्वाद्य सम्बद्ध सम नैबाधुम ।ञ्चाप्तराधीपप्राचीबासकेंपा

ผิสาดิ प्रमायङ्गव प्रदेश सर्केषा म्या से गार्थे प्रा

यङ्गः मुद्रायाय प्रद्राय विद्राया । यद्री वे तहिषा हेव प्रयोग्यये य्या भिषा पर स्वित् । परे

<u> ५८.२ वाला की वित्राचित्र वित्र माने वाली वित्र वि</u> ন্মা-প্ৰশ্নাশ্ৰ্মানৰ্থা

🅯 । क्वि.चरः भूरः री रहः हैं : अं च : यः चृ : वृ । वेर्र : भूरः री र्ज़िवः अर्केना'न|शुअ:ग्री'नग्रा'ने|श्व'ग्री'क्वेन|श्व'श्व'चउन'य| नर्गे|द्व'अर्केन|न|शुअ' वास्त्रात्व्रवावा। के प्राये के अर्के मार्श्वेष से के प्राये के अर्के मार्श्व व'सेरा विंदाहे'हे'सामुयायरे'वेव'स्य ग्रीका । पत्राप्तान्यमेगकारीमाकामोर्वेरायदेः <u> र्या ले हो । हग हु र्याया यात्र अ लेव अर्धव या ग</u> निषाः निषा । कें बार हे ५ र य दे ३ र य दे र कें बार अर्के मा सु न ग्रीका वित्रक्षेत्रकाक्ष्यायक्षयायर्द्राचदे द्या वि

है। ।हम:ह:५२४४१मवसः ५मे:५५३४५४५४ रेव केव द्यायाययर य। क्रिय श्रद्धायव अई८

यदेव'सदे'व्वैव'ऋयश'ग्रैश्। विश्व'सदे'र्श्केव'य्वय'

ने कें विश्व का स्वाप्त ने स् য়ঀয়৽ ড়৾ৼয়৻৴ৼ৻ড়৻৴৸ৼ৻য়ৢৼ৻য়৻ঽ৾ঀৢঀ৻য়ৢয়য়৻

গ্রীঝা বির'মর্হ্ব'য়ৢ'ড়৾'য়শ্ব'শ্বীঝ'য়ৢঽ'

हे। । पर्ने भेग्र प्रस्थाय धर्म प्रतित स्युपः य <u> ২</u>মূখ.শঞ্জুম.গ্রী.অমা.ধৃশ.গ্রী.ঞ্মশ**শ**.শ.বহ.না ।অঞ্জ.র্ব

वन्बानी विभायायन्गानेबायायाम्बुद्बायार्ह्माबार्बे॥

रव्हिम:श्र्माशा । क्षिश्चायत्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवःश्चितःयद्वेवः

ব্দ পুৰ কিন্তু । ব্ৰহ্ম নাই ব্ৰিণাৰ জুল বহু নুৰ পুৰ । ব্ৰহ্ম নাই ব্ৰণাৰ জুল না কু

यक्ष. प्रयाच्या विषय अक्ष्या क्ष्या ग्री त्युंदा अक्ष. प्रयाच्या ग्री प्रयाच्या विषय अक्ष्या क्ष्या ग्री त्युंदा

यवश्चर्यायादी भिर्मेष्यास्त्रम् ।

चर्सेम। विगयः महेमः अहं मुस्य स्वाधः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः वर्सेमः व

ন্যা:শ্বীশ্বাননা

म्यक्ष्यः स्वा | प्रागतः स्वा स्वा स्वा स्वा स्व सः स संस्थितः स्व | द्रिः सक्ष्यः स्व सः स्व

विदाक्त्रशं शुरु देव । श्लेष्ट्री विश्व से स्वर्थः

র্মশ.হে.থী । থিশ.এপ্রম.স্থার.শ্রম.মারশ.

निरम्ब्रुश्यश्चराउँग ।श्चेग्यायदीवावशाक्षीर्यायश्चरश्ची वस्रवार्याः ।तृश्याम्ब्रुस्यम्बर्याः स्वर्याः

ह्रेव-जबाय। ।ग्रह्मःयःजैबाह्माःहःहेबायबुदः

व्या विदः ख्वां श्चेंद सर्वे मार्थदे रेद्द श्चेंद पर

र्वेष भ्रि:य:यर्दे:वश्रःस्म्रश्यद्याः संदर्धेतः

त्रा भिन्न स्वास्त्र स्वास

्रा । श्रृंव या तहेया हेव । प्रथम श्रुं हुंव या । भूष

५८। प्रश्लेष्ठ यः के र्देन प्रतिव ५५ वास्यायः

বশু:বিশ্বাবন धी |पश्चन'य'स्व रेट ग्रम्बन यदे प्रग्राचिश

র্বিল বিশ্বর মধি ব্যথ গ্রুম রু মধি নেম यर्'यहव। ।यह्नव'यहेंव'ह्नेश'युत्र'त्र'हेट'

ल्राका विष्य । विश्वेष सद्धीय प्रमाणिया

ষদ্ৰদেন্ত্ৰীম্বান্স্ৰীশ্বা |प्रश्नुव'य'स्वुव'र्भर'ग्वुब्र

|पर्केद्रवस्य र्रः में प्रविद ঘর বিশ্ব শ্রম বিশ

र्'यहव'य'र्टा ।पशुरायहेंबाके जुपविवा

|শ্বর'মামাশ্রম'রম'মামর' 5.4441212E

বৰ্ণব-ই-প্ৰিম-জুম-ঘর। বিশ্ব-প্ৰশ-ইশ-শ্ৰম-

देर:वर्देर:चर्दे:येग्रब:र्वेग ।चगेग्रब:देग्रब:

বর্ম-প্রশ্নানন

गुर-देर-वर्देर-वर्दे-विग्रम्स-र्वेग विंग्वज्जु-वर्द्धे-बिराङ्ग्रेंब्रायमुः अर्धेदायाद्या । । कें देदाब्दा भेदा

ઝેદાલું કું સુંચા ઢેંગ જાં શું કરાયદે |

নই:শ্ক্রীব:ধ্র'শ্কুম:র্স্টেশ্বা देश'यर'व्युट'शुर'यदे।

<u> देर:वर्देर:वर्दे:वेग्र्य:व्य</u>

र्द्ध्य'विस्नाप्त्र्युट'न'र्रा

<u>|নশ্ৰ'প্ৰাইশ্বাদ্ৰ</u>

<u>। श्</u>चेत्र या गर्ने र विद

बिर'यर्झेब'यशुबा'यझय'य'र्रः। । यत्रय'यर'

বিশ্ব'মঠিশ'ন

বিশ্ব-প্রস্থান্ত্র

|ম'মধ্ব'শর্বিদ

ไปลู้ ไ.น.บลู้โท.

|পরিথ.ম.ধর্মম.

वर्हेग'रेट'गवश'ख्गश'र्हेगश'ग्रुर'यदे। ।वग्र' निषानेषागुरानेरायनेरायने येगषानिषा । श्री <u>त्शुर सुत्र चें भ्रु' भे 'चगा नेश नेंग</u> ব্রিব বেশ হুশ;স্তু:শৃষ্দ:শী:নশু:পৃষ্ণ:পূঁশ ।মগ্রব:শ্রথ:

ই.পৃ৴.গ্রিমাপ্র.মি.মা.ধৃপ্র.ধ্রা ।শ্রিজ.মধ্.শ্লী. শ্ৰুদ:গ্ৰুশ্ৰম:শ্ৰী:নগ্ৰা:প্ৰিম:প্ৰিশ ।গ্ৰিৰ:শ্ৰ্ম:নদ্ৰ

येग्रास्त्रस्त्रः यदे येग्रा । के सदे मुद्रः यदः यदे येग्रबःनिदा । विवासर्वा हमा हायदे येग्रबः

य। । ५ में व : व्रक्षेया या शुर्वा या : विश्व : वेया ।।

*य*नेयश्रा ।८'थे'यक्कुर'य'रेव'क्वेव'यरे'क्वेर'

यग्रःवेशःदेशःग्रहःयग्रःवेशःवेंग ।ग**्**यह्यशः

<u> स्याः बचः श्रेंदेः के त्यश्रः त्या । व्रें सः त्या व्या श्रेनः प्रदेः </u>

ব্যা:প্ৰাৰ্জিব। |ব্যা:প্ৰাৰ্জাইৰা:গ্ৰহাব্যা:প্ৰা

ขู้ นุก คุ พ.ศุรา คุ พ.ศุ พ.ศุ พ.ศ. พ.ศ. พ.ศ.

किंश सूर सेर परे प्रग्न किंश सें र।।

991 <u>| त्रु</u> संप्राचगाद देव उव या गर्बेया व

। अमःसदःष्याम्बरःयगःविद्या

ন্যা-প্ৰশানন

निश्चःर्वेष । न्नुः अप्यः न्यः अप्यदः दर्शे व्या । न्रीतः

য়য়ড়য়ড়৾য় ৸য়ৼড়৸য়ঀৼয়ঀৼয়ঀৼয়৾ঀ য়৸ড়৸য়৾ঀয়ড়য়ৼয়য়য়য়ড়৸য়ড়৸৸য়য়

वुरः हुतः त्रगुः भिश्वः भेषः देशः गुरः

ब्रिंस श्ची ख्रुं से त्या | यदे श्चीद श्चिंद त्यस यग् विश्वः स्ति | यग् विश्वःदेश गुरः यग विश्वः विश्वः विश्वः ग्रह्म श्वाः ॥

४ । । अरअ: मुअ: यम् भेष: ग्री: न्दः यं यम् भेष: या । अरअ: मुअ: यहेग: हेव: नु: ग्रींव: यः धेव। । यम्

ब्रुअ:दे:धेब्राचग्रा:वेश:व्रिंग विग्रा:वेश:ग्रुज:याः

चग्रा विश्वाया । दिश क्रेंश विवेद र वि विश्वेद र व

ন্মা-প্ৰা

धेषः यरे.श्चेर.खंब.श्चाः यग्न.वेश.गुव.शु. यग्न.वेशय। ।यगयःयशुर.ट्र.सक्तरस्यशः धेष। ।यग्न.वेशरे.खेषः यरे.श्चेर.खंव.श्चाः

मञ्जाबार्या । विषय ।

यदम् उम् यदे श्चितः व्या । यमः विश्वः दे दि । यसः विश्वः । यदे । यदे

देग्रास्या । वर्देरः स्व श्रुः स्वारास्या

हु'चरे'लेट'श्चेर'यर'श्चेंत्। ।रे'चलेत्र'चर्गा'उग'

यरे क्रुर विंग ।यग विकारे धिका यरे क्रुर ख्वा

खुमः अरक्रिवःवह्यात्त्रीरः मुवःवरेरः वै। विंशः

मुलः भ्रुं कं यहवायर वृंग । यश्व या धुंगश

বর্থমাট্রিব:নম্র্রা রিব্রন্ধারমশ্রেই

ব্যুব:ঘম:র্বিশ ।মম:র্ম্যমান্য্ম:ঘর:পুশুর:

यविव यन्या उया यने श्चीन विषय । श्ची अर्केया विषय

र्थेशञ्चरःकुषःदी ।कुषःश्चरःपर्द्वःषःश्चेषशयः

धेश । श्चीर प्रवेर सुव सुय र्स्डम संग्रा । हुन

मुलर्चेदिः रेगमा । मुलः प्रमः स्ट प्रमृतः चेरः ग्रीः

श्चेर रदा । मुन्नम् मुय येंदे र्यय दर्ने र रदा।

ন্মা-প্ৰা

ૹેં**૱**. ગુૈ. મુવ્યા ાં પ્રેચ: ૬ર્પેવ: ક્રેચ: મુશ્રુચ: ર્સેવાચ:

र्च्याः विश्वाद्याद्याद्याः अध्याद्याः अध्याद्याः विश्वाद्याः अध्याद्याः अध्याद्याः अध्याद्याः अध्याद्याः अध्य भ्रातः त्याद्याद्याद्याद्याद्याः अध्याद्याः अध्याद्य

मुव रदे र वै। । यद्या उया यश्याय प्येद प्यतिव

त्र्य्वायायर र्वेष । यदे श्चीदास्रवाश्चर श्चिमा स्वायर

क्ष्मा । प्रमादः यह्यः श्चितः यह मा हेवः श्चेतः यह मा हिवः श्चेतः यह स्वतः यह स्वतः श्चेतः यह स्वतः यह स

लुवान्दरङ्गान् देवाश्वाश्चान्या । श्चीर्यवाश्चा

द्रयायाञ्चार्ळेग्राय। ।यदेःश्चेदायरायदायदेरा

वर्ळेम्बर्भेम् ।चग्रःविबर्देख्यः यदेःश्चेदः

स्गमाञ्चीरायात्रयायदे स्कें क्राया । द्वामगाप्त

यायह्यासीटासीय। विद्यासीटासीयासीसासीट्यासीसासीटासी

र्वेम विश्वयायाये द्वायाय स्थित

यरे क्रिरास्त्र सुरार्स्त्र वा । विकास स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स्टार्स्य स

य्याचाः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्व स्वासः स्वास

भ न्याः तर्रः भेषा । त्याः त्रिक्षेतः या । श्रुमः त्याः व्याः त्याः व्याः त्याः व्याः व्य

ये:वेशर्र्केषशर्हेषशकि। |पर्शेदःवसशये:वेशः

অশ্বর্দ্ধর । ব্যান্স্র্রাগরিশর্মার্

्रै क्ट्रिंग्यः**ब्रु**यवा

र्वेगा

्री चुदःकुवः**शेशशः**वेःदेवःवें के। । शःश्चेःयःह्मश्रशः

वित्रें के दिल्ली का भी स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र हिना देवा या।

क्रिंश'केन'इय'यर'नग'यदे'यनेव'क्रेंयश'ग्रीश।

र्वेदःदशर्वेदःतुःदबेवःचरःर्वेगा ^भ ५र्गेव अर्केष सः नःषासुसः श्चीः श्चिवः स्वयसः ५८।।

त्रु अदे वित्रकाय ५ सुन ५ प्रमुन ४ प्राप्त १ । अर्द ५

त्रामञ्जूयामुवायदे महिराक्षेत्राम्या । यया শ্বরামন্ত্রুর্বাধরাম্বর্বাধ্যাশ্বরিমের্ক্রীরেরিমা नश्रुवायानश्रुवायदेग्नर-तुःव्वश्रायह्वःग्रेष्णा 🕴 गटकी बय गबर गब्द की गबर य थी।

हु⁻र्चे क्षुप्रस्य सुराशुराठेग।

ୄ୕ୗ୕ୡୗୣ୕ଽ୕୲ଵୖୖୄ୕୕ଽ୕୳ଊ୲ୡୖ୕ୢୠ୕ଽ୕୴ୡ୕ୄୗ ୡୣ୕୕୕୕୴ୖଌଽ୕୷ୡ୕ୢ୶୕୴୴ୡ୕ୢଽଽ୕୕୴ୡ୕ୡ୲୴୕ଽଽ୕୲ୗୄ ୡୖଽ୕ୡ୕ୖୠ୕ଽ୕୴ୡ୕ୢୢୠୡ୲ୠ୕ଽୠ୷୴ୡ୕ୡୡ୕୲ୗ୕ୄ୴୷

<u>ढ़ॻॖऀ॔ॸॱॻॖॖऀॳॱॻॹॗढ़ॱॶढ़ॱॸ॓ॸॱढ़ॻॳॱॻढ़ढ़ॱऄ॔ॴॗ</u>

劉大

ਖ਼ਫ਼ਜ਼੶ਲ਼ੑਖ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶ਖ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਖ਼ੑੑਖ਼੶ਜ਼੶ਫ਼ੑਜ਼ਖ਼। ਫ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ਖ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਖ਼ਜ਼ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼ੑਜ਼ਖ਼।

^ผู้ ลู:ม:ลู(เ_รมส:นอะเนร:ทุสัญ:น:ผรินส))

สู่ พรุรเฉลุณ สามารถสายใส่ เมื่อเลืองไป

🖁 षद्र'यरे'त्युर'यदे'गद्रश'ग्डेग'स्। ।यङ्गद्र' यः सुवः रेटः गवश्रायः ५८। । प्रश्लवः यः दहेवः यदेः श्चेर्यात् द्वयय। श्चिरकें मुख्ययाध्यव पहन शुर देगा क्रिंश'स'केव'र्देदि'श्च'णेश'वे। श्विग'यश्वा য়য়য়৻ঽয়৻য়য়৻য়য়ৣ৾৾ঀ৻ঀৄ৾য় ৸য়য়৸৻য়৻য়ৢ৾৻য়৻ বঝ্ম অশ্বস্থা । ক্রিম শ্লুব মর্ল্ স্ট্র ন্র্র্ব্যুম গ্রুম:উমা સાવત:સહસ:બૅરસ:વ:વર્ડ:ક્ર્યુટ:વર્ટ્ટ:વ:ટ્ટ! यर्ग'गवर्र'अ'स्कार्केंग्रायक्षग्राक्ष्येय'क्षुट्रा वया श्चिर:रु:अरब:मुब:ब:य:वर्गेर:यर:वेंगा

র্ভূ.ব.র্ষ.পু্নাথা

[‡] त्रु'अ'कुट'दर्वेद'ग्री'ग्रॉब्य'ददेवब'र्बेब'ग्रुब' श्चेरःषीःग्राचेरः दिन्यश्चात्रः विश्वानुः यः

ন্ৰুম্ম ক্ৰিয়

व.ज्ञ.धी.स.म्री सि.षाभीस.षज्यत्रीय.जार्चावायाकुषयः। हीव.प्रयमः

त्रश्रुत्य चत्रः म्वन् म्र्र्सुं निश्चः देशः त्रश्चुदः मीशः त्रश्रुत्यः चत्रः श्र्रेशः मुश्चः।वः

र्चसःक्षेत्राःचस्यास्येवःसमःक्षेतःत्रीःन्ग्रीत्य। स्क्षाःसदेःत्राहेनःवक्षाःमञ्जेदा

च्च.त्रा.जन्ना.कंबा.तपु.मटमा.मीमा.बोच.य.पु.म.तमा.मूट.तपु.पुन.

नेबर्नरक्ष्यम्बर्म्बर्म्बर्म्म्बर्म्बा न्नुस्यासिन्द्री।

देव-ळेव-इ-परि:त्व-यायाद्वेव-वें। ।तुबामासुयः

य्यक्रास्त्रवाक्षः हे.लु.चिरुर.कुर्च। रिट्सः चीयः इत्रः सरयः यर्च । इ.यदः यः साब्रेटः साब्रेवः स्। विष् दविरः चिरुषः । विषयाकाः क्ष्याकार्याः परिवः क्षीः

त्य प्रति । अप्ति । सिव प्राप्ति । विव । या भिव । या । अप्ति । या विव । या । विव । या ।

भुदि'र्ग्नेद'वंशयां विषयां विषयां विषयां भित्रेत्र स्वाधाः यथाः दव'द्येवस्य प्रविधयाः स्वाधाः विषयां विषयां विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषय

नव निन्न निन्न मुडेबन वयम् । निन् क्षेत्र निर्म यदे विद्यु हिंद्य सर्हेत्। । विद्यु स्या श्रुव स्या य्योग्या मिन् क्षेत्र म्या

त्रश्याः इतः व्रवाः वितः। विस्रवाः वृक्षसः वर्षे रः तः र्देर:वश्रुग्राय:यर्देत्। ।त्रःय:प्रज्ञःववुदःग्वयः अष्ठिवःर्वे। । सः धयः धर्नः वेदः वद्यः ग्रांचेग्रयः विगा শ্বীলাঝা বৃষ্ণা শ্বীলকা মীদা নিদ্যা বেলাকা প্রমা প্রল্যা ল্য-প্রস্থামার্ক্র-শ্রুণ-মান্ত্রিব-র্রা মানব-স্থ্রুব-মর্ব-क्रेव-म्र्रिट-वश्याञ्चेषाश्चिषा । श्रेषा-ध्व-यद्याः র্মিল্বান্থীন্'ঘরি'মার্স্ক্র'অমা । গ্রম'ঘরি'র্শ্রীম'ন্ত্রীম' क्रेवःर्धेरः क्वेंवाया हिन्। । यगावः महिनः यक्कुनः यदेः न्नु या या हो व रहें। । बुद वह्या पो मे श र्रों द व श

ন্ন'ঝ'ক্কুহ'৫ইবৃ|

अदिःर्त्तेदःवयःगविषयःविष । देशयः दुषः श्रूषः

म्ब्रम्बर्भः भेग । यदम् कुद्रः त्वुव्यः यदेः सुद्रायदः वर्हेवाववा हिंगवायदे हे अप्रमायम् अर्देन डेग । ग्वायाया विवादी से प्राप्त का विवादी । <u> अत्र स्वापः दें ५ ख्रेटे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त । याः </u> <u> ५वा ५वीं ६८ यदे ३ स्वा छेत्र हें वाह्य दह्या । ह्रू ८ </u> यति'स्रवर:रु:धेत्र'यर'सर्हेंद्र'ङेग् ।सन्स'सेट्र' <u> न्युक्ष वृक्ष माञ्चेम्बर निमा । क्ष्र्रेट हेते ।</u> श्रेर-चॅ-उव-ग्री। विर-श्रेशशः ग्रु-१यः श्रेन्य-सर्हेनः डेग । शुप्तः अर्क्षेगः अरः भ्रेः नुम्नाश्रम् अरु अञ्चितः र्वे। ।यरे केव में हेवे र धिरबाव बावा बाबा विवा

ลู:ผ:สูร:ฉฺรัร|

अन्त्रियः निष्यः अन्ययः अर्दिनः स्त्रेयः । विद्याः हेतः । विद्याः स्त्रेयः विद्याः स्त्रेयः । विद्याः स्त्रेयः विद्याः स्त्रेयः । विद्याः । विद्याः स्त्रेयः । विद्याः । विद्य

यरेव सेर हुं सम्हेंग्य वया । श्रूम सेसय हुं

শৃধ্যাবেজমানমার্হীর বিশ্ববিদ্ধার

यरे क्रिंद सुग केव अर्केग दें अ शुय छेट। किंका

ন্ন'ম'ক্ক্র'ব্য

त्र्यायः स्टब्स्य स्था । विस्यसः स्वायः स्वीयः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स स्वायः स्वायः स्वयः । विस्वयः स्वायः स्व

ष्ठीव'यर'यर्ह्सर'ठेय ।हे'यर्ड्व'र्योट'याद्वय'र्थ' यष्ठिव'वॅ। ।यर्वेर'यर्श्व'र्येर'येर्ग्वर'र्ये য়য়য়য়ড়য় ।য়ড়য়য়য়ড়য়য়য়ৢ৾ঢ়ৼয়য়য় য়য়য়য়ড়য়। ।য়য়য়ৼয়য়য়য়ড়য়ৼয়ড়ৢঢ়ৼ য়য়ৼয়য়ৢ৾ঢ়ৼয়য়য়য়ড়য়ৼয়য়য়য়

ন্ন'ম'ক্কুহ'৫র্ন্রবৃ

पक्षरायविवार्वे। |इसार्याःस्याःस्याःस्याः वसायविवार्वेष |धयद्याःस्याःस्याःस्याः स्यापविवार्वेषयः

च्ह्रेस्यायरासर्हेर्ड्य । श्वायाक्षेत्राज्ञ्यायह्याः चह्नेस्यायरासर्हेर्ड्य । श्वायाक्षेत्राज्ञ्याः यह्याः

र्यः श्रिष्ठेवः वेष । विदेवः भेदः हैषाश्चः हेरेः ग्लॉदः वशः म्बिम्बः भिषा । विदेवः भेदः हैं म्बाशः वरिः वहुत्यः

 र्दे। ।यश्चरम्यः स्वरायदेः द्वीदश्चर्यः वश्चान्त्रेग्यः निम । पक्तुन प्रते चीत क्ष्म अन्य । विम्य विम्य विम्य हेव' दर्वय' धुँग्राब' येद' दळर' घर' यहँद' उँग्। अर्डेग'यन'ग्री'र्श्केव'अ'अष्ठिव'र्वे। विश्व'रन'यर' धुव र्ग्नेदः वश्याचेषाश्चिष । प्रद्या यहेवः क्षेत्रकान्तेन् स्ट्रान्य केंद्र स्ट्रा । यद्या सेद्र र्बेश मुयायने वासर्वेदा सर्देन स्वा । गुवासिवा र्देयःर्घः अदशः मुश्रः यम्जितः र्वे। । इसः ग्रा्वः सर्केणः রুর দ্রীদ্রার্থা স্থানী স্থানির দ্রি <u>বর্ণীশ রুমশ বর্ণ ম ম বেশাশাশ রশা । বর্দ্</u> चलार्से हेते भुर्वे वा अर्देन डिम । हे पर्ड्न हुन

ลู:ผ:สูร:ฉฺฉัรุ

व च अ छिव व व व व अ अ अ व अ अ व अ अ व अ अ व अ अ व अ अ व अ अ व अ व अ अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ व अ

র্ঘ'মট্রির'র্বা ।মট্রির'শ্রির'শ্রের'রির'ন্ট্রিনর'

वशम्बिम्बर्भिम् । श्रे वेशर्त्वे धे सुव य बद्धाः

वशा । अष्ठिव रया श्वराया मुश्रायर अर्देर छेगा

ন্ন'ম'ক্সহ'বর্ইবৃ

त्र्वाक्षयःश्चुयःयदेः हेः अञ्चितः व्या । यहतः बेरः द्विः स्देः श्वेतः श्वेतः व्या । विषाः सुरः बेरः द्विः स्वेतः श्वेतः व्या । विषाः सुरः बेर्यः अर्हेनः वेषा । यहः अर्वेः श्वेषा श्वेतः यः अञ्चेतः कुटाः अर्हेनः वेषा । यहः अर्वेः श्वेषा श्वेतः यः अञ्चेतः र्वे। |घरे-क्ट्रेंद-दशुर-शेर-ग्रॅीद-दश्यावीयाश निय । कुल' ५८' कुल' श्रश्न' ५ में ८८' या अवत दग'न्नर'र्धेव'न्व'कु'अर्क्वे'अष्ठिव'र्वे। ।<u>न्</u>वेटश' षे बुद्दरह्म र्रोदिन समाने महार विमा । सूद्दरि यरेव.यह्र्य.क्रिंज.ख्रीश.ख्रीय.वशा विषट.वींट.जश. रुप्ति र तुषा सर्दिर डिग । मुखा श्रवा र्त्ते : श्रीवा यवयः षद्याः अष्ठितः वै। । व्ययः प्रदः ह्रेदः हेदेः दरः वशम्बिम्**श्रम् । १२म्ँ**ग्गुव्रदेवः उवः यः सरः नेवाववा । याववायवाक्षेटाववाक्ष्याव्यवायाँ । ङेग ।यज्ञःगरःग्रीः तयरः धुगः अष्ठिवः र्वे। ।यदेः छेवः

వ్రిచ్చుక్కుడిన్న

ยี.ช.ขีะเชฮุปโ देंर्यायायार्वीरयावयाय्याचीयायाः भेष । रुषाः कृ.ल.चेशक.र.चूंकावश ।श्वरःचूंचामधेश यहें व विषा यम अहें ५ डिष । यह व षि व व ग्युर:इ्रम्भेर:य:अष्ठिव:र्वे। अित:वे:अव्य:वेत: *৲*ট্রন্থার্থারারারারারা ।র্থারার্থার্থার क्रुन्यः क्रुवावया हिंगवार् ग्रेयः नुवायन्यः क्रेवः र्धेरः अर्हें ५:डेग । देव: उव: इ: प्रदे: व्रु: या अहिव: <u>। श्च</u>ी मार्जुया प्राप्ते केव मान्या न्या न्या स्था मान्या स्था मान्या स्था मान्या स्था मान्या स्था स्था स्था स र्वे। |xz:ऱ्या:क्र्अ:श्रुति:xz:लय:सहय: প্ৰ

नेवा |क्रंविक्वास्थाः क्षेत्रः स्वाप्तः सहस्यः विषा |क्रंविक्वाः सम्स्यः क्षेत्रः सम्बद्धः सम्स्यः विषा |क्रंविक्वाः सम्स्यः क्षेत्रः सम्स्यः सम्स्यः

ลู_๋ฆ:ฮูะ:ฉฺฉัรุๅ গ্রী'মা নদ্ম'বেদ্র ই'মীমম'ডর'এম' दवःश्चेषाः हें खवा । विषाः येदः तुश्रः वश्रः वर्षेत्रः

चर.लेब.ऱ्रट.पविश्वश्री 17.5ूट स्वापस्य য়য়য়য়ৢঀ৾য়ৢঢ়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৢ৸ৠৢ৾৽ঀয়৻ৠৢঀ৾ৼঢ়য়

র্হম'অম'রা ক্লীরা'মরা <u>|</u>ମ୍ବ'ୟ'ୟାନ୍ତିବ'ର୍ବି'ସ୍ତଦାଶ'

हेराधुर:5्रग्रचेग्रा |देबारवृद्यामिदावबा

श्चे प्रमः विष्णुं श्चेशः र्से प्रभा য়৾ॱक़ॕॖॱॾॕॢ॔८ॱॿ८ॱॴॺॺऻ र्दिव सेन कें यदेश ही

नश्रम्भारत्याचित्र। र्दिव'केव'धर'य'ङ्ग्र्य'य'

ये'र्येश्वानुरा विंरानुरे'त्र्वारावशाक्षेंदा |ন্ন'ম'মট্রিব'র্ব'ধ্রশ্বাশ ইশ র্মুন্যানুহ্যমা

युरात्वाक्षणम् । श्रीःस्वार्त्त्रःस्वारस्याः स्वार्यस्यः स्वर्यस्यः स्वार्यस्यः स्वार्यस्यः स्वर्यस्यः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः

ลู:ฆ:สูร:ฉฺฉัรุ

च्या |श्रेर:ह्या:यदे:स्व:यर:व्रेत:ब्रीस: र्स्यमा |श्रेर:रु:स्व:यदे:संद:यदेश:संक्र. स्वमा |श्रेर:हुम:यदे:संद:यदेश:संक्र.

য়ৢয়য়ৢৄ৾ঀ। ।য়ঽয়৻য়৾৻ড়য়৻য়ৢঢ়৻ঀৄড়৻ৼৢঢ়৾ৼ য়য়য়ৢ। ।য়য়৻ঀয়৻য়ৼ৻ঢ়৾৻য়ঢ়৾৻ড়য়৻ঢ়৻ড়৾ৼ৻ चैत्रःश्चिम्रम्। विश्वःयादः प्रवेषः स्ट्रेम्यः स्ट्रासः स्ट्रासः स्ट्रेम्यः स्ट्रेम्यः

র্মাঙ্কুর'বরাবরা বিষাশ্রী'রুম'ব্যম'র্গ'

ਬੁ:མ་རྒྱང་འབོད།

र्धेश्व सुयः वर्षाते । । । अध्याः मधिवः हेरेः व्यः क्षः यहेषाः छेटः यर्छेष । यर्जे दः देषारेः देषः व्याः । य्याः याद्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे

दश्रुरःतुःग्रेशक्षा ।गहतःस्ट्रिःटःकुयःतेः वरःधेतःश्रेशक्विग्रा ।गहतःस्ट्रिःटःकुयःतेः

त्यम् ह्या विकास । विकास स्त्रीय । विकास स्त्रीय

৾ঽঀ৾৾৴য়৾৻ৼয়৾৻ৼড়৻য়৻য়৻য়৻য়ৢঀৢ৾৾ঀ | ৢঀয়য়৻ড়ৢঀ৾৾ৢয়য়য়৻ ৻ৼয়৾৻ৼয়৻ৼড়৻য়৻য়৻য়৻য়য়ৢঀৢ৾

उर्-भ्र-रमेद्र-तयस्य स्व । वर-पद-तयः

 その数: まず、おき、おき、
 1日、おり、まず、ます。

 その数: まず、おき、これ、
 1日、おり、ます。

 その数: まず、おき、これ、
 1日、おり、ます。

 これ、
 1日、

 1日、
 1日、

 1日、
 1日

য়ৢয়য়ৼৄয়য়ৣৼ৻ৼৢ৾৻য়ৢয়য়ৢয়য়৸৸ৼৼ৻ৼৢ৾য়ৼৼ য়য়ড়৾৾ৼ৻য়ৼ৻ঀৢ৾য়ৼৣ৾য়য়৸৸ৼৢ৾ৼ৻য়ৣৼ৻ৼয়৻

ঀয়ড়ৄ৾৾ঀ৻য়ৼ৻ঀৢঀ৻ঀৢয়৻য়ৣ৾য়য়৸৸ৠৄ৾ঀ৻ৠৢঀ৻ঽয়৻ ড়৻ঀয়ড়৻ঀৼ৻য়ৢ৻ঀয়৻ৠৢ৸৸ৠয়৸৻য়৻য়৻ড়৻ **ॻ**ॾॕॸॖॱय़य़॓ॱॺॊ॔ॱक़ॱऄ॔ॸऻ বিপ্রাধ্বর্মাপ্রমূহালেই <u>ౙౢౢ౽ౣ౾ౘౙ</u>ౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢ *ষুবৈ*'মর্ব'মষ'মউহ'| |สู:ม:มเฮิล:ส์:สูฑฺฆ: हेशःधूरःतुःग्रवेग्य। ।येययःकुरःर्केयः८८ः दर्नेश्वास्य मुक्ति श्रीकार्स्त्रेयश्च । दिविस मा श्रीम सि बेर्'यः क्रेंट चें र पञ्चर। विंश्वें का द्वीर र प्वाहन यत्वःयेदःगेशःर्वे । । यार्वे मुः ईदः षदः ५ वीशः **५र्गेश** भ्रे: भ्रेस्य । । श्रे प्य देव श्रु श्रि श्रे श्रे श्रे श्रे श रदःश्रेयशः पश्चिष्यः । व्रिःयः यष्ट्रिवः व्रिंग् शः हेशः

ลู'ผ'สูร'ฉฉัรเ

ग्रैसर्द्धियम्। सिम्मस्यम्बर्धिमर्ग्यम्यम्यम्यम्यम् भ्रम्भः याचित्रा । प्रमायाधित्र के मान्नी या भी रहें मान्य स्था । प्रमायाधित के मान्य स्था । प्रमायाधित स्था । प्रमाया

ลู'ฆ'สูร'ฉฉัร

श्चरात्र्या । वित्रार्देराम्यस्याम् स्थान्यस्य । वित्रार्देराम्यस्य । वित्रार्थस्य । वित्रार्यस्य । वित्रार्यस्य । वित्रार्यस्य । वित्रार्थस्य । वित्रार्यस्य । वित्रायस्य । वित्र्यस्य । वि

র্ট্রবরা |ব্রা.অ.শ্বর.প্রমশ্রনার্ট্র.অ.জনারা

अत्रेश्चर्या । श्रियः मृत्यः प्रत्यः स्थाः स्था

ग्रीकार्स्स्यका । प्रमास्त्रीत्र प्रकार प्रकार क्षेत्र प्रकार प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र

ङ्गाक्षण्यः। क्रिंकायदेःमञ्जूषाकाःचञ्चरःक्रेंकाःभेवः ङ्गाक्षण्याः इंकिंग्राक्षःक्षुंत्। क्रिंकार्भेत्रःभःभेतः व्याप्तः

सदासदाक्ष्म । विश्वास्त्रीत्यादास्त्रीत्यादाः स्वादाः चुन'ग्रेश'र्स्यश । विषा'रे'र्स्यर पविष'दक्षे'य' रु'ष|त्रेष| । ४८'र्स्सेव'र्र्स्य पविष'दक्षे'य' विष्य'र्स्य

स्र-स्र-छ। वित्र-रे-स्वि-प्वित-स्र-सुर-धिर-

श्चित्रायश्चीय। । अकेत्रयाङ्गे मित्रप्त्रीय। अकेत्रयाङ्गे मित्रप्ति ।

कुर:ब्रॅटा । व्रि.भ.भष्टिव:ब्र्यंबाब:हेबाधुर:तुः

য়ৢঌ৽৻য়ৄ৾য়য়৻ য়ৣৼয়ৄ৾৾ৼ৴ৼ৽য়ৣৼ৽য়ৢ৻৽য়য়য়৽য়ৠৣৼ৽ য়ৢয়৽য়ৄ৾য়য়৻ য়ৣয়য়৽য়য়ৣৼ৽

मर्सेयः यने पा । मुक्ताः यहा । मुक्ताः यहाः । मुक् मुक्ताः यहाः यहाः । मुक्ताः यहाः यहाः । मुक्ताः यहाः ।

र्केट्ट के अधिक तथा विश्वास्त्र स्था । इयोज्य वश्व अधिक तथा विश्वास्त्र निर्मा

ลู^{:มเ}ฮูะเฉลัร| এঝ:ক্কুদ:র্ষ্রগ্রামান্বিএ:নঝা <u>|</u>ଗ୍ଲ'ୟ'ୟଞ୍ଜିବ'ର୍ବି' श्चिम् इस धुर र नुष्ठिम । उ नुष्ठ र्रे स অশ্ব:র্মুন্য নর্মুন্য রমশ্ব:उट्- रचीटः। । गाल्यः নব. প্রসার. মীরা রাহরাক্রিরা ওর্মীয়া এরিইরা गुर। । बोस्रवासर्केषा पश्चेत्र सेर स्टर्वेत सुष हु'यञ्ज्य । मानव'यव'शु'री'मानव'मोर्वेद'र्नेर' यःश्चित्र। व्रिःसःसिवेदःर्देः श्चम्रसः हेर्सः शुरः तुः

त्रुक्षःक्षेत्र। स्तिः सम्बद्धेत्रः व्यावाः हेका सुरः त्रु म्बन्धा सिकासान्यः वर्षेत्रः स्वावाः सेका सुरः त्रु सिकार्के स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स

ग्रेन्स्य नेया । वियाह्ये अस्य स्थान्य स्था । वियाह्ये अस्य स्थान्य स्था । वियाह्ये वियास्य स्थान्य स्थान्य स्

शः धूर्याचा । भार्याङ्कायाधियाः भारत्यः ग्रीटः श्रीटः भार जन्न यस्त्रम् । विश्व ध्रेम् कन्न श्रीयत् जन्ने ने

कुषा । म्हार्यायश्चात्रकात्र्याश्चात्रका हुशा धुरात्र । कुषा । महाययश्चात्रका स्थार्थ । सुष्ठा सुरास्था ।

ন্ন'মাক্ত্ৰহ'বেৰ্ইব্য विव देश द्या केंश र्स्य प्रविव क्षूत ম:গ্র্ম अ'त्रा । पादेव'देश'यश'यम्ब मुद'र्देर'

र्द्ध्यायविवासेत्। । दर्गेशादेशाद्वाये विश्वासा यहेव गणेट यश हिम। व्रि. संस्कृत र्वे स्मार

हेराधुर:रु:ग्राञ्चेग्रमा । प्येट्य:येट्:ठ्रु:यय:

क्षेण्यासदेर्त्यासवरःक्षेत्र। ।ष्ट्ररः तुर्यः वसयः

उर्-इ्वा'तर्थयः शु-र-स्टा | ग्रीवादा दव द्वारा

ग्रीसःश्रेमायदेःमीयाससामधिमसा ।र्देवासेरा

ब्रेट्स अर्वे क्रिंट विष्ट्र व

क्रिंबाय અહિત:ર્તે: શુગ**રા: ફેરા** શુર: 5ુ: ગાં લેગ **શા**

क्षेट:रुक्ष:तुक्ष:यर:वीत:वीक्ष:क्षेंत्रका । ।८८:घॅर: বধ্ম:শ্রু:ফুর:লম:শ্র্ব:লা বি:ম:শ্রুব: प्रविश्वाद्याद्याद्याद्याः अत्राद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्यायः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याः विश्वाद्याद्याः विश्वाद्याः विश्वाद शे[.]५मेदे:अ५'ग्रीअ'मर्डेश| |महत्र:५५५'हेअ' यदे मुंर्के र यद्या यदा इसमा । व्राम्य महिन कें वियोद्या हे आ श्री स. री. यो ज्ञाया । रिया क्रिया या वरा सी ष्ठ्रीत'यर'त्रीत'श्रीकार्क्रेयका ।श्लीं'नकार्गानेर'वका यर:बुद:बुद्राह्मद्भवद्या । तकःय:क्षेट:द्याः यर विदःश्रीकार्र्सेयका । यकायाधिर केकाक्की यर व्वेत्रः क्वेत्रः क्वेत्रः व्या । ययः यः यरः क्वः येदः यरः

ลู⁻ฆาฮูรางวัร|

त्र नुष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र । क्षित्र प्रमाय क्षेत्र । विष्य प्रमाय क्षेत्र । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विषय । विषय

ট্রব'গ্রীঝ'র্ক্রুঅঝ। ।বার্ড়ঝ'র্মার-র্ম্ডুবাঝ'র্ম্বুত'মম' ট্রব'গ্রীঝ'র্ক্রুঅঝ। ।বার্ড়ঝ'র্মার-র্ম্ডুবাঝ'র্ম্বুত'মম'

बर-तर-विष-क्रीश-श्रुचका विर्विज-ब्रैट-योख-स. तर विष क्रीश श्रुचका । नर रत्न श्रुट रेलिश

कॅर्प्स्य होत्र होत्र क्षेत्र कें प्रस्था । कें प्रस्था । कें प्रस्था । कें प्रस्था । क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

यर्वेयश्च्यायम् वीव्यक्षेत्रः हो । विद्यायम् विद्यायः यर्वेयश्च्यायम् वीव्यक्षेत्रः हो । विद्यायम् विद्यायः

र्दे देव उव केंब्र ग्रे हो । क्षुय येद यदग या से ब

ลู'ผ'สูร'ฉฉัรุ

यमः त्रितः श्रीकाः क्रिंयक्षा । व्हिंयः वर्तः क्रिंकः व्यवः न में क्रिंदः वर्गावः

ढ़ॏॴॱॺॏ**ॴॾॱॾॕऻ**ॸॱढ़ऺॴॻॾॣॏॴॼॸॱॸ॓॔॔॔॔ऒॶॴॹॱॹॖॻॗॖॸॱॻऻॎॱढ़ॆॱक़ॸॱॸ॓ऀॺऻॴ

ॱॡॺॱक़ॕॹॱॴॾ॔ॸॱॴॻ**ॴ**ॴॹॖॻॱॿॕॗॴॴॸॸॎॱऻॎॸॗ॓ॱॻॱॸय़ॣॏॱॸॖॱॿॖॸॱॺॏॴॺॺॱ

য়ৠৢড়ৼৼৼৠৢঀয়৻ঀয়য়ৣয়৻য়৻য়য়ৢয়য়য়য়য়য়ৢয়৻৻৻ৼয়ৢয়য়য়ৢয়য়য়য়য়

พฆ.मी.श.इ.ट.स्ट.यटे.यांचेयाश.पटेश.तपु.श्रीय.यायश.क्षेत्र.स्ट.यमी.श.

य:दगे:येग्रह्मःतसेय।

►ঘৰ্মাৰ্শ্ৰুবি:শ্ৰুৰ'অমা

জা হিনা-দেইব-ঘর্ম-দের্হ-মাব্ধা-দে-দ্রনা-

चित्र। क्र्रंट.तपु.टट.जब्य.चबटबा.षक्र्ट.22. वित्र। क्र्रंट.तपु.टट.जबा.चबटबा.षक्र्ट.22.

बेट वहिषा हेव ५८ वहिषा हेव यश वर्षा पर्दे

য়য়ৢ৾ঀ৾৾৻ঀ৾য়ৼ৴ঽয়য়য়য়৻৻৻ঽয়য়য়য়

स्व.श्रंभ.क्ष्मं श.त. ५८ ॥ अ८श.म् श.क्ष. ५८.

द्यो त्र्तुव द्रः व्याय प्रे प्राया व्याय वर्षे द्रः व्याय वर्षे वर्षे

पश्रुर:बेर:ब्रेजिंग्य:इस्रक्षः पश्रद्धःसर्छेर्:क्रुः

केव तरी प्रवेश यः तुरह न्य प्रवेश केंद्र में ग्रा

অ:5ঃ ৠুম:য়য়ৢ৾য়য়:য়৾:য়য়৻য়:ৢয়য়য়য় য়

<u> त</u>ुरःहःषरःपञ्चेत्। यन्यायी कुराम् न्याया अर्दिनः कुन्यये कुरा हःत्रञ्जेदःतुःग्रर्भेषः ग्रैः न्रःग्रेःध्विष्रायःदःग्वसः यदे ख़ रूप मुप्त मायदे प्रा ख़ रहे दूर रोट म्पुःषी रया या उत्र १ ५ यय मुखा के प्राये ५ मा थू वैः यनगमी कुरमान स्वराय हैनः कुराय दे क्रुटःहःपञ्चेदःदुःषार्श्वेषः ग्रैः क्रें:धे:ध्रेंषार्यःदः ग्वर्षायदेः द्भुः सुरम् ५ र यदे ५ ग्राः द्भुः वैश ग्राणः दबुग'बदबा'ग्री'बे'य'उवः दर'ङ्ग्रीर'के'यदे'र्ग्

য়ৢॱॻয়ৼয়ঃ यदगःगेॱक़ॗॖॖॖॖॖॖॖॣॸॱहॱद॑ॸॱय़ॸॱऒॾॕ॔॔ड़ঃ क़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॸॱहॱय़ऄॗॖॖॗॖॖॖॖॖॖॗॖॖॖॖॗॖॖॸॖॱॹऒ॔ख़ঃ ॻॖऀঃ ॶॖय़ॱॻॖऀॱ वैः मुःश्रम् र्ज्ञत्यामी विमायो उतः न्यतः स्याके

यदे: न्याः भ्रः यश्वरश्यः यन्याः यो सुरः हः न्यः ययः अर्देनः सुनः यदे सुरः हः यञ्चे नः नुः यञ्चे । यदः यो सुंग्रां वाय्यायदे । भ्रः सुरः हः न्यः यदे ।

८चाः भ्रः विश्वः विद्यः केवः विद्यः विद्य विद्यः विद्याः विद्यः केवः विद्यः विद्य

মুই বহুদ্বাপু শৌ শ্বাস্থ্য মাজ্য মার্ মার্ বহুদ্বরি প্র

कुरहार् प्राचरासर्हित् सुत्यते सुराहात्री प्राच्या

ला.के.स्थ्यात्यस्यः श्री.पधःमें.सं.रं.रं.यर.

सर्हेरः स्राप्तिः स्राप्तः स्राप्ते स्राप्तः स्राप्ते स्राप्तः स्राप्ते स्राप्तः स्राप्ते स्राप्तः स्राप्ते स्

विषाः नुषाः भू स्वाया या या या विष्याः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः

वर्ष्या वर्षेत्रः सुन्यत्रे सुन्य स्था

तर्मे प्रति: भू प्रमासी मार्थ स्थः से स्था से स

के.८८.३ स्या.के.जश.के.४भथा.ये८.घशरशः

यन्यायी कुरम् निर्मा के स्था के व्यय यन नयन्यः

ह्रच्रित्रुंत्रुज्ञेंत्यः वर्ष्केत्रुत्र्चेषात्तुत्रह्रःषर्यः त्रक्केतः सुकायाम्बीर्देन न्यदः स्यातक्केतः

दग'य'वहेब'यदे'तुष'यशु'वश्चेदः शेसष'य' यरे'यदे'हेर'यहेव'यश्चेरः वर्षार्वेव'यर'कर ૡૺ[ૢ]૽૽૱૱ૡ૽૽ૼૺૼૺૼૼૼૼૺ૱ૹ૽ૺૼ૱ૹૢ૽ૼ૱ૡૡ૽ૺઌૡ૽ૺૺૼૺૼૼૼૺૼ<u>ઌૡ૽ૺઌૡ૽ૺ</u>ૺૺૺૼૺ૾

मुसः सूर: र्रेट्रिट्र प्रस्य प्राप्त मे वार्से वा

र्धेग्रेषायाययामुयायदे मुयायसंत्र दर्धे मः दर्दे ५ यदे द्व. ग्व. त्वायाय दर भी के के के के के

मुयःर्येः प्रचाःस्याः भः देः मुयः मुरुः स्वाः स्वाः

मुँग्राचरुर्-रेग्रायः तळ्यायः वॅचयः वर्डेयः

বর্ব বেদ্রীর বেশ্বর বিশ্বর মার্টির 🕅 শ্বর হী 🕏

र्देश डेबाक्ट्रस्क्रेंप्तबेदिःश्र्ग्यास्त्रस्यांकेदेःविश्वायत्याःक्रुःश्र्याः

वीबान्त्रेबात्र्वात्यात्र्वात्यात्रकदात्रात्युवादवात्यीदान्त्री केंद्रवायात्रञ्जेदुः

पद्व प्य भेव व भेव प्रव मुक्षः क्षे प्रे भेव व प्रकार व प्रवाद

क्रें.रट.र्ग.जम.रच.मेज.ज्रु. दुम.त.पट्टेंदट.र्रग.पह्यं.कुर.

ॻॕॱॱॸॕॴॱय़ढ़ऀॱॸॕ॒ॱॾ॓ॣढ़ऀॱॺऻढ़ॆॸॱॴॹॱॿॖॣॸॱॸॕॱ៖ॺऻढ़ॆॸॱॿॖॖॗঃ ॱॶॎऀॿऀ៖

षः श्रायाषाक्रीः हं पाया द्वे यो हे वितु श्रवातरु तर्

্রি। । র্বারম স্ক্রীনর রামরার। সাম্রান্ট্রা ক্রিম। ক্রিমা

८८:क्रुंबाबा:ग्री:अर्क्रेवा:इसबा:वा । विट:क्व:वर:

र्'यर्गाने क्रियं श्रायं श्रायं ही । यर्गा में श हीन

র্মুমারাল্লীরান্রে, নর্মুই, বুগরা, দ্রীরা বির্মু, জ.

सवः स्त्रेरः अरशः मुशः त्यु वः सरः र्वेष । विशः सवः

শ্ৰুঝা

विष्ट्रमाञ्चरःग्चीःवर्देवःकःर्धेगमाञ्चेग

यरे.यदु:बु:८८:खेर.तर:बीर.दुव । इंबा. डेग । भूग पञ्चया ये ५ प्यते प्यते प्या ५ म श्चे त्र्यायम् शुरुर्देष । १३ मेर कष्राश्चर मिनेश नर वया चरी चनर क्रेंग्रश केन में या ন্বশ্বম শূম উন্পান্দ

र्क्षेण्याहेव,पश्चेट,कुट,कूर्यायायायायायाची 🛔 विश्वयाय.क्ट्र.

स्था । प्रमास्था । प्रमास्था

ૡલુઽૹૹૢૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣઽ૽ૹ૽ૢૢૺ૽ૡઽૣૼ૱ૹૡ૾ૢૢૼૼૼૼૼૼૹૹ૾ૢૣૼૼૼૹ

यदे। । पर्ड्यास्य स्थान्य प्राचित्र यहीयः सहितः । पर्द्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान स्था । पर्द्य स्थान्य स्थान्य

यनियाश्वः वार्श्वया । वार्ष्ठ्यः युवः यदी र विः व्यवः विवाद्यः विः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः व

हेर-र-वे.चल्याबा-ब्रामार्ब्या । ह्रिंद-याबुया-गुव-

୍ୟୁକ୍ଷ୍ମ୍ୟଞ୍ଚିଦ୍ଦ୍ୟଞ୍ଚିମ୍ୟଞ୍ଚିମ୍ ମ୍ୟର୍ୟ୍ୟାୟ'ଧି| |ଘରୁ'ସମ୍ପ'ସ୍କୁମ୍'ସ୍କିମ୍

यक्षा । यदेः विदः धद्राः यम् रत्युयः यम्राः व। । कें यदेः यम् वे यत्म् श्रम् श्रम् श्रमः

यक्षेत्रकारा स्थानी वी कि.सेश्वरायीय नेश विश्व

য়য়৾য়৽ড়ৼ৸৸ড়৽ড়৽য়৽ৼয়৽য়য়য়৸৸ঽ৾৽ য়ড়য়৽য়ঀয়৽য়য়য়ড়ড়৸৸য়য়৽য়য়৸

लट.त.के.ल.ध्या शि.यश्चेंट.ह्.हंपु.से.यध्या

या |भ्रे:ब्रेन्:न्न्:यश्चान्त्र्वाःत्व्यःत्र्वाः । । युट:र्ह्र:ह्रेत्र:श्लु:ब्रॅच:र्व्याः ।न्रे:यश्चःयाव्यनःयटः या |भ्रे:ब्रेन्:स्वाःव्याः ।न्रेंयःभ्रें-च्याःश्लुनःयटः

द्रः त्रेय। । श्रुभश्चान्यः र्वेचाः यक्ताः श्रुभः विद्र

्रवहुन्स्राञ्चनः हो व्यर्देशः संभ्रतः हो व्यर्धे ग्रह्मः हो व्यर्धे ग्रह्मः स्ट्रिक्सः हो व्यर्धे ग्रह्मः स्ट्रिक्सः स्ट

यदे। विवादम्यसः संस्थितः मन्यसः सुरः देगा

धनःयमायत्त्रयम्भे। है क्लेट्र खु: दम् खुँम् का यहुदीः यहिमा हेत्र त्व। । दुश्यम् श्रुश्यम् विम् श्रयः श्रेःधीः श्रेट्र मो गुत्व। । प्रत्या मीश्रयः यश्रिशः टेर्ड्याः बश्रश्चर राज्याः । युश्चर ट्राट्याः धीट्र ट्रायश्चः

यःलुझा । मिजःयः गीयःजः स्टाःस्याः स्वाःयधिरः सःलुझा । मिजःयः गीयःजः स्टाःस्यः स्वाःयधिरः व्युन्मभूर्णेव्न्व्मभूष्ट्रीग्मभ्रीग व्या |ह्यायाडेयाःश्रेटावःह्याःश्रेट्राक्षद्राक्ष्याः इसमा |क्रिक्षःक्ष्याःश्रेट्राक्ष्याः स्ट्राह्यःवः प्रत्याकाः सम्बा |दिःश्लेक्षःश्रेक्षःश्रेट्रिक्षःक्ष्यः सम्बाधः

य। विस्त्राउद्कुष्यः चः द्याः वीशः वदः चरः स्रा दिः द्याः चश्र्याश्चः यः स्राः बदः क्वः सर्वे द्रस्य।।

रिचेट्स. ग्री. लये. जया. थी. शक्षुप्ट. श्री. ग्रीय. ग्रीश्री। यथा । र्रे र्रायक्ष्यां य य वर्षे ग्री श्रव्यक्ष्या।

मुयायागुर्दाचीः वित्रास्त्रास्त्र स्वरास्त्र स्वरा । वित्रे । स्वरामस्त्रास्त्र स्वरास्त्र स्वरास्त्र स्वरा ।

यरःमनिग्रस्यः वस्यः उत् यत्मः मेश्रः यङ्गित्।। से फ्रिंगः त्सः यः वस्यः त्सः यः त्रः। । सियः स्रुवः

स्थां स्टर् चुवा या वात्वां सा सकें वा प्राप्त विश्वा । क्षिया । स्थिया ।

ঽ৽ঽয়ড়য়৽য়ৼৼৼ৸৸৸য়৾ঀৼয়ড়ৢঀ৽য়ঽ৽ ৻য়য়য়৽য়ড়য়৽য়ৼয়য়ড়য়৽য়ৢয়৸৸য়ৢয়৽য়ৼ৽ঢ়য়ৼ৽

न्नु'सेन्'कु'के'च। |ने'न्य'कुय'च'घसम्र'उन्'य'

 MCT MAN
 IDACT MATCH MOTOR OF STATES

त्रमः मुक्षा । वित्रमः क्षात्रः क्षेत्रः मिक्षः । वित्रमः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित वित्रः विव्याप्तः वित्रः वित्रः वित्रः विव्याः विव्याः विव्याः विव्याः विव्याः विव्याः विव्याः विव्याः विव्या

यदा । अश्वाप्तायद्याः मैश्वाप्तयः स्थितः । स्थित्रः द्रद्रान्य स्थितः स्थि ন্ত্ৰ-মঙ্গ্ৰম ভূনিখ্ন ন্ত্ৰি ক্ৰিন্ম ন্ত্ৰীন মঞ্চৰানা | বি'ব্ৰা প্ৰমৰ্খ ডব্'ন্ব্ৰা নীৰা ৰ্ষ্ণ ৰ্মিন্ম স্থান ক্ৰিন্ম ক্ৰিন্

៹៹៶៷៹៷៶៙៷៶៙៷៲ ៹៹៶៷៹៷៶៙៷៶៙៷៲ ៸៹៹៶៙៶៸៹៵៷៷៶៹៹៶

यर्गाःषेःस्राप्ताः । वाराङ्गसःस्र्रिग्दारास्रुतेःस्हेगः स्वार्केत्रासारम्

हेवःब्र्वेवःयःद्वा । धर्मवःद्यःदेयःयरः अद्यःब्रुशः यः कष्रश्यद्वेश । धर्मवःदःदेःदेःद्वःयद्यःब्रुशः

यर'यञ्जुत्य। । धु'दब'त्द्रद्व'ङ्ग्रॅब'ग्रद'यत्नेद'दे दग'त्य। । १३र्गें प्य'गुब'त्य'षव'त्नेद'यदे' ત્લુદશ્રુમ મુંગુ તર્દેવ કહેંગ શક્યું ન

स्त्रम् । प्रमाणक्राम्य विद्या में स्वा क्षेत्र प्रमाणकार्यः । प्रमाणकार्यः विद्या में स्वा क्षेत्र प्रमाणकार्यः । प्रमाणकार्यः विद्या विद्या

दक्षेत्रभ्यात्म आसुप्यात्म यह्न प्रत्यात्म यह सामु है से प्रत्य स्था यह सामु है से प्रत्य स्था यह सामु है से प

ग्रह्मा अंदि के के के कि कि कि क इंगि'सून। अर्राः नृया । निर्मा स्था अर्द्धा महीस् स्यान्त्रस्यायायान्त्रानुष्यः 🕴 क्रायहानुर्यायाः है। मिले इस यर दम या या दयर केवा महोंर की हा लियो. यो. र. चश्र. लूरश. श्रे. चश्चेर. चषु. रविश. शु:रेदे:क्वुव:र्से:रे:र्से:अर्क्चेष:रव। १र:एशः तयम्बर्भारी र्क्ने हंसु स्नि स्नि नियान यह र्स्ने निया श्चु-भ्रे-श्रुव। युवा-दर-युवा-दयम्बा र-प्यन-दर

र्धे 'रेव'र्धे हे। ह'सर्केष'रेव'र्घे हे। नस्रण'न्धेव' रेव'र्धे हे। गहेर केव'र्धेदे दुस्र'य। क्षेष'र्से सा

ब्रेट्या श्री श्री यो या थे हिंगा या यहिंगा

র্ম্বর্ম। শ্বর্মাশ্রমা ট্রাশ্বরেশ ঐ্যা শ্রুন। ইবর্মেক্টেরেশব্রশ্বরা ট্রশ্বরেশ ঐ্যা শ্রুন।

यदः मुत्यः अर्द्ध। न्युका शुः थुः न्दः श्रेः धेः न्यतः

द्यिशक्ष. भी अष्ट्र्य, संज्ञा भी स्वा त्या क्ष्या क्ष्य क्

अर्देव'त्तर'त्रग्रेद'तं द्वे राज्य प्रज्य स्त्रुस**र्स**'क्चे'

মর্ক্টরি: কুঝগ্রী: শ্রহন্ধ: অশ্ব: এর্ক্টরে: ব্রহ্ম: মর্ক্টর: বর্ম: মর্কটর: বর্ম: মর্ক্টর: ব্রহ্ম: মর্ক্টর: বর্ম: মর্কটর: বর্ম: মর্কটর: মর্কট

美, 통, उकर, कुब, ज़ू, टेट, टेब्यूटक्स, त, टेव्रेट, का.

यक्ष्यायदे न्ययं स्व न्य साम्य मार्थे । स्व न्य

য়ৢ৾৻য়য়ৼড়৾৻ঀয়ড়য়য়য়ৼয়ৣয়ড়ৣয়৾য়ৢঀ৾৻৶ৠয়৻ঀয়য়য়ঀয়য়ৼ৻ঀ৾ৼ৻ য়ৢ৾৻য়য়ৼড়৻ঀয়৻য়য়ৼয়ৣয়ড়ৣয়য়ৣয়য়ৣয়য়৻ঀয়৻য়য়৻য়য়ঀ৻য়ৼ৻ঀ৾ৼ৻

यर:क्वुव्य:प्रदे:क्रे:न्यव्य:प्रबट:र्घ:अर्क्चन्मे:) अवित:क्रेत्र:ग्रस:र्ब्व:र्म्च देरासुम्बाङ्गुप्तदे सेरामे प्रयापन सर्घे सर्केमामे सूर**ें जित्रस** यर्'पङ्गायःपनुर'यह्रवःउटः। वयःमुशःर्केशः ग्री:वर्षेत्र:वें:हग:घर:क्रुव:त्:वर्श्गेत्र:चवे:श्चर:त् तत्यायमायग्रीति । शुग्रासाहेशायग्री पतिः देव दु यवेशःशुःगर्केषा ।यवेशःत्रशःग्रेवःग्रेशःय<u>त</u>्त्रयशः हुःयार्केत्य। । अङ्ग्यानश्कायाते। **वागाते हें वार्क्यान्याया** विराधे र्हेगायग्रम । भे स्याग्चीरायवि वे ज्ञुषा यक्कुव'य'वरे। । **अ**दश'कुश'वेद'र्', दुर्भेग्रह्भ'हे' स्यायाधिया विर्मे गुनाइयादमा वेट रुर्डे र तविरश्चेत्र में र.ग्री.पर्ट्य क.म्रीयशम्भीय

यरःर्वेष । ष्रेर्देश्चर, रहुः सङ्घर्या वैद्धः प्रयासी। ^{५२८ लुपदे} भूवमा वियास्य विषा श्रीव प्रीट्र गी ५०००

ୣଌୣ୷ଽॱ୕ଵ୕୕ୠୖୄ୕୶ୄୠ୕୳ୠୖ୵ୣ୷୷୷୷୷୷ୠୄୖ୵ୗୄ୲

^{सुद्राकु न्तरे} न्ना वियाञ्च त्रा प्रतिः र्केशः ग्रीः

नर्राक्षेख्यतेर्देष्र्र्त्यस्यानराम्भेदेश विरा

ॻऀॱदेवबाया विषाङ्गावशा ग्रेंयाचे राविताग्री देयाया बनर्से ल्प्तरे र्ने दर्ज त्युवान राम्मेरे ।

^भ भुःगश्रुदःश्चगशःहेवःयत्यःर्क्षग

्रिश । श्री. हेव. श्र्वाया. द्वारा स्टाराया विषयः । श्री. हेव. त्वा प्रदेशः

वर्ग्रेदे मार्च्या मुन्दान्य प्राप्त वर्ग्नेद्र मार्च्या वर्गेद्र मार्च्या वर्या वर्गेद्र मार्च्या वर्गेद्र मार्च्या वर्या वरम्या वर्या वर्या

यर्त्र-द्वित्रं स्वरायक्ष्व तर्ने स्वरायक्ष । विषयः स्वरायक्ष्यः विषयः यक्ष्यः विषयः यक्ष्यः विषयः यक्ष्यः विषयः विषयः स्वरायः स्वर

वहुरमञ्जर वर्षेत्रमञ्जेष वर्षेत्रमञ्जेष । व्यास्य वर्षेत्रमञ्जेष । व्यास्य वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञ्जेष । वर्षेत्रमञेष । वर्षेष । वर्षेत्रमञेष । वर्षेत्रमञेष । वर्षेत्रमञेष । वर्षेत्रमञेष । व

हेवःवा धेः वेश्वाः अर्केषाः प्रहेशः प्रायाः वृवः त्राः सः

वा विवायदः र्षेत्रः श्रुदे हेव सर्वेषा दर् स्वा

यक्ष। । माराश्चमका र्झेरात्र महेराहे खुरा यह्मा यदे। । माञ्चमका यका यत्मा र्सेम् का यक्षी या हेका दुर्मे रक्षा मार्के या । स्वाप्त का स्वाप्त स्वाप्त

पर्यः सुम्राप्तवाद्यः सुन्यः प्रम्यः सुन्यः सुन सुन्यः सुन

म्रन् भूरान्यया थ्रवा व्याया । यहेन प्रमुखे

त्तुरश्च्र्यः भूरः ग्रीः वर्देवः कः स्वेत्वाशः श्चीत

यश्चायवरः प्रश्नात्रात्यः युवात्वः स्त्रात्याः । श्रूष्टेषात्राः र्हे हे दे : धुम : कु : दर् : खुय : यश | | मार : दर्या : यह

५८:यरे:यदे:अहंश्वःयः अर्केग । ह्रगः उटाष्ठ्रयः

८८. केंब्र श्री श्राचीया श्री संस्था विष्टि

वर्ष्ट्रबः भ्रवमा भ्रुं से त्युर हें हे मिन्द्र त्य पत्ति महा श्रम्भूज। ।यश्रद्भारयायाःश्रदश्रप्रदेशः

द्यरमञ्जूदः तुः मर्केत्य। । श्रुम् काः स्रो मर्के गाः तमः

क्रेव र्चे र प्रत्वा श श मार्शेषा । यदे क्रेव र्हे हे रें র্মুম্বর্শবার্ম্য মার্মুম্যা

[ॗ] ^ॻॸय़ख़ॱक़ॗॖख़ॱॸॺॾॱॴॹॖॱय़ऄॱढ़ॎॺॵॱय़ॾढ़ॱक़ॗॖॖॖॖॹॱय़ॱढ़ऀ।→

लश्चा श्रास्त्र तश्चा स्वाचा प्राप्त त्य स्त्र विष्य । भ्रम्य विष्य विषय । भ्रम्य विष

त्वुरक्षःश्लरः ग्रुं रदर्देव क र्युगकः श्लेष

हुं. ज्वीका क्य श्री होटा यह गढ़िश्राय ग्वामश्राय हो। व्वीस गूर्य क्श श्रुव.

ঘর্বা

विकास स्वास्त्र क्ष्रिया स्वास्त्र स्वास्त्र

प्रवेत श्री प्रमु प्रमु

हैं अप्रव केव प्राप्त का नेव में केवे बाद का यह व प्राप्त केवे का व्याप्त केवे का व्याप्त केवे का व्याप्त केवे

। अभव केव मि तभी हुन हून हैं के भाषा हैं मूं श लह हुन श हैं नह हैं हैं

यर् हुं अप्यये सङ्घ्रम् । श्विय यङ्ग्रेष र् सर्के म्से स् यरे हुं अप्यम् यथा । ह्वि र् हो अप्य स्वयम् यदे यद र हें स्वया । यञ्च स्वयः स्वय

तद्रमिक्षात्र्यः विष्यात्रम्यः यत्रः स्वायः स्व विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः स्वायः स

त्र्यात्रम्यायप्तित्रम् । विटाक्रेवार्मयायद्या

ત્વુદશઋૂ રાશું તર્દ્વ ઝાર્ધું વસાર્સુ વ

वर्वेर वेंदे विंव। विवीदश्र सर्द क्षेत्र स्र केव दें।

অহ.ড়ৣ.৻৴৴৷ ৸ঀ৾ঽয়৾৻৸য়৾য়৻য়৸য়৻ৼয়ৣ৻৻য়ৢ৾ঽ য়ৼ৻ড়ৣ৻৴৴৷ ৸ঀঽয়৻৸য়৾য়৻য়৸য়৻ৼ৻য়ৣ৻৻য়ৢ৾ঽ য়

सह्यः । । । नेषो प्राये प्रमेश क्षेत्र केत्र प्रें क्षित्र क्ष

त्तुःश्क्ष्मर्भेर्युवर्ष्यस्त्रीय कुन्यम्भर्युवर्ष्यसङ्ग्रीय

म्ब्रासीबारचित्रः इति। रिबायबिषाः श्रिवः प्रचेबाः

क्रेतःब्यक्षयह्वाम्बर्धायादेवकानिमान्म्बर्धावकायह्वामान्द्र्याः ब्रु.क्रमायह्वामार्क्षयायनेवकानिमान्म्बर्धायाया

द्यतः त्रश्चाद्वतः होत्रायस्य स्त्रुतः यः स्यायः स्त्रुः यः स्त्रिः व्यायः स्त्रुः यः स्त्रिः व्यायः स्त्रुः य विष्यायः व्यायद्वायः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः यः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रुः स्त्रु

26,03222.00.0021.009, û \$1.0002.00.52.22.22.002.012.002.201.01

यदेःपबरःपःम्बुसःपदेःस्रंश्रायाः ह्युरःपःर्द्वःपरःकृतःपरःश्रुरः देगा ॥

ँ ५र्गेव'अर्क्रेग'झ'य'ग्राश्रुअ'ग्री'विव'क्क्यश्र'५८'।। क्रिंश'वे५'क्क्य'यर'५ग्ग'यदी'यदेव'क्क्रेंयश'ग्रीशा।

म् अर्थः विवद्यायन् सुन् ना ना नान हुन् अर्गा

দ্বীব-দ্রিদাঝামারমান্ত্রিমান্তর্বা স্থান্ত্রা মান্ত্রা মা

त्तुरश्च्र्यः भूरः ग्रीः वर्देवः कः स्वेत्वाशः श्चीत

र् अरबः कुबः बः यः वर्षे रः यरः विगा

अभ्वाप्तराय वार्षा वार्षा वार्षा वार्षेत्र हुः भुः कें भेरायमा मुर्बेलाया वरेयमा । स्वेदालमा

<u> ५२'वेट'क्कुश्र'य'गर्शेय'घ'यरेघश्रा । त्र</u>'स'५८' <u>বর্বার্মরার্মর রাজ্বর্মর্মুরশা । বর্বাঞ্রর </u>

न्नु अदे वित्र पर्ने पर्मे पर्मे प्राप्त अवस

र्षेट्रसंयायने भ्रीत्रव्युदाय द्वा । यत्यायाव्यः

याः तुर्वार्क्षेण्याः वर्षायाः श्रुताः श्रुत्याः वर्षा । श्रुत्रः

^भ मर्शेयः हः प्रवेशः तत्र्यः ग्रीः अर्केन् ः दत्या

२३ विष्याद्द्र विषयः म्यात्र विषयः विष्यः विषयः वि

ल्री अभ्रेशन्तर्भातात्रक्षा विदासक्र्याः भ्रम्भान्यत्यात्रेषाः विदासक्र्याः

ब्रिंग्रास्त्र, यदे:श्रुग्, रुप्र, य। ग्राट्य, य. थे.

धै'निर्धे'र्क्सभु'सर्देव'र्नु'सर्द्र्य ।हे'नर्ड्व'क्षस' नक्षसंविद्यक्षरादर्शे क्षियाह्म ।हे'नर्ड्व'क्षस'

भ्रवमा यहेगाः हेव : यदेव : यदे : यद

मेर्। ।रुषास्रवायकेयासस्यास्यास्य

ग्री:श्रुप्तश्रा | श्रद्धाः सुत्रः स्ट्रां स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः स्ट्राः

মুপ্স:প্রংমার্ম:গ্রাব:গ্রী:ওর্ব্রব:গ্রামা | ম্ব: মুপ্স:প্রংমার্ম:গ্রাব:গ্রীনপ্র:গ্রামার:গ্রা

२.ग.स. खेल. चोडुचा. सैचा. चाछुडा. झैंचे. चर्टेंच. रूंची। इ.ज.स. खेल. चीड्य (बि.ज. इ.स.चे . ५४) छ। । ५५

त्रवुदशङ्ग्रीय:ग्री:वर्देव:क:र्स्वेगशःश्चीग

षीर'यवित्र'यम्रिंस'र्येदे'वय'रुः र्यय'युत्र'र्स्नु'र्से'

^{ୡୣ} ଶ୍ୱସଂସदିଂୟ€୕୍ୟ'ସଞ୍ଜୁଐଊ୕ୟ'ୟଞ୍ଜୁଁଦ୍ୟା**→**

य.पर्यका।

क्रॅ्ब गिरे त्रु प्रदेश वियाग्रह्म । वियाग्रह्म सुमाप्त सुन

र्यः अहं अः विः यदेः भ्रा । षो वि अः न्यमः ष्यः अं षोः

सक्र्याः क्रियाय। विषायमः क्यायस्य विषात् स्राहेन

। ग्रम्भःयह्रम् सुग्रम् अर्केन्।

्रिश क्लि. श्री. श्रु। त्रष्ट.कुर्य.वै.ग्री.सुंश्राशह्र.त्रर.ग्रीयोश्रातपु.

गवसायहवासुनाः अर्केन्। न्यान्याः विवायस्य क्रिंगः अर्नेन्यः यसुन्नाः संस्थाः स्थाः सुन्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थ

ॻऀॱॸॺॱढ़ॸॕॖॺॱॿॆऻ*ॺॸॺॱक़ॗॺॱक़ॕॺॱॸ॒ॱॱक़ॕॺऻॺॱॻॖऀॱ*ऒक़ॕ॔ॺऻ

क्षकाला विटःकृपःचरःरिःचर्याःवेःश्चिपकाःशः इसारान्त्रवा करम् श्रम्भ क्षम् ने क्षम् स्

ব্যর্মানীরা বির্মু নেরের দ্বী মার্মানর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত বিষ্ণান

वस्रक्षां ७५ वर्षे । ज्यान्या । ज्यान्या । क्षान्या । कष्णाय । क

ন্ধ্ৰ-শঙ্গন্ধ-জ্বাশষ্ট্ৰন ন্ধ্ৰ-শঙ্গন্ধ-জ্বান্ত্ৰন্ধ-জ্বান্ত্ৰ-ন্ধ্ৰ-শঙ্গন্ধ-জ্বান্ত্ৰন্ধ-জ্বান্ত্ৰ-ন্ধ্ৰ-শঙ্গন্ধ-জ্বান্ত্ৰন্

केव्रः संरथः मृवद्याः स्य स्य सुर देम । १४व म् अया

শ্বীবরা বার্ষা নূর্যার মর্ক্রবা বাধ্যম শ্রী বানুর মা ব্যা

ইবর:২৮। ছি্মারামাণ্ডরাসাদর:ছ্রা ১৮। জিন দ র্বর বর্ব ব্রবর্ম মি ইব

र्वेरश्रद्याः क्ष्र्यश्राच्या । क्ष्र्र्यः यहरः यहेर क्षेत्रः विद्याः विश्वाः यद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या

र्वे र सुदे मान्या से द । यद के न र्ये र । वित के न

র্মুন্ঝশ্লুনগ্রীন্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্

लर हे सह हे हैं यह । हिंदी है के यह यह है से हैं वह सह है हैं यह स्था के यह यह यह से स्थान

यही सन्दर्भ स

बुदःबद्दश्चर्यं ययाःस्रवियःस्रदःस्रक्राःदेवः

৽৽য়ৢৼয়ৠৼয়ৢ৽৽ৼ৾য়ৼৠৢঀ ঌ৾৾য়ৢয়৻য়ৢয়৻য়৻য়৾য়য়য়ৢঀৼড়ৢ৻য়ড়৾য়৻য়য়ৢয়

यदे अःगविदे ५ तुषा । ५ व . क्रेव . यशः शुपः शु

यक्षे.भू.पक्षे.ता । तयः कु.भू.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.यक्षे.

स्यम्। सिमार्ग्यायम्यायम्यात्र्म्रीत्रम्द्रायम्यायम्यायम्यायम्

र्थे:इस्रम् विभिन्नः न्यः विभागम् । विभिन्नः विभागम् ।

यर्वेग्रस्युःग्रस्य । सिंग्रस्यस्य स्ति । सिंग्रस्य स्ति । सिंग्रस्य स्ति । सिंग्रस्य स्ति । सिंग्रस्य स्ति ।

ন্ত্ৰান্তম্বান্তন্ত্ৰ বিষয়ে নিৰ্মান্তন্ত্ৰ

ଌ୕୵ଽ୶୷ୡ୕ୢଽୢୖୣ୶୷ଵୖ୵୲ୗୣଽ୶ୖୢ୕୶୷୷ୢଌ୕୵ଡ଼ୡୢଽୡ୷ ୡ୵୕ଽ୵୷୳୵ୢ୕ଽ୵୷ୡ୲ୗ୕ୢୡ୕୶୶୷ୣଌ୕ୡ୵ଡ଼ୡୢଽୡ୷ सम्बद्धान्त्र स्वास्त्र स

यर:यी:स्रिया:हु:चल्याया ।यासुर:रव:रेव:क्रेव:

श्चिमा विषया शुर्गा विषया विष

दर्वैट.टट.भ.तम.चयाश्व.याथश्च। ।र्थ.तंय. पर्धेश.पक्षेष.तपु.भैज.भक्ष.यह्य। ।तथ.जय.

श्च'ग्रुव्दर्भ । यस्य स्व श्च'र्स् हें र्स् पर्से । श्वें स्व स्व । यस प्रव स्व स्व स्व र स्व र से स्व र से र

य। । र्गः पर्डे अया विश्व प्रदेश के वे से रिवर रेगः

ଵୄୗ୲ୣ୲ୣ୲୰ଈ୕ୣ୵୕ଵୄ୶ଈଽଽଵ୵ଢ଼୕ଵ୵୕ୄୢୠ୷୵ୢୠ୶ ୢୠ୶୲ୣ୲୰ୠ୕୵୕୰ୡ୕୵ୡୢୗଽ୵ୡ୕ଢ଼୵ୄ୕ୠୡଽୄୢୠ୵ୡ୵

८८. स्ट्रास्थि क्ष्मिया स्ट्रास्था क्षेत्रा स्ट्रास्या क्ष्मिया स्ट्रास्या क्ष्मिया स्ट्रास्या क्ष्मिया स्ट्रा

यर उव ची सेव यश र्केश र्सुय यहेव छेट। वित् चुरे दियर वोश सेव यश र्केश र्सुट यदी वित् ন্দ্ৰ-শঙ্গ বৃষা দেই মা ঠুৰা মাৰুণ নদ্ৰ- নম্ভ বৃষা দেই মা ঠুৰা মাৰুণ

त्रुम्। । मरार्देवःद्वास्य अध्याय्ये सम्बन्धः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः । । स्वयः द्वायः स्वयः स्वयः स्वयः । । स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः । । स्वयः । । स्वयः । । स्वयः स्वयः

म् । रिश्रायक्षाः अस्त्रीः स्वरं स्वरं

वर्ते र मिलेगुर्या । दिगे प्रश्लेष श्लेष

चेन्द्रेत्र प्रदेश क्ष्या । प्रत्ये व्या । यस्त्र प्रस्था । यस्त्र प्

रेव : क्रेव : श्री द : तु: श्रुव : यदेव : वा ाय श्री : यदे : देव : क्रिक : क्रेव : श्री द : तु: श्रुव : यदेव : वा ाय श्री : यदे : देव :

द्वीरः अर्केन् ग्रीक्षाम् निम्नाक्ष्याः क्षुः महिष्याः स्वर्धः व्यक्ष्याः विक्षः क्ष्याः विक्षः व्यक्ष्याः विक्षः व्यक्षः विक्षः विक्य

स्रोटायो । यद्यायोश्चायः अस्ते । प्राप्त । यद्यायो । यद

বল্লীর। । ব্রুঅ'ব'রমশ্ভর'র'র অম'র্ম্প্ররশ বল্ল'নীঝা । ব্রুঅ'ব'রমশ্ভর'র'র অম'র্ম্প্ররশ

श्रुयंद्री विदःषीःहृयःश्रेदःस्श्रास्यःयहृदः

त.लुझा भिजाय.भीय.ज.चय.धि.सेमा.उक्जा

ज्ञा । व्याद्याः स्ट्राः स्ट्र स्ट्राच्या । व्याद्याः स्ट्राः स्ट्राः

यर्ग । विश्वसः क्षेत्रः श्रीः न्द्रीयः वः नत्वावः यः न्य । ने : क्षेत्रः क्षेत्रः श्रीः न्द्रीन्यः क्ष्यः यः स्थाः यः न्य । विश्वयः क्ष्यः श्रीः न्द्रीयः वः नत्वावः यः स्थाः सः स्थाः सः स्थाः सः स्थाः सः स्थाः सः स्थाः सः स्थ র্মশ | বিভিন্ধ:শ্রী:শব্-নেম্বা:শ্রী:শর্মর্ম:শ্রীন র্মশ | বিভিন্ধ:শ্রী:শব্-নেম্বা:শ্রী:শর্মর্ম:শ্রীন ক্রম্মা | বিভিন্ন:শ্রী:শর্মান্ত্রীন

গ্রীঝা |ক্রুথ'অ'শ্যুর'গ্রী'র্ম্মর'দর'মইন্' গ্রীঝা |ক্রুথ'অ'শ্যুর'গ্রী'র্ম্মর'দর'মইন্'

শীঝ'নষ্ট্ৰিব।। শী ঝৰ্জুনঝ'ঐব'নঞ্'নঝ'ঐ'ইঅঝ'ঐব'। |শাৰ্ষ-'

म्रीसःश्चेत्रः यहंशः यदः श्चा । व्यः महिनः स्वमः महिश्वःश्चेत्रः युदः यत्याश्चा । व्यः महिन् सहसः

क्र-र-लयः पहुंच सिवा पश्जा । वि. भपुः चक्रेच. रेबा पश्चा क्रुंट रेट अंश पश्चिश पश्चेर। ।श्चेश प्रविधा प्राप्त विश्वा पहेचे. लवे. जवा. पश्चेट ।।

ત્વુદશૠૂ ર:શુઃતર્દેવ:ಹ:લુંવાશ:ક્ષુવ

स्या.योक्षयः सुरा स्था.योक्षयः यद्गः योक्षयः यद्गः योक्षः यद्गः योक्षः यद्गः योक्षः यद्गः योक्षः यद्गः योक्षः यदः योक्षयः यद्गेषः योक्षः यो योक्षः यद्गः य यः इतः विष्याः योक्षः यद्गेषः योक्षयः यद्गः य

युव्याःसहरःस्वयाःतक्ता । सिःसदः चक्रेयःसः स्वा गठग गयान्यस्य। । सिःसदः चक्रेयःसः स्व गठग गयान्यस्य

पर्डेसःक्ष्रॅट:५८:क्षेष:पक्क्ष्य:पक्ष्रॅर। |षाक्षेर:ग्री:इ: र्गेर:५६दाः न्नु:सदेःः पक्ष्ठ:पःः क्षेड्स:पःधेः

म्नीत्रत्वते। । मन्याः यहनः में हे में प्याः । इस्मायः यहें संस्थाः यहें मायः यहें संस्थाः यहें स्थाः यहें स्थ

सह्यः सः व्यवः वहितः । स्राच्याः स्टेश्वेदायः । स्ट्राम्बरः यह्मवः यः हुःर्वेः

৺৻য়ৢ৻ঽ৻য়ৣ৾ৼ৻ঽৄৢৢৢ৸৻৻য়য়য়৻য়য়ৢয়৻ য়য়ৼ৻য়৻৸৸৸ঀয়৻য়ড়ৢয়৻য়য়ৢয়৻য়য়ৢয়৻

पर्झेरा क्रिंशरकर सक्य मिल्या सहर है.

यस्य वार्षः यह्न वार्षः यह्न वार्षः यह्न वार्षः वार्ष বর্ষ ক্রম ক্রম বর্ষ ক্রম বর্ষ বা বিষ ক্রম ব্যাহ্ম ব

यर्ड्स क्षेत्र प्रति । यह्न व । यह व । य

मी'श्चि'त्रे'श्रुव'व'वे। विषयाश्चायते'यावश्चायह्व'

यःगुःष। |८्गःवर्डेअःकेवःदः८्गःवक्क्षःवर्ङ्गेर॥ धुगःग्वेश्वःवेदःयेःवह्वः व्यःअदेः वश्ववःयः

द्ये प्यरंगु प्ये म्रीट व वे। । त्यम् मश्यदे म्रिक्शः यहव क्षु गडव दहेव। । त्य यर्डे अ क्षेट दट केगः

यक्तश्रायक्क्ष्म । भिवाक्षेत्रः युंगाल्यहेतः त्रुः अदेः

বষ্ধর'ম' বু:র্কুর'র্রর'র র্রান্থরা বষ্ধর'ম' বু:র্কুর'র্রর'র র্রান্থরীণ

क्रॅट.ट्ट.ट्रैय.चभ्रम.चभ्रूर। वियायक्रम.चर्चम. इंट.ट्ट.ट्रैय.चभ्रम.चभ्रूर। वियायक्रम.चर्चम.

য়ঀয়৻য়ৼ৻ৼয়ৣ৾য়৻৻ৼয়ড়ৢয়৻য়৻ৼঀৼ৻য়ৣ৻৻ড়৻ য়ঀয়৻য়ৣ৾য়৻য়৻ঀ৸৸ড়৻ৼ৻ড়ৢ৾য়য়৻

जुर्थ। रिबी.यङ्श.झूर.स्बी.यङ्ग्रीया.बुंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युंबा.युं

योग्नाचायाक्ष्मरायबेदादहेंत् व्यायदे प्रमुद्धाः स्थान

यदे.योष्ट्रं याचेश्वःश्वेशःश्वःशः यदः यो विस्त्रयंशः यदः वें योष्ट्रं याश्वः यम्ष्यः यो विस्त्रयंशः

केव'र्य'न्शु'चक्कुश'चर्झ्रेम्। श्लोगश'चअ'र्केश' वक्रन'अर्हन्= न्नु'अदे'= चश्रुव'य'= रे'धे'कुव्य' विष्टुरम्भ मा विद्यम्भ भी विद्यम भी

यः रे.लु.मैज.सू.है.सै.जर्। विस्वीयःतपु. यभातायवरःबोश्चलासूर्यः

यह्य = यः शदः = यक्षयः तः = द्रः लुः मिलः त्र्ः यादशः यथः यभित्रः यक्षेत्रः । विश्वात्रावेश्वः यथः

उवःजा । विस्ववाद्यायदेः वावद्यः यहवः भ्रेः स्वेदः उवःजा । विस्ववाद्यः यदेः वावद्यः यहवः भ्रेःस्वेदः

य। । । न्याः चर्डे अः क्ष्रें दः ख्याः ग्रें याः यो वाः चर्क्षेत्र।।

ॻॖॸॱख़ॖॻॱऒ॔क़ॕॸॱॸॖ॓ॺॱढ़ॾॕॺॱॿॖॱऒढ़॓ॱॱॻॺॢॺॱय़ॱॱ ढ़ॺॺऻॺॱय़ढ़ऀॱॸॺ॓ॱॻॺॖ॓ॺॱॾॖॾॱॸॗऻ<u></u>ऻॸख़ॱय़ढ़॓ॱॿॕॸॱ

यायदःवःम्बेग्रा । सःषयःत्रुयःयःदह्वः त्रः

भ्रें तक्षक पाः पर्दे क प्रश्व प्राप्त । विद्व प्राप्त । विद्व प्राप्त । विद्व प्राप्त । विद्व प्राप्त । विद्व

यद्य विसः क्रें स्वाचित्र क्षें विषय विषये |

कुर्य.चर्षु.ज.सैयो.पक्ज.जूर्। । यः अपुः भ्री.क्र्.चस्यः

다'\ | | 다봤어'다'क़\'\'चेठ'चेठ'।

विश्वासंस्पाश्चराश्चेत्राश्चराङ्गेत्र्य। स्रोक्तित्वान्त्र्याः स्थितः यात्त्र्यः यात्तरः। ।श्चित्याः श्कृतः स्थाश्चात्त्र्यः यात्त्वाः स्थाः स्थितः यात्त्र्यः स्थाः

अर्क्षेत्र'तरा । अर.मु.सक्र्म'त्र'यर्म'र्मेश्र'र्म. अर्क्षेत्र'तरा । अर.मु.सक्र्म'त्र'यर्मेश्रंश्र'र्म.

य'भेश । मुल'न'ने'न्ग'ल'ने'अर्केन्'यर'नशी।

ઉત્તર પ્રસ્થા માર્ગ પ્રસ્થા મુખ્ય મુખ્ય પ્રસ્થા મુખ્ય પ્રસ્થા મુખ્ય મુ

याःसःह। यहःस्यःमःसःसःहःह। हःद्यःयाःदःस्यः सक्रित्रामःयद्यी विःसःमहःहःस्यःस। क्षेत्रःसःहः याःसःह। यहःस्यःमःसःस्रो हःस्यःस।

षद्गः हे अधुर्यः यङ्कःषा हर्ष्यः विद्वा क्षः यङ्के यङ्के । यह्मे अङ्ग्हे र्हे यह्मे अङ्ग्वेर्ड्यः वह्मे अङ्ग्वेर्ड्डे ৽ঀয়ৼয়ৠৼয়ৢ৽ঽৼয়য়ৠয়ৠৢঀ ৺য়য়য়ৢয়য়ৢ৽য়য়ৢয়য়ৠঀ

यास्यास्य प्रतास्य स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर्धात्र स्वर

য়৾৾য়ড়৸ঽ৾৽ঀ৾য়৻ৼঀ৾৻৸৻য়৻ঀ৻৸ঀ৾য়৸য়৾ৼৢ৾৻৻৸৻ৼ৻৸য়৻৸৸৸৻ঀ৾৻৴৾৻ য়ৢ৾ঀ৾৻য়ৢ৻৸ঀৼ৸ড়৸য়৻৸ঀ৻৸ঀ৾য়৸য়ৼৄ৾৻৻৸৻ৼ৻৸য়৻ৢ৻য়ৢ৾৻ঀ৾৻৸য়ৄ৾৻ঀ৾৻

याया यह अपूर्वे व प्रिष्ट दे हैं अ इ स्

ॸॖॱॿॄॱॴॱॸॱॸॕॢॖऻ*ॸॱॸॱॸॱॸ*ॱॸॖॕॱॾॢॱॴॱॷॺऻॎ ॺॾॱ ॸॱॿॄॱॴॱॸॱॻॾ॔ॱॺॗॱऄॱॶॡॖॱॻॾॣऀॱॾॢॱॴॱॷॺऻॎ ॺॾॱ

শ. দি. প্রেঃ প্রাঞ্জানা নার্ম নার্ম্ বাং নির্মানার্মা প্রানার্ম নার্ম ন

ष्युः हुँ। वावि इसायर द्याय द्या स्टिस्से व

त्युदशः श्रूरः ग्रीः वर्देवः कः र्द्धिगशः श्रीम ৻ঀ৾য়ৼৠয়ৢ৽য়৾৽য়ৼয়য়৽ড়৾ৼয়৻য়ৢ৽ঢ়য়ৣ৾য়ৼঢ়৾৻ৼঢ়ৢয়৽ शु:रेते:क्वुव्य:द्यं:रे:व्यं:अर्क्च्या:रव। १र:खुश्च: तयम्बर्सि क्रें ह्यु मुद्दा व्यायायदार्ह्यु । विराञ्च से क्षेत्र स्वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ८८.इ.लय.चाववा गाल्.रेव.२८.जम.मक्र्या वर्गे। श्रु-भ्रेत्रन्द्श्याभ्रेत्र्वाश्ची देवार्येः केंदे-रे-र्चे। नयमानश्वराष्ट्री-मेरा। वर्नेन-वर्हेदे-य। अर्सेश्वयदेः वें 'हेंग विवेंर वें 'रेव' वें 'हे। र्वेर-मु:रेव-र्यः हे। पर्दुव-र्ये:रेव-र्यः हे। र्वेव-र्येः रेव संक्षे ग्रुट संस्व संक्षे ह सर्के गरेव सं वहुम्बन्नम् चैवर्न्द्रम्ब चैत्रम् चैत्र के। नुस्रम् नुर्धेत्र स्वर्धे के। महिस्केवर्धेत्र सुस्र या क्षेम् क्षेम् सेट्यास्य। सुस्य। मस्स्रा से

म्बा भ्रा चर्याः श्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः स्ट्रिक्यः

त्रश्चित्रः मुलायते मुलायक्ष्य । द्वार्श्वः

८८: भुरु, ८५ की १५४ की ४३% थी। ५८ ५८ है। १८: भुरु, ८५ की १५४ की १५४% थी।

त्रभेरःत्र। <u>रयः</u>दविश्वश्चःश्चेःशक्षुपुःर्देजःश्चेःबर्द्यः

તલુદશઋૂ રાંગ્રી તર્દેવ કાર્ફ્યું નશ ક્ર્યું ન

ঀৢ৾ঀ৾ঀৢয়৻৸য়ৢ৸৻ঢ়ৢ৻৸য়৾৻৸৻৸য়৻৸৻ঀ৾৾৻য়ৄ৾য়৻ড়ৢয়৻ बुग्रास्तिरः से 'र्नेग्'यग्राम् । रे 'रव' ग्रीर'य वे 'र्ने '

<u>बुबायक्कुवायायदी। ।बदबाक्कुबाबेटादुप्देशेग्रवा</u> हे'स्यानःषेशा । दर्षे'गुनः इयः ५गः वेटः रु:र्ह्हेरः

तर. स्य विषयात्र दिया स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य

พ์| |ฆฺรฆฺสฺูฆฺฮฺรฺธฺฺฉฺฆํฆฆฺรฺนฺ๙ฺรฺรฺ|| त्तुः अर्दे हे र्र्त्वेच ५ ५ ५ ५ १ । वि ५ अर्थः र्र्वेग अर

व्यॅर-५८:वड्या । ५३:वाश्रुय:वर्ने:वानेवाय:यः

खुर्याय। । ब्रीटाचबे दे र्याय उर्वाय द्वा । ब्रीटा

यले'ते'य'स्या'यकु'र्रा ।ते'य'दत्अ'र्रर्र्

ત્વુદશઋૂ રાગ્નુ તર્દેવ ઋર્દ્ધી વારાસુવા

ले'यम्भी'म्वस्य निम्। विस्थास्य स्थित्रायिः दर्शे पः क्षेत्रायमः र्वेम विदेत् कम्साले स्ट्रम्मि स्मान्यम् सेस्या

ૡૣૡૢઽૹૹૢૣૣૣૣૣૣૣૣૣૣઽૡૢૼૼૼૼૢૹૡૢ૽ૼૼૹૣૹૹૢ૽ૢૣૹ थेर'ग्रे**अ**'ग्रद्र। ।श्चेम्'य'यर्म्'मेश्चर्म्येअ'य'र्डे'

র্মিন'অপুনামা । খ্রিমাঝ'অপ্টুমে'ক্রাঝ'অ'গ্রার'৲ন' য়ৼয়৾৾য়ৢয়৾য়য়৸ৢয়ৼ৾য়ৢয়ড়ঢ়ৼয়ৣ৾ঢ়ঢ়ৼ

มิ'สู้โล'รุะ" |เฉฐิ์'ล'ฑูล'ฃิ'ฉฬิร'ลุมฆ'ฑะ' व्यःषदः। । देःद्याःगुद्रःश्चेःहेश्वःशुःचद्याःषः

रदा । यदः इस्रास्त्रिय्यान्यस्त्रितः दहेयाः हेवः क्वेंतः अ'५म । प्रदःख्य'रेअ'यर'**अ**दशःकुश्र'अ'कग्रा

यहेश । अर्थेव र्ये रे र्या यद्या ये अध्य

विवेद्यात्रीयः विश्वत्रीयः विश्वति હદ્વ'વ્યા *ๅୄୄୄୄୄୣୄୠ*ୢ୵୶ଽୡୄ୕ୡ୕ୡ୕୷୷ଽ୵ୠୖୠ୷ୖଽ 지좕이

ଜ୍ୟକ୍ଷ୍ମ ଅନ୍ତି ଜ୍ୟୁ କଞ୍ଜିମ୍ୟ କ୍ଷିମ୍ୟ ବ୍ରମ୍ୟ ଅନ୍ତି ପ୍ରମ୍ୟ ଅନ୍ତି ବ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍ୟୁ ଅନ୍ତି ବ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍ୟୁ ଅନ୍ତି ବ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍ୟୁ ଅନ୍ତି ବ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍ୟୁ ଅନ୍ତି କ୍

ष्ट्री |पञ्चलायाः बेटाकीः हुवाः श्केट्रायत्वाश्चायमः षटा |पट्नाकीशाववाः श्रीम्याञ्चराविवाशायमः

यश्ची सियात्रक्षायात्रम्भक्ति स्टाम्स्या

८८। |हेशशुःधेःम्द्रपञ्जुषःविदःगर्शेषःयः वि| |८गोःपःगुदः=८:प८गःगिशःग्रेःपश्चमशःप।|

ষপ্তর নির্মানী কারি মার্লি ক্রিমার ক্র

প্রদেশ, শ্রীপা, বা, ইরা, অর্থুপা, ধর্মা, বারু,

व्युन्मभूरकुर्द्वक्ष्यमभ्भेत र्क्षिणम् । पर्को पर्दे प्रदेव प्रमुख्यमभ्भेत

चुडु:चुम्'मेश। ।घश्रुवःयःखुवःभेरःमवशःयभः चुवःचुशःर्क्रेवश। ।घश्रुवःयःखुवःभेरःमवशःयभः

यदी । १ में व सर्वेन मा शुरु १ देश मा व श महत

यहवःयञ्जूषाःषी। यिष्यः र्वेषाश्चर्यः अर्वेःयशः यहवः यञ्जूषाःषी। यिष्यः र्वेषाश्चर्यः अर्वेःयशः

यम्यार्वेषः स्टब्सं सेन्। विन्नः त्यां क्रेंनः यवी

स्वःश्चेर्त्रश्चरः द्वाः पर्देशः य। । रेगः ५८ व्यवः स्वःश्चेर्रश्चेरः स्वाः पर्देशः य। । १२ वाः ५८ व्यवः

चग केव दें केंग्राइस्रा गुर्मा विश्व प्रास्त्र

৽৻য়ৢ৽য়ৠৼড়ৢ৽ঽৼ৾য়৽য়য়ৢঀয়৻ৠৢঀ ঽ৾৾য়য়য়ৢ৽ৼ৾য়য়য়ৢঀয়৻ৠৢঀ

यर्द्धः शुरूर्द्धः स्था । श्चितः त्याः स्थाः स्

র্লুহরা কুরা বিশ্ব এই মীথ নেশ নিই

<u> ५को'मदे' इ'म'दर्भ अ'वे। । षव'मर्नेदे'द्युम्</u>

यवश्रायक्षेत्रायायसेयाशुरावेदा। । श्रूयायस्या

गुर्व तिवृह्य अस्य स्य श्रुह्य द्या । श्रेष्ट यदे सु

यद्भाश्चन्य । विश्वत्यः श्चीत्रः विद्यः विद

सह्यःत्रा । विवयः यहवः क्रेवः र्यः द्वस्यः ग्रीः यगः

*विश*र्वेग । वयः ठेटः कुः केदेः ग्वेगश्रायः ये।।

<u> लुवारवेर्च र सुदार दावया या श्रु या दें। । श्रु व सी ।</u>

ૡૣૡઽૹૹૢૣૻઽ૽૽ૢ૿૽ૡૺઽ૽ૣૼૡૹ૽ૢૢૼૼઌૣૹૹૢ૽ૣ૾ઌ

य्। विश्वेष्ठ, यः स्वेष्ठ, युट्ट, यविश्वः य

यहेव क्रुका सु ५ साम सम्मा । क्रुके ते कुषा सर्वत

त्वुदशङ्ग्ररःग्चीःवर्देवःकःर्स्चेगशङ्ग्रीग

यहवाशुराउँग । श्रृंवायायहिंगाहेवायसासा

बुँब य दरा । प्रम्नुब य है रेंद्र प्रविव दु म्या

यर्द्र। विश्वत्यद्वित्तुःश्चित्रद्वान्त्रः

धेश । विश्ववाया खुवा सेटा मवश्राय दे रागा विश

वित्र विश्वास्त्राच्याः विश्वान्तेः देवासाय हेन्। सबरा देवासा स्वासित्र

विश्वायत्रयाक्षुर्क्षित्र्याञ्चेश्वायान्यो॥ ॥

[⋕] নষ্ট্ৰ-ট্ৰিম:ষ্ট্ৰ্ৰ-নেম:ট্ৰ্ৰিম্ম:নস্ত:2্ৰ-নেল্।→

्र सर.तपु.खंता.चाश्चर.चग्र.कृशा

৩৩। |२'वस'र्बे, चेबा जैर तपुर, यपुर, यर त्रा, यसबासा है। ससा ग्री. क्रे'उर्देत्। ग्रीबेशकाष्टरगी रयाग्वका क्रेंद्र शें प्रबट में 'द्रायउकाय' शहर्ताततुः क्रूंब र्यापारी यात्रायम रामाया विश्वायत्या में यम् र वर्तः म् शुरुका क्षां। त्रुः सामायायः द्रेतः उतः वार्केवाः यः दर्वे यश्रा । पराधिः यश्रु दः यः देवः केवः दर्वः केदः वा विश्वासूरायेरायदेशयग्राक्षिण्या । विग्रा ব্রাইশ্রান্থার্প্রার্কী ব্যান্থর্যার্যা बयःश्रॅदिःकेःत्यसात्य। विरादित्यस्य सेरायदेःयगः

ત્વુદશ:ૠૣૻૣૣૻૣૻૻૹ૽૾ૺૡ૽ૼૼૼૢૢૹ:ૹ૽ૄૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹ૽૽ૹ:ૠ૾ૢૣ૽ૢૼૺૼ *ঀ৾য়*ॱড়৾৾ঀ৸য়য়ৢঀয়৽ঀ৾য়৽য়ৢৼ৽য়য়৽ঀ৾য়৽ঀ৾য়৸ ८:४८:४४:४:४:४:४५ । विवःर्से:गवर्:गी:वग्: বিষার্টিব। বিশাবিষাবিষারীষার্শী न्नु सं भी निष्य स्थानिय विषय स्थानिय स र्देशः हुतः वगुः वैशः षेद्र। । वगुः वैशः देशः गुरःचगुःवैशःर्वेग । युःक्रेवःश्चेंचः अदेः व्येंदः र्क्षेत्रराया । १८५:स:५अ:क्षेत्राःम्याःभित्रःस्८॥ ন্মা:প্ৰশ্বাইশাশ্ৰহ'ন্মা:প্ৰশ্বাৰ্পণ ।ঐব'ন্বন্না ૡૢઌ੶૱૾ઌ૽૽੶ૠ૾ઽઌૣૢૢૢૢૢૢૢૢઌૣઌ૱ૢ૽૱ૹ૾ૼઌૹઌ૽ૼૹ चग्राःवैश्वःर्षेत्। ।चग्राःवैश्वःदेशःग्रुदःचग्राःवेशः र्वेम । पश्च ५८ मु मा १८ में १५ मु तविरश्चेत्र में र.ग्री.पर्ट्य क.म्रीय श.म्रीय

यग्रानिश्वःर्वेग ।श्वरःबेरःश्वरःयदेःखा कर्म्सर्ने पर्व प्रते प्रत्य क्षित् । प्रत्य क्ष नेश गुर नगा नेश मेंग । तरेर केंगश विंश हीं यः भेःय। । यदेः श्चेदः श्चेवः यमः यगः विश्वः यदा । त्रग्राःवेशःदेशःगुदःत्रग्राःवेशःवेष ।^{डेशःगशुदशः}

¥∭ ||

q. र्र्बे्ब्र-प्यस्यन्यामी यने ब्रामुनाया 🗲

р. 🏻 🛪 🛪 के द राग् री 🌂 🗲

বর্গ ই ক্রব র্য়র ন ব্রুম ন ব্রুম বর্গ হিব মাদন ন্ত্রিম ন ব্রুম

ভঙা । শহরা ক্রবা র্করার হে র্ক্টবারা গ্রী এর্ক্টবা इस्रमाय। विद्रस्यावरात्रावर्गावे भ्रवमास् বর্ষি**র রমমাগ্রীমা বির্ল্**রেমান্তর্মার मुद्रात्य्यायः धरः वृंग । वयः गश्रम यद्गः श्रम् মানব:এন:শ্বমশান্তব:গ্রী। শ্বিগ্রামার্গা:মন:ন্শ্রম: ञ्च प्रते होटा । द्विः यश दयवाश अर्केवा ह्यु र

તલુદશ્સૂત્ર-શું તર્દેવ ઋ લું વશ્સું रश्याचीयाश्रा । द्यारायाश्रयार्देदः चेरास्यः स्व

ૡૡૣ૿ૼૺ।।ૡਫ਼ੑੑਸ਼੶ਖ਼ਫ਼੶ਖ਼ੑਸ਼ੑੑੑੑੑਸ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑੑੑਖ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ਸ਼ੑਸ਼ सुग प्रविदे प्रयास्त्र स्वा विषा मित्र मित्र

नेवासेटायन्द्रग्रस्यङ्गस्रम्। । १४:५८:५ेवः

ळेव.मुव.मुंशःश्रुषा । रे.र्गशःस्रगशःयदेःर्ह्रेरः मर्षिम्बाम्बास्य। सिंद्रद्रम्मासेद्रयां सिंद्रमुन

उवा वित्रकामहिकाई हेरे क्रीय गुरावतुम्बा।

ट्रे.श्रेट्.ञ्च.चर.क्वेच.चहेब.च। श्चिचर्यामवर्यः

गुत्राद्र्यार्टे व्याप्ता | विद्याद्र सेसस उत्रवस्य उत्

गुकासम्बन्धनान्त्रमार्क्षवायायनेवकायमायकात्व। हिंग्लें कु

য়ৢ৾ঌ৽য়৽ঀ৾য়৽ৠৢ৾৽য়ৼ৾য়৽ৼ৸ৼঀ৾৾৾৽ঢ়য়৽য়ৼয়৽

वहुन्सञ्चरक्वैवर्गमञ्जीवर्गमञ्जीव स्ट्रास्त्रीहराह्यास्य स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्रास्ट्र

यम्.मृश्नर्वाकाया ।श्चित्रः स्त्रः श्चित्रः स्त्रः श्चित्रः स्त्रः श्चित्रः स्त्रः श्चित्रः स्त्रः श्चित्रः स् स्त्रः स्त्र

त्रक्षता. त्र्री विश्वः वश्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्ष्वः वर्षे वर्षः वर्षे वर्याच वर्षे वर्ये वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये व

त्रश्रुच, बाङ्ग्या व्याप्त्र श्रुट्ट त्र्युवा ॐ. बाङ्ग्या वाङ्ग्या वाङ्ग्या वाङ्ग्या वाङ्ग्या वाङ्ग्या वाङ्ग्या

नेशःश्रुद्रशा विश्वेर्तःयते यः उत्रः श्रीः लेदः॥

वदःचरुदःश्चेःवर्षेदेःख्यादगःश्चेयया श्चिवःस्यः

य्राचित्रास्त्रान्त्रम् स्वाध्यात्रम् । स्वर्यः स्वाध्यात्रम् । स्वर्यः स्वाध्यात्रम् । स्वर्यः स्वाध्यात्रम् । स्वर्यः स्वाध्यात्रम् स्वर्यः स्वाध्यात्रम् स्वर्यः स

त्रपु: स्ट्र्स्स्य क्षेत्रात्तरः चल्या चर्याः याव्यः स्थ्राः श्रेह्णः स्रितः स्थ्राः स्थ्याः स्थ्यः स्थ्याः स्थ्याः स्थयः स्याः स्थयः स

व्यव्यक्ष्म । ज्वा व्यव्यक्ष्म । ज्वा व्यव्यक्ष । ज्वा व्यवक्ष । ज्वा व्यव

क्षेत्र:म् ।ट्रे.ल्र.श्र.ज.प्यूट्र.तत्र्य्य ।पट्टे. क्षेत्र:म् ।ट्रे.ल्र.श्र.ज.प्यूट्र.तत्र्य्य ।पट्टे.

उत्र:तु:ह्र्स्स:हे:क्चे:प्र-:र्व्म ।क्चे:स:घम:हु:स:पद्ध: रुप:पर्क्चेद:वस्रा ।क्चुःय:प्रस:हुंम्स:पद्धर:मावद: र्देव:वेद:पर:र्व्म।

विष्ट्रमाञ्चराची वर्षेत्र कार्चेग्रमाञ्चीय

नेबार्क्षेणवार्हेणवाहै। ।पर्वेदावसवायोःनेबा

नक्षेत्राविक्षः

क्षेत्राक्षेत्रः

क्षेत्रः

कष्णे

कष

याद्वयवाञ्चेवाशुराठेग । श्लेवायात्रयवायायेता

य'र्दा मिंदाबुबामेंदारु दखेवाचरार्वेगा

र्वेष विद्युवाक्षेत्रकार्यक्षिण देव में के। विश्व

सम्स्रोदिः ह्यें वः यस्रा

૾૱ૺ ૹૠૹ૽૽ૢ૽ૺ૱૱૱૱૱૱૱

र्धे दिह्या हेत्र विश्वासाती विराधिया र्या स्टर्स

णुरुषेग विर्देश्व रित्त स्वास्त स्वास्त्र स्व

ব্য টুন্বা ম অন্তবি: ঝনম ক্রুম: ব্ন গ্রুম: ব্য টুন্বা ম অন্তবি: ঝনম ক্রুম: ব্ন গ্রুম:

য়ৢয়য়৻৴য়ড়৻য়য়য়৻য়য়য়য়য়৻য়৴৻য়ৼৄঀ৻য়ৢয়৻ ঽ৻য়য়ৄৼ৻ড়ৢৼ৻ঀয়য়৻য়ৼ৻য়ৢৼ৻ঽয়ৢ৸৻ড়ৣ৻য়ৼৄ৻ড়৻ড়ৢ৻

অ:ধ্রমধান্ত। । মনতে বিপ্রমান্ত্রমধান্ত্রতার বিদ্রা শ্রুবাস্তর । বিশ্ববিশ্বর শ্রুবাশ নার্থ প্র

বিষশ্ব মান্ত্র বিশ্ব মান্ত্র বিশ্ব মান্ত্র বিশ্ব মান্ত্র বিশ্ব মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র মান্ত্র

त्तुरश्रञ्गरःग्रीःवर्देवःकःर्धेवाशःश्चेत

विस्रास्त्र सर्वेद विद्या विदेत द्वा सेत्

ग्रुस'र्ट्स ग्रुस'झ'र्सेग्र्स'ग्री । प्रदेव'यदे' सञ्च भेरा ह्रीं व त्यरा वर्ते व व व हे। । शुरु त

वर्ष्य्यायम् विवाधीकायस्य । विवाधीकायस्य ।

यकुर्द्वे पा भू य र्वे कु त पे कु कु विकार विकार

৻ড়৻৳৻ঀয়৻৴ঀয়য়৸ঽৼ৻য়ৢ৻য়ড়ৄঽ৻৸ৼ৻য়য়য়৻ড়৻৴য়ৢয়৸৻৸ড়ৢ৻য়য়ৣঢ়৻ ર્કમાં શું સાલુરા વર્દે કા સાર્ક દા છે સા શુ ગા સાર્સે [[

ষ্ম প্রমান প্রমান ক্রিয়া বিষ্ণ করি । বিষ্ণ বিষ্ণ করি । বিষ্ণার্থ বিষ্ণার্থ করি । বিষ্ণার্থ বি

तर्वित्रकाः भूटः चक्का चेटः चतुः शवदा वे. भू. चेटे. चे. तर्वे. त्यां तर्वित्रकाः भूटः चक्का चेटः चतुः शवदा विदः चिका चाः च्यां च्यां चाः च्यां च्यां चाः च्यां च्यां चाः च्यां चाः च्यां चाः च्यां चाः च्यां च्यां चाः च्यां च्यां

বভষাঘাৰমমান্তব্যবদ্য । ক্লিমেরি:ঈূর্যাবর্ডিমা अर्केष । देर मवश मुय प्रदेश्य स्थय दरा। यगायः यदेवः स्टा । यदेवः यः क्रेवः यदेः अश्चः स्यः श्रेषा । गर्वेर यम श्रेर यदे र म यमे गर्य श्री। न्नः श्रेंगः क्रमः नेश्रामः मन्श्रामः गुरः। । भरः न्यरः

वह पृ: १ दुं। वह हैं। तः वै। वह सूद्वे कें। या वि

यार्च्यक्षेरायायो। खार्चाखार्चायाराह्यहा वेशप्तर

गर्ने र इसका पार्चिमका चु रस्तु मका मिलुमा प्यव प्यत्व स्वसा मिलुसा बॅग्बाबव, हव, विका है बा की याद विवासि या या है र क्र्याल इंटा विम्याय स्थात स्राह्य स्थात स्था गर्नेत्। ।दवःवर्गेःहेरःगर्वेवःतेःत्वः सम्बन्धः ग्रीः ৰ্ষ্রিল । ব্রহমানী বেনমানমান্ত্রের শীকা নার্সির यर अर्देन । ग्राट हुई हेवे श्रेर केव न्यय यत्रम् । पञ्चलायो त्यर ५८५५ मा र्ये दे सुर

नुगवार्सेगवा । १८६गवाळेव प्रमुख्या रुप्से

र्कें तसुवादर। । १३८४ दर्ग सर्व साम्री माद्राया

गर्उंग्रह्मा हिं पदे अर्केंद्र विग्रह्म स्थापदे पर्दे वर्वेता । रेट्यायर कुषा वेट विंद ये द्याया यय। विभागविष्यं मारायायर्गायाया र्येदे र्स्केषाचा । मार्ने दास्य त्या क्षेषाचा माउव मा बव

य. रट्याचा वि.च. र्ट्यहिर वि.स्व १ र्था स्थया।

अर्देन। । अ.पश्रुव.च.चरे.क्.रेर.धैर. षदा विंद्यायदे स्रेग्प्यम् दिंग्नि स्रेरस्रे व

सववः मां<u>चेत्रः पश्चितः तरः मेत्राः प्रतः स्र</u>ेवः यहाः

गुवा । अ५:डेग:वे५:य:यश्र५:५े:यश्रय:हॅर:५॥

यरः अर्हेन्। विवःहः भ्रेष्य बनः वनः मर्नेवः वस्यः स्यामिशा । र्यामें सुर्द्रस्य स्वरस्य प्रस्

র্মুমার্মাররিপা क्रम्बायायरीयी पश्चित्रम्बायायार्यया । ह्वी ले. ঀ৾য়য়ঢ়ঽ৻ঽঀৣ৾৻ঽড়ৣ৾ঀয়৻ড়৻য়৾ঀ৾৾৻ दर्गे अर्गे द र्श्वे पश्चाया दु अश ग्री प्राप्त पादा प्रवित र् ସ୍ତ୍ରିବ'ଦାଷ'ର୍ଜ୍ଭଦ'ପର୍ଶ୍ୱର'ପଞ୍ଛୁପ'ସଦ୍ଧ'ପ୍ୟାଦ'ନ୍ଦର'ଧା इ'द्रषुयार्श्रेनबाद्रायुवाबेरायार्वेगवायम्। দ্রীর'অঝ'ৠ'র্ক্রীলাঝ'বেশ্বুন'মবি'অঝ'মর্লির'উল। ୩ୖଈ୕୵୰ୖୣଽ୕୶ୄ୵୕୶ୡ୵୷ୡ୵୷ୡ୷ୡୄଽ୵୴୶ य**अ**५'य'र्नेब'तु'ग्वेर'यदे'यश्र'यर्ह्नि'र्डेग ष्पेष्यु रस्त्रे र्नेः श्रे सार्नु गा त्यान् ने। न्या रग्नान् ने। हमा'रमा'र्ज हुँ।व्र'है। हमा'रमा'वर हुँ।व्र'हे।

५ अ: उत्रः अर्थे तः यें : त्रणः यें : अत्यदः दर्शे देः र्रें ग्रह्मः सुः शुराया इसमा ग्री वया तु न्या ह्या यत्त् सेदी गर्ने र स दर्ने दस्यार्थे । प्रवेश सु गर्से य प्रू है। या या श्रेट विषा र्क्षया या तुव हैं। हा या तुव हूं। मर्तेर मुर्र रम् यमेग्र मुर्य अदे न विमाय ।

र्भ प्राप्त देश विश्वास्त्र स्त्र स् ^{ঀয়ৢঀ}। ৡৄ৾। ৡৢ৾ঀ৴য়৾ৼয়য়ৢ৽৴ঀৢঢ়য়৽৸য়৽য়৽

মার্লুখান্মানা । বিমাধা দুর্ঘ বিষয় শীকা শ্রুকা ঘর্ট अूरक्ष्रिंव रेटा । ब्लिंव त्यस न्यर मेश मन्या प्यदे र्द्ध्यायहें व या । दियया स्वायिक स्वित्रायस्या । अ:५वींदशःश्रुःग्रबेंव्या विंवाः के५:५वाःववाः वाः

বেখাব্য:ইপ্রসা ইিব্য:বা.পার্যরে র্ট্র্যুর্যুর্ ग्रीकायर्केरायरासर्देत्। ।राक्षायर्गार्केर्भका यदे द्रवर शुर हे। | पश्चे द हें ग्रह्म हर दहें त लय.जय.श.क्ट.रटा विश्वट क्रियेश ग्रेटश छेट. ज़ॕॺऻॱय़ॸॱॿॖॕॸॱय़ॱॾऺॺॾऻॎऻॴॺॱॻॖऀॱॺॺॣ॔ॺॱड़ॣॖढ़. यबाये वेंदे द्वरम्बिब है। दिया ह्वा सार्कर শ্রদিমারমিধ্বান্তমশ্রেদ। |यगवादरार्देर

पर्वित.कर.केंग.बीर.त. प्रश्रश

ादहेगा हेव खें

র্কুমাঝারপ্রথা ठ्दे र्स्टेंग्डा ग्रीडा प्राचेंद्र यर अर्देद्र। १८.क्षर য়য়৾ড়য়য়৾৻য়ৢয়য়ৼ৾ঢ়৾৻ৼয়৾য়য়ৢয়ঢ় |ন্দ্ৰন্থা के**अ**ॱयदेॱळेंगअॱह्रअअॱ८गॱयॱ८८। क्षिय:चंदे: यक्ष्रवायाध्वातुः यशुरायात्रा । । त्यायकोषाकाः तर्वायदे अधु इवाद्रें अध्याप कुँवा हिं। दुर वग'न्श्'र्ग्नेद'विष'चदे'न्ग्रेथ'वर्षेद'र् चंदेःगतुरःवर्द्धेवः।वस्रश्रःगश्च्यःचत्त्रःवत्यःस॥

त्दतः चगादः र्हेः ह्रेः द्र्यः क्षेषाः षाप्तृदः श्चीः षाक्षेरः। ऍट्यः शुःधेः षार्पेटः त्द्रदः चरः भ्रेः चश्चीदः ग्राटः। । याययदश्चात्र्यरक्षेश्वर्ते द्वार्थः विश्वर्याः विश्वर्यः विश्वर्य

「 製口、

इसायार्स्टरमहिंदायदेख्टात्यसाट्टा

यनग्रार्शेयनग्रार्शेयहेगाहेतार्थे त्रास्या ब्रग्रस हे केव देंबा कंट यम प्रस्य र गर्सेय। क्ष.य.प्र.ता क्षेत्र्य.प्र.ता क्रूं.ची.प्र.यी. ग्रु'य'षम्रु'तै'न्'र्थे'र्डुंईः केंप्रई'र्अ'न्'र्अ'य' སོགས་དང་। कें' स्वश्नः गुत्रः तृशः कुषः वशः ५वदः त<u>भ</u>्र-रेटा। ।ळें स्वशःगुव हु तक्ष्व य वश्रुट यह्रे.तद्री । अग्रेंब.त्र्.यच्ये क्षेत्र.व्रेंचे.त्य.विय. वर्कवावी विस्तिष्युःगीनी वस्तिषीगीनी वस्ति ॸॱॻॏॱवे। ॸ्ऽॱॿॄ। ॐॱॸऀॱॺोॱॸैॱॺो। गोॱॸेॱकेॱॸे। वे है'य'ह'षे'श्रु'ह्य कें'स्यश्र्वेत'वश्र'प्रथत'

यङ्बाय। ।५.७.५८.५५.यङ्गव.त.मुबाय <u>বন্য বিব্যাক্তমাস্কলারেরী মার্থের মান্তর্মা</u> यःषी । ध्रिः वदः यदः कदः वस्र अः उदः विः यदः विषा यनगर्भनेता अर्देदश्यायात्रासुदायसूत्राया ।दे चल्वि.योक्यंब्राच.वज.च.ल्री । रेचट.स्.खंब्र <u> चुरम्बुरप्रते स्र्रं। । मत्मा स्टर्स्यप्रते मत्यानुः ।</u> इसमा विदेव यदे वित्रमः द्रम्भे मान्या ग्रम्। र्केश ग्री पत्र १ के १ वर्ष मान्या के अर्देव'यर'ग्रद्धय'ङ्गे। । रद'रेग'णे'वेश'अर्देव'

यद्यान्त्रीया विषयात्त्रीयायात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्री

इटःसरःत्रअःस्कारक्षं केत्रत्रभू स्वत्यः स्

रै'षै'वि'गैशवश्रम् षेषि स'न्याः श्रेन्'त्रुन् हिंद्यर

ब्रुट्या ब्रिट्टियरेट्टिययाये वेशकी विद्या

क्ति। शिरः श्रम्भायम् तायदः रिशः भ्रम् तायदे । यर्थे

क्रैं स्वायवसर्वेद् केद् देश । षि वेश्व वर्द्द हैं

ฏิส^านสูนสาร์ `र्रे : มสู่รสามิราฐมา । ४ : यकुर

त्रु'य'षे'न्य'क्रु'र्ढेंग्र्य'न्र' | | न्यद'र्वे'यावद'

दर्गे केंबा क्रेंट केंगवा श्रुव द्रम्या । यत्व ग्री वया अविरःश्वेतः प्रवेतः यहित्र वार्यः यहः यहः विश्वायवे वरः য়ৢয়য়ৢঀয়ৢয়য়য়য়ঀৼ৸৾য়ৢয়য়৻ঀৼয়ৢয়য়ৢৢয়য়ৢৼয়৸ৢৢৢৢৢৢৢয়য় য়য়য়৽৻৴৽ঀয়৽য়য়৽য়ঢ়য়৽য়ৢ৽য়৴৽য়৾ঽ৽য়ৄয়৽ ग्री:वर्षेत्र:वें:क्रु:केव:वें:वरी नदःवर्वव:ग्रीकात्त्रयः यर:५वा:य:क्री:व:क्रेर:य। दें:वें:क्र्य:यर:५वा:य: ष्युःवीःगुःवी अर्द्धवःविदःह्मसःयरःदगःयःवःवः

पर्रुक्त के अप्तास्य स्त्री स

यदेःगव्यासुंगुरःयःवे। विवःत्वययःग्रेःसःयः यग्यःचकु्दःत्वः अः इस्रश्रःग्रीः वयःदुः। दृदेशः શ્વા' શું કુ વા બે નુસા ક્ષુ ર્સેંગ શ્વા કુસશ શું જાય તુ দ্ব[.]ন্দী দ্বিথনান্মী: স্ক. অ. কুমাৰ্সী মার্কী ম ग्री:वय:र्नि:३। पदुःषाश्ची:५:याम्न:३। माहःइग्रा यामुकी हैं। चलेरमानेगामुसम्माननेरमा च्या वियायः वर्षेट्र स्थाः अत्वर्षेत्र तर्कता दियाः वहेंत्र अविवः वर्षे विद्युअ मी विदेर ग्नेग्र र्सेंग्र गुं अर्कें ५ या चलेश यलेट्या:वेषा:धे:द्य:द्वयवायलेट्य:वेष हिं:हे: सवा.श्..भें.पश्चेंट.तक्ता रिवाश.र्ज.श्वर.पर्जे.

বর্ষাস্ত্রী'বর্ষা বিবৃহ'ন্সনীন্ম'র্স্কুনা

सुक्त द्वाकातातायक्षणा द्वी यावेटकात्वीयाः भावतः वर्त्ती स्थाकायक्षणः अस्ति । स्टास्ट पायकायकाः

चन्नेनाश्चःश्चःमञ्ज्ञा । ५६ र मन्नेनाशः र्क्ष्नाशः मुः । भेना रेमाश्चःशः यानदः ५ स्वां श्चुः पश्चित्रः मुः । । ४८ र ४८ मान्यः । ५५ । भेना रेमाश्चः यानदः ५ स्वां श्चुः पश्चित्रः । । ४८ र ४८ मान्यः । ५५ ।

য়ঀঽ৻ঽয়ৣ৾৻ঽঀ৾য়৾৻য়ৣ৾৻ঽঀ৾য়৾৻ৗ৻ঽৼৣ৻৸ঀ৾৸য়৻ ৴য়ড়৻ড়৾য়৻য়য়ৣ৾ঽৼৣ৻ৠ৾৻য়ৠৣ৾৾ঽ৻ঽড়ৢড়৾৻ৗ৻ড়ৢ৴ৠ

क्रूचबाक्री:अक्र्रातायखेळा ।द्वी यखेटबासीचा. जानस्यत्या स्थल क्षेत्रस्था ।स्रोत्र नासीनाय

क्र्यःश्चिरः इस्रयः प्रवेत्यः भिष्णः स्थाः सक्र्यः द्वाः वः श्चिरः इस्रयः प्रवेत्यः भिष्णः स्थाः सक्र्यः द्वाः

ॻॖऀॱॸ॔ऄऀ॔॔॓॓य़ऄऄढ़ॱॶॴ ढ़ढ़ॾऒ ॴॶॴॴ ॴॶॴ वलेदशःभिग विह्याःहेत्रः अर्गेतः म्यान्भुतः

वर्कवा विह्नमास्त्रेन सम्बद्ध वर्जे वस्त्र मुं नस्स्रा

ঘৰ্ষা ।হুঁ।

यर्नरमनेग्रासर्वेग्राम्भःग्रीसर्वेर्पयावित्रा ।हुँ। यवेदशःविगःर्केशः श्चेदः इस्रश्यवेदशः विग । दसः उव कु अर्के अ न अर्के र तक्या निगय र र्के र अपिय दर्शे दर्श मी दिन र में ने मार्श हैं मार ग्री अर्केन या प्रवेश । द्वा प्रवेत्स निग विर र्स्नेट इस्रम्यवेद्यः विम् । मायाः इ.स. श्रुप्तर्श्चेत्रावर्ष्य। र्थे चरमापर ह्यें र दं रे वया । यर्र सर्वे व सेर गर्नेदःषवःषुअःष। विगःर्वःक्ष्रेदःददःशः वः

ঐঁ'বর্ছ'গ্নু'র্বৃত্ত'শ্বু'ব'ম 'ম'শ'ম'শ'চ'র্বস্য'র্বু'র্ছ'(ন্নু'দ্বি) ัตับส<u>ร</u>์ สิ่งสังฮ์ สิ่งผิงธุงสิ่งสิ่งสาสายาสิ่งสูงสาตา हर्ज्यासुर्मामुकी केंस्विर्म्ग्रनमम्बर्धान्यः बाया से भू सामा हार्डगा युः ही विश्वासाहार्यः याह्य द्वः यो दे दे स्याधः के स्थापः के स ર્જી ત્યેં ગાવુ કાર્વે ગાટુ ગી તે જ્ઞાય રે ભૂર ગાઠ

यदुर्'रेग'र्सेय। । तर्र-Xर्सेग्र|अ: द्वार प्टीं र घस्र। उर्'या । अर्क्रेग्'र्ट्स्युर्'र्सेट'र्ट्स्यंगुटार्ड्स्या।

वत्या । यार्थे न्ते प्वतः स्वाधारी साम्ब्रीमा । वर्षे मा म्नेम्बर्क्षम्बर्ग्यः अर्केन्यः यत्वेद्या । मन्द्रयायन दर्न या चुन शुभार्के प्रभा । विकास महिन दर्न या

র্কুমাধ্যবেশ্বপ্রা

बायारी:सृप्रामाहार्डगाःसुःहीतृःही क्षें:सानृगाःताः श्रेर-दृः सुन्य श्राय-श्रेन्यु र माह उंग् सुः ई। बेशर्क्षेण्यत्वत्य। हुँ। धे ५ सः गुत्र ५५६४ सः चदेः त्रु या अर्केन। । नुर्गोव अर्केण गुव वत् शास नदे त्तुः अर्केत्। किंकार्क्केतः ग्रा्वः वर्तुका सः प्रते त्तुः अः য়ড়ৄ৻৾ঀয়য়ড়য়ৠৄয়ঢ়ঢ়য়য়ঀয়য় उवा । दयया खूव खूर र्से स्टा सुदा सुवा से ।

कुयार्चि इसासरार्धे इसा श्रम्भा है । ये प्रमान हैं । है यो मानारा श्रमा सम्बद्धा श्रमा है । यो प्रमान स्था सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम

अकेन्'क्ष्रा'वर्षेर'न्ट'यङ्ब'य'अर्केन्'यर'यश्चे॥

यष्ट्रव'य'र्श्केट'र्ह्मस्रक्ष'या । <u>विषाधे</u>र-१'र्थ्यप्तर्

र्रे स्यायर्केमामे ।मिर्हेरायासायकुरायकुषार्थान॥

र्द'ग्नद'र्स्युदे'र्सेद'ळ्च'सर्केद'यर'यत्वेश। ।

वर्रेन खेंब स्वान्य निष्य मिन स्वानित स

विं'व'षो'गुव'यबद'अर्केद'य**ब**'अर्केद। ।बिंद'ग्री'

र्भ्रेव'न्य'र्धेव'हव'र्ह्यम्ब'य'नेदी । यावब'र्ख्य' है'चबेद'हेंगशयदे'श्चेंगशुसग्री। विश्वेंद'य'स' खुबायाधिबायङ्ग्रेंदायमायग्री । ब्रिंदायायदेंदा र्देव मर्बेय या यह या या है। । यद मार्से मुका सुन

वासर्केमान्दानुदार्सेदामी । निर्देशम् वास्त्र में वा

य'भी'तक्ष्रव'त्य'गर्वेद'त्रेद'त्त्रस्य । । तद्ग'नीक्ष' वयायायतेवरुर्क्षिणयायी। विकायाराक्षेत्ररु यञ्चयः तुः गर्बेष। । देः सुरः सर्केदः यङ्केदः ददः दिः उर्'गुर्व। हिंग्रायदे'स्रद्याः मुसःर्गे'दयदः तर्वेतः धुरावर्षे । विश्वार्मरामा अत्रावर्षशा गुश्चा महिरा यातव्याबेटावर्नेन नेवाण्या है। यष्ट्रव सूटासवर व्या

र्डस'रेट्र'य। श्वित'र्वश्राम्स'य'धे'त्रवेट्र'य'गुर्वा। বদ্ৰা'লীঝ'ঝ'ঝৢঝ'ৠৢম'দ্,'বেয়ৢব'ঘ'দ্দ'| |শায়ৢ'

यर्ने यार्बे याचार्या । १९५ यम के मेरावर सेर

ৼৼ৾ঀৄৼয়৸৾৾৾ঀয়৽ঢ়ৡ৾৾৾য়৾৾৽ अर्थेव से प्रता । इंग्रंच या रेंव या के अप्यत्त यर्व सूर्थे अर्वे व **ब्रिस**:श्रेश:श्रेगश:घ८म: श्चेत्रात्रः हें येग्या । श्वेत्र सर्गेत्र वेद श्चें दर्ग्व *ऻ*য়ॱয়रुवॱश्चेरॱয়৾৾ঀ৾ॱ৻য়য়ৼ य'न्य्'क्रयम'न्टा ।न्य'चवेदे'ख्'र्ये'न्यय्'यी मुयार्थे पति । । प्रयम् ध्रुण हेरायमु ५ पह्र या यञ्जित्र प्रदा । । अष्टि स्वार्ट्स क्रियायणः निबार्से रेटार्सेग्बा । ध्रुः ग्रुःगविः यद्गाः सद्युः र्वे स् ব্রি. ঔ. দাঝ. প্রানর . শর্ম সা. লাখা. ans 751

गर्नेरकेव में दर्। । श्रुव दरम्य गर्भेर द्रुय

८२:बदःर्सेग्रम्। ।८६ँसः५र्चेरःधे८:ग्रीसःश्चृतः

द्यवाद्यात्मुं अर्क्षेते खुषाकान्यात्मुं मान्यत्ये । वित्रे खुषाकान्यातम्भनः। विश्वास्य वित्रास्ये রুণাঝ'ন্ম'না । শ্রুঝ'মর্কুমা'র্মা'ন্রি'রুণাঝ'

२४:२ॠ८। ।२५०:५३:३७३४४:५४ নশ্লুদা। । ব্রুগ্রাঝর অন অ্রাপ্রগ্রাঝা ব্রা বঙ্গাদা । শ্রিমাঝানস্ত্রমের্মার মিনেপ্রমাঝান্মা नङ्गरः। |देग्रबायःर्देवःग्रवेबःश्रग्रबाद्यःनङ्गरः।। ट्रेग्रबायाद्म्याग्रुयाद्यग्रवाद्यादञ्चदा । व्यार्थेः यतुत्रः ग्री: श्रुषात्रः त्या यञ्जादः। । श्रीदः र्ये: यत्नेतेः नङ्गरः। । रुषः चले ः भ्रः सेंदे : श्रुषा वा रुषः नङ्गरः। ।

ध्या हेर प्रमुद ध्या वा द्या या स्वा । । पहन स

র্কুনাধারেথ पर्रुःम्केशः द्यम् अः न्यः पङ्गिरः। । श्रुवः ५८ : यदः ষ্ট্রঅ: হ্রনাশ্ব: নুম: বশু: নুম: বশু: মর্ক্টরি: র্ণাঝ'ন্ম'নশ্লুদ্। |র্ণাঝ'ন্ম'নশ্লুদ্ঝ'নর ঀৢ৾ঀॱয়ৢয়য়৾৾৾ৠ৸৾৾ঀড়ঀয়৾ড়৾৾৽ঢ়য়ৼ৾ঢ়ঀ৾৾য়ৢ৾ঀ৾৽ঢ়ৢ৾ मर्सेया भ्रिः दरः चरः करः चर्त्तेषः हुः मर्सेया ।

<u> ब्रेव यश्च स्थाय वि पश्चियः हुः गर्सेय। । ५ ग्रेथः </u>

वर्षेत्रमानुबर्धेर्द्रवायाचे। निबर्धेद्रश्चित्रस्

र्वेरःयःरे। विद्याःस्याःस्याः वर्धेरःश्चितःयः याः । र्रे हे र्रेक्ने न प्रमान हैं हे अके न

यङ्बाया । श्रीयावदायश्रवायाच्याविष । র্মুখান্বপ্রথা

र्ह्मेंग (क्षु'इसम्भ'गुर्द्ध'मुंद्र'र्द्धम'र्ह्मेंग (क्षु' श्रेव:इस्रशःग्री:रुग्गःग्राचेर:र्ज्ज्ञेग ।प्रचय:क्रेव: यक्तुरःग्रीःग्रेचरःदिवशःर्त्तुग ।ग्रिवःहेःर्धःग्रेदेः तवितात्त्र्रम् भूषे । वर्ट्स्स्यम् अस्य मुन्त्रस षिः र्ह्मेष । याः र्वे द्वयमाः ग्रीः श्वरः र्ह्मेष । ग्राः केवः द्रस्य भी प्रकेर पार्ज्ज । मार्ने र ह्री व द्रस्य शा री শ্ৰহ্মব্দ নিহ্ৰ শ্ৰী ক্ৰু শ্ৰহ্ম নৰ্ নুৰ্ শর্ষিক। । ক্রুক্রর্নির বিট্রহর স্ক্রুন্থ ।

सम्बदःदर्गेदेः विषाः वरः चर्ज्जेषः हुः मर्श्वेषा । द्युदः याः भारतः दर्गेदः विषाः वरः चर्जेषः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्णेदः चर्

খ্রী ধ্রিশ্বরাশ্রী:শ্রীঝাসূর হমঝাডেন ক্রিশ বিথা ब्रॅंदेर्ग्यासर्देवरवर्ज्ज्यार्म्यया । ब्रेंदर्गुः श्रूवः त्रज्ञूद्र'ग्रह्मेर:देवेद:र्स्केंग्रह्म गुर्ह्म । हि:क्ष्म्र चर्मायः पञ्चीं श्राचः स्थिन स्थान स्थान । स्थाने श्रा सर्वेव देंदे सु र्सेव वादिंग राउव वास माने वि वदःग्रबदःचदेःसर्केदःग्रेन्द्रःयदेःचवेदाःय। । <u> नृग्रभायकुन्यस्त्रभ्रम्भन्यत्रेक्षेत्रस्यावेत्रम्यस्ति।।</u> **ૹ૽ૼૼૼૼૼૼ૱ૢઌૺ૱૱૱૱૱** रया उँहा यशुहा यञ्ज्ये दी में र्रेंड वा ष ब्री:हा यायीं:हा या दृःगीं:वे:मे:वःमे:व्रु:हे।

यशुःवा हुँ। यगादःयक्कुनःत्रुःसाधिःनसःनदः। ।

र्हे हे चे र वग उवा विवेर ५५ मा वर्षे र ५५ मा व ह्यम्बर्ध्ययञ्चरा । धिःवरःयरः करः वेःयः रदः॥ য়ৢঀ৾৻৸য়৻য়য়৻য়ড়ৢ৾৻য়য়ৣয়৻ঢ়ৢ৻য়য়৾৻৸৻৻৻য়৾ৼৢঀ৾৻য়ৢ৾৻ শ্বুব'নশ্বুব'শ্বর্থম'মির'র্ম্বর'র্ম্বর্যান্ত্ররা। হি'য়ৢম' यग्रदःपर्क्केश्चरक्षंग्रयःग्राधेयःयम्। ।धेःवेशः सर्वेव देंदे सु र्सेव वादिय पाउव वास माने वि

द्वाश्वात्रज्ञुद्वात्रश्चरम्बद्धिः द्वसुव्यक्षेत्रयम् अर्दिद्या क्षाः स्राप्तुः गाः व्यागाः व्यासाः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्व

वरम्बरम्बद्धः अर्केन्मिन्स्दि म्बिक्षः या

श्चीः ह। याः वैंग्ह। याः कृषीं वे से । वा से । वृः हे।

বের্বাঝার্স্ন নেরবারার স্পুনরাবের্ন স্ত্রুমা স্ত্রুমা ব্রুমা मुश्राम्बर्यायक्रंमित्रम् ग्री निश्राश्चीस्यायर्गितः मुयःहेवःयउद्या । ५ श्रेम्बायःयदेःहेवःयःयगुमः यङ्गेत्रायञ्चल। निःविगःयर्रः ङेरःञ्चरङ्गः श्चर। । पश्चेश्वरायदे प्रशास्त्रशास्त्र शास्त्र होता । प्रययः वयमः अः दृग्गुः वः ५८१ । (धुअः मञ्जिषः ञ्चः र्रेशः श्रेः स्वयः या । प्रमादः वर्षे रः कुः सर्हेदेः वयः रु: प्रष्ट्रया । चलेबाकीयाः रेताः स्वाप्तः स्वाप्तः हो। । श्वाप्तान्यः गठ्यः संस्थाने । यञ्जूयः संस्थाने क्रुन् इन् व अर्केन् यः वेष । । नुयः यश्रः यन् वः श्रायाया विश्वन्ता क्रिकालामधीर्यः र्वेशास्या व्यावः है। इया स्याप्तः है। इया स्याप्तु व ह्वीं वि है। इग्-रम्राः क्र-रह्यां प्राः है। रयः उवः यर्षे वः यें वयाः यें સાવત તર્ને તે ર્સુયા શાસુ શુરા ઘા **ફ**સ શા શું લાગ તું **५**अ:इक्ष:पर्५:३दे:वर्षेत्र:यांदर्:दत्य:यां । यवेशःशुःगर्शेषः।पूःहे। यःयःश्वेदः(प्रगःर्क्षयःयः चिर्-अद्यः निविधाः याचा द्राप्तः हो वेशः वरः अग्राणः ५४[,]४४०४। वश्रुव। **४.५५५.८.५८.५८.५४४.८.५८.॥**

য়ৼড়ৼয়ঀয়ৼৣ৾ৼয়য়ৣ৾৾৽ড়য়য়ৢঀ৸য়য়ৢয়য়ৼৼ

वै'वश्चीर'वञ्चय'व। ।रे'गुव'सर्गेव'वेंब'वर्चेर'

ष। क्रेंच्रिसन्गायषमात्रीनिन्तिक्षं क्रेंचई **अ**'तृ'अ'अ'८'^{ऑग्अ'}रः। कें' स्वश्रागुव'वशक्वाय' यश्चर्यदःपञ्चरःग्वेदः। ।क्रें:स्यशःगुवःहःयङ्गवः य'म्बुद्द्रास्द्र'यदे। । अर्थेव दें अधुक्रेव हिंदि त्य मुगायर्जयायी विस्त्रीष्मामी वी वस्त्री यी वी वर्:बेंफ्:ग्रीबी 55:ब्रा केंक्ने:बेक्ने:बी गीफ़ेंक्नेंकी

वे.हे.त.ह.लु.बै.सै। क्ष. रतश क्र्य. ४४.२.की.

यक्षाय। | दि.क्षे.ट्रेट.पर्टेट.यक्षेष्रया.मीक्षाया. यक्षाय। | दि.क्षे.ट्रेट.पर्टेट.यक्षेष्र्याया.मीक्षाया.

「「四方町、ま町、黄畑、R道・エの道・エの道・ファーロます」 「一道」 「はらると、ロエ・あり、日まま、ままで、一方では、日本・首町」 まま、町と、およ、は、まま、こま、中ままで、ままま、かまま、

৽৽ঀ৾৻য়ঀঀঀয়৾ঀ৾৾৾য়৻ড়য়ৼঀ৾৻ড়ঀ৻য়ড়ৢঢ়য়য়৻ ৽৽ঀ৾৻য়ঀঀঀয়ঀ ৽৽ঀ৾৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়ৢয়৻য়য়য়৻য়য়য়৻

चल्रेष्याचनम्बा सर्वेदस्यायात्यात्वी दियस्यात्वा

इसम्। विदेव पति विप्ता द्वर क्षेत्र पति विर्वा वि

क्षान्त्री । प्रमुख्य स्थान । यहमान्त्रे । क्षान्त्री । प्रमुख्य स्थान । यहमान्त्रे ।

सर्वित्यर ग्रुट कुप है। । रट रेग ले ने बा सर्वे ग्रु-१वर्भा । अदशः मुर्भायक्ष्रवः यः पश्चरः सुरः तु। โதิ่ราระามิานสุณานฐิท**ม**านมาศิท | प्रमाण्डीयार्ज्जेया त्तरा.चेरच। क्र. ईशायदः सैचन्ना क्र्यां संबेश.च. द्वेव. चीव. चित्रः शवर.रविरः। चेरस.बार्स्य.बीय.वस.वेध.बार्ष्ट्र.क्षश्रशा रक्षर.बार्ष्ट्र. कु.च। शक्र्। सिंटशा ≆ट.टेटा चीत्रवा.ग्रीश.चर्मीव.त.क्रूट.टी.चचेशश. यदे: दश्काः श्रु: यत्वमा: यदे: अधरः यक्क्ष्यः । क्क्ष्यः यहः क्रियः । यहः क्षेत्र:बद:वश्चुत:दर। द्याःक्ष्य। इटःग्रेत्रःमुबःघरःवहटःवशःवर्वेदः पर्यः चुँग्राम्याम् चेयमः चुँग्रमः पर्यः प्रमुद्रः वमः तयरमः विदः। स्रोतः पञ्चेग्रम्॥परापञ्चेंग् हःमें। मुलान्युरम्। अधरान्रेंम्यायुपान्नुरापः हुव.मुब.तर.वेर्। । षुब.तरर.मूर.वर्ग.मु.क्ष्मका.तय.व्याहरा.ह्र.

हेबालेमायावितःकेनानुष्वाचार्याः व्यक्षा उवायायने व्यवायान्याया

द्रवा तर्द हूं हुंदे वाईवा जवा श्रृंत वाके रावर दर्न के न वो बाहा रूपा स्वाप्त स्वाप्त

 $\begin{array}{lll} & \text{ } & \text{ }$

বহুল.জ.वीर.পর্যুথ.<u>দুধু, ধুরা শং</u>রবিপ্ন পুরা.প্রিল.বধু, শ্বীব**রা**। শ্বীল.

अर्क्षेत्रा पर्डे : सूर पदे: बेद : ब्रेंब्र : सूर : त्यः तर्देद : क्षः श्रेंब्र श्वा व्या विदश्चः दुः स्पेर : यः

श्रुट्रत्तश्च.चुंश्च.ट्यूं जुब्बश्च.एकुजा। वश्च.मुब्ब.शहूंट्र.टी.चर्थ्वेब.श्रुं.बींट्य.तम्.चग्चीश्व.ता.जबश्च.खुश्च.वि.वर्बी.श्रुंज. ट्यूंश.क्ष्य.खेटा.शज्च.श्चश.स्ट.श्चॅंच.श्चिय.ता.बीश्च.वश्च.स्टा.खेय्.क्यूश.